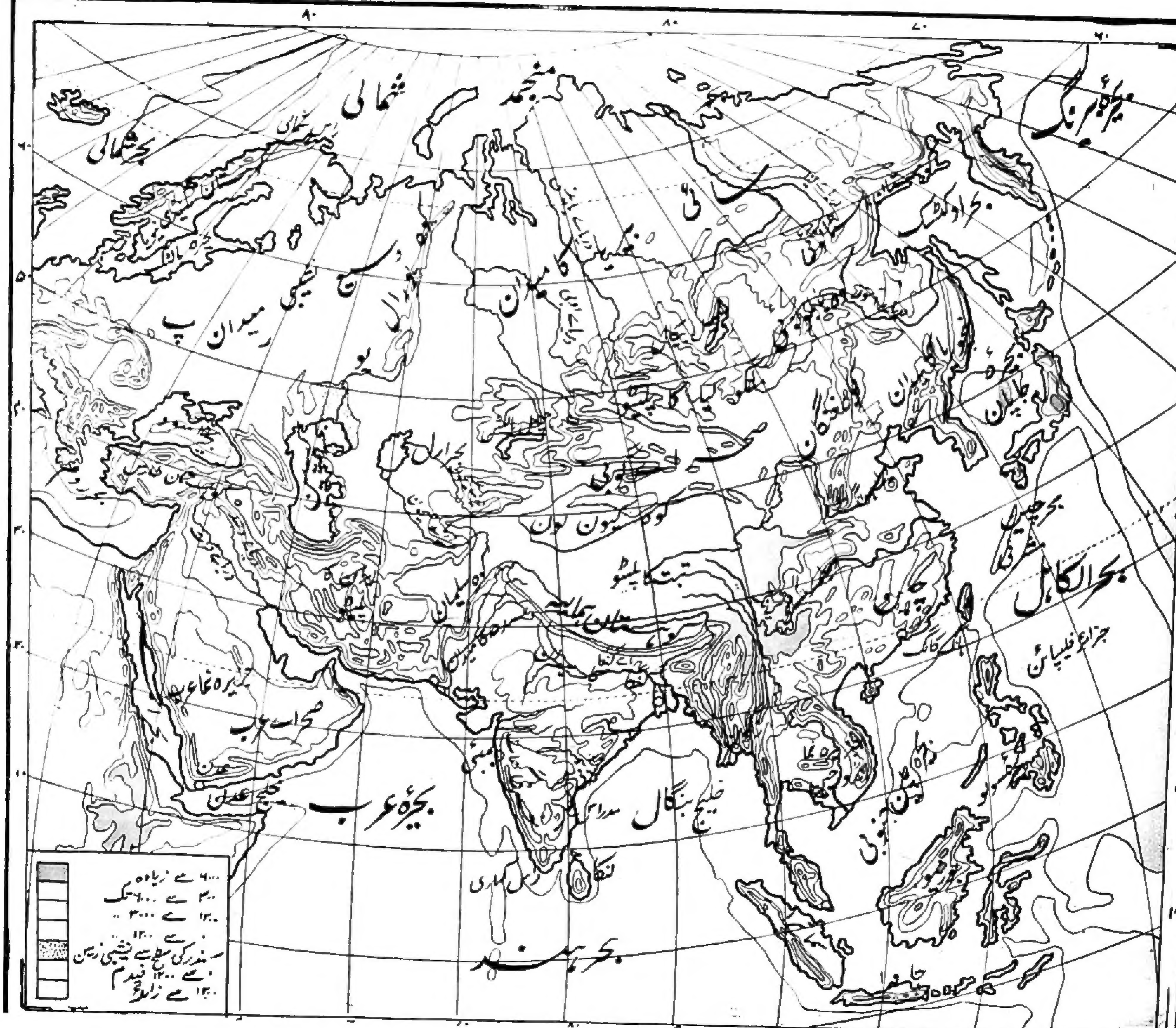
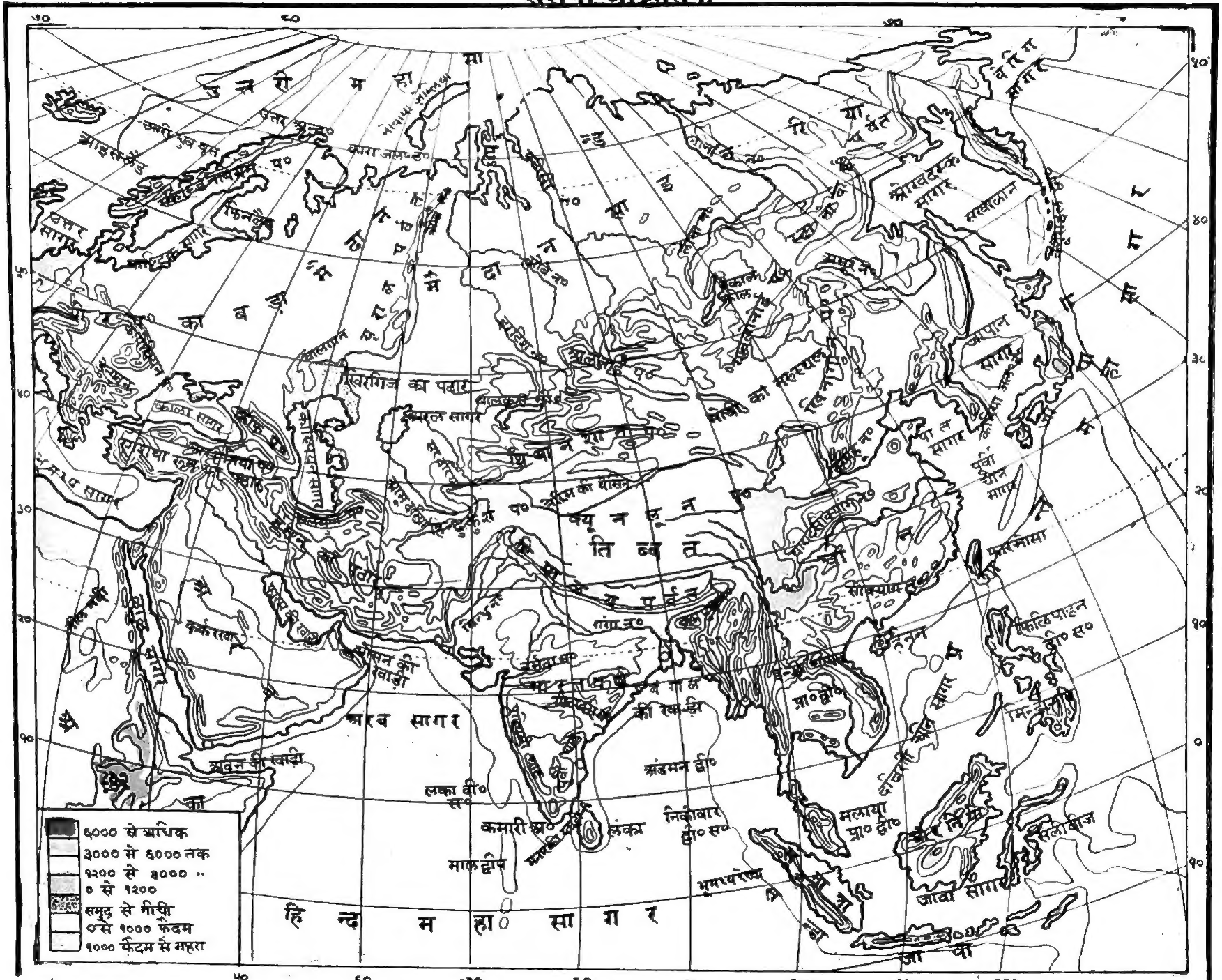
ہندوستان بالتصویر

Hindustan Ba-Tas


بحر منجمد شمالی
بحر شمالی
صحرائے عرب
بحیرۂ عرب
خلیج بنگال
بحر ہند
تبت کا پلیٹو
بحر الکاہل
جزائر فلپائن
جاپان
لنکا

एशिया-प्राकृतिक



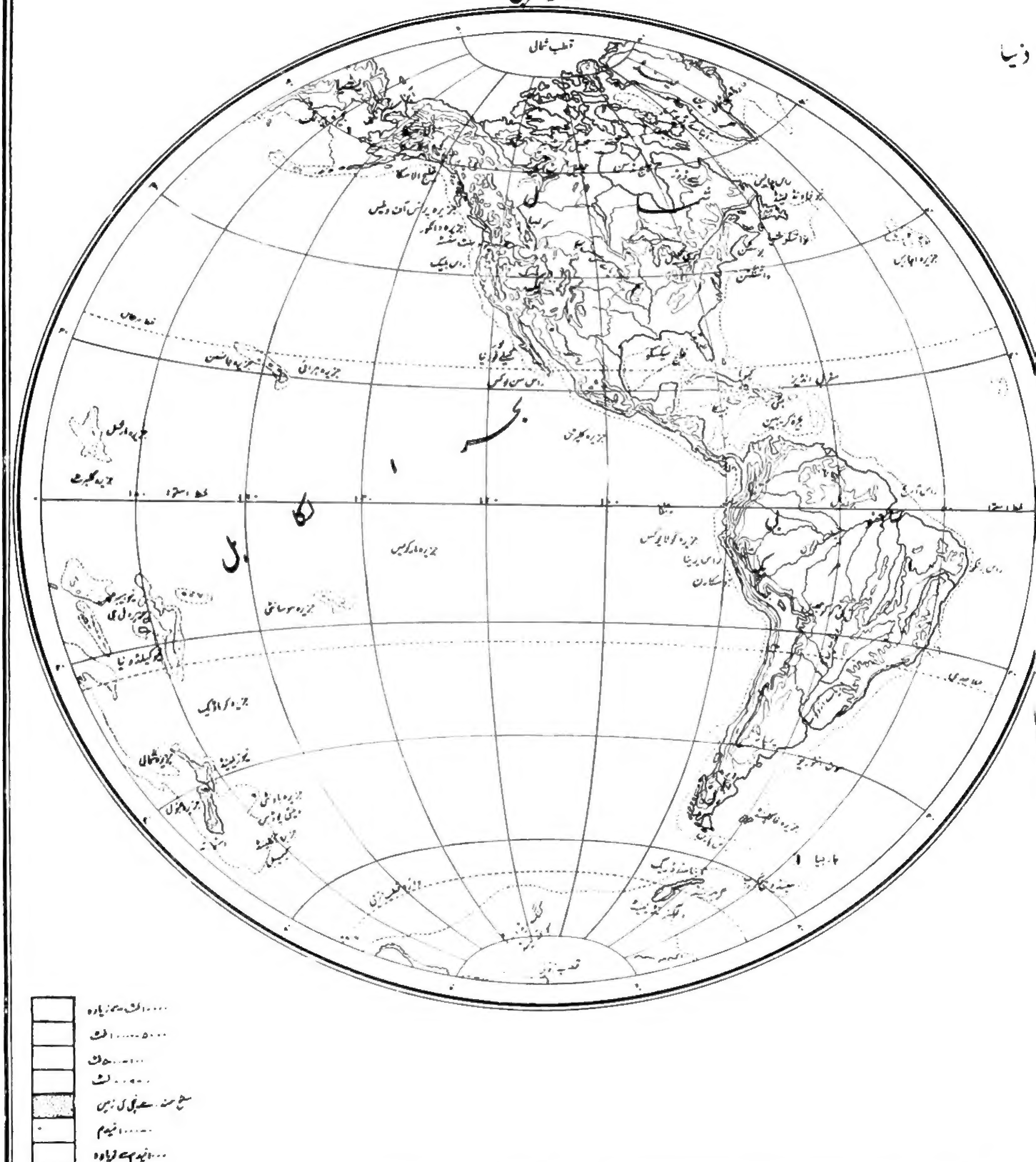
उत्तरी महासागर
तिब्बत
अरब सागर
हिन्द महासागर
कैस्पियन सागर
काला सागर
खिरगिज का पठार
अराल सागर
जापान सागर
पूर्वी चीन सागर
फारमोसा
अंडमन द्वी०
लंका
मालद्वीप
कमारी अं०
मलाया प्रा० द्वी०
जावा सागर
सिलीबीज
आवा
भूमध्यरेखा
अदन की खाड़ी
फारस की खाड़ी
कर्क रेखा
फिनलैंड
६००० से अधिक
३००० से ६००० तक
१२०० से ३००० "
० से १२००
समुद्र से नीचा
० से १००० फैदम
१००० फैदम से गहरा

نصف کرۂ شرقی


قطب شمالی
بحر الکاہل
بحر اوقیانوس
بحر ہند
بحیرہ عرب
خلیج بنگال
آسٹریلیا
خط استوا
قطب جنوبی

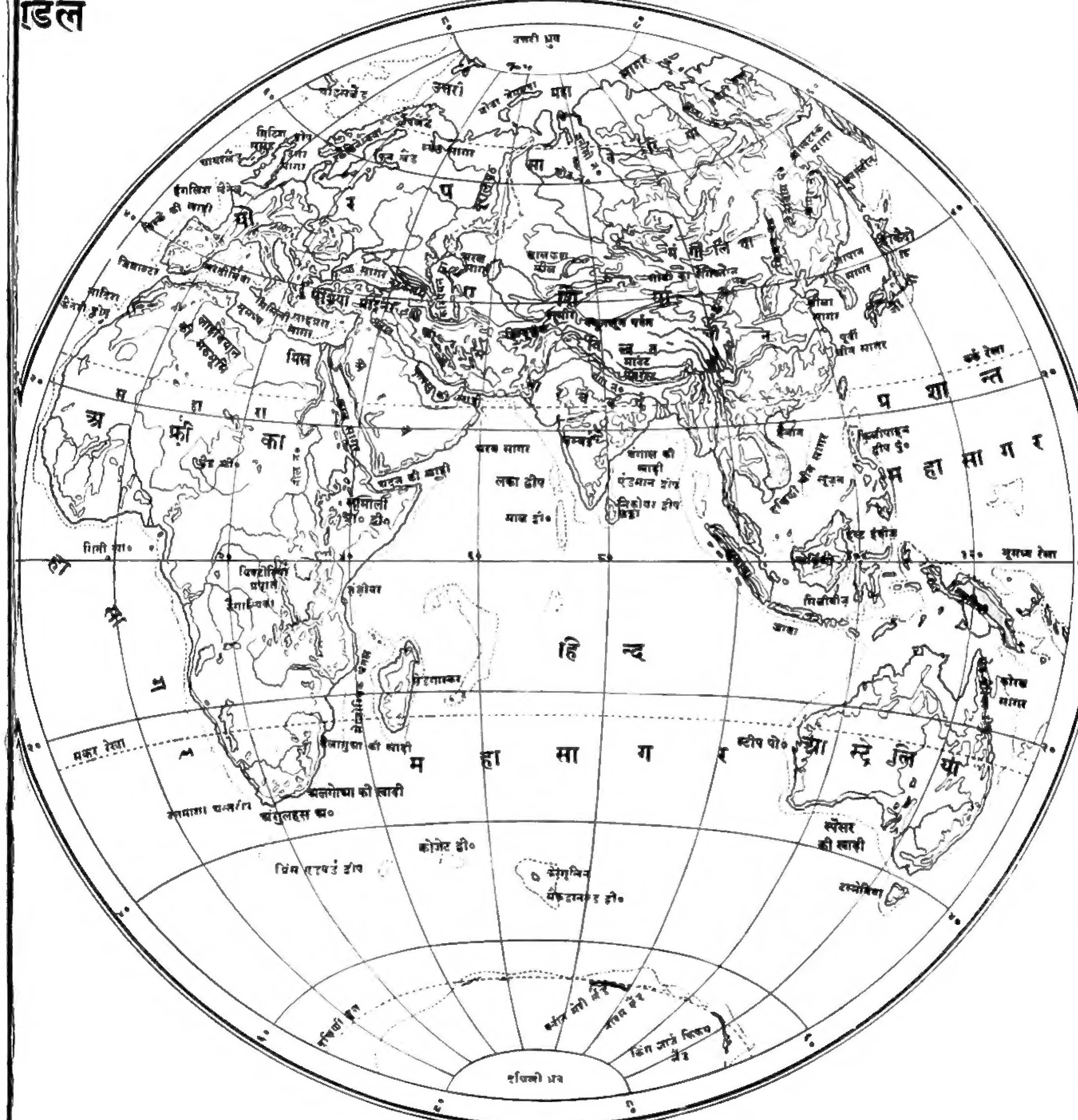
دنیا

نصف کرۂ غربی



ण्डल

पूर्वी गोलार्द्ध



सचित्र भारत

(माननीय शिक्षा-सचिव संयुक्त प्रांत की आज्ञानुसार)

श्रीनारायण चतुर्वेदी, एम० ए० (लंदन)

शिक्षा-प्रसार-अफ़सर, यू० पी०

और

डा० इबादुर्रहमान ख़ाँ, पी-एच० डी० (लंदन)

आफ़िसर ऑन स्पेशल ड्यूटी और प्रिंसिपल बेसिक ट्रेनिङ्ग कालिज, इलाहाबाद

द्वारा प्रस्तुत और

शिक्षाप्रसार विभाग के लिए

इंडियन प्रेस, लिमिटेड, इलाहाबाद

द्वारा प्रकाशित।

ہندوستان باتصویر

(بحکم آنریبل وزیر تعلیم ممالک متحدہ)

سری نراین چترویدی ' ایم - اے (لندن)

افسر توسیع تعلیم ' یو - پی -

اور

ڈاکٹر عبادالرحمن خاں ' پی - ایچ - ڈی (لندن)

افسران اسپیشل ڈیوٹی اور پرنسپل بیسک ٹریننگ کالج الہ آباد

پبلشر

انڈین پریس لمیٹڈ - الہ آباد

Printed and published by
K. Mittra, at the Indian Press, Ltd.,
ALLAHABAD

भूमिका

निरक्षरता दूर करने के लिए युक्त-प्रान्त की सरकार ने एक व्यापक योजना बनाई है। इसके अनुसार प्रान्त के चुने हुए ग्रामों में ७६८ पुस्तकालय और ३,६०० वाचनालय खोले गये हैं। इन संस्थाओं को दो-दो साप्ताहिक पत्र तथा एक-एक मासिक पत्र दिये गये हैं। इनके अतिरिक्त कुछ साधारण पुस्तक और कुछ ऐसी पुस्तकें भी दी जायँगी, जिनके द्वारा अध्ययन में कुछ सहायता मिल सके।

प्रस्तुत पुस्तक इन्हीं पुस्तकालयों तथा वाचनालयों के उपयोग के लिए युक्त-प्रान्त के शिक्षा-मंत्री माननीय श्री सम्पूर्णानन्द जी, बी० एस-सी० के आज्ञानुसार तैयार की गई है। प्रान्त के किसी भी कोने में बसनेवाला साधारण पढ़ा-लिखा ग्रामीण भी इस पुस्तक के कुछ पन्ने उलटने से कुछ न कुछ लाभ अवश्य उठावेगा। उसे अपनी जन्मभूमि का परिचय प्राप्त होगा और उसकी महत्ता तथा विशालता का गौरव उसके हृदय में अंकित हो जायगा। कम से कम इतनी आशा तो अवश्य ही की जाती है कि इस पुस्तक के द्वारा ग्रामीणों के साधारण ज्ञान में वृद्धि होगी और साथ ही उनमें तीर्थ-यात्रा और भ्रमण की इच्छा उत्पन्न होगी।

पुस्तक की उपयोगिता बढ़ाने के लिए इसमें देश-सम्बन्धी कुछ महत्त्वपूर्ण आँकड़े भी दिये गये हैं और कुछ मानचित्र भी लगा दिये गये हैं।

हम इंडियन प्रेस लिमिटेड, इलाहाबाद के जनरल मैनेजर श्रीयुत एच० के० घोष के हृदय से आभारी हैं जिनकी सहायता के बिना थोड़े से व्यय में इस पुस्तक का इतने अच्छे रूप में निकलना असंभव था।

श्रीनारायण चतुर्वेदी
इबादुर्रहमान ख़ाँ

دیباچه

ناخواندگي دور کرنے کے لئے صوبه ممالك متحده کي سرکار نے ایك تجویز پیش کي ہے جس کے مطابق صوبه کے گاؤں میں ۷٦۸ کتب خانے و ۳٦۰۰ دارالمطالعے کھولے گئے ھیں جن میں علاوہ کتب حواله و دیگر کتابوں کے دو ھفته وار اخبار اور ایك رساله مہیا کئے گئے ھیں - یه کتاب بھي جو آنریبل شري سمپورنا نند ' بي - ایس‌سي - وزیر محکمه تعلیم (یو-پي) کے حکم کے مطابق تیار کي گئي ھے - مندرجه بالا کتب خانوں و دارالمطالعوں میں رکھي جائیگي تاکه صوبه کے دور دراز حصوں کے آدمي بھي اس کتاب پر ایك نظر ڈال کر ھي اپنے وطن کي بابته واقفیت حاصل کرسکیں اور اس کي عظمت اور شان و شوکت سے واقف ھوجائیں - یه امید کي جاتي ھے که یه کتاب عوام میں سفر و زیارت کرنے کي خواھش پیدا کرکے ان کي تنگ نظري و گوشه نشیني کي عادت کو دور کرنے میں کامیاب ثابت ھوگي - کم از کم اس کتاب سے ان کی معلومات میں اضافه تو ضرور ھی ھوگا - اس کتاب کو زیاده مفید بنانے کے لئے اس میں ملك کي بابته کچھه واقعات معه تفصیلي ھندسوں کے درج ھیں اور ساتھه میں کچھه نقشے بھي دئے گئے ھیں -

ھم انڈین پریس لمیٹڈ الهآباد کے جنرل منیجر مسٹر ایچ - کے - گھوش کے بہت ھي مشکور و ممنون ھیں جن کي ھمدردي اور اتحاد عمل کے بغیر اس کتاب کی اشاعت اس بہترین صورت میں اور کم قیمت پر ناممکن تھي -

سري نرائن چترویدي
عبادالرحمن خاں

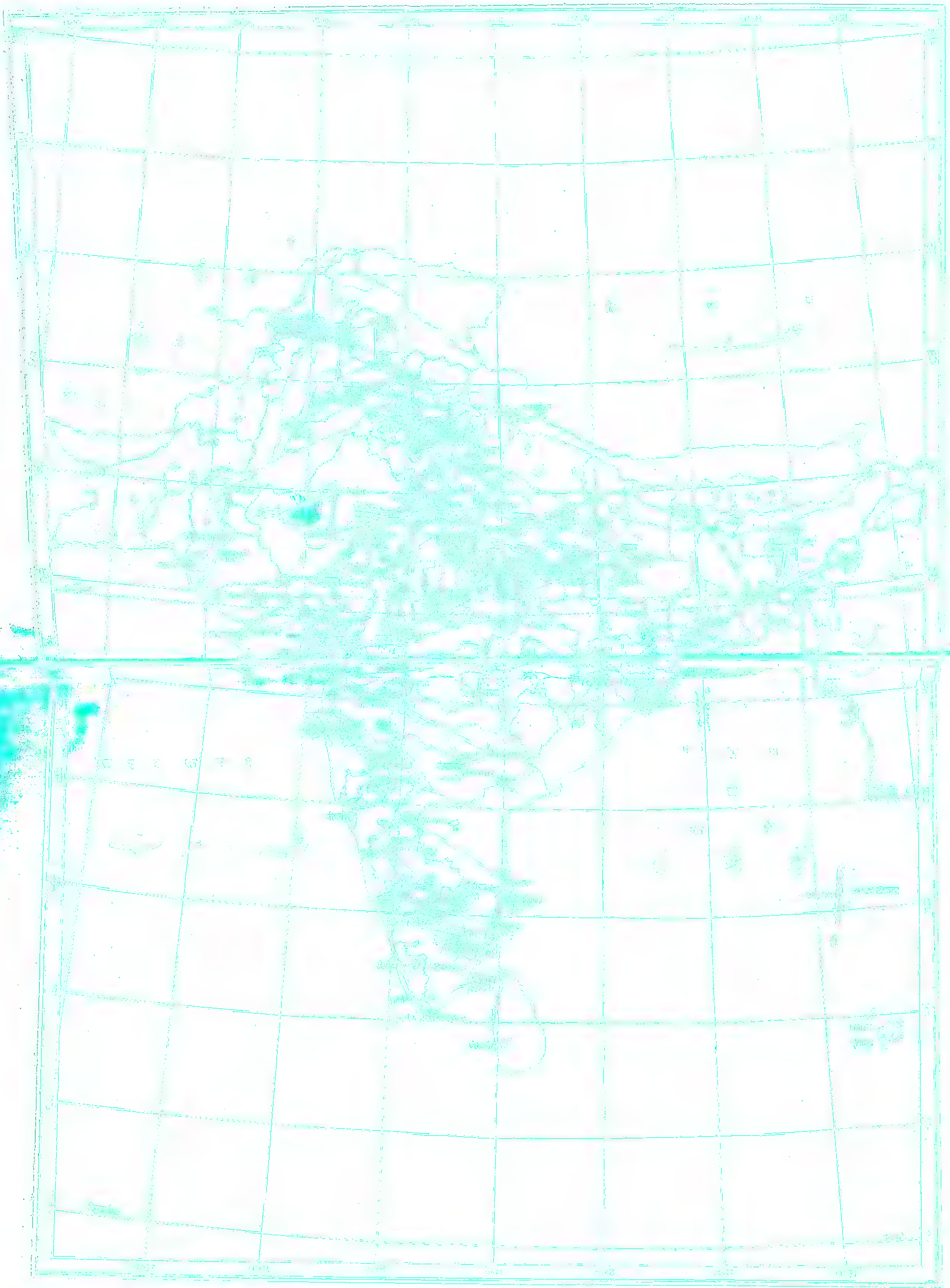
PREFACE

The book has been prepared under the orders of the Hon'ble Shri Sampurnanand, B. Sc., Minister for Education, U. P., for use in the Government Reading Rooms which have been started as an integral part of the scheme of an intensive drive against illiteracy. The Government of the United Provinces has opened 3600 reading rooms and 768 libraries which are provided with two weekly newspapers and a magazine besides some reference books and general books respectively. This book is to be placed in these institutions, so that with the help of this volume people even in the remotest corners of the Province may get acquainted with the country of their birth and get a glimpse of its greatness and glory. The book, it is hoped, will stimulate their curiosity and help in breaking their insular habits. This book is likely to encourage travel. The least that this book can do is to increase their general knowledge. Some important facts and figures about the country have also been given and a small atlas has been appended to make the volume more useful.

We gratefully acknowledge the help and cooperation of Mr. H. K. Ghosh, General Manager of the Indian Press, Ltd., Allahabad, without which it would have been impossible for us to bring out this book in this excellent form and at a very reasonable cost.

SRI NARAIN CHATURVEDI

IBADUR RAHMAN KHAN



नोट—इस मानचित्र में लाल और छाया सिलसिलेवार भारतवर्ष के प्रसिद्ध स्थान दिखाये गये हैं जिनके संबंध के चित्र पुस्तक में हैं।

نوٹ - اس نقشہ میں سرخ تیر کے ذریعہ سلسلہ وار ہندوستان کے وہ مشہور شہر دکھائے گئے ہیں جن کی بابت اس کتاب میں تصاویر موجود ہیں۔

भारतवर्ष

हमारा देश भारतवर्ष महाद्वीप एशिया का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है। इसके तीन तरफ पानी है और यह महाद्वीप एशिया के दक्षिण में है।

सीमा—हमारा देश उत्तर में हिमालय की पर्वतमाला से, तथा दक्षिण में हिन्द महासागर से घिरा हुआ है। पूर्व में ब्रह्मदेश तथा बङ्गाल की खाड़ी है और पश्चिम में अरब सागर, बिलोचिस्तान तथा अफ़ग़ानिस्तान।

विस्तार—यह एक बहुत बड़ा देश है। इस देश का विस्तार उत्तर-दक्षिण लगभग १९०० मील है और पूर्व-पश्चिम लगभग १९०० मील।

भारत के समुद्र-तट की लम्बाई ३६०० मील है। इस प्रकार इस विशाल देश का क्षेत्रफल १८ लाख ८ हज़ार ६ सौ ७९ वर्गमील होता है। जिसमें से १०९६१७१ वर्गमील अर्थात् ६१ प्रतिशत देश ब्रिटिश साम्राज्य के अन्तर्गत है और ७१२५०८ वर्गमील अर्थात् ३९ प्रतिशत देशी राज्यों में है।

भारत की पशु-संख्या

सन १९३५ ई० की गणना के अनुसार भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों में पशुओं की संख्या इस प्रकार है—

प्रान्त	गाय भैंस	भेड़ बकरी	घोड़े, गदहे, ऊँट इत्यादि	हल	गाड़ियाँ
अजमेर मारवाड़	४८१	५१५	१४	५०	१७
आसाम	५,९८२	७९५	२०	१,१४५	६३
बंगाल	२५,२८७	६,०४९	११६	४,५६२	८६०
बिहार, उड़ीसा	२१,३०८	६,७७९	२२७	३,५४२	६२५
बम्बई	१२,५९६	६,११२	५६३	१,५५३	७६८
मध्यप्रदेश, बरार	१३,८४४	२,१९३	१८६	१,६४१	१,१४७
कुर्ग	१३७	३	१	२८	१
देहली	१५५	३६	१५	१८	८
मद्रास	२४,६०७	१८,७०१	२०१	४,३८४	१,१९४
सीमाप्रान्त	१,०९४	१,०३२	१८५	२१२	७
पंजाब	१५,८४०	८,५८९	१,३९८	२,३६१	३५७
संयुक्तप्रान्त	३२,४७०	१०,००२	८१८	५,१९६	१,०९४

भाषा

हमारे देश के भिन्न भिन्न प्रांतों में भिन्न भिन्न प्रकार की भाषायें बोली जाती हैं। समस्त भारत में बोली जानेवाली भाषाओं की संख्या लगभग २२२ है जिनकी उत्पत्ति निम्नलिखित तीन भाषाओं से हुई है—(१) संस्कृत (२) द्राविड़ी तथा (३) ब्रह्मी। जिन भाषाओं की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है उन्हें बोलनेवाले लगभग २५ करोड़ मनुष्य हैं, ५ करोड़ मनुष्य द्राविड़ी भाषायें बोलते हैं और १·३ करोड़ अन्य भाषायें।

भारत की मुख्य भाषायें ये हैं—हिन्दी, बङ्गाली, उड़िया, पञ्जाबी, मराठी, गुजराती, सिन्धी और आसामी। ये सभी संस्कृत भाषा की शाखायें हैं। इनमें से किस भाषा के बोलनेवालों की संख्या कितनी है इसका विवरण आगे दिया जाता है—

संस्कृत-जन्य भाषायें

भाषा		भाषा	
हिन्दी	७१५४७,०००	राजस्थानी	१३८९८,०००
बंगाली	५३४६९,०००	उड़िया	१११९४,०००
मराठी	२०८९०,०००	गुजराती	१०१५०,०००
पञ्जाबी	१५८३६ ०००	लहंडा (पश्चिमी पंजाबी)	८५६६,०००

पश्तो (जिसे अफ़ग़ान बोलते हैं), कश्मीरी, तथा नैपाली भी संस्कृत-जन्य भाषायें हैं। उर्दू भाषा उत्तरी भारतवर्ष में अधिक प्रचलित है। इसमें अनेक शब्द फ़ारसी और अरबी के हैं।

द्राविड़ी भाषा की मुख्य शाखायें तामिल, मलयालम, कनाड़ी, तैलंगी और गोंड़ी हैं। ये भाषायें विशेषत: मद्रास प्रान्त में बोली जाती हैं और इनके बोलनेवालों की संख्या इस प्रकार है:—

द्राविड़ी तथा ब्राह्मी भाषायें

भाषा		भाषा	
तैलंगी	२६३७ ०००	कनाड़ी	११२०६०००
तामिल	१०४१२०००	ब्राह्मी	८८५४०००
मलायलम	९१३८०००		

भारतवर्ष में निम्नलिखित धर्म प्रचलित हैं। इनके माननेवालों की संख्या नीचे दी गई है—

धर्म के अनुसार जन संख्या

धर्म	१९३१	धर्म	१९३१
आर्य धर्म	२३६१९५,०००	पारसी	१०९,०००
सनातन	२१९८६२,०००	सेमिटिक	८३८९७,०००
आर्यसमाज	९५५,०००	इसलाम	७७६७७,०००
ब्रह्मसमाज	४,०००	ईसाई	६१९६,०००
सिक्ख	४३३५,०००	यहूदी	२४,०००
जैन	१२५२,०००	अनार्य	८२८०,०००
बौद्ध	१२७८७,०००	अन्य	५७१,०००
ईरानी			

निवासी

भारतवासियों की संख्या १९३१ की गणना के अनुसार ३५,२८,३७,७७८ है जो योरप की जन-संख्या से अधिक है। १ वर्गमील में १९५ मनुष्यों के रहने का औसत है।

भारतवासी अधिकतर ग्रामों में रहते हैं और १७·५ करोड़ से अधिक खेती में लगे हुए हैं। नगरों में रहनेवालों की संख्या ५ प्रतिसैकड़ा से भी कम है।

खेती के अतिरिक्त दूसरा उद्यम जिससे कि यहाँ के निवासियों की जीविका चलती है यदि कोई है तो वह है कपड़ा बुनने का। १·२ करोड़ आदमी कपड़े बुनने और कपड़ों के लिए उपयोगी सामग्री बनाने में लगे हुए हैं।

जन-संख्या की सघनता समस्त भारत का तथा जन-संख्या का अनुपात प्रतिवर्ग मील १९५ है। ब्रिटिश भारत की जन-संख्या प्रतिवर्ग मील २४७ है और देशी भारत का ११४।

जन-संख्या की सघनता कई बातों पर निर्भर है। प्राय: व्यापारिक तथा औद्योगिक केन्द्रों की जन-संख्या अधिक होती है। यही कारण है कि नगर ग्रामों की अपेक्षा अधिक सघनता से बसे होते हैं। देहातों में

भी जहाँ की जमीन उपजाऊ होती है, वहाँ बस्ती अधिक घनी होती है। इस कारण यदि नगरों की लोक-संख्या अलग कर दी जावे तो देहात की जन-संख्या प्रति वर्गमील कहीं कहीं केवल १ मनुष्य और कहीं १८८२ है। यह बात स्पष्ट है कि मनुष्य को जीवित रहने के लिए भोजन, वस्त्र, घर तथा औज़ारों की आवश्यकता पड़ती है। वह ऐसी ही जगह रह सकता है जहाँ ये सभी वस्तुएँ सुगमतापूर्वक प्राप्त हो सकती हैं। वहीं पर जन-संख्या अधिक है जहाँ प्रकृति ने ये सभी साधन सुलभ कर दिये हैं।

भारत की लोक-संख्या

	ब्रिटिश भारत	देशी भारत	कुल
नगरों में	२,९६,५८,४६९	९३,२६,६५८	३,८६,८५,४२७
ग्राम में	२४,१८,६८,४६४	७,१९,८३,८८७	३१,३८,५२,३५१
कुल	२७,१५,२६,६३३	८,१३,१०,८४५	३५,२८,३७,७७८

भारत के प्रान्तों तथा राज्यों की जन-संख्या

प्रान्त व राज्य	१९२१	१९३१	घनता प्रतिवर्ग मील
भारत	३१८९४२४८०	३५२८३७७७८	१९५
ब्रिटिश भारत	२७०९५०४३३	२७१५२६९३३	२४७
अजमेर मारवाड़	४९५२७१	५६०२९२	२०७
अण्डमन नीकोबार	२७००७	२९४६३	...
आसाम	७९९०२४६	८६२२२५१	१३७
बिलोचिस्तान	७९९६२५	४६३५ ८	६
बंगाल	४७५९२४६२	५०११४००२	६१६
बिहार उड़ीसा	३७९६१८५८	३७६७७५७६	३७६
बम्बई	२६७५६६४८	२१९३०६०१	१७४
मध्यप्रदेश व बरार	१५९७९६६०	१५५०७७२३	१३७
कुर्ग	१६३८३८	१६३३२७	१०३
देहली	४८८१८८	६३६२४६	१११०
मद्रास	४२७९४१५५	४६७४० ०७	३२६
उ० प० सीमाप्रान्त	५०७५४७६	२४२५०७६	१२९
पंजाब	२५१०१०६०	२३५८०८५२	२०८
संयुक्त प्रान्त	४६५१०६६८	४८४०८७६३	४४२
बड़ोदा	२१२६५२२	२४४३००७	१९९
सेंट्रल इंडिया एजेंसी	४९९७०२३	६६३२७९०	१२९
कोचीन	९७९०८०	१२०५०१६	८१४
ग्वालियर	३१८६०७५	३१२३०७०	१३४
हैदराबाद	१२४७१७७०	१४४३६१४८	१७५
कश्मीर	३३२०५१८	३६४६२४३	४३
मैसूर राज्य	५९७८८९२	६५५७३०२	२२४
राजपूताना	९८४४३८४	११२२५७१२	८७
सिक्किम	८१७२१	१०९८०८	...
ट्रावनकोर	४००६०६२	५०९५९७३	६६८

प्रान्तों की जन-संख्या (धर्मानुसार)

प्रान्त	क्षेत्रफल वर्गमीलों में	यूरोपियन्स और एंग्लो इंडियन्स	भारतीय ईसाई	हिन्दू	मुसलमान
मद्रास	१,४२,२६०	३०,३६८	१७,४३,९०८	४,१६,२६,१३३	३३,०५,९३७
बम्बई	१,२३,६७९	४२,३०७	२,७४,७३५	१,६६,१९,७४२	४४,५६,८९७
बंगाल	७७,२५१	५०,५८७	१,२९,१३४	२,१५,७०,४०७	२,७४,९७,६२४
संयुक्तप्रांत	१,०६,२४८	३४,७४४	१,७०,२६२	४,०९,०५,५८६	१७,८१,९२७
पंजाब	९९,८६६	२२,९४९	३,९१,८३९	६३,२८,५८८	१,३३,३२,४६०
बिहार-उड़ीसा	८३,१४२	१२,७८८	३,२९,११२	३,१०,११,५१२	४२,६५,०३५
मध्यप्रदेश और बरार	९९,८७६	१०,३१३	४०,२७१	१,१६,८८,१९४	६,८२,८५४
आसाम	५५,०१४	३,६७१	१,९८,९१५	४९,३१,७६०	२७,५५,९१४
सीमाप्रान्त	१३,५१८	७,९४७	४,२६६	१,४२,६७७	२२,२७,३०३
कुर्ग	१,५९३	२२२	३,२०८	१,४६,००७	१३,७७७
देहली	५९३	५,३१६	११,६७३	३,९९,८६३	२,०६,९६०
अजमेर-मारवाड़	२,७११	२,९०८	४,०३९	४,३४,५०९	९७,१३३
बिलोचिस्तान	५४,२८८	५,४०४	२,६४०	४१,४३२	४,०५,३०९
बंगलौर	१३	९,६७८	२०,३४४	७४,००४	२८,६२५
अन्य	१२३	१३८	६,५३७	७४,२१६	२५,६१३
कुल ब्रिटिश भारत	१०,९४,१५२	२,७०,१९१	३६,३१,६३७	१७,६५,६५,८८३	६,७०,६८,१८४

प्रान्तों की जन-संख्या (धर्मानुसार)

प्रान्त	बौद्ध	पारसी	सिक्ख	अन्य	कुल जन-संख्या
मद्रास	१,३५९	५०७	५३७	३१,३५८	४,६७,४०,१०७
बम्बई	२,२०४	८९,५४४	२०,८९३	३,४८,५४४	२,१८,५४,८६६
बंगाल	३,१६,०३१	१,५२०	७,३२०	५,४१,३७९	५,०१,१४,००२
संयुक्तप्रान्त	७३०	९९१	४६,५००	६८,०२३	४,८४,०८,७६३
पंजाब	५,७२३	५४६	३०,६४,१४४	४,३४,६०३	२,३५,८०,८५२
बिहार-उड़ीसा	९१९	२४१	५,६५३	२०,५२,५९९	३,७६,७७,८५९
मध्यप्रदेश और बरार	६६	२,०९२	४,२४१	३०,७९,६९२	१,५५,०७,७२३
आसाम	१४,९५५	...	२,४९७	७,१४,५३९	८६,२२,२५१
सीमाप्रान्त	२	६०	४२,५१०	११	२४,२५,०७६
कुर्ग	३	२७	...	८३	१,६३,३२७
देहली	७६	१२६	६,४३७	५,७९५	६,३६,२४६
अजमेर मारवाड़	४	३०१	३४१	२१,०५७	५,६०,२९२
बिलोचिस्तान	६८	१६७	८,३६८	१२०	४,६३,५०८
बँगलोर	२६०	२४४	३२	९२६	१,३४,१११
अन्य	१०	१,०८०	६६९	९,३४०	२,२४,०२०
कुल ब्रिटिश भारत	१,२३,९०,००६	९७,८६५	३२,२१,०४९	८१,०९,२७०	२,७१,७८,०१५

संसार के मुख्य मुख्य नगरों की जन-संख्या

नगर	संख्या	नगर	संख्या
अलेक्ज़ेण्ड्रिया	५,७३,०६३	एडिनबर्ग	४४२,०००
अंगोरा	१,२०,०००	जिनेवा	६,२०,०६३
बगदाद	२,५०,०००	ग्लासगो	११,९०,०००
बर्लिन	४२,४२,५००	हैम्बर्ग	१६,४३,०००
बर्मिंघम	१२,००,०००	लंदन	८४,०१,०००
बम्बई	११,५७,०५२	मैड्रिड	१०,४८,०७२
कैरो	१०,६४,५६७	मेंचेस्टर	११,००,०००
कलकत्ता	१४,१९,३२१	न्यूयार्क	७३,६३,६२४
कैण्टन	१०,५०,०००	पेरिस	४९,३०,५००
कोलम्बो	२,८४,१५५	पेपिंग	१५,२०,०००
कोपेनहेगेन	८,३१,२१८	रोम	१०,४५,०००
देहली	४,४७,४४२	सिंगापुर	५,६६,६०२
डब्लिन	४,२४,०००	टोकियो	५८,७५,३८८

धर्मशालायें

अजमेर

१—टीकमचंद सोनी की, स्टेशन के पास।

२—रेलवालों की, स्टेशन के पास।

अयोध्या

१—हरनारायणदास की, रायगंज।

२—कन्हैयालाल की, रायगंज।

३—महन्त सुखरामदास की, नयाघाट।

४—लाला रम्नालाल, नवाबगंज (गोंडा) वाले की, वासुदेव घाट।

५—करमचीदास जी बम्बईवाले की, स्वर्गद्वारघाट।

अलीगढ़

१—जानकी बाई की, दूबे का पाड़ा।

२—मलूकन्द की, स्टेशन के पास।

अमृतसर

१—सन्तराम का तालाब, स्टेशन के पास।

२—लाला हरगोविन्ददास की, स्टेशन के पास।

३—हरदयाल दुर्गादत्त की, मलका की मूर्ति के पास, मारवाड़ी बाज़ार।

अंबाला

१—मास्टर हरगूलाल की, अनाजमंडी, छावनी।

आगरा

१—लाला रामकिशनदास सरावगी की, फ़ोर्ट स्टेशन के पास।

२—रायबहादुर विश्वम्भरनाथ की, सिटी स्टेशन के पास।

३—उत्तम जैन दिगम्बर धर्मशाला, राजा की मंडी, स्टेशन के पास।

आरा

१—बाबू हरप्रसाद जैन की, महाजन टोली में।

आजिमगंज

१—रामबुद्धसिंह बहादुर की।

२—राय गणपतिसिंह बहादुर की।

आसनसोल

१—आसाराम जौहरीमल रामनारायण गङ्गाबिशन की, मुन्शी बाज़ार में।

इन्दौर

१—सेठ हुकुमचन्द की, स्टेशन के पास।

इटावा

१—बद्रीदास की धर्मशाला, पुराना शहर।
२—स्टेशन के पास भी एक धर्मशाला है।

इश्री

१—दिगम्बर जैन धर्मशाला।
२—श्वेताम्बर जैन धर्मशाला।

उज्जैन

१—फ़तेहपुरियों की, छिप्रा नदी के किनारे।
२—खेमराज श्रीकृष्णदास की, हरिसिद्धि दरवाज़ा।
३—महाराज ग्वालियर की, स्टेशन के पास।
४—सखाराजा की धर्मशाला।
५—व्यंकटेश भवन धर्मशाला।
६—गजाधर की धर्मशाला।

उदयपुर

१—महन्त माधवदास जी की, सूरजपोल के पास।

उन्नाव

१—लाला सोहनलाल अग्रवाल की।

कलकत्ता

१—फूलचन्द हकीम जैन की, ९ श्यामबाई गली, बड़ा बाज़ार।
२—रायबहादुर सूरजमल की, ६ मल्लिक स्ट्रीट।
३—बाबू लक्ष्मीनारायण की, ५१ बाँसतल्ला।
४—राजा शिवबख़्श बागला की, हावड़ा स्टेशन पर।
५—विनायक मिश्र की, २२६ हरीसन रोड।
६—श्याम देवी भूतिका की, १५० हरीसन रोड।
७—बब्बूलाल अग्रवाल, १६९ हरीसन रोड।
८—रामकृष्णदास गिरधारीलाल, १६७ हरीसन रोड।

कन्नौज

१—बाबू कुंजबिहारी लाल जी का मन्दिर शहर में।
२—शिवस्वरूप की, कन्नौज स्टेशन के पास।

क्यूल

१—ऊगमल हज़ारीलाल लोहिया, स्टेशन से एक फ़र्लाङ्ग पर।

कासगंज

१—परमानन्दजी की।

कानपुर

१—बैजनाथ रामनाथ सिंहानिया की, स्टेशन से आध मील पर।
२—मच्छीभवन धर्मशाला, नयागंज।
३—सेठ लक्ष्मणदास की, लाठीमुहाल।
४—तुलसीराम शिवप्रसाद की, स्टेशन के पास।
५—पीली कोठी, चटाई मुहाल।
६—बेनीमाधव की, मूलगंज।
७—अनन्तराम की, फीलख़ाना।
८—सेण्ट्रल धर्मशाला, सेण्ट्रल स्टेशन के पास।

कोटा

१—महारानी साहिबा की, जंक्शन स्टेशन के पास।

कटवा

१—कालीवाड़ी धर्मशाला।

कोलगाँव

१—बा० गिरधारीलाल मारवाड़ी की।

खंडवा

१—सेठानी पार्वती बाई की, स्टेशन के पास।

गया

१—सेठ शिवप्रसाद झुनझुनूवाले की, स्टेशन पर।
२—सेठ शिवप्रसाद झुनझुनूवाले की, चांदचोरे के पास।
३—महाबोधी सोसाइटी की, बोध गया।

ग्वालियर

१—श्रीकृष्ण धर्मशाला।

गढ़मुक्तेश्वर

१—रायसाहब नानामल जानकीदास की दो हैं।

गाज़ियाबाद

१—मि० जान ईगिल व्राइट की।

गिरीडीह

१—राय धनपतसिंह की।

गुलज़ारीबाग

१—बा० किशोरीलाल चौधरी की।

चाँदपुर सिआऊ
१—श्रीमती बासन्ती देवी की।

जसीडीह
१—जुगुलकिशोर सूरजमल रुइया की, स्टेशन के पास।

जामनगर
१—मूलजी जेठा की, खंभालिया नाका।

जोधपुर
१—श्री जसवन्त जाड़ेची विलास, स्टेशन से एक फ़र्लाङ्ग पर।

जूनागढ़
१—जीवराज दयाल भाटिया की।

जौनपुर
१—नारायणदास परमेश्वरीदास की, स्टेशन के पास।

झाँसी
१—गोपालदास की, बड़ा बाज़ार।
२—बाबू मुन्नालाल की।

त्रिचनापल्ली
१—खेमराज श्रीकृष्णदास की।

डाकोर
१—मु० शंकरस्वरूप की।

डाल्टन गंज
१—सेठ चुन्नीलाल गनपतराय राँचीवाले की, स्टेशन से पौन मील पर।

दिल्ली
१—लाला छुन्नामल की।
२—लाला लक्ष्मीनारायण की, फ़तेहपुरी बाज़ार।

दरभंगा
१—दरभंगा-नरेश की, स्टेशन के पास।
२—ऊगरमल हज़ारीमल की।

द्वारकापुरी
१—श्राऊजी प्रेमजी की, श्रीजी के मंदिर के पास, गोमती, द्वारका।
२—बलवन्तलाल रामेश्वरलाल दुदवावाले की, मन्दिर के पास।
३—हज़ारीमल दुदवावाले की।
४—आचारी जी की, भेंट, द्वारका।
५—सत्यभामाजी की, भेट, द्वारका।

धामपुर
१—मु० भगतबिहारीलाल की।

नागपुर
१—जमुनादास जी भंडार की।

नासिक
१—महाराज कपूरथला की, पंचवटी पर।

नैनी
१—बिहारीलाल कुंजीलाल सिंहानिया की।

नीमसार
१—सेठ शिवरामदास तथा रामनिरंजनदास की।

नैनीताल
१—बच्छो गौड़ धर्मशाला, सिराही धारा।
२—म्युनिसिपल सराय, तल्लीताल।

पटना
१—गुरमुखराय सरावगी की।
२—लाला अनन्तलाल अग्रवाल की।
३—मारवाड़ी समाज की, चौक।
४—किशोरीलाल चौधरी की, गुलज़ार बाग़।
५—लाला जय तथा छोटेलाल की।

पीलीभीत
१—लाला मूलचन्द की।

पुरी
१—रामचन्द गोयनका की।
२—धनजी मलजी तथा आशाराम सीताराम की।
३—सेठ कन्हैयालाल भागला चूरूवाले की।

प्रयाग
१—बिहारीलाल कुंजीलाल सिंहानिया की।
२—तेजपाल गोकुलदास की, मुट्ठीगंज।
३—गोमती देवी की, मुट्ठीगंज।
४—बाबू वंशीधर गोपालदास रस्तोगी की, दारागंज।

पामरगंज
१—सेठ शिवप्रसाद जी की।

पुनपुन
१—सेठ शिवप्रसाद जी की।

फ़ैज़ाबाद
१—पतितदास के मंदिर के पास, मु० अमानी-गंज में।

२—फ़ैज़ाबाद और देवकली रोड के बीच में, मुहल्ला बेनीगंज में।
३—देवकली रोड पर, देरुआ की कोठी के सामने।
४—मुहल्ला साहबगंज के मूलचन्द चम्मनलाल की दूकान के पास।
५—साहबगंज में पं० परमेश्वरनाथ शाहपुर के मकान के पास।
६—मुश्राफ़ नाका में हरदयाल जी की।

फर्रुखाबाद

१—लाला सुन्दरलाल कलकत्तेवाले की बढ़निया टोला।
२—दूलाराय की।

बनारस

१—श्रीकृष्ण धर्मशाला।
२—रामकृष्ण शिवदत्तराय की, ज्ञानवापी।
३—लच्छीराम की, फाटक सुखलाल साव।
४—लखनऊ वाले की बुलानाला।
५—मोतीलाल मंगलचन्द की बुलानाला।
६—चित्रगुप्त आश्रम, कचौड़ीगली।

बम्बई

१—हीराबाग़, गिरगाँव।
२—माधौबाग़, गिरगाँव।

बरेली

१—सेठ खुन्नीलाल की।

बीकानेर

१—प्रोहता मोतीराम की।

भागलपुर

१—हरदेवदास जी की।

भुवनेश्वर

१—हरगोविन्दराय मथुरादास डालमिया भिवानी-वाले की।

मसूरी

१—श्री सनातन धर्म कैन्टोमेंट में।
२—आर्यसमाज।
३—गढवाली धर्मशाला।
४—सिख धर्मशाला।

मदुरा

१—स्टेशन के पास।

मैनपुरी

१—सावित्री धर्मशाला, स्टेशन से एक मील।

मोकामा

१—भगवानदास बागला की, स्टेशन के पास।

मुंगेर

१—रायबहादुर बैजनाथ गोयनका की, स्टेशन के पास।

मुरादाबाद

१—लाला साँवलदास की।
२—लाला जवाहरलाल की।

मेरठ

१—नाइन की धर्मसभा की।
२—लाला धर्मदास की।
३—लाला किशनसहाय की।
४—लाला परमानन्द की।
५—लाला सुन्दरलाल की।
६—लाला तोताराम की।
७—मुसम्मात सुन्दर कुँअरि की।
८—पंचायती की।
९—रस्तोगी की।

मुलतानगंज

१—सेठ बैजनाथमल मारवाड़ी की।

मानपुर

१—प्रेमनारायण जी की।

मुग़लसराय

१—बाबू रामजीदास जटिया की।

इलाहाबाद

१—बाबू मोतीचन्द की, मोरी।
२—बाबू रामप्रसाद चौधरी की, बक्सी कलाँ।
३—बुधसेन मङ्गलसेन की नई बस्ती।
४—जीवनराम की अलोपीबाग़।
५—लाला शिवप्रतापसिंह की अलोपीबाग़।
६—लाला बच्चूलाल की, शिवकोटी महादेव।
७—लाला गुलज़ारीलाल की अलोपीबाग़।
८—महन्त जानकीदास की, मोरी।
९—रीवाँ के महाराज की, मतहाजपुर।
१०—मुन्नीलाल सेठ की, मुट्ठीगंज।
११—गोमतीदेवी की, अलोपीबाग़ व मुट्ठीगंज।
१२—राय राधारमन की नई बस्ती।

१३—राय शिवप्रसाद की, चौखण्डी।
१४—बिहारीलाल कुंजीलाल सिंहानिया की।
१५—तेजलाल गोकुलदास की, मुट्ठीगंज
१६—वंशीधर गंगादास रस्तोगी, दारागंज।
१७—राय शिवप्रसाद की, अलोपीबाग़।
१८—रामदास की, अलोपीबाग़।
१९—राणा संग्रामसिंह की, मुट्ठीगंज।
२०—रामनाथ की, मितहाजपुर।
२१—शेख़ मशीउद्दीन की, मुट्ठीगंज।
२२—तेजपाल गोकुलदास की, मोरी वासुदेवराय की।

मिर्ज़ापुर

१—बीजराम भाड़ामल की।

मुज़फ्फ़रनगर

१—रायबहादुर बलदेवलाल बसन्तलाल दुदशवाले की, सरसैयागंज।
२—लछीराम की पुराना बाज़ार।
३—राय परमेश्वर नारायण महता की।

मथुरा

१—तेजपाल गोकुलदासजी की, मारू गली।
२—राजा तिलोई की, बंगालीघाट।
३—रामगोपाल मालाणी की, प्रयागघाट।
४—हरमुखराय दुलीचन्द्र हाथरसवाले की, स्वामीघाट।
५—हरदयाल विष्णुदयाल कलकत्तेवाले की, नया-बाज़ार।
६—महाराज आवागढ़ की पुल के पास।
७—अहमदाबादवाले की, दामोदरभवन छाता बाज़ार।
८—दामोदर तपसीदास, विश्रामघाट के पास।

मद्रास

१—राजाराम स्वामी मुडालियर की।
२—वंशीलाल अबीरचंद की, साहूकार पैठ।

मनमाड

१—दीवान बहादुर गोविन्दास मदूरावाले की।

रामेश्वर

१—वंशीलाल अमीरचन्द की, मन्दिर से थोड़ी दूर पर।

फा० २

२—रायबहादुर भगवानदास बागला की, रामझरोखे की सड़क।

रायबरेली

१—कन्हाईशाह बाकल की।

रानीगंज

१—बजाज़ की धर्मशाला।

लखनऊ

१—छेदीलाल की, अमीनाबाद पार्क।
२—भोलानाथ की, चौक।
३—प्रभूदयाल जैन की, अहियागंज।
४—गूँगे नवाब की, बाग धर्मशाला।

लाहौर

१—मूलचन्द की।

लुधियाना

१—लाहौरी खत्रियों की पञ्चायती कूचा लालूमल।

वर्द्धवान

१—बा० शशिभूषण बोस की।

वरियारपुर

१—शोभाराय शिवदत्तराय की।

विन्ध्याचल

१—शिवनारायण बलदेवदास सिंहानिया की।
२—सारस्वत खत्रियों की।
३—चुनमुन मिश्र की।

वृन्दावन

१—मिर्ज़ापुरवालों की।
२—ताराचन्द रामनाथ पूनावाले की।

वाडी

१—कंडा स्वामी मुडालियर (पोन्नेरी के राजा की)।

वैद्यनाथ

१—सुखराम जी लक्ष्मीनारायण कानोडिया की।
२—रामचन्द्र गोयनका की।
३—हजारीमल दुदवावाले की।
४—हरिकिशनदास पन्नालाल मदड की।

श्रीरामपुर

१—बा० क्षेत्रमोहनशाह जी की।

सागर

१—सेठ नारायनदास गेडा की।
२—केदारनाथ गारिया की।

३—दुर्गाप्रसाद मोदी की।
४—विन्द्रावन बारा धर्मशाला, गोपालगंज।
५—जैन धर्मशाला बजाज़ी।
६—जैन धर्मशाला (दिवालान का)।

गया

१—सूरजमल की।
२—स्टेशन धर्मशाला।
३—रेस्ट हौस, बौध गया।

सण्डील

१—राजा दुर्गाप्रसाद की।

सहारनपुर

१—सेठी मूलराम की।

हाथरस

१—लक्ष्मीनारायण की।
२—सेठ बिहारीलाल की।

हरिद्वार

१—सदासुख गंभीरचन्द्र की।
२—विनायक की।
३—सूरजमल की।
४—खुशीराम की।
५—सिन्ध शिकारपुरी की।
६—बिलासपुर की।
७—महाराज कपूरथला की।
८—पंचायती धर्मशाला।
९—करोड़ीमल की।
१०—जयरामदास भिवालीवाले की।
११—भोलागिरि की।
१२—बाबा काली कमलीवाले की।

भारत सरकार*

भारत-सरकार के तीन अंग हैं। (१) गवर्नर जनरल इन कौंसिल। (२) कौंसिल आफ़ स्टेट। (३) लेजिसलेटिव असेम्बली।

वाइसराय तथा गवर्नर जनरल

भारत का शासन व्यावहारिक रीति से गवर्नर जनरल इन कौंसिल द्वारा चलाया जाता है। गवर्नर जनरल को वाइसराय कहते हैं परन्तु इसके लिए कोई क़ानूनी आधार नहीं है। ब्रिटिश सम्राट् का भारत में वह प्रतिनिधि है। इस कारण उसे यह पदवी प्राप्त हो गई है और अब यह पदवी क़ानूनी ही समझना चाहिए। गवर्नर जनरल की नियुक्ति ब्रिटिश नरेश द्वारा होती है और वह उन्हीं को उत्तरदायी है। सम्राट् की ओर से क्षमा तथा दया प्रकाशित करने के कुल अधिकार गवर्नर जनरल को हैं। भारतीय शासन के सर्वोच्च तथा कुल अधिकार उसी में केन्द्रीभूत हैं। सब प्रकार के क़ानून वह बना सकता है और भारतीय व्यवस्थापक सभाओं, कौंसिल तथा असेम्बली द्वारा बने हुए क़ानूनों को वह स्वयं रद् कर सकता है इस प्रकार नये क़ानून बनाने की शक्ति को सर्टीफ़िकेशन कहते हैं। स० १९१९ के बाद अनेक अवसरों पर दोनों प्रकार की शक्तियों का प्रयोग किया जा चुका है।

गवर्नर जनरल की कौंसिल

गवर्नर जनरल की सहायता के लिए एक कार्यकारिणी समिति होती है जिसके सदस्य ब्रिटिश नरेश द्वारा नियुक्त होते हैं। साधारण तथा कुल शासन गवर्नर जनरल-इन-कौंसिल द्वारा ही चलाया जाता है। क़ानूनन कौंसिल के बिना गवर्नर जनरल को कोई कार्य नहीं करना चाहिए परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है। गवर्नर जनरल स्वयं सब अधिकार बरत सकता है। कौंसिल में साधारणतया कमांडर-इन-चीफ़ को मिलाकर ८ सदस्य होते हैं। इससे भी अधिक हो सकते हैं। इनमें से कम से कम ३ आई० सी० एस० होते हैं। और एक सदस्य बैरिस्टर अथवा वकील हाई कोर्ट होना चाहिए। यदि

*नोट—केन्द्रीय सरकार का यह विवरण गवर्नमेन्ट आफ़ इंडिया ऐक्ट १९१९ के अनुसार दिया गया है। यही स्वरूप वर्तमान है। नवीन ऐक्ट (१९३५) के अनुसार केवल प्रान्तों में शासन चल रहा है।

मद्रास, बम्बई या बङ्गाल प्रेसीडेन्सी में से किसी जगह इस कौंसिल की बैठक हो तो उस प्रेसीडेन्सी का गवर्नर असाधारण सदस्य उस बैठक के लिए हो जाता है। किन्तु बैठकें साधारणतया दिल्ली और शिमला में ही होती हैं।

प्रत्येक सदस्य के हाथ में एक विशिष्ट विभाग (Portfolio) होता है और वही उस विभाग का कार्य चलाता है। परन्तु इन सदस्यों के नीचे जो सेक्रेटरी होते हैं उन्हें पूर्ण अधिकार है कि गवर्नर जनरल के पास सीधे चले जावें और कोई कार्य केवल उसी की आज्ञानुसार कर दें।

इस कौंसिल का कुल कार्य बहुमत से होता है परंतु गवर्नर जनरल को बहुमत न मानने का अधिकार है। ऐसे अवसर पर विरोधी सदस्य अपना विरोध लिखकर पेश कर सकते हैं जो सेक्रेटरी आफ़ स्टेट के यहाँ भेज दिया जाता है।

भारत-सरकार के कार्य

केन्द्रीय सरकार के हाथों में ऐसे कार्य हैं जो पूरे भारतवर्ष से संबंध रखते हैं अथवा उनका प्रबंध समष्टि रूप में अधिक भले प्रकार हो सकता है। अन्य कार्य प्रांतीय सरकारों के हाथों में दे दिये गये हैं, सन् १९१९ के ऐक्ट के अनुसार प्रांतीय 'संरक्षित' विषयों के प्रबंध में केन्द्रस्थ सरकार को हस्तक्षेप करने का पूर्ण अधिकार था परन्तु 'समर्पित' विषयों में केवल निम्नलिखित कारणों से ही हस्तक्षेप किया जा सकता था।

(१) यदि केन्द्रीय विषयों का संरक्षण आवश्यक हो।

(२) यदि दो या अधिक प्रांतीय सरकारों के बीच कोई बात तय करनी हो।

(३) यदि हाई कमिश्नर के कार्य-संबंधी कोई कर्तव्य गवर्नर जनरल का हो।

(४) यदि प्रांतीय सरकारों को करज़ा निकालना हो इत्यादि।

अब १९३५ के ऐक्ट के अनुसार प्रांतों में स्वशासन (Autonomy) स्थापित हो गया है और गवर्नर जनरल इन कौंसिल के अधिकार पर्याप्त मात्रा में कम हो गये हैं।

भारत-सरकार के पदाधिकारी

वायसराय ऐण्ड गवर्नर जनरल आफ़ इंडिया तथा कौंसिल

हिज़ एक्सलेन्सी दि मोस्ट आनरेबुल दि मारक्विस आफ़ लिनलिथगो, पी० सी०, के० टी०, जी० सी० एस० आई०, जी० एम० आई० ई०, ओ० बी० आई०, डी० एल०, टी० डी०। (वाइसराय)

कमान्डर इन चीफ़ इन इंडिया

हिज़ एक्सलेन्सी जनरल सर राबर्ट ए० कासल्स, जी० सी० बी०, सी० एस० आई०, डी० एस० ओ०।

कार्यकारिणी के सदस्य

दि आनरेबुल सर टामस स्टीवार्ट, के० सी० आई० ई०, सी० एस० आई० (रेलवेज़ ऐण्ड कम्यूनिकेशन)।

दि आनरेबुल सर एन० एन० सरकार के० सी० एस० आई, बार-एट-ला (क़ानून)।

दि आनरेबुल सर मुहम्मद जफरुल्ला खाँ बार-ऐट-ला (कामर्स ऐण्ड लेबर)।

दि आनरेबुल सर जेम्स ग्रिग, के० सी० बी०, के० सी० एस० आई (फ़ायनेन्स)।

दि आनरेबुल कुँवर सर जगदीशप्रसाद, सी० एस० आइ०, सी० आई० इ०, ओ० बी० इ० (शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि)।

भारतीय न्याय-विभाग

फ़िडरल कोर्ट आफ़ इंडिया।

चीफ़ जस्टिस आफ़ इण्डिया—आनरेबुल सर मारिस गॉइर के० सी० एस० आइ०। जजेज़—आन० सर शाह मुहम्मद सुलेमान और आनरेबुल सर श्रीनिवास वारदाचारी ऐडवोकेट जनरल आफ़ इंडिया—सर ब्रिजेन्द्रलाल मित्तर के० सी० आई० ई०।

प्रान्तीय शासन

वर्तमान गवर्नमेंट आफ़ इंडिया ऐक्ट (१९३५) के अनुसार देश के भिन्न भिन्न प्रान्तों को स्वतन्त्र रूप से शासन-प्रबन्ध का अधिकार दे दिया गया है। समस्त देश कुल १६ प्रान्तों में बँटा है। जिनमें से ११ प्रान्त गवर्नर के हाथ में हैं और ६ चीफ़ कमिश्नरों के हाथ में हैं। गवर्नर के हाथ में ये ११ प्रान्त हैं—(१) बम्बई (२) बङ्गाल (३) मद्रास (४) संयुक्तप्रान्त (५) पंजाब (६) बिहार (७) मध्यप्रदेश और बरार (८) आसाम (९) सीमा-प्रान्त (१०) उड़ीसा (११) सिंध। इसी प्रकार चीफ़ कमिश्नरों के हाथ में (१) ब्रिटिश बिलोचिस्तान (२) दिल्ली (३) अजमेर-मारवाड़ (४) कुर्ग (५) अंडमन और निकोबार (६) द्वीप समूह हैं। इन प्रान्तों का शासन गवर्नर जनरल अपने चीफ़ कमिश्नरों द्वारा करता है। यहाँ व्यवस्थापक सभायें नहीं हैं।

प्रान्तीय शासन-प्रबन्ध

(गवर्नरी प्रान्त)

गवर्नर

ब्रिटिश सम्राट्-द्वारा नियुक्त होकर गवर्नर हर प्रकार की आज्ञायें जारी करता है। उसी के नाम पर कुल शासन चलाया जाता है।

मंत्रिमंडल

गवर्नर की सहायता तथा सलाह के लिए मन्त्रिमंडल की नियुक्ति गवर्नर-द्वारा लेजिसलेटिव असेम्बली (Legislative Assemly) के बहुमत रहनेवाले दल में से होती है। इसे केबीनट (Cabinet) कहते हैं और प्रधान मंत्री 'प्रीमियर" (Premier) या (Chief Minister) कहलाता है। सुविधा के लिए मन्त्रिमंडलों ने अनेक पार्लामेंटरी सेक्रेटरी (Parliamentary Secretary) नियुक्त किये हैं किन्तु इनका उल्लेख गवर्नमेंट आफ़ इंडिया ऐक्ट में नहीं है।

'व्यक्तिगत" तथा "स्वेच्छा"

गवर्नमेंट आफ़ इंडिया ऐक्ट में निर्धारित विषयों तथा अवसरों पर गवर्नर को "व्यक्तिगत" (Individual Judgment) तथा "स्वेच्छा" (discretion) से काम करने तथा निर्णय देने का अधिकार है।

धारा-सभायें

सभायें दो प्रकार की होती हैं (१) लेजिस्लेटिव कौंसिल (Legislative Council) अथवा अपर चैम्बर (Upper Chamber)। इस सभा में प्राय: बड़े ज़मींदार, महाजन तथा पूँजीपतियों को निर्वाचित होने का अधिकार है। लेजिस्लेटिव कौंसिल के लिए गवर्नर को भी कुछ सदस्य नामज़द करने का अधिकार है।

(२) लेजिस्लेटिव असेम्बली (Legislative Assembly) अथवा लोअर चैम्बर (Lower Chamber)। इसमें जनता अपने प्रतिनिधि चुनकर भेजती है।

दोनों सभाओंवाले प्रांत—मद्रास, बम्बई, बंगाल, विहार, संयुक्तप्रांत, आसाम।

एक सभा अर्थात् साधारण सभावाले प्रांत—मध्यप्रदेश तथा बरार, पंजाब, उड़ीसा, सिंध, सीमाप्रांत।

निर्वाचकों की योग्यता

वोट (Vote) अर्थात् मताधिकार प्रत्येक प्रौढ़ स्त्री पुरुष को प्राप्त नहीं है। भिन्न भिन्न प्रान्तों ने अपनी परिस्थिति के अनुसार शिक्षा, व्यापार, इनकमटैक्स, लगान, मालगुज़ारी, जाति, धर्म के क्षेत्र से योग्यतायें निश्चित की हैं।

प्रेसीडेंट तथा स्पीकर

प्रत्येक लेजिस्लेटिव कौंसिल में चुना हुआ अध्यक्ष होता है जिसे "प्रेसीडेंट" (President) कहते हैं।

प्रत्येक लेजिस्लेटिव असेम्बली में चुना हुआ अध्यक्ष होता है जिसे "स्पीकर" (Speaker) कहते हैं।

व्यवस्थापक सभाओं में सदस्य-संख्या

प्रान्त	लेजिसलेटिव कौंसिल	लेजिसलेटिव एसेम्बली
बंगाल	६३ से ६५	२५०
मद्रास	५४ से ५६	२१५
बम्बई	२९ से ३०	१७५
संयुक्तप्रान्त	५८ से ६०	२२८
आसाम	२१ से २२	१०८
बिहार	२६ से ३०	१५२
सीमाप्रान्त	×	५०
सिंध	×	६०
उड़ीसा	×	६०
मध्यप्रान्त	×	११२
पंजाब	×	१७५
	२५४ से २६३	१५८५

भिन्न भिन्न प्रांतों की ऐसेम्बली में सुरक्षित सदस्यपद

प्रान्त	हरिजन	स्त्रियाँ	यूनिवर्सिटी	ज़मींदार	[illegible]	व्यापारी वर्ग	पिछड़ी हुई जा०	श्रमजीवी वर्ग	देशी ईसाई	एंग्लोइंडियन
मद्रास	३०	८	१	६	३	६	१	६	९	२
बम्बई	१५	६	१	२	३	७	१	७	३	२
बङ्गाल	३०	५	२	५	११	१९	...	८	२	३
संयुक्तप्रान्त	२०	६	१	६	२	३	..	३	२	१
पंजाब	८	४	१	५	१	१	...	३	२	१
बिहार	१५	४	१	४	२	४	७	३	१	१
मध्य प्रदेश और बरार	२०	३	१	३	१	२	१	२	...	१
आसाम	७	१	...	...	१	११	९	४	१	...
उड़ीसा	६	२	...	२	...	१	५	१	...	...
सिंध	...	२	...	२	२	२	...	१	...	...
सीमाप्रान्त		...	...	२	...	...	...	...	...	...

स्त्रियों के सुरक्षित सदस्यपद (प्रान्त तथा धर्मानुसार)

प्रान्त	साधारण	सिक्ख	मुसलमान	ऐंग्लो इंडियन	भारतीय ईसाई
मद्रास	६	...	१	...	१
बम्बई	५	...	१	...	...
बंगाल	२	...	२	१	...
संयुक्तप्रान्त	४	...	२	...	...
पंजाब	१	१	२	...	...
बिहार	३	..	१	...	...
मध्य प्रदेश और बरार	३	..	...	...	...
आसाम	१	...	...	...	...
उड़ीसा	२	...	...	...	...
सिन्ध	१	..	१	...	...

प्रश्नोत्तर तथा प्रस्तावों की पद्धति

अपनी अपनी लेजिसलेटिव कौंसिल तथा एसेम्बली की कार्य-पद्धति के लिए प्रत्येक प्रान्त नियम बना सकता है।

काफ़ी अँगरेज़ी न जाननेवाले लोग कौंसिलों में मातृभाषा में बोल सकते हैं।

कौंसिल और एसेम्बली में कार्य के लिए समय की अवधि तथा तिथियाँ निश्चित करने, उन्हें बुलाने या न बुलाने या उनका अन्त करने का अधिकार गवर्नर को है। प्रत्येक सदस्य मन्त्रियों से प्रश्न पूछने का अधिकारी है।

प्रस्ताव तथा प्रस्तावित क़ानूनों के मसविदे (Bill) सदस्यों को लिखित रूप में स्पीकर अथवा प्रेसीडेंट के यहाँ भेज देना चाहिए। बिलों (प्रस्तावित क़ानूनों के इन प्रस्तावों) तथा बिलों के उपस्थित किये जाने का क्रम चिट्ठी (Ballot) उठवा कर स्थिर किया जाता है और निश्चित दिन बीत जाने पर सब बाक़ी के प्रस्तावों तथा बिलों का स्वभावतः लोप (lapse) हो जाता है। ऐसे लुप्त (lapsed) बिल और प्रस्ताव पुनः अगली बैठकों में उक्त चिट्ठियों की रीति से क्रमानुसार पेश किये जा सकते हैं अन्यथा नहीं।

मन्त्रिमंडल को प्रस्तावों तथा बिलों को सदैव पेश करने का अधिकार है।

कोई बिल जिसमें रुपये का खर्च तथा कर लगाना प्रस्तावित हो उसे कोई सदस्य बिना गवर्नर की स्वीकृति पहिले प्राप्त किये पेश नहीं कर सकेगा। अर्थ-बिल (Money Bill) लेजिस्लेटिव कौंसिल में आरम्भिक रीति से पेश नहीं किया जा सकता। वह पहले एसेम्बली में ही पेश हो सकता है। बजट (आय-व्यय का अनुमान-पत्र) पर एसेम्बली ही विचार करके पास कर सकती है। कौंसिल में बजट केवल सूचना-निमित्त पेश होता। है कौंसिल के सदस्यों को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार है। मंज़ूर या नामंज़ूर करने का नहीं।

दोनों सभाओं की स्वीकृति के बिना कोई भी बिल पास नहीं समझा जाता। यदि दोनों सभाओं में मत-भेद हो अथवा संशोधित रूप में पास किया जावे तो आरम्भिक सभा को अधिकार है कि संशोधन मंज़ूर कर ले। यदि न करे तो दोनों सभाओं के सम्मिलित अधिवेशन में ऐसा बिल पेश होगा और बहुमत से जो स्वरूप पास होगा वही स्वरूप अंतिम समझा जावेगा।

गवर्नर की स्वीकृति

दोनों सभाओं-द्वारा पास किया हुआ बिल भी गवर्नर की स्वीकृति के बिना क़ानून का रूप नहीं धारण कर सकता।

यदि गवर्नर के द्वारा अस्वीकृत बिल गवर्नर जनरल के पास भेज दिया जायगा, तो उसे उसको स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार है।

खादी

(श्री र० वि० धुलेकर एम० ए०, एम० एल० ए०)

भारतवर्ष के व्यापार में खादी अपना एक बहुत ही महत्त्व पूर्ण स्थान रखती है। देशवासियों के उपयोग के लिए विदेशों से भी तरह तरह के कपड़े आते हैं, किन्तु ये विदेशी कपड़े भी यहाँ के निवासियों की आवश्यकता पूरी नहीं कर पाते। देश में लाखों चरखे और सहस्रों करघे चलते ही जाते हैं।

किन्तु विदेशी मिलों के कपड़ों की भरमार के कारण इस देश के लाखों कोरी और जुलाहे जिनका रोजगार केवल कपड़ा बुनना था, बेकार हो गये हैं और देश की निर्धनता बढ़ती जाती है।

भिन्न भिन्न उद्योगों में भारतवासी इस प्रकार लगे हुए हैं (१९३१)।

खेती	६७·० प्रतिशत
व्यापार	५·४ "
ढुलाई (रेल आदि)	१·५ "
प्रबन्ध	२·८ "
मिल फैक्टरियाँ आदि	९·७ "

इससे स्पष्ट है कि इतने वर्षों में "मशीनयुग" भी १० प्रतिशत से अधिक मनुष्यों को काम देने में समर्थ नहीं हो सका।

भारत में कुल २२·५ करोड़ एकड़ भूमि में खेती होती है इस प्रकार एक आदमी के हिस्से में केवल १·२० एकड़ भूमि पड़ती है।

भारतीय किसान की औसत जोत का क्षेत्रफल इस प्रकार है—

प्रान्त	एकड़
आसाम	२·९६
बङ्गाल	३·१२
बिहार उड़ीसा	३·०९
बम्बई	१२·१५
मध्य-प्रदेश	८·४८
मद्रास	४·९१
पश्चिमोत्तर प्रान्त	११·२२
पञ्जाब	९·१८
संयुक्त-प्रान्त	२·५१

यह कहने की आवश्यकता नहीं कि ६७·१ मनुष्यों को मिलें और फैक्टरियाँ काम नहीं दे सकतीं। न इतने मनुष्य गाँव छोड़कर मिलों में काम पा सकते हैं। इस कारण महात्मा गांधी का कहना है कि

खादी के द्वारा ग्राम में रहनेवालों को ऐसा सहायक उद्योग दिया जा सकता है जो उन्हें खेती से बचे हुए समय में ही कुछ धन उपार्जन करने में सहायता दे। चरखा और खादी पर महात्मा जी इसी कारण बहुत जोर देते हैं। उनका कहना है कि यदि कोई मनुष्य शहर में आकर मजदूरी करे तो उसकी मज़दूरी से चरखा से सूत कातने की आमदनी की तुलना नहीं हो सकती। चरखा चलाना केवल 'सहायक उद्योग' है, किन्तु है बड़ा लाभदायक उद्योग।

असहयोग आन्दोलन (१९२१) के आरम्भ में ही महात्मा गांधी ने चरखा तथा खादी का प्रचार आरम्भ किया। सितम्बर सन् १९२५ में अखिल भारतीय चरखा-संघ महात्मा गांधी के प्रयत्नों के द्वारा क़ायम हुआ।

आजकल भिन्न भिन्न प्रान्तों में लगभग १५०० कार्यकर्त्ता खादी का काम कर रहे हैं। जिनमें ११३५ कार्यकर्त्ता आल इंडिया एसोसिएशन में और ३२९ अन्य सहायक संस्थाओं में हैं।

هندوستان

همارا ملک هندوستان ایک براعظم ایشیا کا سب سے بڑا جزیره نما هے - اسکے تین طرف پاني هے اور یه اس بڑے براعظم یعني ایشیا کے جنوب میں واقع هے -

حدوداربعه - همارے ملک کے شمال میں پهاڑي سلسلے چلے گئے هیں - اسکے جنوب میں بحر هند هے - مشرق میں برهما اور خلیج بنگال هے اور مغرب میں بحر عرب ' بلوچستان اور افغانستان هے -

وسعت - یه ملک بهت بڑا هے - اسکي وسعت شمال سے جنوب تک قریباً ۱۹۰۰ میل هے اور مشرق سے مغرب قریباً ۱۹۰۰ میل هے هندوستان کے بحري ساحل کي لمبائي ۳۶۰۰ میل هے - اس طرح اس وسیع ملک کا رقبه ۱۸۰۸۶۷۹ مربع میل هے جس میں سے ۱۰۹۶۱۷۱ مربع میل یعني ۶۱ في صدي ملک برٹش گورنمنٹ کے زیر حکومت هے اور ۷۱۲۵۰۸ مربع میل یعني ۳۹ في صدي ملک دیسی راجاؤں کے زیر حکومت هے -

هندوستان کے جانوروں کي تعداد

۱۹۳۵ء کے شمار کے مطابق هندوستان کے مختلف صوبوں میں جانوروں کي تعداد حسب ذیل هے -

صوبه	گائے بهینس	بهیڑ بکري	گهوڑے گدهے اونٹ وغیره	هل	گاڑیاں
اجمیر مارواڑ	۳۸۱	۵۱۵	۱۴	۵۰	۱۷
آسام	۵۹۸۴	۷۹۵	۲۰	۱۱۳۵	۶۳
بنگال	۲۵۴۸۷	۶۰۳۹	۱۱۶	۴۵۹۴	۸۶۰
بهار و اُڑیسه	۲۱۳۰۸	۶۷۷۹	۲۲۷	۳۵۴۴	۶۲۵
بمبئي	۱۲۵۹۶	۶۱۱۲	۵۶۳	۱۵۵۳	۷۶۸
ممالک متوسط اور برار	۱۳۸۴۴	۲۱۹۳	۱۸۶	۱۶۴۱	۱۱۴۷
کرگ	۱۳۷	۳	۱	۲۸	۱
دهلي	۱۵۵	۳۶	۱۵	۱۸	۸
مدراس	۲۴۶۰۷	۱۰۷۰۱	۲۰۱	۴۳۸۴	۱۱۹۴
سرحدي صوبه	۱۰۹۴	۱۰۳۲	۱۸۵	۲۱۲	۷
پنجاب	۱۵۸۴۰	۸۵۸۶	۱۳۹۸	۲۳۶۱	۳۵۷
ممالک متحده	۳۲۴۷۰	۱۰۰۰۲	۸۱۸	۵۱۹۶	۱۰۹۴

زبان

ہمارے ملک کے مختلف حصوں میں مختلف زبانیں بولی جاتی ہیں - اسطرح پر قریباً ۲۲۲ قسم کی مختلف زبانیں بولی جاتی ہیں - بہت زبانیں ذیل کی زبانوں سے نکلی ہیں -

(۱) سنسکرت - (۲) دراوڑ اور (۳) برھمی -

جو زبانیں سنسکرت سے نکلی ہیں انھیں بولنے والے تقریباً ۲۵ کروڑ آدمی ہیں - ۵ کروڑ آدمی دراوڑی زبان بولتے ہیں اور ۱۶۳ کروڑ آدمی دیگر زبانیں بولتے ہیں -

ہندوستان کی خاص زبانیں ہندی، بنگالی، اُڑیہ، پنجابی، مراٹھی، گجراتی سندھی اور آسامی ہیں - یہ سب سنسکرت زبان کی شاخیں ہیں - ان میں سے کسی زبان کے بولنے والوں کی تعداد کتنی ہے اس کی تفصیل حسب ذیل ہے -

سنسکرت سے نکلی ہوئی زبانیں

زبان		زبان	
ہندی	۷۱۵۴۷۰۰۰	راجستھانی	۱۳۸۹۸۰۰۰
بنگالی	۵۳۴۶۹۰۰۰	اُڑیہ	۱۱۱۹۴۰۰۰
مراٹھی	۲۰۸۹۰۰۰۰	گجراتی	۱۰۱۵۰۰۰
پنجابی	۱۵۸۳۹۰۰۰	لہنڈا (مغربی پنجابی)	۸۵۶۶۰۰۰

پشتو (جسے افغان بولتے ہیں)، کشمیری اور نیپالی بھی سنسکرت سے نکلی ہوئی زبانیں ہیں - اردو زبان شمالی ہندوستان میں کافی رائج ہے - اردو زبان میں بہت سے الفاظ فارسی اور عربی کے ہیں -

دراوڑی زبان کی خاص شاخیں تامل، ملیالم، کناڑی، تیلنگی اور گونڈی ہیں - یہ زبانیں خصوصاً صوبہ مدراس میں بولی جاتی ہیں اور ان کے بولنے والوں کی تعداد حسب ذیل ہے -

دراوڑی اور براھمی زبانیں

زبان		زبان	
تلنگی	۲۶۳۷۴۰۰۰	کناڑی	۱۱۲۰۶۰۰۰
تامل	۱۰۴۱۲۰۰۰	براھمی	۸۸۵۴۰۰۰
ملیالم	۹۱۳۸۰۰۰		

هندوستان ميں ذيل کے مذهب رائج هيں - انکے ماننے والوں کي تعداد آگے دی هوئي هے

مردم شماری بلحاظ مذهب

مذهب	۱۹۳۱	مذهب	۱۹۳۱
آريه مذهب	۲۳۹۱۹۵۰۰۰	سيميٹك	۸۳۸۹۷۰۰۰
سناتن دهرم	۲۱۹۸۶۲۰۰۰	اسلام	۷۷۶۷۷۰۰۰
آريه سماج	۹۵۰۰۰۰	عيسائي	۶۱۹۶۰۰۰
برهم سماج	۴۰۰۰	يهودي	۲۴۰۰۰
سكهه	۴۳۳۵۰۰۰	انارية	۸۲۸۰۰۰۰
جين	۱۲۵۲۰۰۰	ديگر	۵۷۱۰۰۰
بودهه	۱۲۷۸۷۰۰۰		
ايراني			
پارسي	۱۰۹۰۰۰		

باشندے

هندوسان کے باشندوں کي تعداد ۱۹۳۱ع کي مردم شماري کے مطابق ۳۵۲۸۳۷۷۷۸ هے جو يورپ کي آبادي سے زايد هے - ايك مربع ميل ميں اوسطاً ۱۹۵ آدمی رهتے هيں -

هندوستان کے لوگ زياده تر گاؤں ميں رهتے هيں اور ۱۷٫۵ کروڑ سے زياده كاشتكاری ميں لگے هوئے هيں - شهروں ميں رهنے والوں کي تعداد ۵ في صدي سے بهي كم هے -

كاشتكاري کے بعد سب سے بڑا پيشه لوگوں كا كپڑے بُننا هے - ۱٫۲ كروڑ آدمي كپڑے بُننے اور كپڑوں کے لئے ضروري سامان بنانے ميں لگے هوے هيں -

هندوستان ميں آبادي اوسطاً في مربع ميل ۱۹۵ هے برٹش هندوستان كي آبادي في ميل ۲۴۷ هے اور ديسی هندوستان كي آبادي في مربع ميل ۱۱۴ هے -

آبادي كي زيادتي كا انحصار بهت سي باتوں پر هے - لوگ زياده تر ان مقامات پر رهنا پسند كرتے هيں جهاں تجارت اور روزگار كافي هو - يه هي وجهه هے كه شهروں كي آبادي بهنسبت گاؤں کے زياده گنجان هوتي هے - ديهاتوں ميں جهاں كي زمين زياده زر خيز هوتي هے وهاں آبادي زياده گنجان هوتي هے - اسي وجهه سے اگر شهروں كي آبادي الگ كردي جاوے تو گاؤں كي آبادي في مربع ميل كهيں كهيں صرف ايك آدمي اور كهيں كهيں ۱۸۸۲ هے - صاف بات هے كه هر انسان كو زندہ رهنے کے واسطے كهانا ، كپڑا ، مكان اور اوزاروں كي ضرورت هوتي هے - وه

وهاں هي ره سكتا هے جهاں يهه سب چيزيں بهم پهونچ سكيں - جهاں انكے ملنے كي زياده قدرت نے وسيله پهونچا دئے هيں وهيں انسان زياده آباد هيں -

هندوستان كي آبادي

	برٹش هندوستان	ديسي هندوستان	ميزان
شهروں ميں	۲۹۶۵۸۴۶۹	۹۳۲۶۹۵۸	۳۸۹۸۵۴۲۷
گاؤں ميں	۲۴۱۸۶۸۴۶۴	۷۱۹۸۳۸۸۷	۳۱۳۸۵۲۳۵۱
ميزان	۲۷۱۵۲۶۹۳۳	۸۱۳۱۰۸۴۵	۳۵۲۸۳۷۷۷۸

هندوستان كے صوبوں اور رياستوں كي مردم شماري

صوبه و رياست	۱۹۲۱ء	۱۹۳۱ء	آبادي في مربع ميل
هندوستان	۳۱۸۹۴۲۴۸۰	۳۵۲۸۳۷۷۷۸	۱۹۵
برٹش هندوستان	۲۷۰۹۵۰۴۳۳	۲۷۱۵۲۶۹۳۳	۲۴۷
اجمير مارواڑ	۴۹۵۲۷۱	۵۶۰۲۹۲	۲۰۷
اينڈمن نكوبار	۲۷۰۰۷	۲۹۴۶۳	...
آسام	۷۹۹۰۲۴۶	۸۶۲۲۲۵۱	۱۳۷
بلوچستان	۷۹۹۶۲۵	۴۶۳۵۰۸	۶
بنگال	۴۷۵۹۲۴۶۲	۵۰۱۱۴۰۰۲	۶۴۶
بهار و اُڑيسه	۳۷۹۶۱۸۵۸	۳۷۶۷۷۵۷۶	۳۷۹
بمبئي	۲۶۷۵۶۴۸	۲۱۹۳۰۶۰۱	۱۷۴
ممالك متوسط اور برار	۱۵۹۷۹۶۶۰	۱۵۵۰۷۷۲۳	۱۳۷
كُرگ	۱۶۳۸۳۸	۱۶۳۳۲۷	۱۰۳
دهلي	۴۸۸۱۸۸	۶۳۶۲۴۶	۱۱۱۰
مدراس	۴۲۷۹۴۱۵۵	۴۶۷۴۰۱۰۷	۳۲۹
سرحدي صوبه	۵۰۷۶۴۷۶	۲۴۲۵۰۷۶	۱۲۹
پنجاب	۲۵۱۰۱۰۶۰	۲۳۵۸۰۸۵۲	۲۰۸
ممالك متحده	۴۶۵۱۰۶۶۸	۴۸۴۰۸۷۶۳	۴۴۲
بڑوده	۲۱۲۶۵۲۲	۲۴۴۳۰۰۷	۲۹۹
سنٹرل انڈيا ايجنسي	۵۹۹۷۰۲۳	۶۶۳۲۷۹۰	۱۲۹
كوچين	۹۷۹۰۸۰	۱۲۰۵۰۱۶	۸۱۴

صوبه و ریاست	۱۹۲۱	۱۹۳۱	آبادي في مربع ميل
گواليار	۳۱۸۶۰۷۵	۳۵۲۳۰۷۰	۱۳۴
حيدراباد	۱۲۴۷۱۷۷۰	۱۴۴۳۶۱۴۸	۱۷۵
كشمير	۳۳۲۰۵۱۸	۳۶۴۶۲۴۳	۴۳
رياست ميسور	۵۹۷۸۸۹۲	۶۵۵۷۳۰۲	۲۲۴
راجپوتانه	۹۸۴۴۳۸۴	۱۱۲۲۵۷۱۲	۸۷
سكّم	۸۱۷۲۱	۱۰۹۸۰۸	...
ٹراونكور	۴۰۰۶۰۶۲	۵۰۹۵۹۷۳	۶۶۸

صوبوں كي مردم شماری (بلحاظ مذهب)

صوبه	رقبه مربع ميلوں ميں	يوروپينس اور اينگلو إنڈينس	هندوستاني عيسائي	هندو	مسلمان
مدراس	۱۴۲۲۶۰	۳۰۳۶۸	۱۷۴۳۹۰۸	۴۱۶۲۶۱۳۳	۳۳۰۵۹۳۷
بمبئي	۱۲۳۶۷۹	۴۲۳۰۷	۲۷۴۷۳۵	۱۶۶۱۹۷۴۲	۴۴۵۶۸۹۷
بنگال	۷۷۲۵۱	۵۰۵۸۷	۱۲۹۱۳۴	۲۱۵۷۰۴۰۷	۲۷۴۹۷۶۲۴
ممالك متحده	۱۰۶۲۴۸	۳۴۷۴۴	۱۷۰۲۶۲	۴۰۹۰۵۵۸۶	۱۷۸۱۹۲۷
پنجاب	۹۹۸۶۶	۲۲۹۴۹	۳۹۱۸۳۹	۶۳۲۸۵۸۸	۱۳۳۳۲۴۶۰
بهار و آڑيسه	۸۳۱۴۲	۱۲۷۸۸	۳۲۹۱۱۲	۳۱۰۱۱۵۱۲	۴۲۶۵۰۳۵
ممالك متوسط اور برار	۹۹۸۷۶	۱۰۳۱۳	۴۰۲۷۱	۱۱۶۸۸۱۹۴	۶۸۲۸۵۴
آسام	۵۵۰۱۴	۳۶۷۱	۱۹۸۹۱۵	۴۹۳۱۷۶۰	۲۷۵۵۹۱۴
سرحدي صوبه	۱۳۵۱۸	۷۹۴۷	۴۲۶۶	۱۴۲۹۷۷	۲۲۲۷۳۰۳
كُرگ	۱۵۹۳	۲۲۲	۳۲۰۸	۱۴۶۰۰۷	۱۳۷۷۷
دهلي	۵۹۳	۵۳۱۶	۱۱۶۷۳	۳۹۹۸۶۳	۲۰۶۹۶۰
اجمیرماروار	۲۷۱۱	۲۹۰۸	۴۰۳۹	۴۳۴۵۰۹	۹۷۱۳۳
بلوچستان	۵۴۲۸۸	۵۴۰۴	۲۶۴۰	۴۱۴۳۲	۴۰۵۳۰۹
بنگلور	۱۳	۹۶۷۸	۲۰۳۴۴	۷۴۰۰۴	۲۸۶۲۵
ديگر	۱۲۳	۱۳۸	۶۵۳۷	۷۴۲۱۶	۲۵۶۱۳
كل برٹش هندوستان	۱۰۹۴۱۵۲	۲۷۰۱۹۱	۳۶۳۱۶۳۷	۱۷۷۶۵۶۵۸۸۳	۶۷۰۶۸۱۸۴

صوبوں کی مردم شماری (بلحاظ مذہب)

صوبہ	بودھ	پارسی	سِکھ	دیگر	کل آبادی
مدراس	۱۳۵۹	۵۰۷	۵۳۷	۳۱۳۵۸	۴۶۷۴۰۱۰۷
بمبئی	۲۲۰۴	۸۹۵۴۴	۲۰۸۹۴	۳۴۸۵۴۴	۲۱۸۵۴۸۶۶
بنگال	۳۱۶۰۳۱	۱۵۲۰	۷۳۲۰	۵۴۱۳۷۹	۵۰۱۱۴۰۰۲
ممالک متحدہ	۷۳۰	۹۹۱	۴۶۵۰۰	۶۸۰۲۳	۴۸۴۰۸۷۶۳
پنجاب	۵۷۲۳	۵۴۶	۳۰۶۴۱۴۴	۴۳۴۶۰۳	۱۳۵۸۰۸۵۲
بہار و اُڑیسہ	۹۱۹	۲۴۱	۵۶۵۳	۲۰۵۲۵۹۹	۳۷۶۷۷۸۵۹
ممالک متوسط اور برار	۶۶	۲۰۹۲	۴۲۴۱	۳۰۷۹۶۹۲	۱۵۵۰۷۷۲۳
آسام	۱۴۹۵۵	...	۲۳۹۷	۷۱۴۵۳۹	۸۶۲۲۲۵۱
سرحدی صوبہ	۲	۶۰	۴۲۵۱۰	۱۱	۲۴۲۵۰۷۶
کُرگ	۳	۲۷	...	۸۳	۱۶۳۳۲۷
دہلی	۷۶	۱۲۶	۶۴۳۷	۵۷۹۵	۶۳۶۲۴۶
اجمیر مارواڑ	۴	۳۰۱	۳۴۱	۲۱۰۵۷	۵۶۰۲۹۲
بلوچستان	۶۸	۱۶۷	۸۳۶۸	۱۲۰	۴۶۳۵۰۸
بنگلور	۲۶۰	۲۴۴	۳۲	۹۲۶	۱۳۴۱۱۳
دیگر	۱۰	۱۰۸۰	۶۶۹	۹۳۴۰	۲۲۴۰۲۰
کل برٹش ہندوستان	۱۲۶۹۰۰۰۶	۹۷۸۶۵	۳۲۲۱۰۴۹	۸۱۰۹۲۷۰	۲۷۱۷۸۰۱۵

دنیا کے خاص خاص شہروں کی آبادی

شہر	آبادی	شہر	آبادی
الکذنڈریہ	۵۷۳۰۶۳	کولمبو	۲۸۴۱۵۵
انگورا	۱۲۰۰۰۰	کوپن ہیگن	۸۳۱۲۱۸
بغداد	۲۵۰۰۰۰	دہلی	۴۴۷۴۴۲
برلن	۴۲۴۲۵۰۰	ڈبلن	۴۲۲۰۰۰
برمنگھم	۱۲۰۰۰۰۰	ایڈنبرگ	۴۴۲۰۰۰
بمبئی	۱ ۵۷۰۵۲	جینوا	۶۲۰۰۹۳
کیرو	۱۰۶۴۵۶۷	گلاسگو	۱۱۹۰۰۰۰
کلکتہ	۱۴۱۹۳۲۱	ہیمبرگ	۱۱۴۳۰۰۰
کینٹن	۱۰۵۰۰۰۰	لندن	۸۴۰۱۰۰۰

شهر	آبادي	شهر	آبادي
ميڈرڈ	١٠٤٨٠٠٠	پيپنگ	١٥٢٠٠٠٠
مانچسٹر	١١٠٠٠٠٠	روم	١٠٣٥٠٠٠
نيو يارك	٧٣٦٣٦٢٤	سنگا پور	٥٩٦٦٠٢
پيرس	٢٩٣٠٥٠٠	ٹوكيو	٥٨٧٥٣٨٨

سركار هند*

سركار هند كے تين حصے هيں (١) گورنر جنرل اِن كونسل (٢) كونسل آف اسٹيٹ (٣) ليجسليٹو اسمبلي -

وائيسرائے اور گورنر جنرل

هندوستان كي حكومت دستور عمل كے مطابق گورنر جنرل اِن كونسل كے ذريعه چلائي جاتي هے - گورنر جنرل كو وائيسرائے كهتے هيں - ليكن اِسكي كوئي قانوني وجه نهيں هے - هندوستان ميں وہ شاہ انگلستان كا نمائنده هے اِس وجه سے اُسكو يه خطاب مل گيا هے اور اب اِس خطاب كو قانوني هي سمجهنا چاهئے - گورنر جنرل كو شاہ انگلستان هي مقرر كرتا هے - اور وہ اُسي كا نمائنده هے - بادشاہ كي طرف سے رحم اور معافي دينے كے اُسے كل اختيارات حاصل هيں - حكومت هند كے سب بڑے اور ديگر تمام اختيارات اُسي كو هيں هر قسم كے قانون وہ بنا سكتا هے - اور هندوستاني قائم شده كونسل اور اسمبلي كے ذريعه بنے هوئے قوانين كو وہ خود رد كر سكتا هے - اِس قسم كے نئے قانون بنانے كو سرٹيفيكيشن كهتے هيں - سنه ١٩١٩ء كے بعد كئي موقعوں پر دونوں قسم كي قوتوں كا استعمال كيا جا چكا هے -

گورنر جنرل كي كونسل

گورنر جنرل كي مدد كے لئے ايك مجلس انتظاميه هوتي هے جسكے ممبر شاہ انگلستان كي طرف سے مقرر هوتے هيں - تمام امور حكومت گورنر جنرل به اجلاس كونسل هي كے ذريعه طے هوتے هيں - قانوناً كونسل كے بغير گورنر جنرل كو كوئي كام نهيں كرنا چاهئے - مگر ايسا نهيں هے - گورنر جنرل خود اپنے اختيارات استعمال كرسكتا هے - كونسل ميں كمانڈر انچيف كو ملاكر عموماً آٹهه ممبر هوتے هيں - اِس سے زياده بهي هوسكتے هيں - اِن ميں كم ازكم تين آئي-سي-ايس هوتے هيں اور ايك ممبر بيرسٹر يا وكيل هائي كورٹ هونا چاهئے - اگر مدراس بمبئي يا بنگال پريسيڈنسي ميں سے

---

* نوٹ - مركزي حكومت كا يه بيان گورنمنٹ آف انڈيا ايكٹ ١٩١٩ع كے مطابق ديا گيا هے - اس پر آج كل عمل هورها هے - نئے ايكٹ ١٩٣٥ع كے مطابق صرف صوبوں ميں حكومت هورهي هے -

کسي جگه اِس کونسل کي نشست هو تو اُس پریسیڈنسي کا گورنر اُس نشست کے لئے غیر معمولی ممبر هو جاتا هے - لیکن نشستیں عموماً دهلي اور شمله هي میں هوتي هیں - هر ایك ممبر کے هاتهه میں ایك خاص محکمه (Portfolio) هوتا هے - اور وهي اُس محکمه کا انتظام کرتا هے - لیکن اِن ممبروں کے ماتحت جو سکریٹري هوتے هیں اُنهیں پورا پورا اختیار هے که وه گورنر جنرل کے پاس براه راست چلے جائیں - اور کوئي بهي کام صرف اُسي کے حسب الحکم کردیں اِس کونسل کا کل کام کثرت رائے سے هوتا هے - لیکن گورنر جنرل کو کثرت رائے کا فیصله نه ماننے کا اختیار هے - ایسے موقعه پر مخالف ممبر اپني رائے لکهکر پیش کرسکتے هیں جو سکریٹري آف اسٹیٹ کے پاس بهیج دي جاتي هے -

حکومت هند کے امور

مرکزي حکومت کے هاتهوں میں ایسے کام هیں جو سارے هندوستان سے تعلق رکهتے هیں یا ان کا انتظام مجموعي صورت میں زیاده عمده طریقه پر هو سکتا هے دوسرے امور صوبائي حکومتوں کے هاتهه میں دے دئے گئے هیں - ۱۹۱۹ع ایکٹ کے مطابق صوبوں کے محفوظ امور کے انتظام میں مرکزي حکومت کو دخل اندازي کرنے کا پورا حق تها لیکن اُن امور میں جو منتقل کئے گئے هیں صرف حسب ذیل وجوه سے هي دخل دیا جاسکتا تها -

(۱) اگر مرکزي امور کي حفاظت ضروري هو -
(۲) اگر ۲ یا اِس سے زیاده صوبوں کے درمیان کوئي بات طے کرني هو -
(۳) اگر هائي کمشنر کے معاملے میں گورنر جنرل کا کوئي کام هو -
(۴) اگر صوبائي حکومتوں کو قرض ادا کرنا هو - وغیره وغیره

اب ۱۹۳۵ع کے ایکٹ کے مطابق صوبوں میں خود مختار حکومت (Autonomy) قائم هو گئي هے - اور گورنر جنرل به اجلاس کونسل کے اختیارات ایك حد تك کم هو گئے هیں -

حکومت هند کے افسران

وایسرائے اور گورنر جنرل آف انڈیا اور کونسل -

هز ایکسلنسي دي موسٹ آنریبل دي مار کوئیس آف لنلتهگو بي-سي' کے-ٹي' جي-سي-ایس-آئي' جي-ایم-آئي-اي' او-بي-آئي' ڈي-ایل' ٹي-ڈي-(وایسرائے) -

کمانڈر انچیف اِن انڈیا

هز ایکسلنسي جنرل سر رابرٹ اے کاسلس' جي-سي-بي' سي-ایس-آئي' ڈي ایس او-

مجلس انتظامیه کے ممبران

دي آنربيل سرتھامس استیورت‘ کے-سي-آئي-اي‘ سي-ايس-آئي‘ (ريلوے اور کميونيکيشن)
دي آنريبل سر اين - اين سرکار‘ کے - سي - ايس - آئي‘ بار - ايٹ - لا - (قانون)
دي آنريبل سر محمد ظفرالله خاں بار - ايٹ - لا - (کامرس اينڈ ليبر)
دي آنريبل سر جيمس گرگ‘ کے-سي-بي‘ کے-سي-ايس-آئي‘ (فائننس)
دي آنريبل کنور سر جگديش پرشاد سي-ايس-آئي‘ سي-آئي-اي‘ او-بي-اي-
(تعليم‘ حفظان صحت اور آراضي)

حکومت هند کا محکمه عدالت

فيڈرل کورٹ آف انڈيا

چيف جسٹس آف انڈيا - آنريبل سر مورس گوائر-کے-سي-ايس-آئي-
ججز - آنريبل سر شاه محمد سليمان اور آنريبل سر سرينواس واردا چاري -
ايڈوکيٹ جنرل آف انڈيا - سر برجيندر لال متر‘ کے-سي-آئي-اي-

صوبه کي حکومت

موجوده گورنمنٹ آف انڈيا ايکٹ ۱۹۳۵ع کے مطابق ملك کے مختلف صوبوں کو خود مختارانه طور پر اختيارات دے دئے گئے هيں - تمام ملك کل ۱۶ صوبوں ميں منقسم هے- جنميں گيارہ صوبے گورنروں کے ماتحت هيں اور پانچ چيف کمشنروں کے هاتھه ميں هيں - گورنروں کے ماتحت يه ۱۱ صوبے هيں (۱) بمبئي (۲) بنگال (۳) مدراس (۴) ممالك متحده (۵) پنجاب (۶) بهار (۷) ممالك متوسط اور برابر (۸) آسام (۹) سرحدي صوبه (۱۰) اڑيسه (۱۱) سندھ - اسيطرح چيف کمشنروں کے ماتحت (۱) برطانوي بلوچستان (۲) دهلي (۳) اجمير مارواڑ (۴) کرگ (۵) اينڈمن اور نيکو بار مجمع الجزائر هيں - ان صوبوں پر گورنر جنرل اپنے چيف کمشنروں کے ذريعه حکومت کرتا هے يهاں پر انتظاميه مجلسيں نهيں هيں -

صوبه جاتي حکومت کا انتظام

(گورنري صوبه)

گورنر

شاه انگلستان کے ذريعه مقرر هو کر گورنر هر قسم کے احکام جاري کرتا هے - اُسي کے نام پر سارے احکام چلائے جاتے هيں -

وزارت

گورنر كي امداد اور مشورے كے لئے وزارت كي تقرري گورنر كے ذريعہ ليجسليٹو اسمبلي (Legislative Assembly) كي اكثريت كي پارٹي ميں سے هوتي هے - اِسے كيبينٹ كهتے هيں - اور وزير اعظم (Premier) يا (Chief Minister) كهلاتا هے - آساني كے لئے وزارت نے كئي پارليمنٹري سكريٹري مقرر كئے هيں ليكن اُنكا ذكر گورنمنٹ آف انڈيا ايكٹ ميں نهيں هے - گورنمنٹ آف انڈيا ايكٹ ميں كچهه مسئلوں اور موقعوں پر جنكا كه اِسميں ذكر هے گورنر كو ذاتي رائے سے كام كرنے اور فيصله كرنے كا اختيار حاصل هے -

قانوني مجالس—مجلسيں دو قسم كي هوتي هيں - ١ - ليجسليٹو كونسل (Legislative Council) يا اپرچيمبر (Upper Chamber) - اِس مجلس ميں عام طور پر بڑے زميندار اور رئيسوں كو منتخب هونے كے حقوق حاصل هيں - ليجسليٹو كونسل كے لئے گورنر كو بهي كچهه ممبران كو نامزد كرنے كا حق حاصل هے - (۲) ليجسليٹو اسمبلي يا لور چيمبر (Lower Chamber) اس ميں عوام اپنے نمائندے منتخب كر كے بهيجتے هيں - مدراس، بمبئي، بنگال، بهار، آسام اور ممالك متحده ميں دونوں قسم كي مجلسيں هيں - ممالك متوسط و برار، پنجاب، اڑيسه، سندهه اور سرحدي صوبه ميں ايك هي مجلس هے -

ووٹروں كي حيثيت—هر بالغ مرد عورت كو ووٹ دينے كا حق حاصل نهيں هے مختلف صوبوں نے ووٹروں كي حيثيت مختلف طريقوں سے بلحاظ تعليم، تجارت، انكم ٹيكس، لگان، مالگذاري، ذات، مذهب وغيره مقرر كي هے -

پريسيڈنٹ يا اسپيكر—هر ليجسليٹو كونسل ميں صدر منتخب هو تا هے - جسے 'پريسيڈنٹ' (President) كهتے هيں - هر ليجسليٹو اسمبلي ميں بهي صدر هو تا هے جسے 'اسپيكر' (Speaker) كهتے هيں -

قائم شده مجلسوں ميں ممبروں كي تعداد

صوبه	ليجسليٹو كونسل	ليجسليٹو اسمبلي
بنگال	٦٣ سے ٦٥	۲۵۰
مدراس	۵۴ " ۵٦	۲۱۵
بمبئي	۲۹ " ۳۰	۱۷۵
ممالك متحده	۵۸ " ٦۰	۲۲۸
آسام	۲۱ " ۲۲	۱۰۸
بهار	۹۲ " ۳۰	۱۵۲
سرحدي صوبه	...	۵۰

صوبہ	لیجسلیٹو کونسل	لیجسلیٹو اسمبلی
سندھ	...	۶۰
اڑیسہ	...	۶۰
ممالک متوسط	...	۱۱۲
پنجاب	...	۱۷۵
	۲۵۴ سے ۲۶۳	۱۵۸۵

مختلف صوبوں کی ایسمبلی میں مقررہ نشستیں

صوبہ	ہریجن	عورتیں	یونیورسٹی	زمیندار	یوروپین	تجار	پست قومیں	مزدور	دیسی عیسائی	انگلو انڈین
مدراس	۳۰	۸	۱	۶	۳	۶	۱	۶	۹	۲
بمبئی	۱۵	۶	۱	۲	۳	۷	۱	۷	۳	۲
بنگال	۳۰	۵	۲	۵	۱۱	۱۹	...	۸	۲	۳
ممالک متحدہ	۲۰	۶	۱	۶	۲	۳	...	۳	۲	۱
پنجاب	۸	۴	۱	۵	۱	۱	...	۳	۲	۱
بہار	۱۵	۴	۱	۴	۲	۴	۷	۳	۱	۱
ممالک متوسط اور برار	۲۰	۳	۱	۳	۱	۲	۱	۲	...	۱
آسام	۷	۱	...	...	۱	۱۱	۹	۴	۱	...
اڑیسہ	۶	۲	...	۲	...	۱	۵	۱	...	...
سندھ	...	۲	...	۲	۲	۲	...	۱	...	...
سرحدی صوبہ	...	...	...	۲	...	...	...	...	...	...

عورتوں کے لئے مقررہ نشستیں (صوبہ وار اور بلحاظ مذہب)

صوبہ	معمولی	سکھ	مسلمان	اینگلو انڈین	ہندوستانی عیسائی
مدراس	۶	...	۱	...	۱
بمبئی	۵	...	۱	...	...
بنگال	۲	...	۲	۱	...
ممالک متحدہ	۴	...	۲	...	...
پنجاب	۱	۱	۲	...	...
بہار	۳	...	۱	...	...

صوبه	معمولي	سکهه	مسلمان	انگلو انڈین	هندوستاني عسائي
ممالك متوسط اور برار	۳	...	...	...	...
آسام	۱	...	...	...	...
اڑیسه	۲	...	...	...	...
سندھ	۱	...	۱	...	...

سوالات اور تجویزوں کے قاعدے

اپني اپني لیجسلیٹو کونسل اور اسمبلي کی کارروائي کے لئے هر ایک صوبه قاعدے بنا سکتا هے -

کافی انگریزی نه جاننے والے لوگ کونسلوں میں اپني مادري زبان میں بول سکتے هیں -

کونسل اور اسمبلي میں کام کے لئے وقت کي میعاد اور تاریخیں مقرر کرنا ' انهیں بلانے یا نه بلانے یا انکا خاتمه کر دینے کا اختیار گورنر کو هے - هر ایک ممبر وزیروں سے سوالات کر سکتا هے -

تجویزیں یا تجویز شده قانونوں کے مسودے (Bill) ممبروں کو لکهه کر اسپیکر یا پریسیڈنٹ کے پاس بهیجدینے چاهئیں - بلوں (تجویز شده قانونوں کی ان تجویزوں) اور بلوں کے پیش کئے جانے کا طریقۂ عمل چٹهي (Ballot) اُٹهوا کر طے کیا جاتا هے - اور مقررہ وقت گذر جانے پر باقي بل اور تجویزیں عموماً تمادي (lapse) هو جاتی هیں - ایسے تمادي بل اور تجویزیں دوبارہ آئنده بیٹهك میں اسي چٹهي کے طریقے سے پیش کي جاسکتي هیں ورنه نهیں -

وزرا کو تجویزیں اور بلوں کو همیشه پیش کرنے کا اختیار هے کوئي بل جس میں روپیه کا خرچ اور محصول لگانا منظور هو اسے کوئي ممبر بنا گورنر کي منظوري پیشتر سے لئے هوے پیش نهیں کر سکتا - مالي بل (Money Bill) لیجسلیٹو کونسل میں پهلے پیش نهیں کیا جاسکتا وہ پهلے اسمبلي میں هي پیش هوسکتا هے - بجٹ (حسابِ آمدني و خرچ) پر اسمبلي هی غور کرکے پاس کر سکتي هے - کونسل میں بجٹ صرف اطلاعاً پیش هوتاهے - کونسل کے ممبرں کو صرف اپنے خیالات کا اظهار کرنے کا اختیار هے منظور یا نامنظور کرنے کا نهیں -

دونوں مجلسوں کي منظوري کے بغیر کوئي بهي بل پاس شده نهیں سمجها جاتا - اگر دونوں مجلسوں میں اختلاف راے هو یا اصلاح هو کر پاس کیا جاوے تو شروع والي مجلس کو اختیار هے که اصلاح کو منظور کرلے - اگر نه کرے تو دونوں مجلسوں کي مشترکه بیٹهك میں ایسا بل پیش هوگا اور کثرت راے سے جو پاس هوگا وهي آخري فیصله سمجها جاویگا -

گورنر کي منظوري—دونوں مجلسوں کا پاس کیا ہوا بل بھي بلا گورنر کی منظوري کے قانون کي صورت نہیں اختیار کر سکتا - اگر گورنر کا نامنظور کیا ہوا بل گورنر جنرل کے پاس بھیجدیا جائیگا تو اسے اس کو منظور یا نامنظور کرنے کا پورا حق حاصل ہے -

کھادي

(جناب آر-وي-دھولیکر ایم-اے، ایم-ایل-اے)

ہندوستان کي تجارت میں کھادي ایک بہت ہي اہم درجہ رکھتي ہے - ملک والوں کے استعمال کے لئے غیر ملکوں سے بھي طرح طرح کے کپڑے آتے ہیں لیکن یہ ولایتي کپڑے بھي یہاں کے باشندوں کي ضرورت پوري نہیں کر پاتے - ملک میں لاکھوں چرخے اور ہزاروں کرگھے چلتے ہي جاتے ہیں -

ولایتي ملوں کے کپڑوں کي بھر مار کي وجہ سے اس ملک کے لاکھوں کوري اور جولاہے جن کا پیشہ صرف بُننا تھا بیکار ہوگئے ہیں اور ملک میں غریبي بڑھتي جاتي ہے-

طرح طرح کي صنعت و حرفت میں ہند والے اس طرح لگے ہوئے ہیں -

(۱۹۳۱)

کھیتي	۶۷٫۰	في صدي
تجارت	۵٫۳	"
ڈھلائي (ریل وغیرہ)	۱٫۵	"
انتظام	۲٫۸	"
مل فیکٹریاں وغیرہ	۹٫۷	"

اس سے ظاہر ہے کہ اتنے سالوں میں "زمانہ مشین" بھي ۱۰ في صدي سے زیادہ آدمیوں کو کام دینے میں کامیاب نہیں ہوسکا -

ہندوستان میں کل ۲۲٫۵ کروڑ ایکڑ زمین میں کھیتي ہوتي ہے - اس طرح ایک آدمي کے حصہ میں صرف ۱٫۲۰ ایکڑ زمین پڑتي ہے -

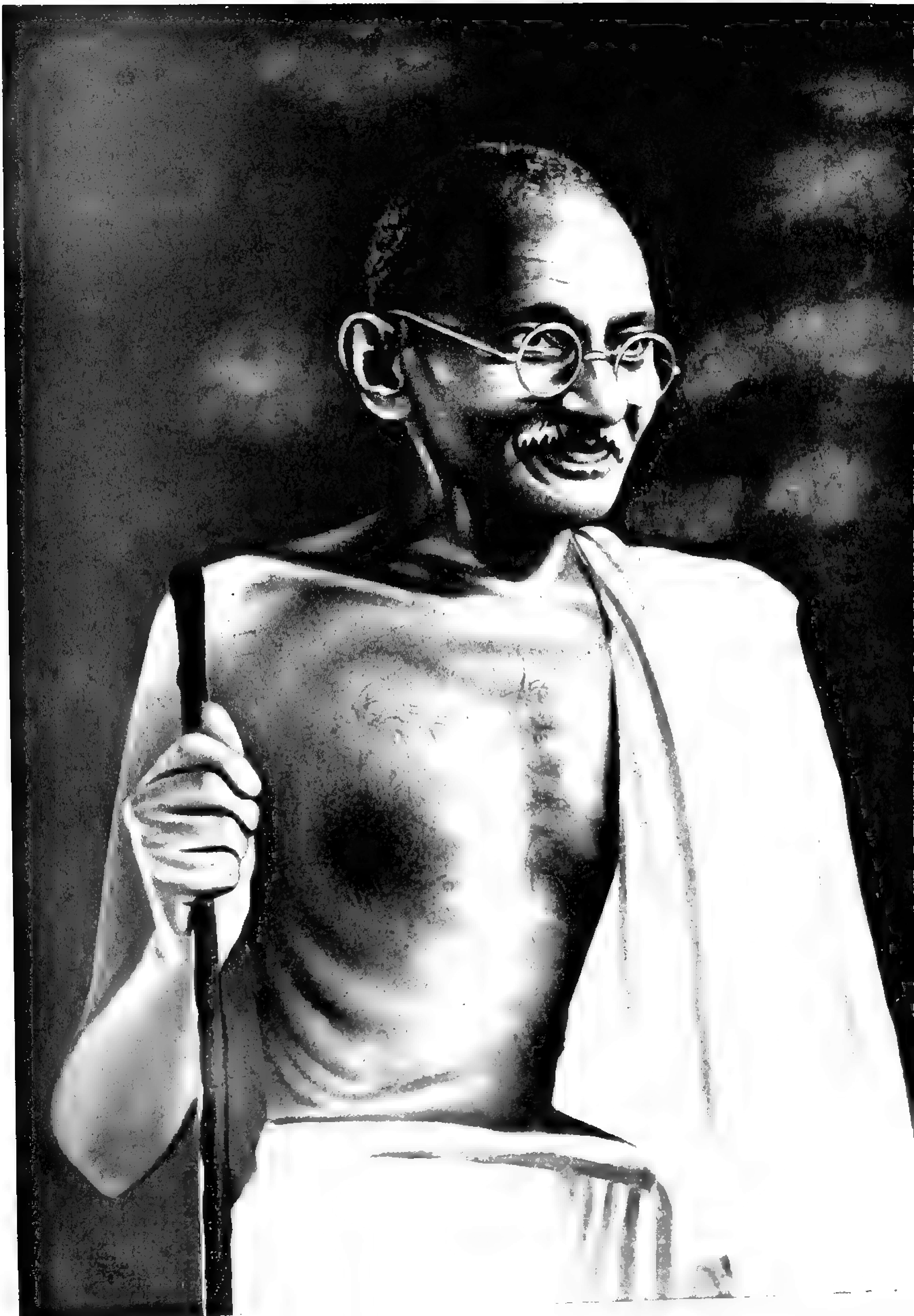
ہندوستاني کسان کي اوسط جوت کا رقبہ اس طرح ہے -

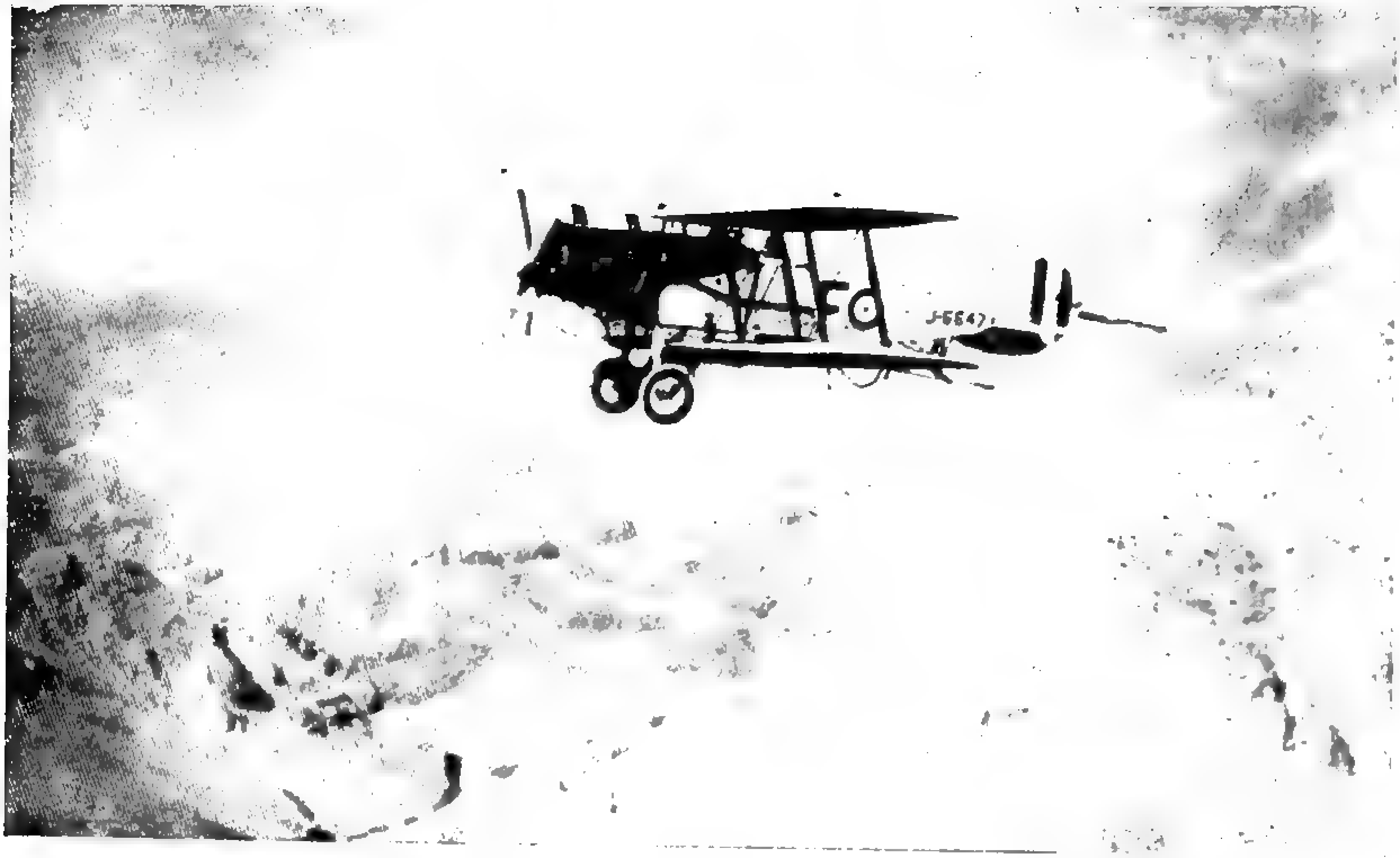
صوبہ	ایکڑ	صوبہ	ایکڑ
آسام	۲٫۹۶	ممالک متوسط	۸٫۴۸
بنگال	۳٫۱۲	مدراس	۴٫۹۱
بہار و اُڑیسہ	۳٫۰۹	سرحدي صوبہ	۱۱٫۲۲
بمبئي	۱۲٫۱۵	پنجاب	۹٫۱۸
برھما	۵٫۶۵	ممالک متحدہ	۲٫۵۱

یہ کہنے کی ضرورت نہیں کہ ۱۷ء۱ آدمیوں کو ملیں اور فیکٹریاں کام نہیں دے سکتیں اور نہ اتنے آدمی گاؤں چھوڑ کر ملوں میں کام پا سکتے ہیں - اسی وجہ سے مہاتما گاندھی کا کہنا ہے کہ کھادی کے ذریعہ گاؤں میں رہنے والوں کو ایسا معاون دھندا دیا جا سکتا ہے جو انہیں کھیتی سے بچے ہوئے وقت میں کچھ روپیہ پیدا کرنے میں مدد دے - چرخہ اور کھادی پر مہاتماجی اسی وجہ سے بہت زور دیتے ہیں - ان کا کہنا ہے کہ اگر کوئی آدمی شہر میں آکر مزدوری کرے تو اس کی مزدوری سے چرخہ سے سوت کاتنے کی آمدنی کا مقابلہ نہیں ہو سکتا - چرخہ چلانا صرف "معاون دھندا" ہے لیکن بڑا کار آمد دھندا ہے -

ترک موالات (سنہ ۱۹۲۱ء) کے شروع میں ہی مہاتما گاندھی نے چرخہ اور کھادی کا پرچار شروع کیا - ستمبر سنہ ۱۹۲۵ء میں مہاتما گاندھی کی کوششوں کی بدولت ہی آل انڈیا چرخہ سنگھ قائم ہوا -

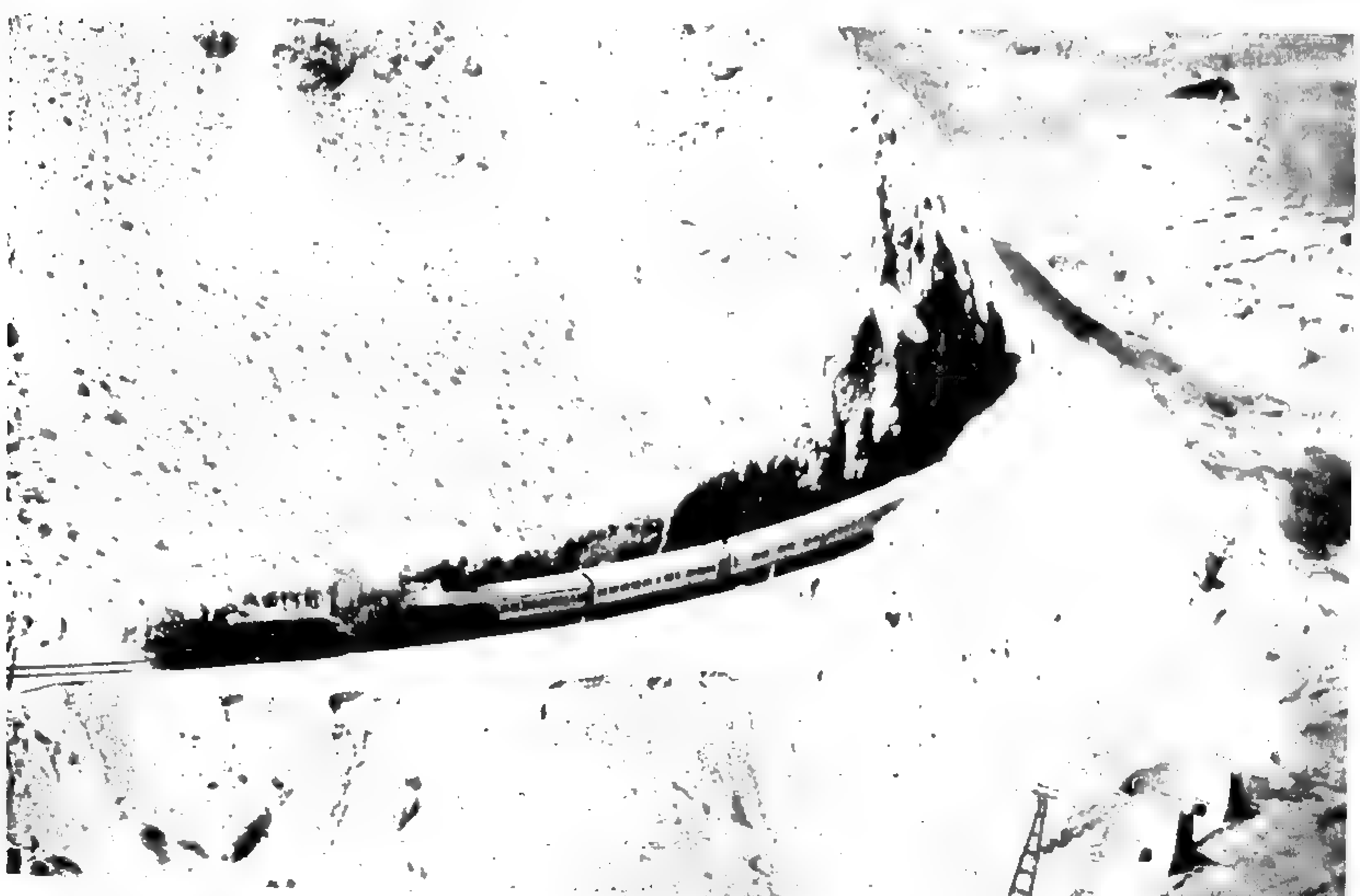
آجکل مختلف صوبوں میں تقریباً ۱۵۰۰ کارکن کھادی کا کام کر رہے ہیں - جن میں ۱۱۳۵ کارکن آل انڈیا ایسوسیایشن میں اور ۳۶۹ دیگر معاون انجمنوں میں ہیں -





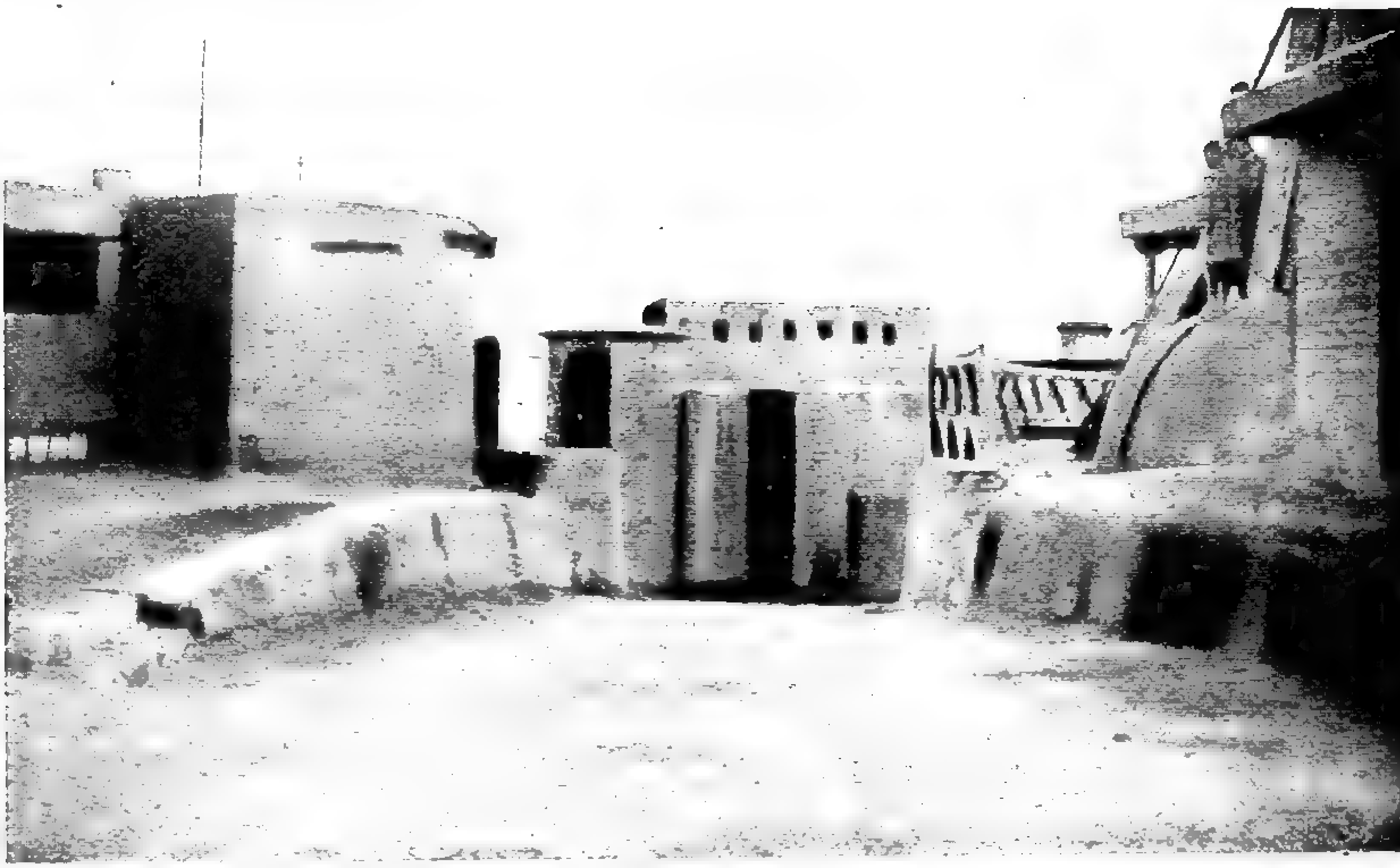
खैबरघाटी के ऊपर एक हवाई जहाज

درہ خیبر کے اوپر سے گذرتا ہوا ایک ہوائی جہاز



एक रेलगाड़ी खैबरघाटी से जा रही है

ایک ریل گاڑی درہ خیبر سے گذر رہی ہے



जमरूद का क़िला

جمرود کا قلعه



अँगरेज़ी भारत की सीमा

برٹش هندوستان كي سرحد



खैबरघाटी का नाका

درہ خیبر کا ایک ناکہ

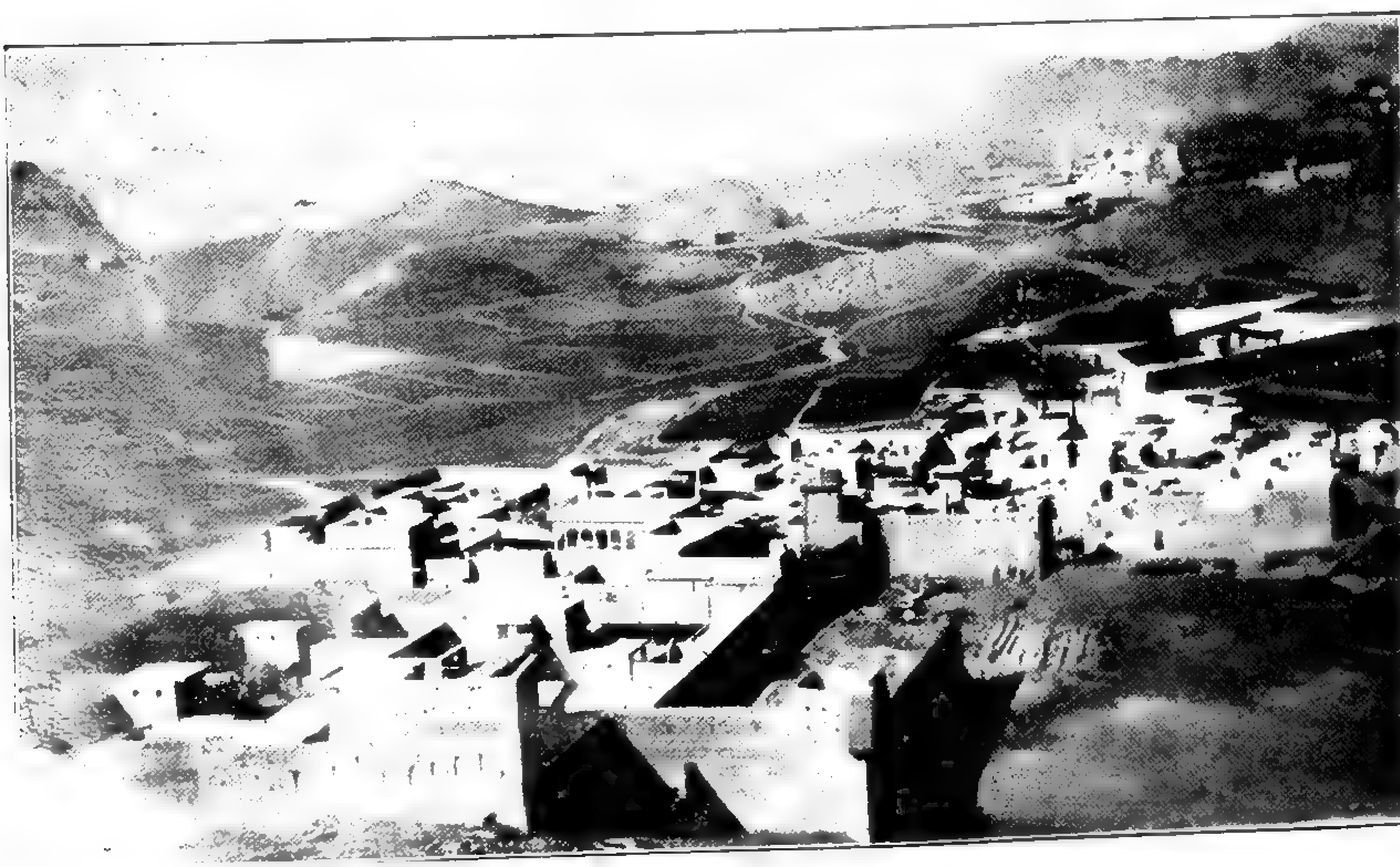


पेशावर में देख पड़नेवाले स्वतन्त्र इलाक़े के निवासी

پیشاور میں دکھائی پڑنے والے آزاد علاقوں کے باشندے



अटक के क़िला का एक दृश्य
اٹک کے قلعہ کا ایک منظر

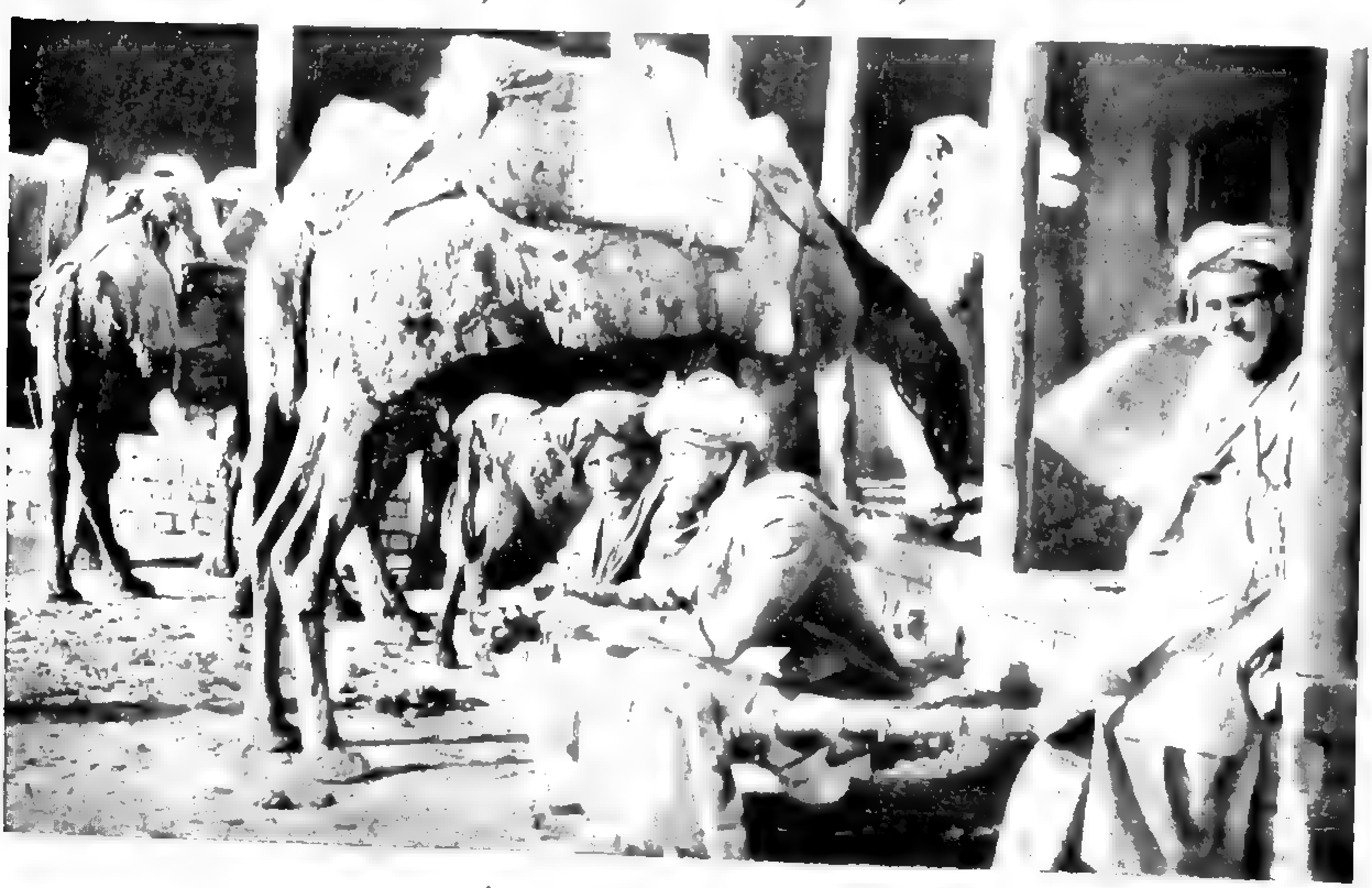


सीमा-प्रान्त के एक गाँव का एक सुन्दर दृश्य
سرحدي صوبه کے ایک گاؤں کا پر کیف منظر



खैबर घाटी से जाता हुआ एक क़ाफ़िला

درہ خیبر سے جاتا ہوا ایک کارواں



पेशावर की एक सराय

پشاور کی ایک کارواں سرائے



पेशावर के बाज़ार में एक दूकान

پشاور کے بازار کی ایک دُوکان



[illegible]

[illegible]



खान अब्दुलग़फ़्फ़ारख़ाँ

خان عبدالغفار خاں



गेहूँ की मड़ाई

گیہوں سے بھوسا الگ کیا جا رہا ہے



नङ्गापर्वत की हिमाच्छादित चोटियों का सुन्दर दृश्य

ننگا پربت کی برف سے ڈھکی ہوئی خوشنما چوٹیاں

कश्मीर

कश्मीर अपनी प्राकृतिक सुन्दरता के लिए संसार में प्रसिद्ध है। यहाँ की अलौकिक छटा देखने के लिए भारत के भिन्न भिन्न भागों से सौन्दर्यप्रेमी तो आया ही करते हैं, साथ ही दूसरे देश के लोग भी यहाँ आकर अपार सुख का अनुभव करते हैं। जिस किसी ने भी इस सुहावने देश की सैर की है उसने इस बात को स्वीकार किया है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह कश्मीर है।

कश्मीर की राजधानी श्रीनगर है। इस राज्य का क्षेत्रफल ८४००० वर्गमील और जन-संख्या ३६ लाख है। यहाँ के फल, सेब, नासपाती, शहतूत, अंगूर, अनार, बादाम आदि प्रसिद्ध हैं। यहाँ के सूती और ऊनी कपड़े, विशेषतः दुशाले बहुत ही सुन्दर होते हैं।

کشمیر

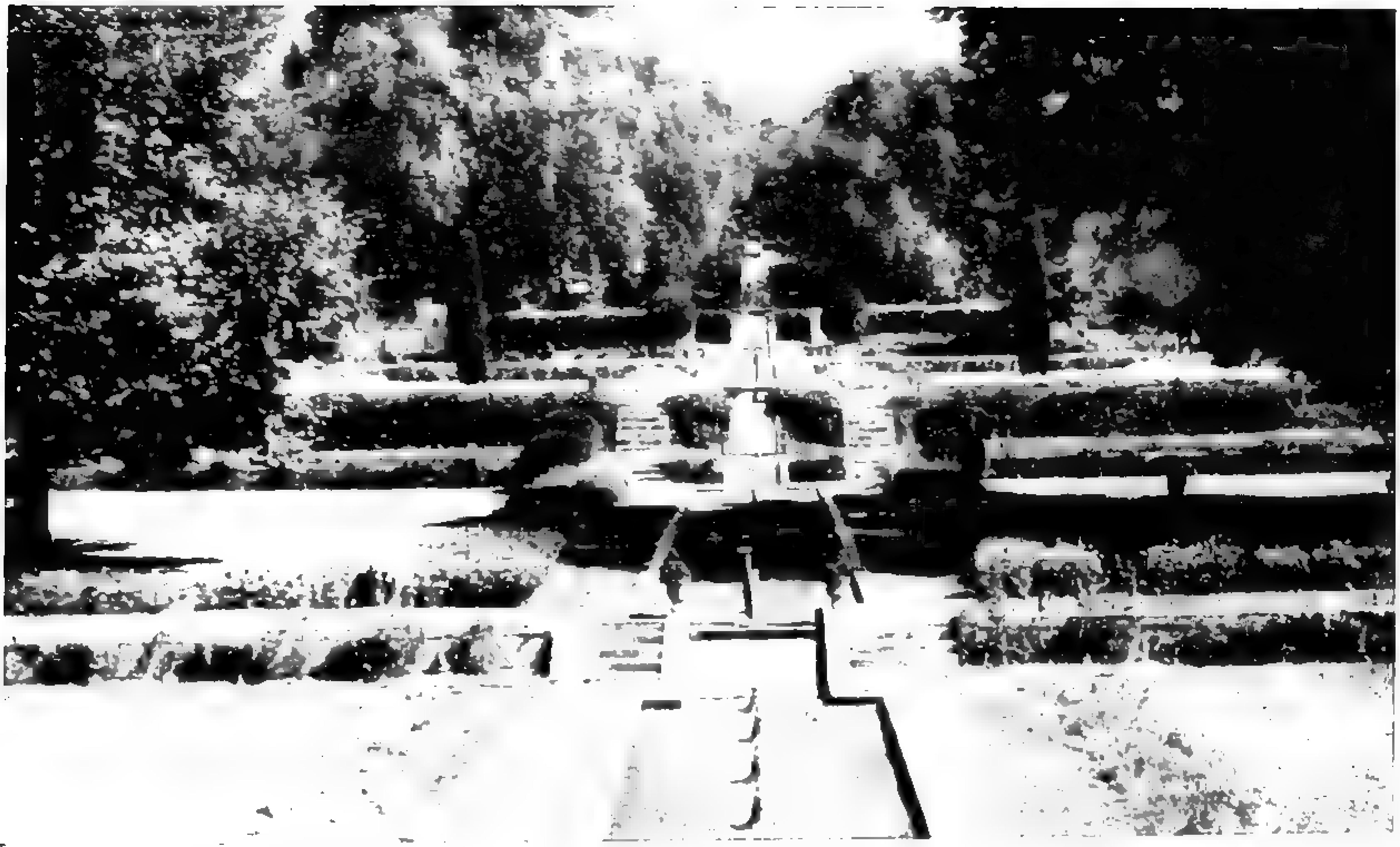
کشمیر اپنے قدرتي مناظر کے لئے ساري دنیا میں مشہور ہے - یہاں کی نرالي خوبصورتي و نظارے دیکھنے کے لئے ھندوستان کے ھر حصہ سے لوگ تو یہاں اتے ھے ھیں اس کے علاوہ دوسرے ملکوں کے لوگ بھي آکر یہاں کے قدرتي منظروں کا لطف اُٹھاتے ھیں جس کسي نے بھي اس خوشنما حصہ کي سیر کی ہے اُس نے اس بات کو مان لیا ہے کہ اگر دنیا میں کہیں بھي بہشت ہے تو وہ کشمیر ہے -

کشمیر کا دارالخلافتہ سري نگر ہے اس ریاست کا رقبہ ۸۴۰۰۰ مربع میل اور چھتیس لاکھ ہے - یہاں کے پھل سیب، ناشپاتي، شہتوت، انگور، انار، بادام ھیں - یہاں کے سوتي اور اُوني کپڑے زیادہ تر دوشالے تو بہت ھي عمدہ ھوتے



श्रीनगर के समीप एक सुन्दर स्थान

سری نگر کے قرب و جوار میں ایک خوبصورت نظارہ



श्रीनगर का निशातबाग़
نشاط باغ - سری نگر



श्रीनगर का शालीमारबाग़
شالامار باغ - سری نگر



तख्तसुलेमान, श्रीनगर

تخت سلیمان - سری نگر



मार्तण्डमन्दिर के खण्डहर

مارتنڈ مندر کے کھنڈرات



कश्मीर का डल नामक झील

ڈل جھیل - کشمیر



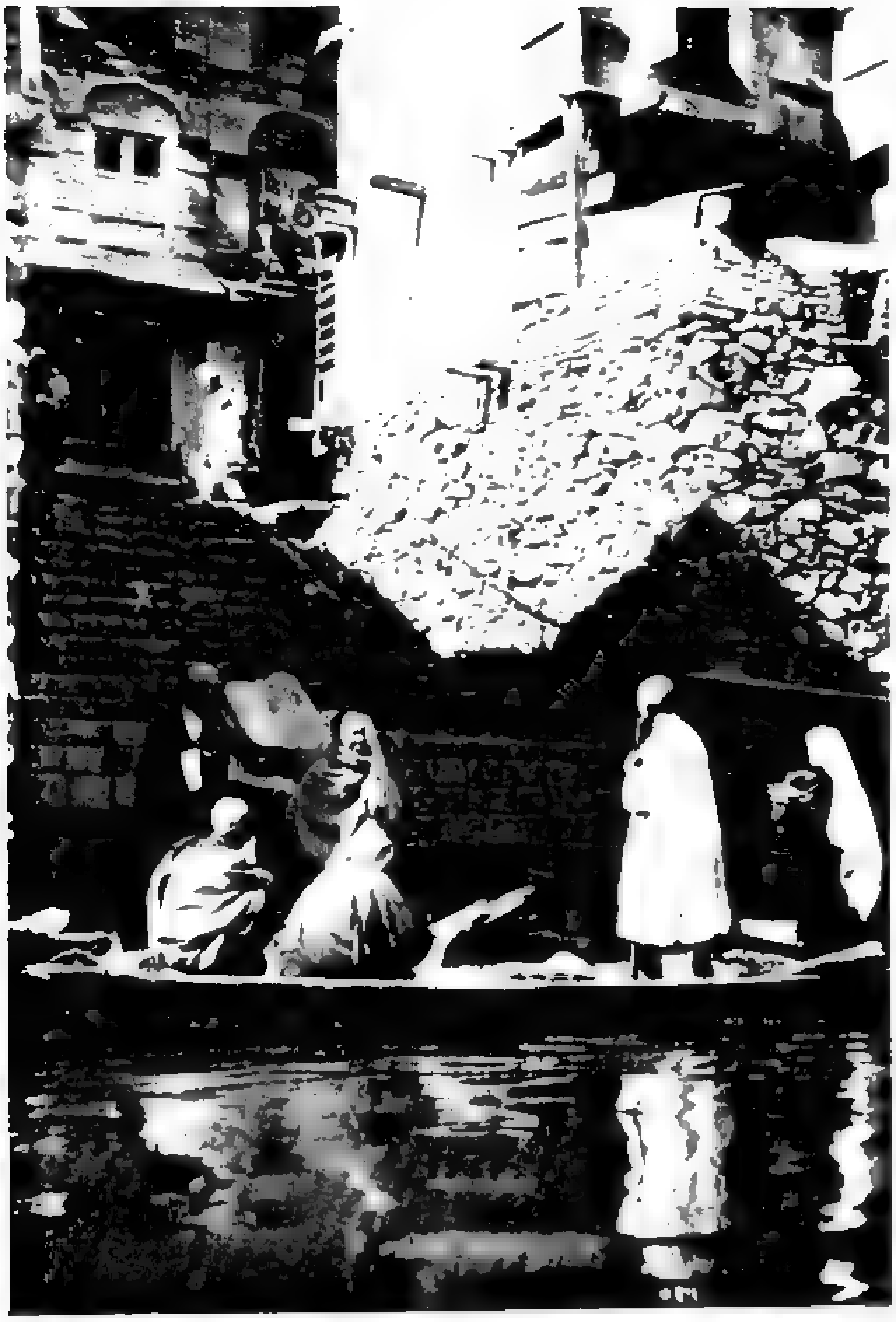
कश्मीर का जरदोजी का काम

کشمیر کا زردوزی کا کام



श्रीनगर के एक बाजार का दृश्य

سری نگر کے ایک بازار کا نظارہ



घर की ओर

شام کے وقت گھر کو واپسی



ठेले पर कश्मीरी फलों की दूकान

ایک ٹھیلہ پر کشمیری پھلوں کی دوکان



[illegible] में नौका पर एक चलती-फिरती दूकान

کشتی میں دوکان - سری نگر

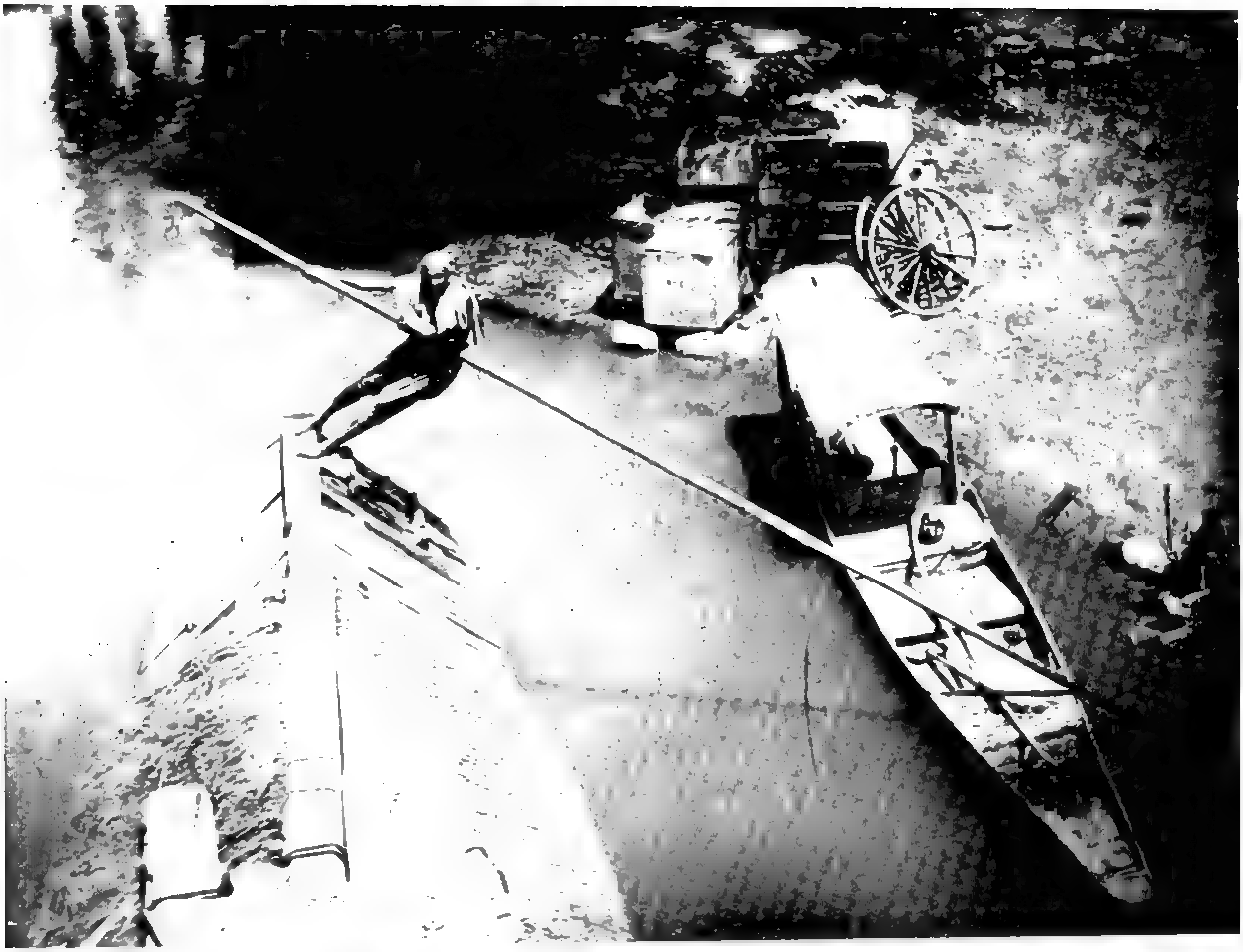




शेशरामनाग की सुन्दर पहाड़ी झील का दृश्य

شیشرام ناگ کی پہاڑی جھیل
کا خوشنما منظر

जम्मू का श्री रघुनाथजी का मन्दिर
سری رگھناتھ جی کا مندر - جمو



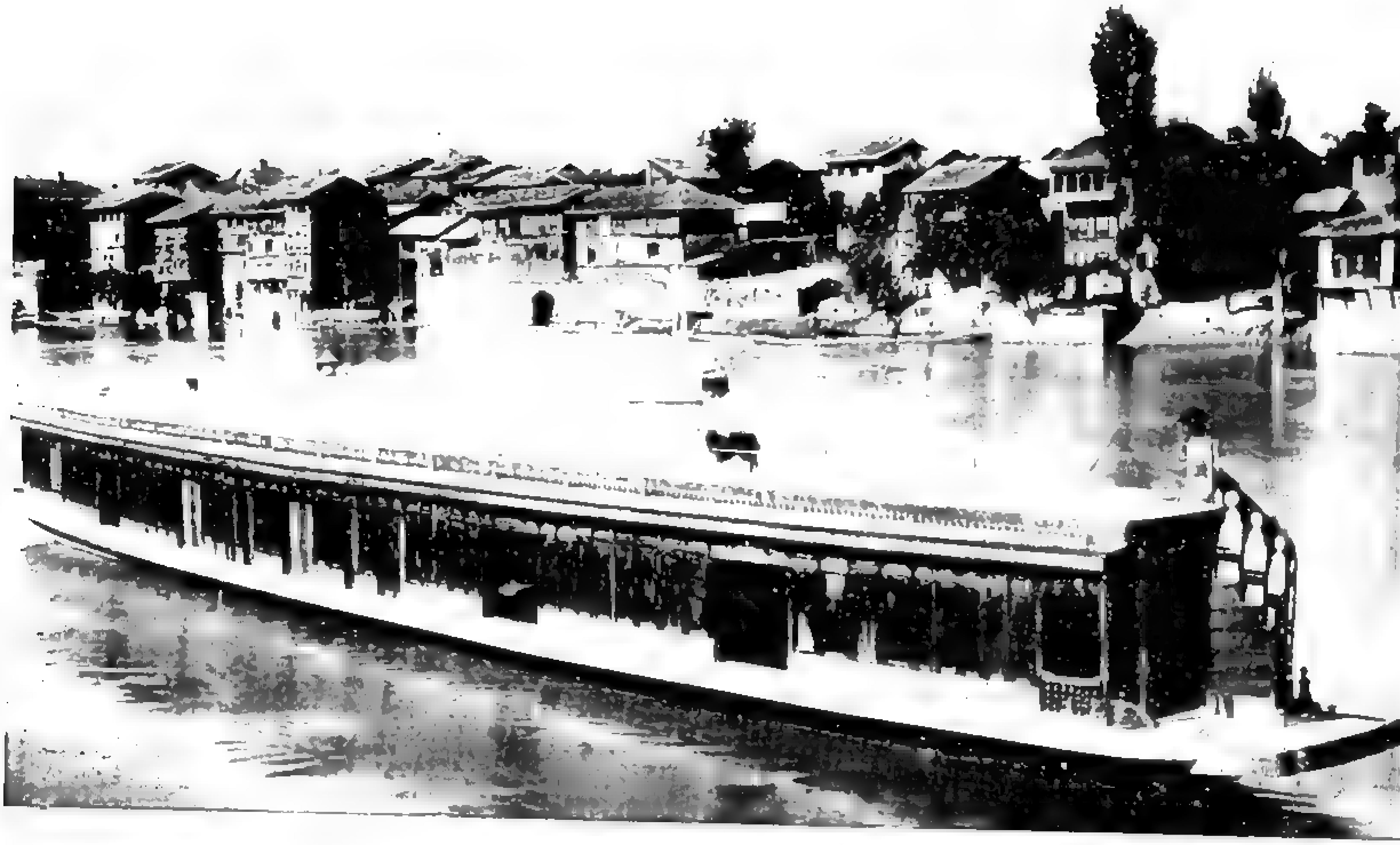


एक कश्मीरी मल्लाह
अपने काम पर

ایک کشمیری
ملاح اپنے کام پر

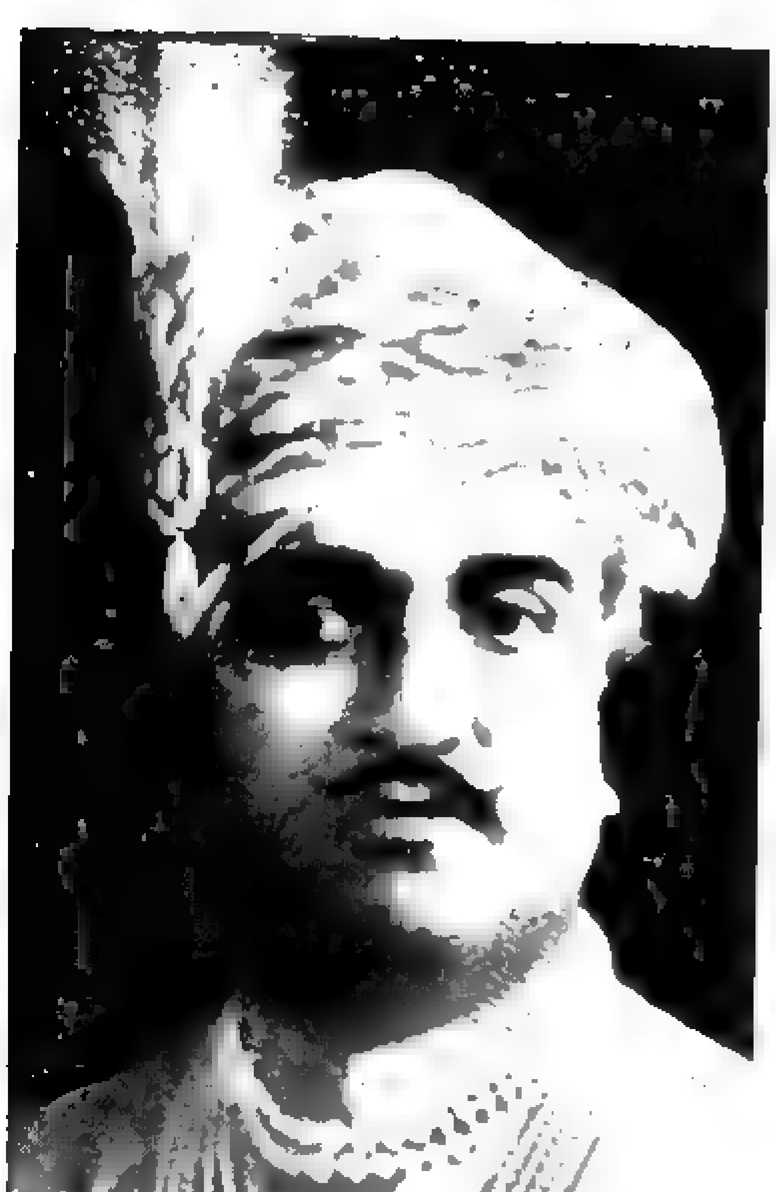
स्त्रियाँ

[illegible]



नौकागृह, श्रीनगर

کشتی خانه - سری نگر



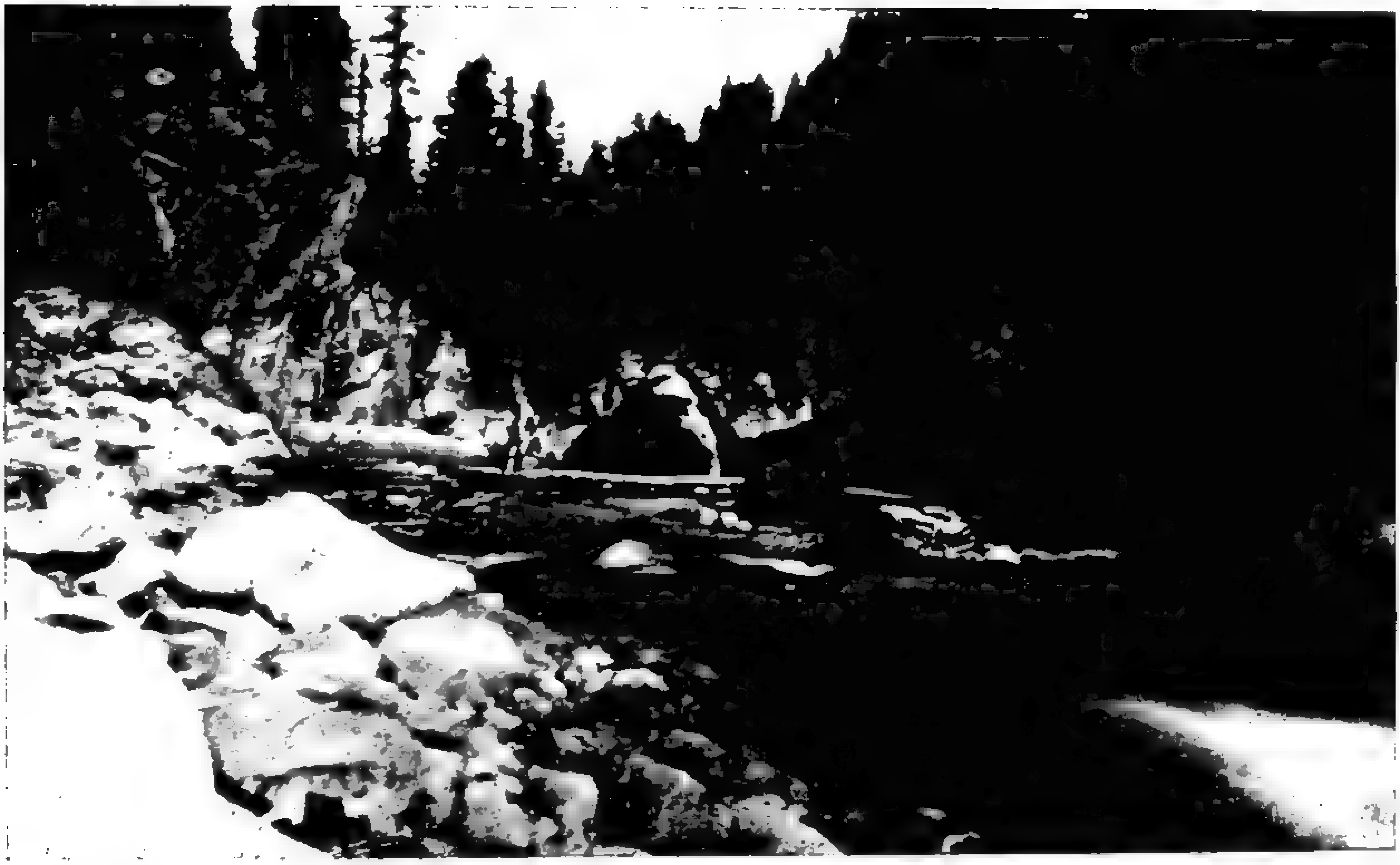
कश्मीर के महाराज

هز هائنس مهاراجه کشمیر



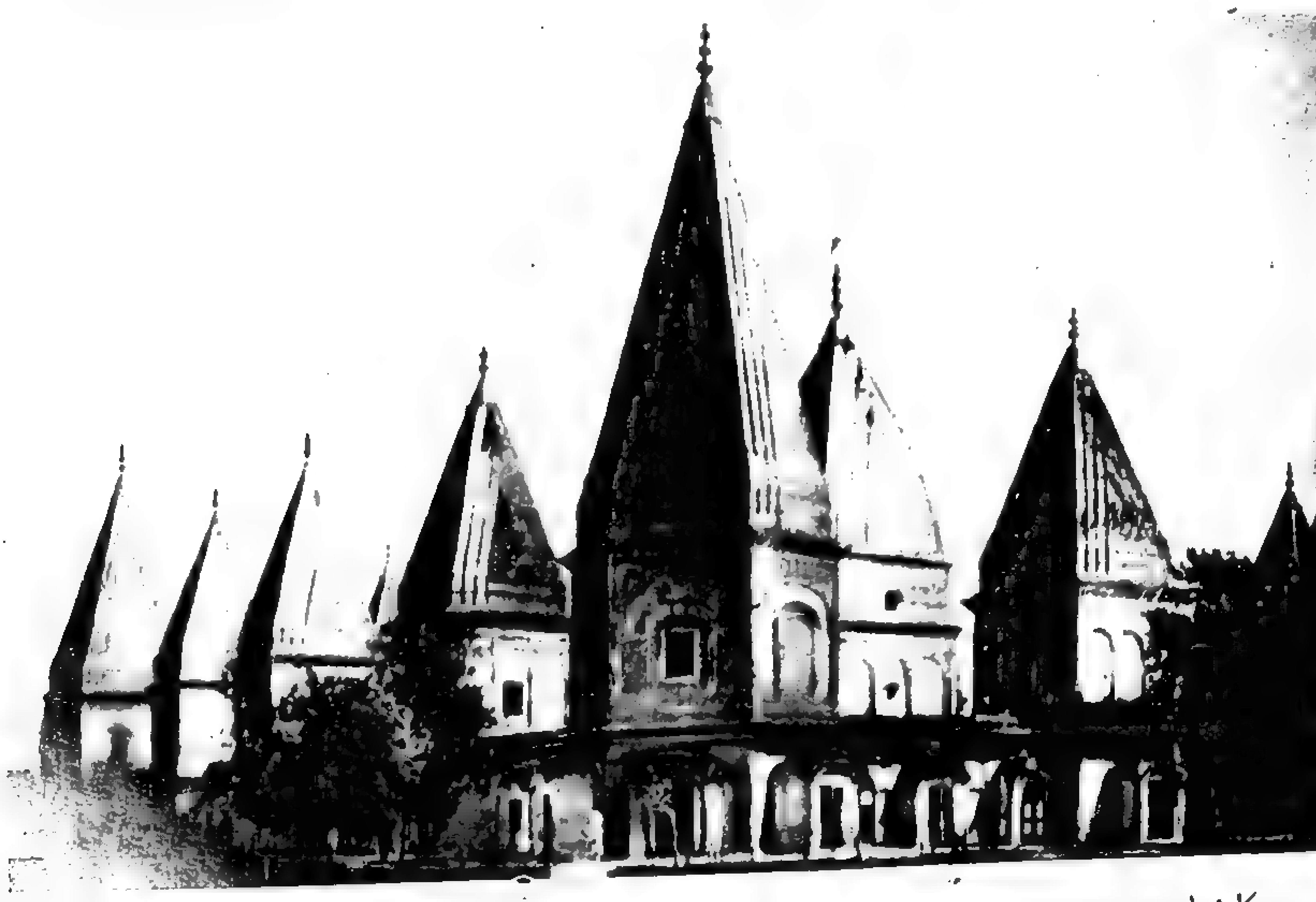
कश्मीर की कारीगरी का नमूना

کشمیر کي کاریگري کا ایک نمونه



लिडर का सुन्दर घाटी।

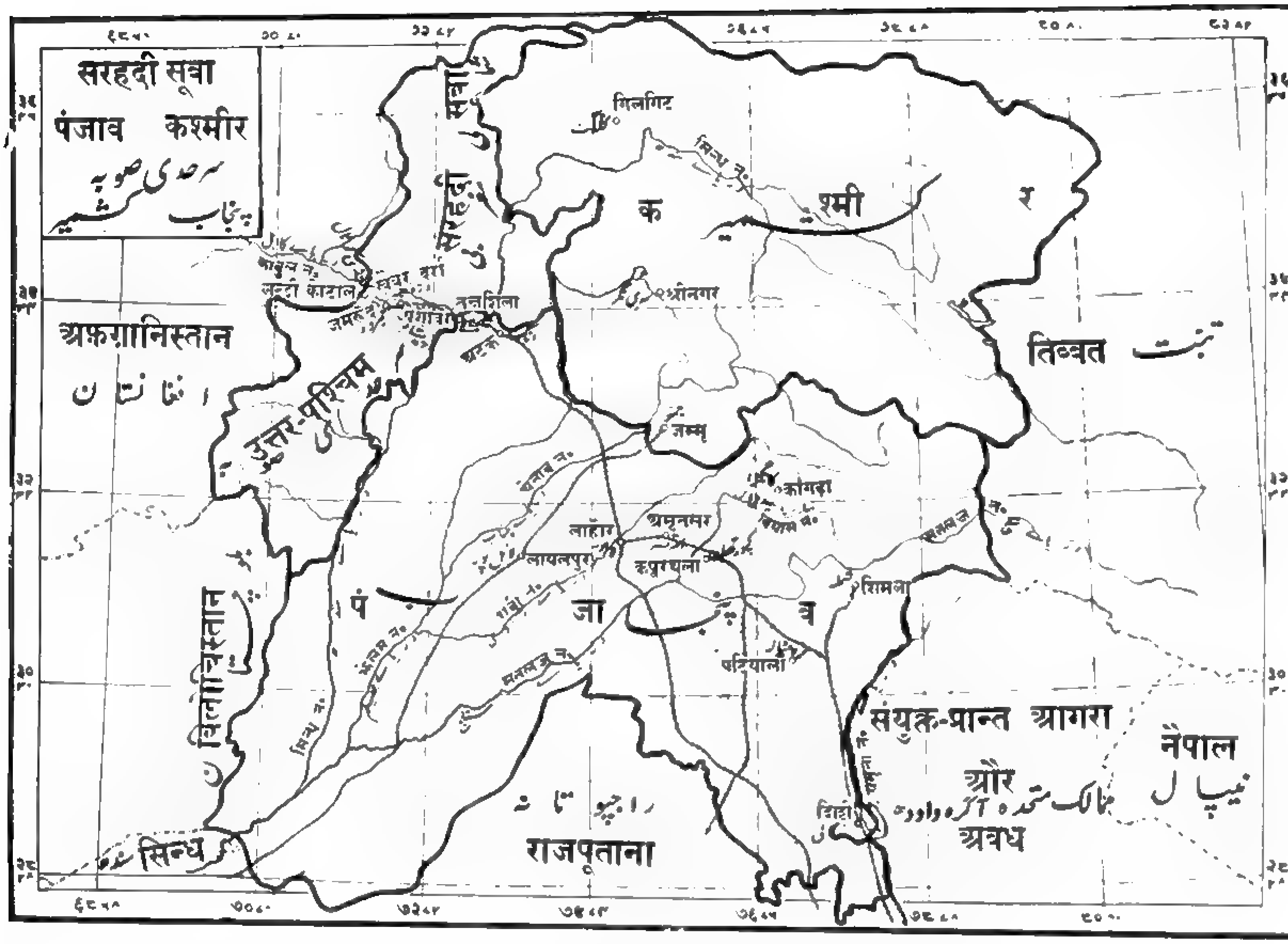
لدروادي کا ایک خوبصورت نظارہ



جمو کا ایک ہندو مندر

जम्मू का एक हिन्दू मन्दिर



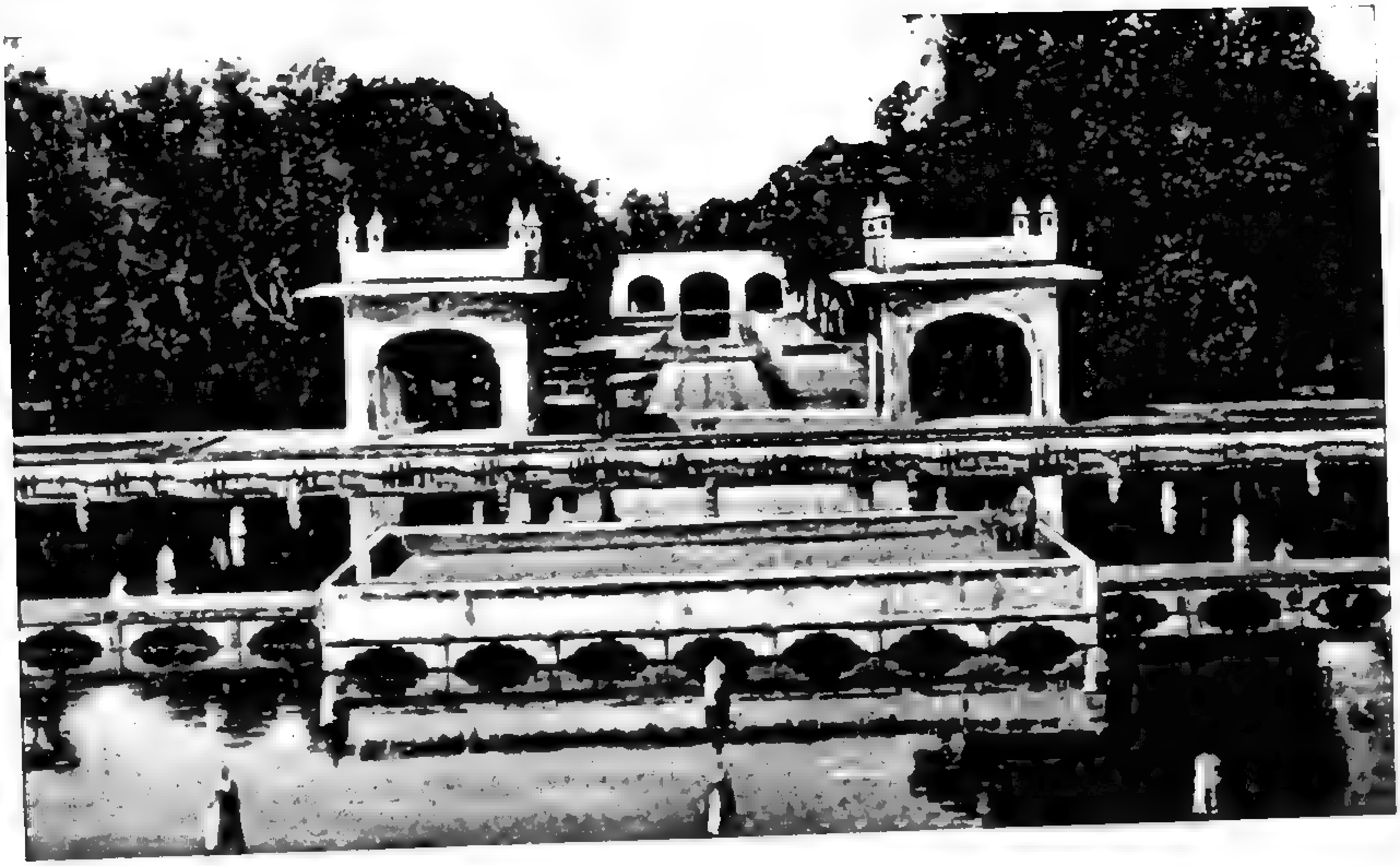


पंजाब

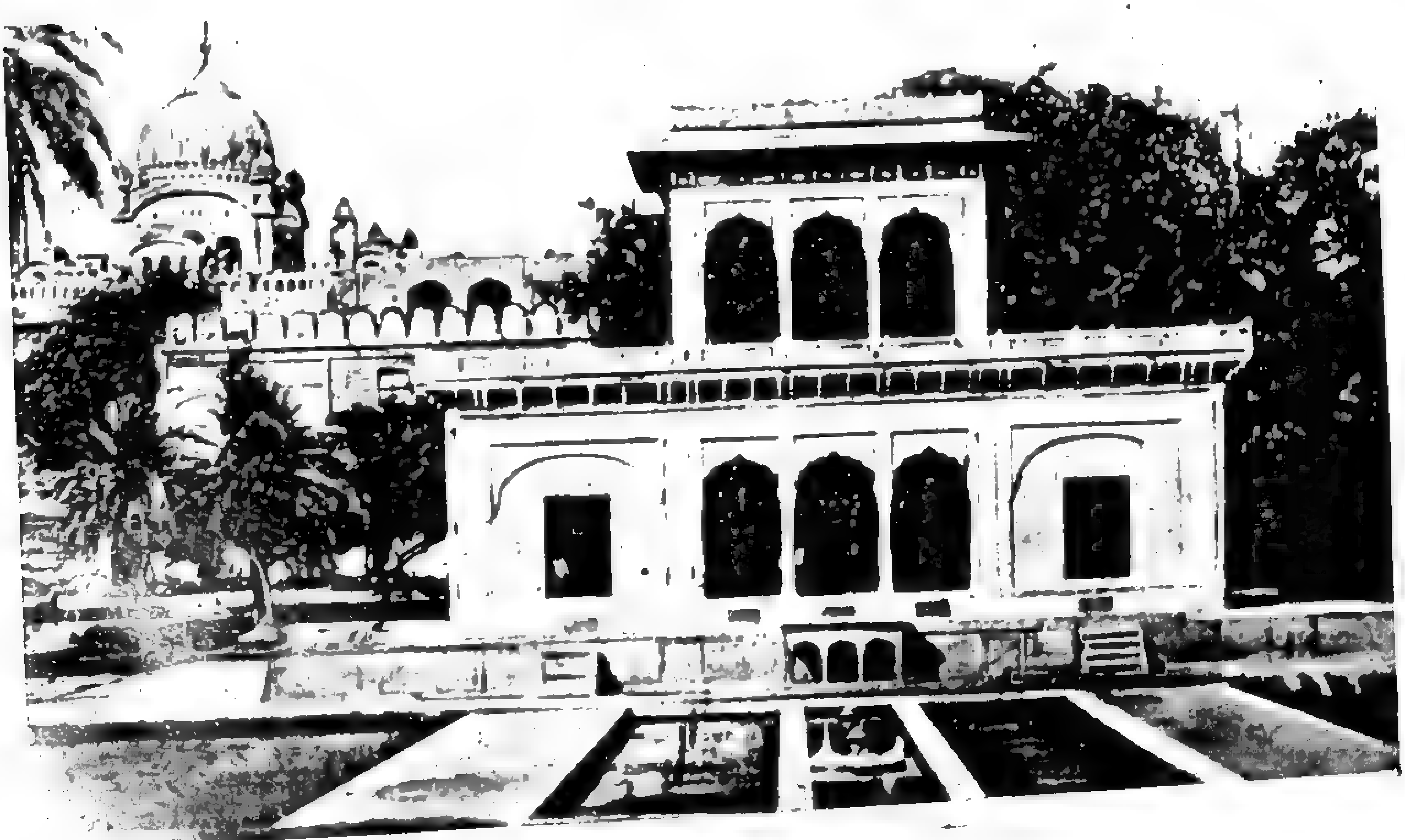
पाँच नदियों का प्रदेश होने के कारण यह 'पंचनद' या पंजाब के नाम से प्रसिद्ध है। सिन्ध, झेलम, चिनाब, रावी और सतलज नदियों के कारण और विशेषकर नई नहरों के कारण यहाँ की भूमि बहुत ही उपजाऊ है। गेहूँ की पैदावार यहाँ अधिक होती है। जाड़ों में काफ़ी सरदी और गर्मियों में काफ़ी गर्मी पड़ती है। वार्षिक वृष्टि का औसत बहुत कम अर्थात् २० इञ्च से भी कम है। अन्य पदार्थ जैसे जौ, रुई, तम्बाकू, गन्ना, ज्वार, बाजरा, तिलहन और कहीं चाय भी होती है। केन्द्रीय सरकार का गर्मियों का निवासस्थान शिमला इसी प्रान्त के पहाड़ों पर अवस्थित है। पंजाब का क्षेत्रफल ९९,२०० वर्गमील है और जन-संख्या २,३५,८०,८५२। जिनमें मुसलमानों की ५७ प्रतिशत, और हिन्दुओं की २७ प्रतिशत हैं। पंजाब में सिक्ख कुल ४०,७२,००० हैं जो यहाँ की आबादी के लगभग १८ प्रतिशत होते हैं।

پنجاب

یہ صوبہ پانچ دریاؤں کا ملک ہونے کی وجہ سے "پنج آب" یا پنجاب کے نام سے مشہور ہے- سندھ، جہیلم، چناب، راوی، اور ستلج دریاؤں کی وجہ سے اور خاص کر نئی نہروں کی وجہ سے یہاں کی زمین بہت ہی اوپجاؤ ہے- گیہوں کی پیداوار یہاں زیادہ ہوتی ہے- جاڑوں میں کافی گرمی پڑتی ہے- سالانہ بارش بہت کم یعنی ۲۰ انچ سے بھی کم ہے- دیگر چیزیں جیسے جو، روئی، تمباکو، گنّا، جوار، باجرہ، تلہن اور کہیں کہیں چائے بھی ہوتی ہے- مرکزی گورنمینٹ کا گرمیوں کا صدر پہاڑی مقام شملہ اسی صوبہ میں واقع ہے- اس صوبہ کا رقبہ ۹۹,۲۰۰ مربع میل ہے اور آبادی ۲٬۳۵۸۰٬۸۵۲ ہے- مسلمانوں کی آبادی ۵۷ فی‌صدی اور ہندوؤں کی ۲۷ فی‌صدی ہے سکھہ کل ۴۰٬۷۲۰۰۰ ہیں جو یہاں کی آبادی کے تقریباً ۱۸ فی‌صدی ہوتے ہیں-



शालीमार बाग, लाहौर
شالیمار باغ لاہور

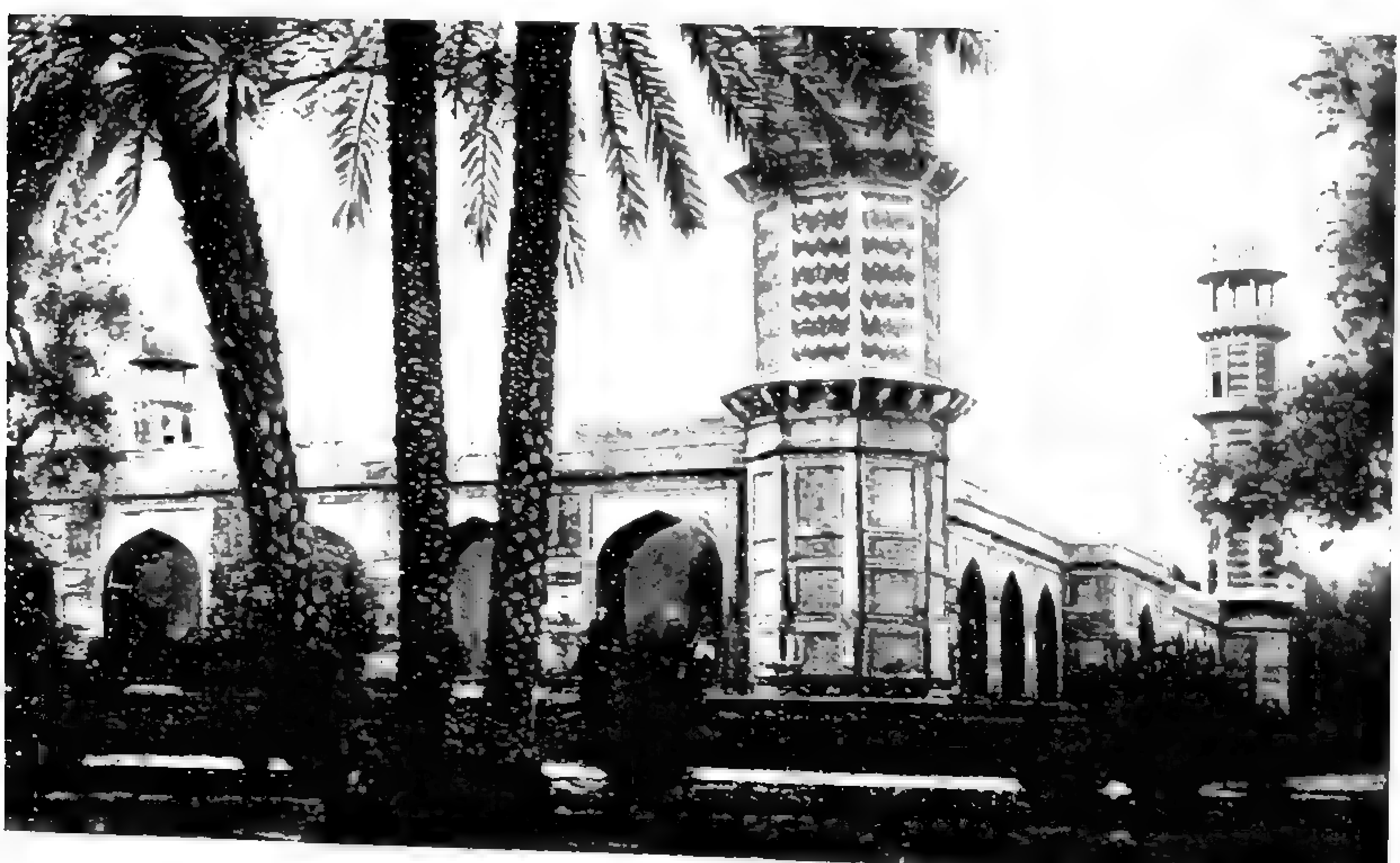


रणजीतसिंह की समाधि, लाहौर,
رنجیت سنگھ کی سمادھی لاہور



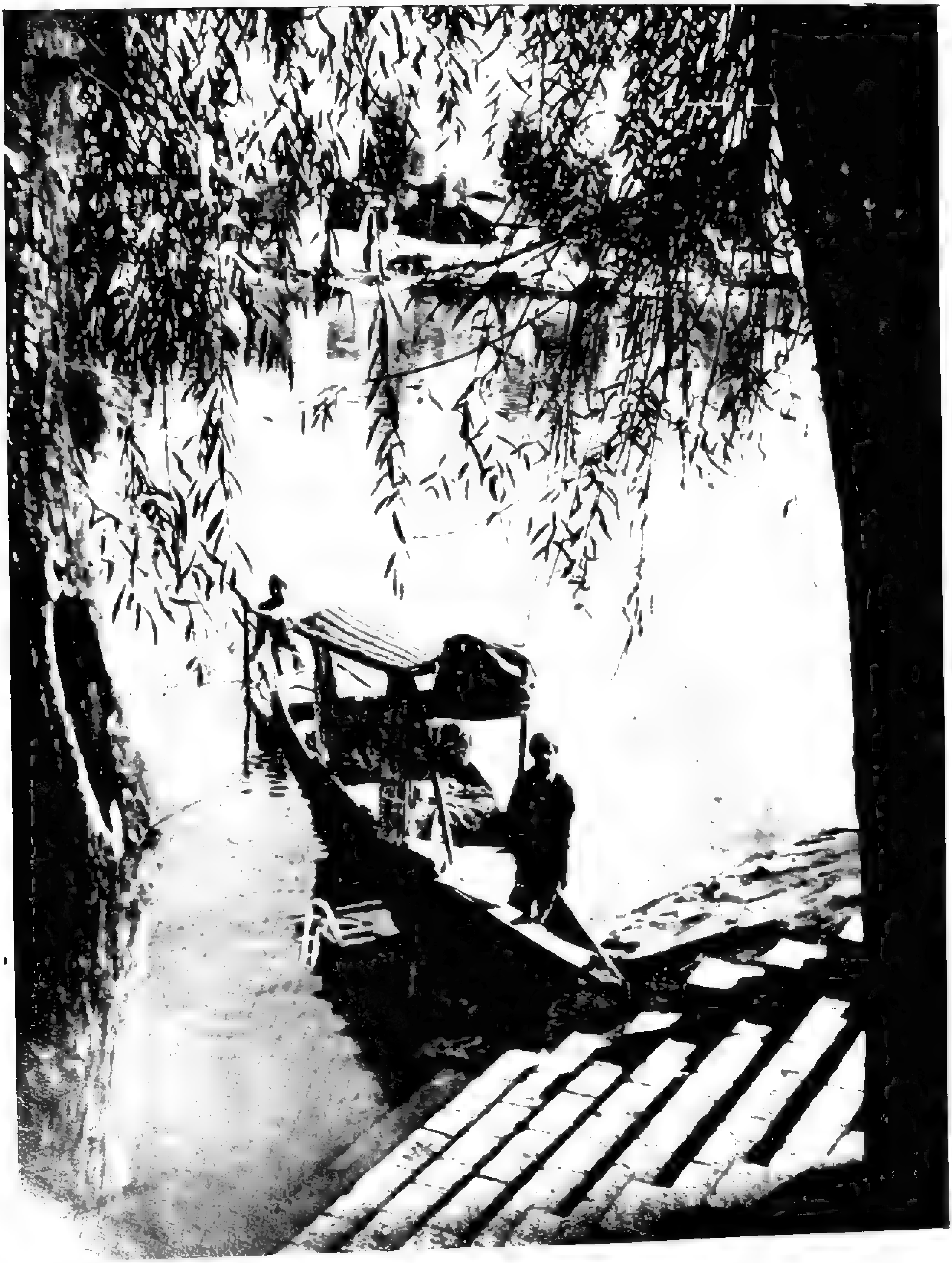
लाहौर के क़िले में फ़व्वारे का दृश्य

لاهور کے قلعہ میں فواروں کا نظارہ



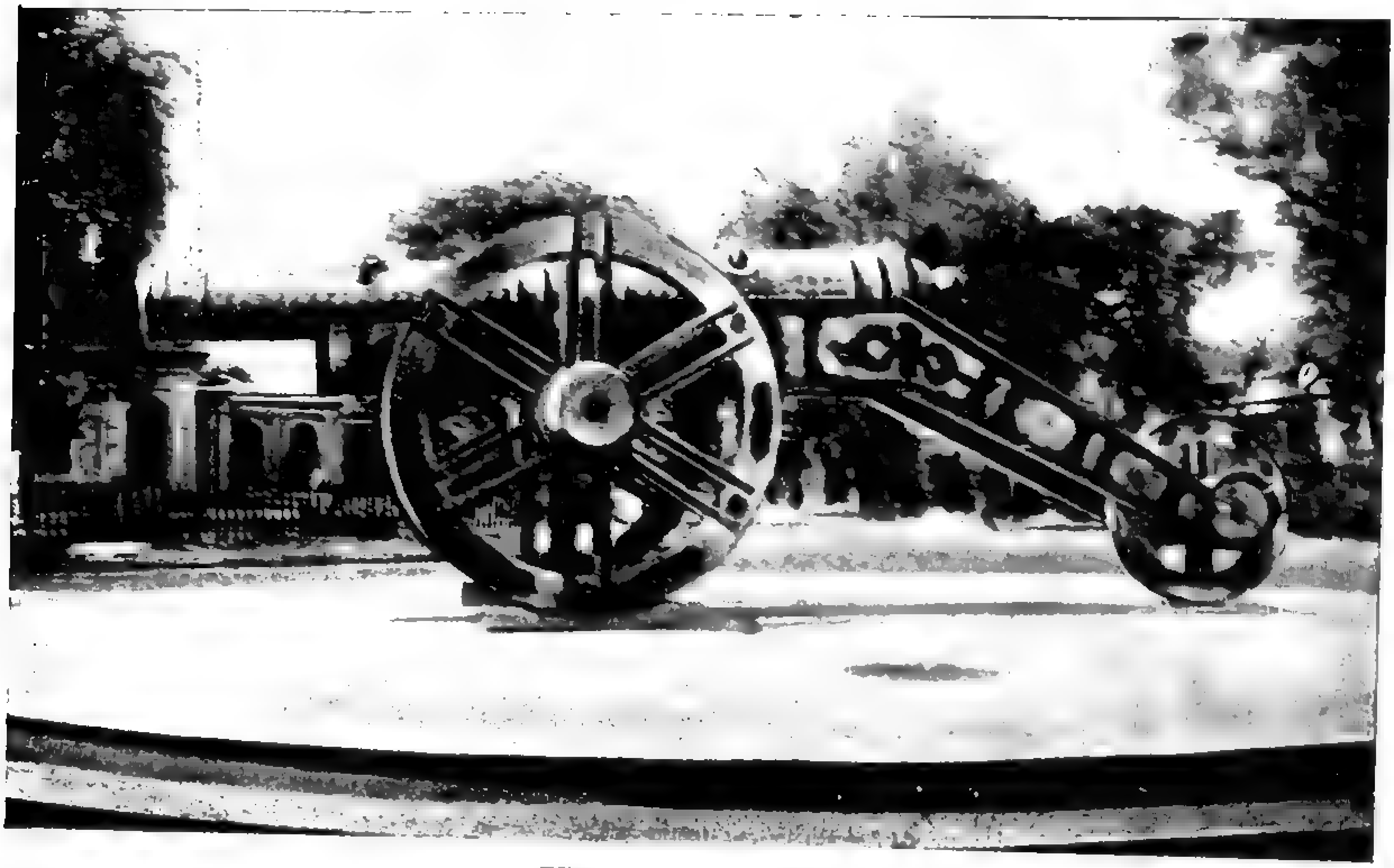
जहाँगीर का मक़बरा, लाहौर

جهانگیر کا مقبرہ- لاهور



नदीतट का एक सुन्दर दृश्य, लाहौर

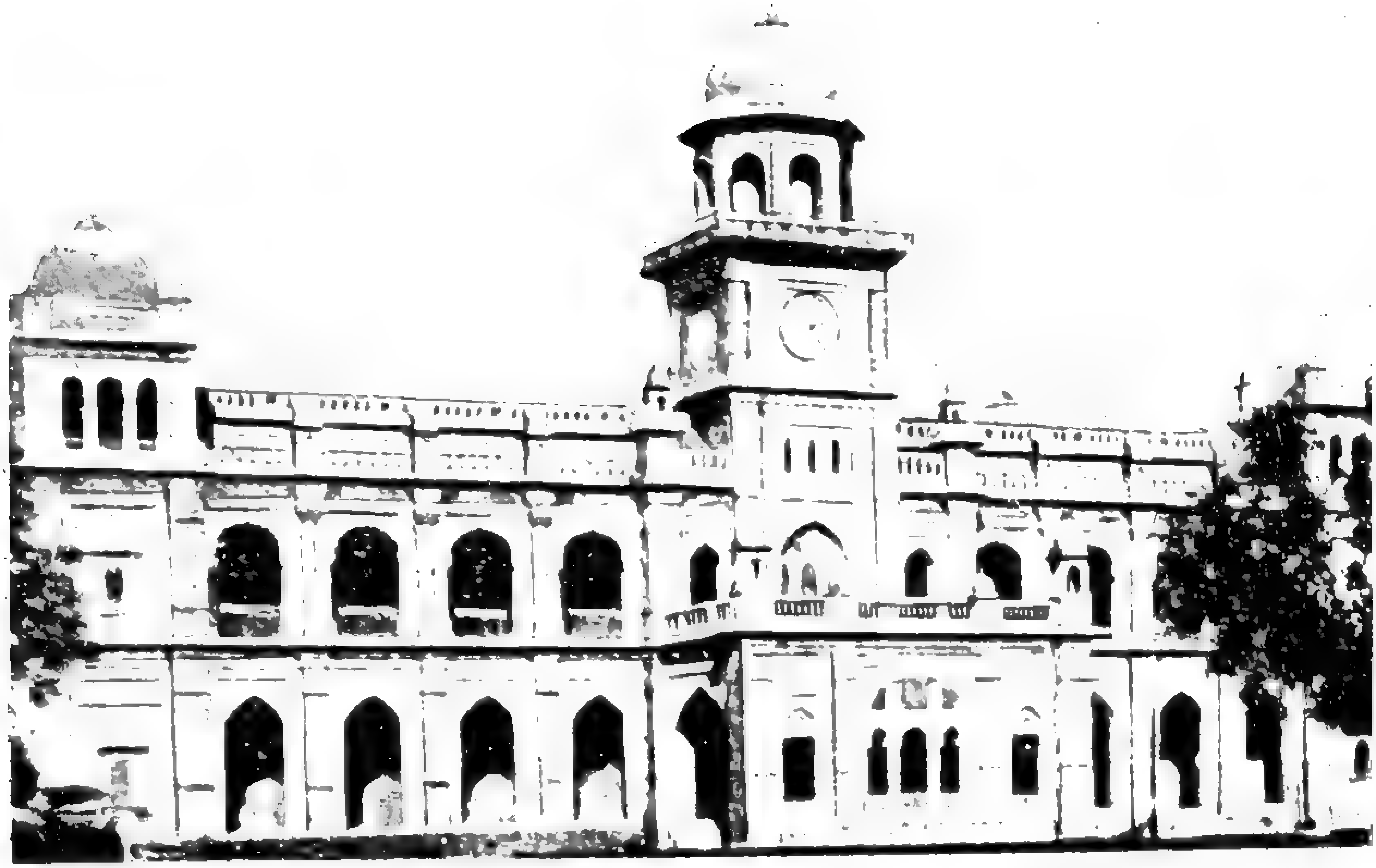
لاہور میں دریا کے کنارے ایک خوشنما منظر



जमज़मा, लाहौर
زمزمہ-لاہور



अजायब-घर, लाहौर
عجایب گھر-لاہور



पंजाब-यूनीवर्सिटी, लाहौर

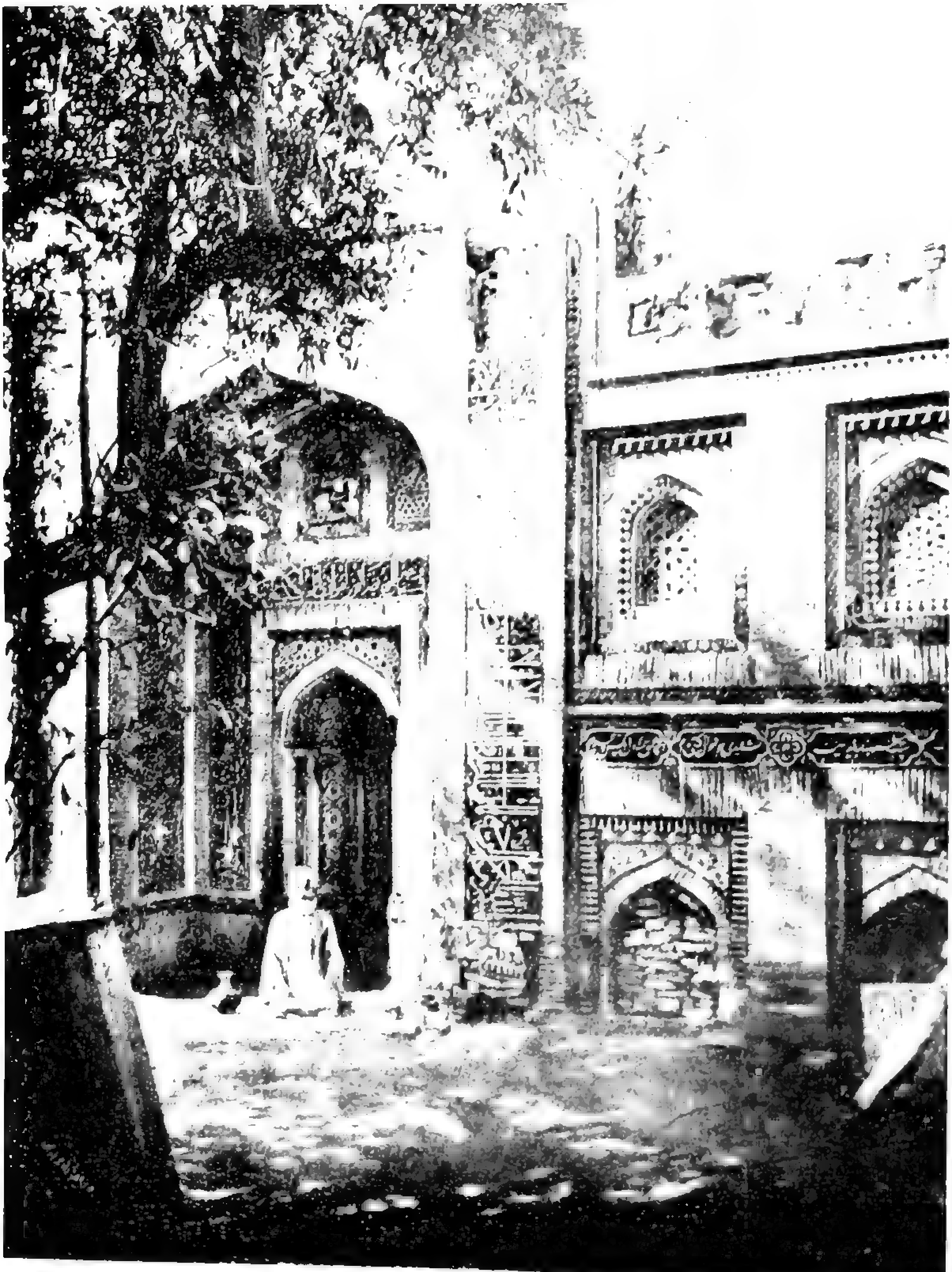
پنجاب یونیورسٹی-لاہور



वैशाखी मेले का एक दृश्य, लाहौर

بیساکھی میلے کا ایک نظارہ-لاہور





सवाई मस्जिद, मुलतान

سوائی مسجد-ملتان



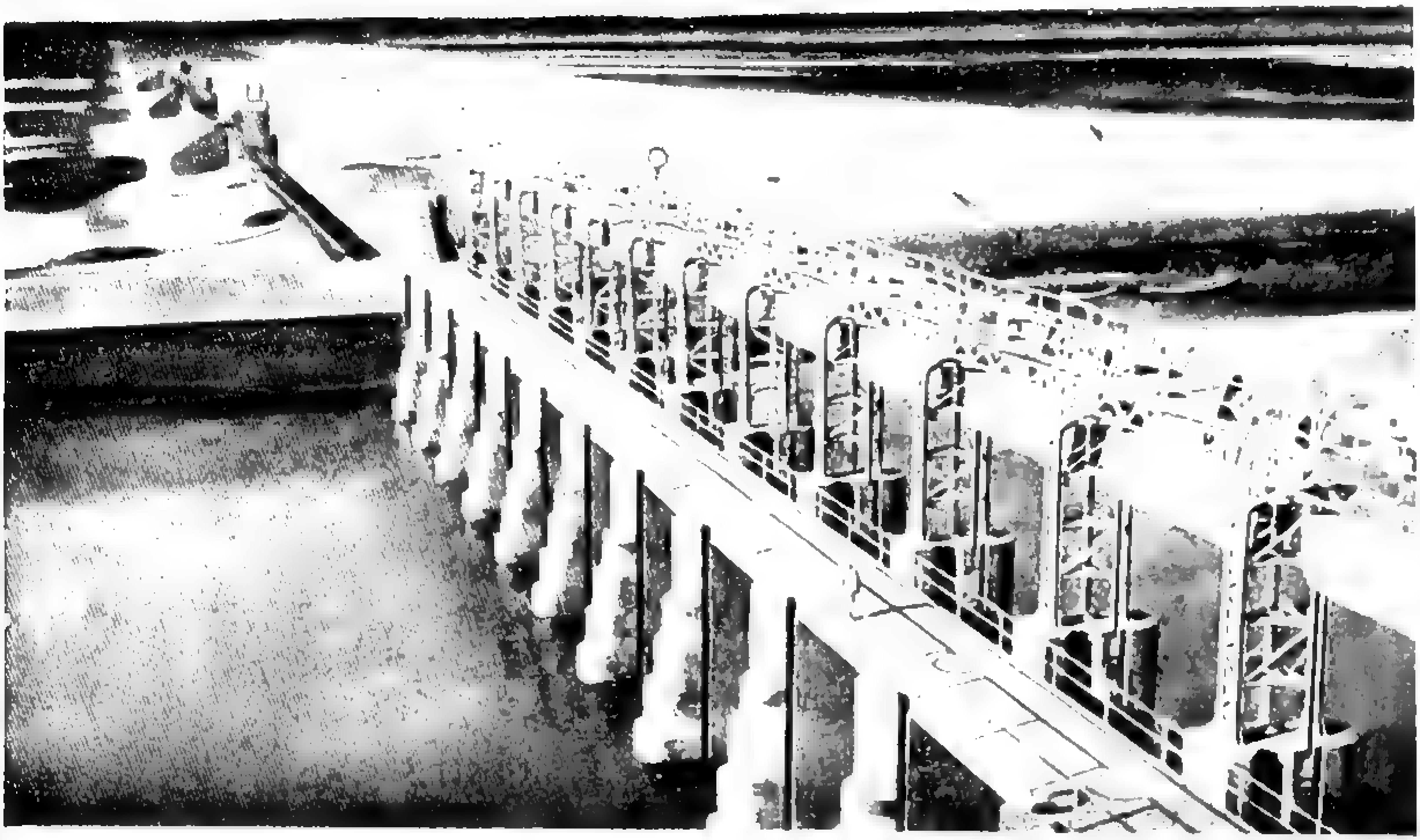
हड़प्पा की खोदाई का एक दृश्य

ھڑاپا کی کھدائی کاایک نظارہ



तक्षशिला की खोदाई में प्राप्त आभूषण

ٹکشیلا کي کھدائي سے برآمد کئے گئے کچھ زیورات



झेलम-नदी का बाँध

دھیلم دریائے پر ایک باندھ



नहर से पानी निकालने के फाटक

نہر سے پانی نکالنے کے پھاٹک



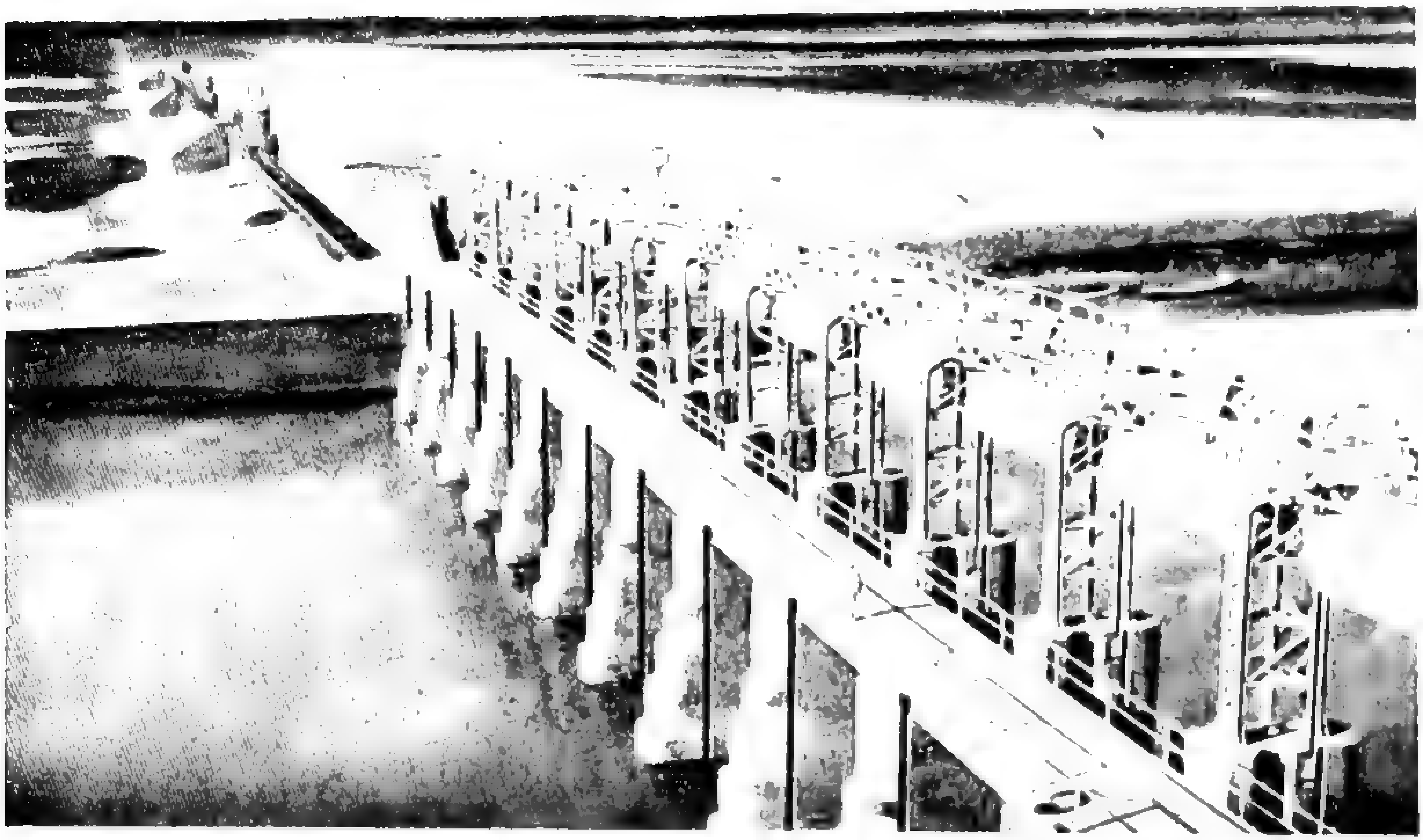
हड़प्पा की खोदाई का एक दृश्य

هڑاپا کے کھدائی کاایک نظارہ



तक्षशिला की खोदाई में प्राप्त आभूषण

ٹکشیلا کی کھدائی سے برامد کئے گئے کچھ زیورات



झेलम-नदी का बाँध

جھیلم ندی پر ایک باندھ



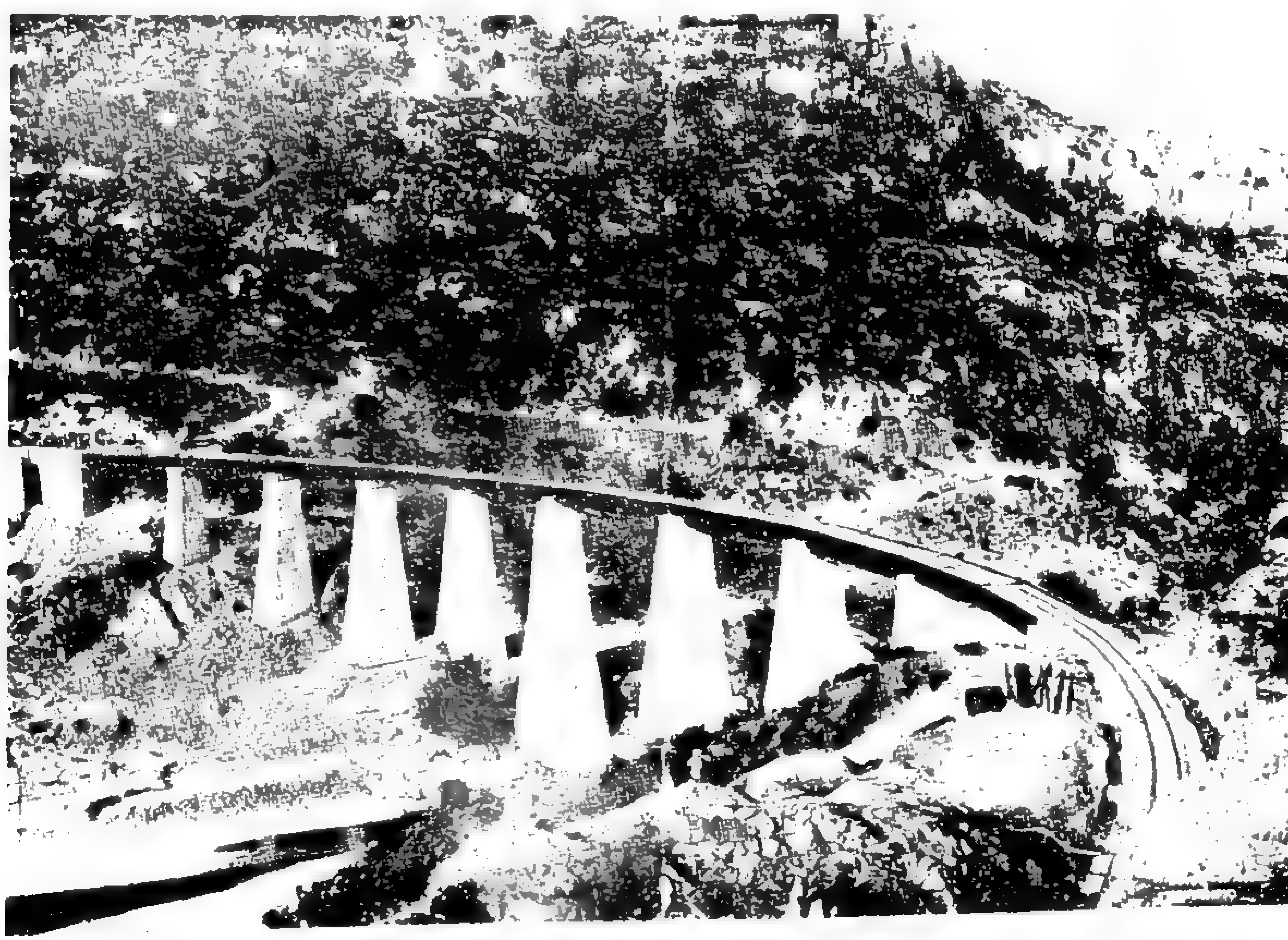
नहर से पानी निकालने के फाटक

نہر سے پانی نکالنے کے پھاٹک



मंडी नगर में ब्यास नदी का घाट

منڈی شہر میں بیاس ندی کا گھاٹ



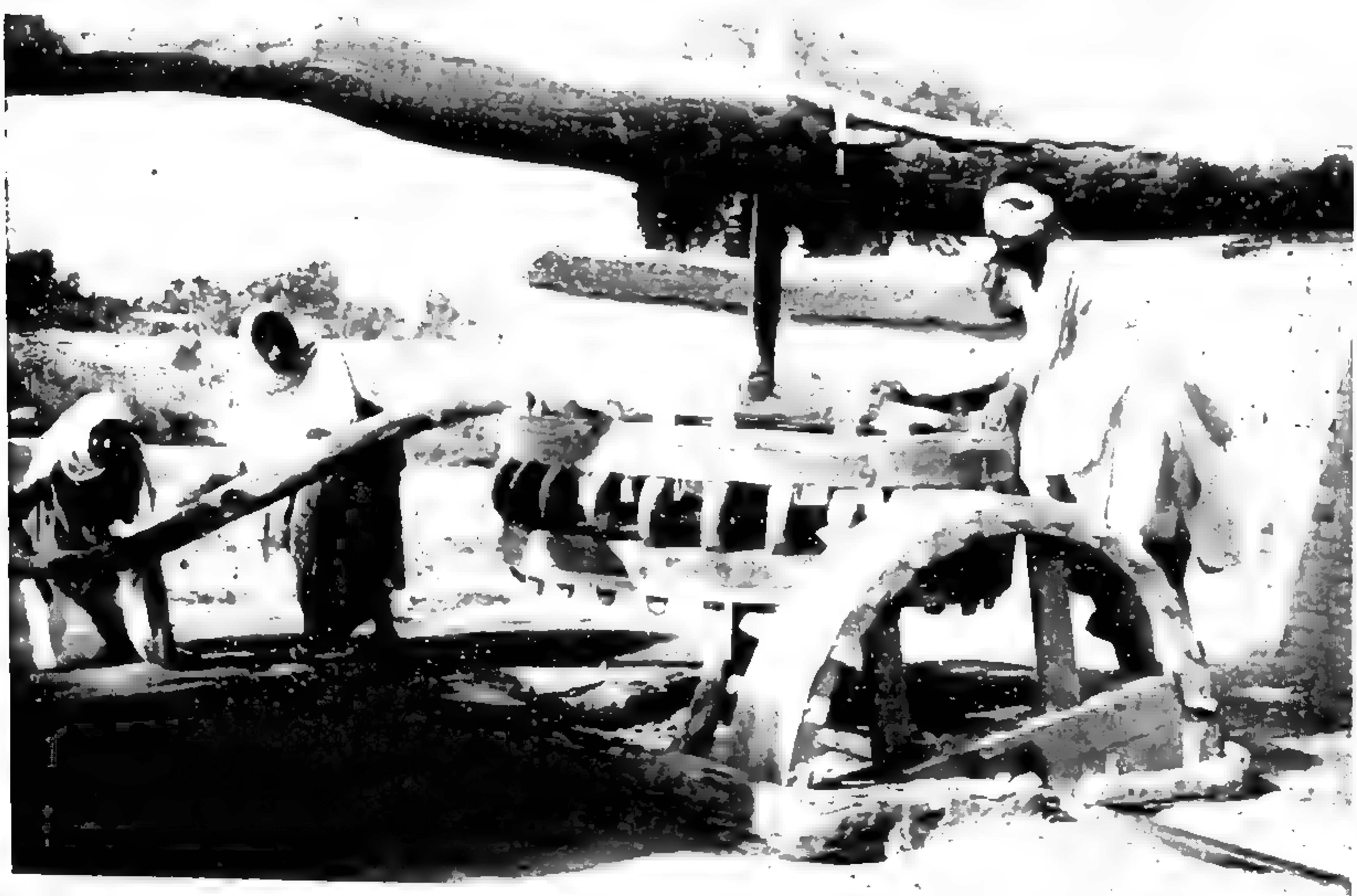
कांगड़ा-घाटी में रेलवे का पुल

کانگڑہ گھاٹی میں ایک ریل کا پل



सतलज नदी पर एक बाँध

دریائے ستلج پر ایک باندھ



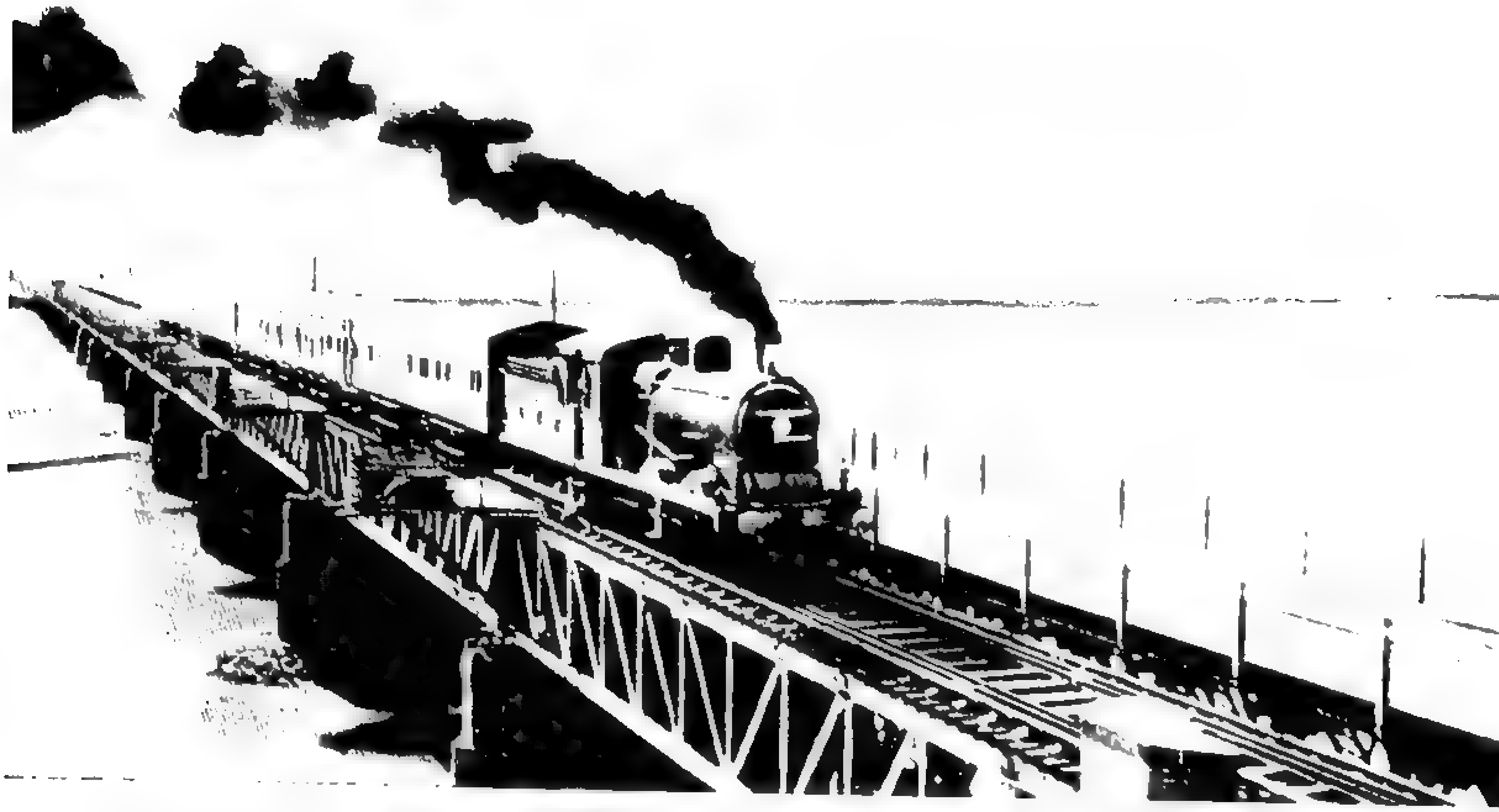
सिँचाई के काम का ईरानी रहट

رہٹ سے سنچائی



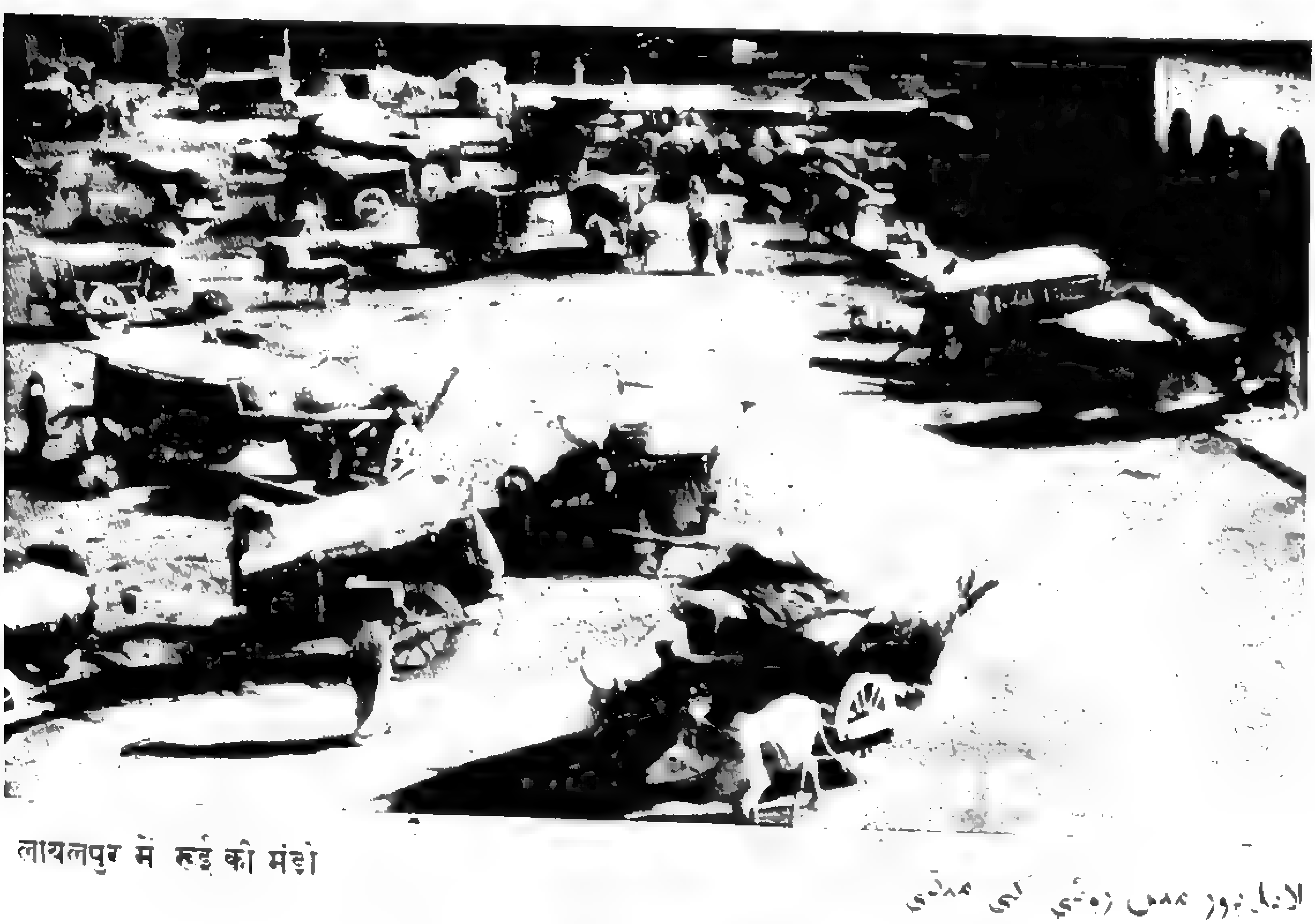
रावी नदी पर सन्ध्या-समय का नौका-सञ्चालन

شام کے وقت دریائے راوی کی سیر



पुल पर से डाक-गाड़ी जा रही है

ایک ڈاک گاڑی پل پر سے گزر رہی ہے



लायलपुर में रुई की मंडी

لائلپور میں روئی کی منڈی



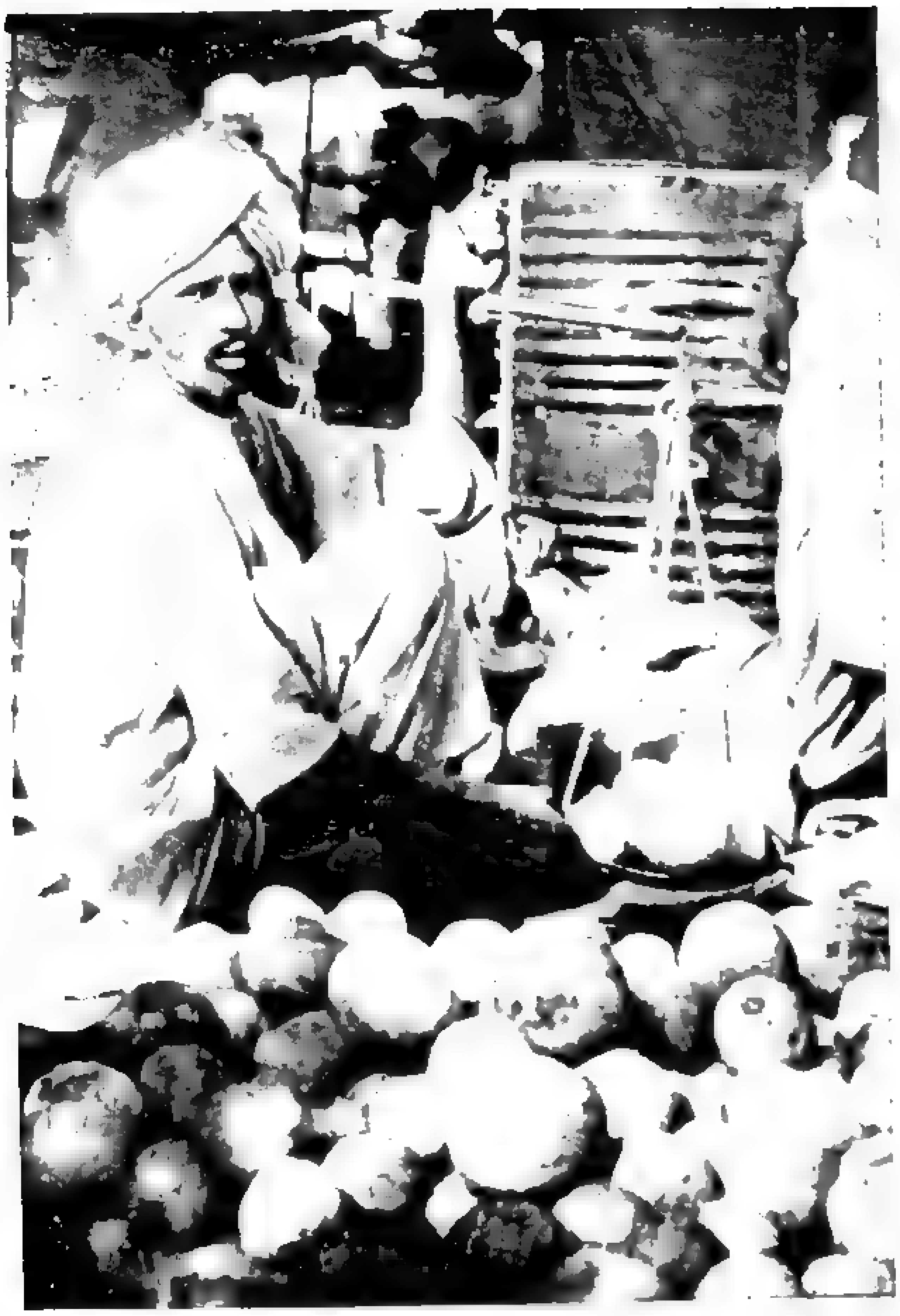
कुल्लू की कुछ स्त्रियाँ
کلو کی چند عورتیں



शिव-पूजन
شیو جی کی پوجا



रावलपिंडी के एक बागीचे में सन्ध्या समय की सैर
راولپنڈی کے ایک باغیچہ میں شام کے وقت سیر و تفریح



एक पंजाबी फल बेचनेवाला

ایک پنجابی میوہ فروش



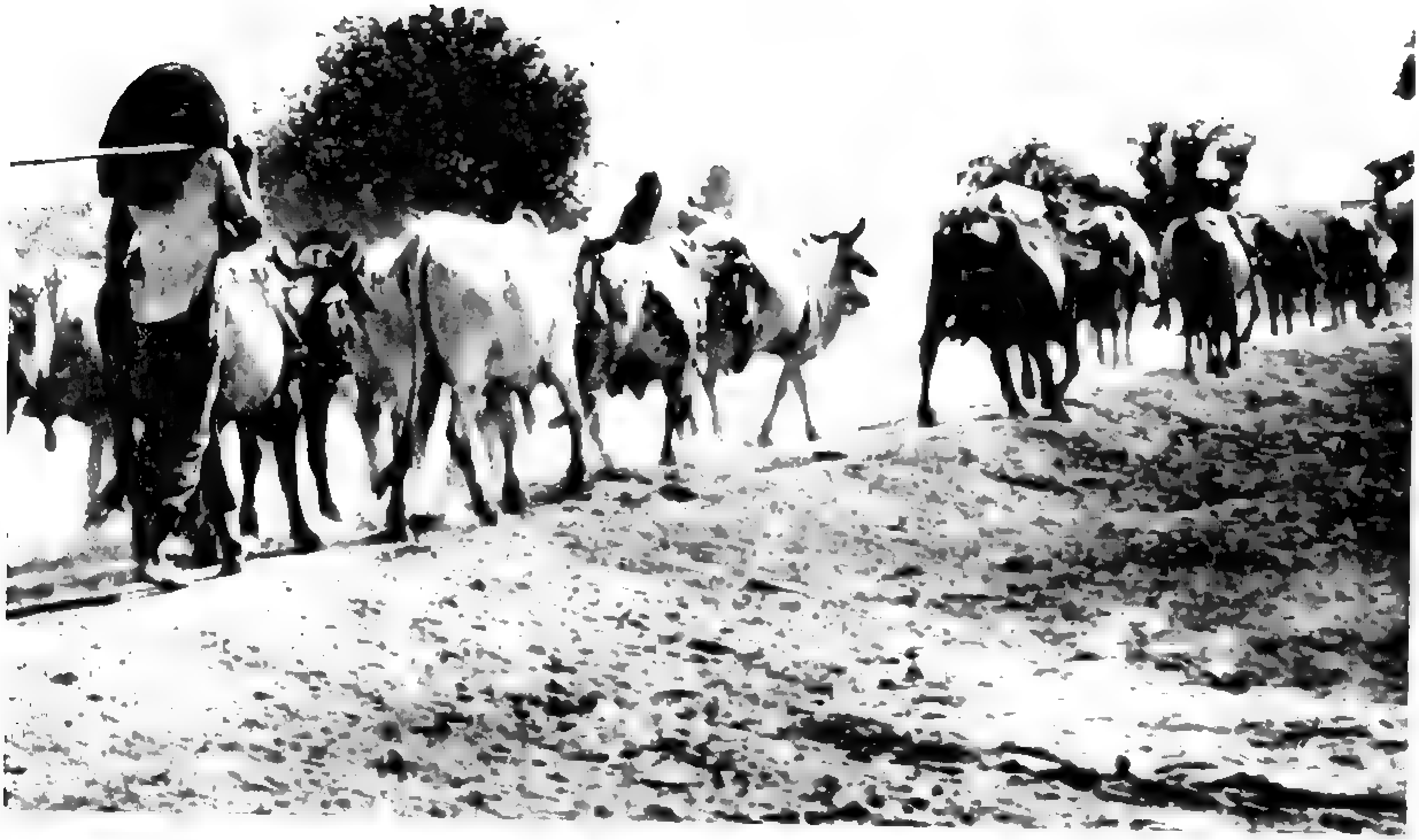
एक पंजाबी हरिजन स्त्री

ایک پنجابی ہریجن عورت



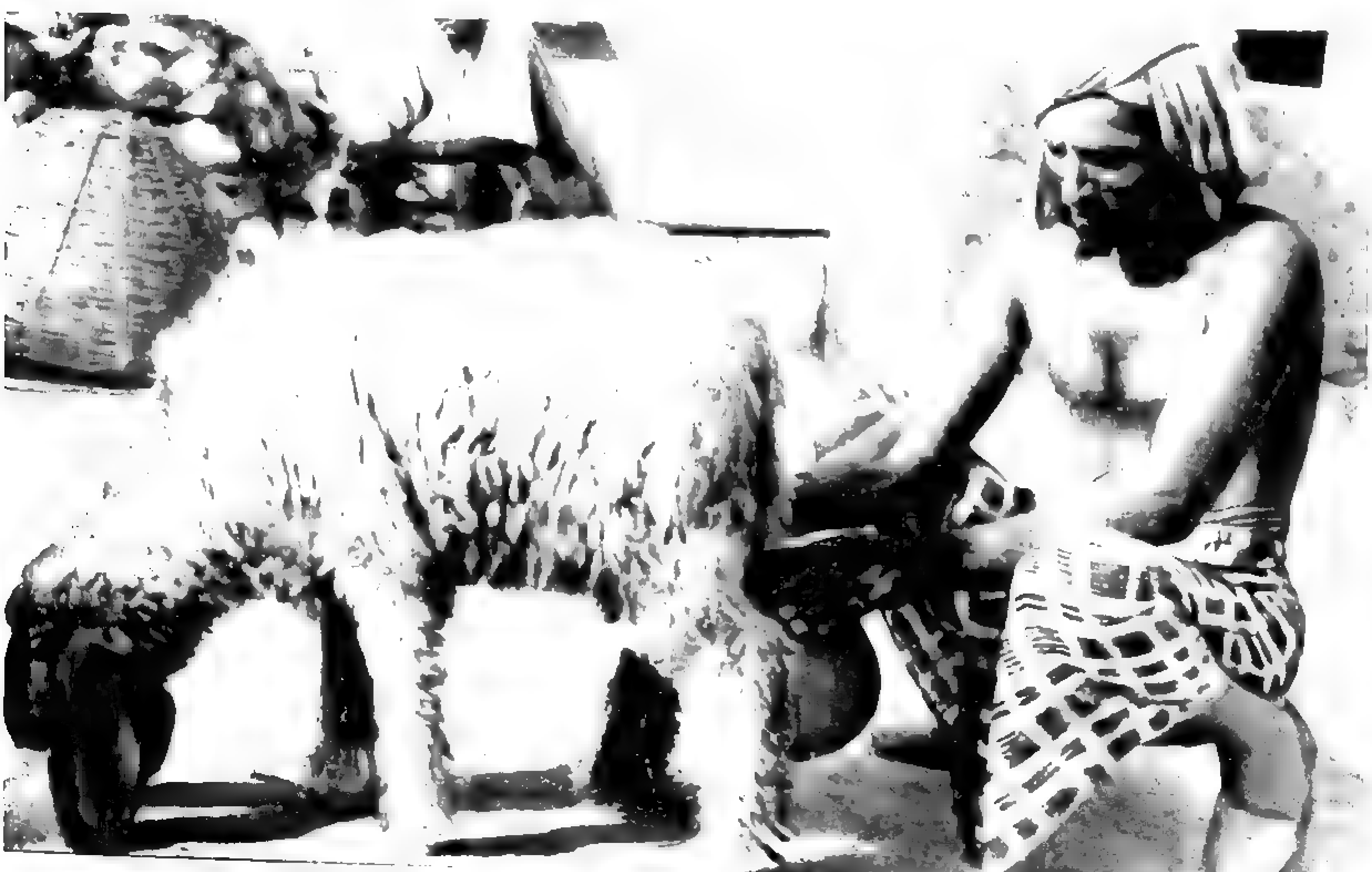
पंजाब के देहाती गवैये

پنجاب کے دیہاتی گویئے



संध्या-समय घर की ओर

شام کے وقت گھر کو واپسی

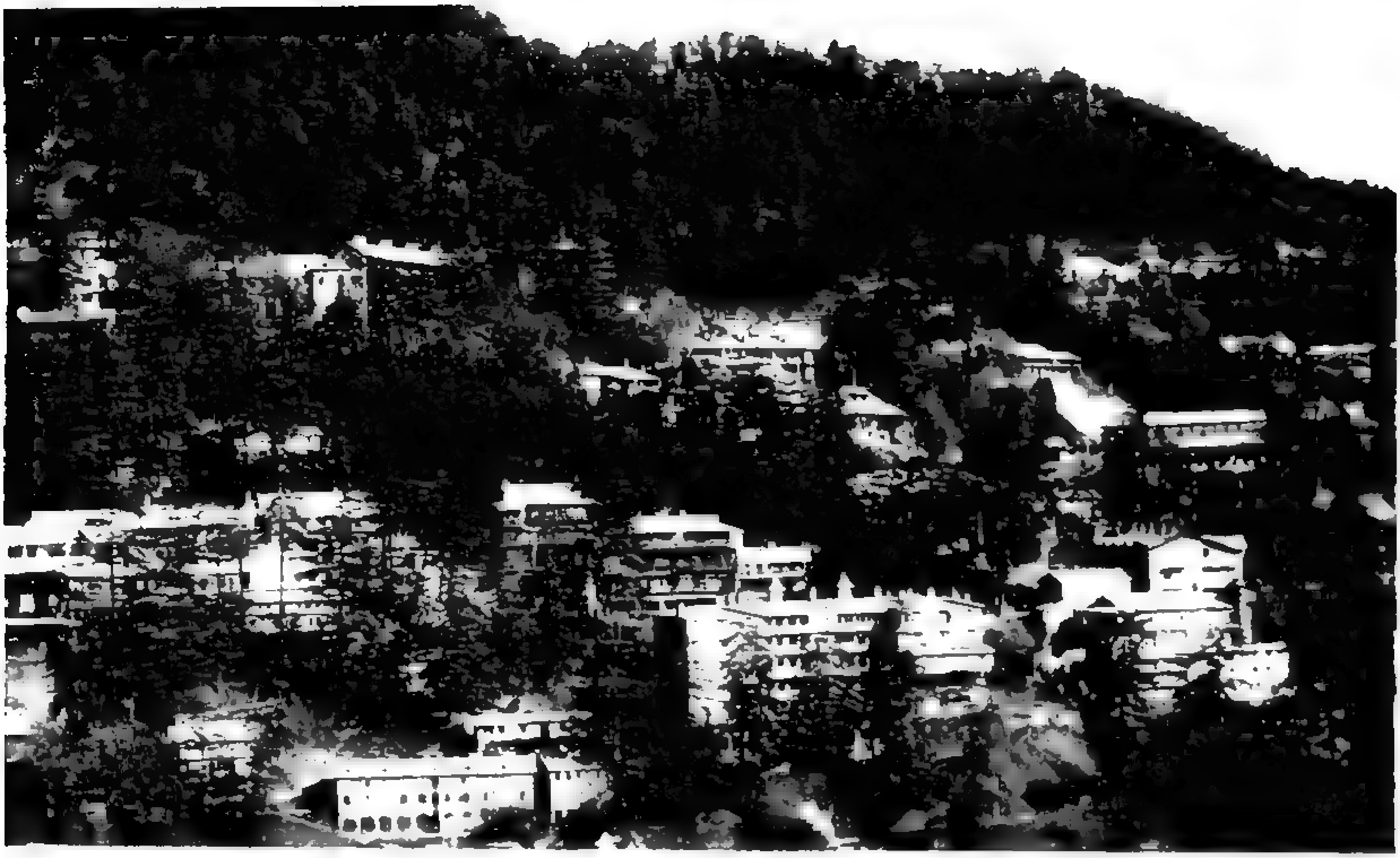


एक पंजाबी गड़रिया अपनी भेड़ दुह रहा है

ایک پنجابی گڑریا اپنی بھیڑ کا دودھ دوہ رہا ہے



मरी की एक सुन्दर लड़की अपने घर का काम कर रही है।
مری کی ایک خوبصورت لڑکی گھر کا کام کر رہی ہے



शिमला का एक दृश्य
شملہ کا ایک نظارہ

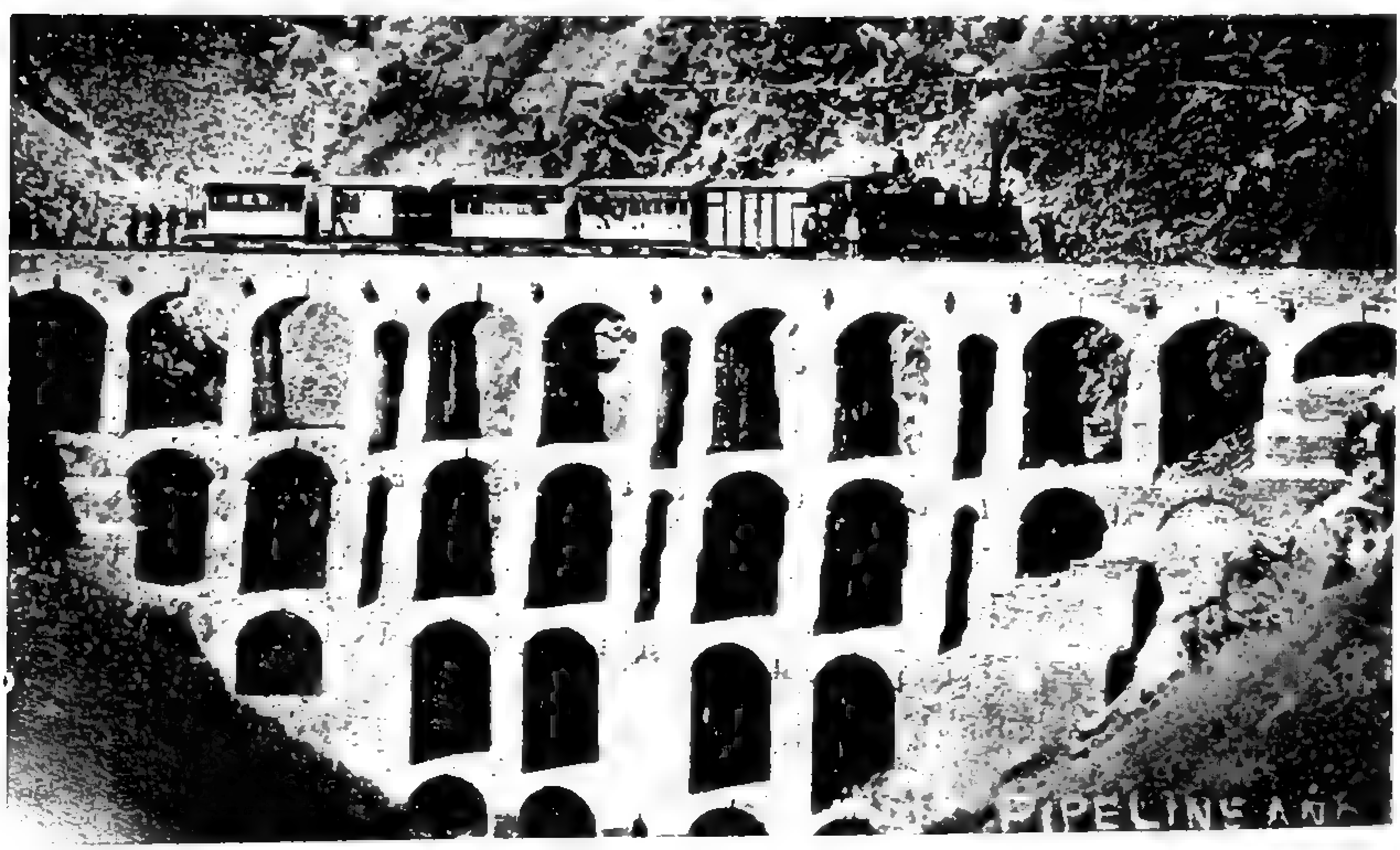


शिमला में वायसराय का भवन
شملہ میں وایسرائے کی کوٹھی



शिमला की बस्ती का एक दृश्य

شملہ كي بستی کا ایک نظارہ



[illegible] रेलगाड़ी पुल पर जारही है

کالکا شملہ ریل گاڑي پل پر جارهي هے



स्वर्गीय लाला लजपतराय

لالہ لاجپت رائے مرحوم



स्वर्गीय डाक्टर सर मुहम्मद इक़बाल

ڈاکٹر سر محمد اقبال مرحوم



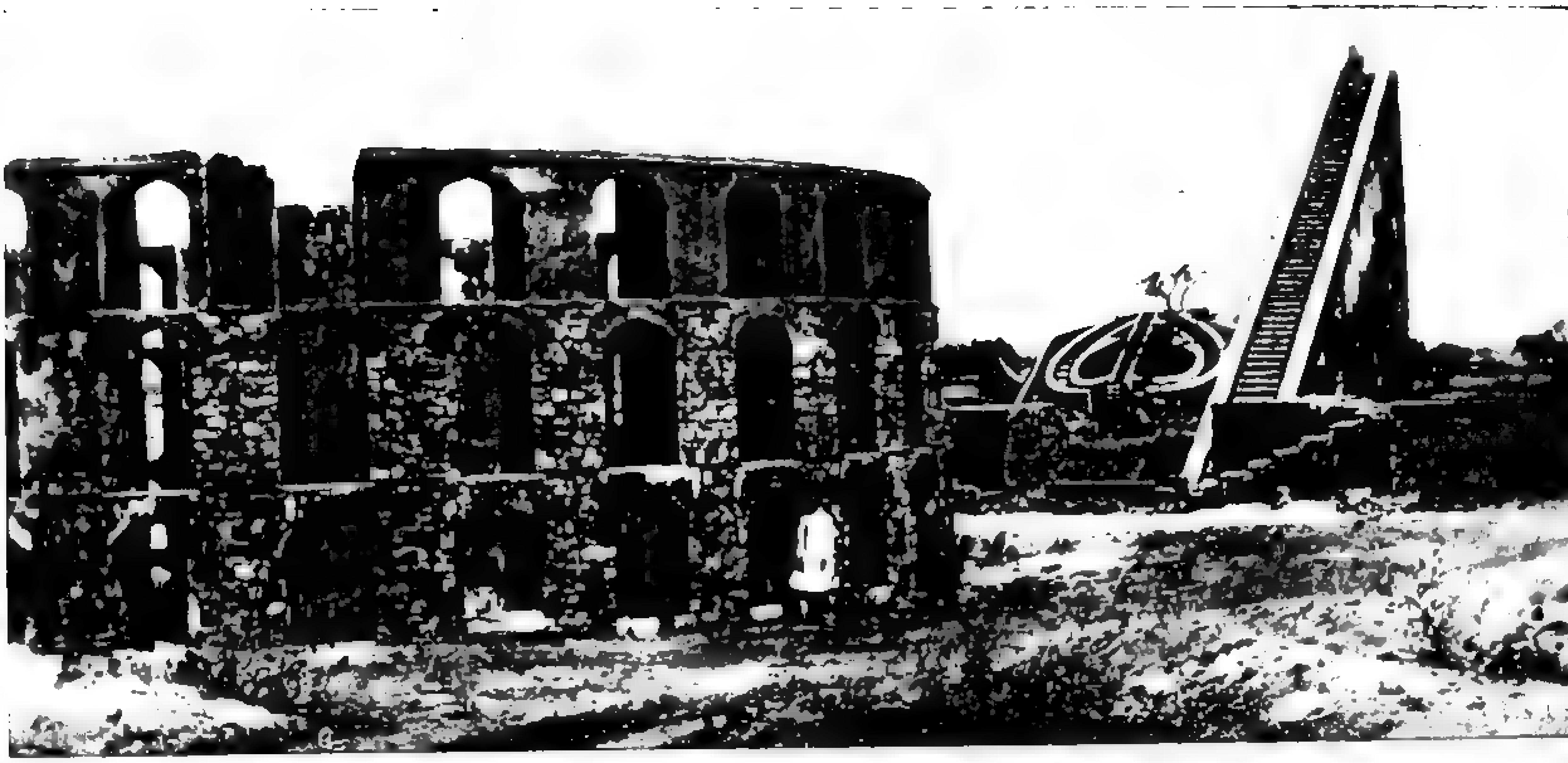
पंजाब के प्रधानमंत्री सर सिकंदरहयात खाँ

سر سکندر حیات خاں وزیر اعظم پنجاب



पटियाला के महाराज

ہز ہائینس مہاراجہ پٹیالہ



जयसिंह का जंतर मंतर, दिल्ली

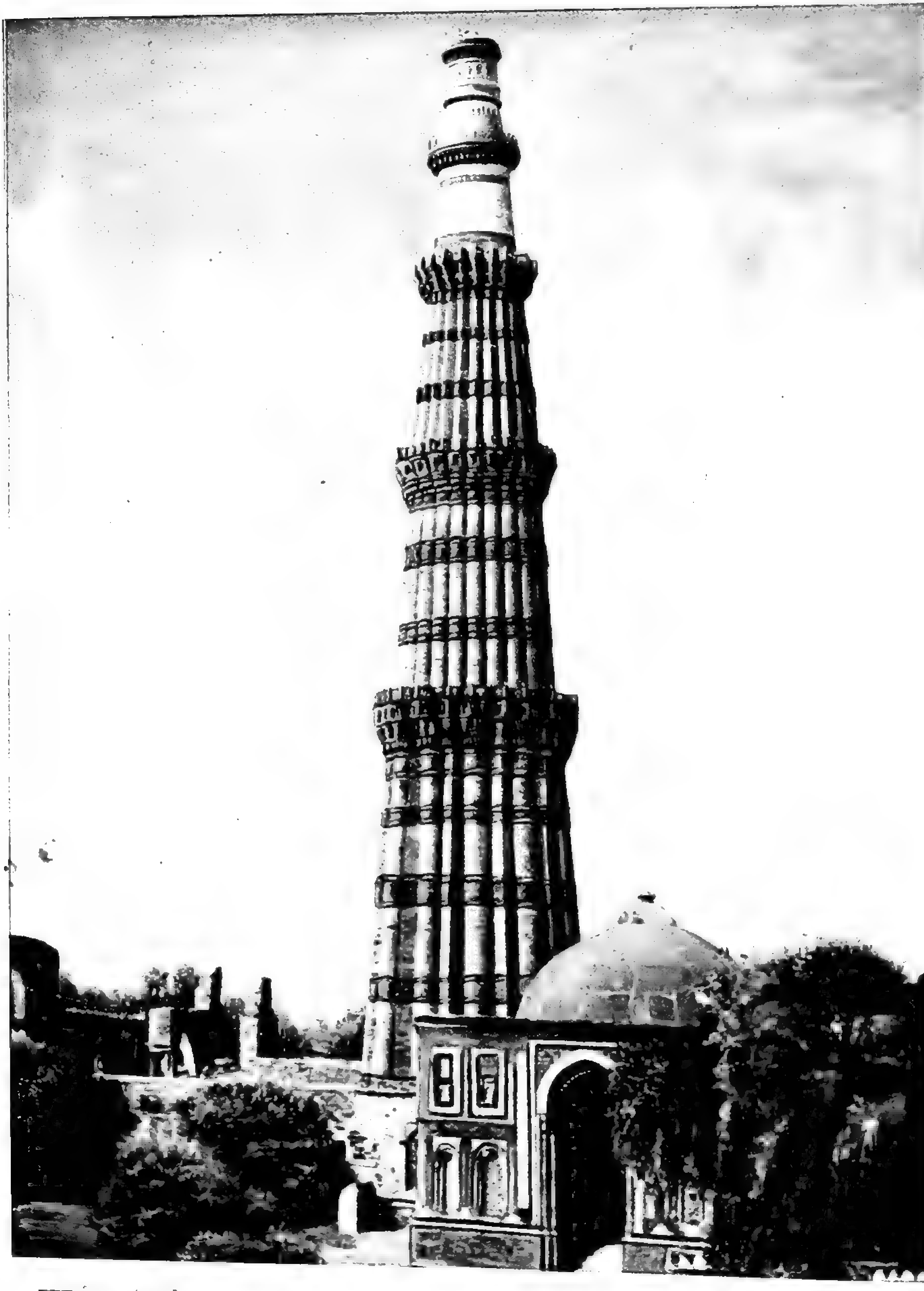
جے سنگھہ کا جنتر منتر - دهلی

दिल्ली

प्राचीनकाल से दिल्ली भारतवर्ष की राजधानी है। यह महाभारत के समय में भी कौरवों और पाण्डवों की राजधानी थी और इन्द्रप्रस्थ के नाम से प्रसिद्ध थी। ईसा की बारहवीं सदी में दिल्ली में चौहान राजपूत राज्य कर रहे थे। १२०६ ईसवी से दिल्ली में मुसलमानों का राज्य आरम्भ हुआ। मुग़ल बादशाहों के समय में दिल्ली की बहुत अधिक उन्नति हुई। भारतवर्ष में जब अँगरेज़ी शासन प्रारम्भ हुआ तब यहाँ की राजधानी कलकत्ता बनाई गई। परन्तु १९१२ इसवी में सम्राट् पञ्चम जार्ज ने भारत आकर दिल्ली में दरबार किया और उसे भारत की राजधानी घोषित किया। तभी से नई दिल्ली का बसना आरम्भ हुआ। यहाँ के वायसराय-भवन, असेम्बली-भवन आदि देखकर मुग्ध हो जाना पड़ता है। प्राचीन काल की इमारतें और खण्डहर दिल्ली में अधिकता से पाये जाते हैं। यहाँ कामदानी, हीरा-जवाहिरात और सोने-चाँदी का काम बहुत अच्छा होता है। दिल्ली की जन-संख्या ४,४६,४४२ है और यह कई रेलवे लाइनों का केन्द्र है।

دهلي

دهلي هندوستان کا دارالخلافت ایک عرصہ دراز سے چلا آتا ہے - یہ مہابھارت کے زمانہ میں بھي کورو اور پانڈو کا دارالسلطنت تھا اور اندرپرستھہ کے نام سے مشہور تھا - بارھویں عیسوي صدي میں چوهان راجپوت دهلي میں حکمران ہوے اور سنہ ۱۲۰۶ع سے دهلي میں مسلمانوں کي سلطنت شروع هوئي - مغل بادشاهوں کے زمانے میں دهلي کی بہت ترقي هوئي - هندوستان میں جب انگریزي حکومت قائم هوئي تب کلکتہ یہاں کا دارالخلافت بنایا گیا - لیکن سنہ ۱۹۱۲ع میں شاهنشاہ جارج پنجم نے هندوستان آکر دهلي میں دربار کیا اور اسے یہاں کا دارالخلافت قرار دیا - اُسي وقت سے نئي دهلي آباد هونی شروع هوئي - یہاں کي عمارتیں مثلاً وائسرائے کي کوٹھي و اسمبلي هاؤس وغیرہ دیکھہ کر طبیعت [illegible] هو جاتي هے - پرانے زمانے کي عمارتیں اور کھنڈرات یہاں بیشمار پائے جاتے هیں - [illegible] مداني، هیرے جواهرات اور سونے چاندي کا کام بکثرت هوتا هے - دهلي کي آبادي [illegible] هے اور یہ تمام هندوستان کي ریلوے لائینوں کا مرکز هے -



कुतुबमीनार, दिल्ली



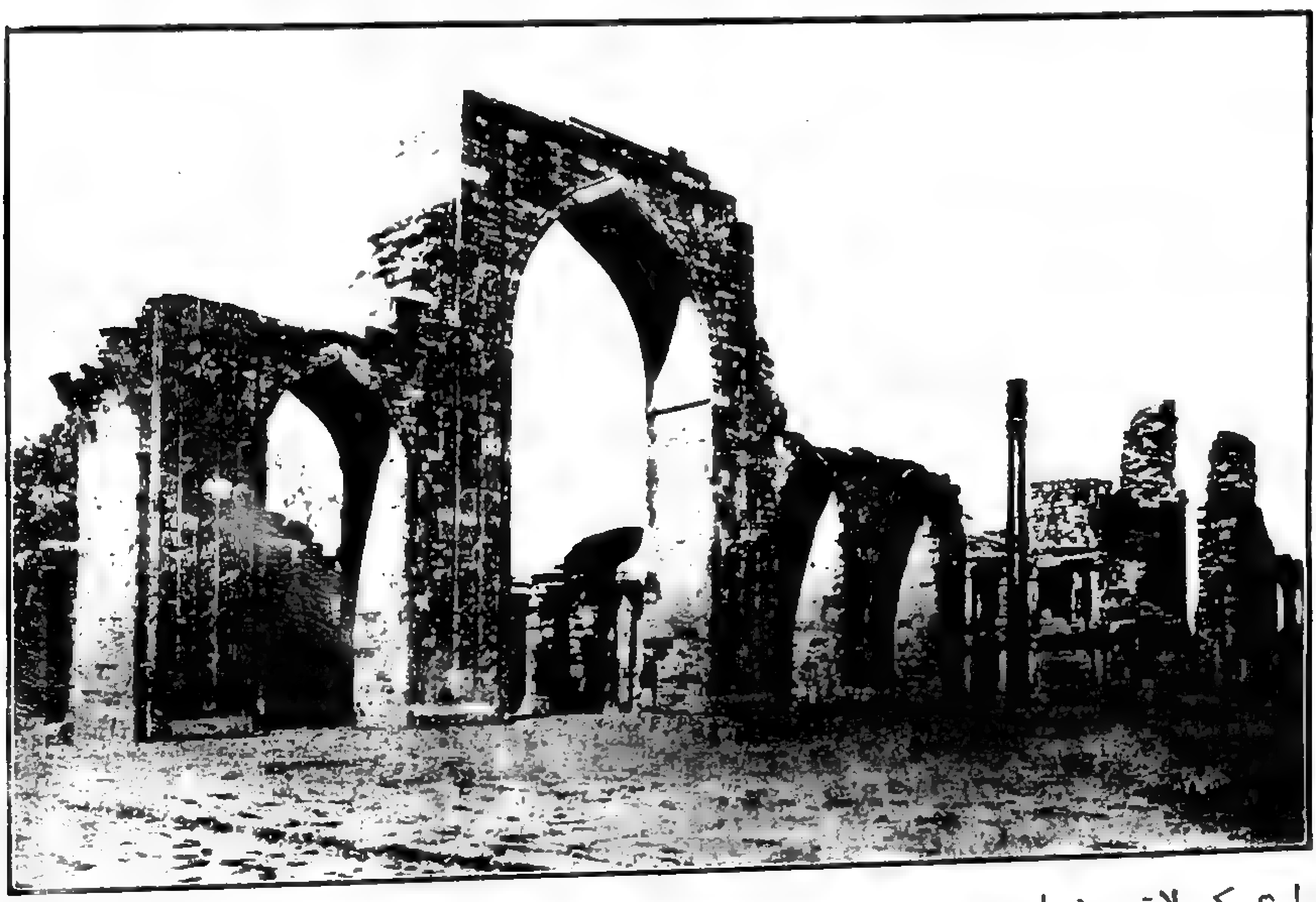
क़ुतुबमीनार के ऊपरी भाग का दृश्य

قطب مینار کے اُوپری حصّہ کا نظارہ



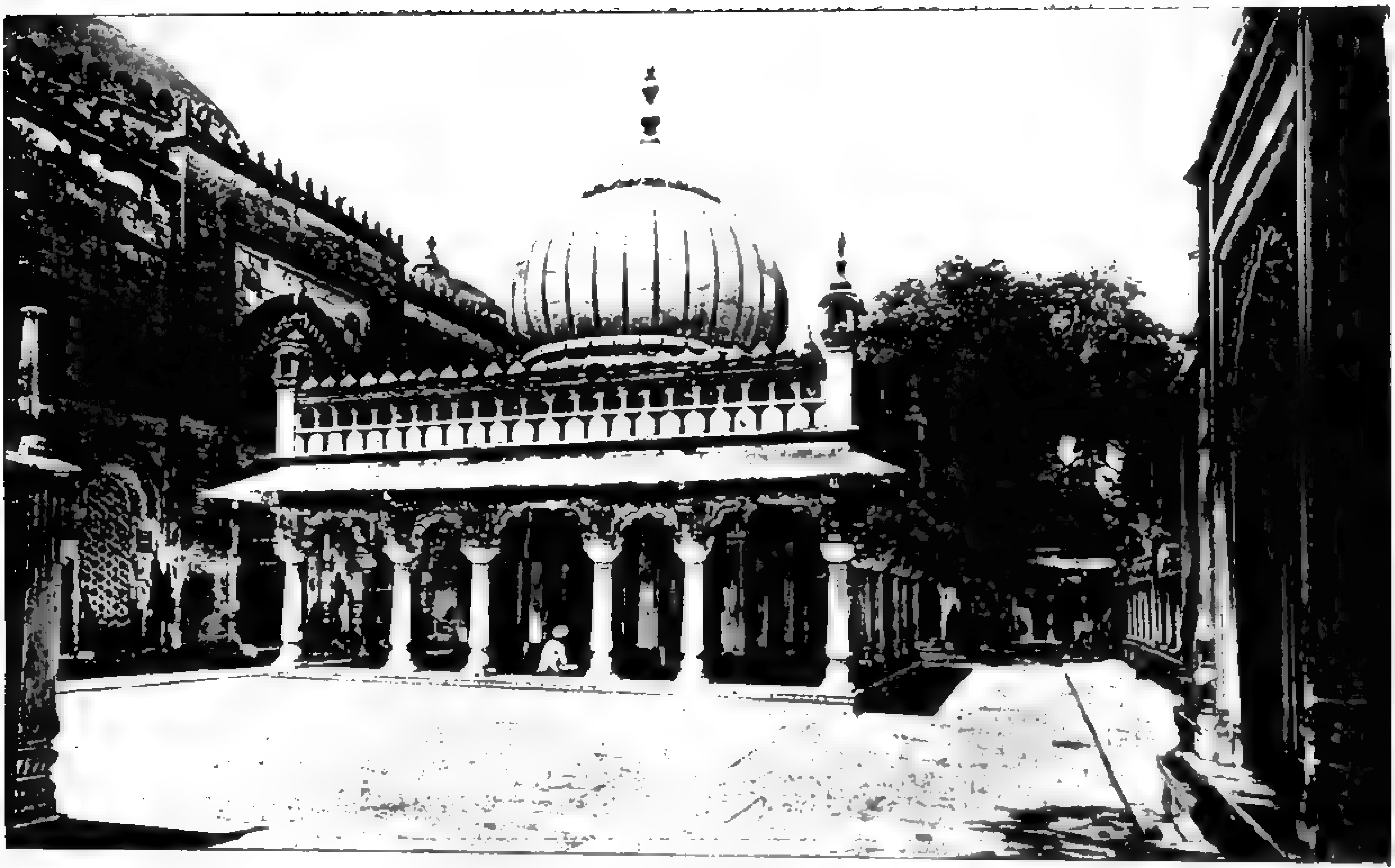
नई दिल्ली का विहंगम दृश्य

نئی دهلی کا هوائي جهاز سے نظارہ

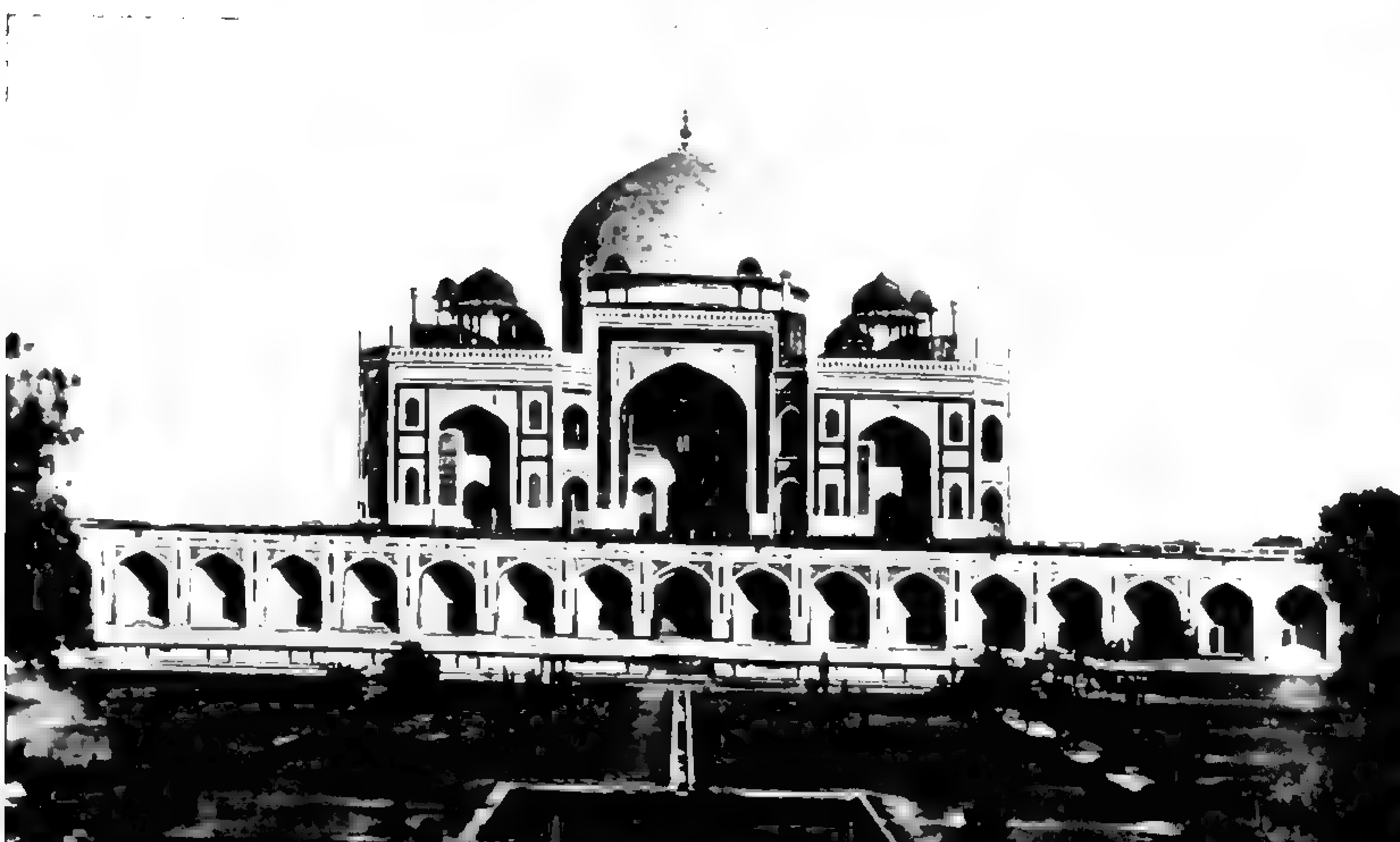


لوہے کی لاٹ - دهلی

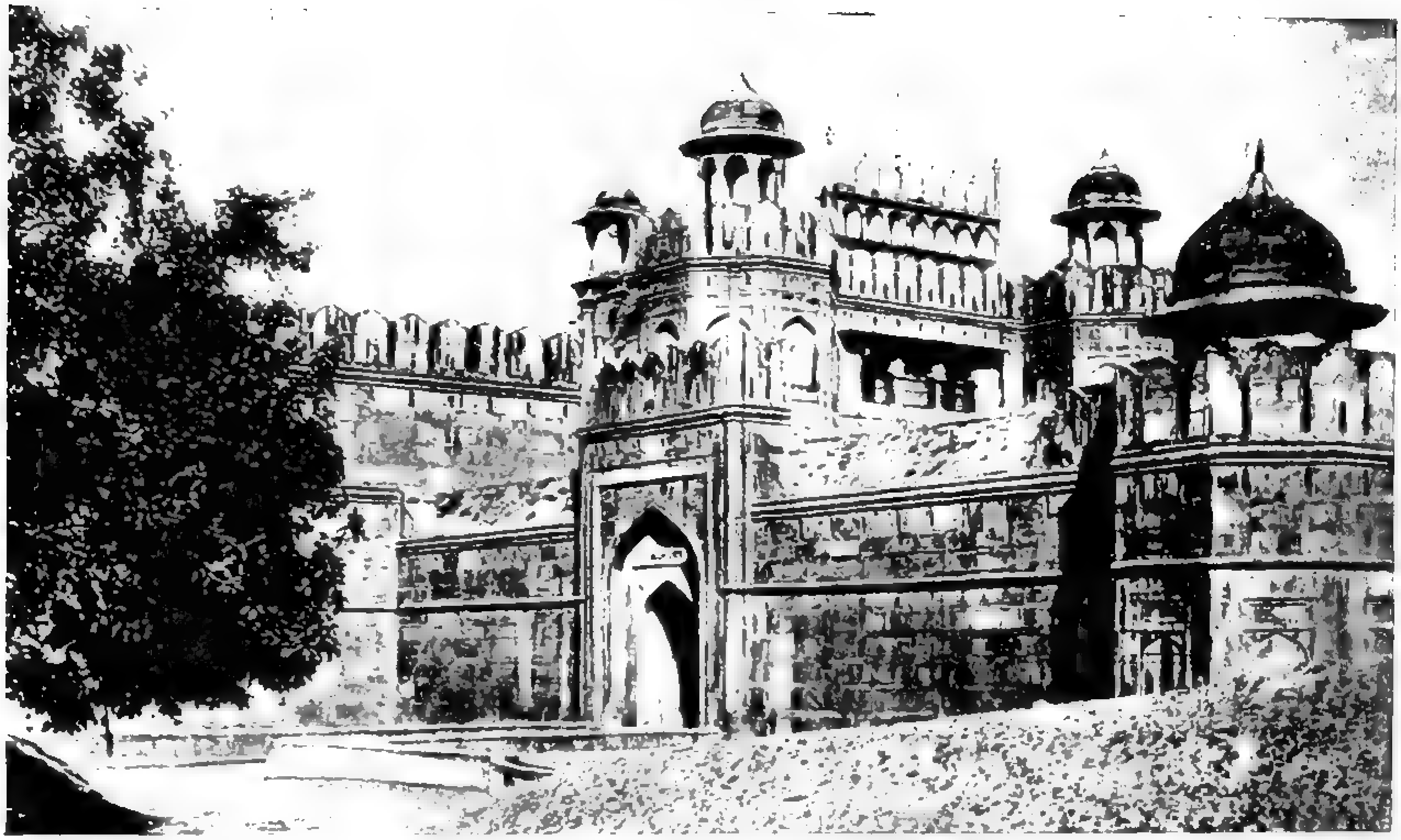
लोह की लाट, दिल्ली



निज़ामुद्दीन औलिया का मक़बरा, दिल्ली
نظام الدین اولیا کا مقبرہ - دهلی



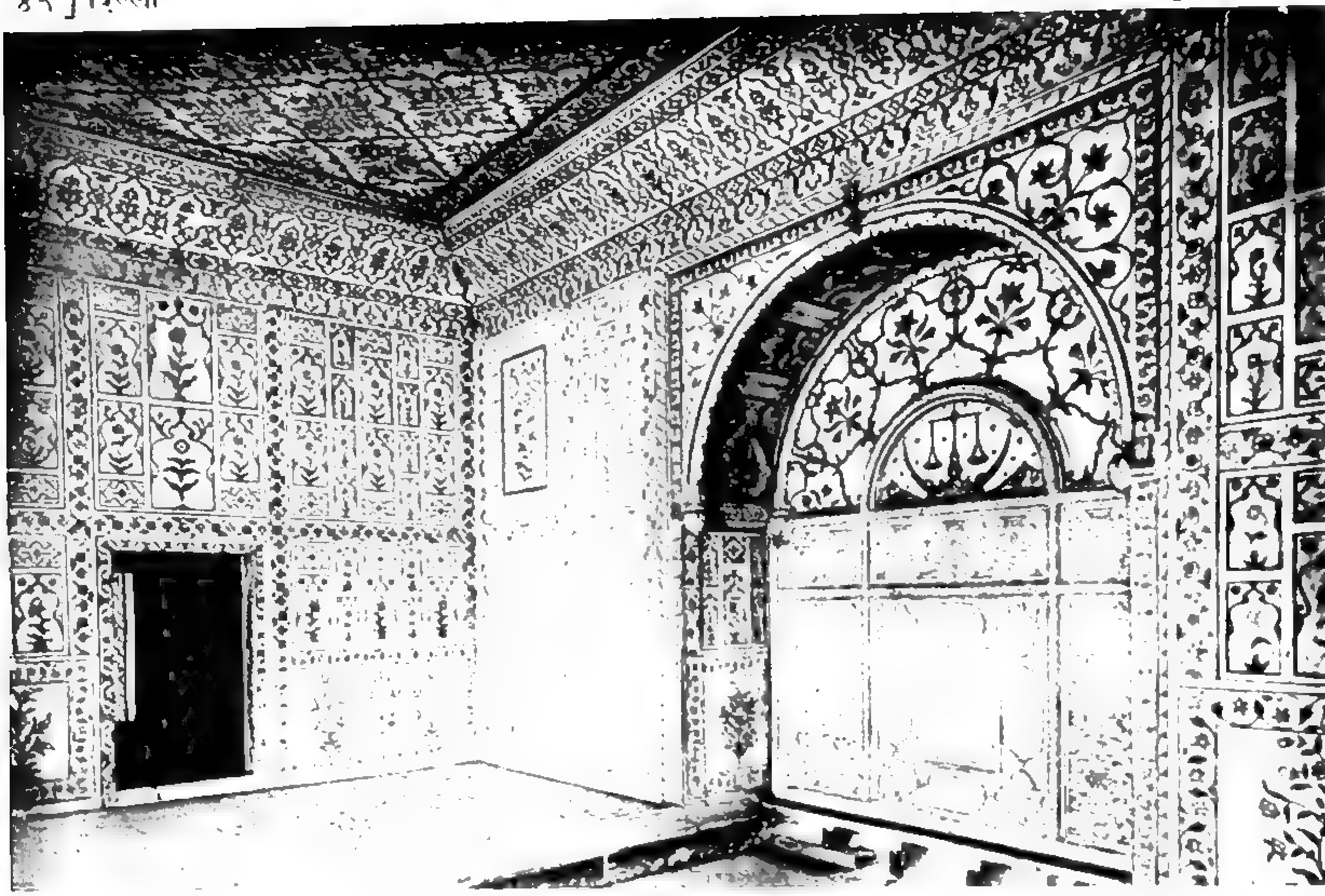
हुमायूँ का मक़बरा, दिल्ली
همایوں کا مقبرہ - دهلی



दिल्ली के क़िले का "दिल्ली दरवाज़ा"
دهلي کے قلعه کا "دهلي دروازه"

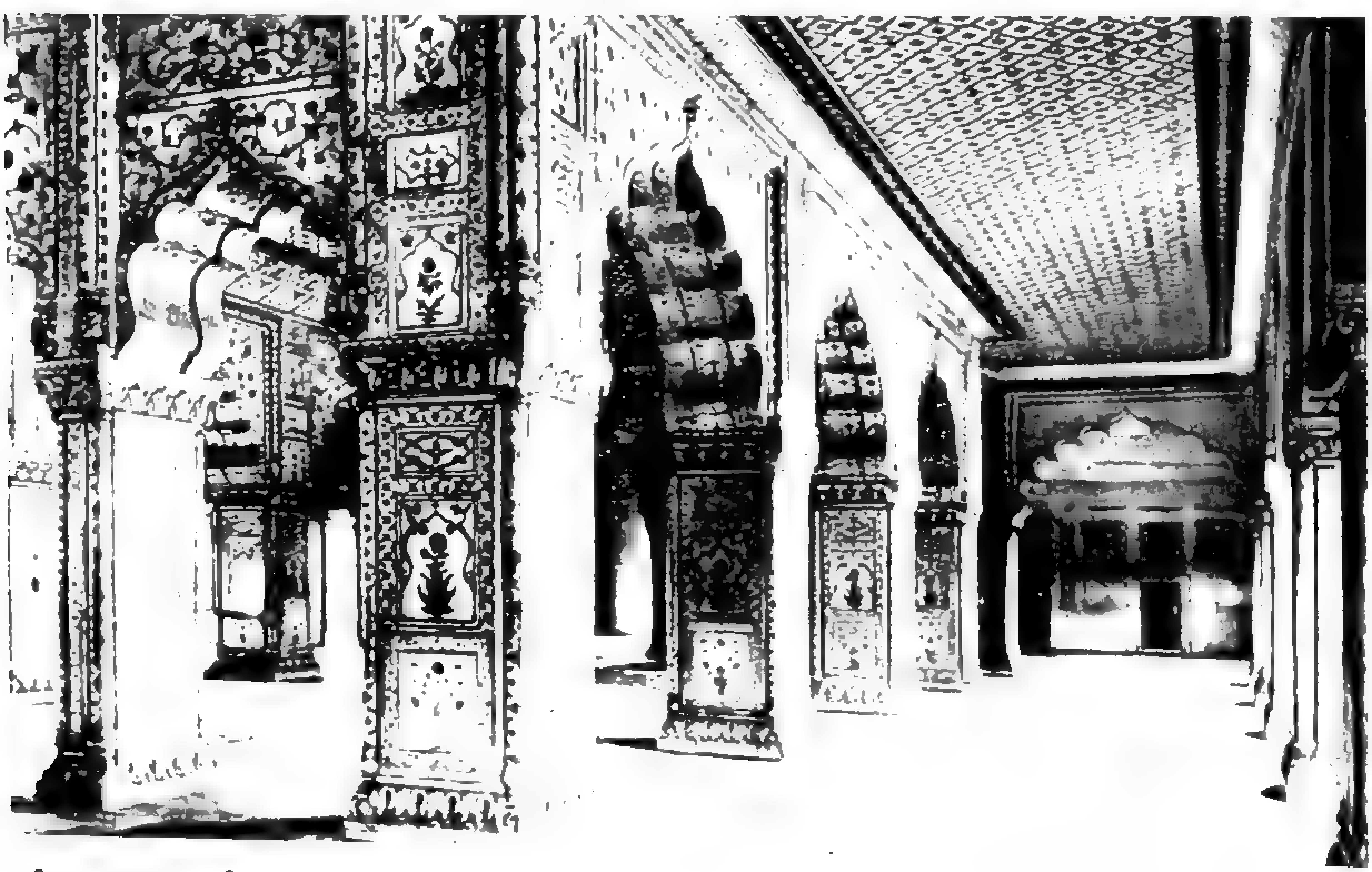


दिल्ली के क़िले का "हाथीफाटक"
دهلي کے قلعه کا "هاتهي دروازه"



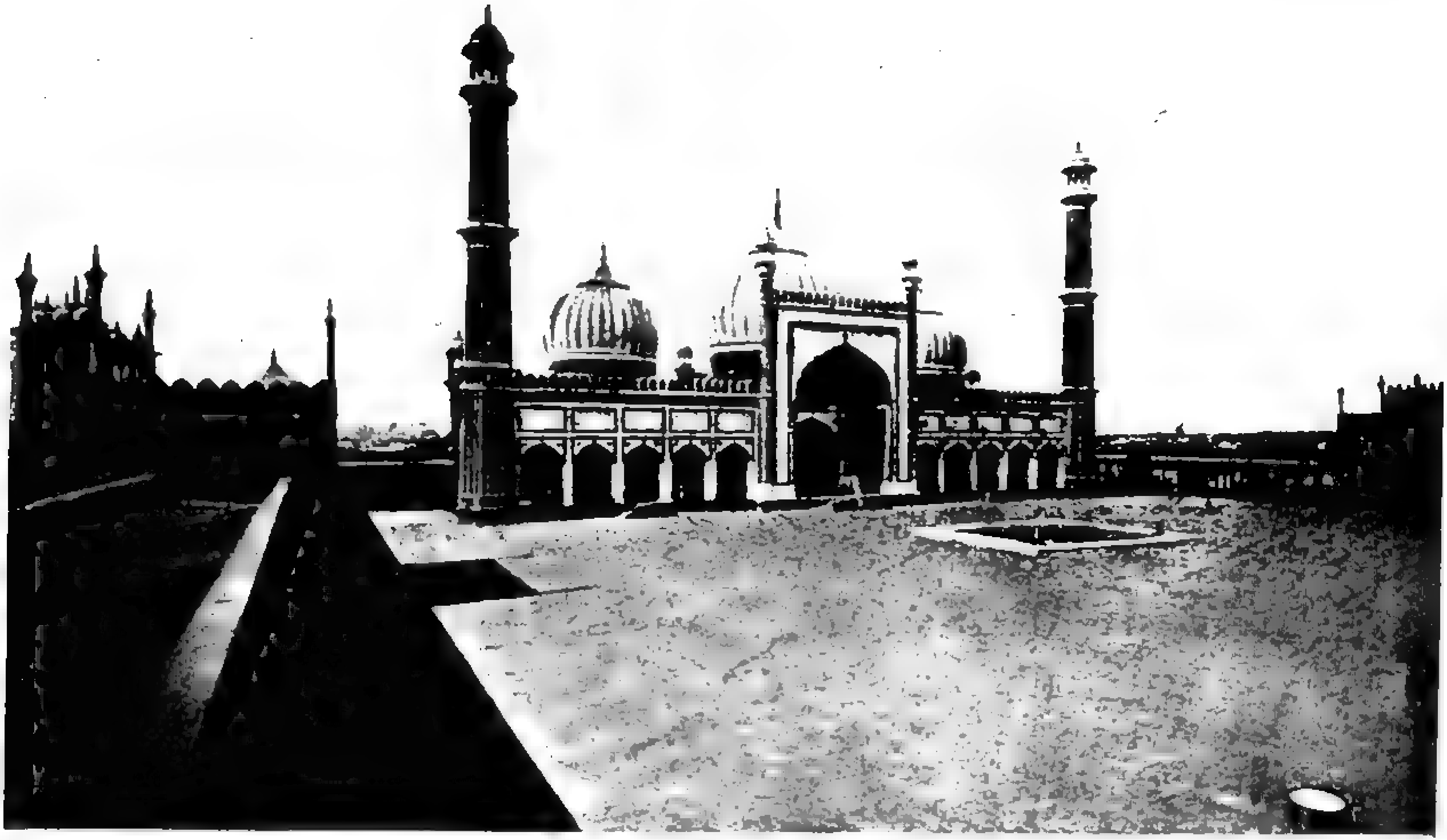
दिल्ली के क़िले में शाहजहाँ का ख़ास कमरा

دہلی کے قلعہ میں شاہجہاں کا خاص کمرہ

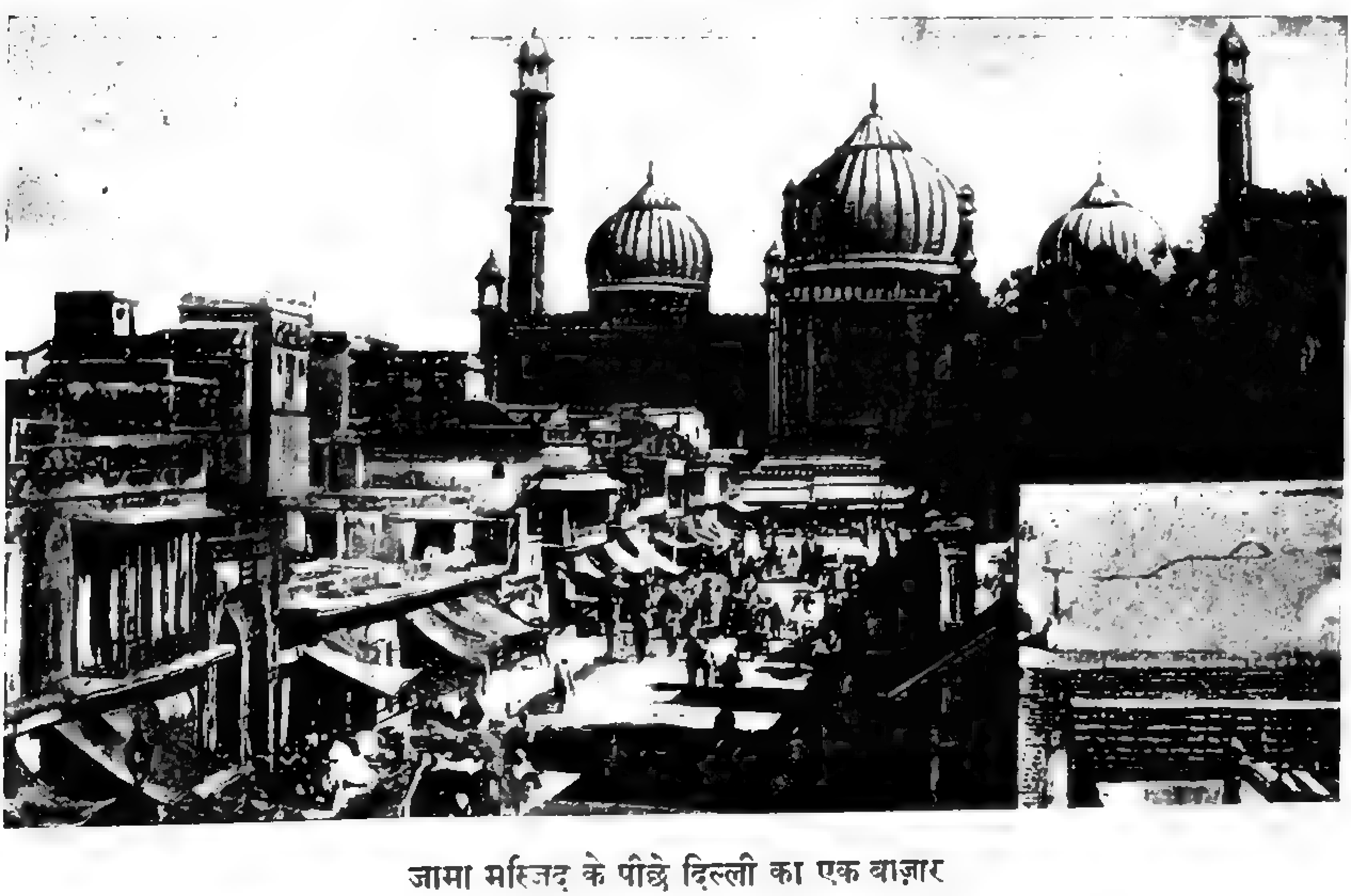


दीवान-ए-ख़ास, दिल्ली

دیوان خاص - دہلی



जामा मस्जिद, दिल्ली
جامع مسجد - دھلی

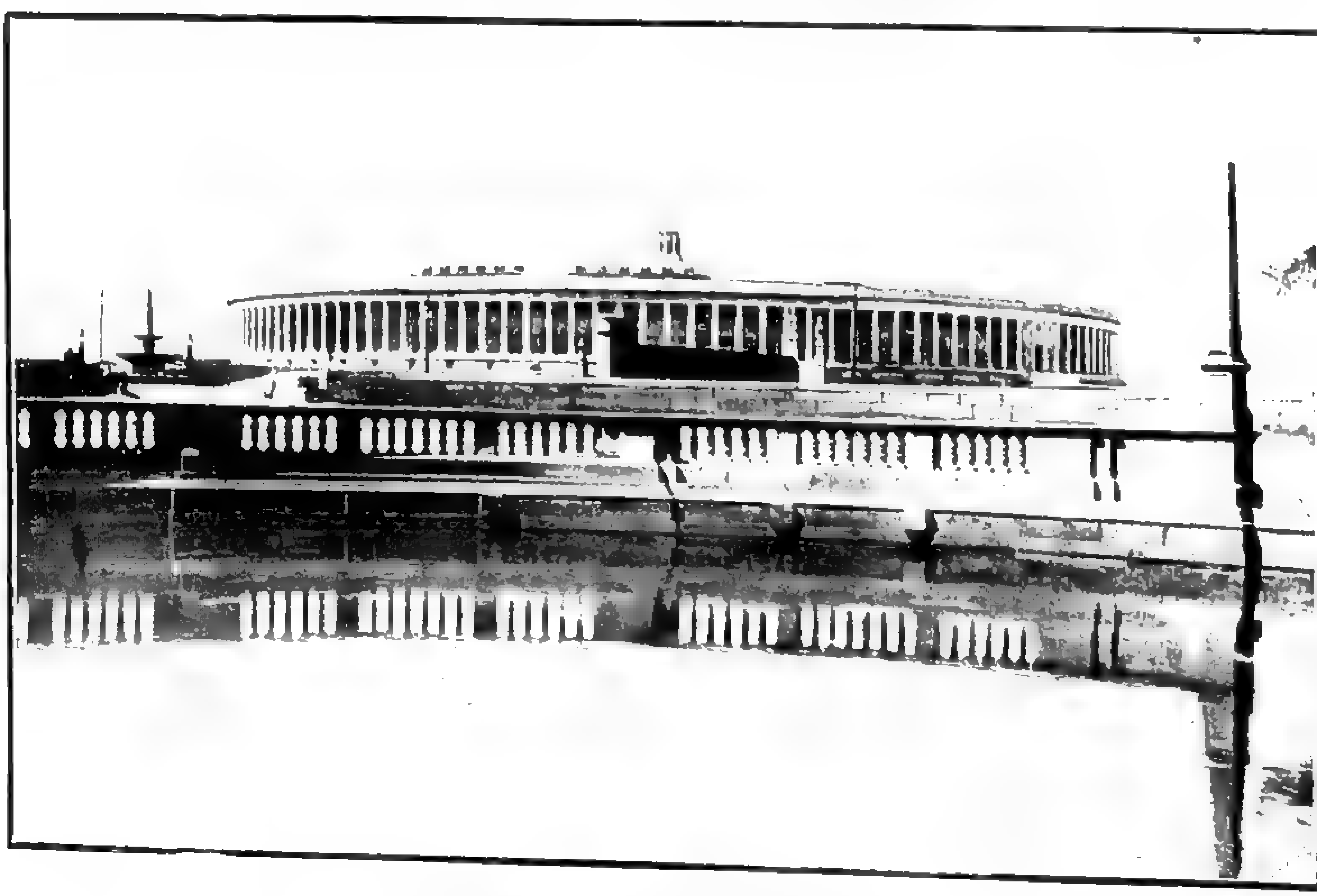


जामा मस्जिद के पीछे दिल्ली का एक बाज़ार
جامع مسجد کے پیچھے دھلی کا ایک بازار



वायसरायभवन, नई दिल्ली

وايسراے كي كوٹھي - نئی دهلي



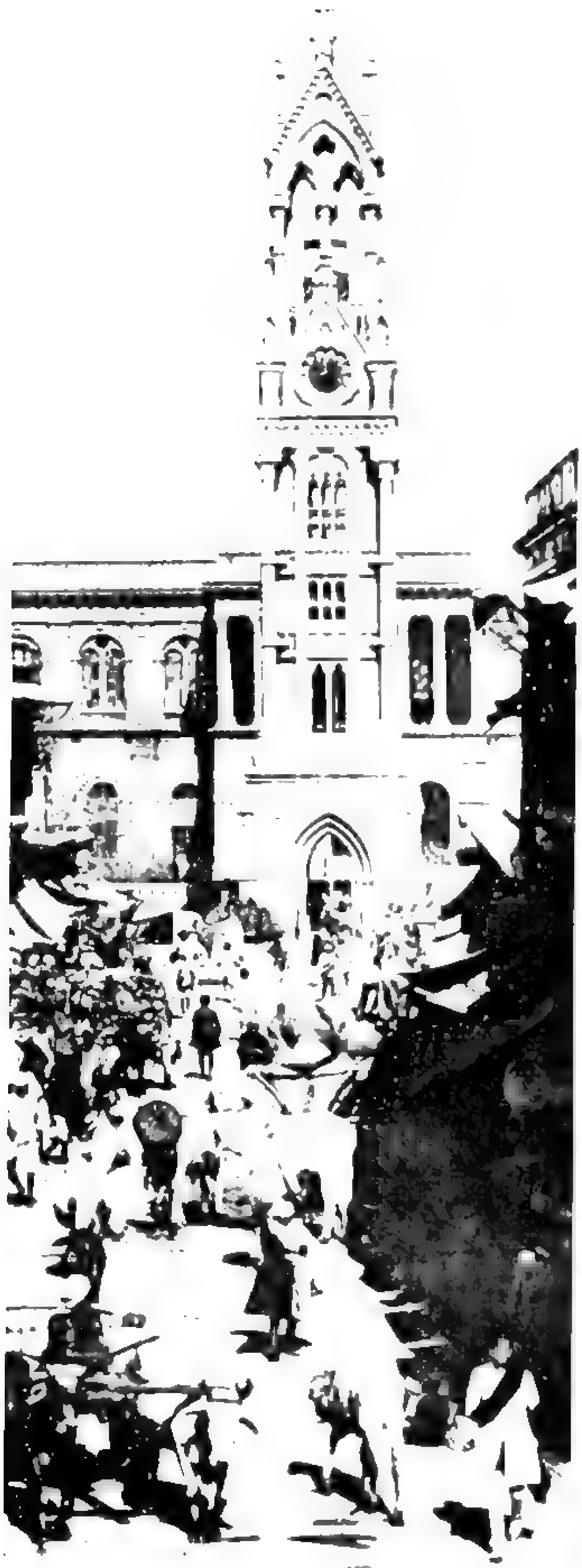
असेम्बलीभवन, नई दिल्ली

اسمبلي هاؤس - نئي دهلي



भारत [illegible] एक्सेलेंसी लार्ड लिनलिथगो

هز ایکسلنسی لارڈ لنلتھگو - [illegible] ہند



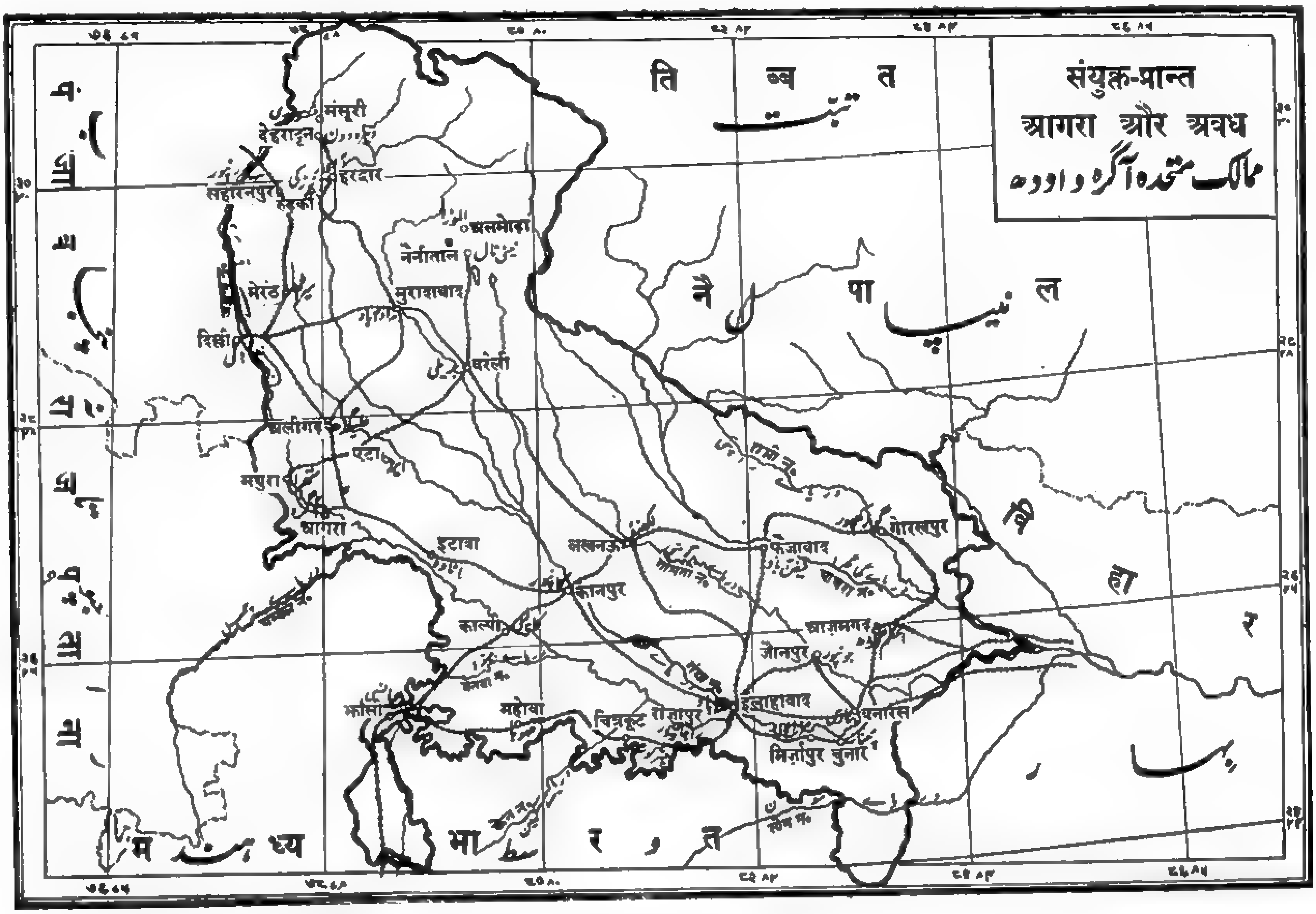
घंटाघर, दिल्ली

گھنٹاگھر - دھلی



डाक्टर अनसारी

ڈاکٹر انصاری

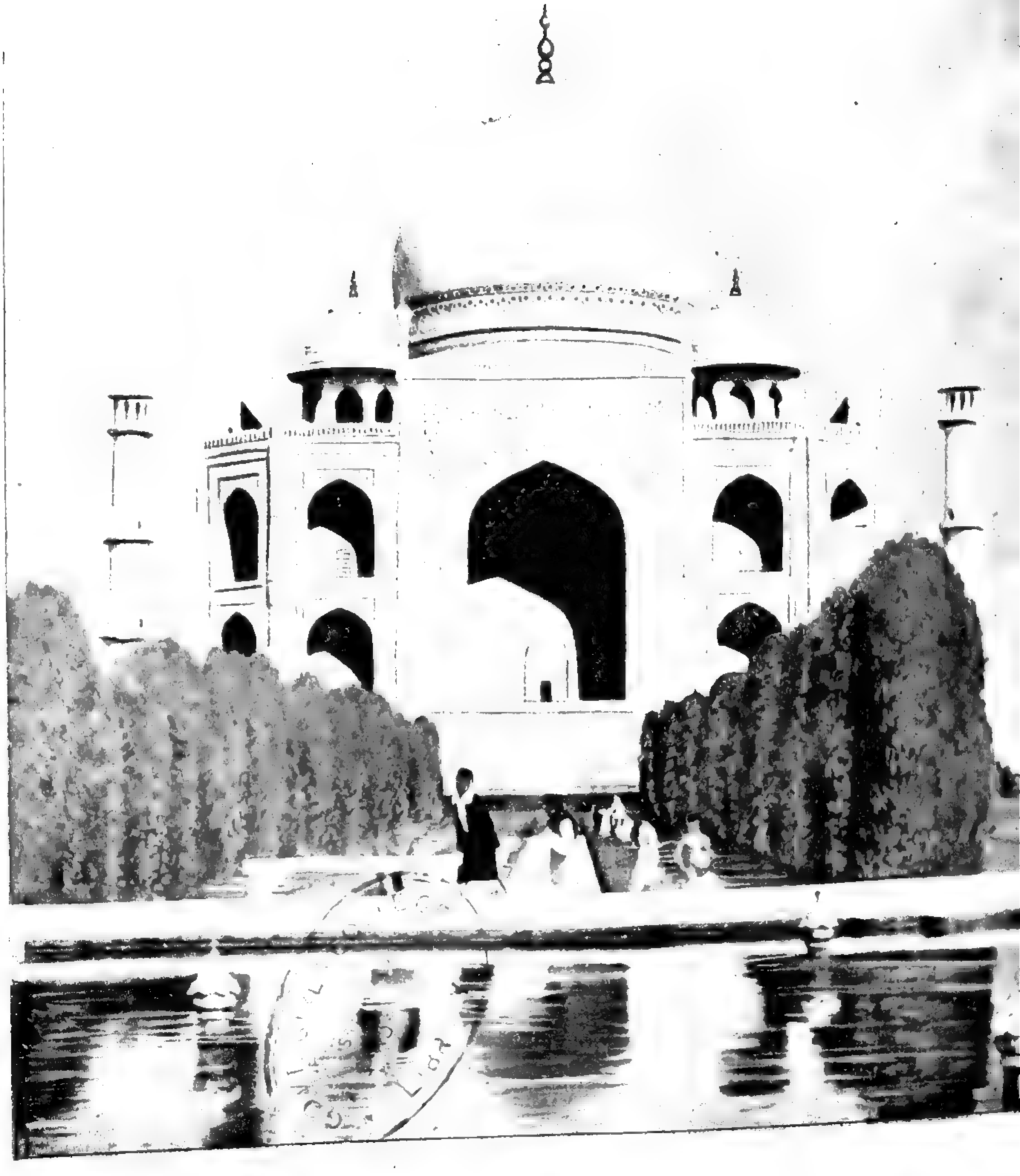


संयुक्त-प्रान्त

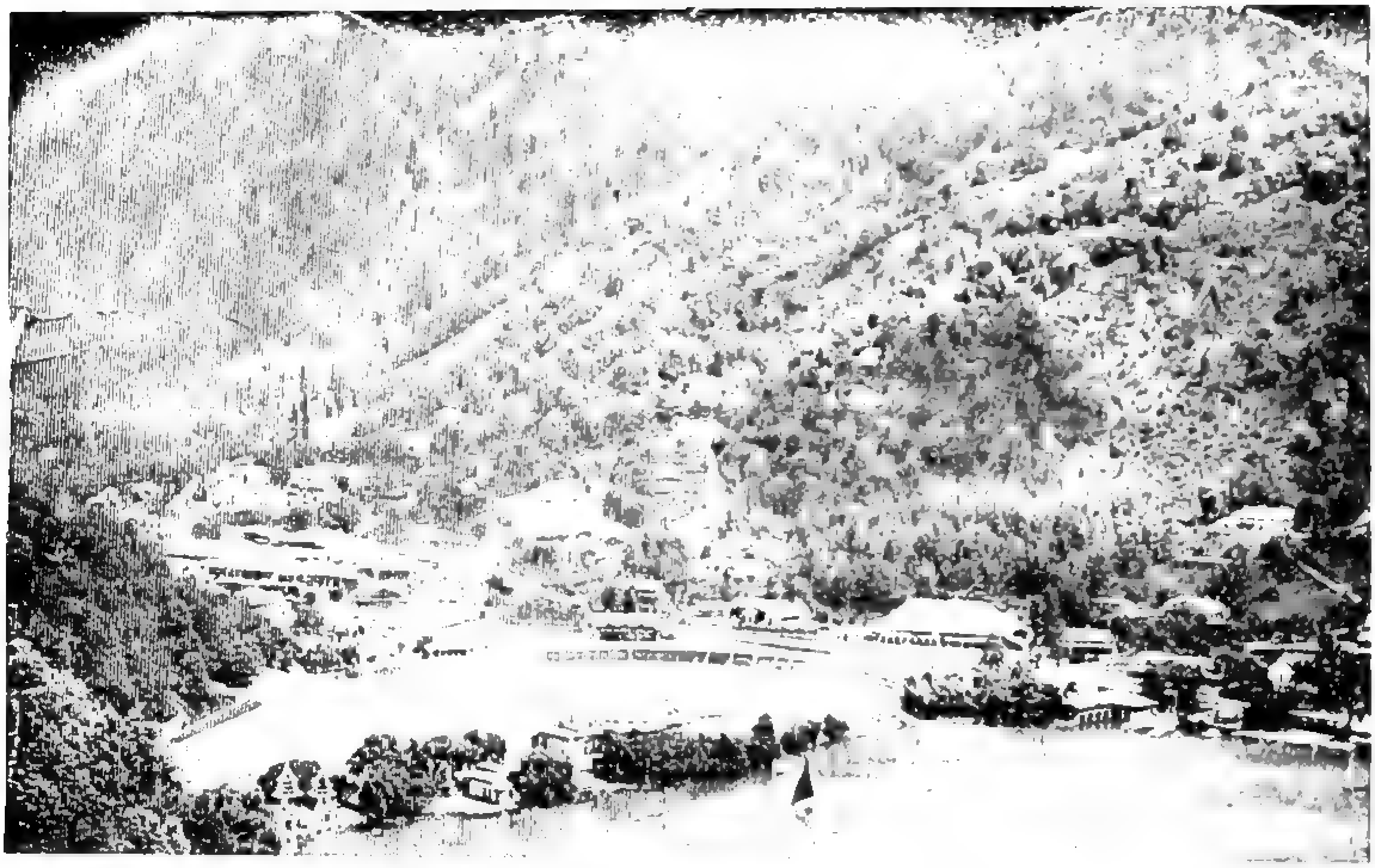
संयुक्त-प्रान्त बहुत ही उपजाऊ है। चावल, गेहूँ, दाल, ज्वार, बाजरा, जौ, गन्ना वगैरह यहाँ की खास उपज है। यहाँ के ७२ फी सदी निवासी खेती करके जीवन-निर्वाह करते हैं। गंगा नदी इस सूबे में होकर बहती है। यमुना, घाघरा, गोमती, चंबल, सोन, बेतवा इत्यादि कई छोटी बड़ी नदियाँ इस सूबे को अपने जल से सींचती हैं। इन नदियों के अतिरिक्त इस सूबे में नहरों से सिंचाई बहुत होती है। सन् १९३७-३८ में नहरों के द्वारा ३८,५०,५४४ एकड़ जमीन सींची गई। इस सूबे का क्षेत्रफल १,०७,००० वर्गमील है। और जन-संख्या ४,८४,०८,७६३ है जिनमें हिन्दू ८५ प्रतिशत और मुसलमान १५ प्रतिशत हैं। इलाहाबाद, बनारस, लखनऊ, कानपुर, आगरा और अलीगढ़ इस सूबे के मुख्य नगर हैं। कानपुर उत्तरी भारत का बहुत बड़ा व्यापारिक केन्द्र है।

ممالک متحدہ آگرہ و اودھ

یہ صوبہ بہت ہی زرخیز ہے - چاول، گیہوں، دال، جوار، باجرا، جَو، گنّا وغیرہ یہاں کی خاص پیداوار ہے - یہاں کے ۷۲ فی صدی باشندے کھیتی کر کے اپنی زندگی بسر کرتے ہیں - دریائے گنگا اس صوبہ میں ہو کر بہتا ہے - جمنا، گھاگرا، گومتی، چمبل، سون، بیتوا وغیرہ کئی چھوٹے بڑے دریا اس صوبہ کو سیراب کرتے ہیں - علاوہ دریاؤں کے اس صوبہ میں نہروں سے سینچائی بہت ہوتی ہے - سنہ ۱۹۳۷-۳۸ع میں نہروں کے ذریعہ ۳۸،۵۰،۵۴۴ ایکڑ زمین سینچی گئی - اس صوبہ کا رقبہ ۱۰۷۰۰۰ مربع میل ہے اور آبادی ۴۸۴۰۸۷۶۳ ہے جن میں ہندو ۸۵ فی صدی اور مسلمان ۱۵ فی صدی ہیں - الہ آباد، بنارس، لکھنؤ، کانپور، آگرہ اور علیگڈھ اس صوبے کے خاص شہر ہیں - کانپور شمالی ہندوستان کا بہت بڑا تجارتی مرکز ہے -

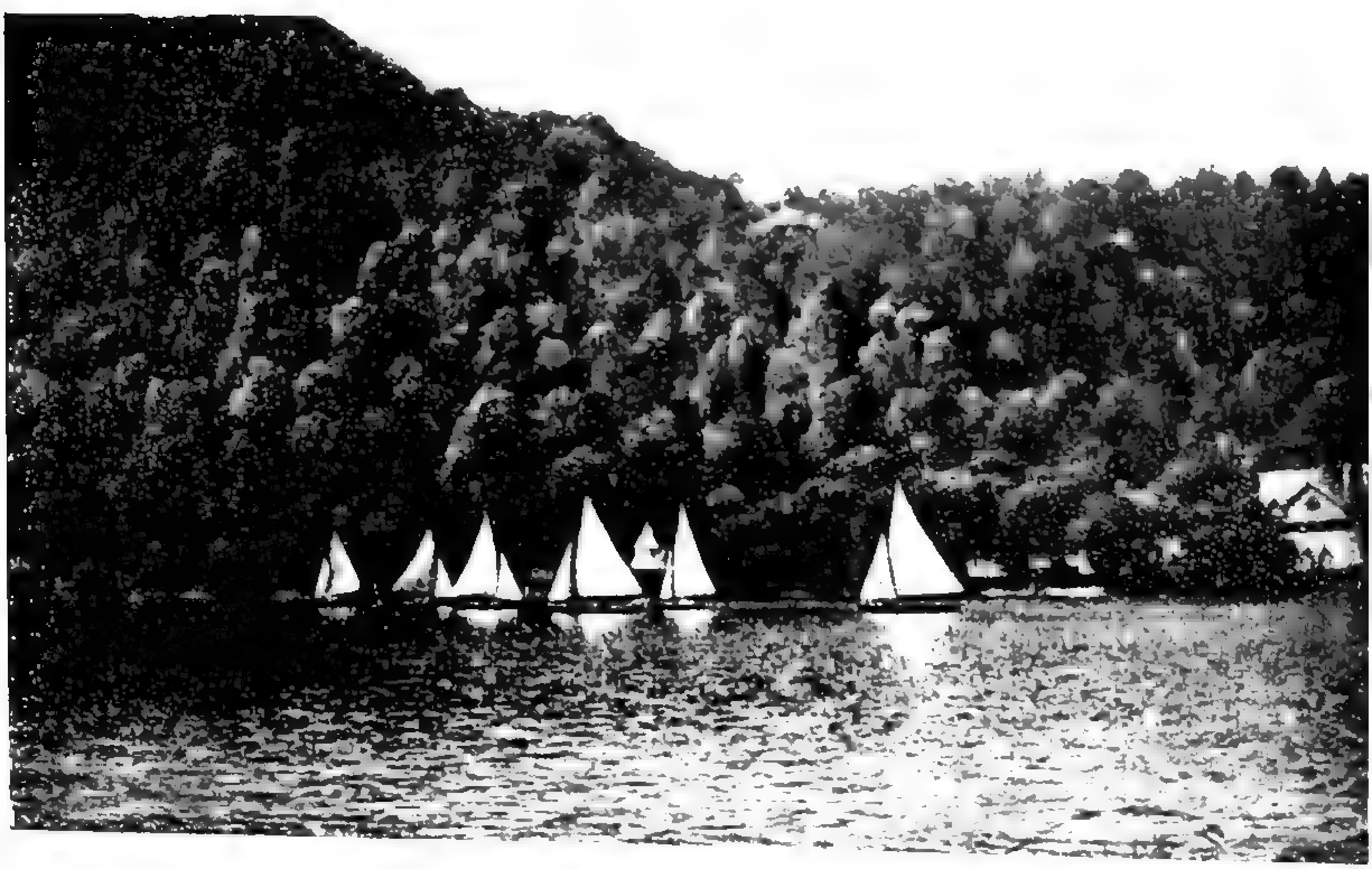


ताजमहल, आगरा



नैनीताल की झील का एक मनोहर दृश्य

نینی تال کی جھیل کا خوشنما منظر



नैनीताल की झील में नावों की दौड़

نینی تال کی جھیل میں کشتیوں کی دوڑ



मंसूरी पहाड़ का एक दृश्य
منصوری پہاڑ کا ایک نظارہ



केमल्स बैक-रोड, मंसूरी
کیملس بیک روڈ – منصوری



"कैम्टी" का झरना, मंसूरी

"کیمٹی" کا جھرنا - منصوری



"मार्मी" का झरना, मंसूरी

"ماسی" کا جھرنا - منصوری



"हैपी वैली" मंसूरी

"ہیپی ویلی" - منصوری



पहाड़ पर की खेती

پہاڑ پر کی کھیتی



एक पहाड़ी नदी

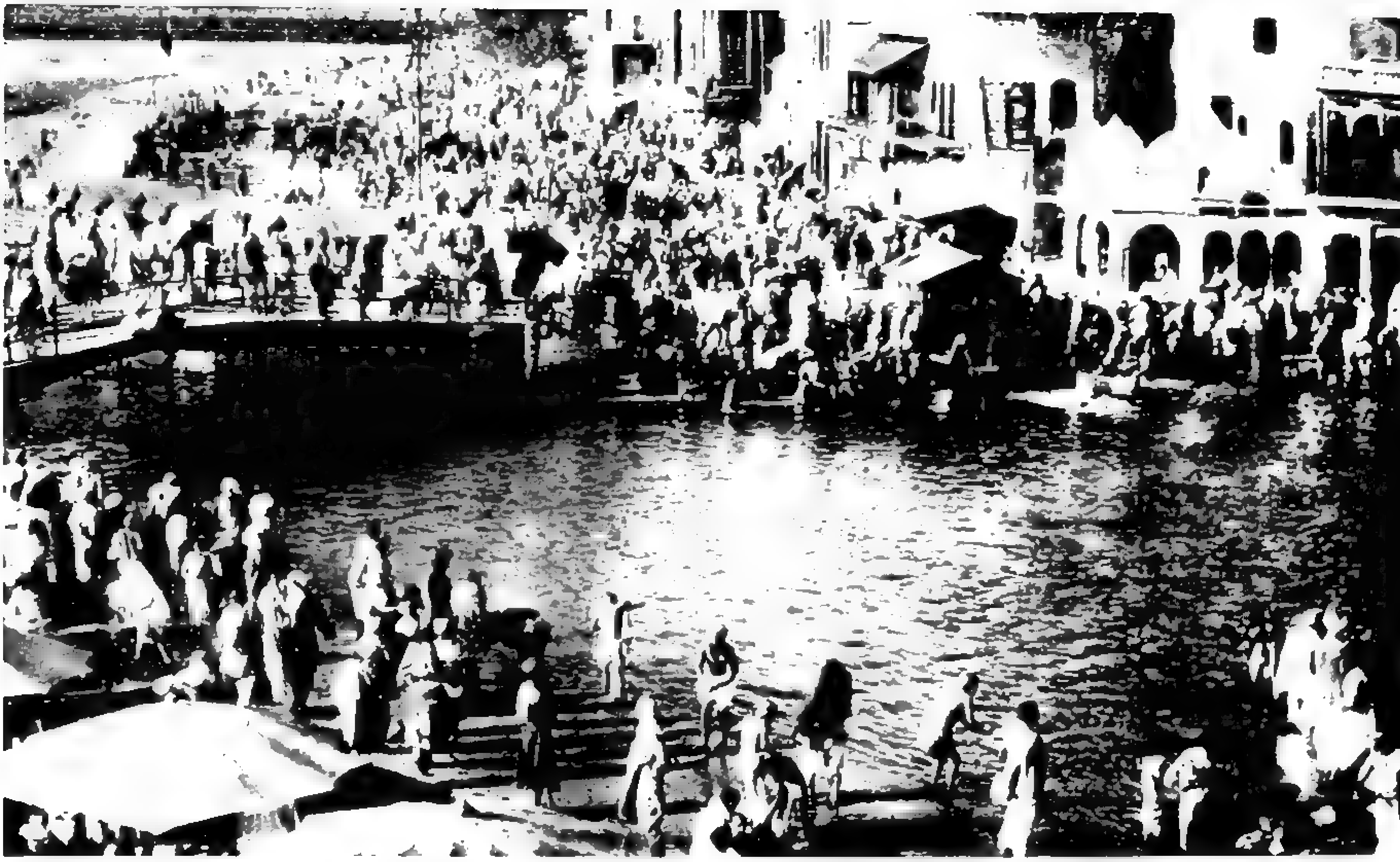
ایک پہاڑی دریا



देवदार का जगल, देहरादून
دیودار کا جنگل - دھرہ دون



फ़ारेस्ट रिसर्च इन्स्टिट्यूट (जंगल-विभाग की खोज-सम्बन्धी स्कूल), देहरादून
فارسٹ ریسرچ انسٹیٹیوٹ (محکمہ جنگلات کا تحقیقاتی اسکول) - دھرا دون



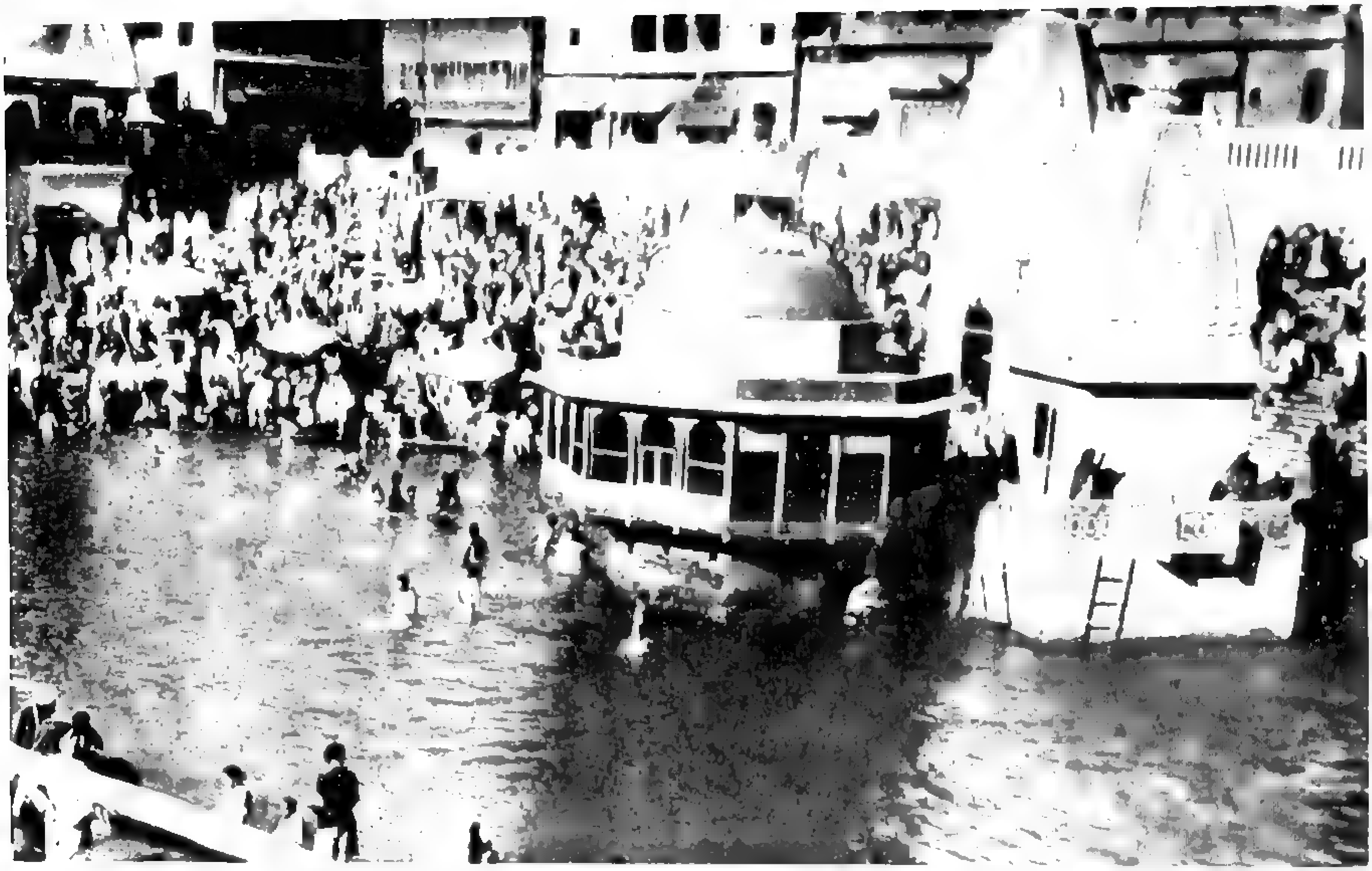




ऊपर—हर की पौड़ी, हरिद्वार

बायें—हरिद्वार में कुम्भ-मेले के दो दृश्य

दायें—हृषीकेश के समीप का एक दृश्य

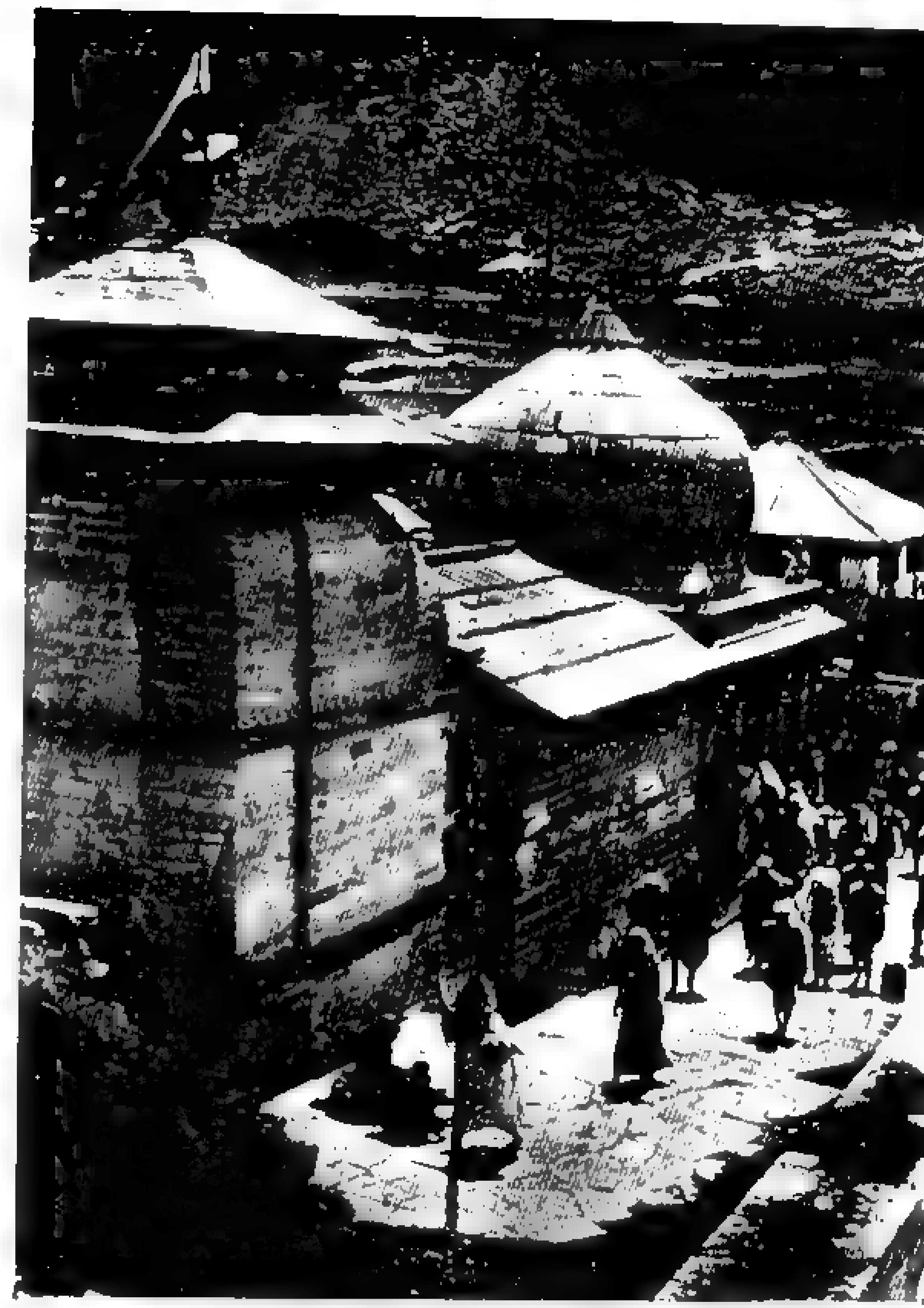


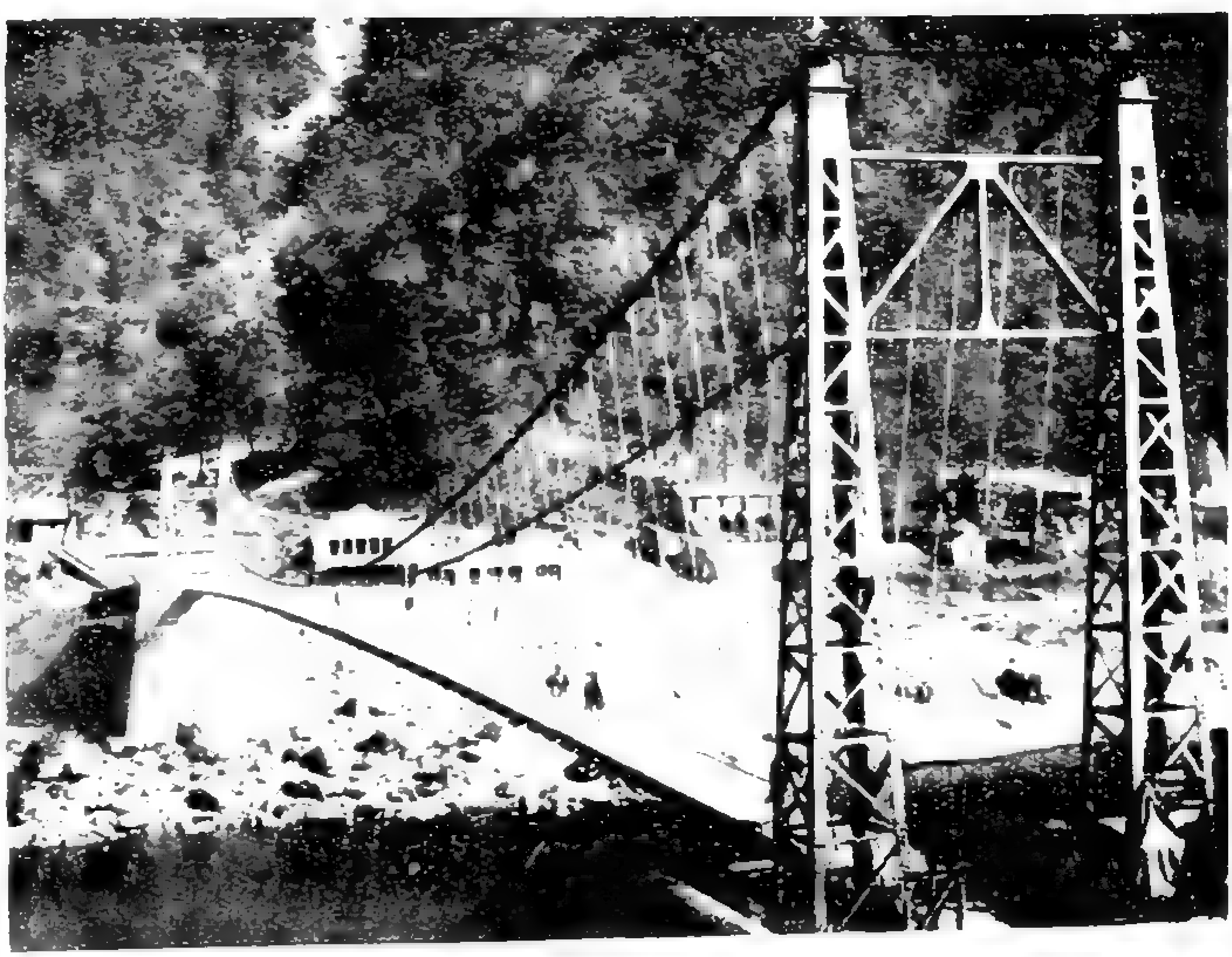


اوپر - ہر کی پوڑی ہردوار
دائیں - ہردوار میں کمبھ کے میلے کے دو نظارے

دائیں - رشی کیش کے قرب و جوار کا ایک نظارہ







ऊपर बायें—गोमुख, जहाँ से गंगाजी की धारा निकली है

ऊपर दायें—बदरीनाथ जी का मन्दिर

नीचे—लछमन झूले का एक दृश्य, हृषीकेश

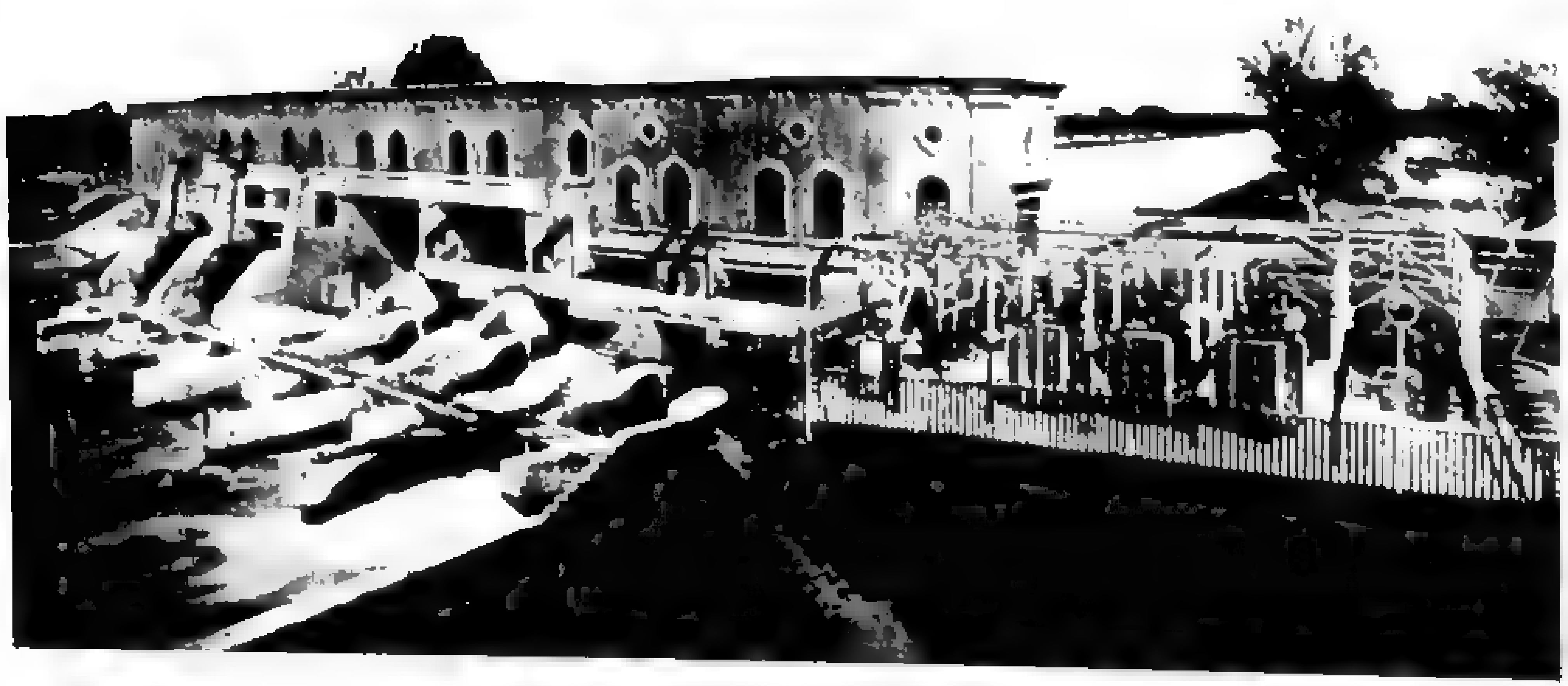
اوپر دائیں — گومکھ
جہاں سے گنگاجی
نکلی ہیں -

اوپر دائیں [illegible]
ناتھ جی [illegible]
[illegible] -
جھولے [illegible]
رشی کیش -



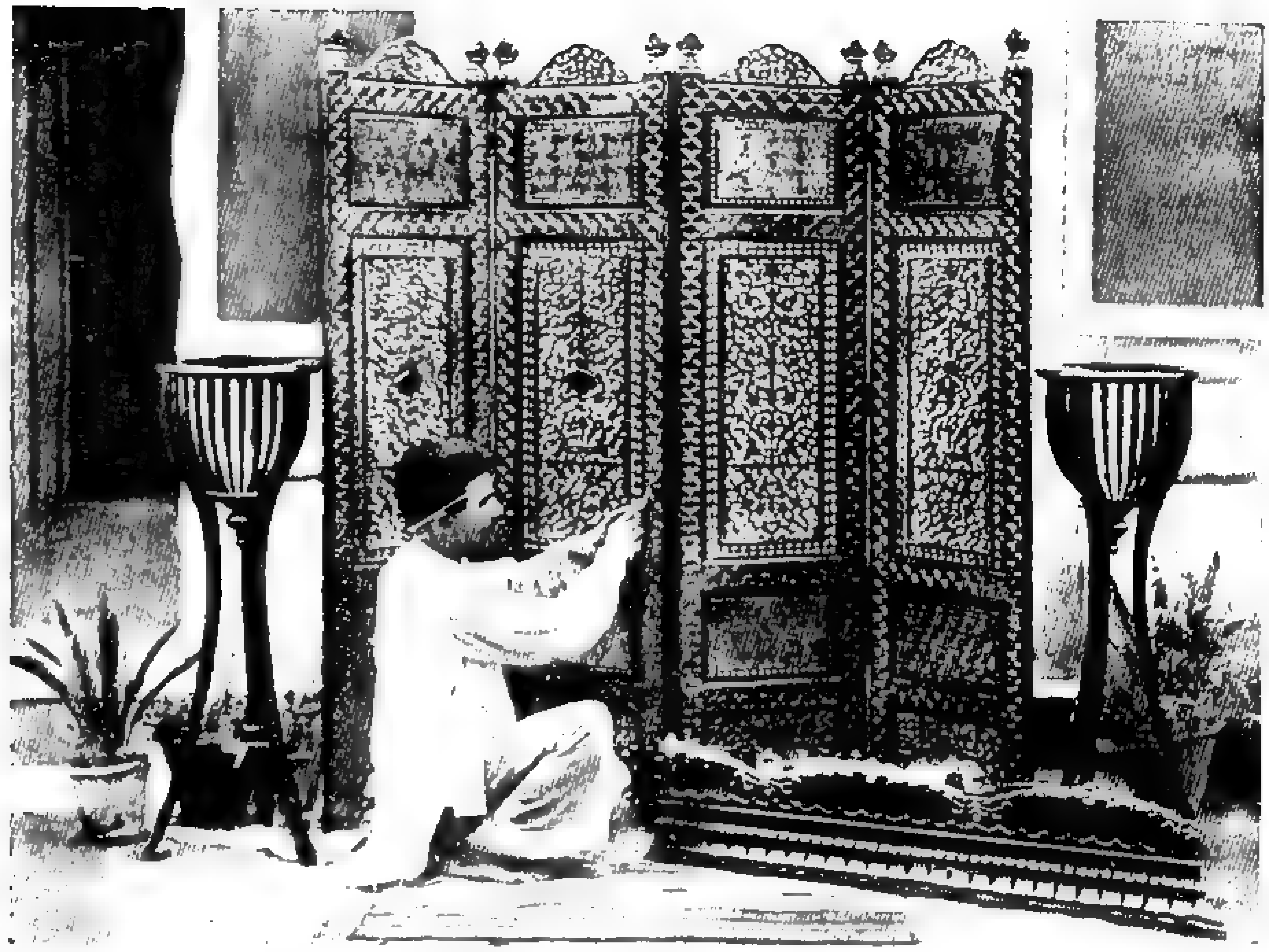
सिविल इंजिनियरिंग कालेज, रुड़की

سول انجینیرینگ کالج - روڑکي



बहादराबाद हैड्रो एलेक्ट्रिक वर्क्स (पानी से बिजली पैदा करने का कारख़ाना), रुड़की

بہادراباد ہائیڈرو الکٹرک ورکس (پاني سے بجلي پیدا کرنے کا کارخانہ) - روڑکي



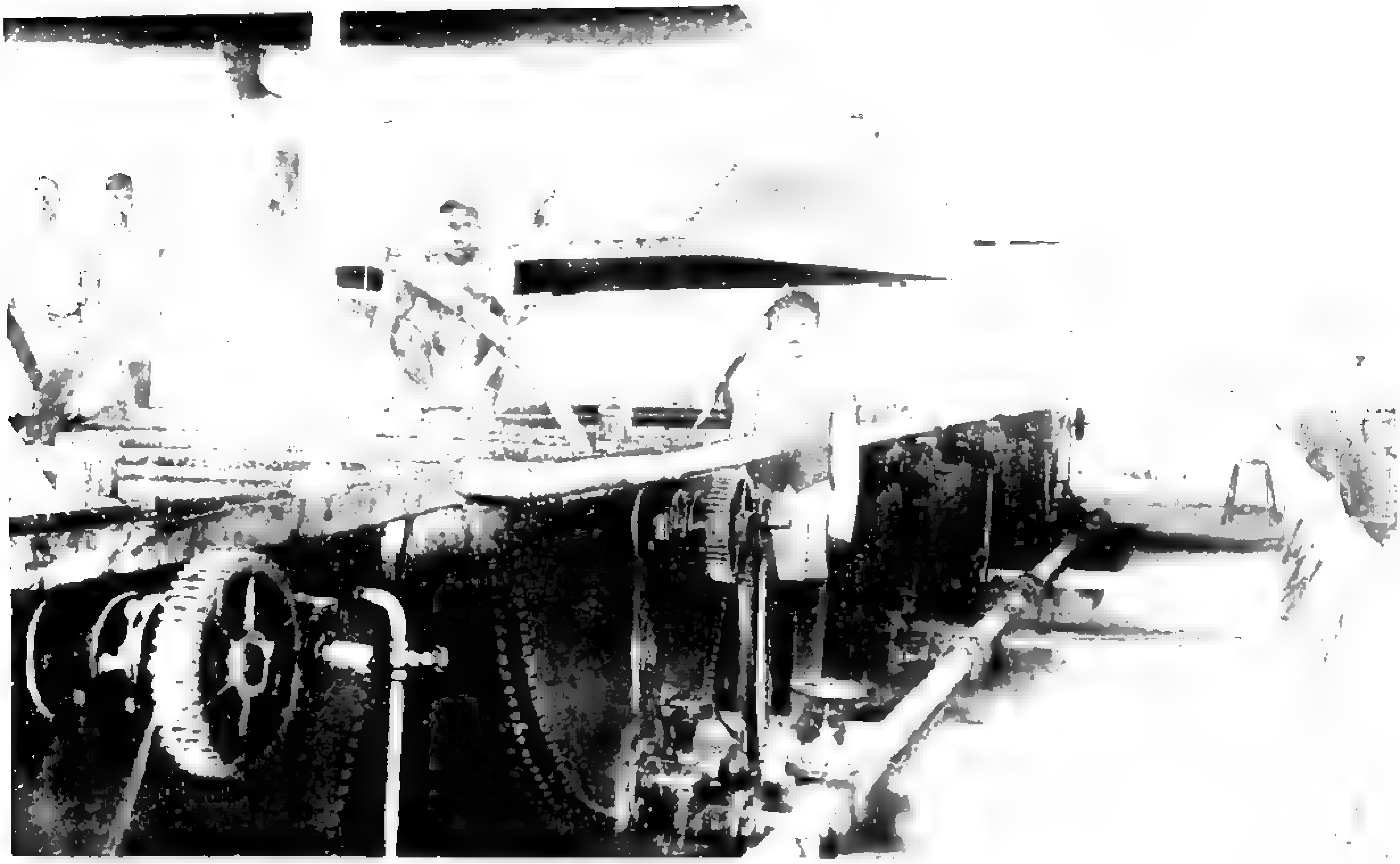
सहारनपुर का मशहूर लकड़ी का काम

سہارنپور کا مشہور لکڑی کا کام

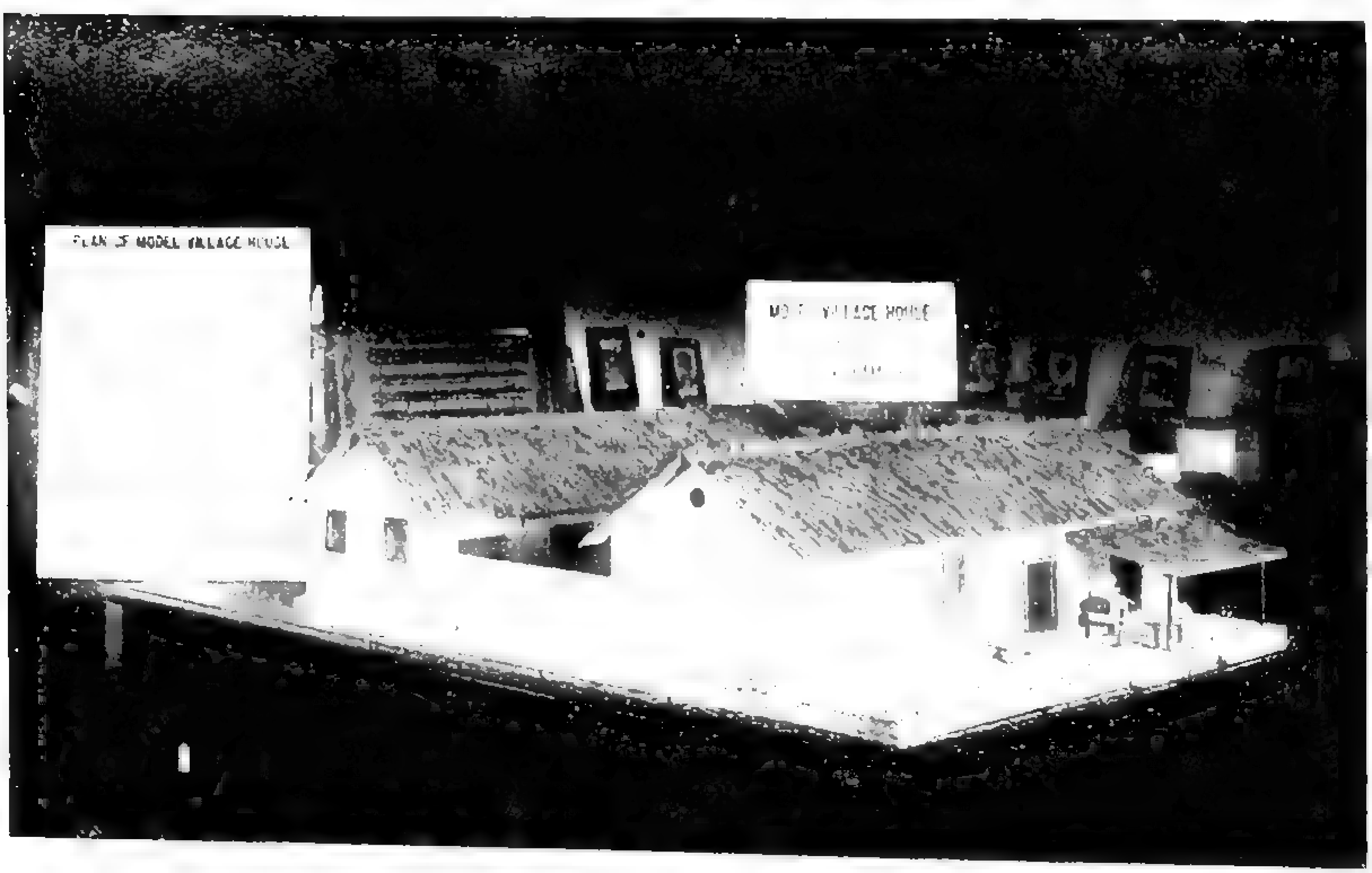


मुरादाबादी क़लई के बर्तन

مرادآبادی قلعی کے برتن



इंडियन टर्पेंटाइन एण्ड रोज़िन कम्पनी की राल साफ करने की मशीन, बरेली
انڈین ٹرپنٹائن اینڈ روزن کمپنی کی رال صاف کرنے کی مشین - بریلی



बरेली के बढ़ईगीरी के स्कूल के विद्यार्थियों का बनाया हुआ एक देहाती घर का नमूना
بریلی کے بڑھئی گیری کے اسکول کے طلبا کا بنایا ہوا ایک دیہاتی گھر کا نمونہ



[illegible] का प्रधान मन्दिर

گڈہ مکتیشور کا خاص مندر



गढ़मुक्तेश्वर के मेले का एक दृश्य

گڑھ مکتیشور کے میلے کا ایک نظارہ

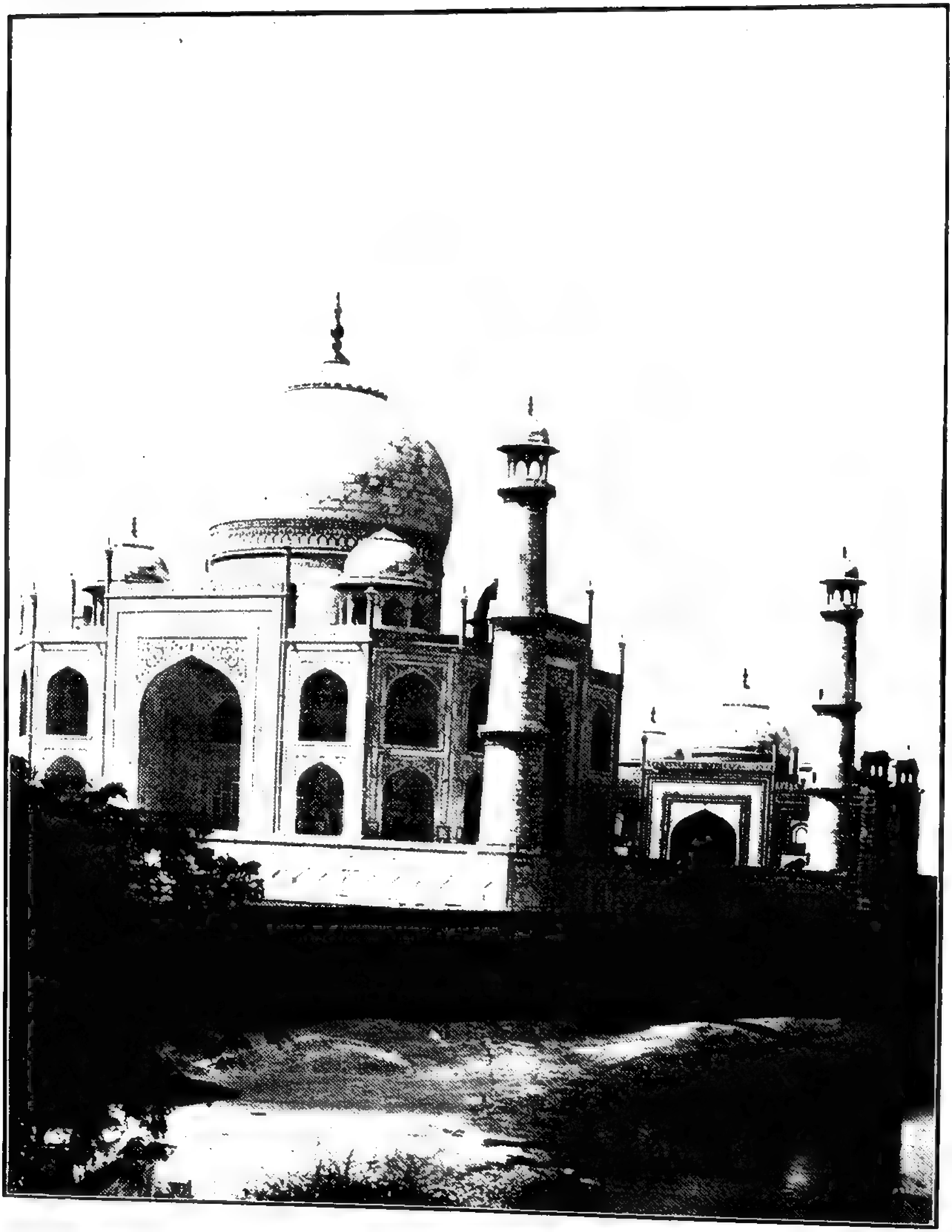


मेरठ की सब्ज़ीमण्डी

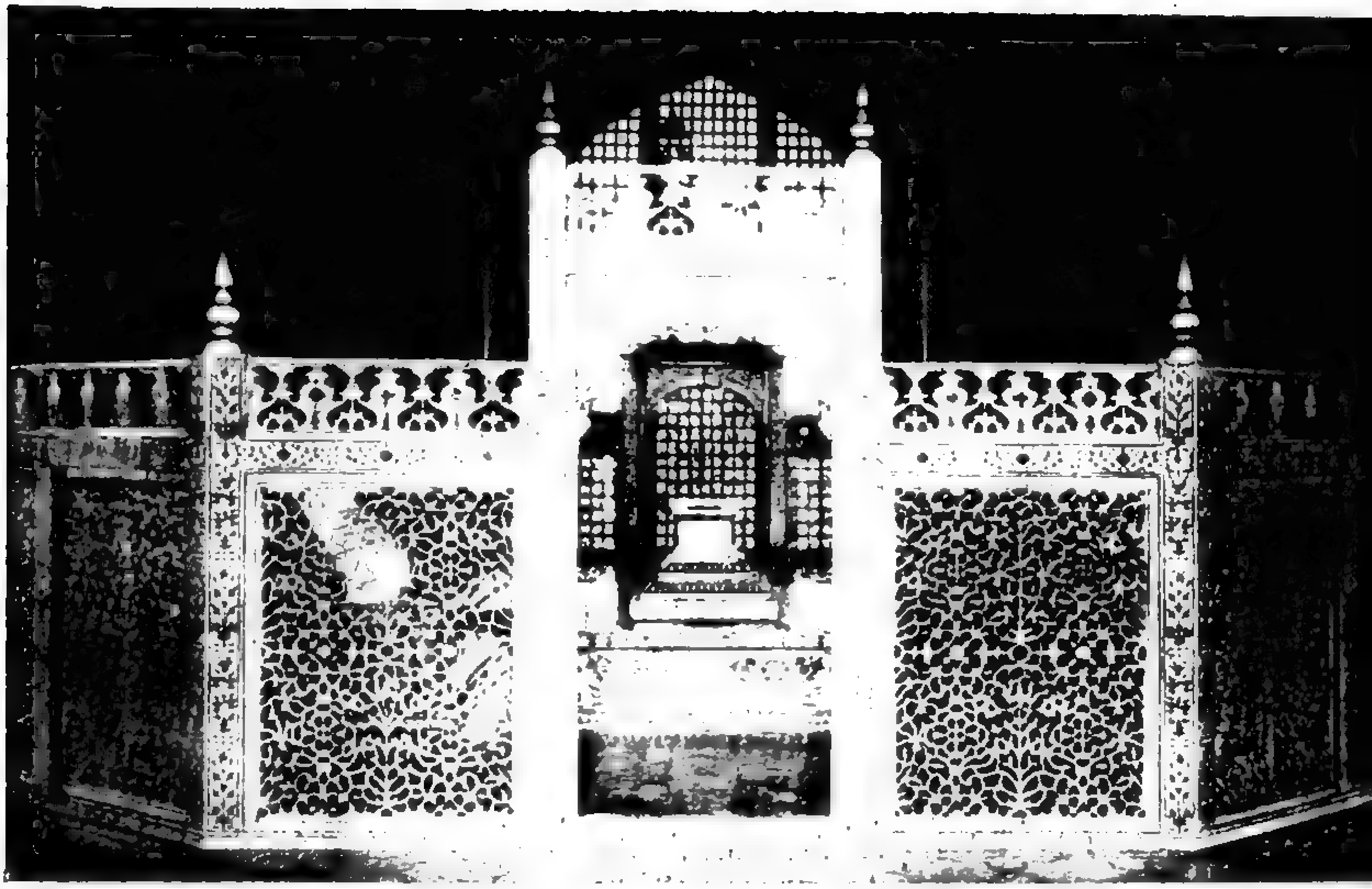
میرٹھ کی سبزی منڈی



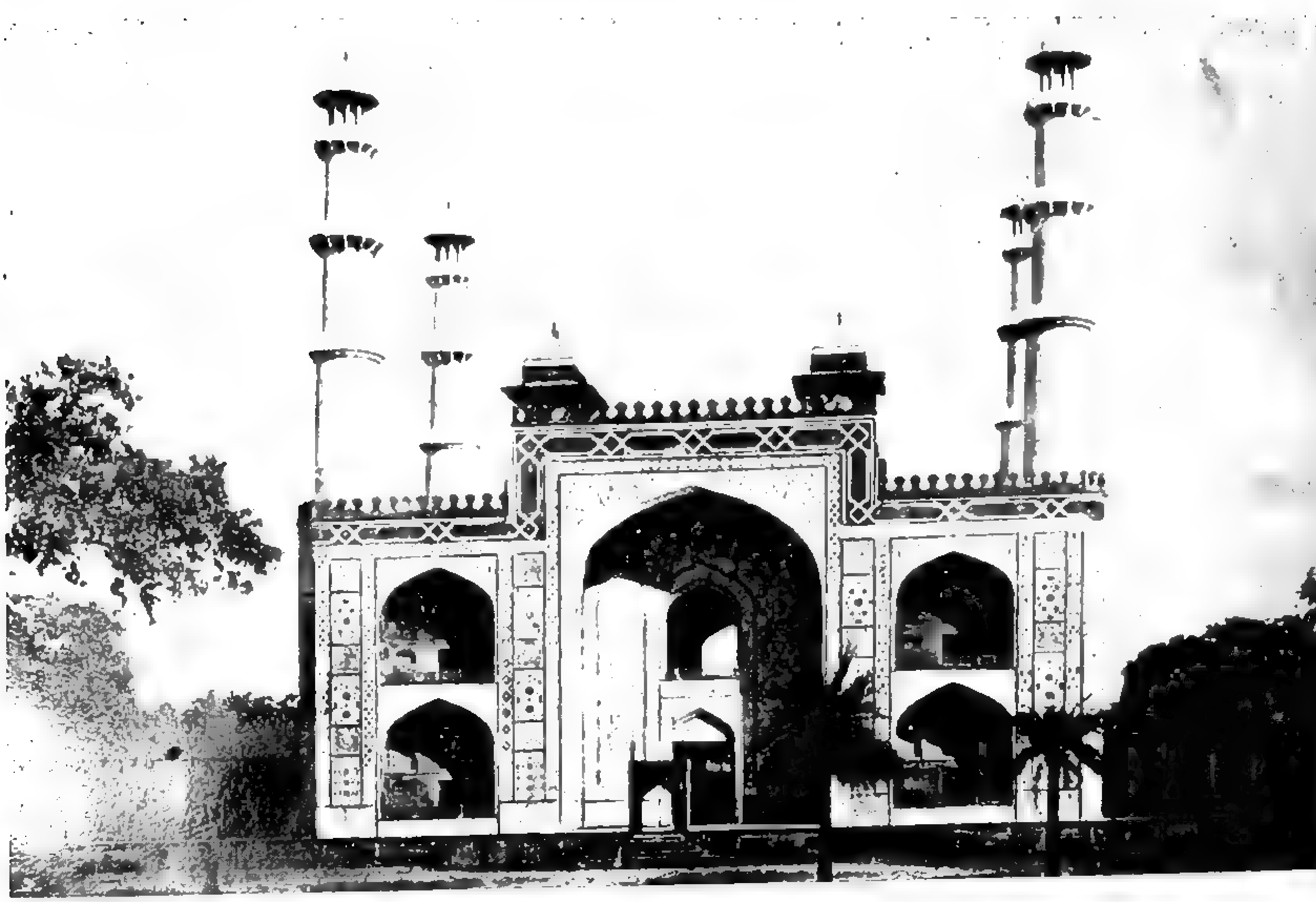
ताजमहल और यमुना जी का हवाई जहाज़ से एक मनोरम दृश्य, आगरा
تاج محل اور دریائے جمنا کا ہوائی جہاز سے ایک دلکش منظر - آگرہ



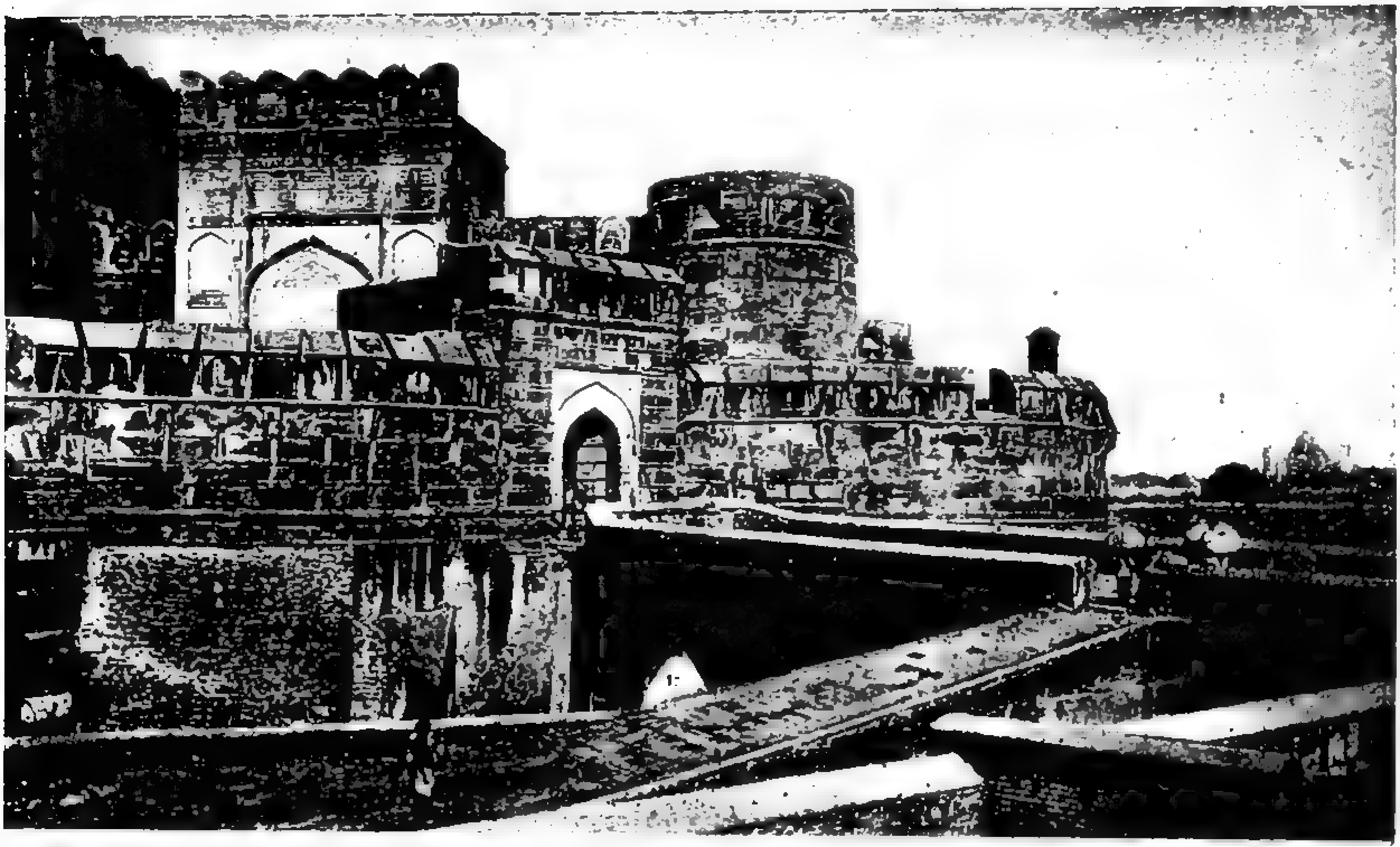
ताजमहल का एक दूसरा दृश्य, आगरा
تاج محل کا ایک دوسرا نظارہ - آگرہ



ताजमहल में क़ब्रों के गिर्द संगमर्मर की सुन्दर जाली
تاج محل میں قبروں کے گرد سنگ مرمر کی خوبصورت جالی



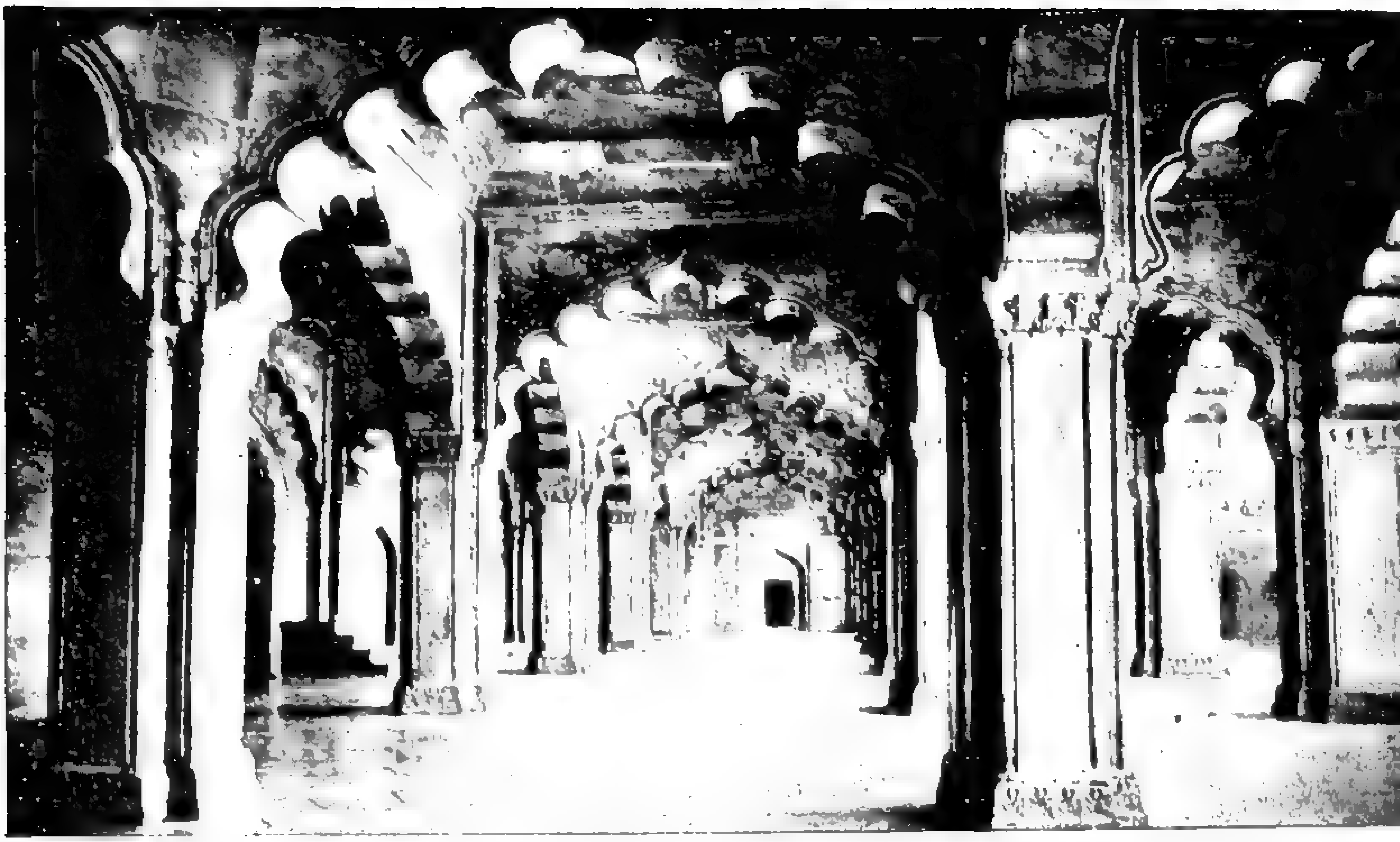
अकबर का मक़बरा, सिकन्दरा, आगरा
اکبر کا مقبرہ - سکندرہ - آگرہ



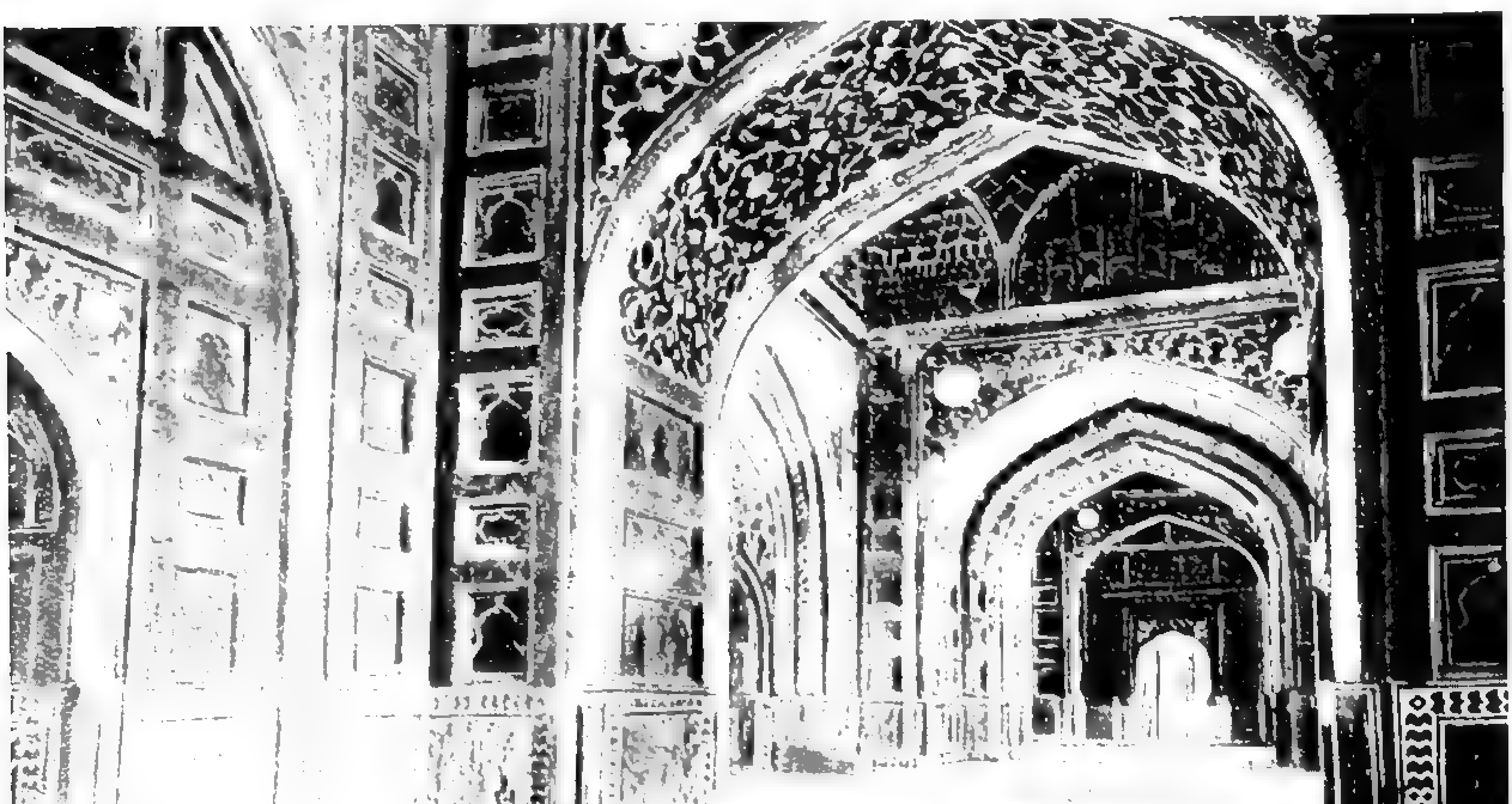
आगरे के क़िले का अमरसिंह-दरवाज़ा
آگرہ کے قلعہ کا امر سنگھ دروازہ



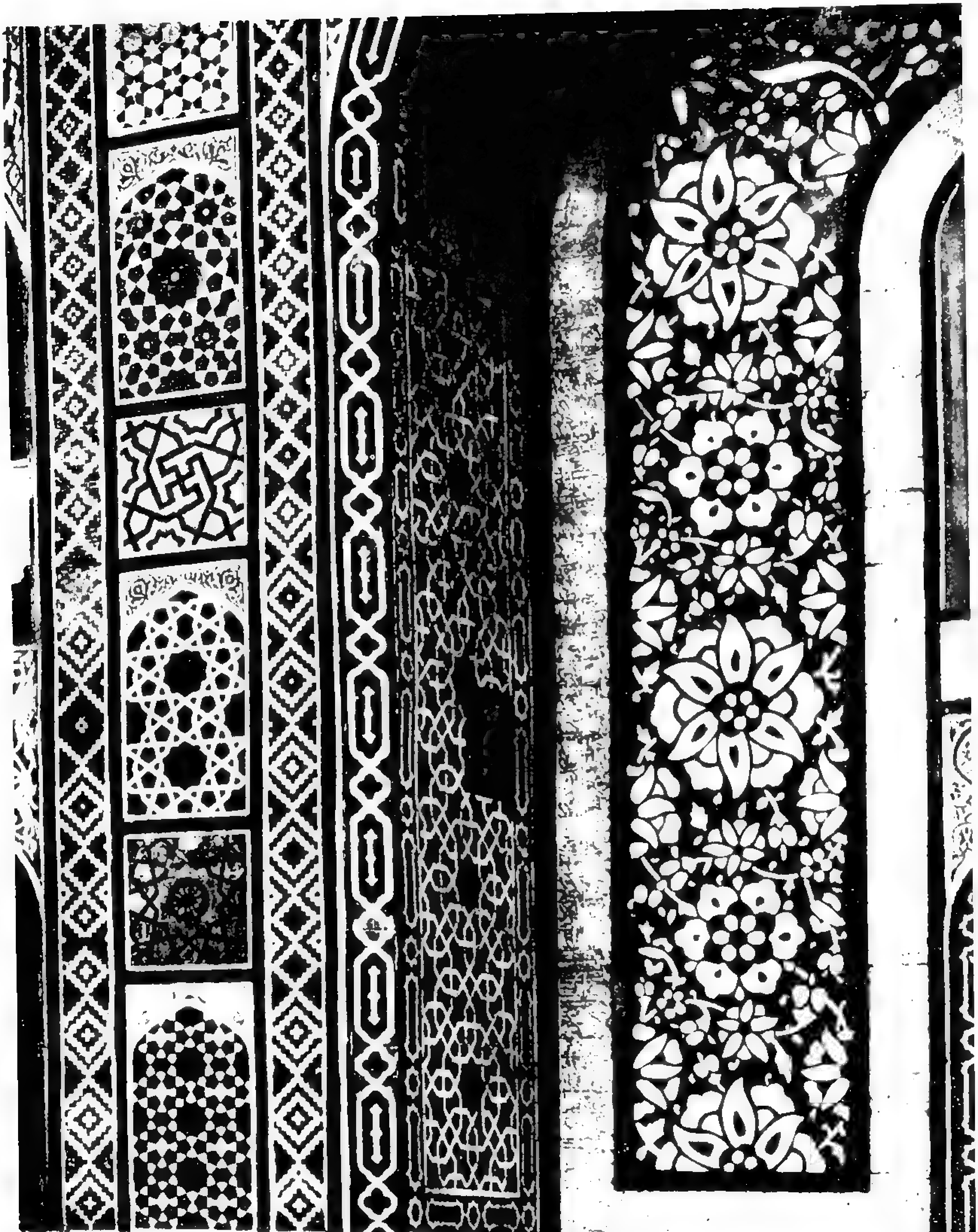
आगरे के क़िले का ख़ास महल
آگرہ کے قلعہ کا خاص محل



आगरे के क़िले की मोती मस्जिद
آگرہ کے قلعہ کی موتی مسجد

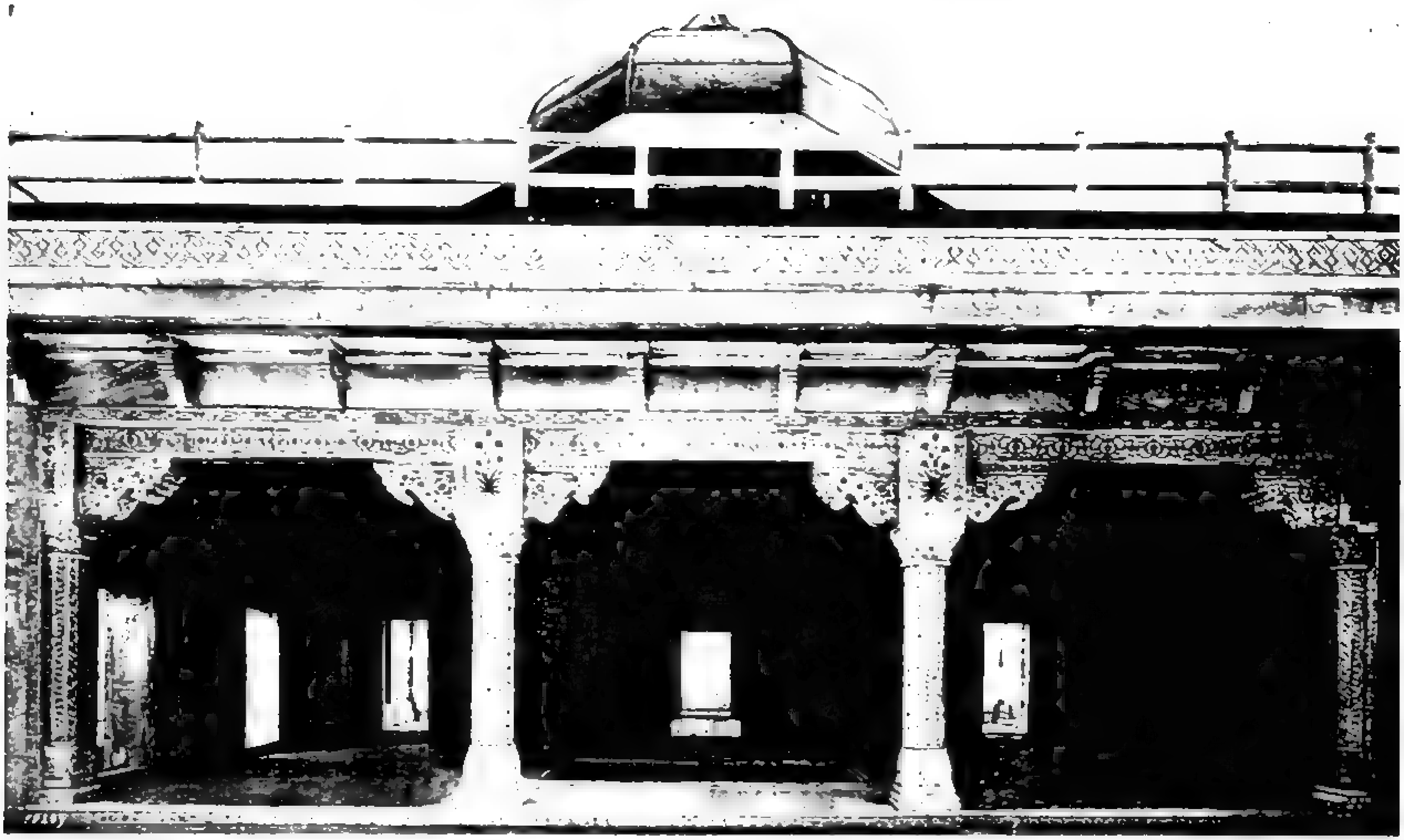


आगरे के क़िले का शीशमहल
آگرہ کے قلعہ کا شیش محل



मुग़लकालीन पच्चीकारी का नमूना

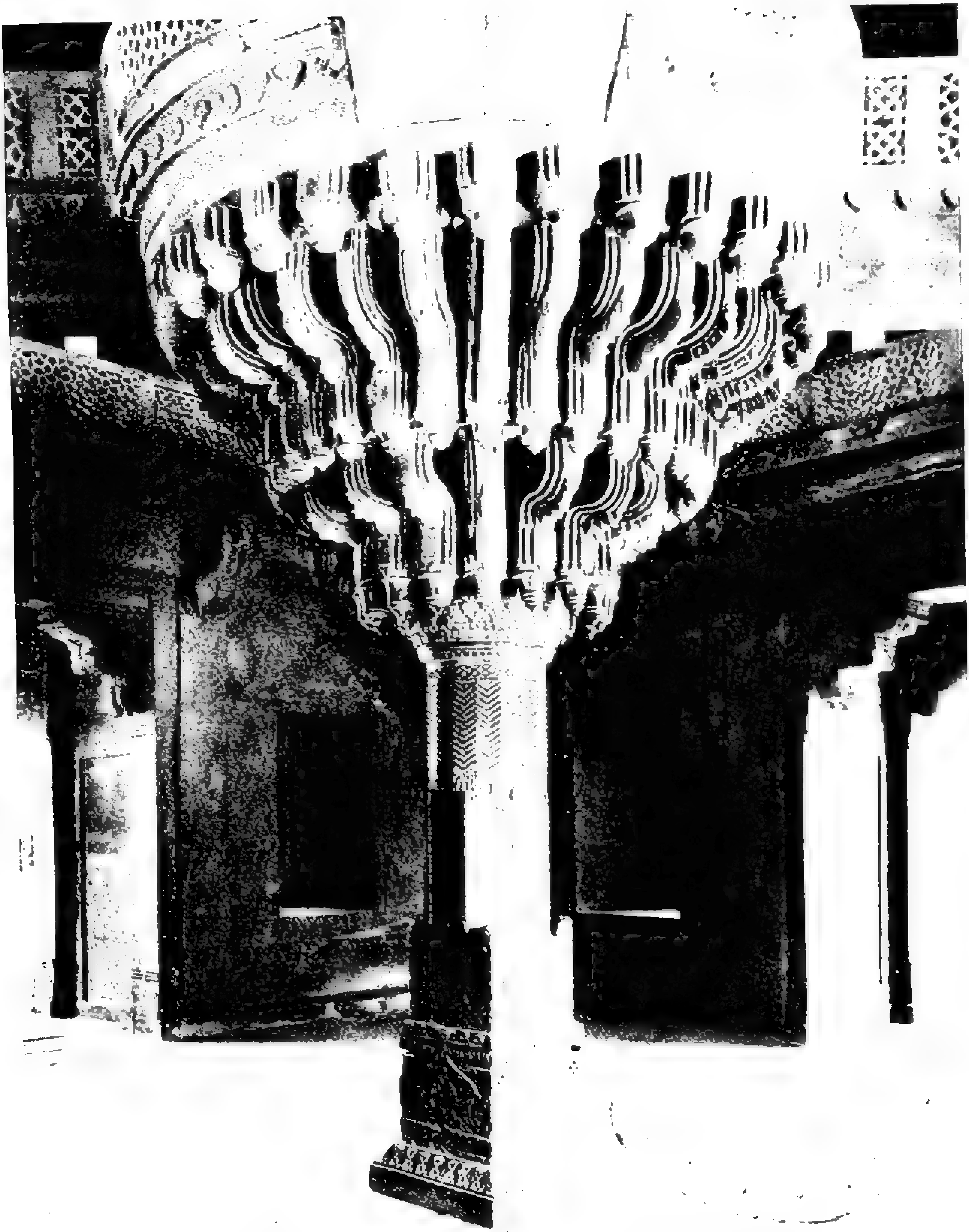
مغل بادشاہوں کے زمانے کی پچیکاری کا نمونہ



आगरे के क़िले का समनबुर्ज
آگرہ کے قلعہ کا سمن برج

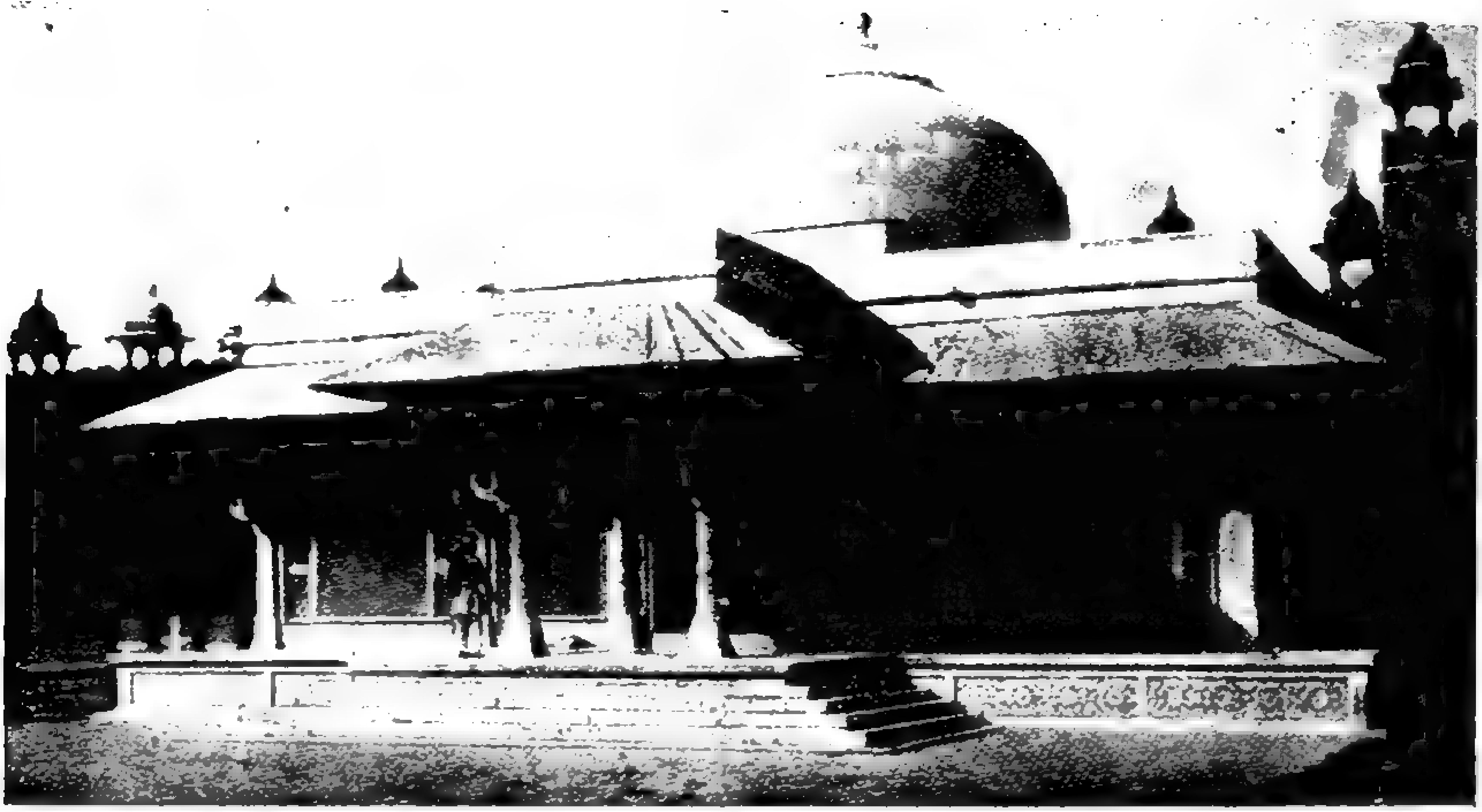


एतमादुद्दौला का मक़बरा, आगरा
اعتمادالدولہ کا مقبرہ - آگرہ



दीवान-ए-खास का शानदार स्तम्भ, फ़तेहपुर सीकरी

دیوان خاص کا شاندار ستون - فتح پور سیکری



सलीम चिश्ती की दरगाह, फ़तेहपुर सीकरी

سلیم چشتی کی درگاہ - فتح پور سیکری



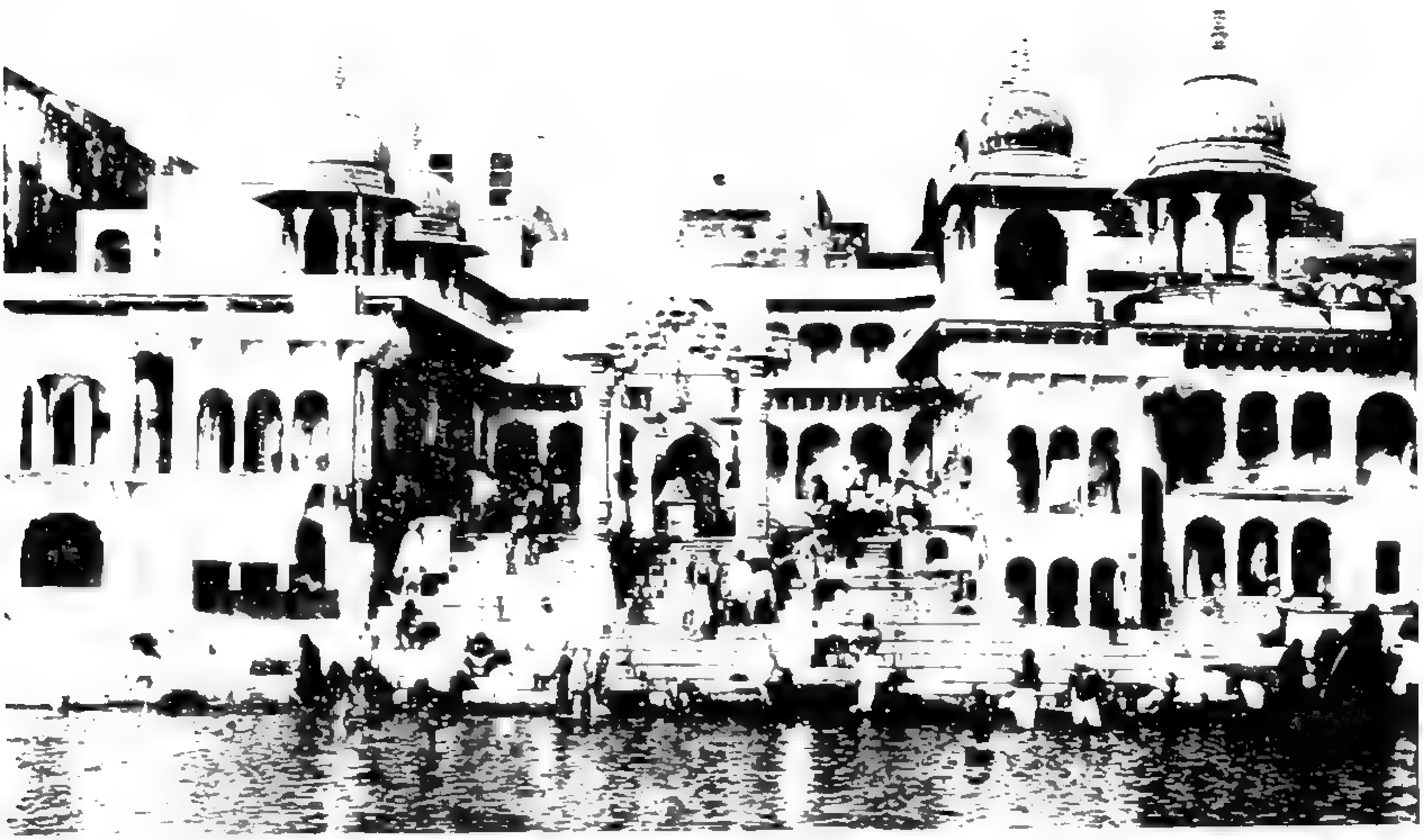
पंचमहल, फ़तहपुर सीकरी

پنچ محل - فتح پور سیکری



बुलन्द दरवाजा, फ़तेहपुर सीकरी

بلند دروازہ - فتح پور سیکری



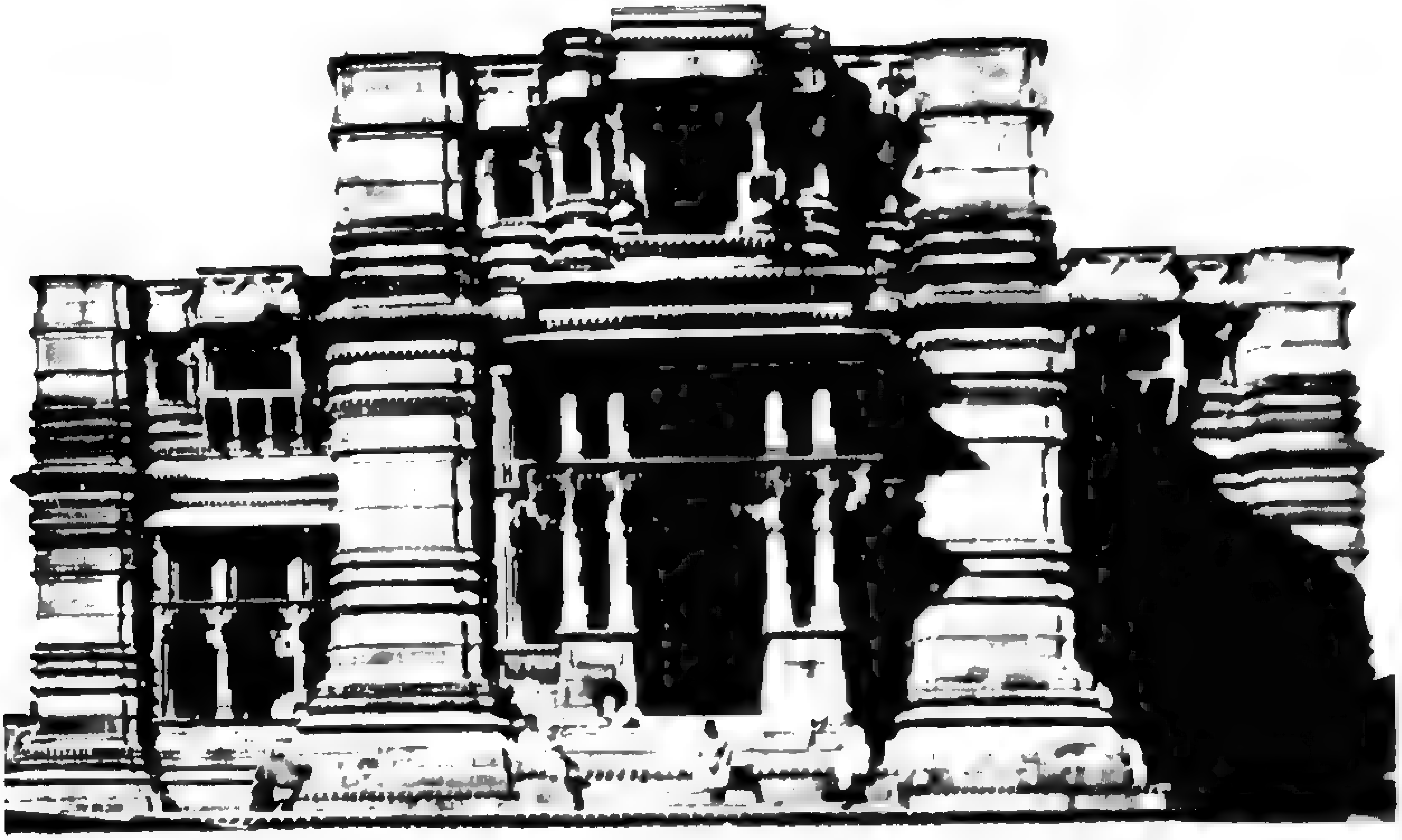
विश्राम-घाट, मथुरा

بشرام گھاٹ - متھرا



यमुना जी का एक मनोहर दृश्य, मथुरा

دریائے جمنا کا ایک خوشنما منظر - متھرا



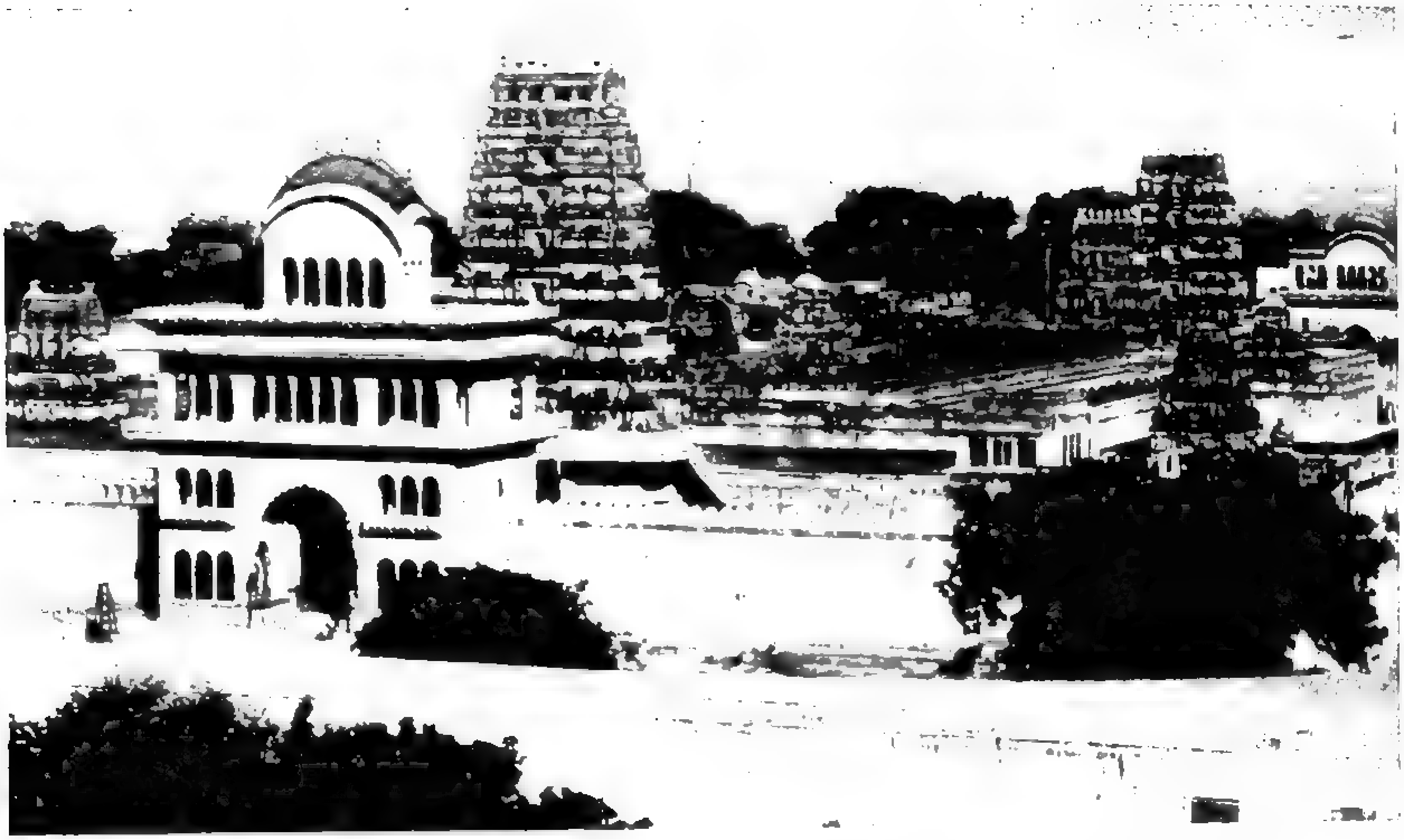
गोविन्ददेव का मन्दिर, वृन्दावन

گوبند دیو کا مندر — بندرابن

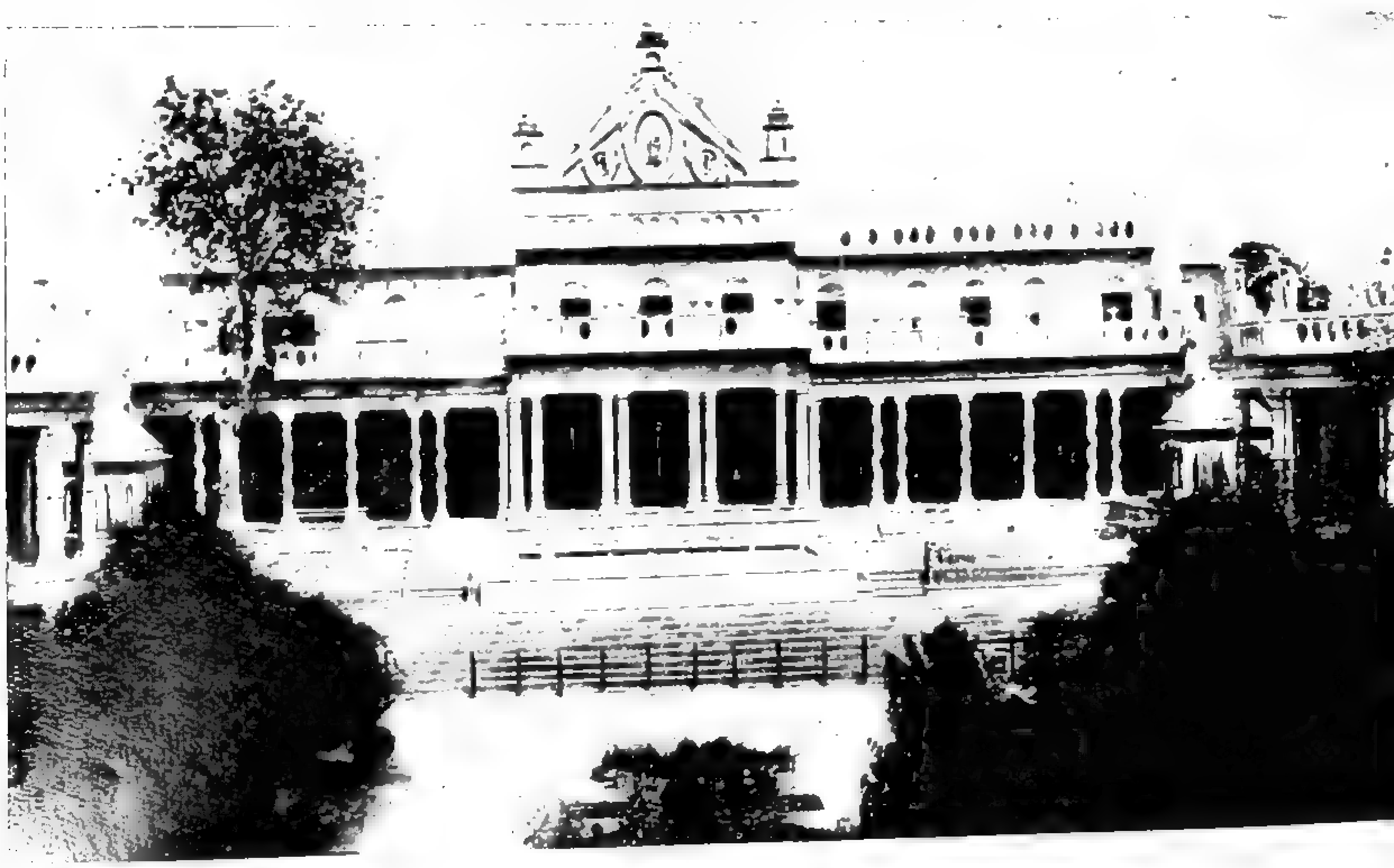


गोवर्द्धन का प्रसिद्ध तालाब

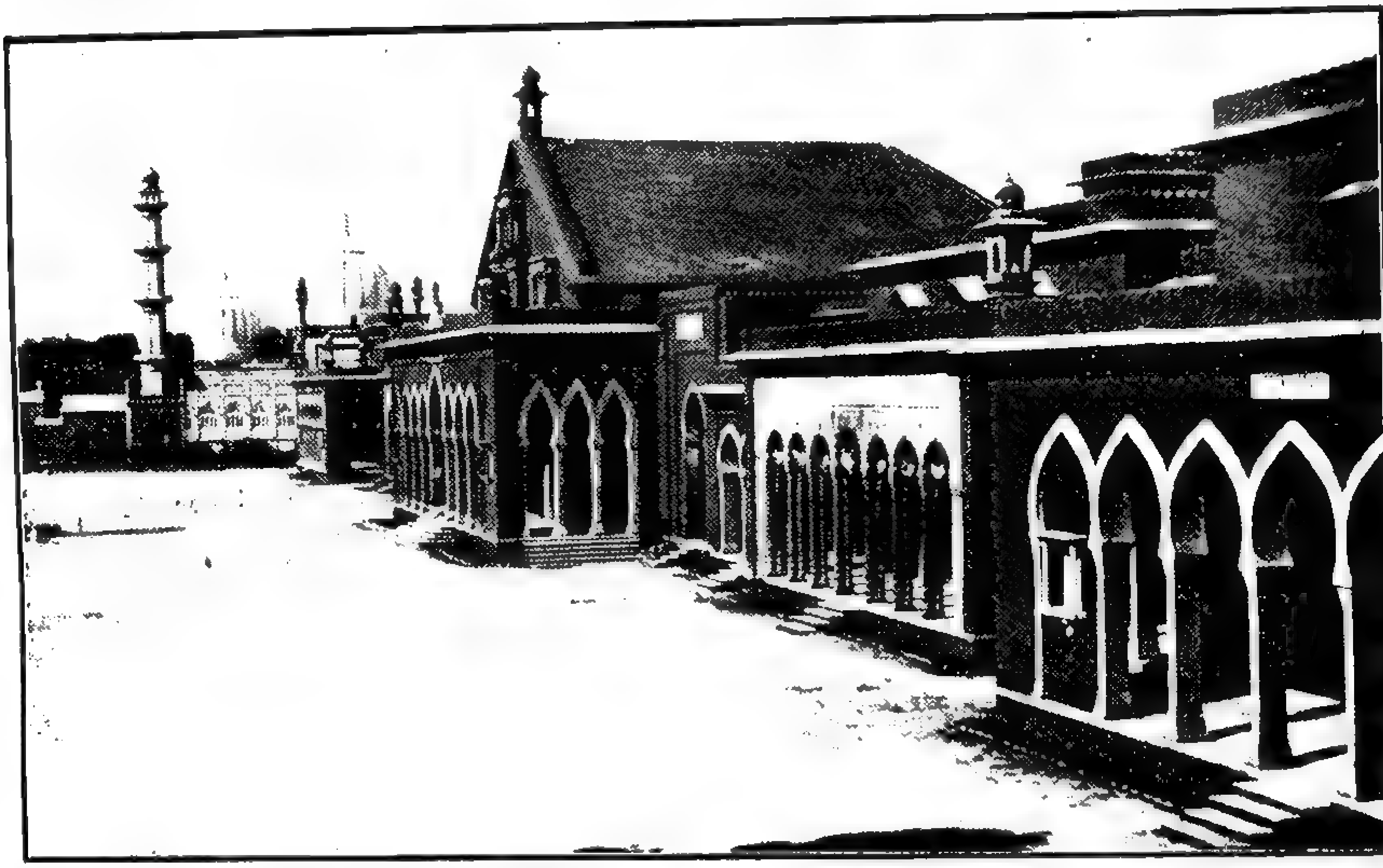
گوبردهن کا مشهور تالاب

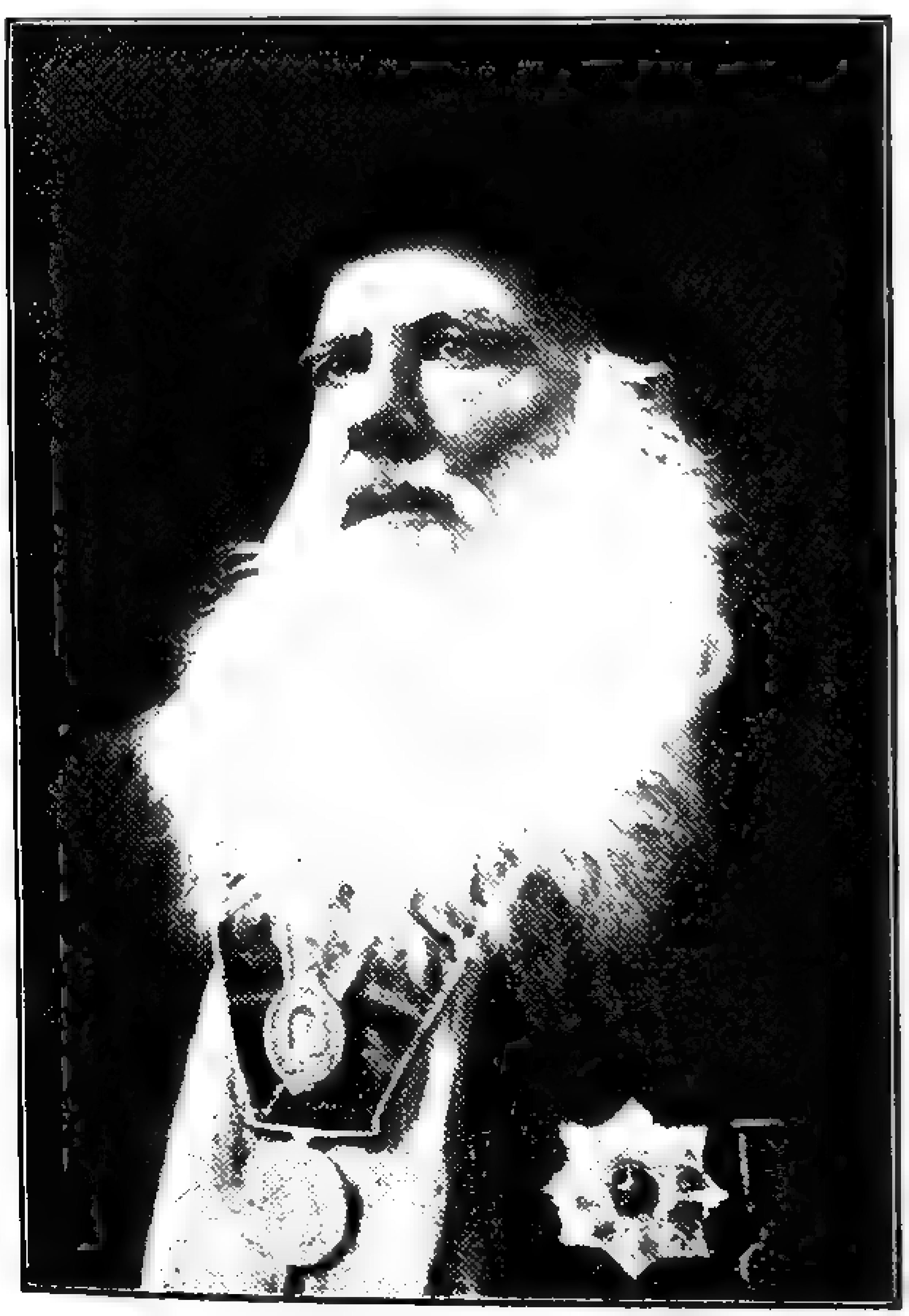


सेठ लक्ष्मीचन्द का मन्दिर, वृन्दावन
سیٹھہ لکشمی چند کا مندر - برنداون



शाहजी का मन्दिर, वृन्दावन
شاہ جی کا مندر - برندابن





ऊपर—अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की इमारत व उसकी मस्जिद का दृश्य

اوپر - عليگڈه مسلم يونيورسٹي كي عمارت و اس كي مسجد كا ايك نظاره

बायें—अलीगढ़ मुस्लिम-यूनिवर्सिटी के संस्थापक सर सैयद अहमद ख़ाँ

بائيں - عليگڈه مسلم يونيورسٹي كے بانى سر سيد احمد خاں



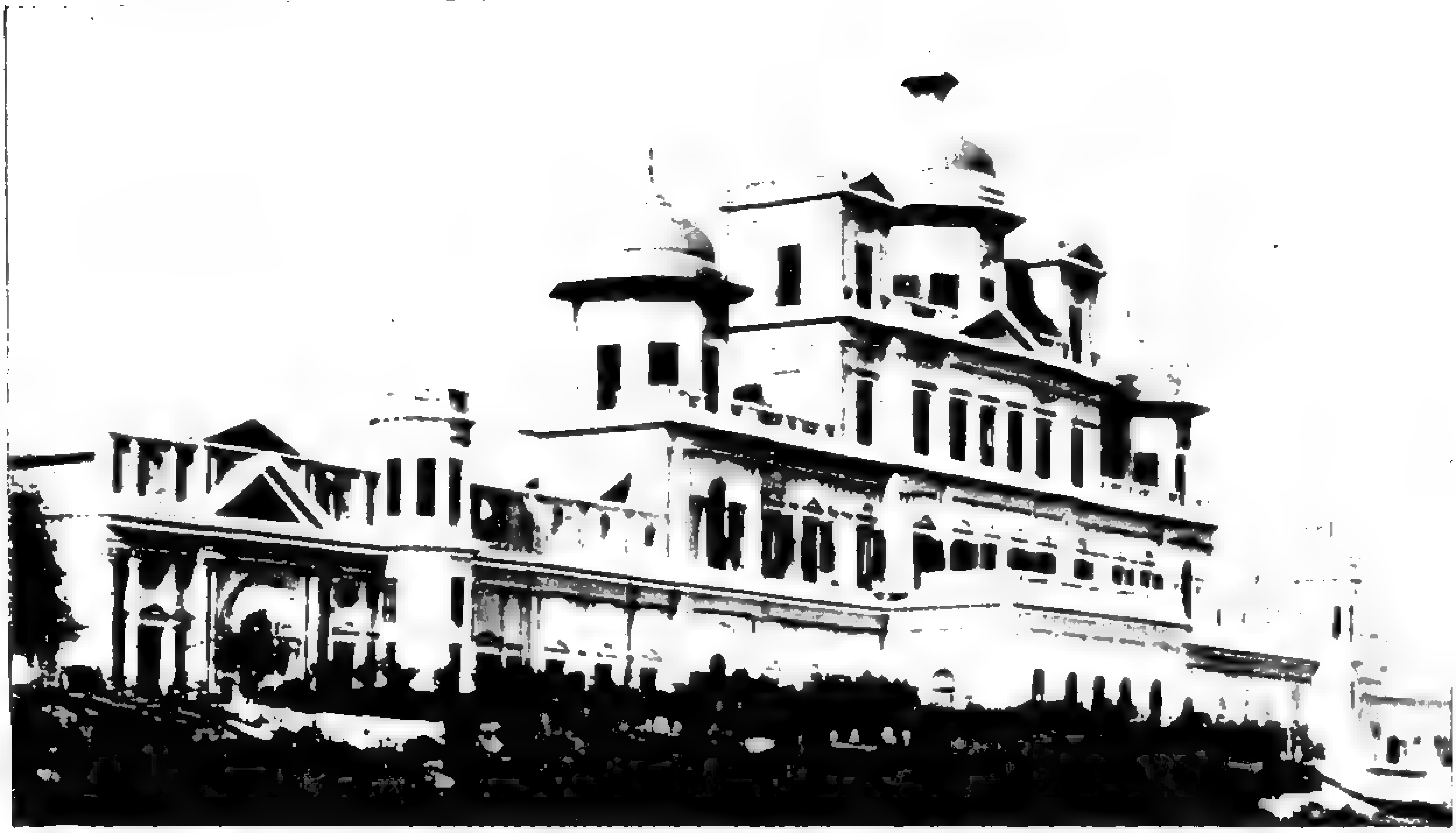
क़ैसरबाग़, लखनऊ

قیصر باغ - لکھنؤ



रेज़ीडेंसी (बेलीगारद), लखनऊ

ریزیڈنسي (بیلی گارد) - لکھنؤ



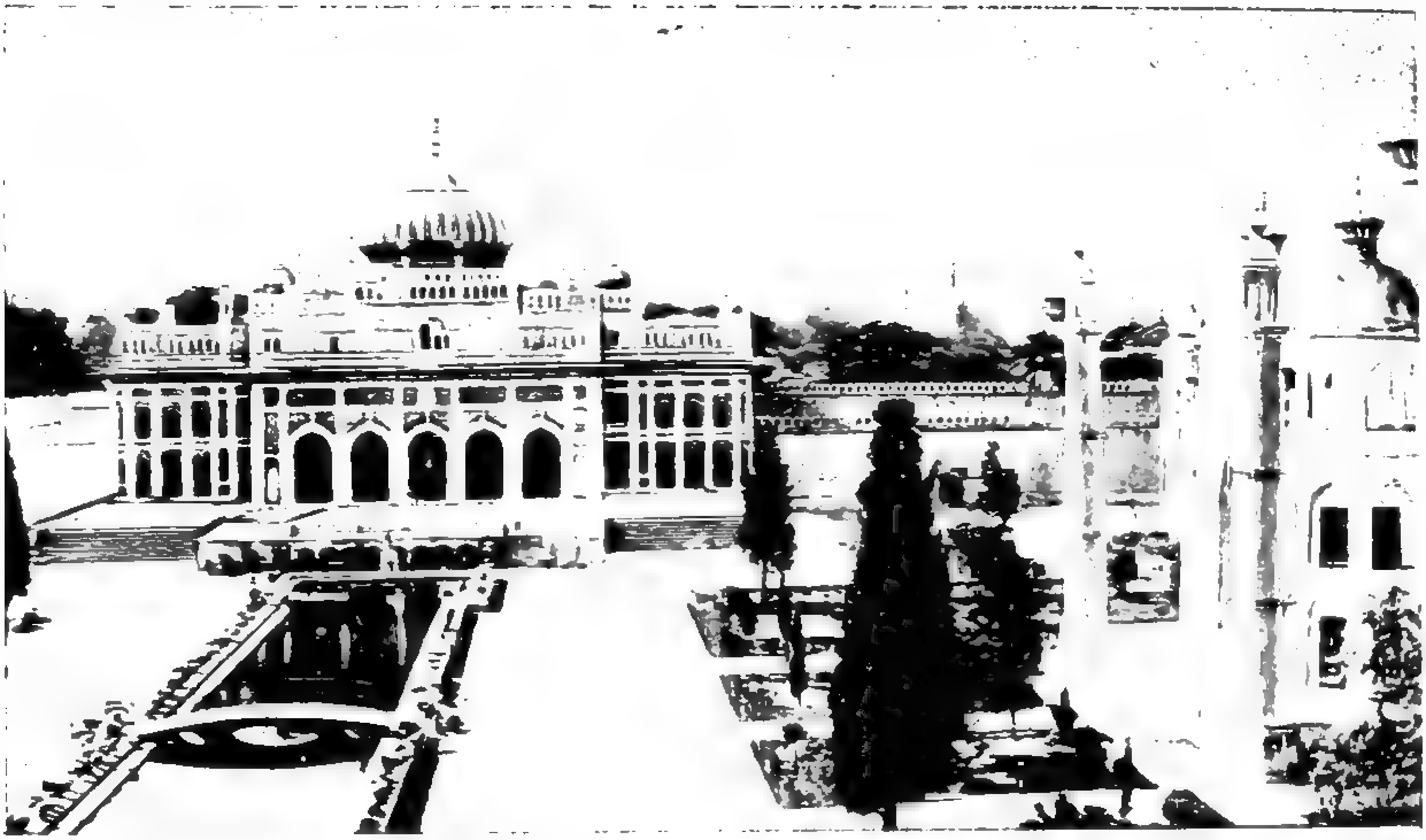
छतर मंज़िल, लखनऊ

چھتر منزل - لکھنؤ

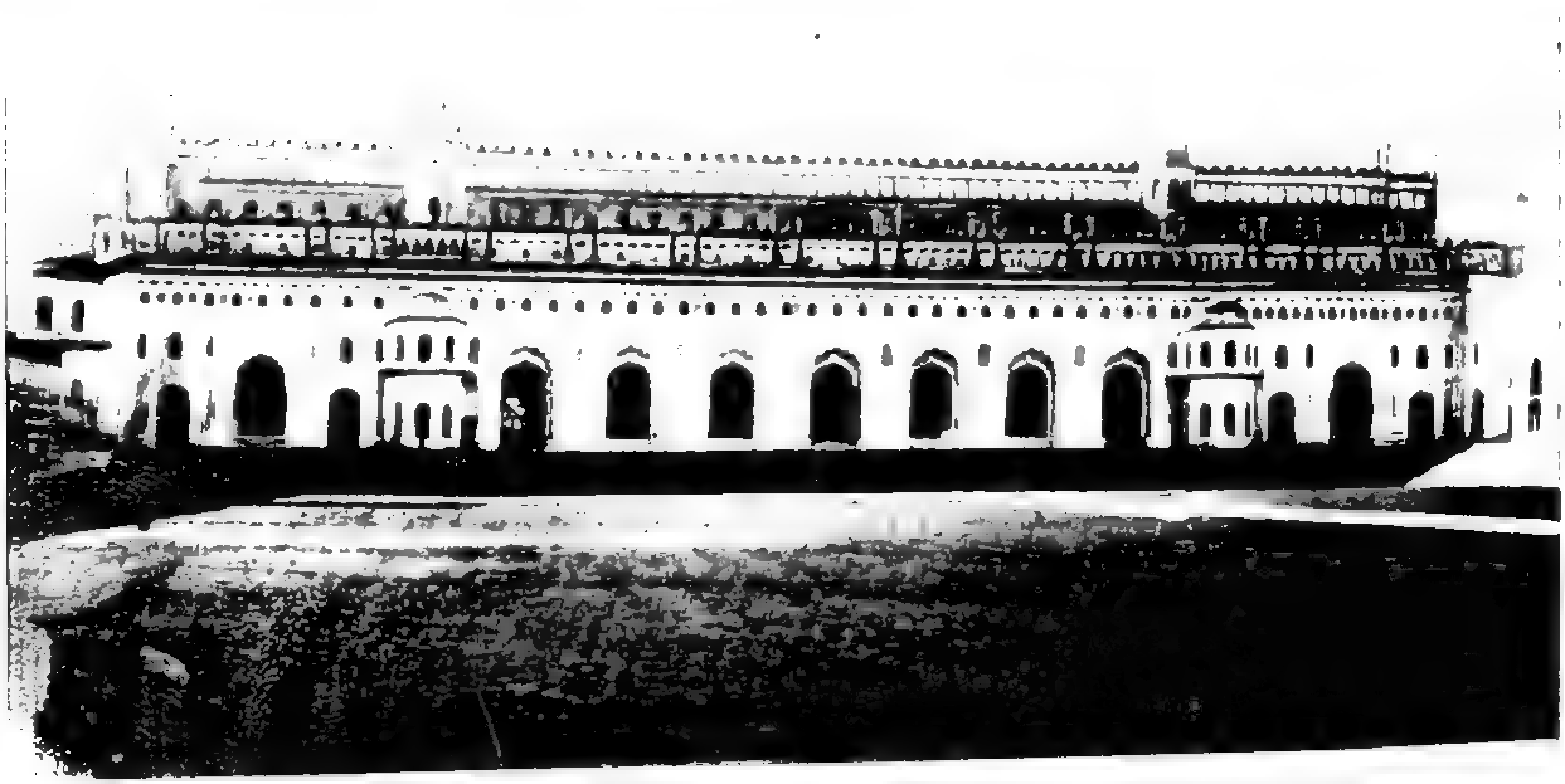


रूमी दरवाज़ा, लखनऊ

رومی دروازہ - لکھنؤ



हुसेनाबाद का छोटा इमामबाड़ा, लखनऊ
حسین‌آباد کا چھوٹا امام باڑہ - لکھنؤ



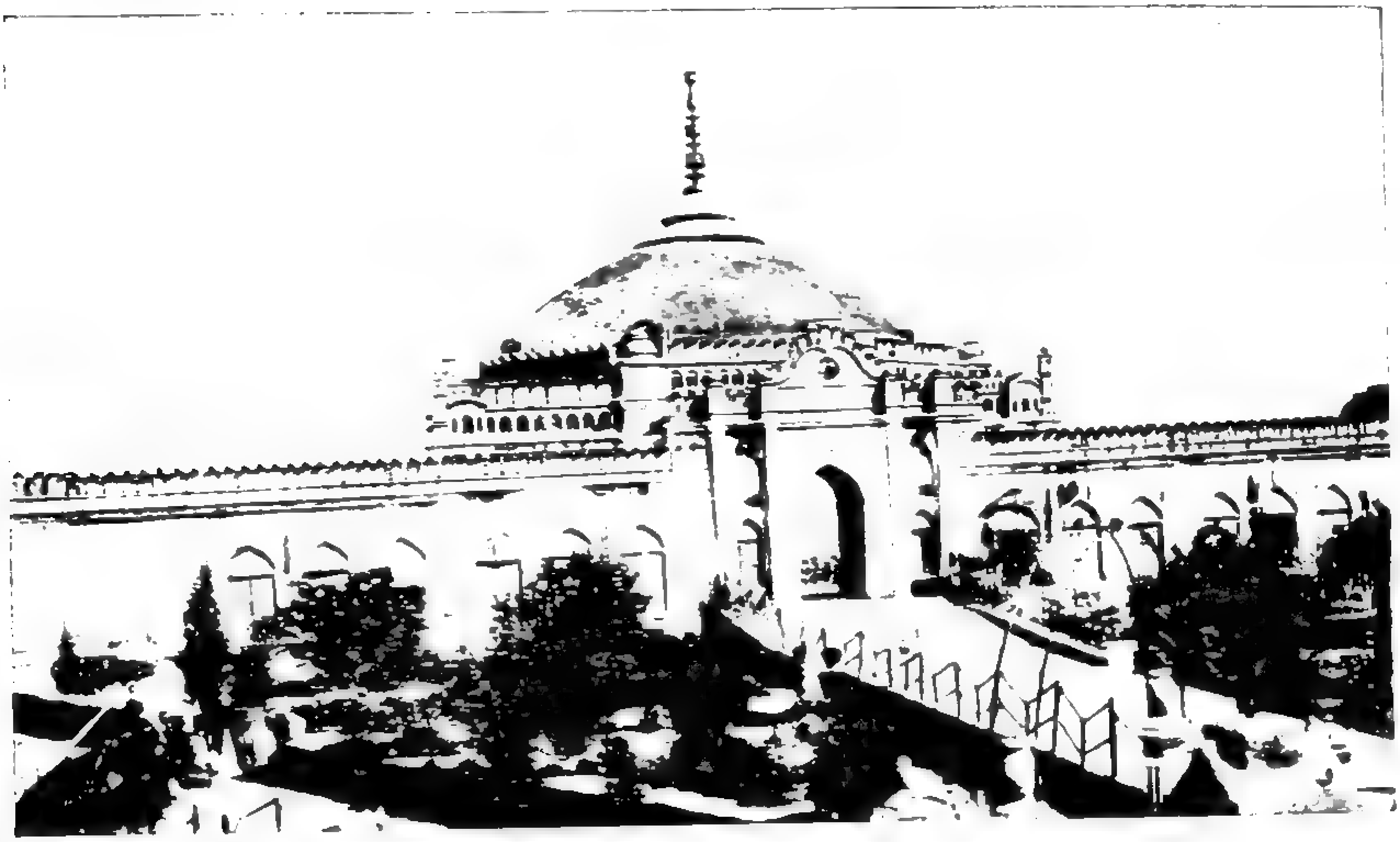
हुसेनाबाद का बड़ा इमामबाड़ा, जिसमें भूल-भूलैयाँ बनी हुई हैं
حسین‌آباد کا بڑا امام باڑہ جس میں بھول بھلیّاں بنی ہوئی ہیں



मेडिकल कालेज, लखनऊ
میڈیکل کالج - لکھنؤ

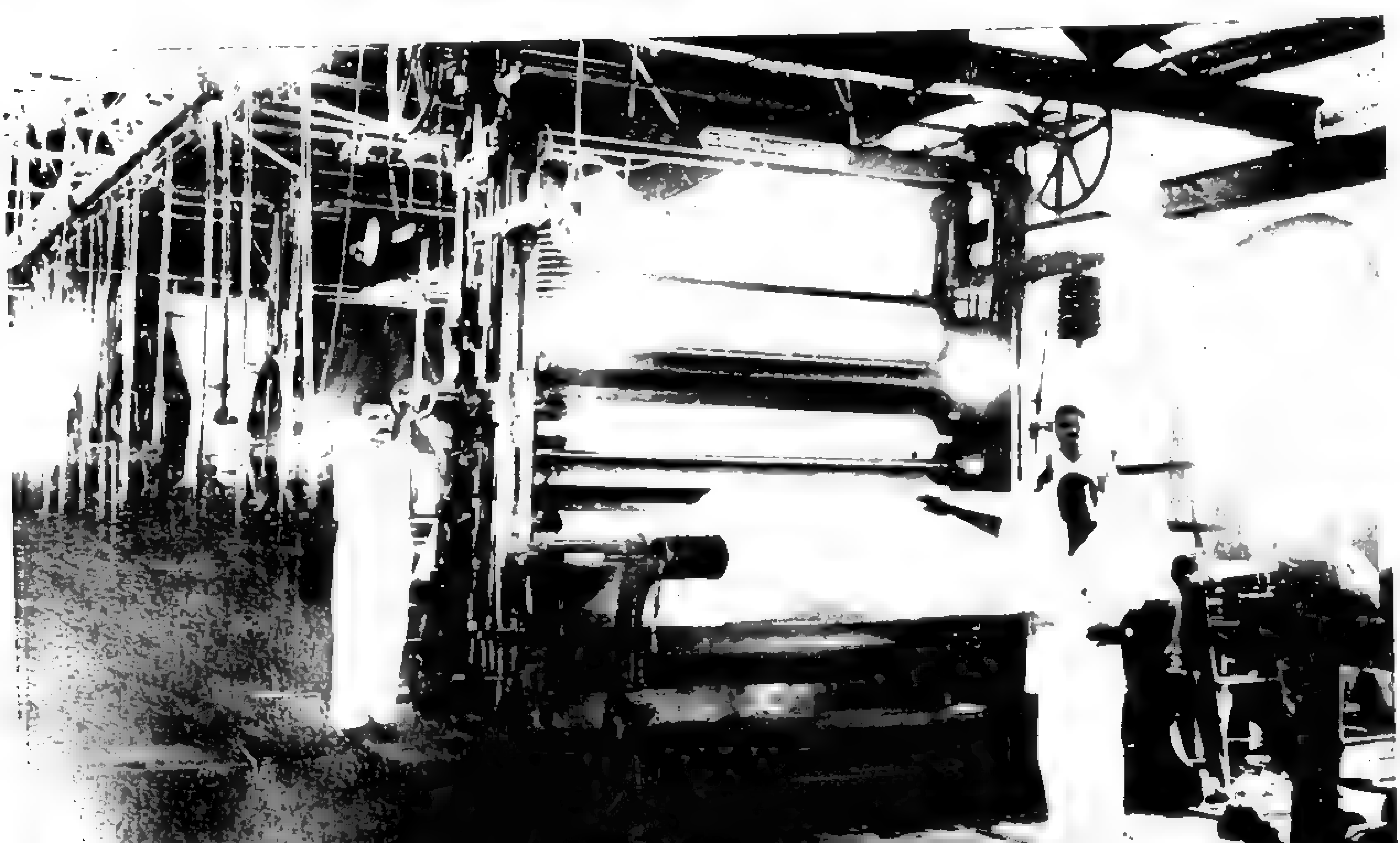


लखनऊ-विश्वविद्यालय
لکھنؤ یونیورسٹی



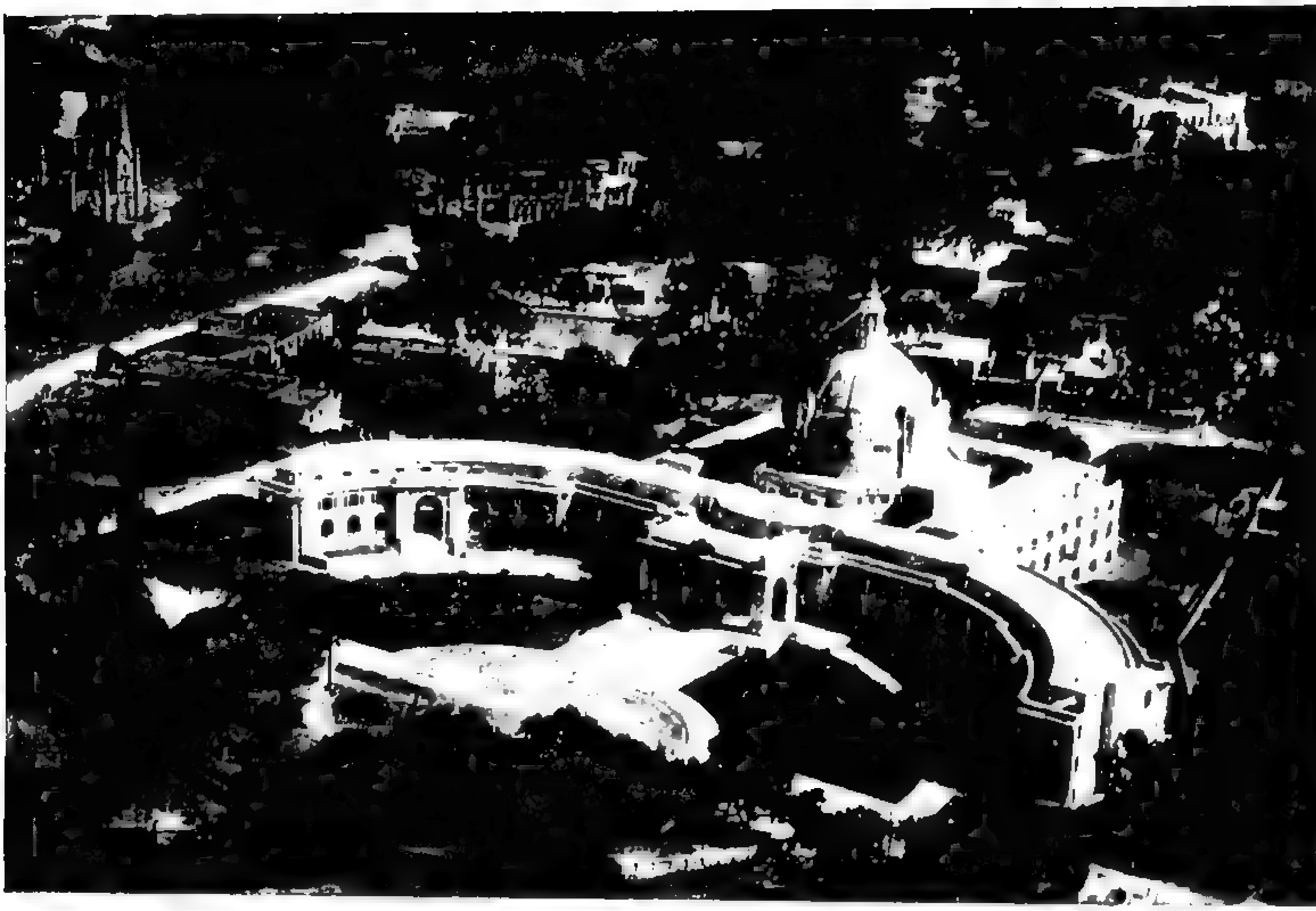
शाह नजफ़, लखनऊ

شاہ نجف - لکھنؤ



लखनऊ पेपर मिल में काग़ज़ बन रहा है

لکھنؤ پیپر مل میں کاغذ بن رہا ہے



लखनऊ के कौंसिल चेम्बर का हवाई जहाज़ से दृश्य
لکھنؤ کے کاؤنسل چیمبر کا ہوائی جہاز سے نظارہ

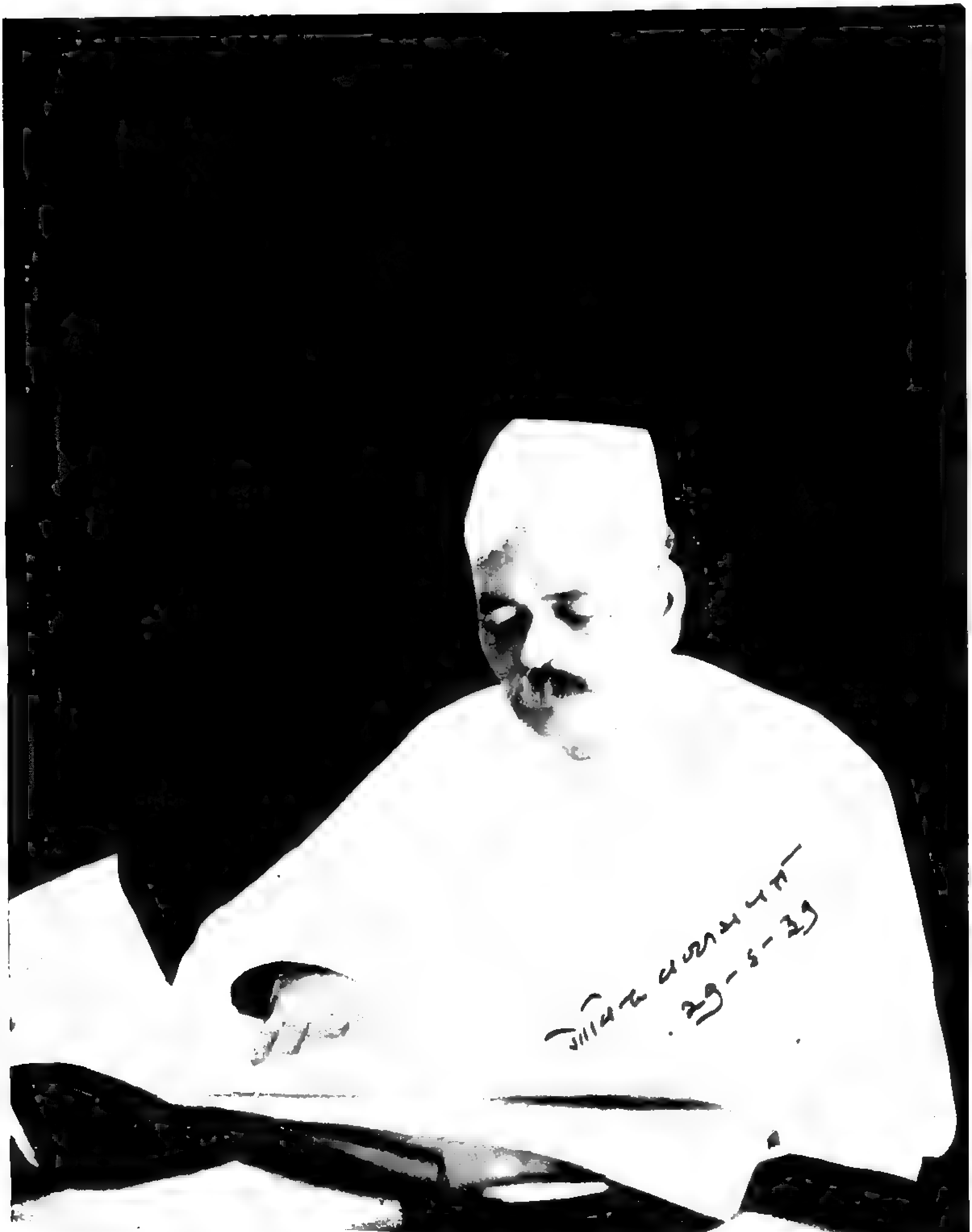


कौंसिल चेम्बर, लखनऊ
کاؤنسل چیمبر - لکھنؤ



संयुक्त-प्रान्त के गवर्नर हिज़ एक्सेलेंसी सर हेरी हेग

هز ایکسلینسی سر ہیری ہیگ - گورنر ممالک متحدہ آگرہ و اودھ

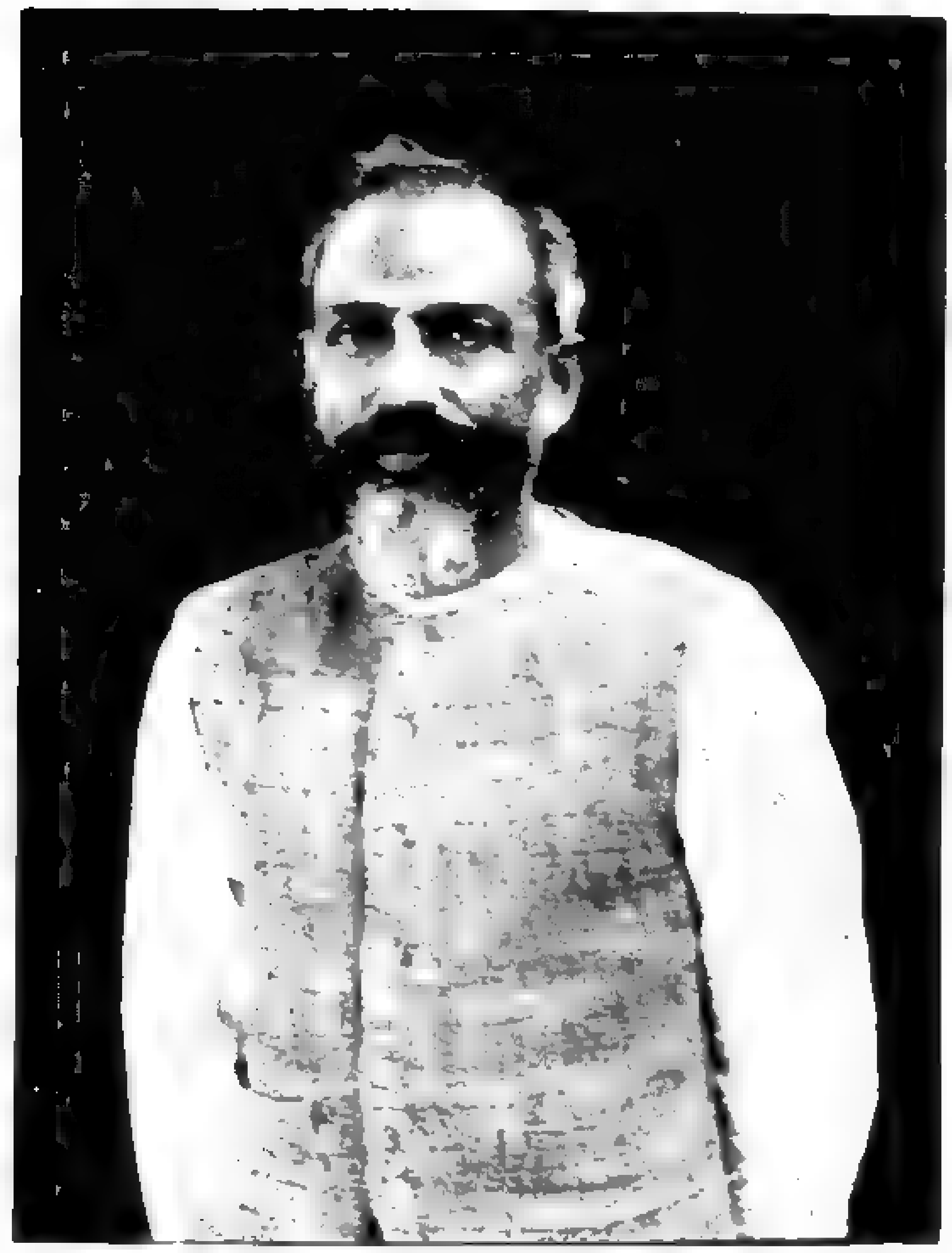


संयुक्त-प्रान्त के प्रधान मंत्री आनरबुल पंडित गोविन्दवल्लभ पन्त

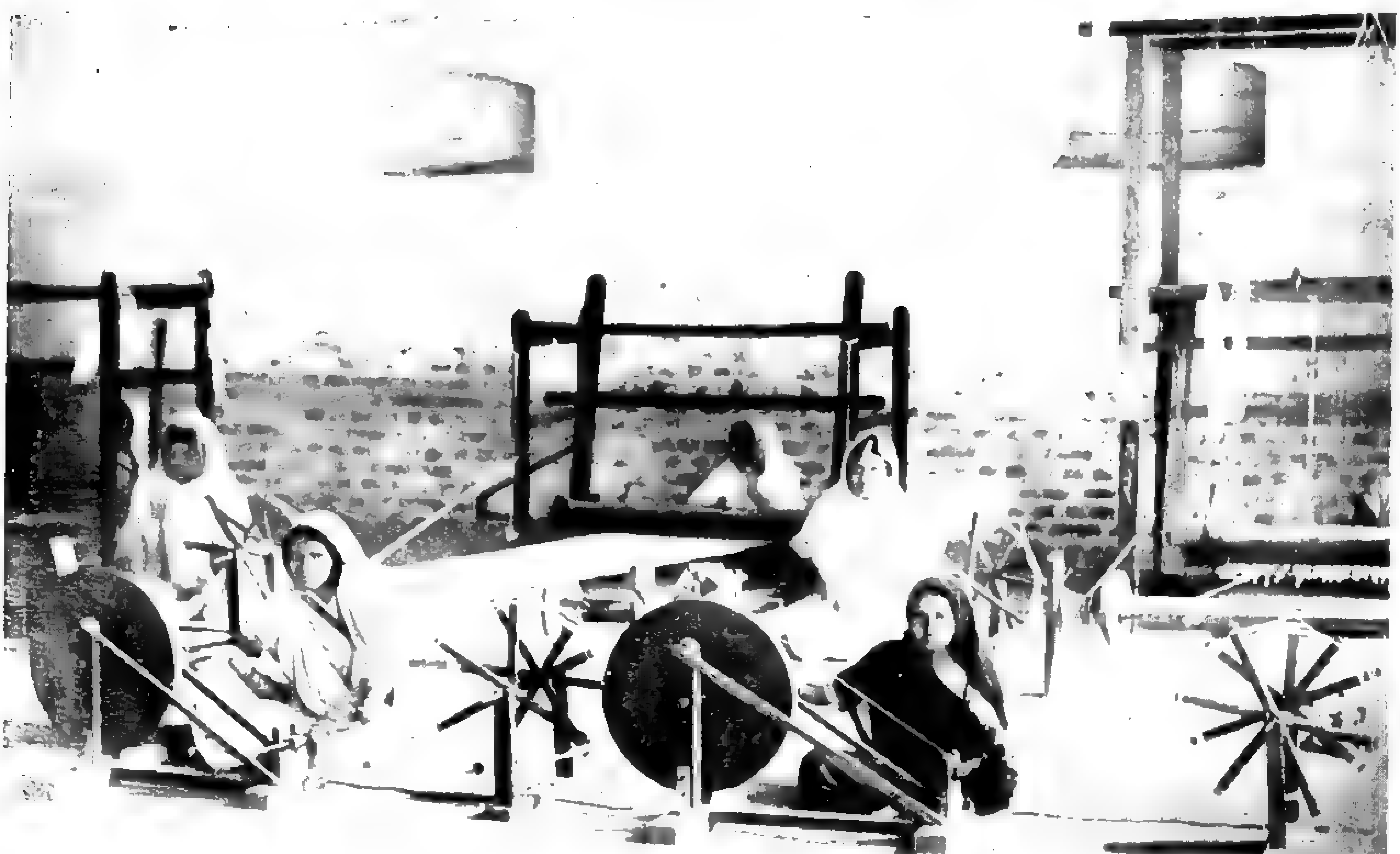
آنریبل پنڈت گوبند بلبھہ پنت - وزیراعظم ممالک متحدہ آگرہ و اودھ



आनरेबुल सर सीताराम
آنریبل سر سیتارام



आनरेबुल बाबू पुरुषोत्तमदास टंडन
آنریبل بابو پرشوتم داس ٹنڈن



स्त्रियाँ चरखा कात रही हैं
عورتیں چرخہ کات رہي هیں



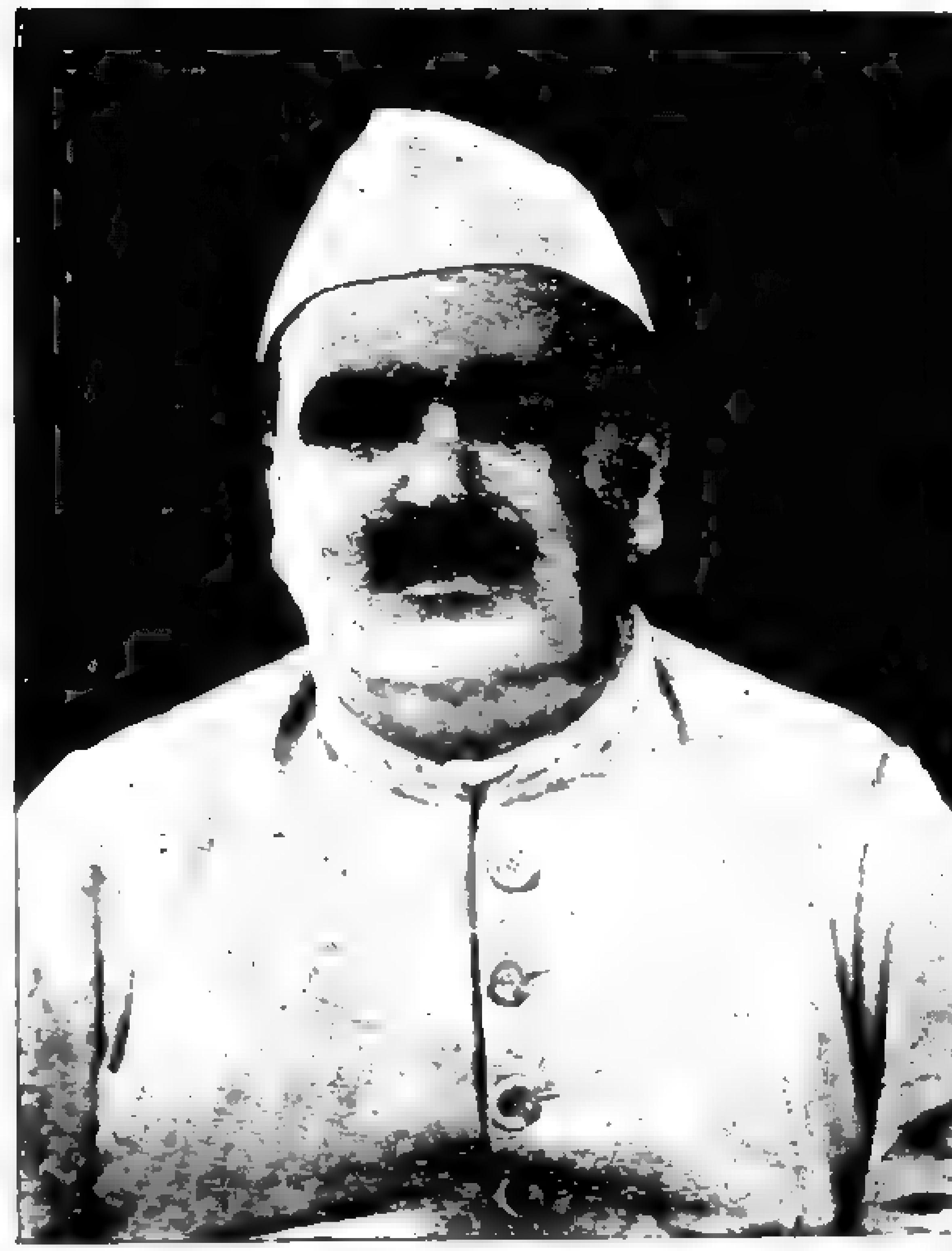
स्थानीय स्वराज्य-विभाग के मंत्री आनरेबुल श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित

آنریبل شریمتی وجے لکشمی، پنڈت - وزیر محکمہ مقامی، سوراج



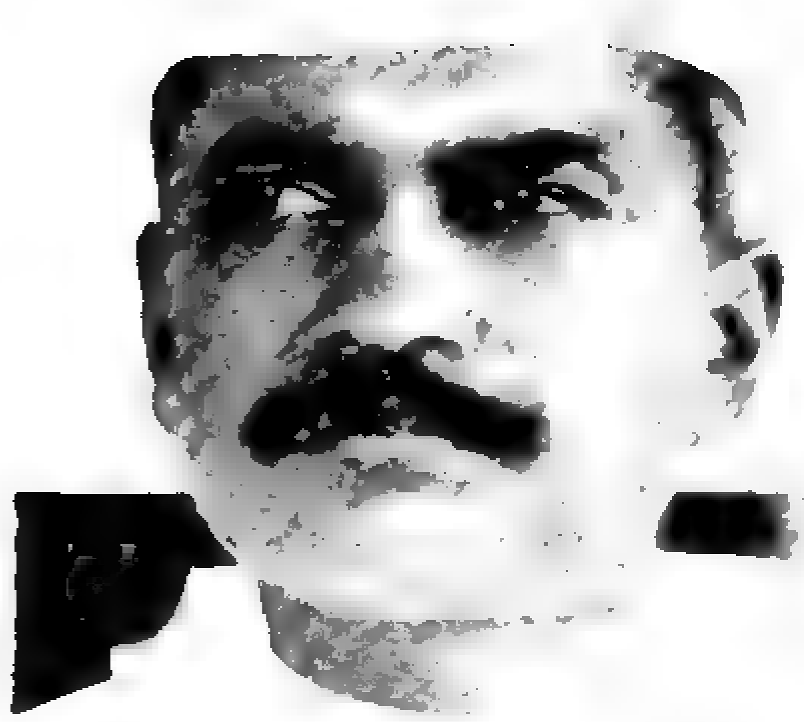
आनरेबुल बाबू सम्पूर्णानन्द

آنریبل بابو سمپورنانند



आनरेबुल मिस्टर रफ़ी अहमद क़िदवई

آنریبل مسٹر رفیع احمد قدوئی



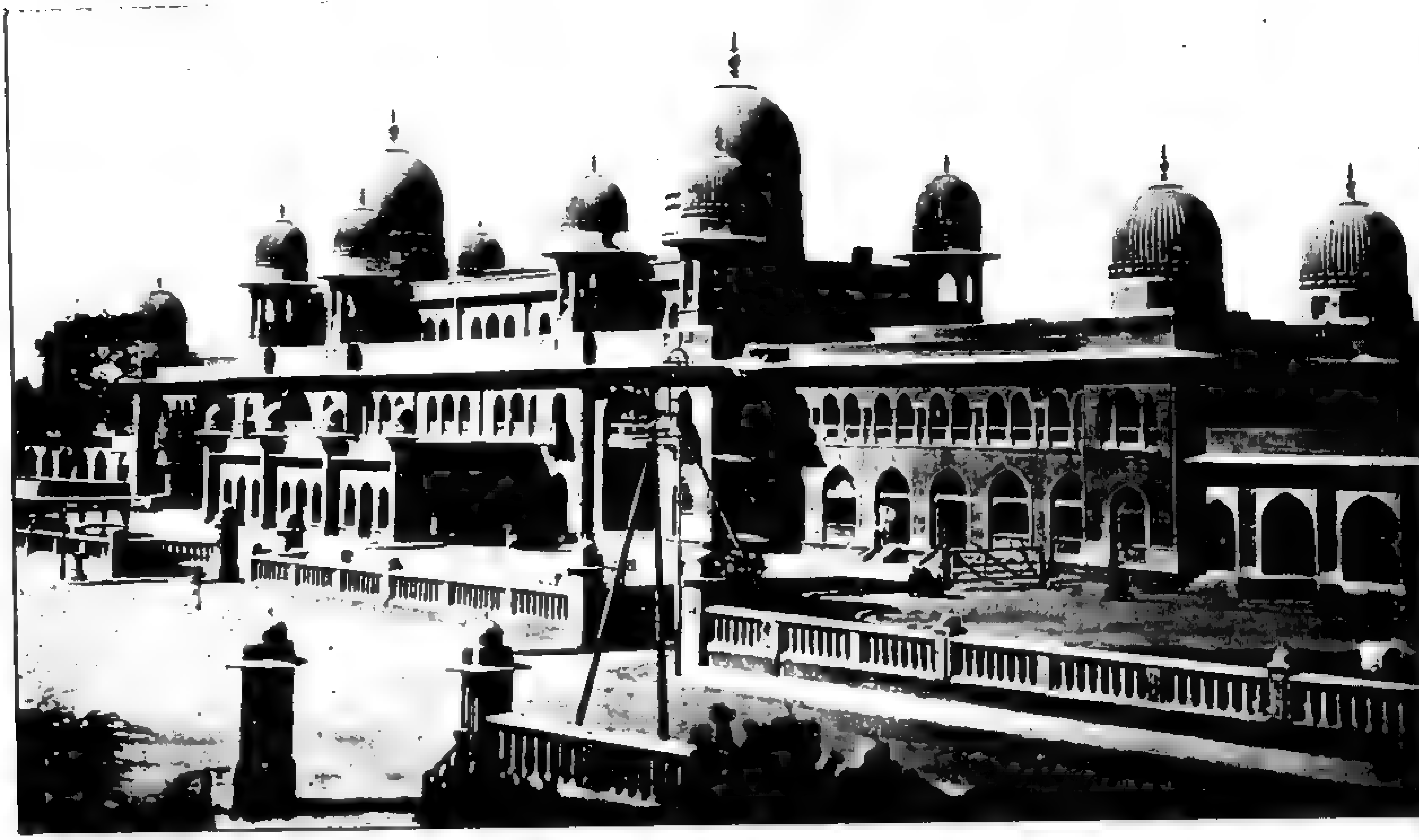
आनरेबुल डाक्टर कैलाशनाथ काटजू

آنریبل ڈاکٹر کیلاش ناتھ کاٹجو



आनरेबुल हाफ़िज़ मुहम्मद इब्राहीम

آنریبل حافظ محمد ابراہیم



कानपुर-स्टेशन
کانپور - اسٹیشن



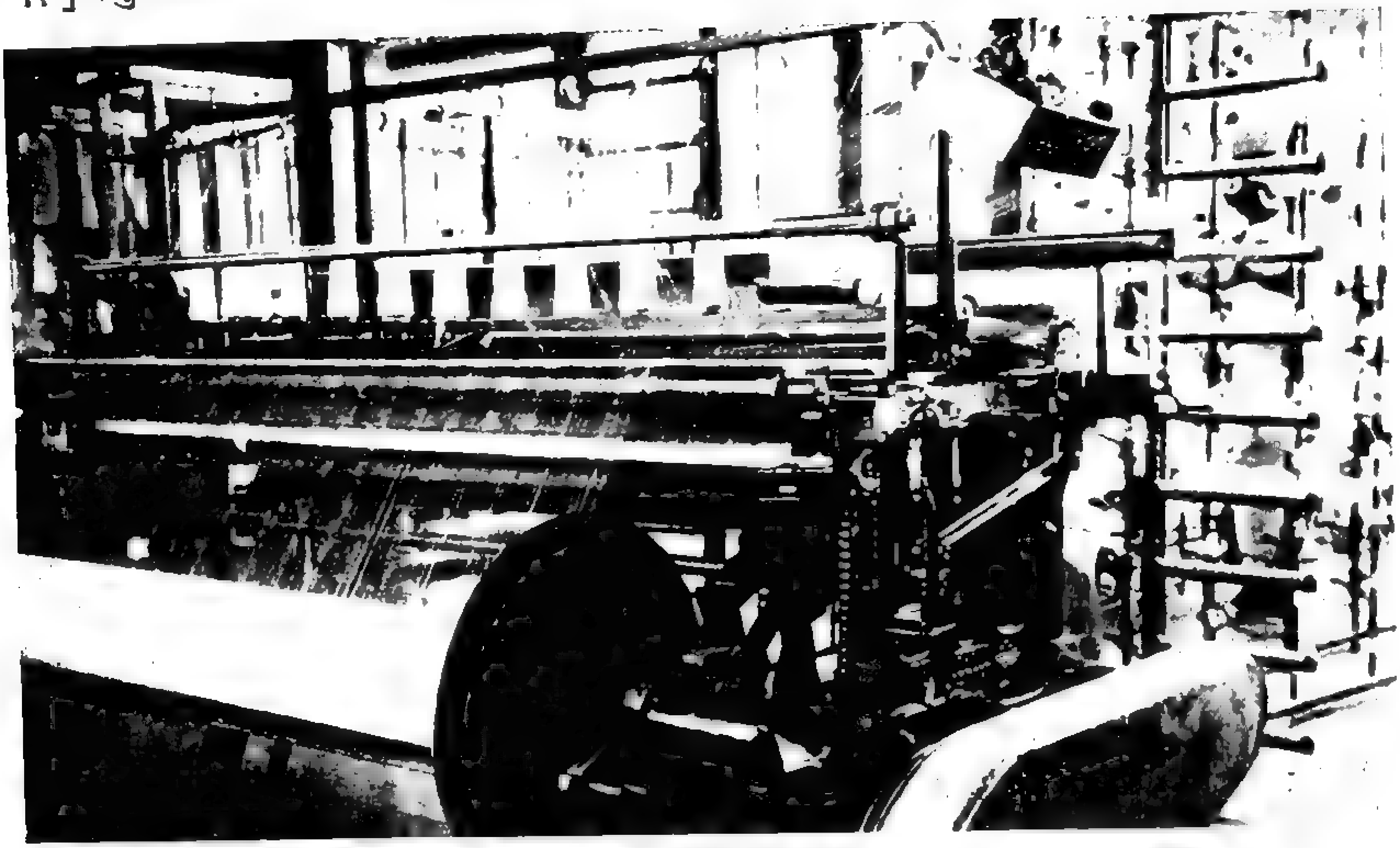
तिलक-हाल, कानपुर
تلک هال - کانپور



परमट-घाट, कानपुर
پرمٹ گھاٹ - کانپور



एग्रीकल्चरल कालेज (कृषिकालेज), कानपुर
ایگریکلچرل (زراعتي) کالج - کانپور



काटन मिल, कानपुर
کاٹن مل - کانپور



चमड़े का काम सिखाने का सरकारी स्कूल, कानपुर
چمڑے کا کام سکھانے کا سرکاري اسکول - کانپور



फ़र्रुख़ाबाद की कपड़े की छपाई के नमूने

فرخ آباد کی کپڑے کی چھپائی کے نمونے



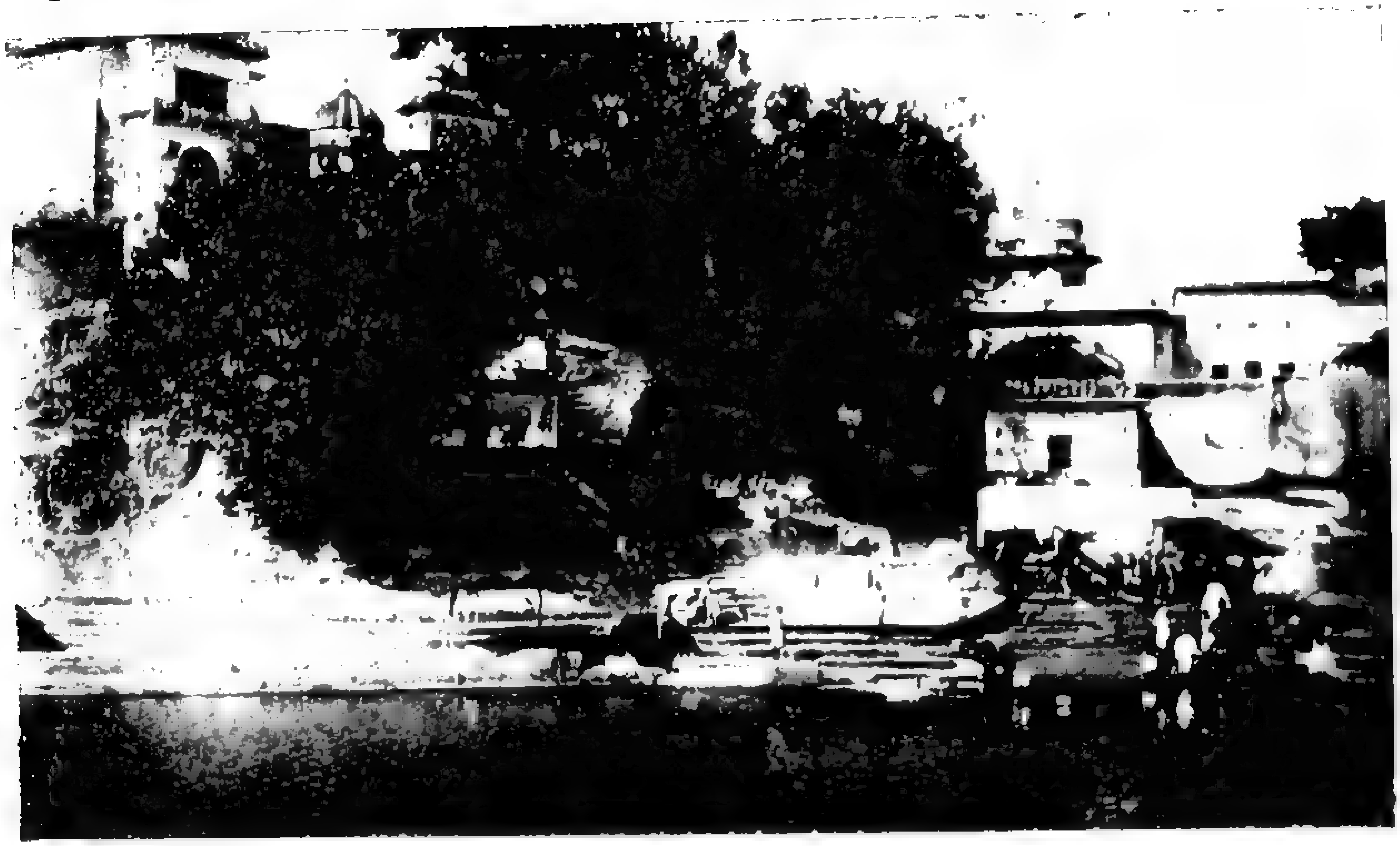
छपाई के लिए डिज़ाइन बनाये जा रहे हैं

چھپائی کے لئے ڈزائن بنائے جارہے ہیں



झाँसी का पुराना क़िला

جھانسی کا پرانا قلعہ



रामघाट, चित्रकूट
رام گھات - چترکوت



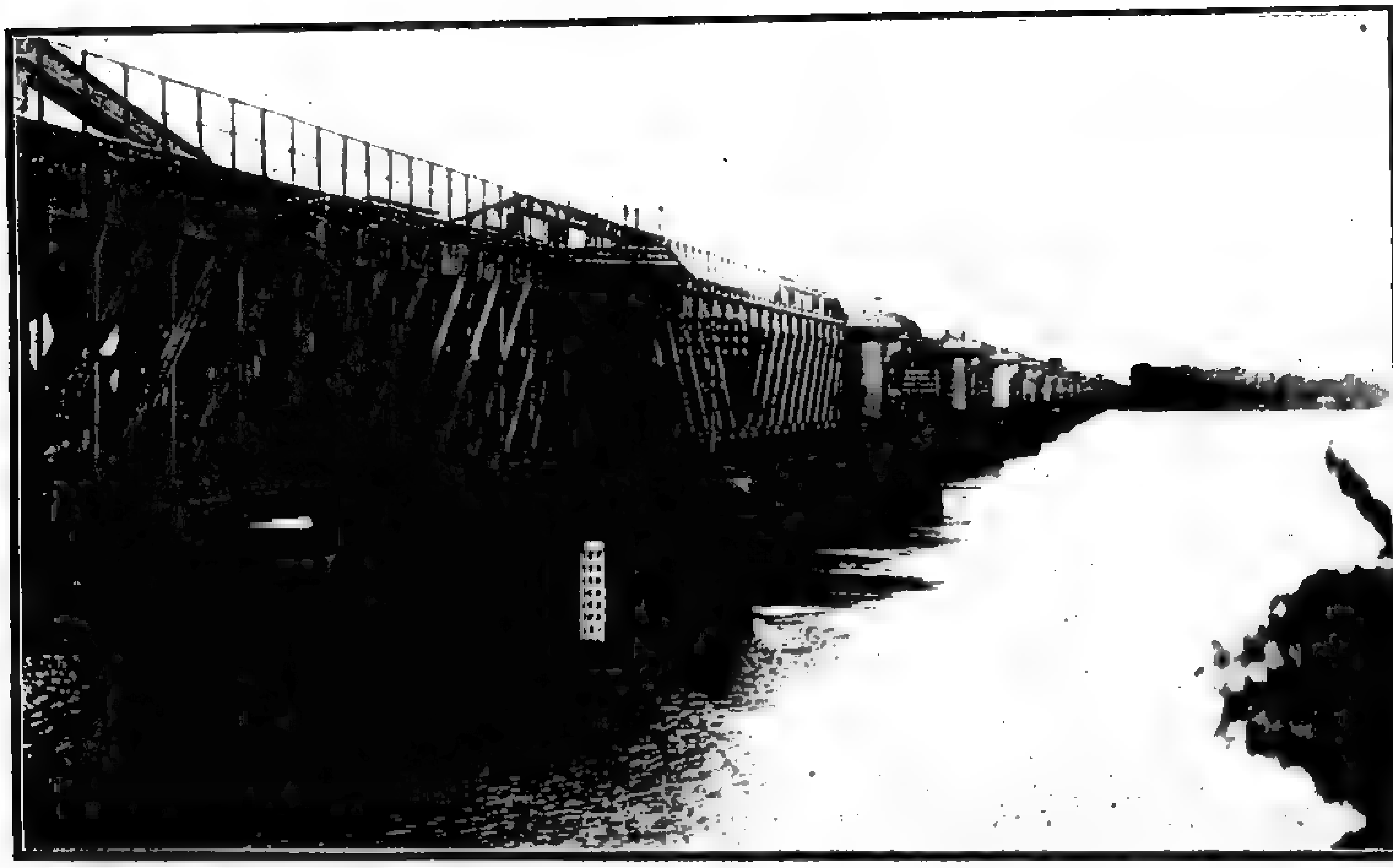
मन्दाकिनी नदी का एक दृश्य, चित्रकूट
دریائے منداکنی کا ایک منظر - چترکوت



त्रिवेणी का एक मनोहर दृश्य, इलाहाबाद
تربيني كا ايك دلكش نظاره - الهآباد



इलाहाबाद के स्टेशन पर माघ-मेले के यात्रियों की भीड़
الهآباد كے استيشن پر ماگهه ميلے كے مسافروں كى بهيڑ



यमुना जी का पुल, इलाहाबाद

جمنا جي كا پل - الهآباد



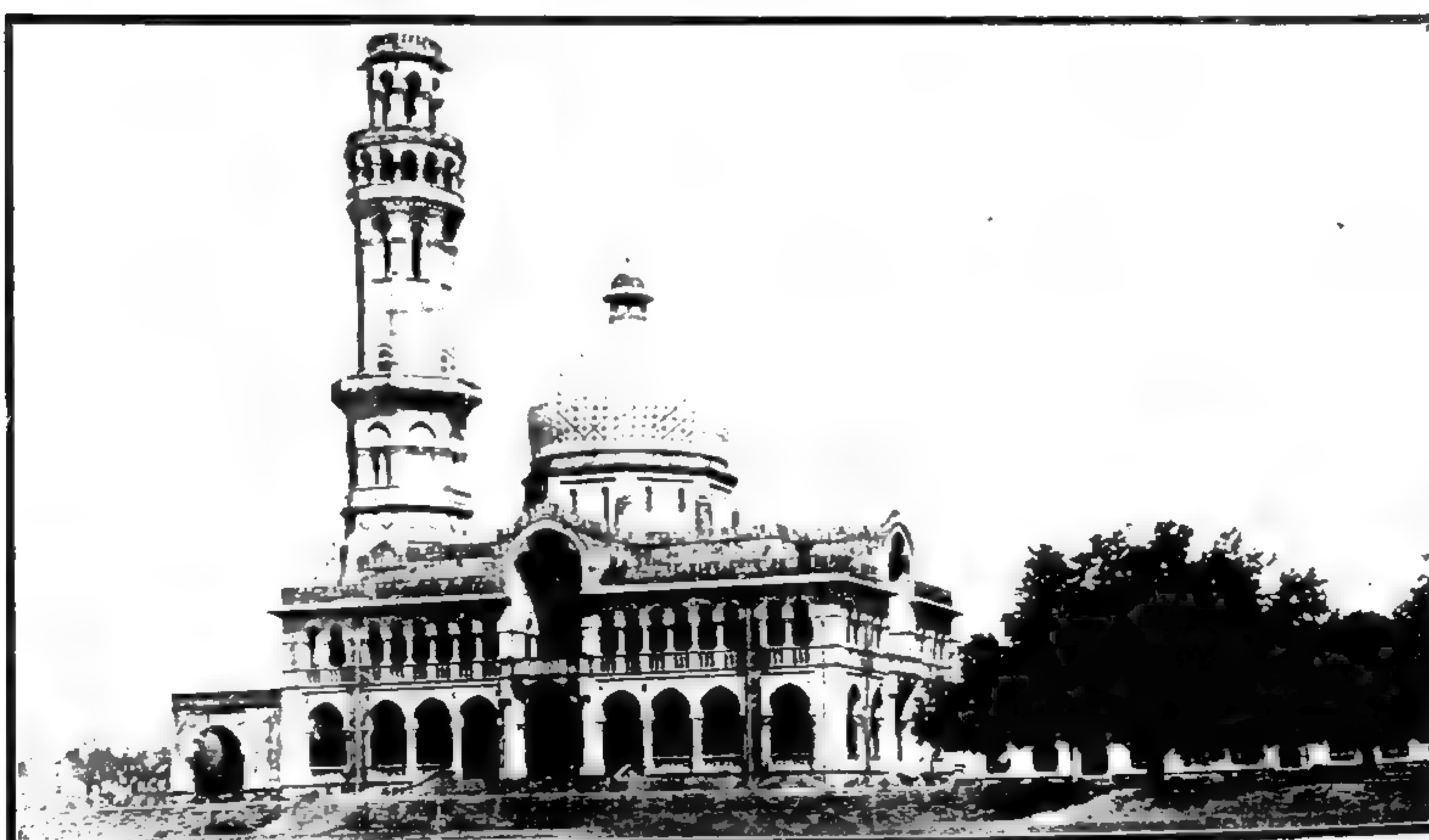
प्रयाग में संगम का स्नान

پریاگ میں سنگم کا اشنان



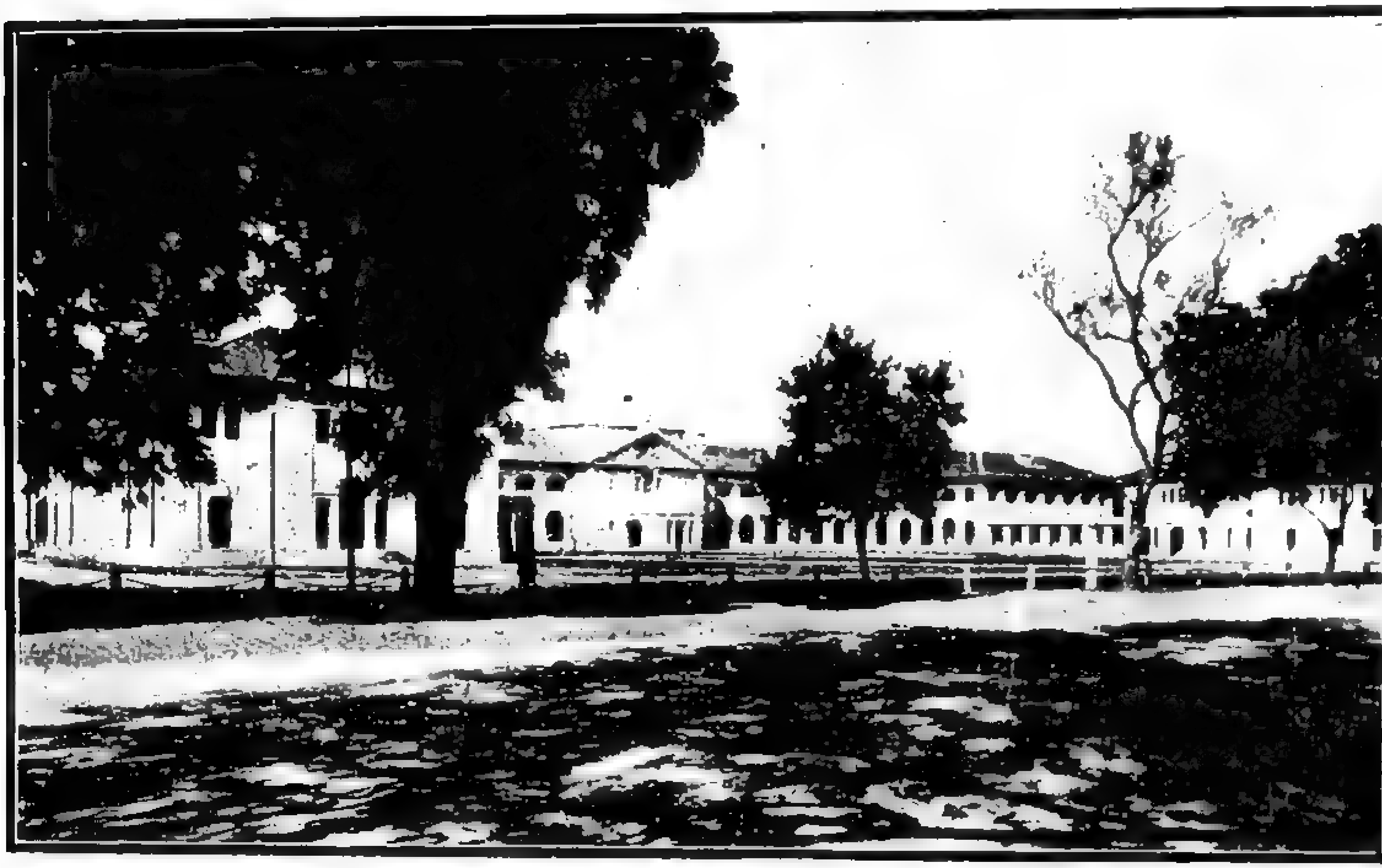
इलाहाबाद-विश्वविद्यालय

الہ آباد یونیورسٹی



म्योर सेंट्रल कालेज की इमारत, इलाहाबाद

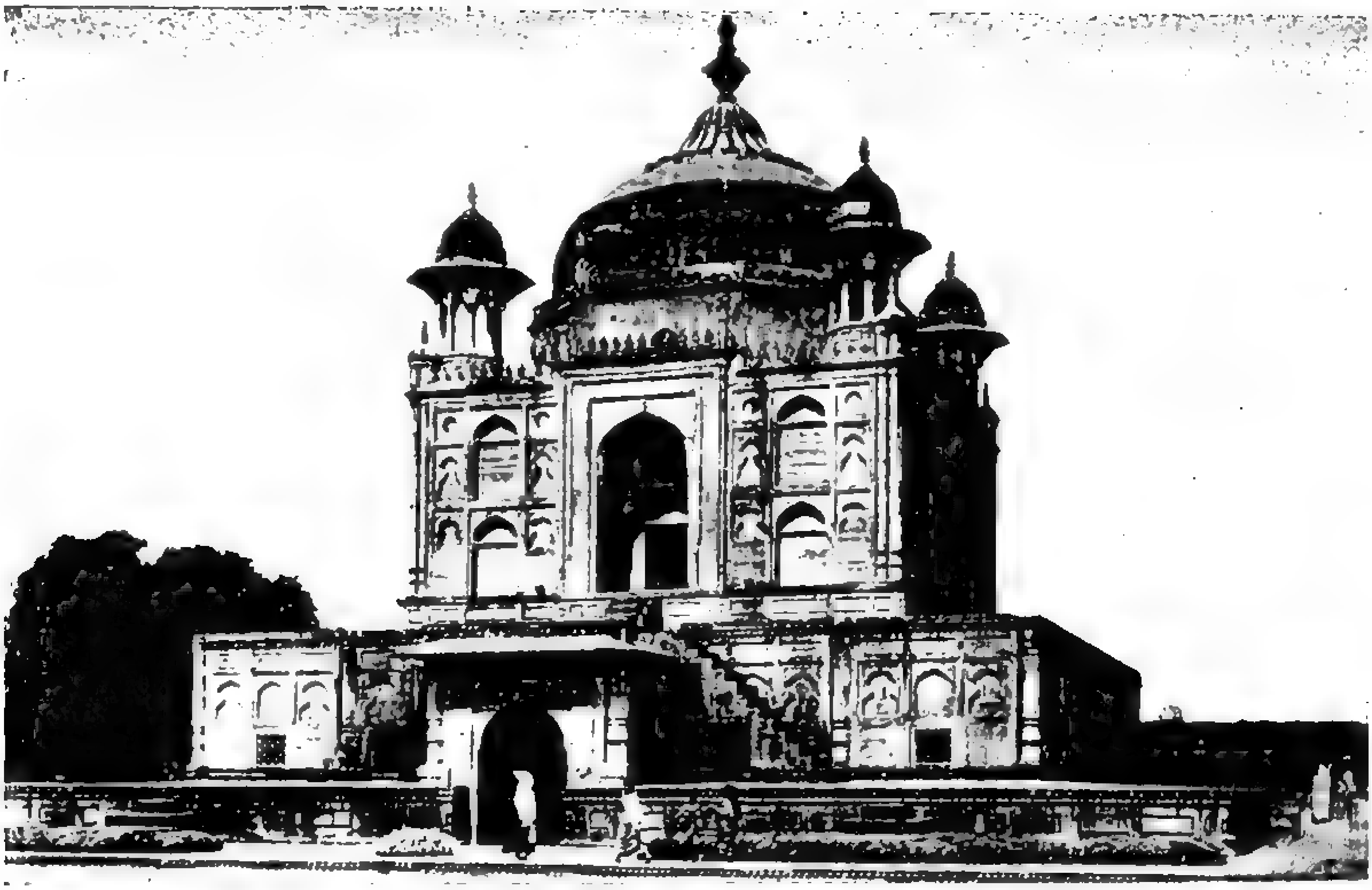
میور سنٹرل کالج کی عمارت - الہ آباد

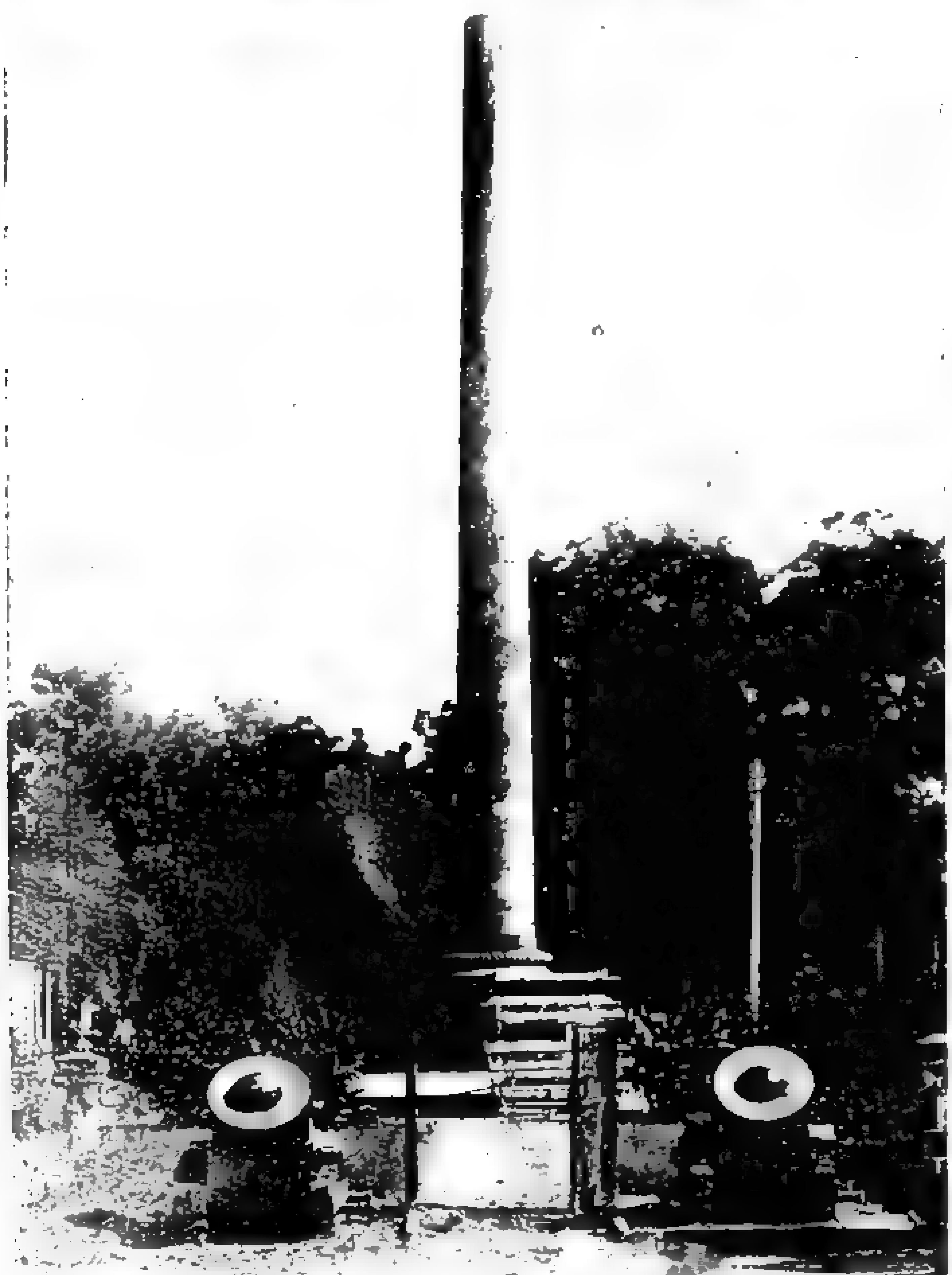


हाईकोर्ट, इलाहाबाद
هائی کورٹ - الهاباد



मेयो-हाल, इलाहाबाद
میؤ هال - الهاباد



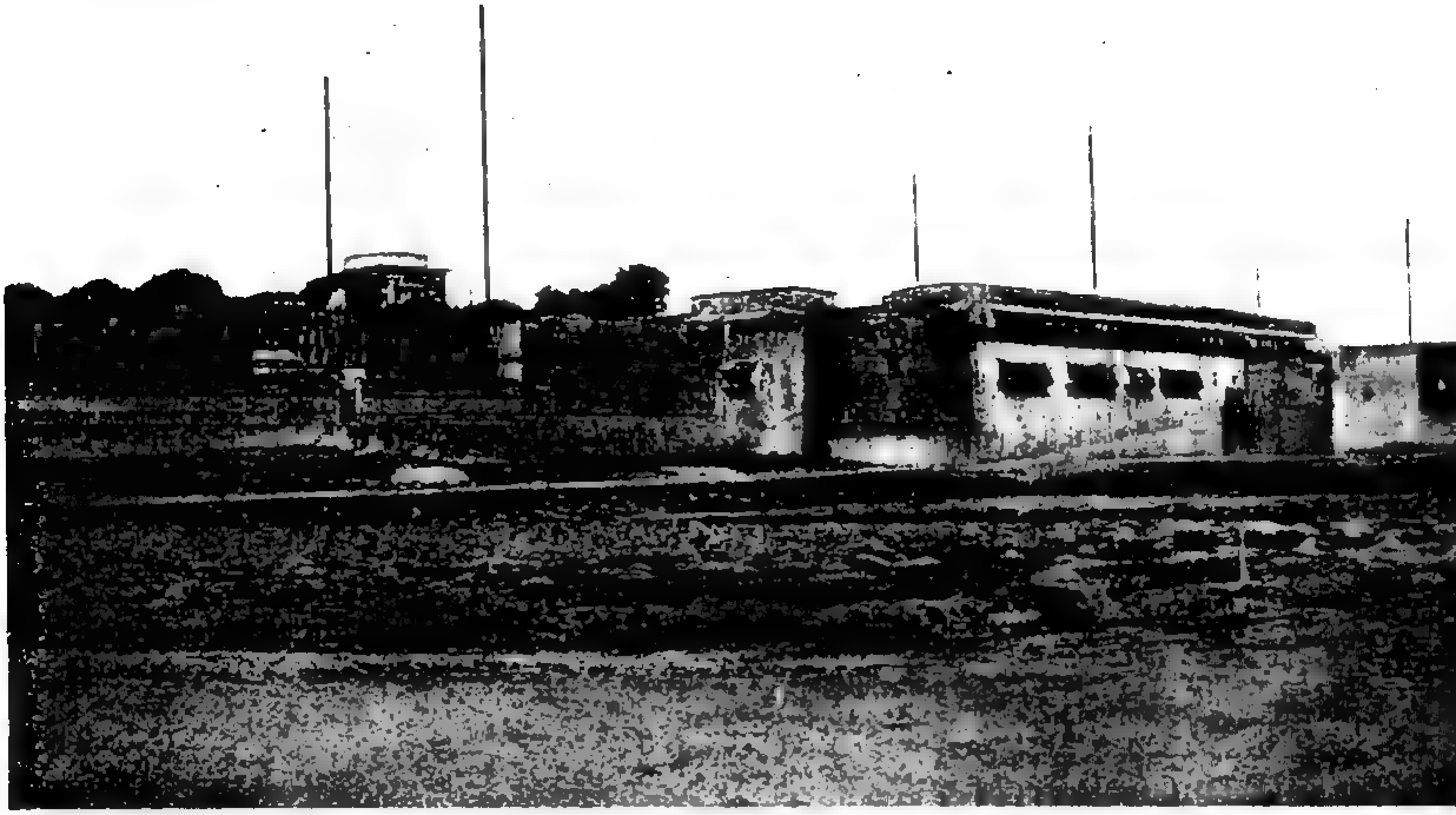


ऊपर—ख़ुसरो का मक़बरा, ख़ुसरो-बाग़, इलाहाबाद

اوپر - خسرو کا مقبره - خسروباغ الهآباد

नीचे—इलाहाबाद के क़िले में अशोक की लाट

نیچے - الهآباد کے قلعه میں اشوک کي لات



इलाहाबाद के क़िले का एक दृश्य

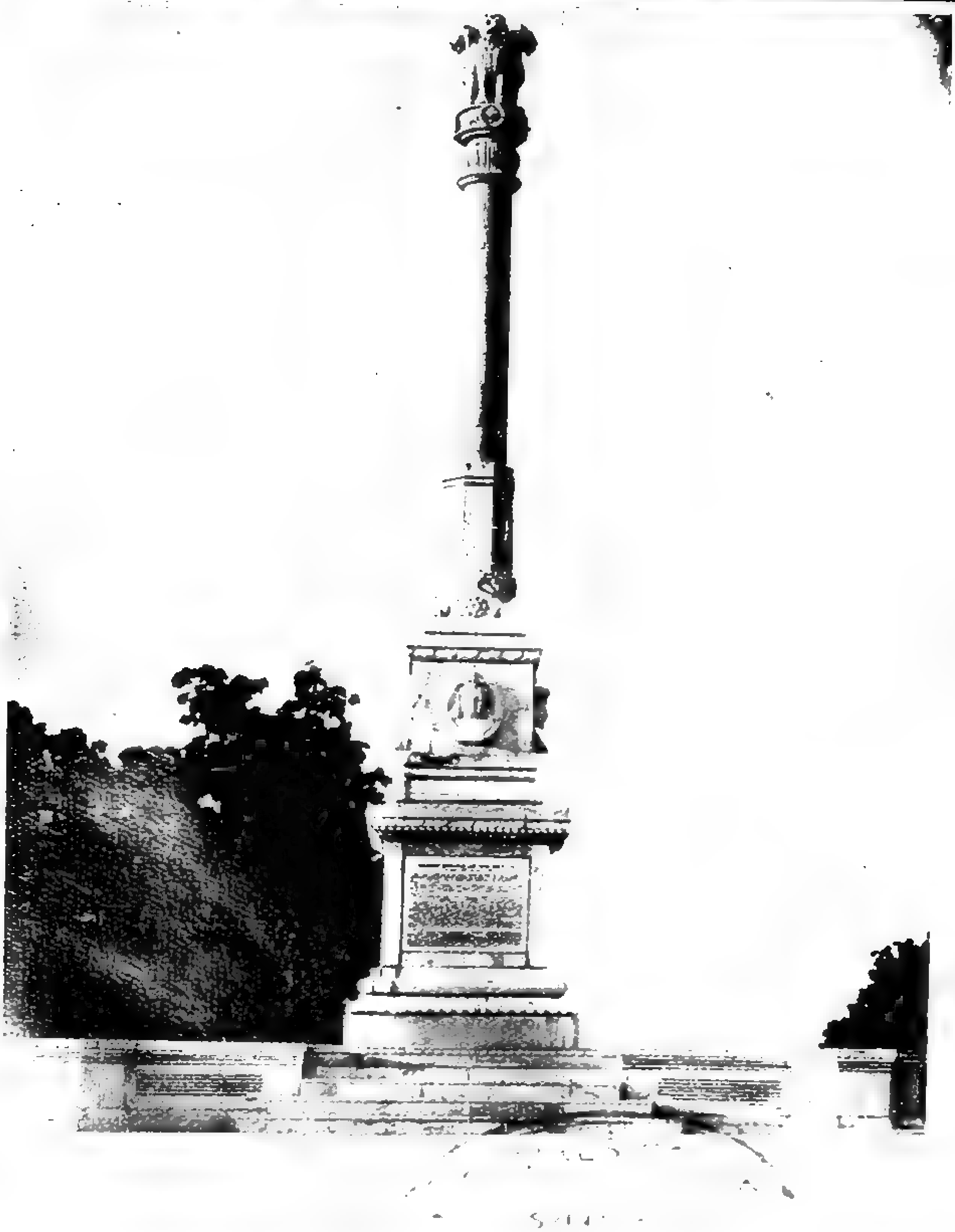
الہآباد کے قلعہ کا ایک نظارہ



गंगा जी पर पीपों का पुल, इलाहाबाद

دریائے گنگا پر پیپوں کا پل - الہآباد





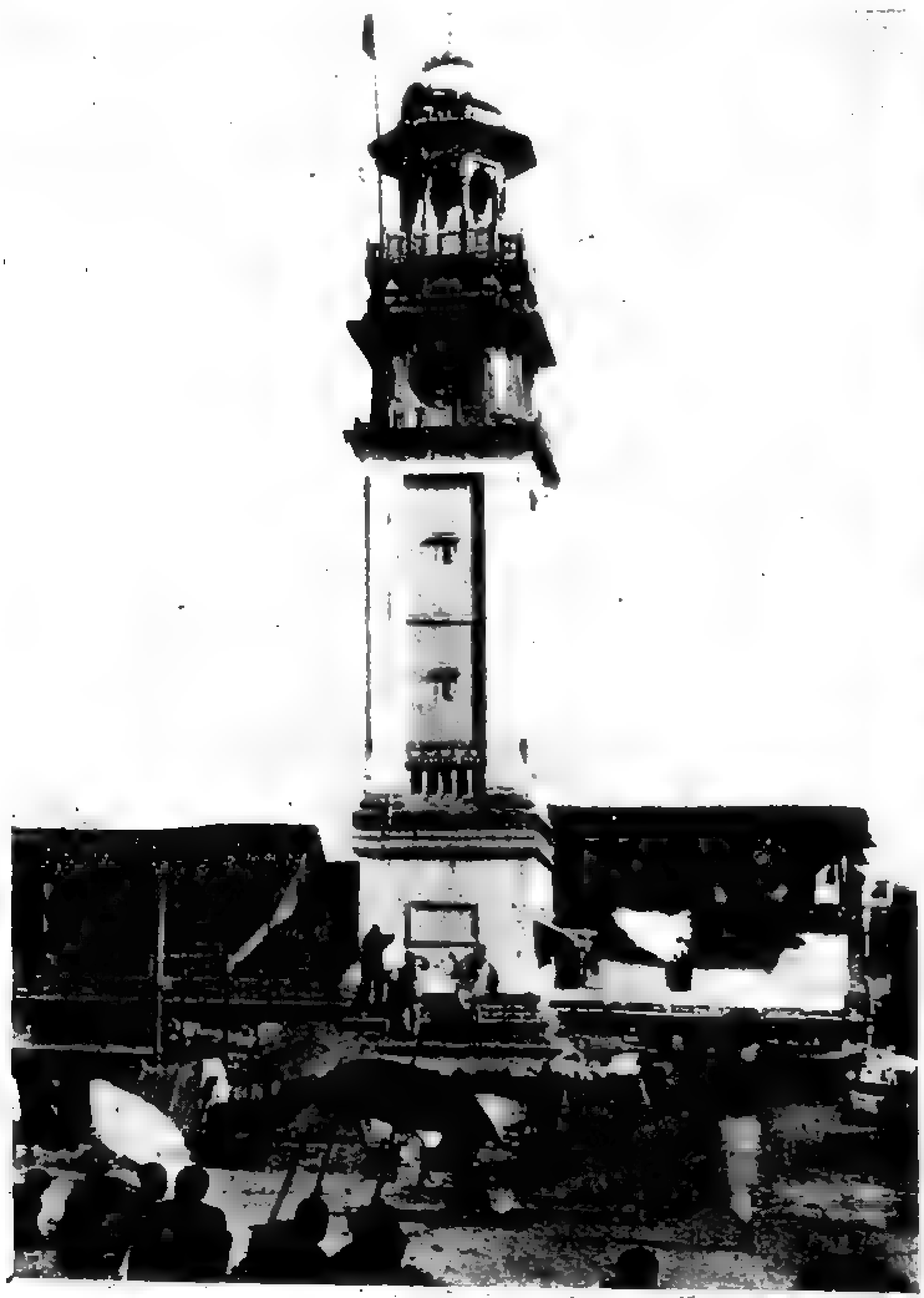
ऊपर—हिन्दी - साहित्य-सम्मेलन का संग्रहालय, इलाहाबाद

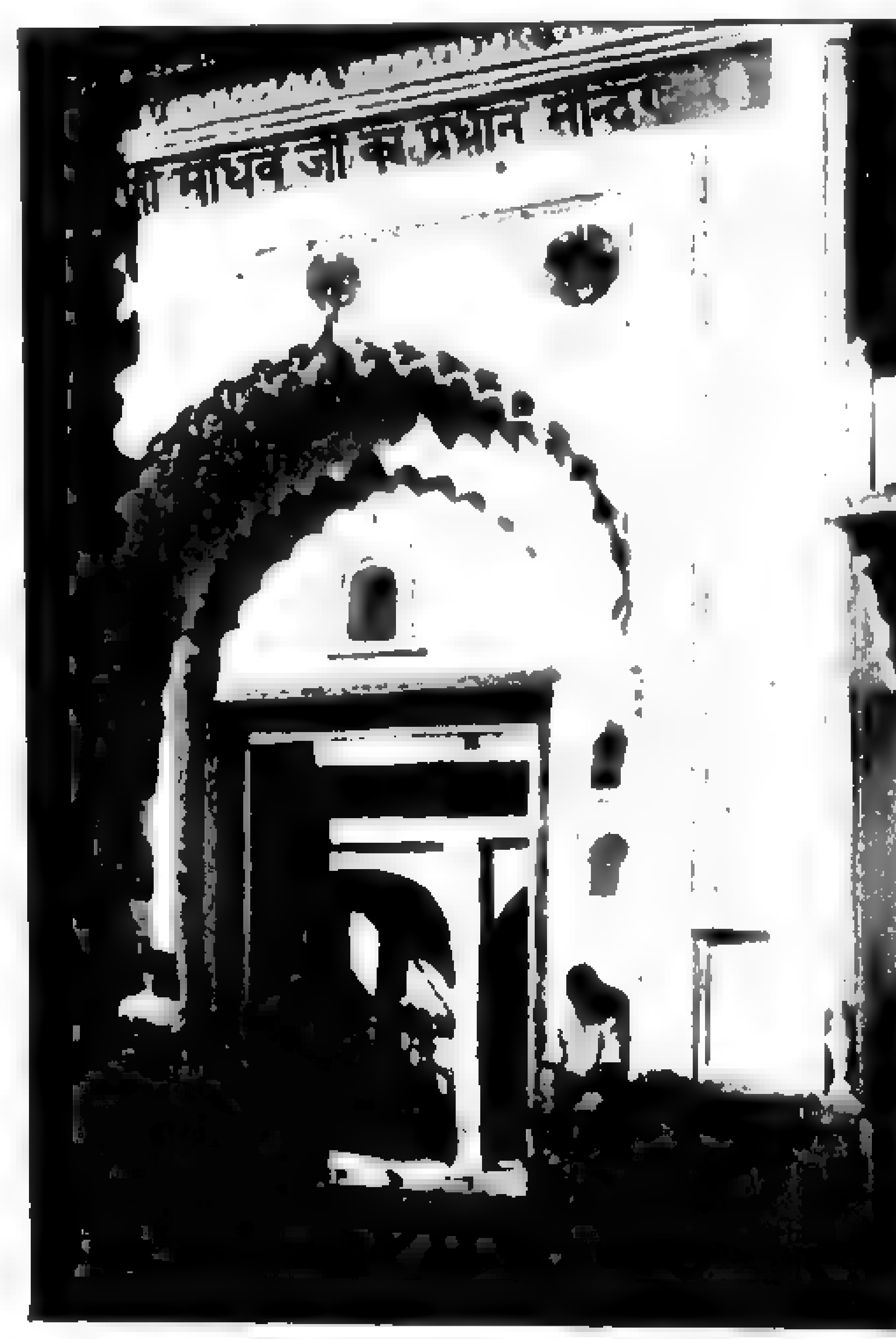
اوپر - ہندی ساہتیہ سمّیلن کا سنگرہالیہ- الہآباد

नीचे — मिंटोपार्क में घोषणा-स्तम्भ, इलाहाबाद

نیچے-منٹو پارک میں شاہی اعلان کا ستون الہآباد







ऊपर—स्कूल के लड़के व्यायाम कर रह हैं

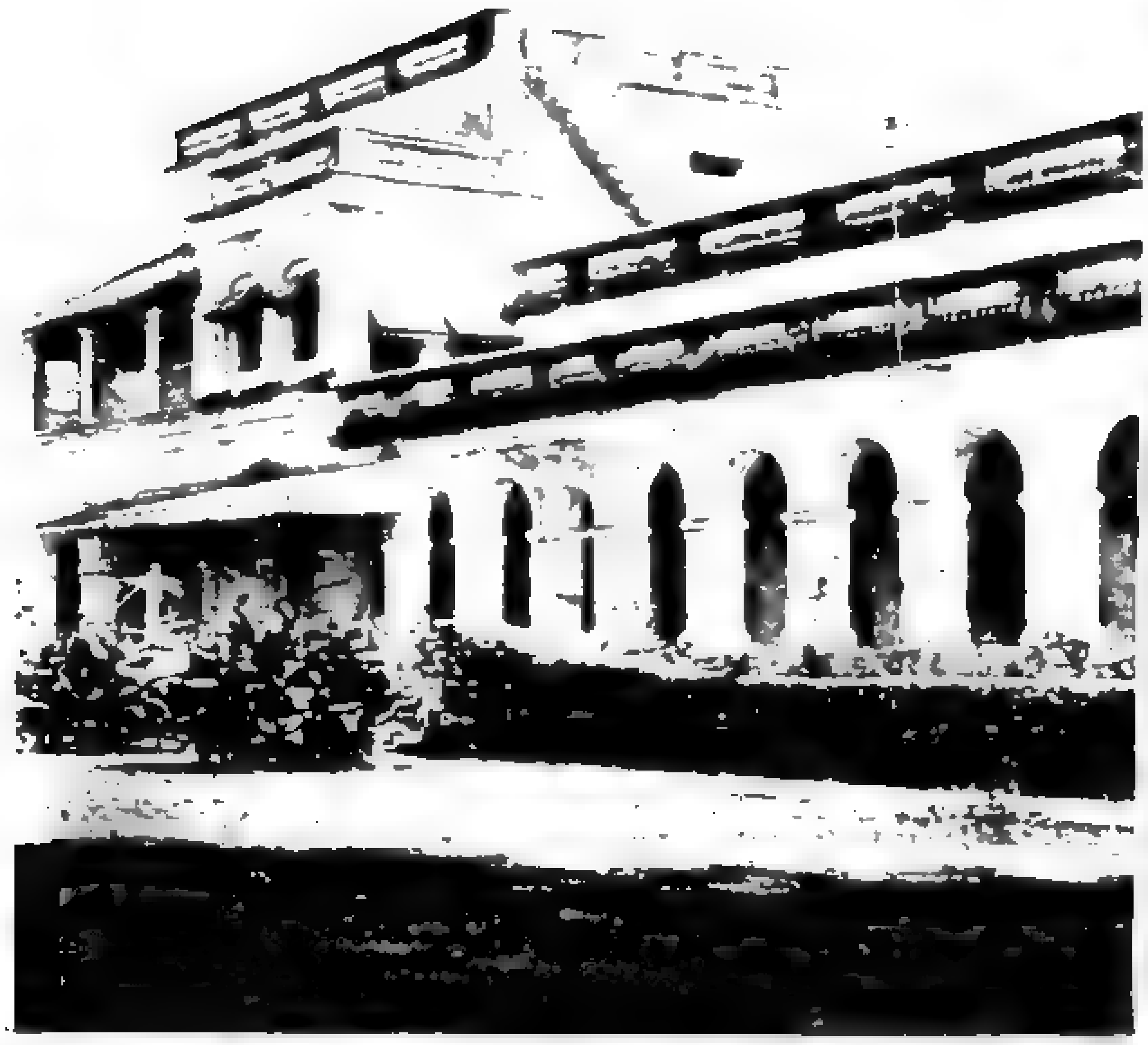
اوپر- اسکول کے لڑکے کسرت کر رہے هیں

नीचे—घंटाघर, चौक, इलाहाबाद

वेणीमाधो के मन्दिर का द्वार, इलाहाबाद

نیچے - گھنٹہ گھر - چوک - الہ‌آباد

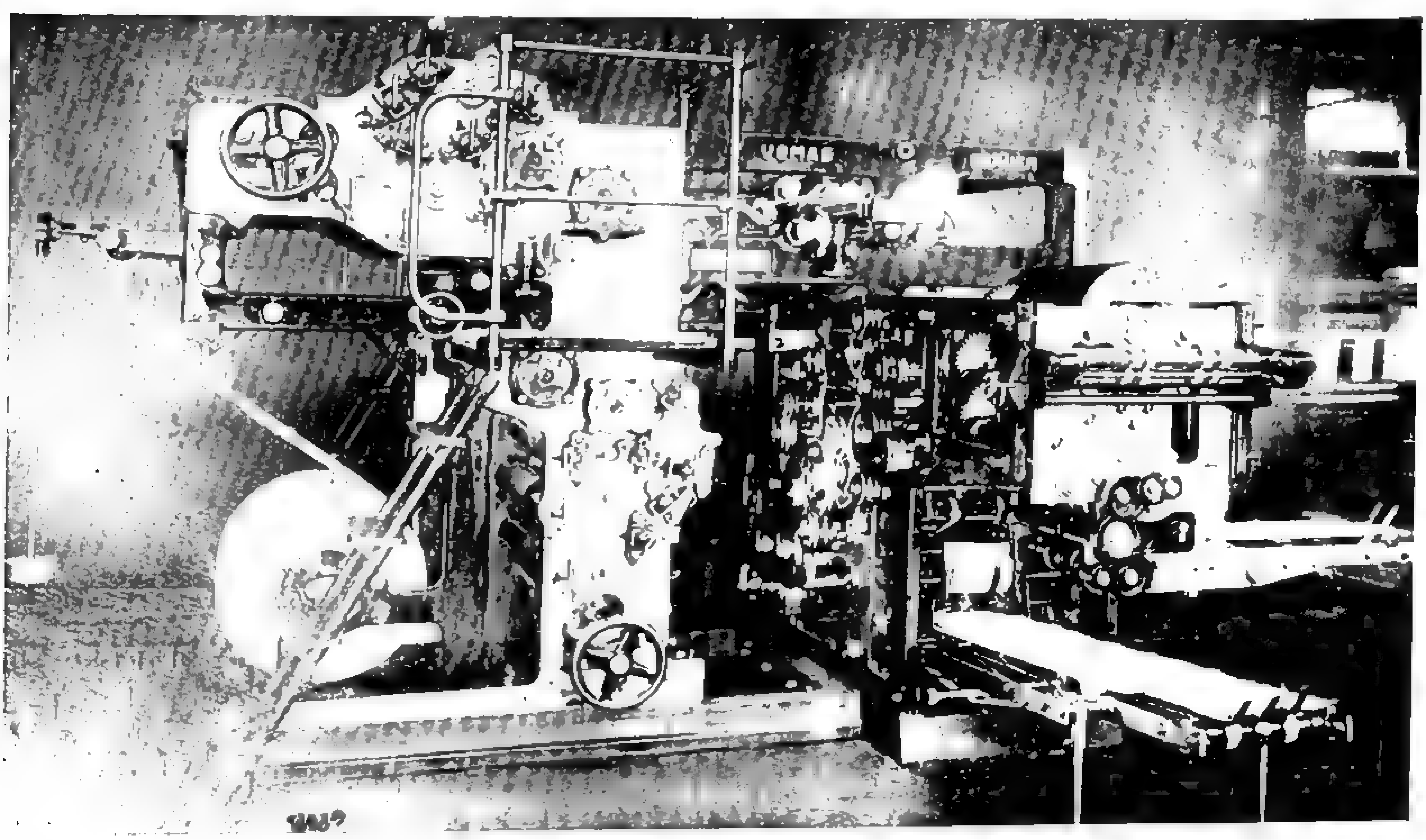
بیني مادھوکے مندر کا دروازہ-الہ‌آباد



स्वराज्य-भवन, इलाहाबाद
سوراجیہ بھون - الہ آباد



आनन्द-भवन, इलाहाबाद
آنند بھون - الہ آباد



इंडियन प्रेस की अखबार छापने की मशीन
انڈین پریس کی اخبار چھاپنے کی مشین



स्वर्गीय पंडित मोतीलाल नेहरू

پنڈت موتی لال نہرو مرحوم



पंडित मदनमोहन मालवीय

پنڈت مدن موہن مالویہ



राइट आनरेबुल सर तेजबहादुर सप्रू

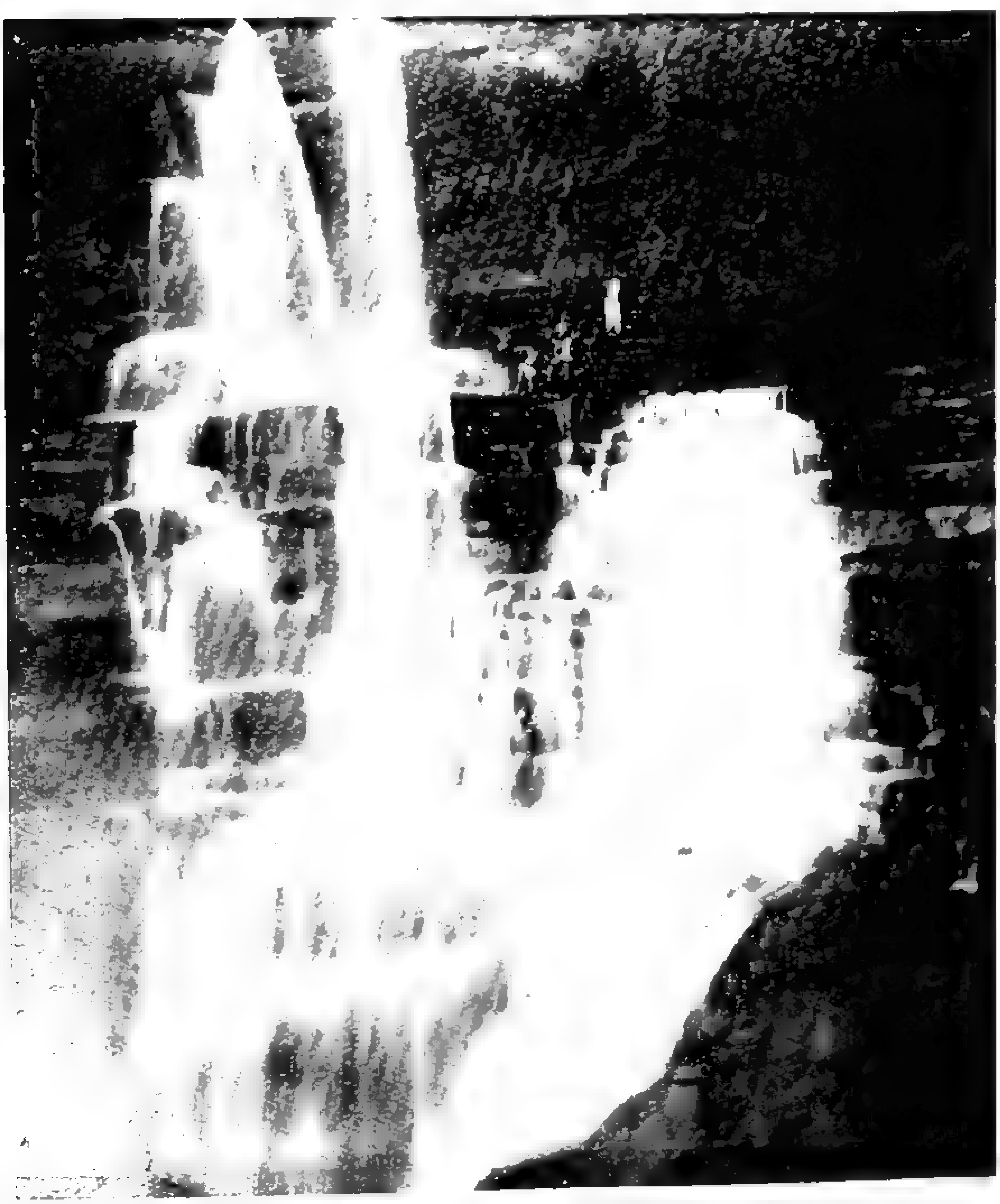
رایٹ آنریبل سر تیج بہادر سپرو



पंडित जवाहरलाल नेहरू

پنڈت جواہر لال نہرو





ऊपर——विन्ध्याचल का पक्का घाट, मिर्ज़ापुर

اوپر - بندھیاچل کا پکّا گھاٹ - مرزاپور

नीचे—टाँडा-प्रपात, मिर्ज़ापुर

نیچے - ٹانڈا کا جھرنا - مرزاپور



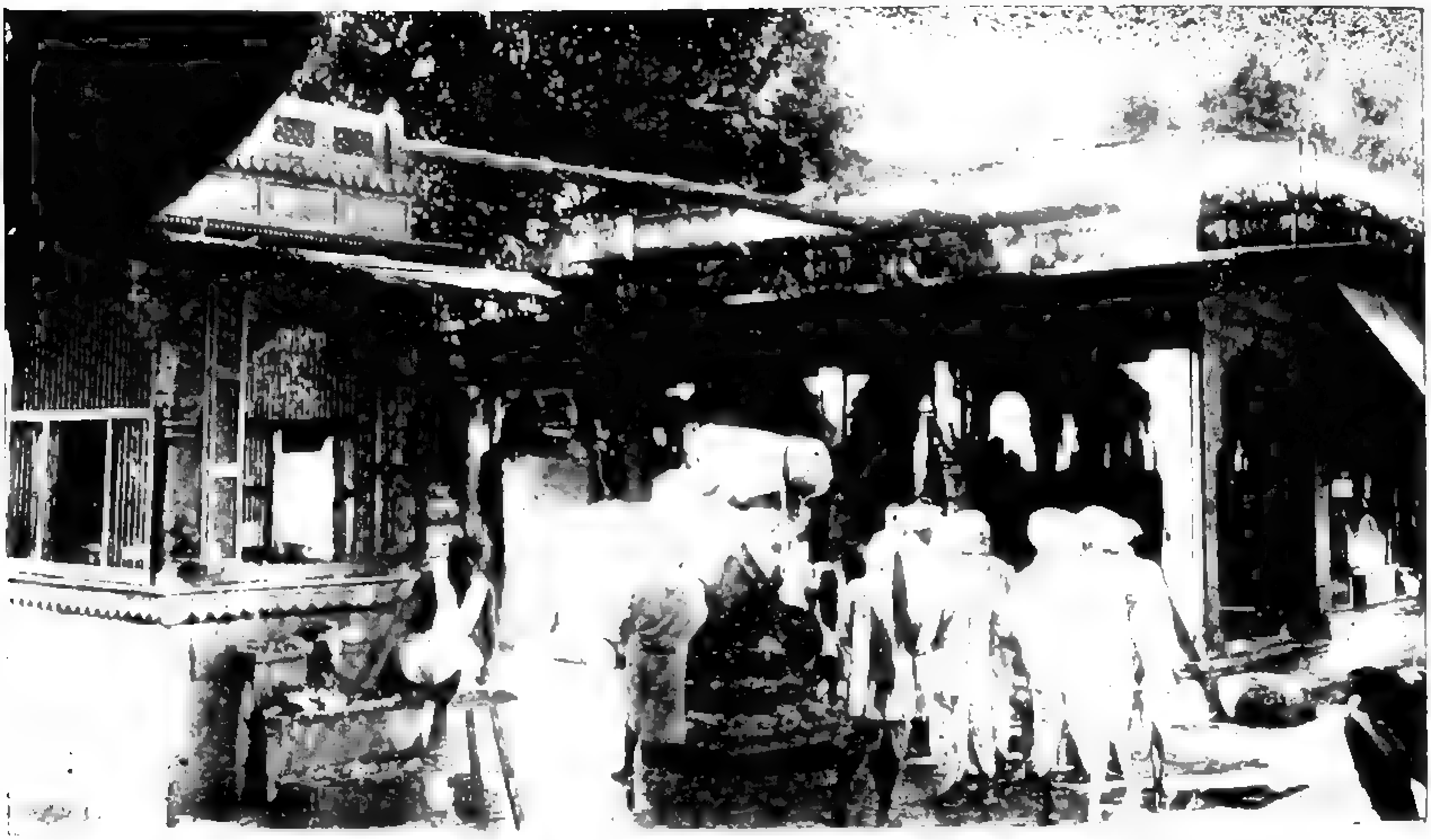
ऊपर—मिर्ज़ापुर के एक कारख़ाने में क़ालीन बिना जा रहा है

اُوپر - مرزاپور کے ایک کارخانے میں قالین بُنا جا رہا ھے

नीचे—चुनार के क़िले का एक दृश्य

نیچے - چنار کے قلعہ کا ایک نظارہ







ऊपर—विश्वनाथ जी के मन्दिर के पास ज्ञानवापी का दृश्य, बनारस

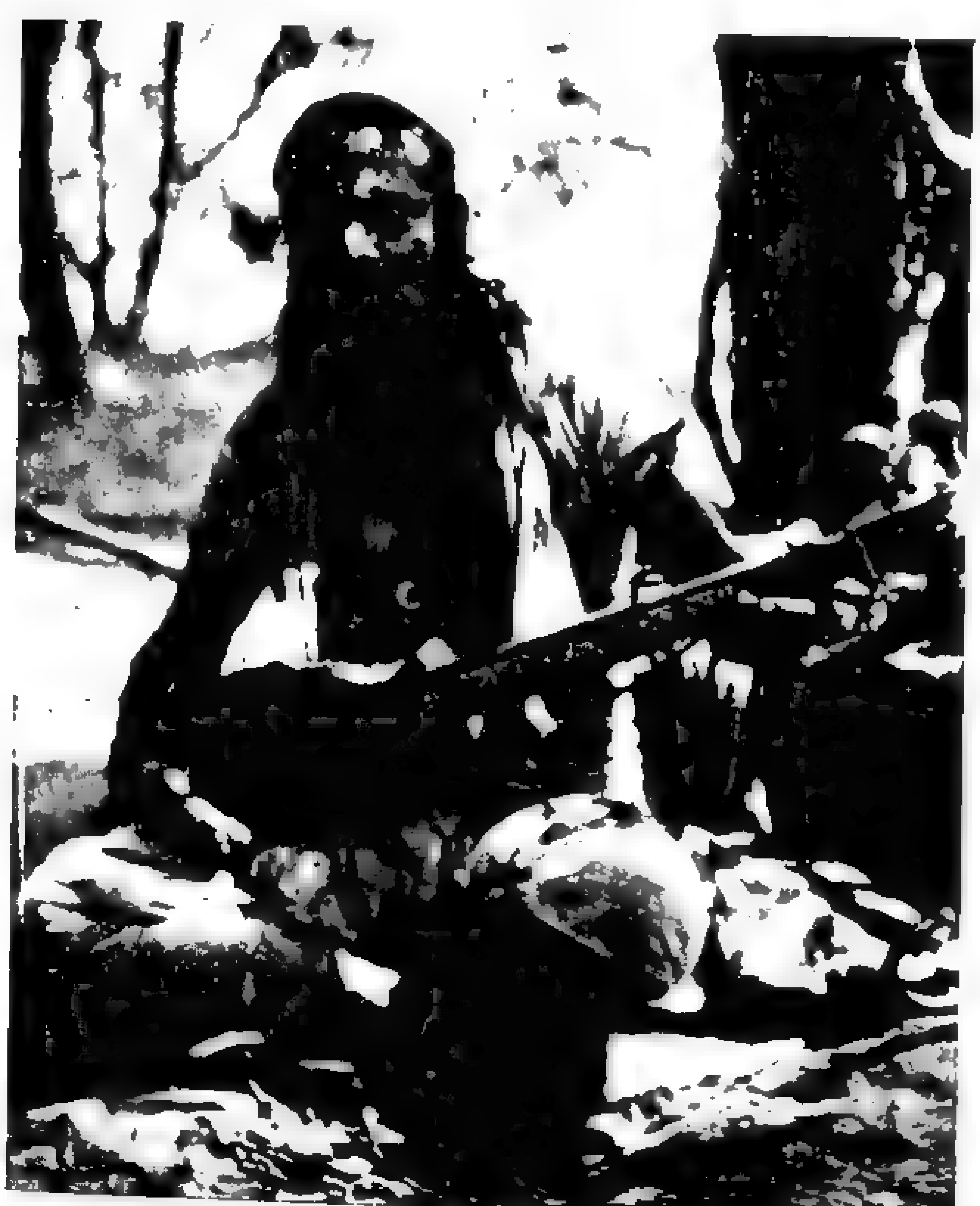
اُوپر – وشواناتھ جی کے مندر کے پاس گیان واپی کا ایک نظارہ-بنارس

नीचे– विश्वनाथ जी के मन्दिर का शिखर

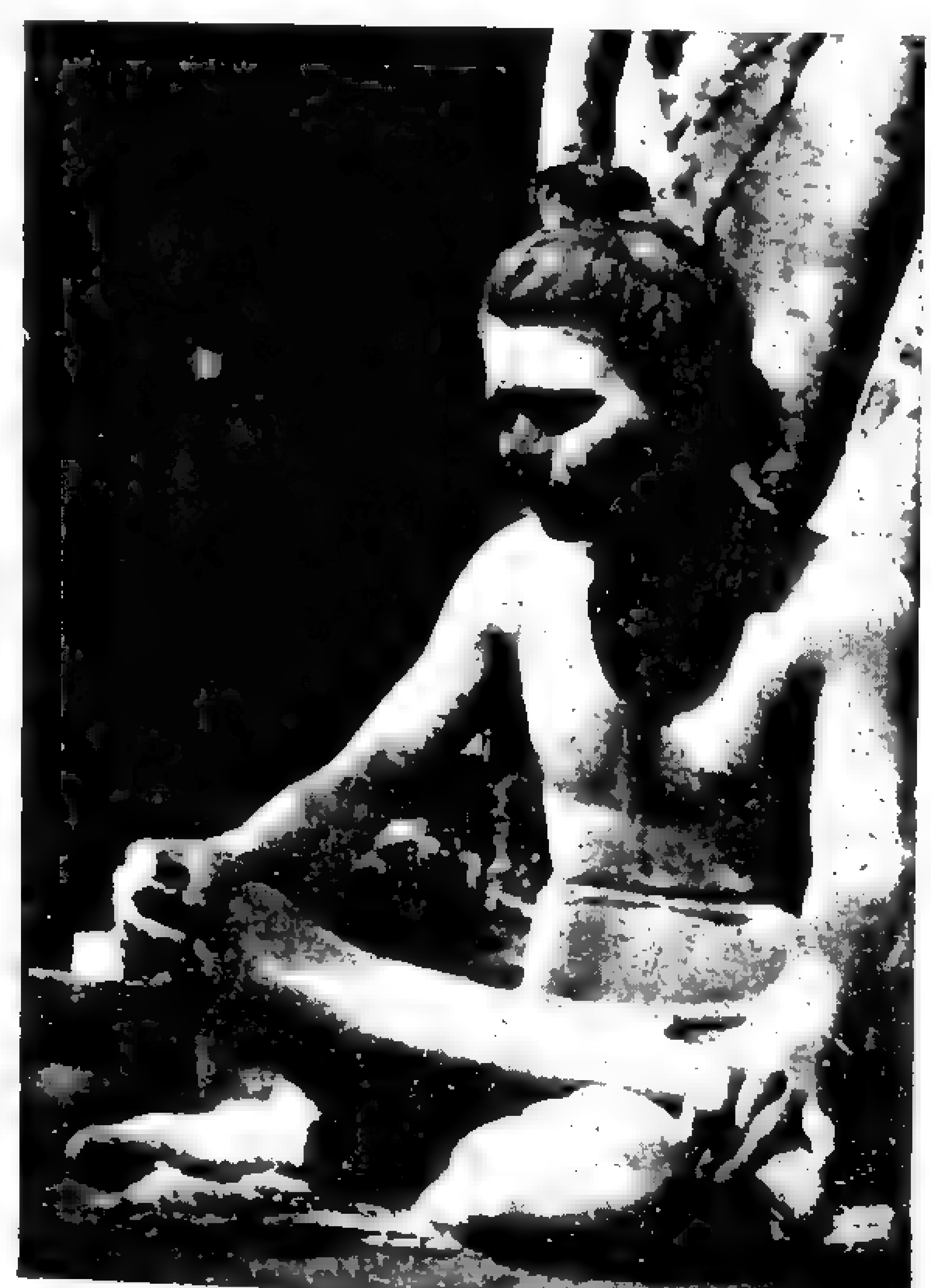
نیچے – وشواناتھ جی کے مندر کا اوپری حصہ



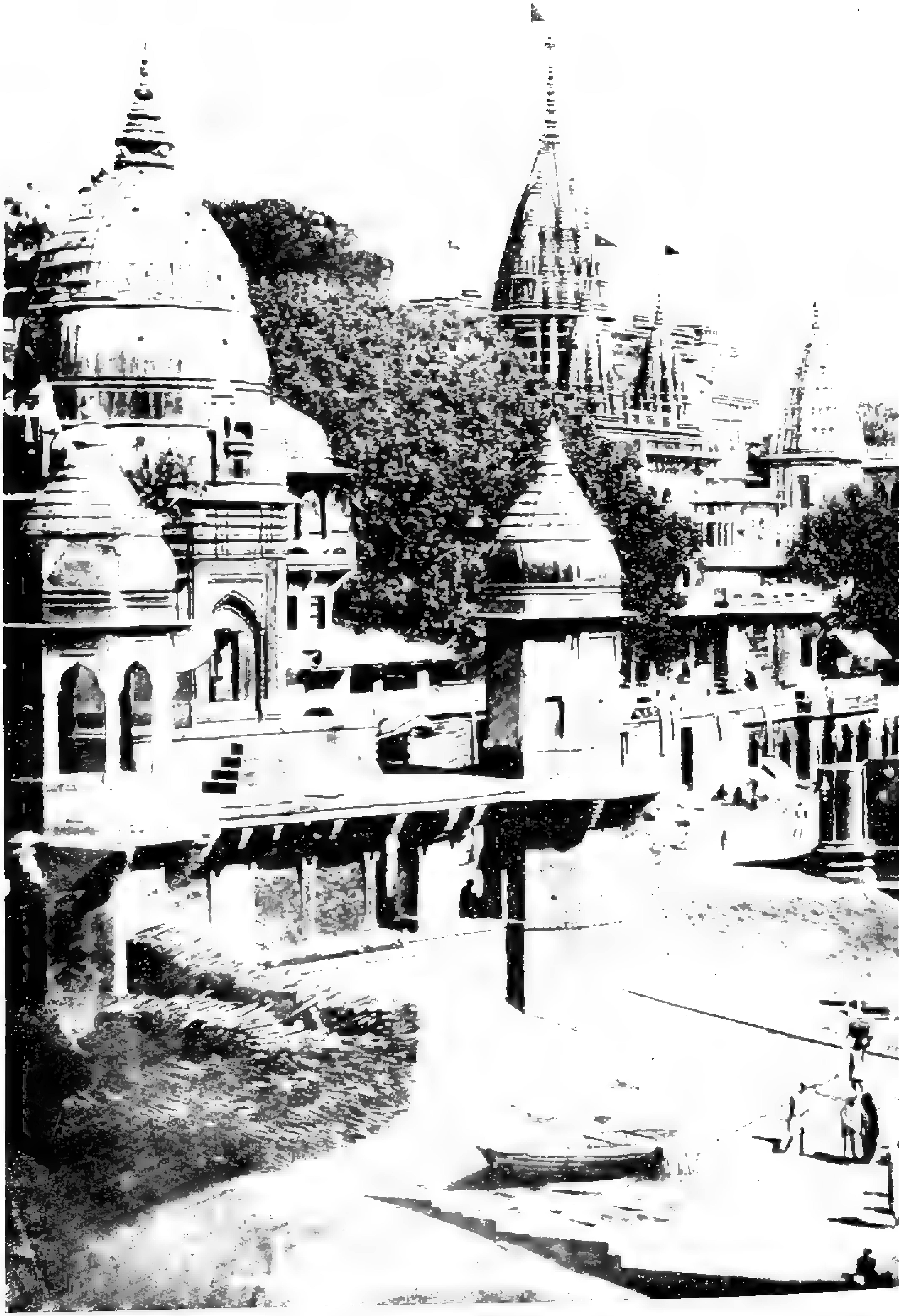
वनारस का एक घाट
بنارس کا ایک گھات



वनारस का एक साधु
بنارس کا ایک سادھو



एक नागा साधु
ایک ناگا سادھو



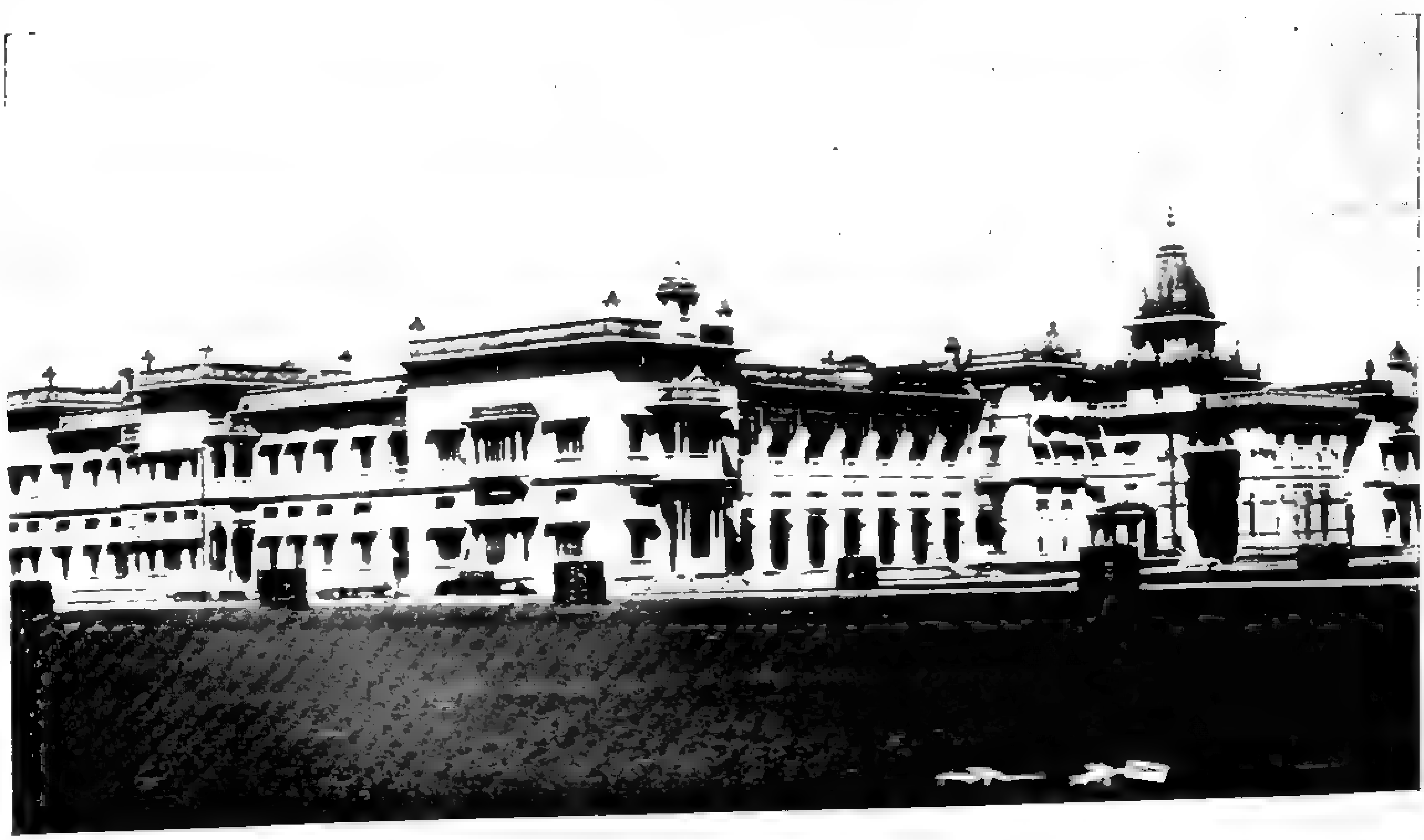


बनारस के मणि-
कर्णिका घाट का एक
सुन्दर दृश्य

بنارس کے منیکرنیکا
گھاٹ کا ایک دلکش
منظر



हिन्दू-यूनिवर्सिटी का आर्ट्स कालेज, बनारस
هندو یونیورسٹی کا آرٹس کالج - بنارس



हिन्दू-यूनिवर्सिटी का साइंस-कालेज, बनारस
هندو یونیورسٹی کا سائنس کالج - بنارس



सारनाथ में मूलगन्ध कुटी विहार, बनारस
سارناتھ میں مول گندھ کٹی وھار - بنارس



सारनाथ का (धमेख) स्तूप, बनारस
سارناتھ کا (دھمیکھ) اسٹوپ - بنارس



सारनाथ की पुरानी संगतराशी का एक नमूना
سارناتھ کی پرانی سنگتراشی کا ایک نمونہ





ऊपर—सारनाथ के अजायबघर में बुद्ध-देव की एक मूर्ति, बनारस

اوپر - سارناتھ کے عجائب گھر میں بُدھ دیو کی ایک مورتی - بنارس

नीचे—सारनाथ में अशोक के स्तम्भ का शिरोभाग, बनारस

نیچے - سارناتھ میں اشوک کے کھمبے کا اوپری حصہ - بنارس



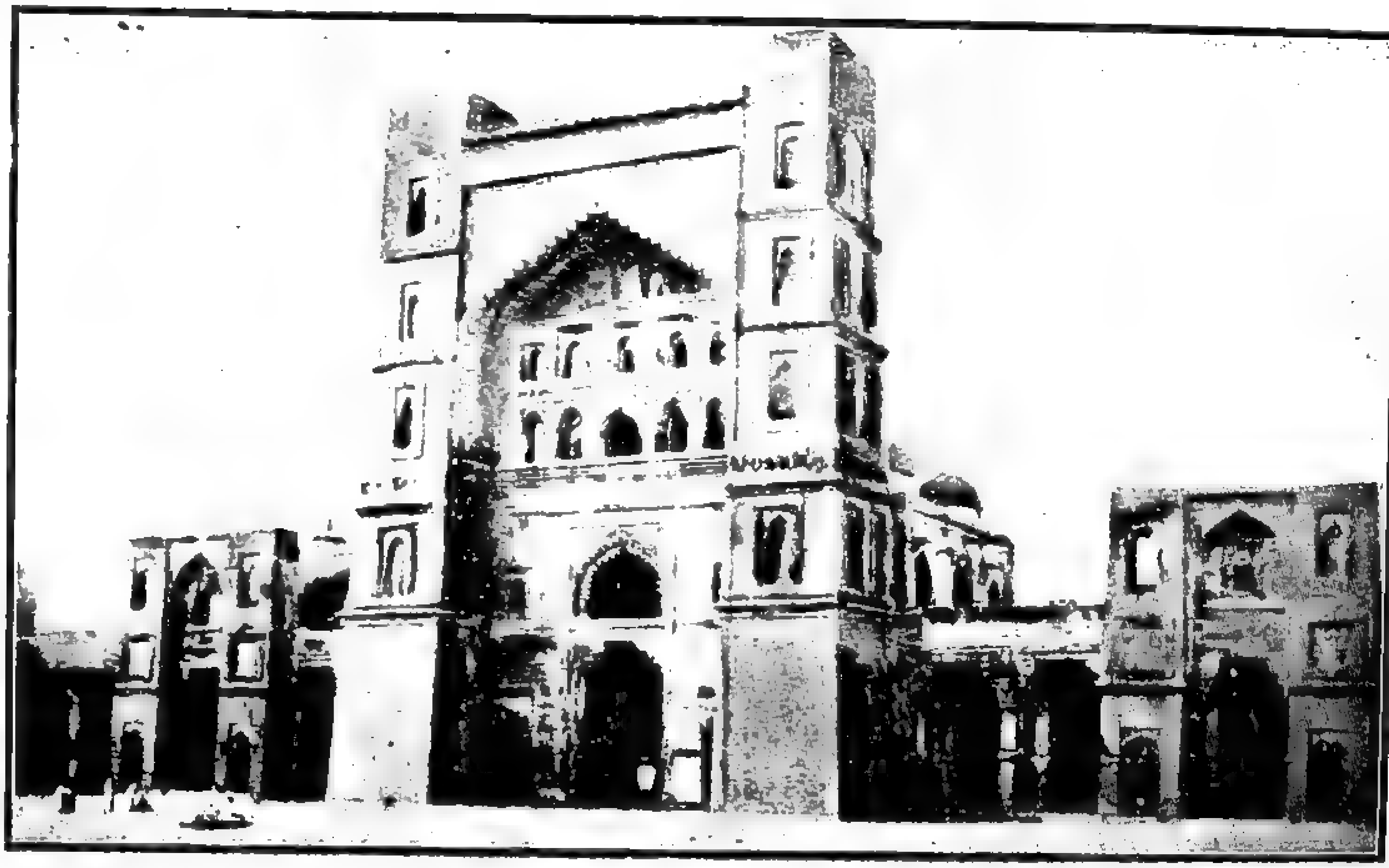


ऊपर—भारतमाता-मन्दिर, बनारस

اُوپر - بھارت ماتا کا مندر بنارس

नीचे—नागरी-प्रचारिणी-सभा का भवन, बनारस

نیچے - ناگری پرچارنی سبھا کی عمارت - بنارس

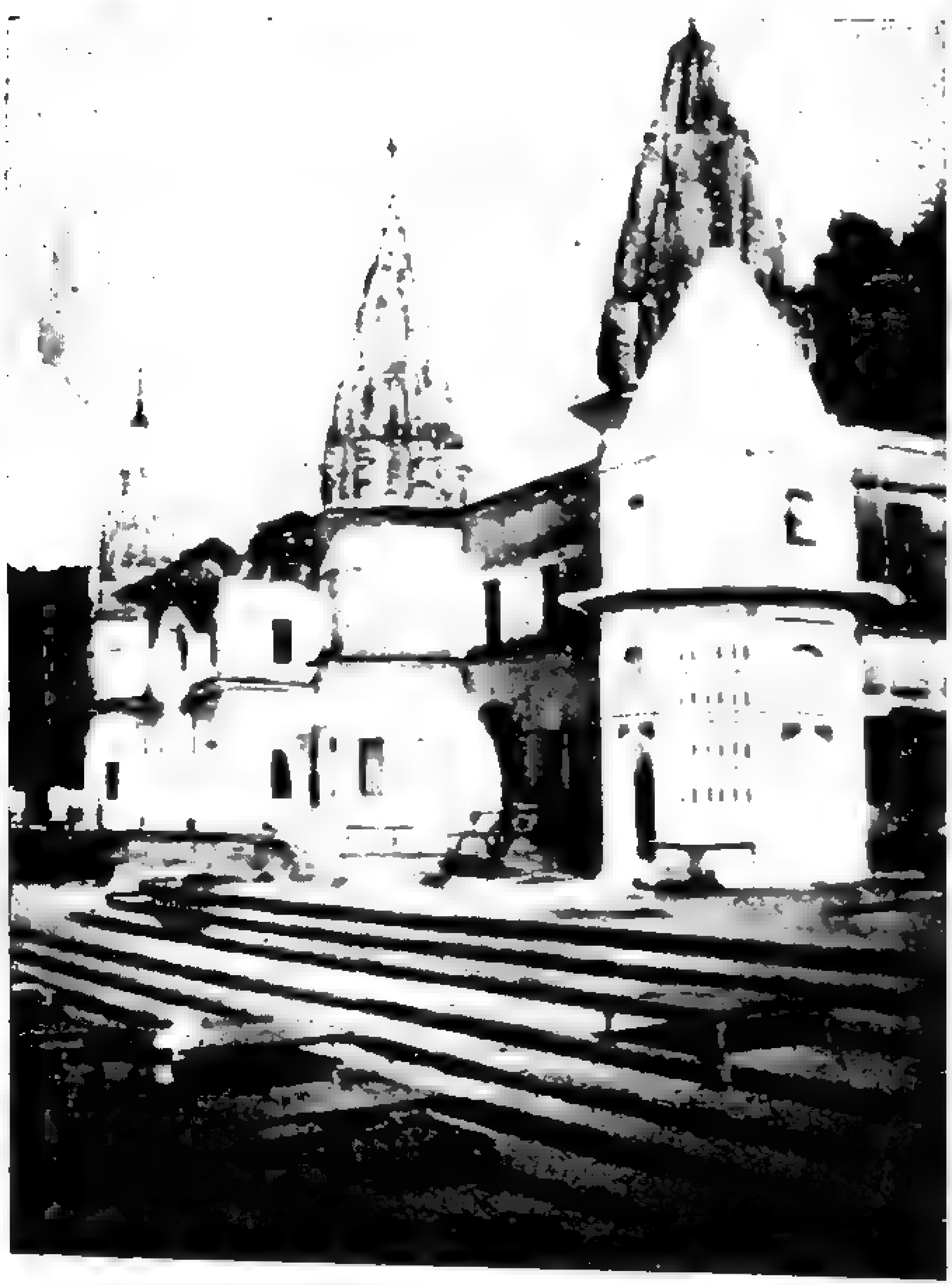


अटाला मस्जिद, जौनपुर
اٹالہ مسجد - جونپور



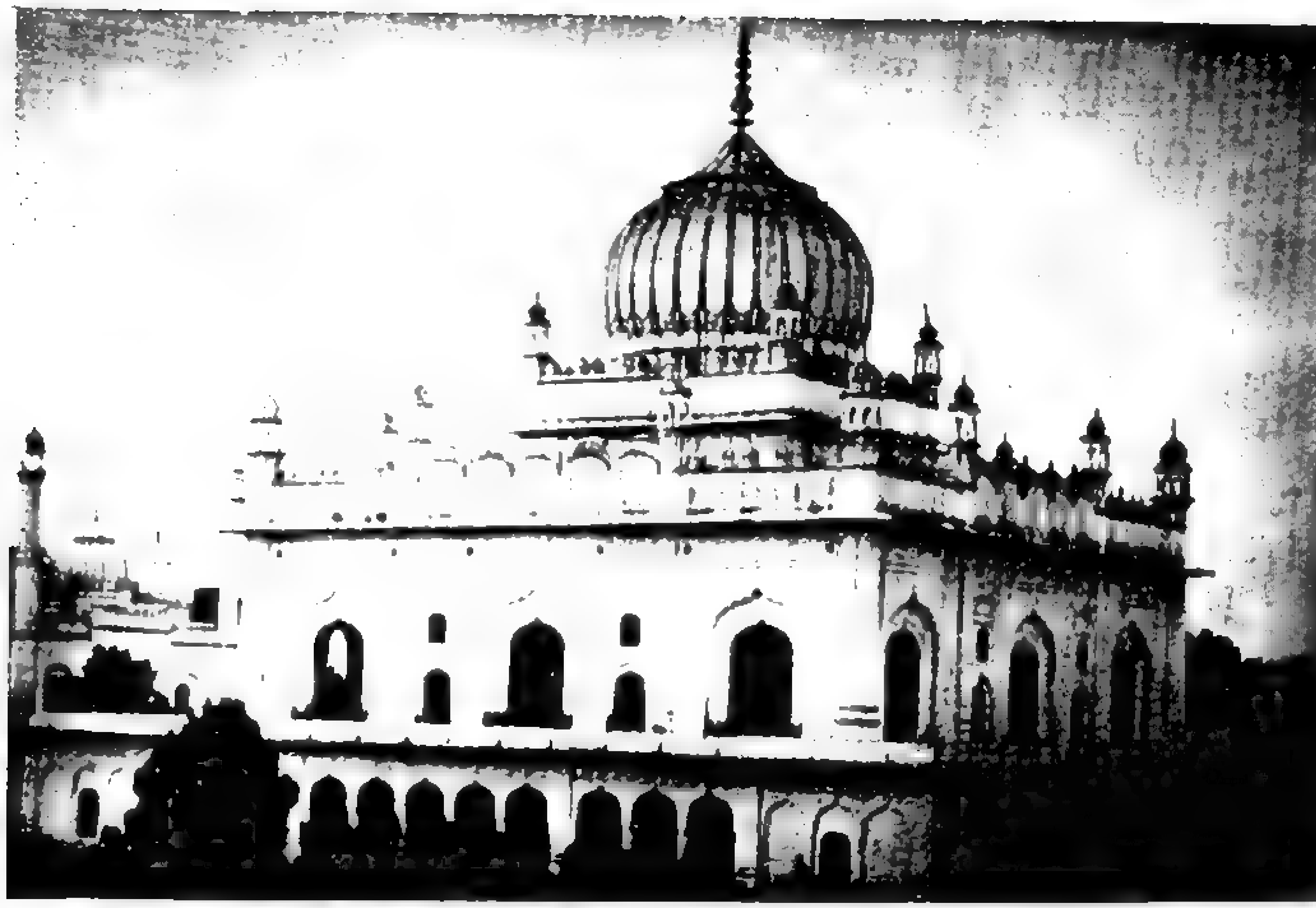
जौनपुर में गोमती नदी का पुल
جونپور میں دریائے گومتي کا پُل





ऊपर—हनुमानगढ़ी, अयोध्या
اُوپر - هنومان گڑهي - اجودهيا

नीचे—गुप्तारघाट, अयोध्या
نيچے - گپتار گهاٹ - اجودهيا



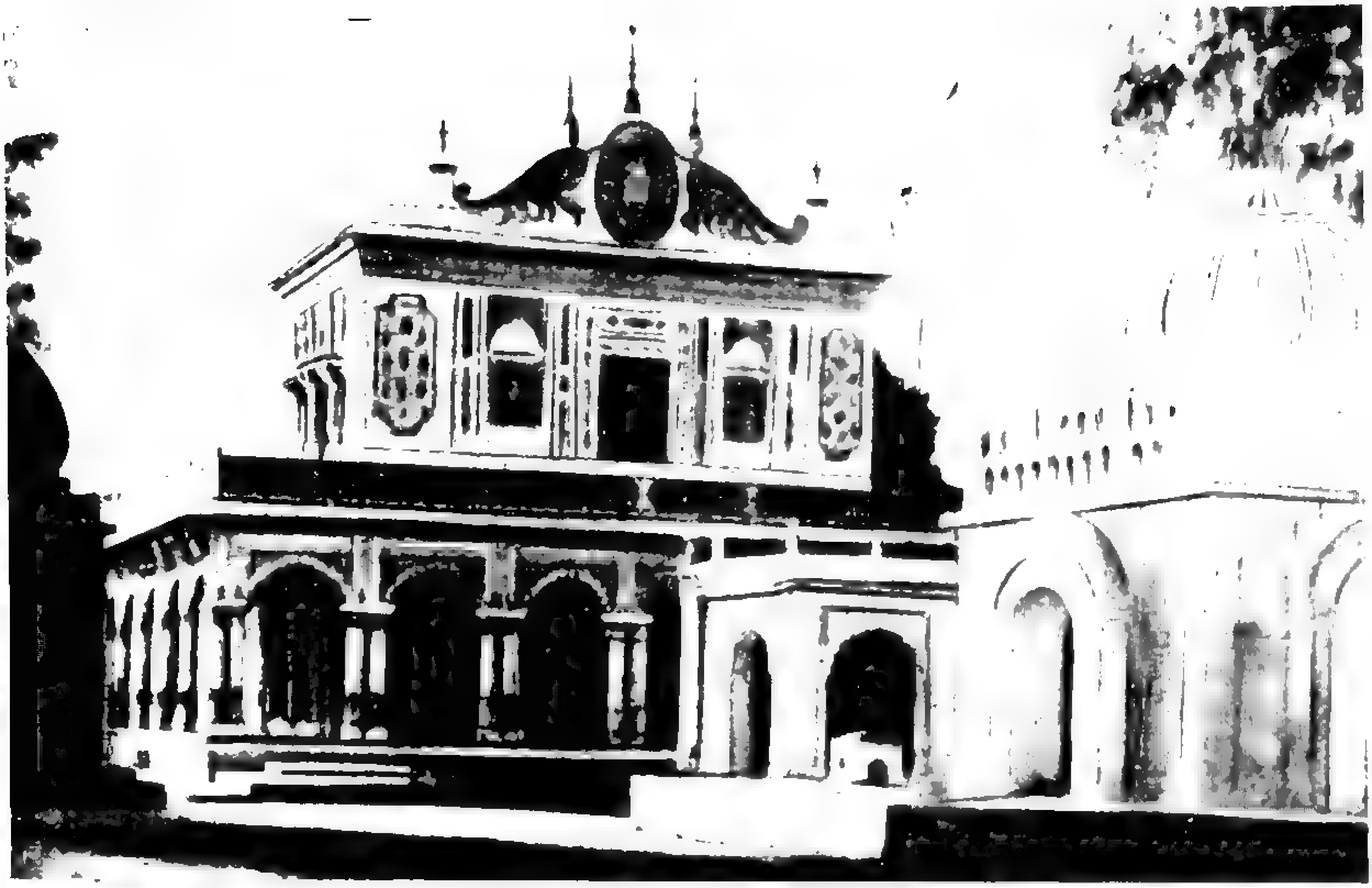
गुलाब-बाड़ी, फ़ैज़ाबाद

گلاب باڑي - فيض آباد



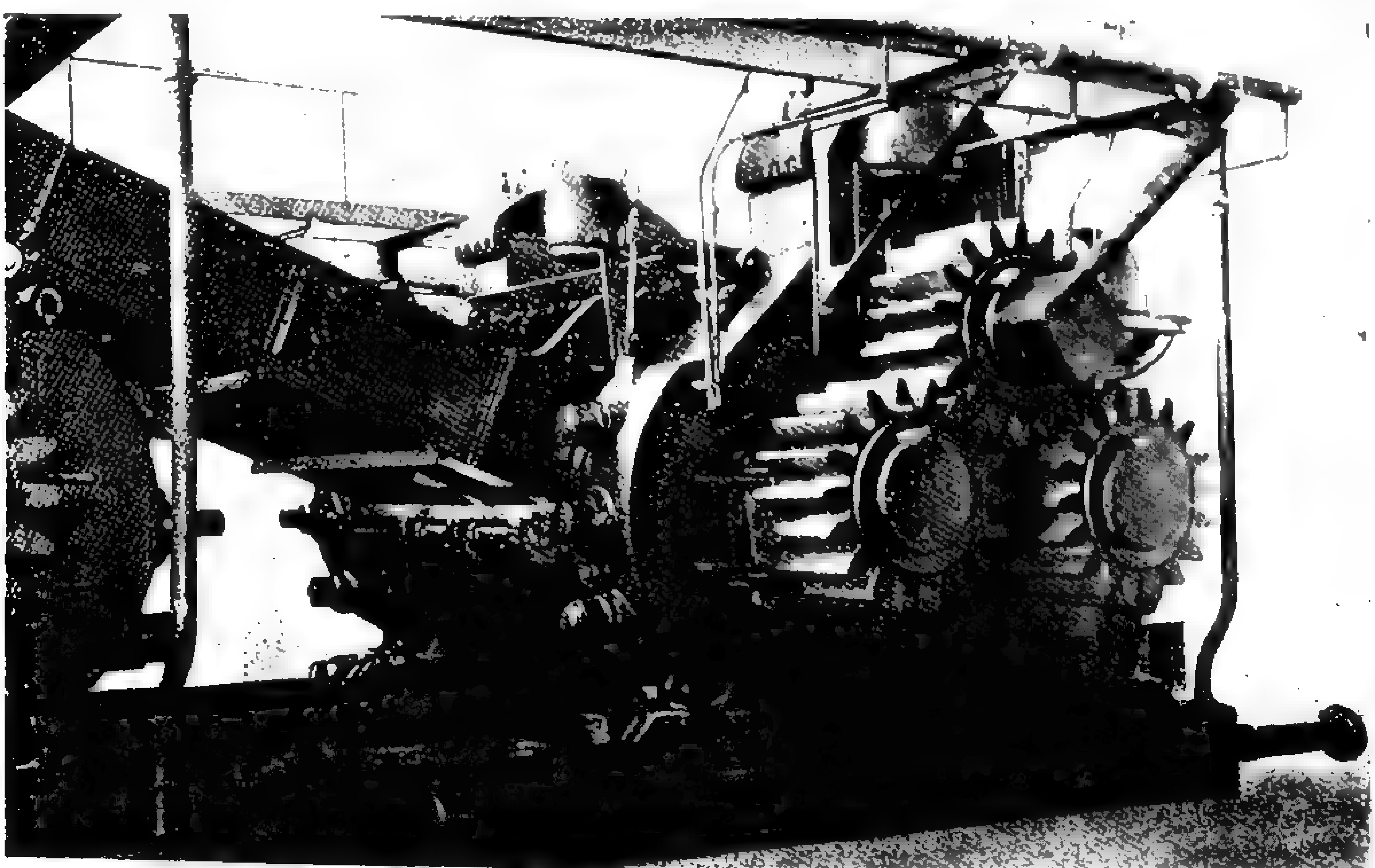
कुएँ पर स्त्रियाँ पानी भर रही हैं, फ़ैज़ाबाद

کنویں پر عورتیں پاني بھر رهي هیں - فیض اباد



गुरु गोरखनाथ का मन्दिर, गोरखपुर

گرو گورکھ ناتھ کا مندر - گورکھپور



गन्ना पेरने की एक मशीन, गोरखपुर

گنّا پیرنے کی ایک مشین - گورکھپور



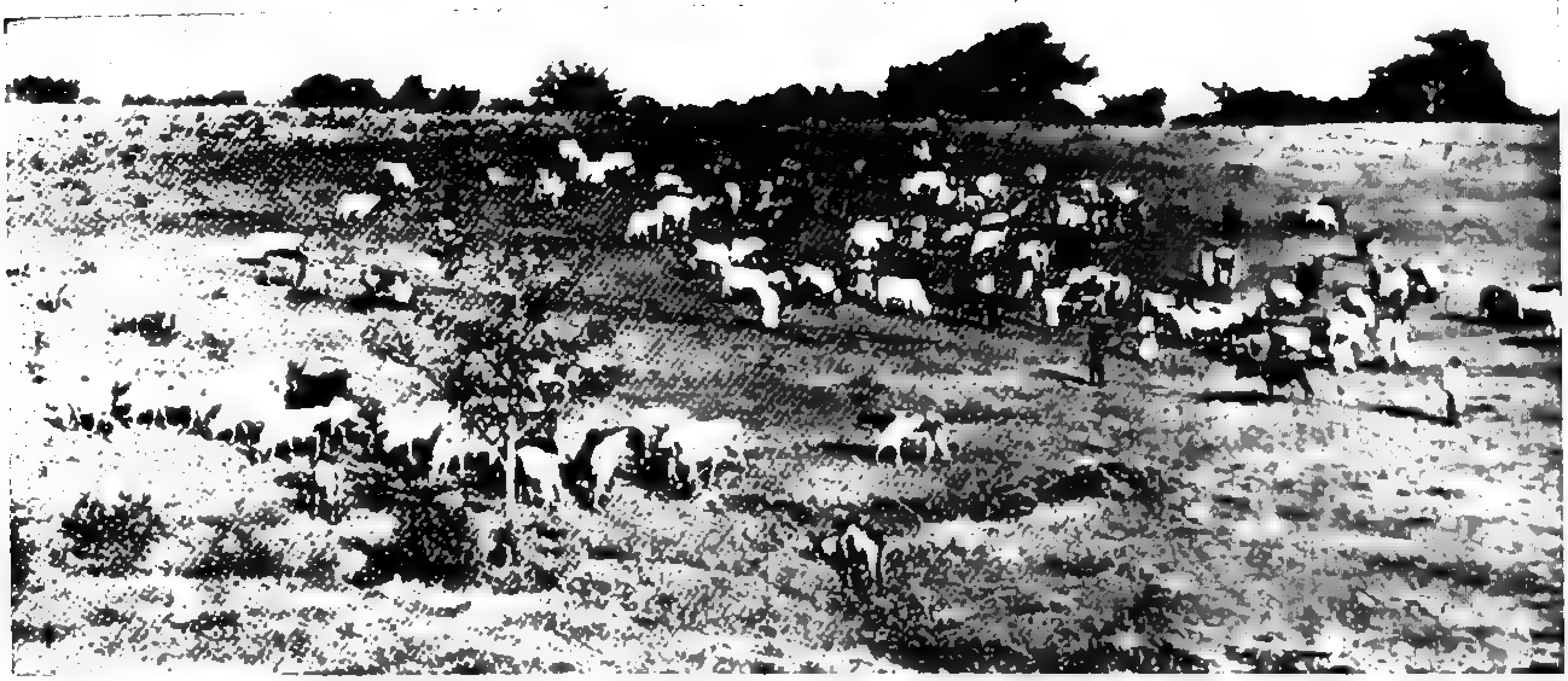


ऊपर—एक स्त्री गन्ना पेर कर रस निकाल रही है

اوپر - ایک عورت گنّا پیر کر رس نکال رہی ہے

नीचे—गोरखपुर में गन्ने का एक खेत

نیچے-گورکھپور میں گنّے کا ایک کھیت





ऊपर—देहात की एक चरागाह

اوپر-دیہات کی ایک چراگاہ

नीचे—देहाती स्त्रियाँ मिट्टी के वर्तनों पर चित्रकारी कर रही हैं

نیچے - دیہاتی عورتیں مٹی کے برتنوں پر نقش ونگار بنا رہی ہیں -



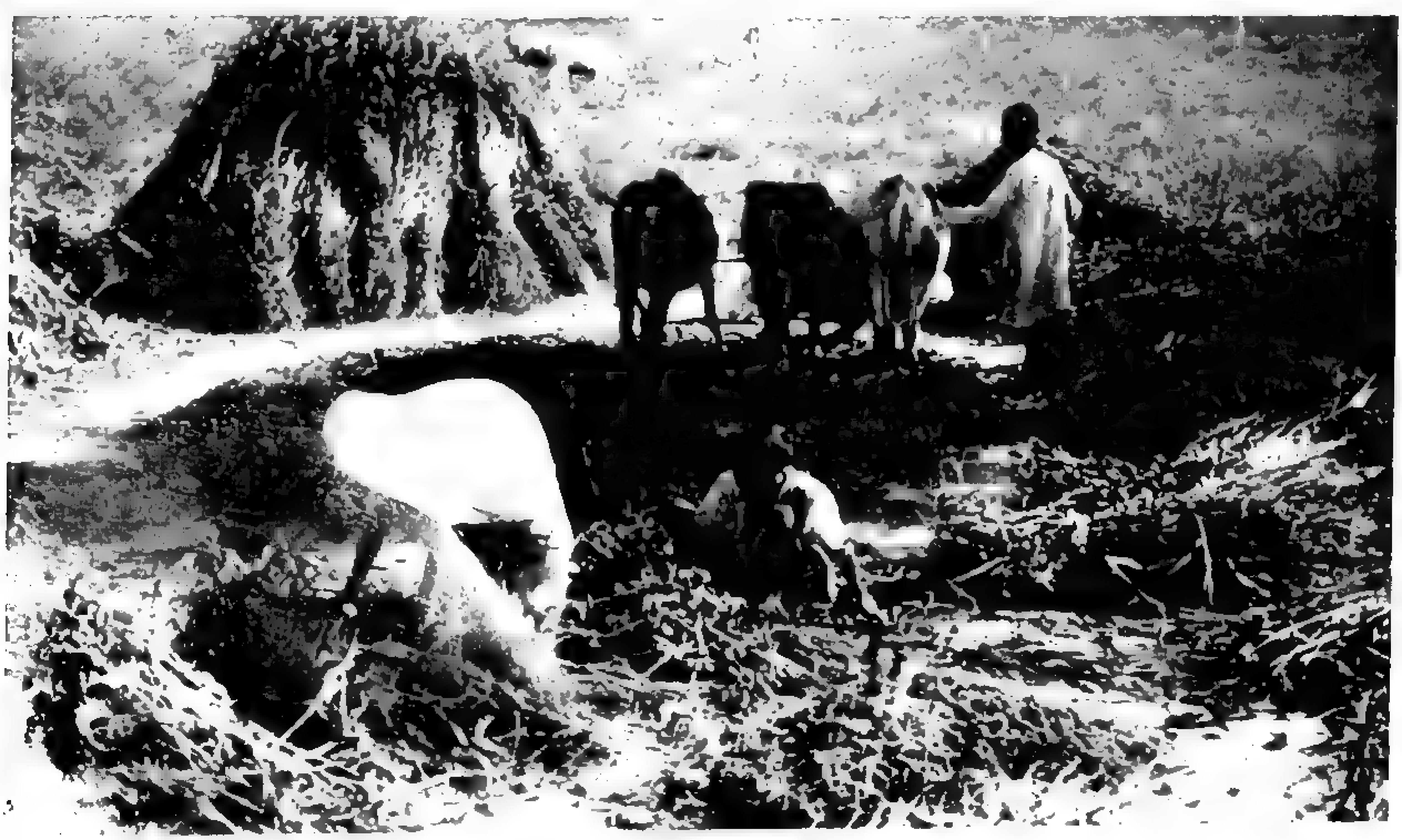
एक किसान खेत जोत रहा है

ایک کسان کھیت جوت رہا ہے



एक कुम्हार बर्तन बना रहा है

ایک کمہار برتن بنا رہا ہے



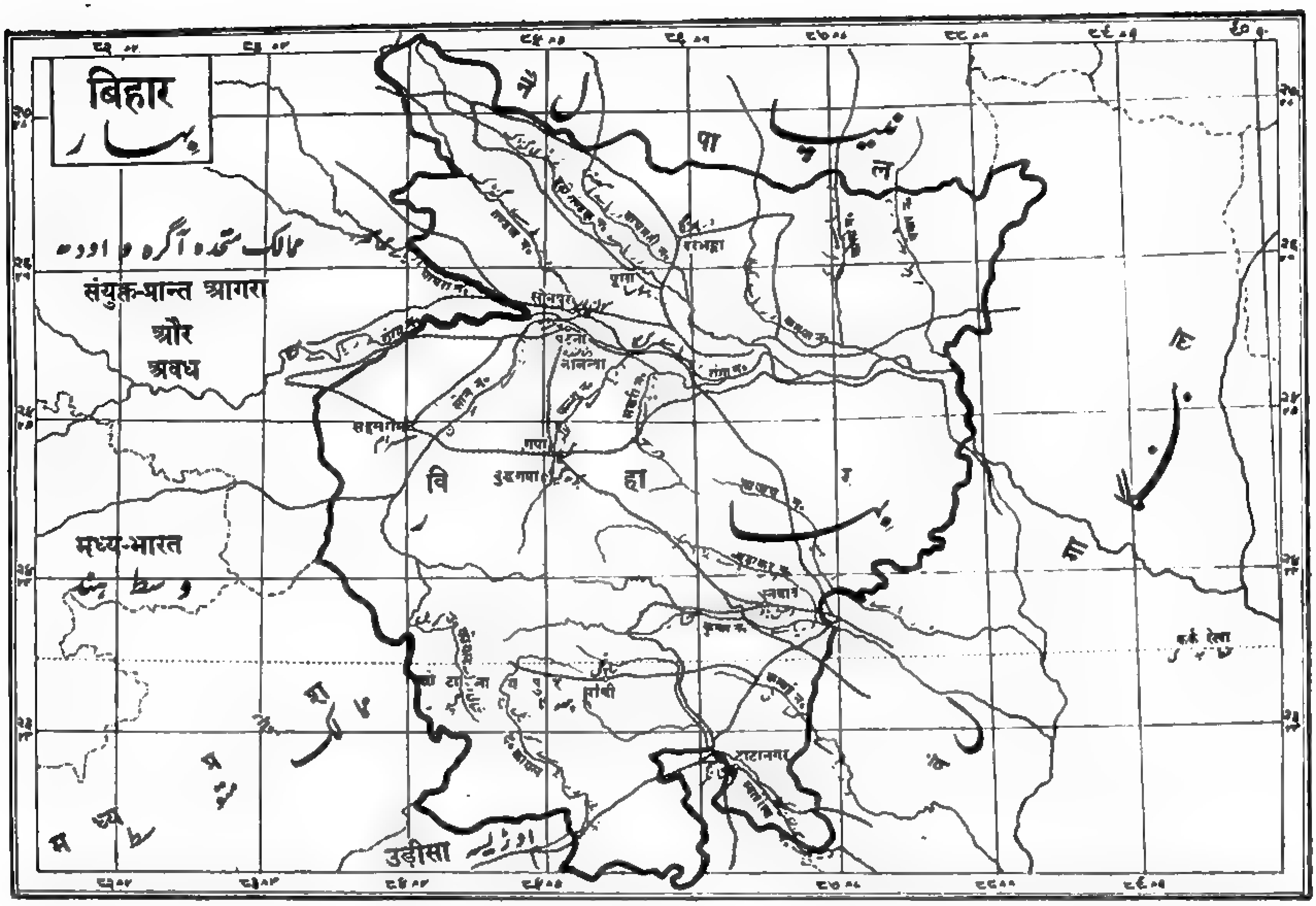
खलिहान में गल्ले की मड़ाई हो रही है

کھلیان میں غلّے کی مڑائی ہو رہی ہے



बुद्धगया का मन्दिर

بدھ گیا کا مندر



बिहार

बिहार के दो प्राकृतिक विभाग हैं—(१) बिहार और (२) छोटानागपुर।

उड़ीसा पहले बिहार के ही अन्तर्गत था, किन्तु अब वह एक अलग प्रान्त बन गया है।

बिहार-प्रान्त में कोयला तथा अभ्रक की खानें बहुत है। अन्य खनिज-पदार्थ टीन, शोरा, सोना, ताँबा, मेंगनीज़ और लोहा आदि भी मिलते हैं। जमशेदपुर में ताता का लोहे का बड़ा कारखाना है। गया हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ है और बौद्ध-मन्दिर के लिए मशहूर है।

इस प्रान्त का क्षेत्रफल ५१,००० वर्गमील और जन-संख्या २,५७,२०,५०० है। यहाँ का जलवायु अच्छा है। गर्मियों का सरकारी पहाड़ी निवास-स्थान राँची है।

بہار

بہار دو قدرتی حصّوں میں بٹا ہوا ہے- (۱) بہار اور (۲) چھوٹا ناگپور - پہلے اُڑیسہ بھی اسی میں شامل تھا لیکن اب وہ ایک الگ صوبہ بن گیا ہے- صوبہ بہار میں کوئلہ اور ابرق کی کانیں بکثرت ہیں - ان کے علاوہ ٹین، شورہ، سونا، تانبا، مینگنیز اور لوہا بھی یہاں پایا جاتا ہے- جمشیدپور میں ٹاٹا کا لوہے کا بڑا کارخانہ ہے- گیا ہندوؤں کا مشہور تیرتھ ہے اور بودھ مندر کے لئے مشہور ہے - اس صوبہ کا رقبہ ۵۱،۰۰۰ مربع میل اور آبادی ۲،۵۷،۲۰،۵۰۰ ہے - یہاں کی آب و ہوا اچھی ہے - گرمیوں کا سرکاری پہاڑی مقام رانچی ہے -



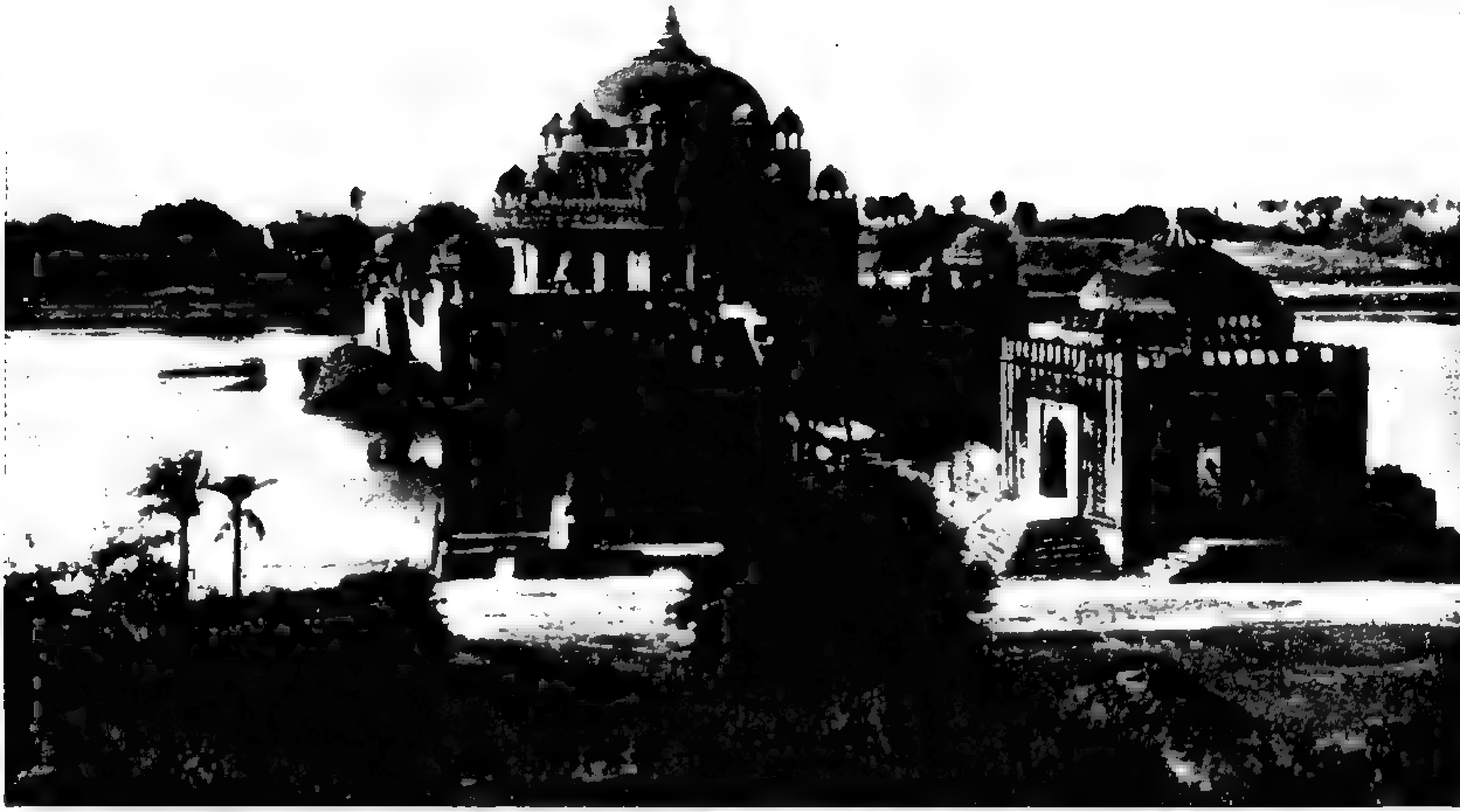
बुद्ध-गया का बुद्ध-मन्दिर
بدھ گیا کا بدھ مندر



बोधि-वृक्ष और मन्दिर, बुद्ध-गया
بودھی درخت اور مندر - بدھ گیا



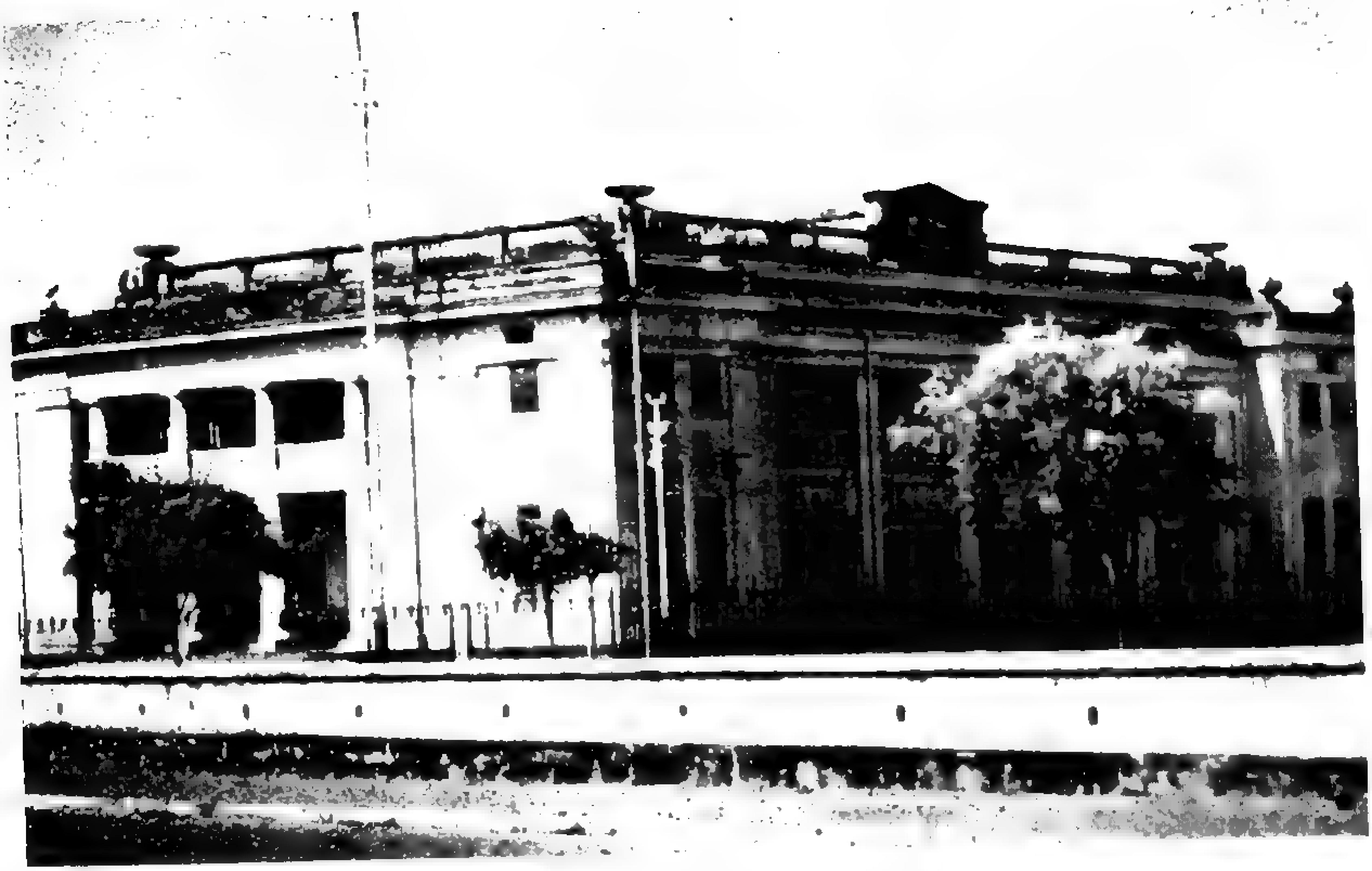
नालन्दा-विश्वविद्यालय के ध्वंसावशेष का एक दृश्य
نالندہ یونیورسٹی کے کھنڈرات کا ایک منظر



शेरशाह का मक़बरा, सहसराम
شیر شاہ کا مقبرہ - سہسرام



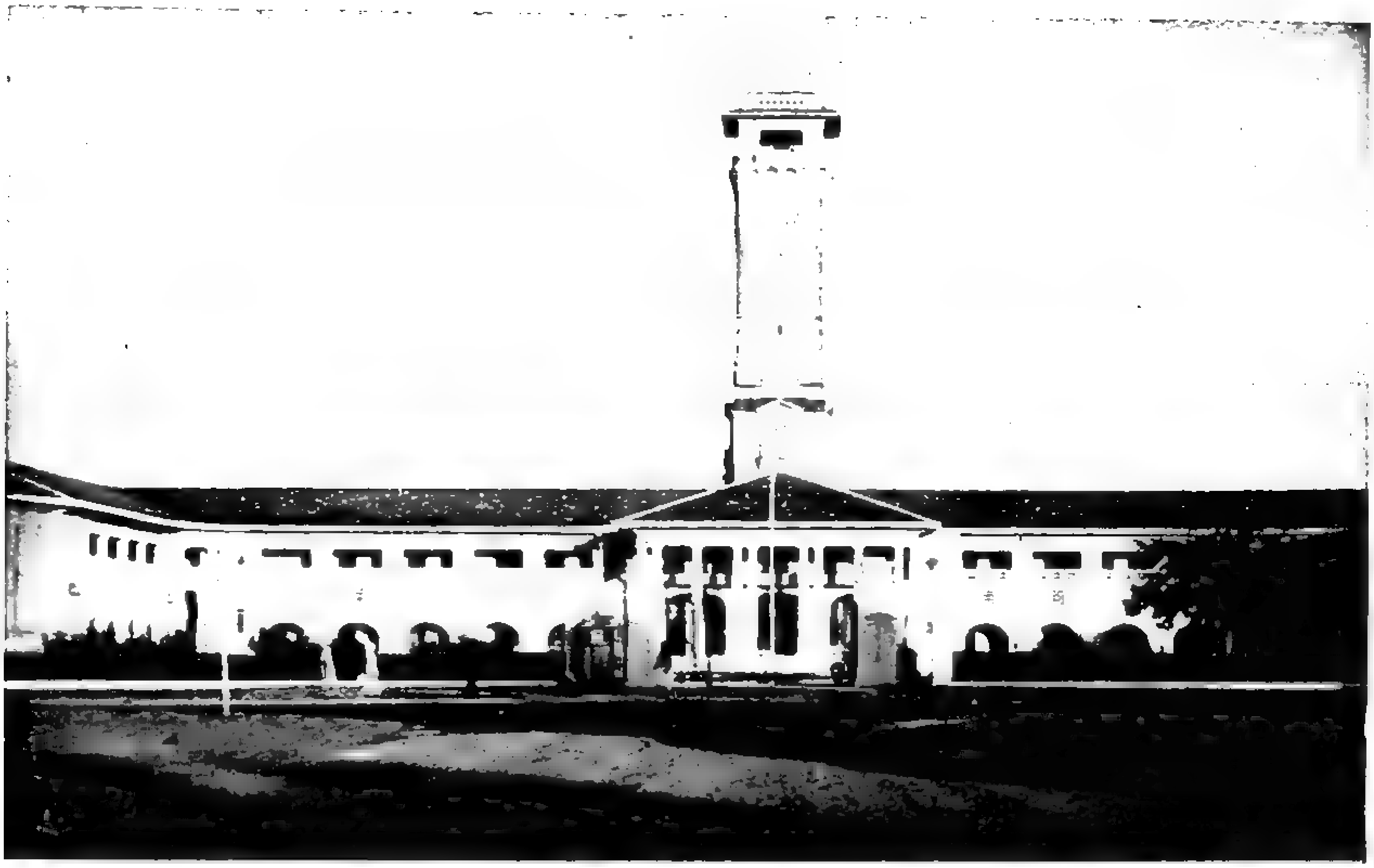
महेन्द्रूघाट और कलेक्टरी कचहरी का एक दृश्य, पटना
مہیندرو گھات اور کلکٹری کچہری کا ایک نظارہ - پٹنہ



पटना-यूनिवर्सिटी का साइन्सकालेज, पटना
پٹنہ یونیورسٹی کا سائینس کالج - پٹنہ



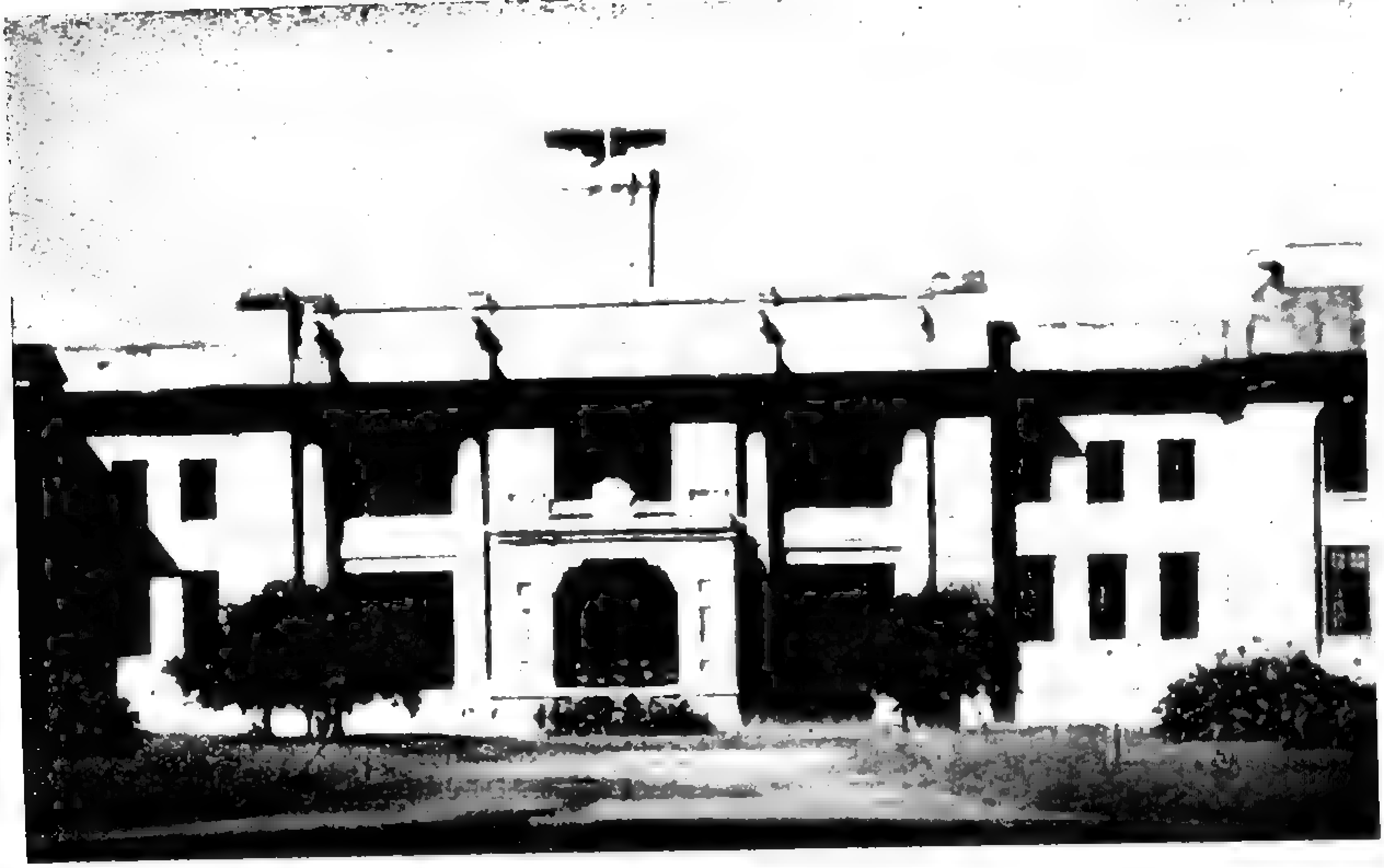
अजायबघर, पटना
عجائب گھر - پٹنہ



प्रान्तीय सरकार के दफ़्तर, पटना
صوبہ کی سرکار کے دفتر - پٹنہ



[illegible], पटना
ہائی کورٹ - پٹنہ



कौंसिल-चेम्बर, पटना

کونسل چیمبر - پٹنہ



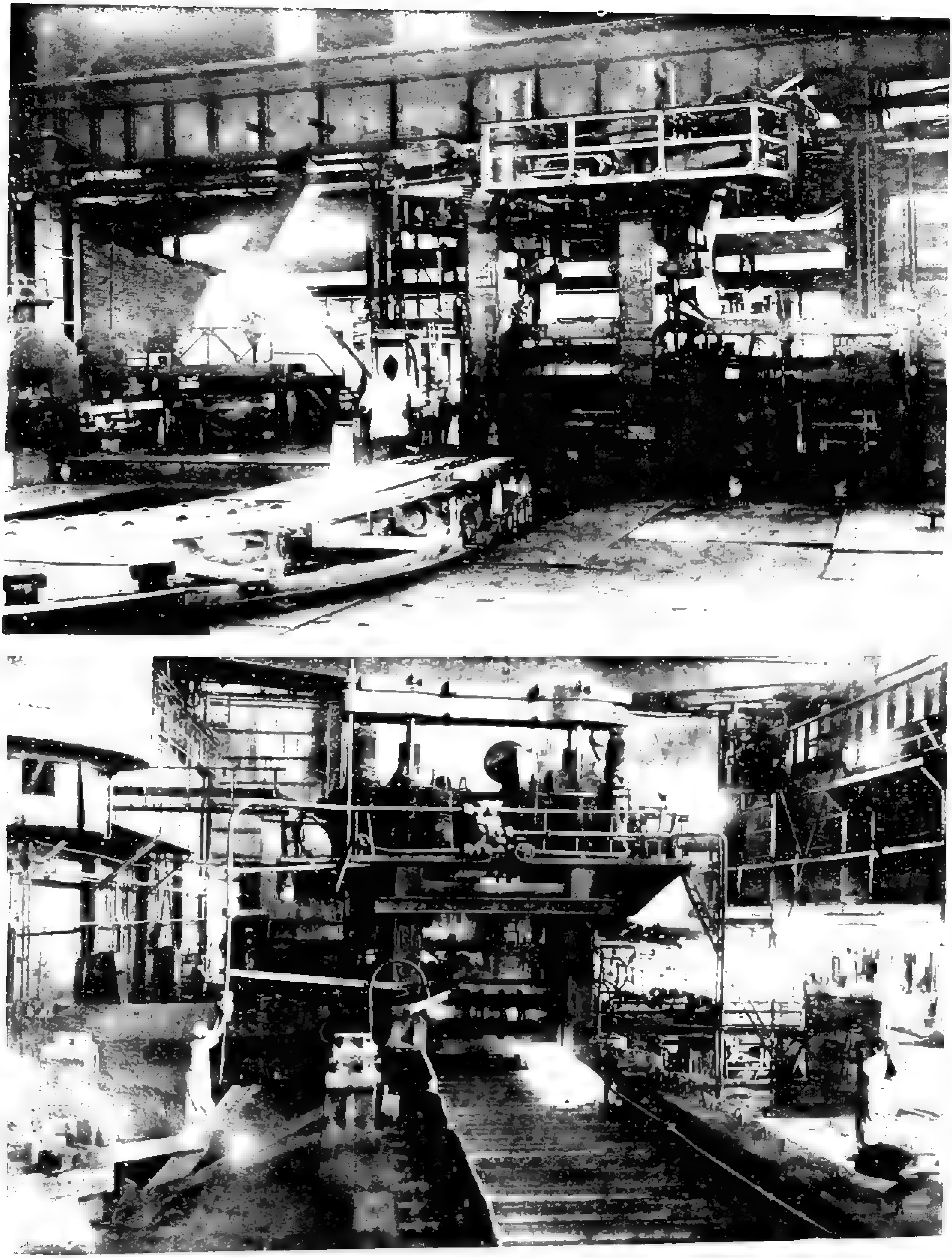
देशरत्न बाबू राजेन्द्रप्रसाद

دیش رتن بابو راجیندر پرشاد



विहार के प्रधान-मंत्री आनरेबुल श्रीकृष्ण सिंह

آنریبل سری کرشن سنہا -اوزیراعظم صوبہ بہار



टाटा कम्पनी के लोहे के कारखाने के दो दृश्य

ٹاٹا کمپنی کے لوہے کے کارخانے کے دو منظر



रेशम-कोश का बाज़ार (छोटा नागपुर)

ابریشم کے کوے کا بازار (چھوٹا ناگپور)



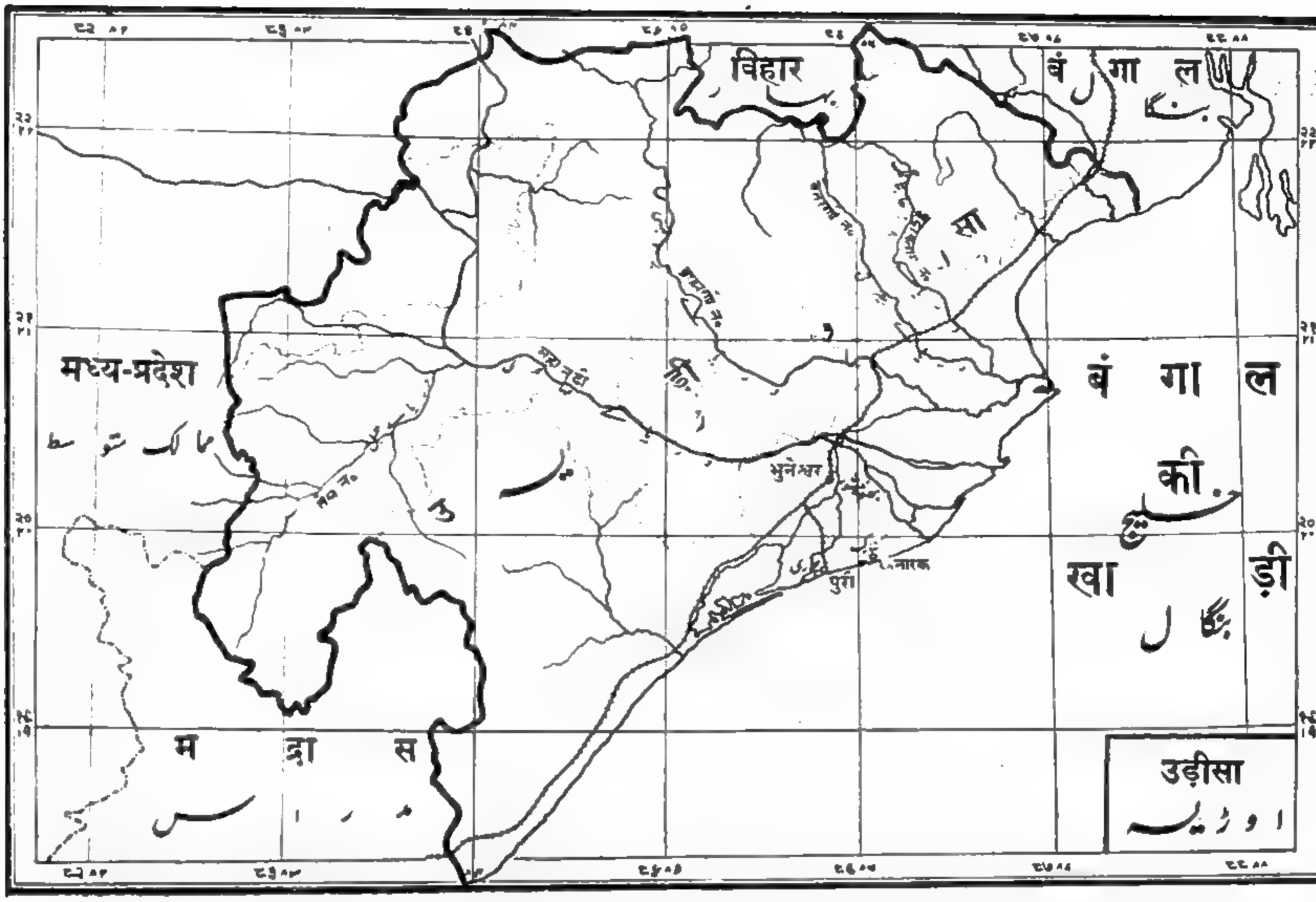
संथाल लोग बाज़ार जा रहे हैं (छोटा नागपुर)

سنتھال لوگ بازار جارہے ہیں (چھوٹا ناگپور)



रस्सी बनानेवाली स्त्रियाँ (छोटा नागपुर)

رسّی بنانے والی عورتیں (چھوٹا ناگپور)



उड़ीसा

सन् १९३७ से उड़ीसा एक नया प्रान्त बनाया गया है। यह प्रान्त व्यापार तथा कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है। कोयला, लोहा, मेंगनीज़ और अनेक खनिज-पदार्थ यहाँ मिलते हैं। चिलका और पूरी झील की मछलियाँ कलकत्ते को भेजी जाती हैं। यहाँ गन्ना और जूट उत्पन्न होता है। यहाँ की भूमि कम उपजाऊ है। जलवायु भी अच्छा नहीं है। इस प्रान्त का क्षेत्रफल ३२,००० वर्ग-मील और जन-संख्या ५३,०६,१४२ है। जन-समाज प्रायः हिन्दू है। भाषा उड़िया है।

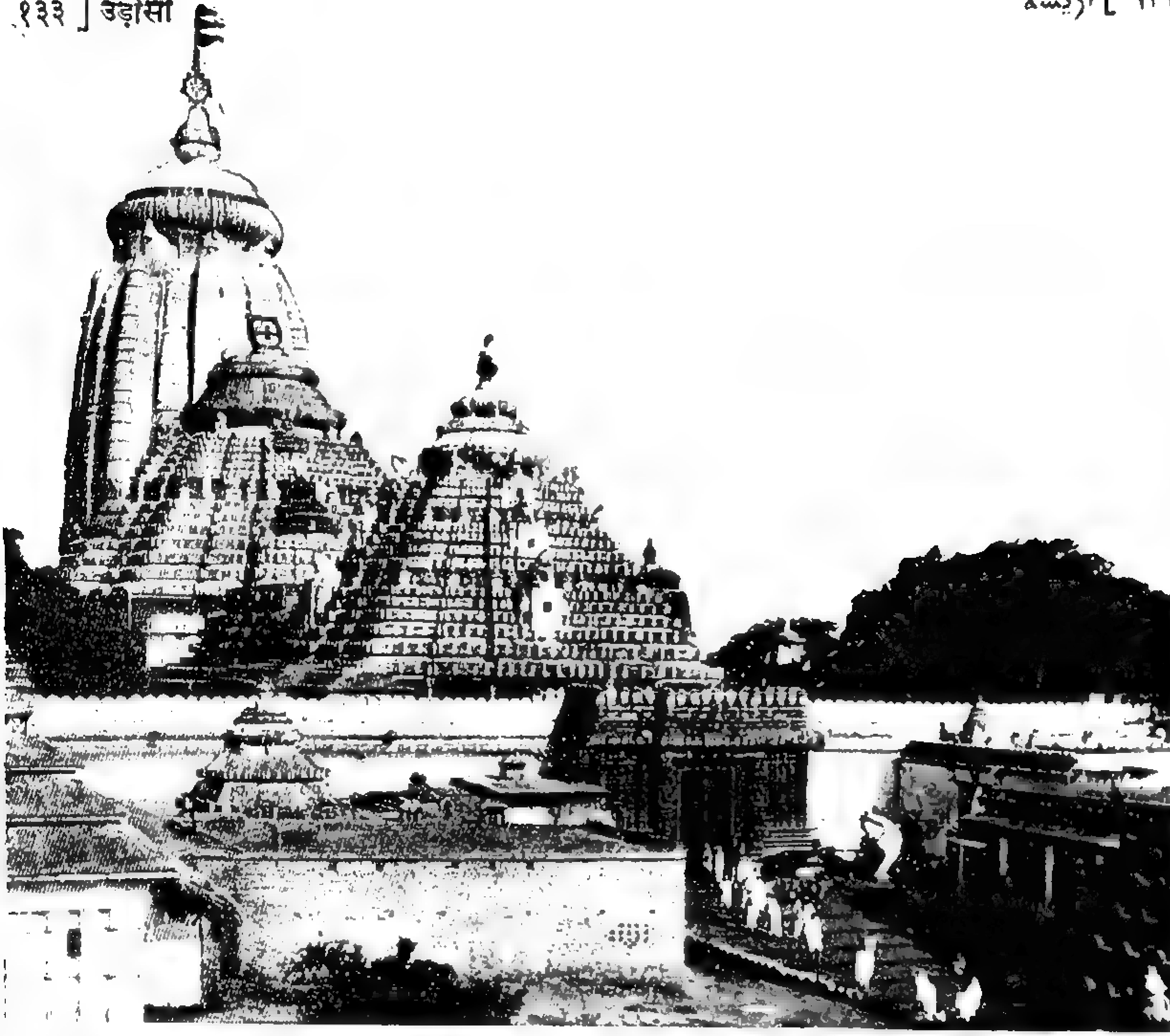


प्रधान मंत्री आनरेबुल श्री विश्वनाथदास

آنریبل بابو بشوا ناتھ داس - وزیراعظم

اُڑیسہ

سنہ ۱۹۳۷ع سے اُڑیسہ ایک نیا صوبہ بن گیا ہے - یہ صوبہ تجارت اور زراعت میں پچھڑا ہوا ہے - کوئلہ، لوہا، مینگنیز اور دیگر اقسام کی کانیں یہاں پائی جاتی ہیں - چلکا اور پوری جھیل کی مچھلیاں تو کلکتہ تک بھیجی جاتی ہیں یہاں گنّا اور جوٹ پیدا ہوتا ہے - یہاں کی زمین کم زرخیز ہے اور آب و ہوا بھی اچھی نہیں ہے - اس صوبہ کا رقبہ ۳۲،۰۰۰ مربع میل اور آبادی ۵۳،۰۶،۱۴۲ ہے - یہاں کے باشندے زیادہ تر ہندو ہیں - یہاں کی زبان اُڑیہ ہے -



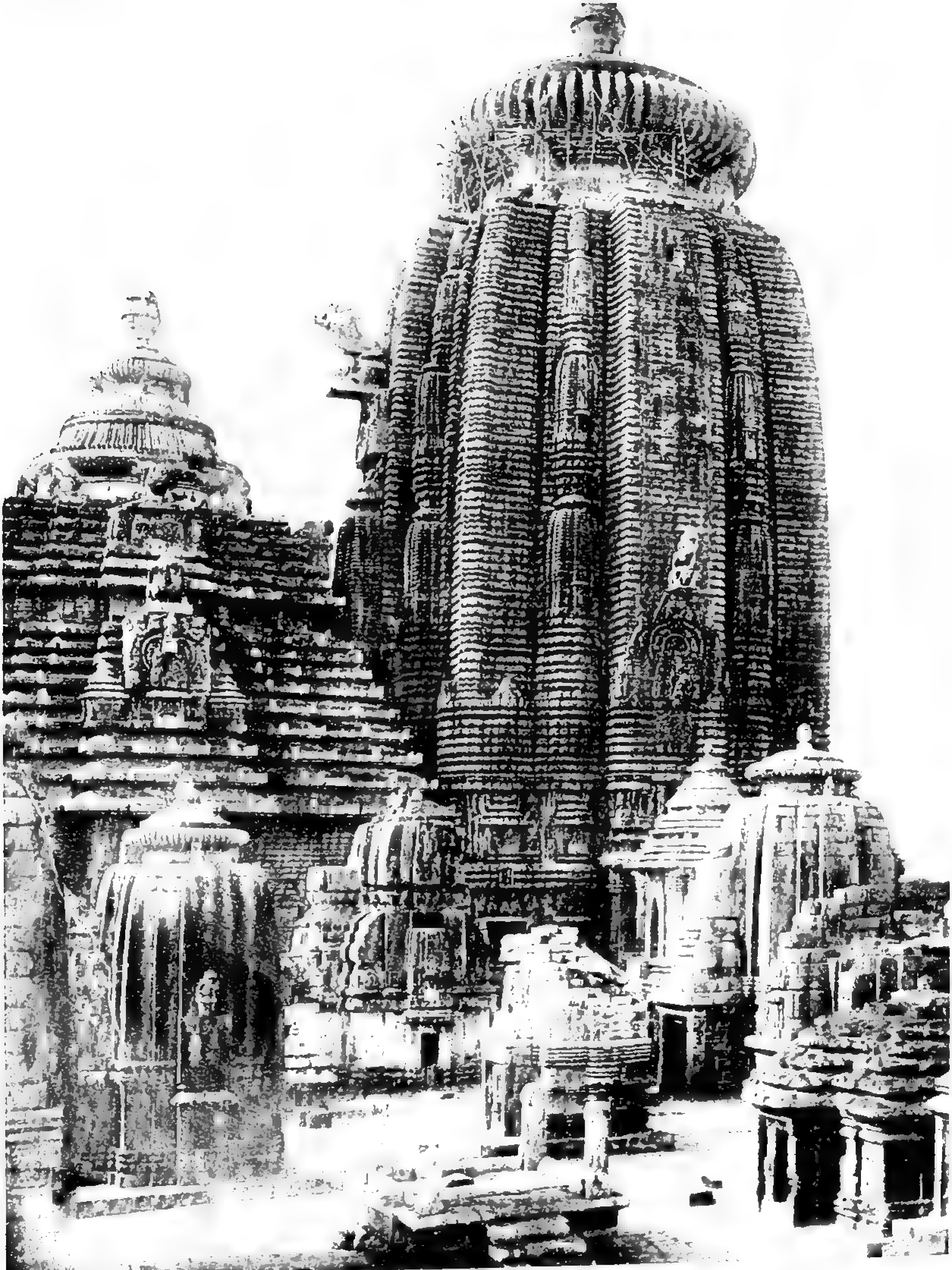
जगन्नाथजी का मन्दिर, पुरी

جگنناتھ جی کا مندر - پوری



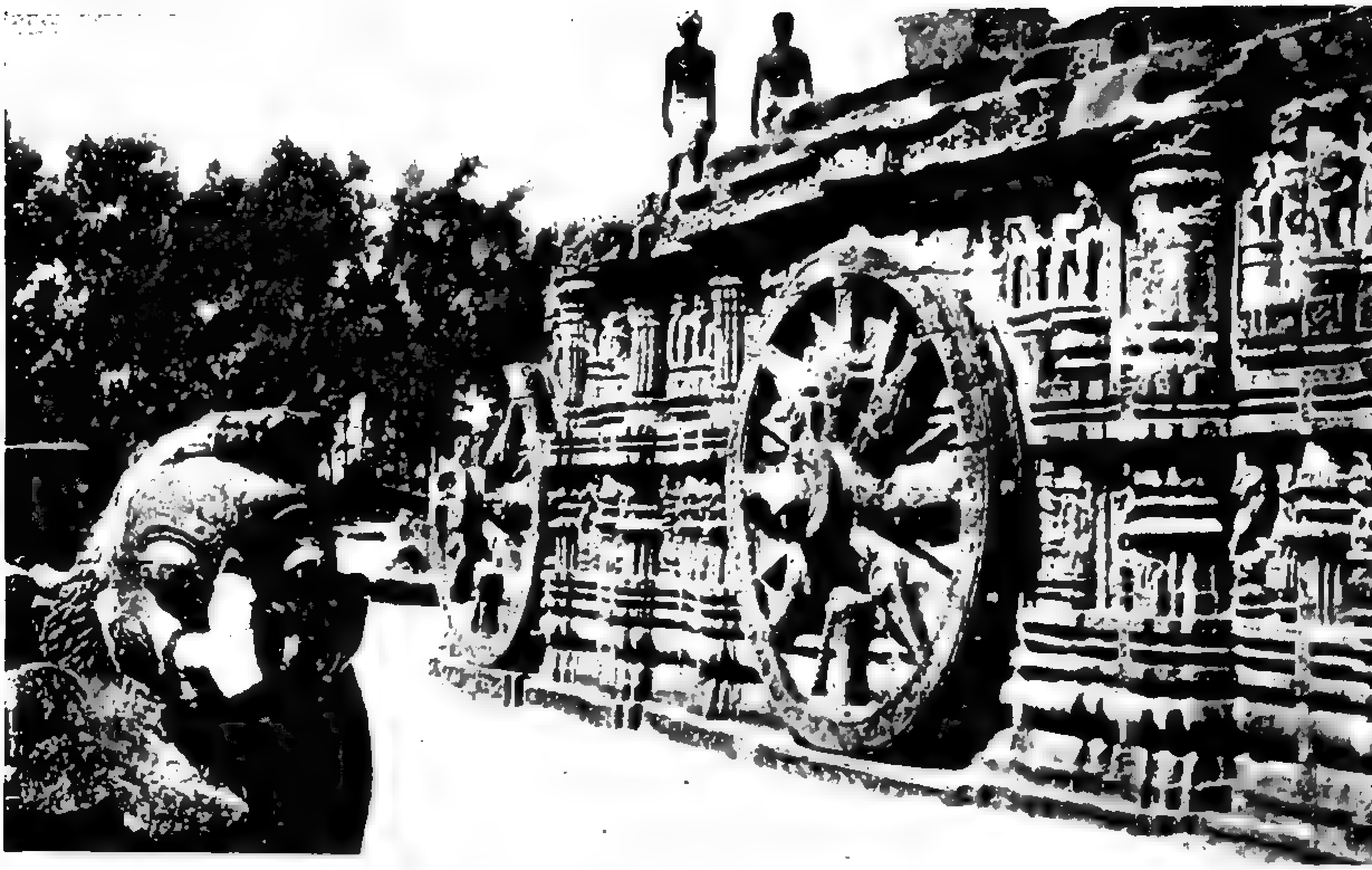
रथ-यात्रा का समारोह, पुरी

رتھ جاترا کے جلوس کا ایک نظارہ - پوری



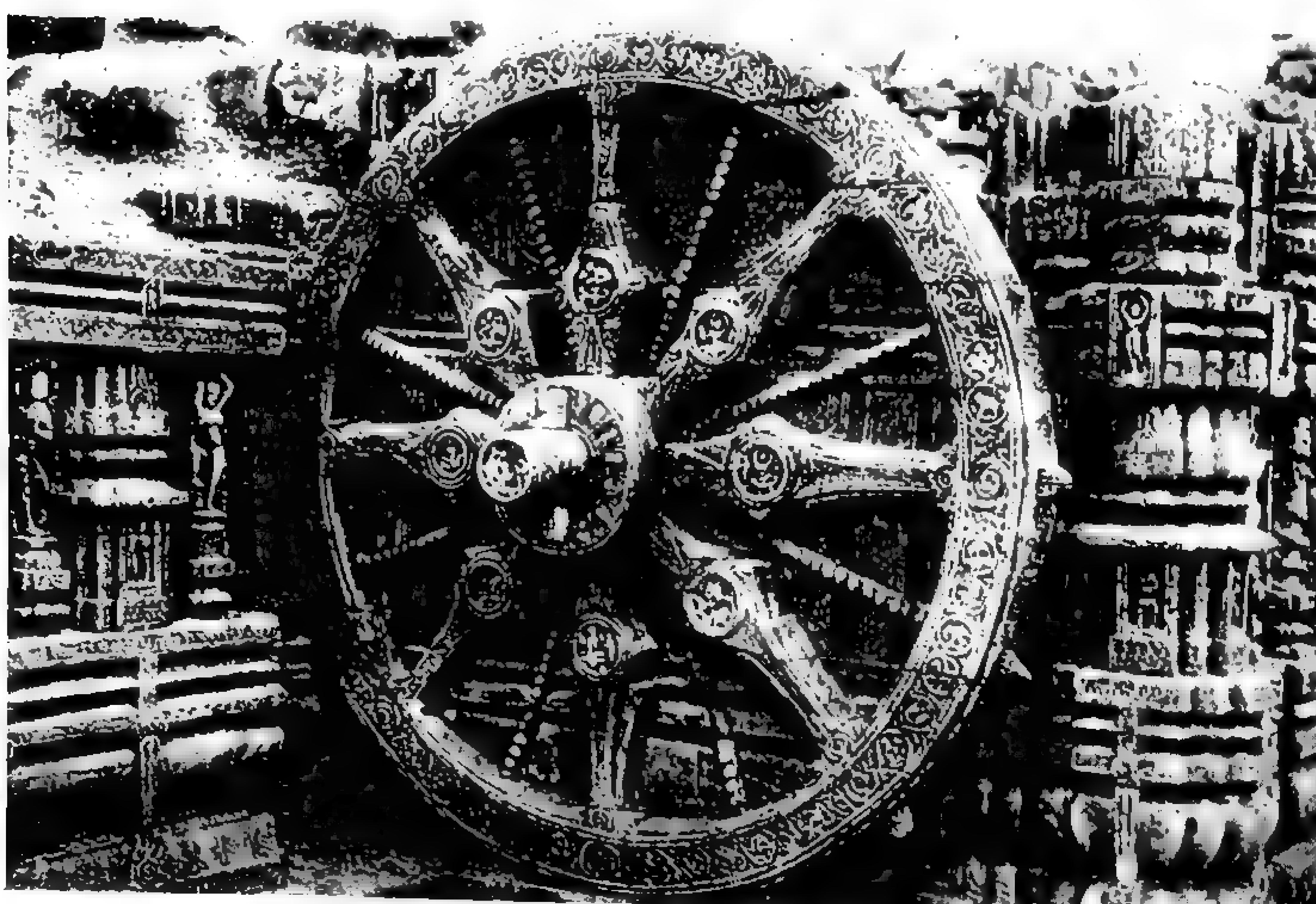
भुवनेश्वर का प्रसिद्ध मन्दिर,

بھونیشور کا مشہور مندر



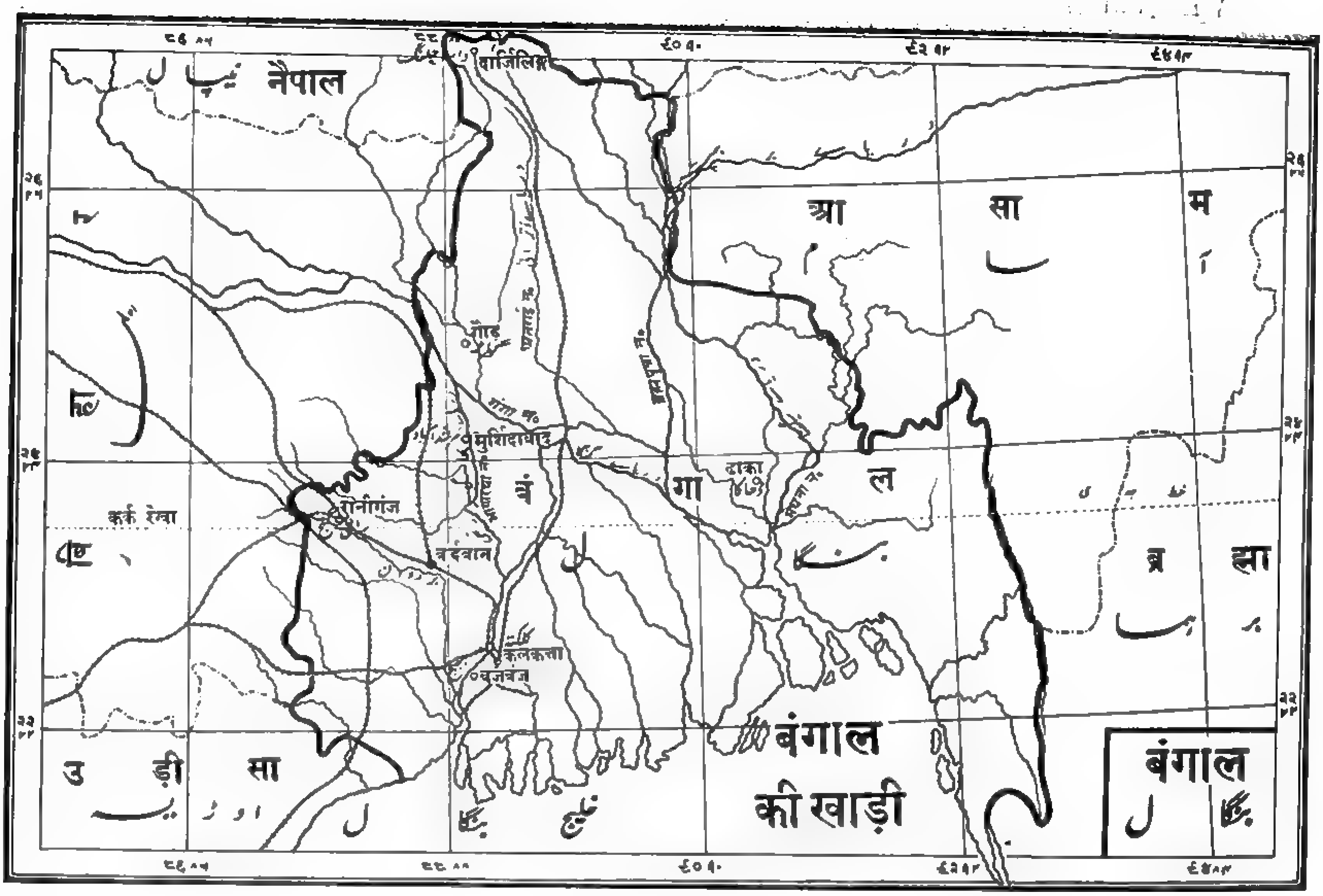
कुनारक का टूटा हुआ सूर्य-मन्दिर

کنارک میں ٹوٹا ہوا سورج کا مندر



कुनारक के मन्दिर में बना हुआ सूर्य के रथ का पहिया

کنارک کے مندر میں بنا ہوا سورج کے رتھ کا پہیہ

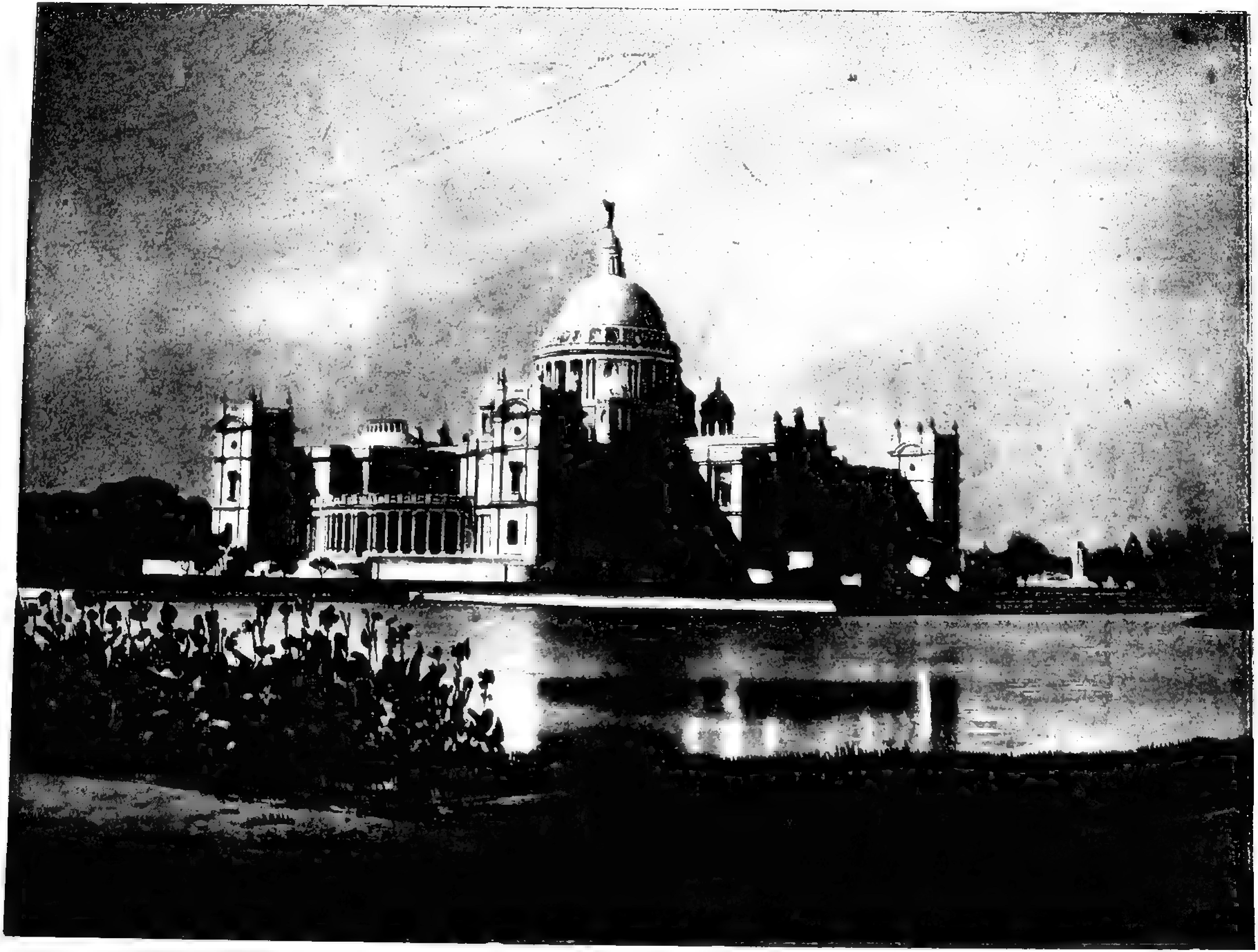


बङ्गाल

बंगाल की भूमि समतल है। यहाँ गंगा, ब्रह्मपुत्र तथा अन्य कई नदियाँ बहती हैं। यहाँ की भूमि बहुत ही उपजाऊ है। दक्षिणी भाग अर्थात सुन्दरवन सदैव पानी में डूबा-सा रहता है और उसमें काफ़ी जंगल और दलदल है। उत्तरी भाग में हिमालय-पर्वत है। बंगाल में चावल और जूट की पैदावार अधिक होती है। कलकत्ते में जूट का ही कारबार मुख्य है। इस प्रान्त में वर्षा इतनी अधिक होती है कि बहुधा खेती को नुक़सान पहुँच जाता है। बंगाल का क्षेत्रफल ८२,२७७ वर्गमील और जन-संख्या ५,०१,१४,००२ है, जिसमें मुसलमान २,७५,३०,३२१, हिन्दू २,१५,३७,९२१, बौद्ध ३,१५,८०१, ईसाई १,८०,५७२ और बाक़ी अन्य जाति के लोग हैं। यहाँ की मुख्य भाषा बँगला है।

بنگال

بنگال کی زمین ہموار ہے - یہاں گنگا، برہمپترا و کئی اور دریا بہتے ہیں اس وجہ سے یہاں کی زمین بہت ہی زرخیز ہے - جنوبی حصّہ یعنی سندربن ہمیشہ پانی میں ڈوبا سا رہتا ہے اور اُس میں کافی جنگل اور دلدل ہے - شمالی حصّہ میں ہمالیہ پہاڑ ہے- اس صوبہ میں چاول اور جوٹ کی پیداوار زیادہ ہوتی ہے - کلکتہ میں جوٹ ہی کی خاص تجارت ہوتی ہے - اس صوبہ میں بارش اتنی زیادہ ہوتی ہے کہ اکثر کھیتی کو نقصان پہنچ جاتا ہے - صوبہ بنگال کا رقبہ ۸۲،۲۷۷ مربع میل اور آبادی ۵،۰۱،۱۴،۰۰۲ ہے جس میں مسلمان ۲،۷۵،۳۰،۳۲۱ ہندو ۲،۱۵،۳۷،۹۲۱ - بودھ ۳،۱۵،۸۰۱ - عیسائی ۱،۸۰،۵۷۲ ہیں اور باقی دوسری ذاتوں کے لوگ ہیں - یہاں کی خاص زبان بنگالی ہے -



विक्टोरिया मेमोरियल, कलकत्ता



कलकत्ता का एक विहंगम दृश्य

کلکتہ کا ہوائی جہاز سے نظارہ



हवड़ा-स्टेशन

ہوڑہ اسٹیشن



[illegible]-पुल

ہوڑہ کا پل



जैन-मन्दिर, कलकत्ता

جین مندر - کلکتہ



मार्बल पैलेस, कलकत्ता
ماربل پیلس - کلکتہ



कलकत्ते का बड़ा डाकखाना
کلکتہ کا بڑا ڈاکخانہ



आक्टरलोनी के स्मारक से कलकत्ते का एक दृश्य
اکٹرلونی کی یادگار سے کلکتہ شہر کا ایک نظارہ



कौंसिल-चेम्बर, कलकत्ता
کونسل هاؤس - کلکتہ



काली जी का मन्दिर, कालीघाट, कलकत्ता

کالی جی کا مندر - کالی گھات - کلکتہ



दुर्गाजी की एक मूर्ति

درگا جی کی ایک مورتی



एक पुजारी और उसकी मूर्तियाँ

ایک پجاری اور اس کی مورتیاں



रास-मन्दिर, कलकत्ता

راس مندر - کلکتہ

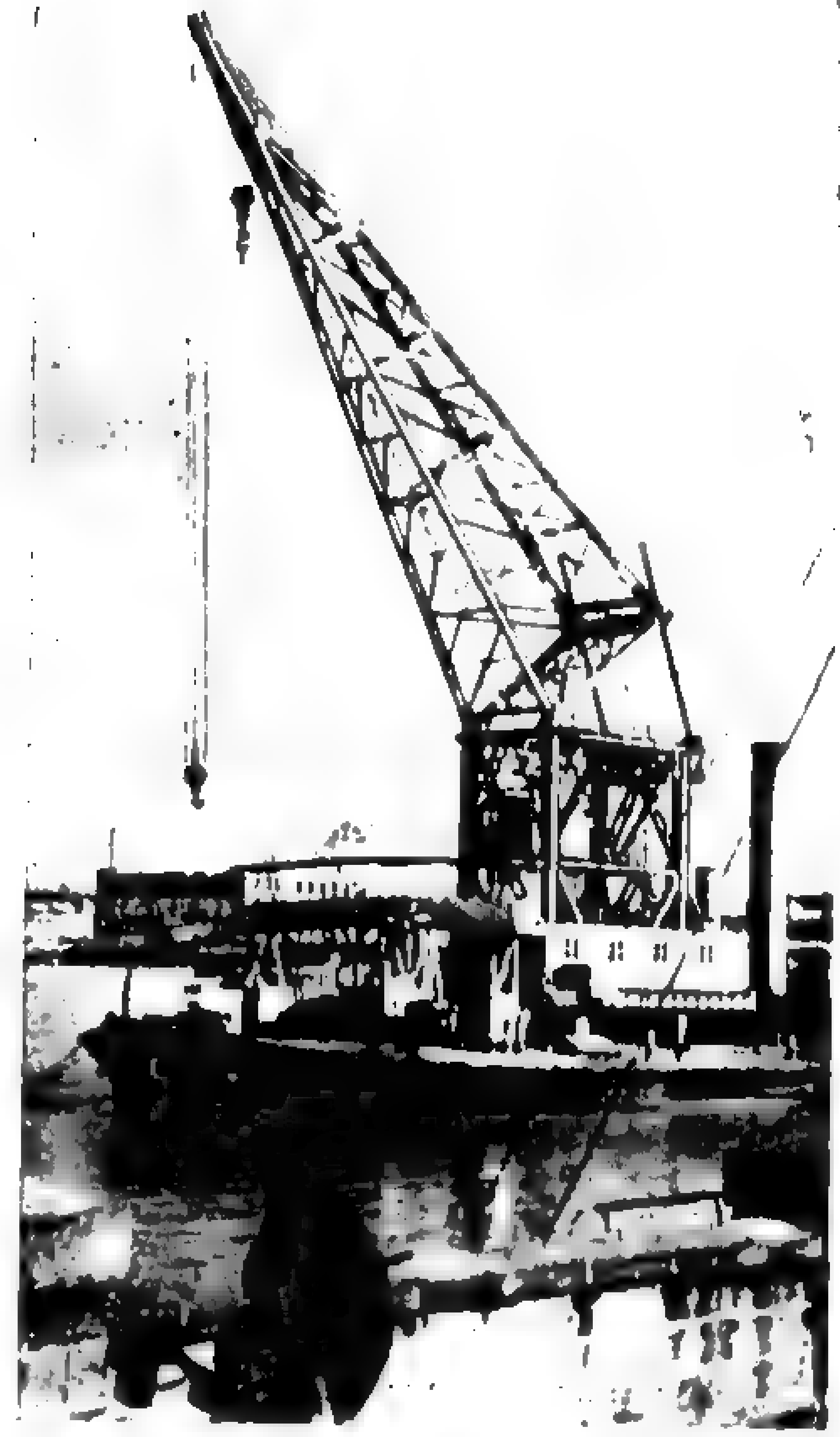


इडन गार्डेन में एक वर्मी बौद्ध-मन्दिर, कलकत्ता
ایڈن گارڈن میں برہما والوں کا ایک بودھ مندر - کلکتہ



जगन्नाथ-घाट, कलकत्ता
جگنناتھ گھات - کلکتہ


किदिरपुर के बन्दरगाह में जहाज़
کدر پور کے بندرگاہ میں جہاز


जहाज़ पर एक बड़ा क्रेन काम कर रहा है
جہاز پر ایک بڑا کرین کام کر رہا ہے


किदिरपुर के बन्दरगाह में मजदूर काम कर रहे हैं
کدرپور کے بندرگاہ میں مزدور کام کر رہے ہیں



बोटेनिकल गार्डन, शिवपुर

بوٹینیکل گارڈن - شیو پور



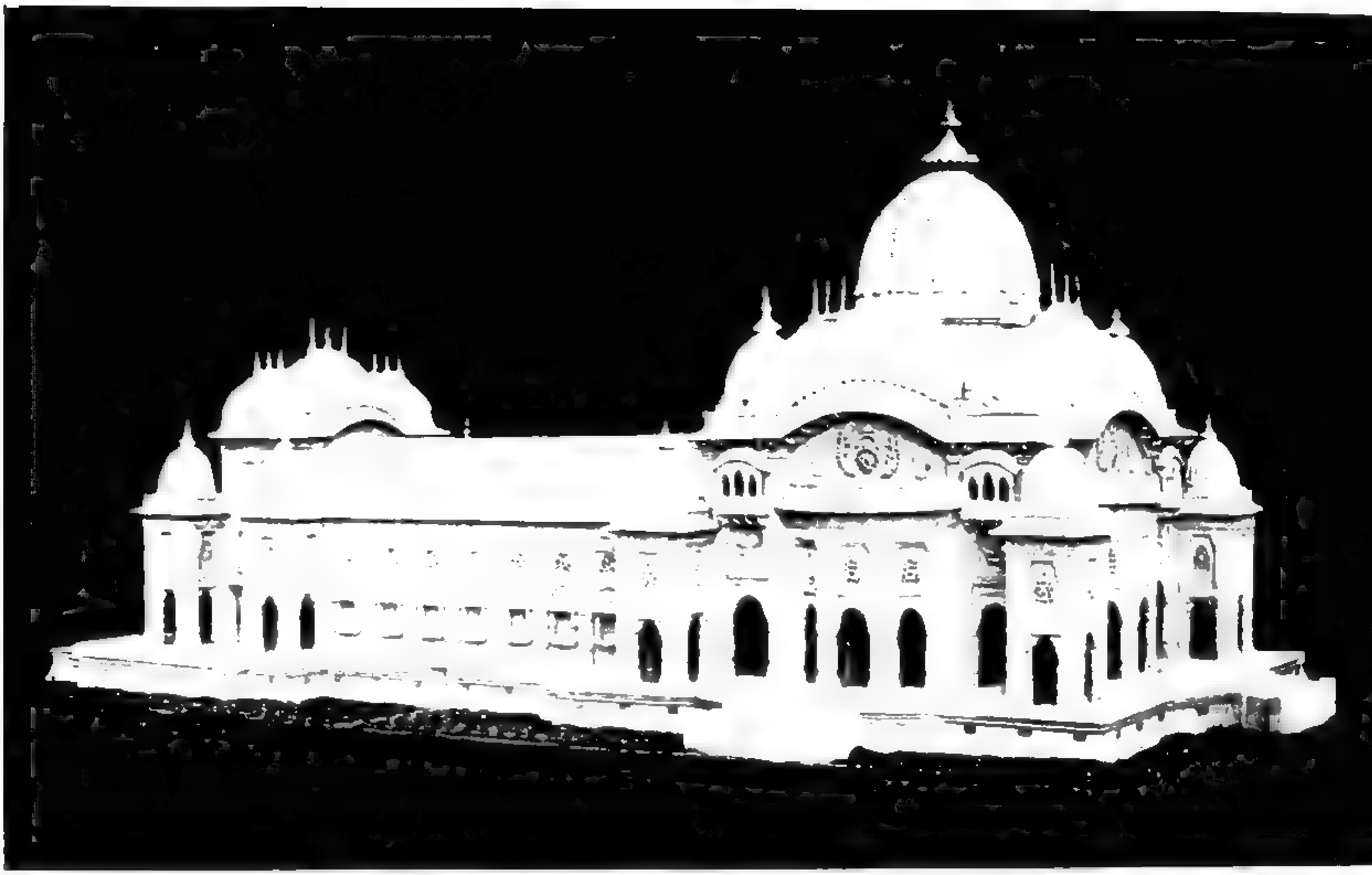
बोटेनिकल गार्डन का प्रसिद्ध बरगद का वृक्ष,

بوٹینیکل گارڈن کا مشہور برگد کا درخت



दक्षिणेश्वर का मन्दिर, कलकत्ता

دکشنیشور کا مندر - کلکتہ



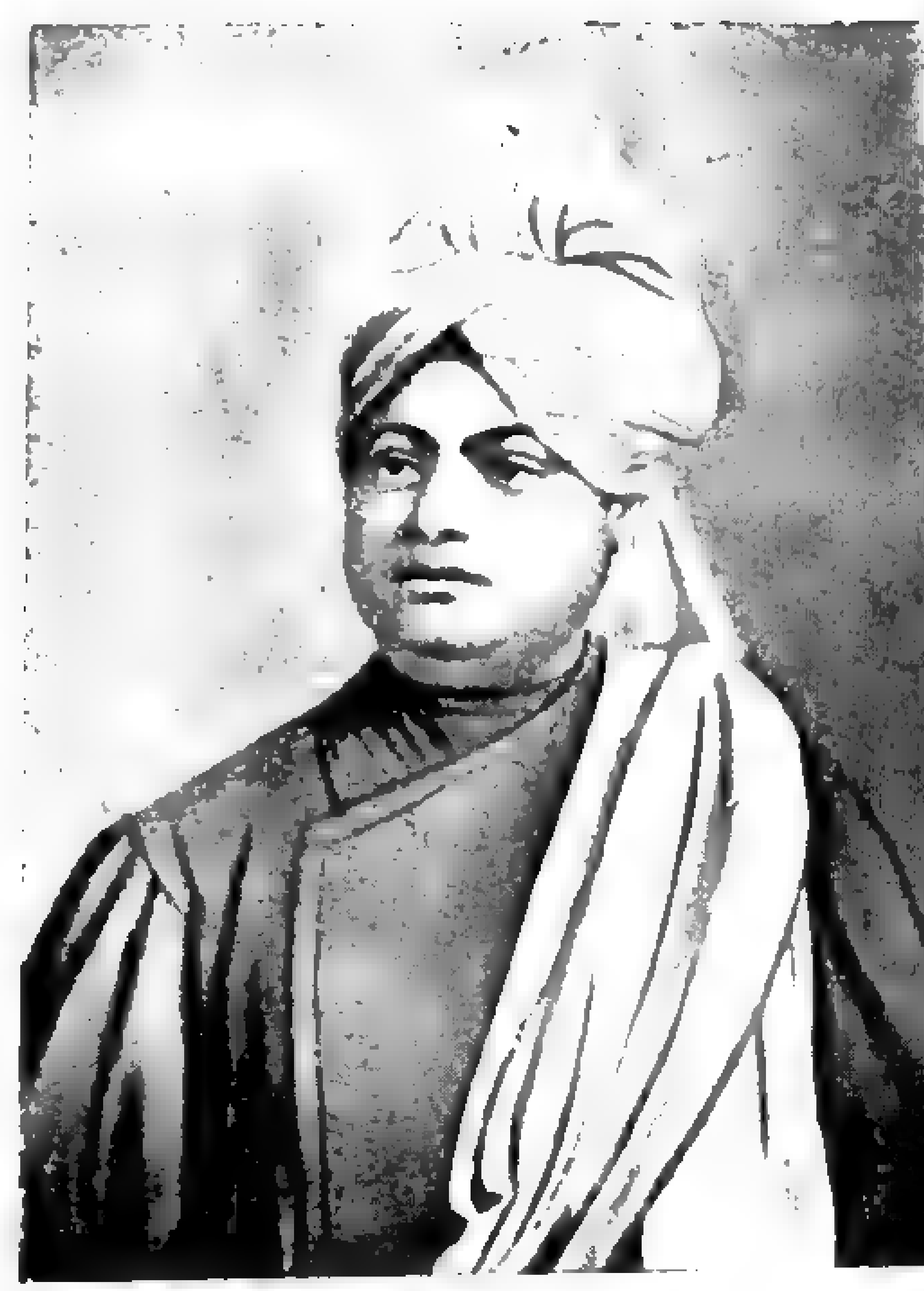
रामकृष्ण-मन्दिर, वेलूर

رام کرشن مندر - بیلور



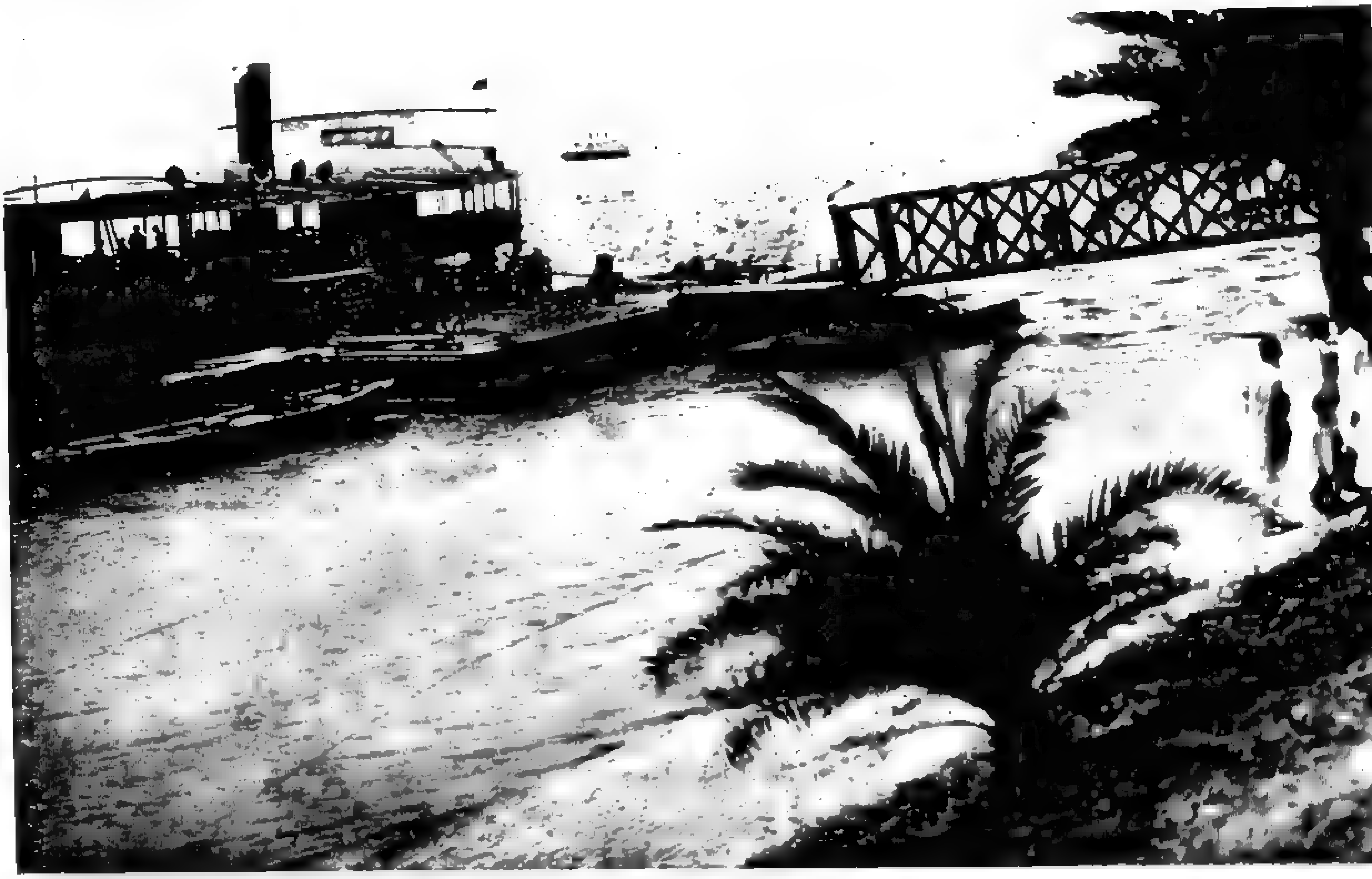
स्वामी रामकृष्ण परमहंस

سوامی رام کرشن پرم ہنس



स्वामी विवेकानन्द

سوامی ویویکانند



डायमंड-बन्दरगाह

ڈائمنڈ بندرگاہ



हुगली नदी में जहाजों का एक सुन्दर दृश्य

دریائے ہگلی میں جہازوں کا ایک خوشنما نظارہ



गंगासागर-स्नान के मेले का एक दृश्य

گنگا ساگر اشنان کے میلے کا ایک نظارہ



गंगासागर-मेले के दिन यात्री स्नान कर रहे हैं

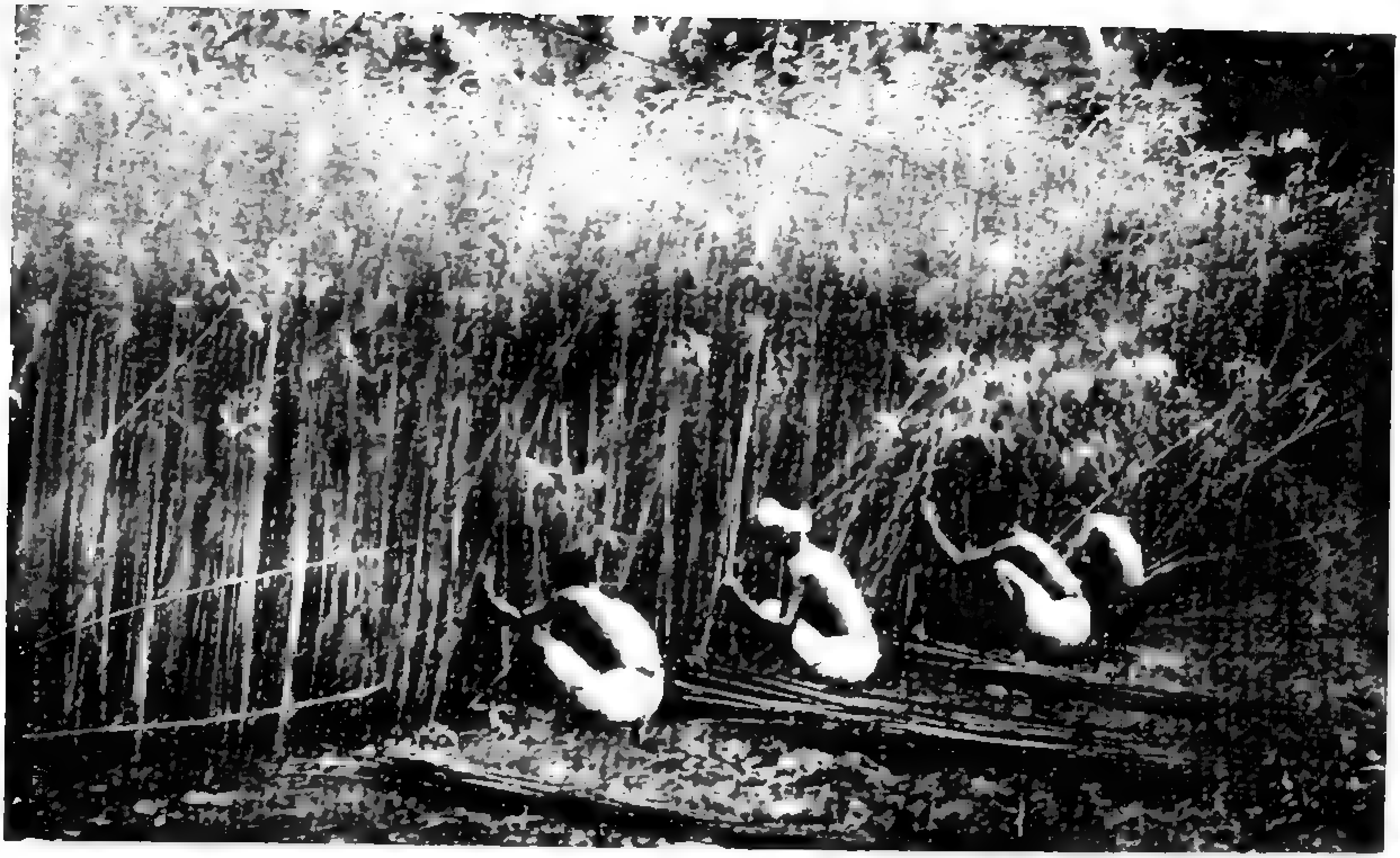
گنگا ساگر کے میلے کے روز جاتری لوگ اشنان کر رہے ھیں



सारा-पुल का एक दृश्य
سارا کے پل کا ایک نظارہ



बंगाल में नावों-द्वारा व्यापार
بنگال میں کشتیوں کے ذریعہ تجارت



जूट की कटाई

جوت کی کٹائی



जूट के एक कारखाने का दृश्य

جوت کے ایک کارخانے کا نظارہ





ऊपर—ढाका का अजायबघर

اوپر - ڈھاکہ کا عجائب گھر

नीचे—पहाड़पुर की खुदाई में प्राप्त कृष्ण की एक सुन्दर मूर्ति

نیچے - پہاڑ پور کی کھدائی سے برآمد کشن کی ایک خوبصورت مورتی





ऊपर—बंगाली लड़कियों का वृत्ताचारी नृत्य

اُوپر - بنگالی لڑکیوں کا "برت چاری" ناچ

नीचे—माता की ममता

نیچے - ماں کی محبّت



खेत में पानी भरा होने के कारण डोंगी में बैठ कर धान की कटाई हो रही है

کھیت میں پانی بھرا ہونے کی وجہ سے ڈونگی میں بیٹھکر دھان کی کٹائی ہو رہی ہے



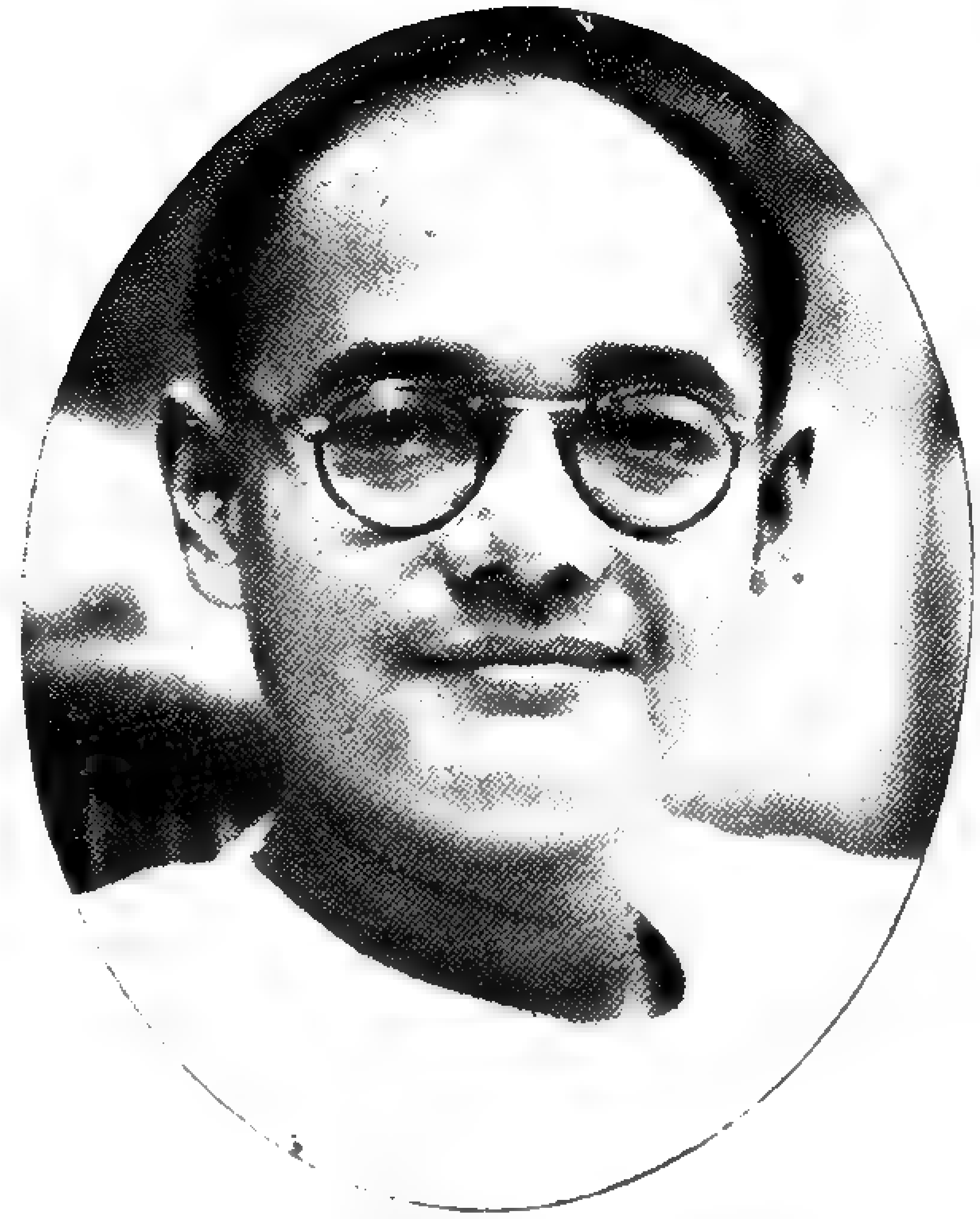
बंगाल के देहाती जीवन का एक दृश्य

بنگال کی دیہاتی زندگی کا ایک نمونہ



आनरेबुल मिस्टर ए० के० फ़ज़लुलहक़

آنریبل مسٹر اے - کے - فضل الحق



श्रीयुत सुभाषचन्द्र बोस

شری یت سبھاش چندر بوس



श्रीयुत श्यामाप्रसाद मुकर्जी

شری یت شیاما پرشاد مکرجی



मौलाना अबुलकलाम आज़ाद

مولانا ابوالکلام آزاد



डाक्टर रवीन्द्रनाथ ठाकुर

ڈاکٹر ربیندر ناتھ ٹیگور



देशबन्धु चित्तरञ्जनदास

دیش بندھو سی - آر - داس



आचार्य प्रफुल्लचन्द्र राय

آچاریہ پی - سی - رائے



सर जगदीशचन्द्र बोस

سر جگدیش چندر بوس



दार्जिलिंग रेलवे-लाइन का एक दृश्य
دار جلنگ ریلوے لائن کا ایک نظارہ



दार्जिलिंग का एक सुन्दर दृश्य
دار جلنگ کا ایک دلکش منظر



दार्जिलिंग की लेपचा जाति की एक स्त्री

دار جلنگ کی لیپچا ذات کی ایک عورت



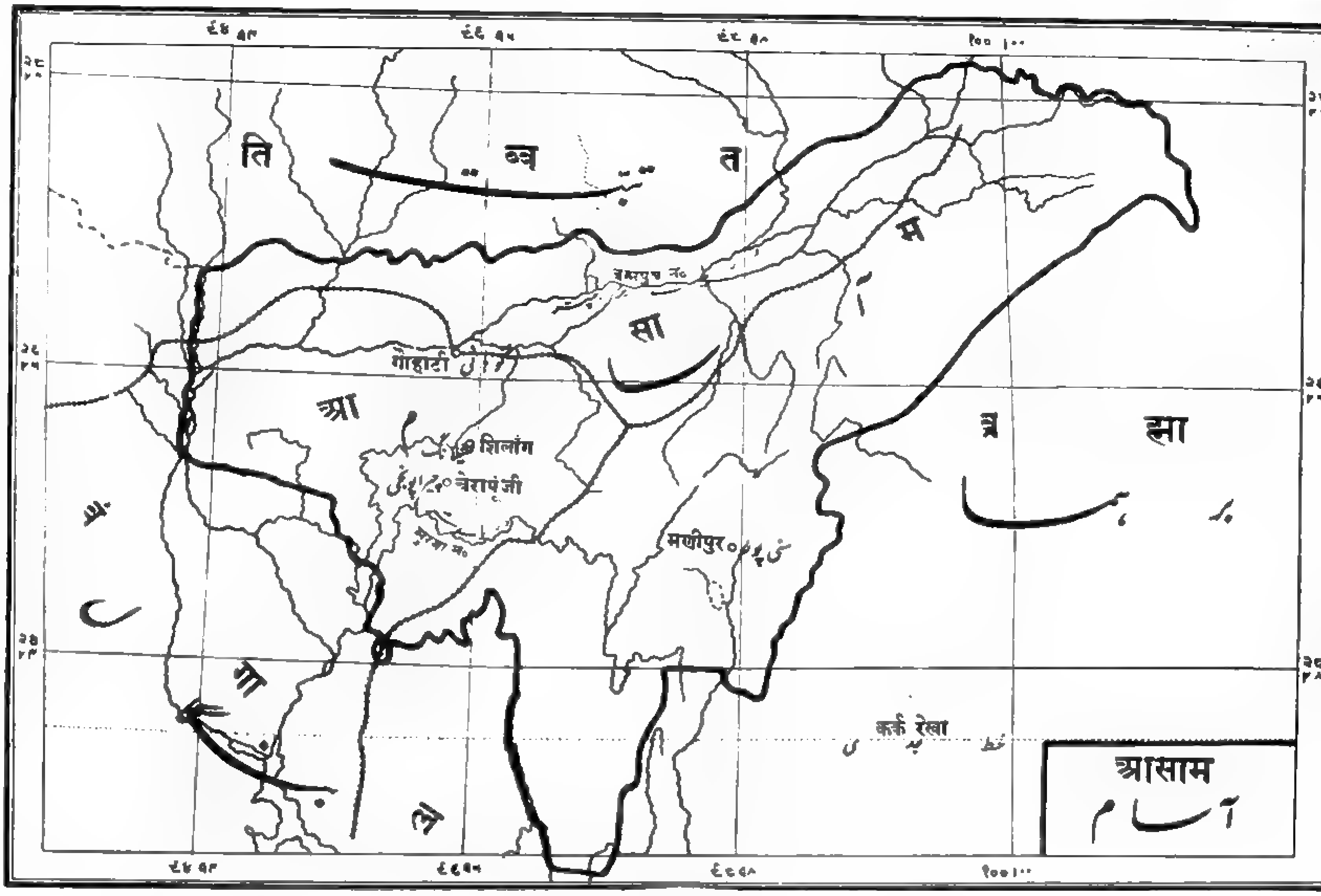
दार्जिलिंग में एक तिब्वती साधु

دار جلنگ میں تبّت کا ایک سادھو



दार्जिलिंग के समीप एक बोद्ध मठ

دار جلنگ کے قریب ایک بُدھ مٹھ



आसाम

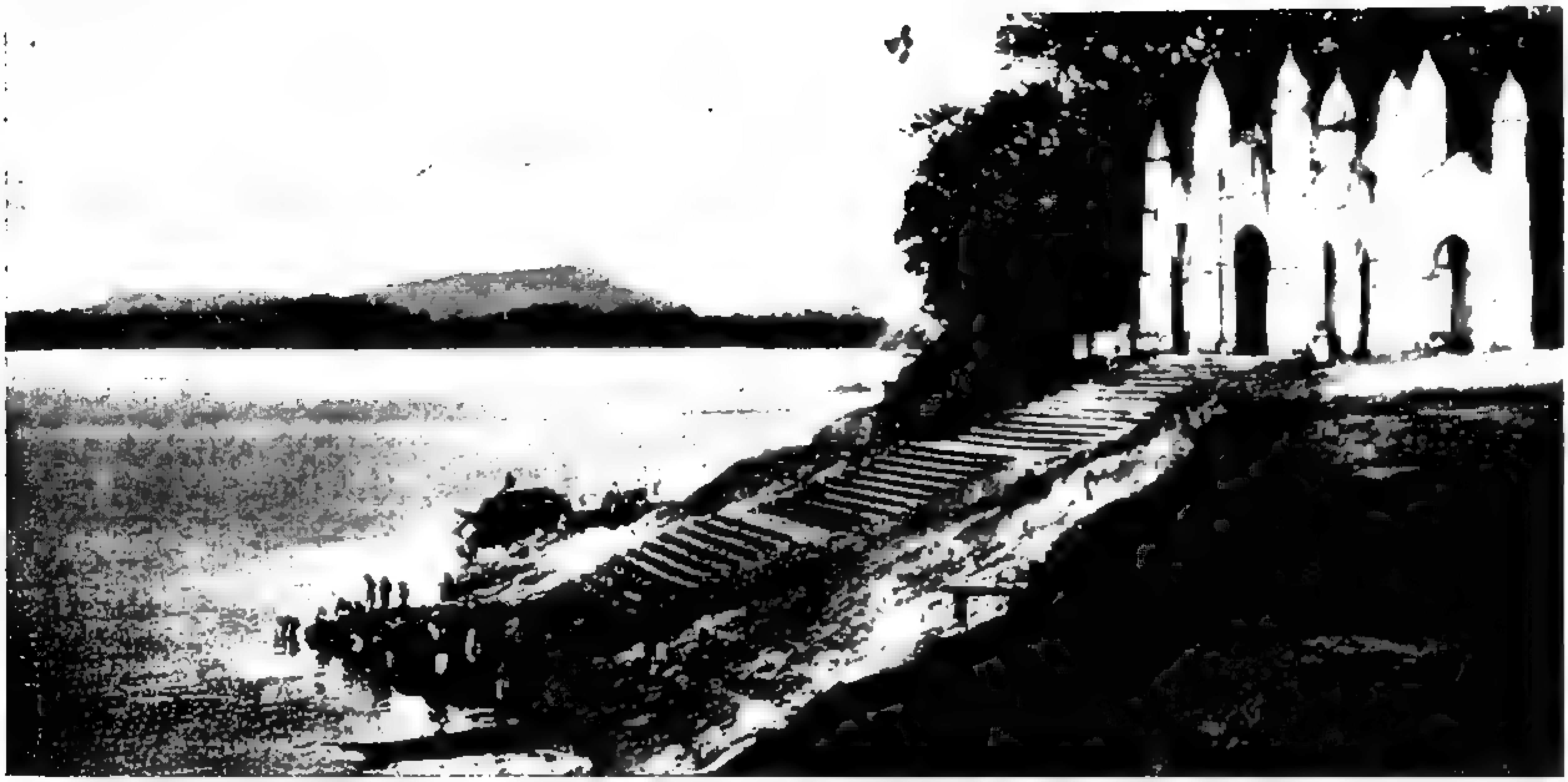
आसाम एक पहाड़ी प्रान्त है। यहाँ वर्षा बहुत होती है। चेरापूँजी में संसार भर में सबसे अधिक वर्षा होती है। यहाँ धान की अच्छी फ़सलें पैदा की जाती हैं। पहाड़ी ढालों पर चाय के बाग़ीचे हैं। वनों से लकड़ी काटी जाती है और लाख इकट्ठी की जाती है। इस प्रान्त का क्षेत्रफल ६३,००० वर्ग मील और जन-संख्या ८६,२२,२५१ है। यहाँ के लोगों का मुख्य पेशा खेती और चाय के बाग़ीचों में काम करना है। शिलाँग इस प्रान्त की राजधानी है।



आनरेबुल श्रीयुत गोपीनाथ बरदोलोई
آنریبل مسٹر گوپی ناتھ بردولوئی

آسام

آسام ایک پہاڑي صوبہ ہے - یہاں بارش بہت ہوتی ہے- چیراپونجي میں دنیا بھر میں سب سے زیادہ بارش ہوتي ہے - یہاں چاول کی اچھي فصلیں پیدا کی جاتي ہیں - پہاڑي ڈھالوں پر چائے کے باغیچے ہیں - جنگلوں سے لکڑي کاٹی جاتي ہے اور لاکھ جمع کي جاتي ہے- اس صوبہ کا رقبہ ٦٣٠٠٠ مربع میل اور آبادي ٨٦،٢٢،٢٥١ ہے - یہاں کے لوگوں کا خاص پیشہ کاشتکاري اور چائے کے باغوں میں کام کرنا ہے - شیلانگ اس صوبے کا دارالخلافت ہے -



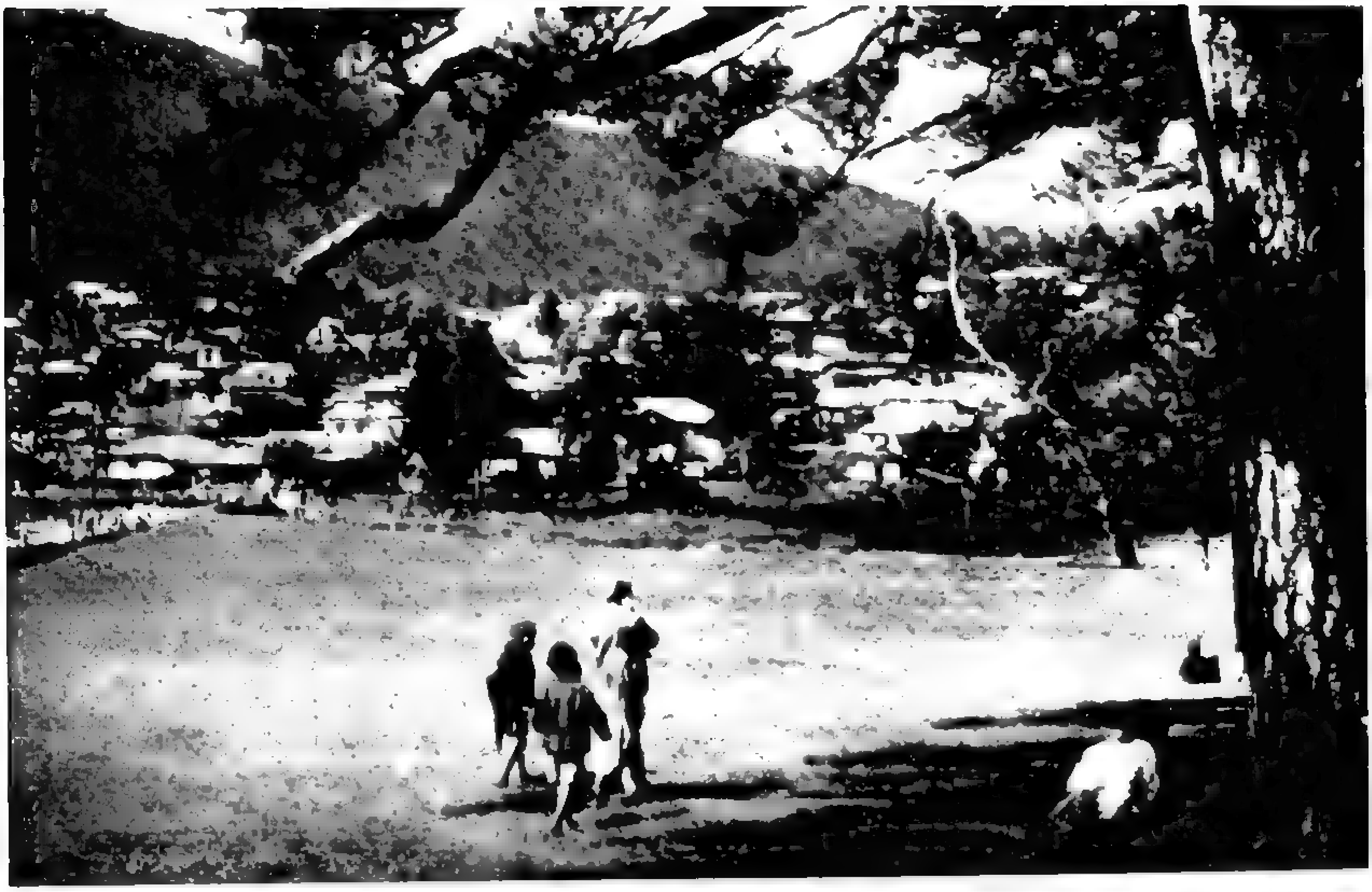
गोहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी का स्नान-घाट

گوهاٹی میں دریائے برهمپترا کا اشنان گھاٹ



कामाख्या जी का मन्दिर

کاماکھیہ جی کا مندر



शिलाँग का एक सुन्दर दृश्य

شیلانگ کا ایک خوبصورت نظارہ



चाय के एक बाग़ में काम हो रहा है

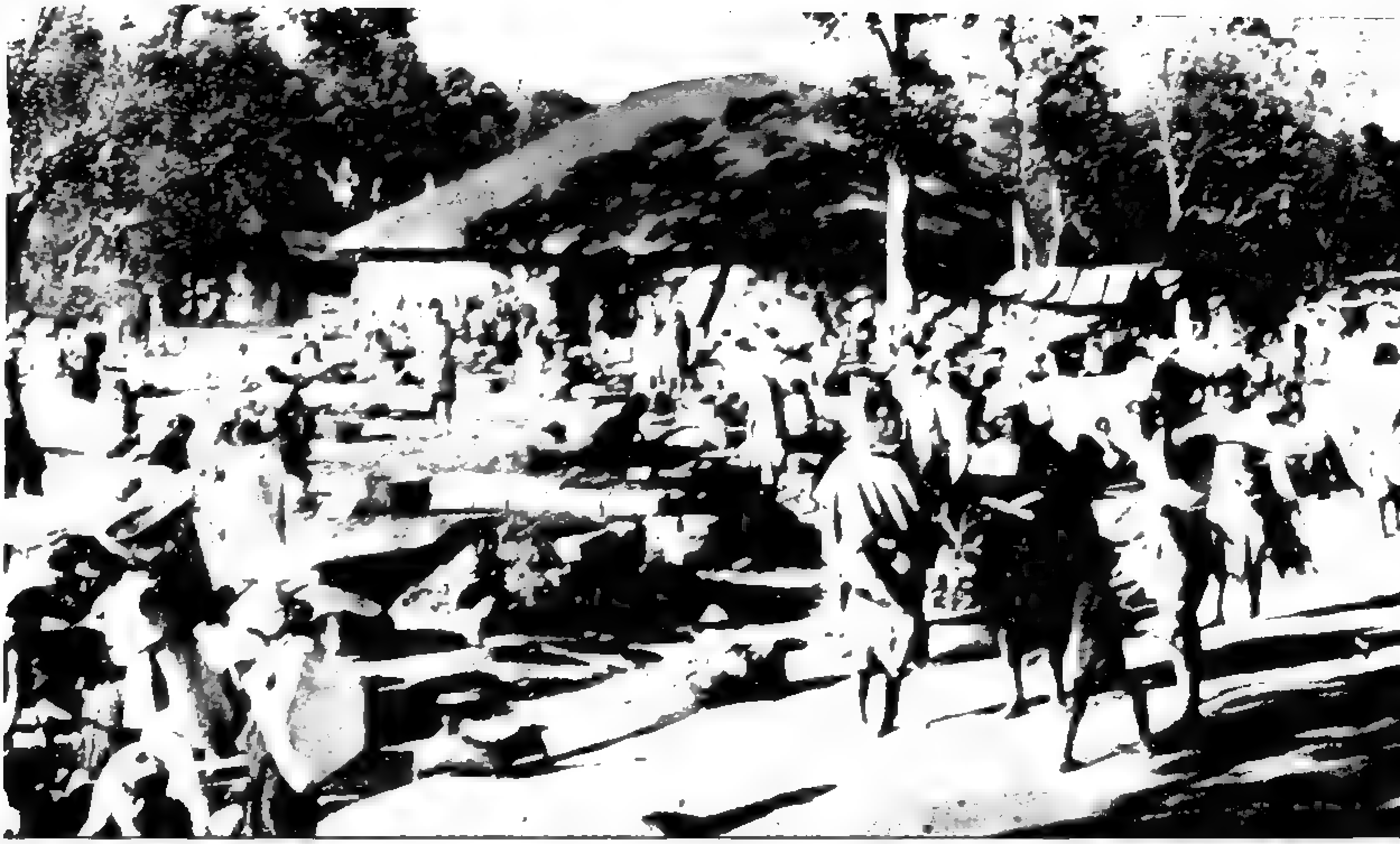
چائے کے ایک باغ میں کام ہو رہا ہے



त्रिपुरा के महाराज का राजभवन, अगरतला
مہاراجہ تریپورہ کا راج محل - اگر تلہ



आसाम के जंगलों में शिकार खेलने का एक दृश्य
اسام کے جنگلوں میں شکار کھیلنے کا ایک نظارہ



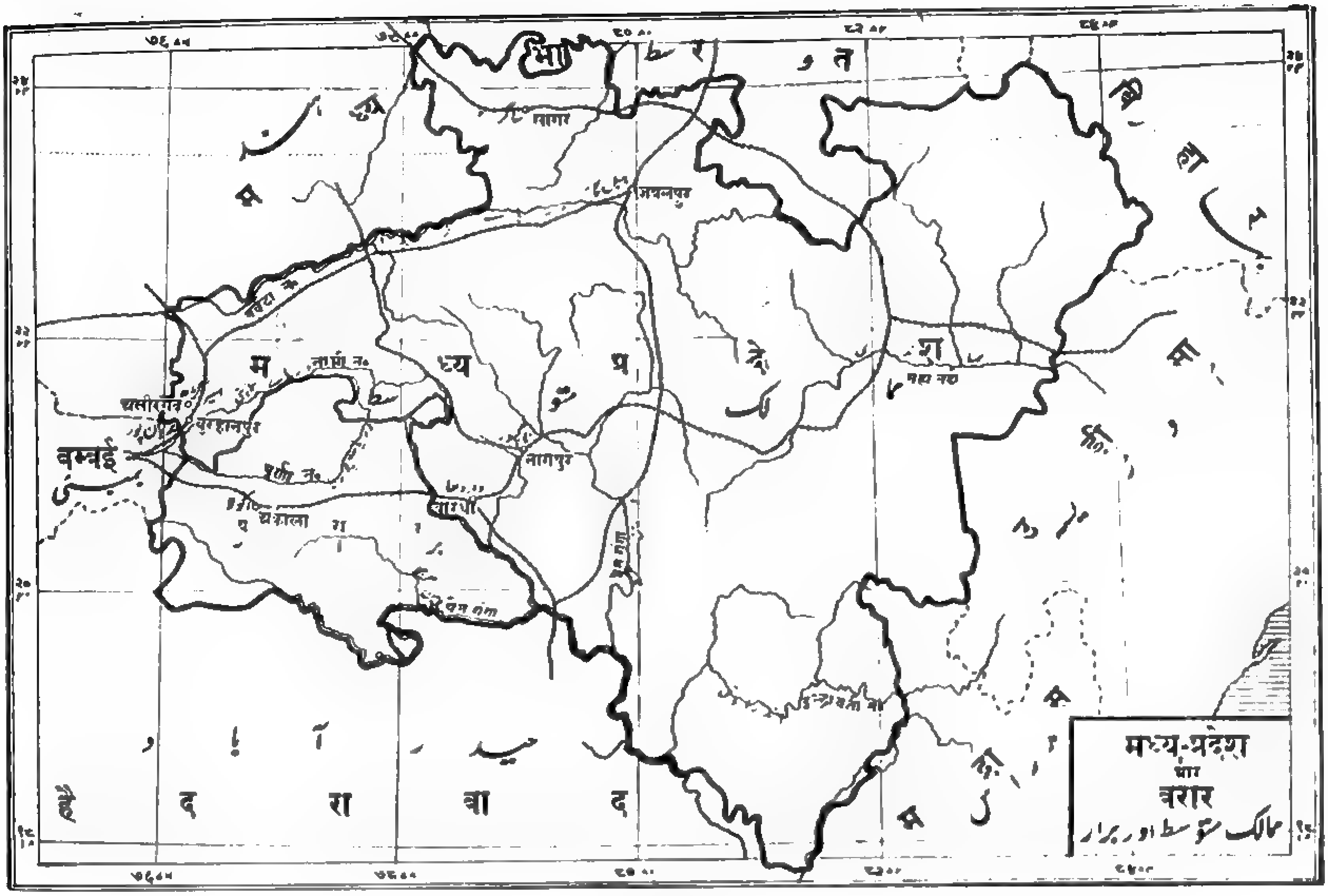
मनीपुर गाँव का बाज़ार

منی پور گاؤں کا بازار



उत्सव-सम्बन्धी नृत्य की पोशाक में नागा लड़कियाँ

ناگا لڑکیاں ایک تیوہار پر ناچ کی پوشاک میں



मध्य-प्रदेश

इस प्रदेश का एक अंग बरार है। बरार के मालिक हैदराबाद के निज़ाम हैं, किन्तु उसका शासन-प्रबंध ब्रिटिश सरकार के हाथ में है। इस प्रान्त की भूमि काली और उपजाऊ है। यहाँ रुई बहुत पैदा होती है। यहाँ गेहूँ, ज्वार और तिलहन भी होता है। कोयला भी काफ़ी मात्रा में पाया जाता है। इस प्रान्त का क्षेत्रफल १७,८२४ वर्गमील है और जनसंख्या बरार सहित १,५५,०७,६९३ है। यहाँ के पुराने निवासी गोंड और भील हैं जो अपनी भाषायें बोलते हैं। प्रान्त के उत्तरी भाग में हिन्दी और दक्षिणी भाग में मराठी बोली जाती है। यहाँ के मुख्य नगर नागपुर और जबलपुर हैं।



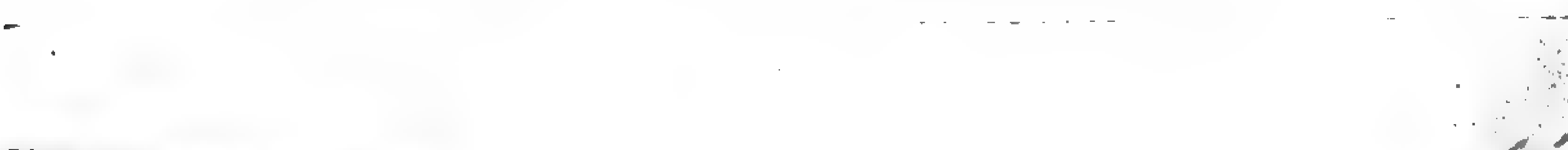
आनरेबुल पं० रविशंकर शुक्ल
آنریبل پنڈت روی شنکر شکلا

ممالک متوسط اور برار

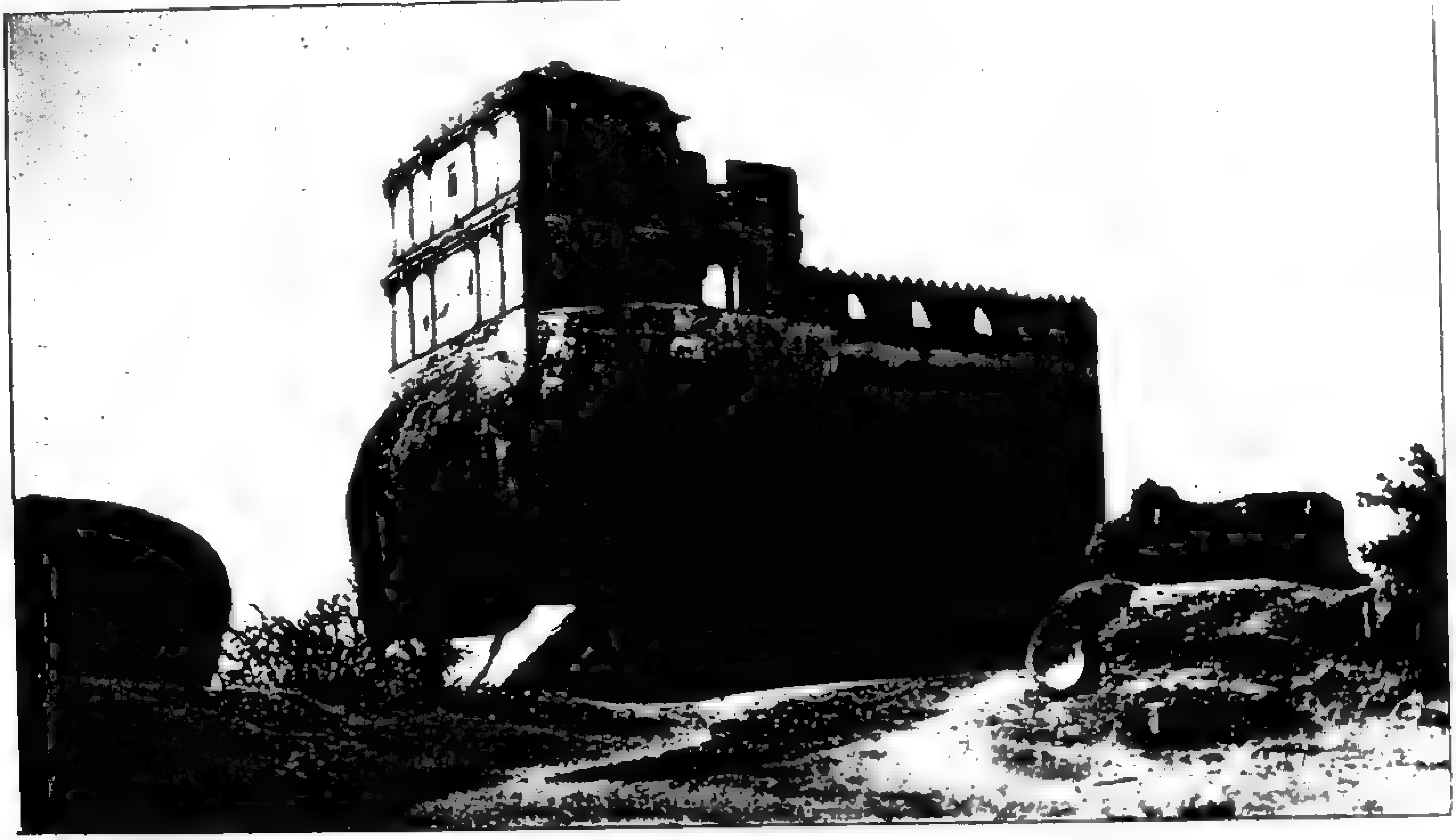
اس صوبہ کا ایک حصہ برار ہے - برار نظام حیدرآباد کی ملکیت ہے لیکن اس پر حکومت انگریزی سرکار کی ہے - اس صوبہ کی زمین کالی اور زرخیز ہے - روئی یہاں کی خاص پیداوار ہے - یہاں گیہوں' جوار اور تلہن بھی ہوتا ہے - کوئلہ بھی کافی مقدار میں پایا جاتا ہے - اس صوبہ کا رقبہ ۱۷،۸۲۴ مربع میل اور آبادی مع برار کے ۱،۵۵،۰۷،۶۹۳ ہے - یہاں کے پرانے باشندے گونڈ اور بھیل ہیں جو اپنی زبانیں بولتے ہیں - صوبہ کے شمال میں ہندی اور جنوبی حصہ میں مراٹھی بولی جاتی ہے - یہاں کے خاص شہر ناگپور اور جبلپور ہیں -



नर्मदा के धुआँधार-प्रपात का एक सुन्दर दृश्य, जबलपुर
نربدا کے دھواں دھار جھرنے کا ایک خوشنما نظارہ - جبلپور



नर्मदा की संगमर्मर की चट्टान, जबलपुर
نربدا کی سنگ مرمر کی چٹانیں - جبلپور



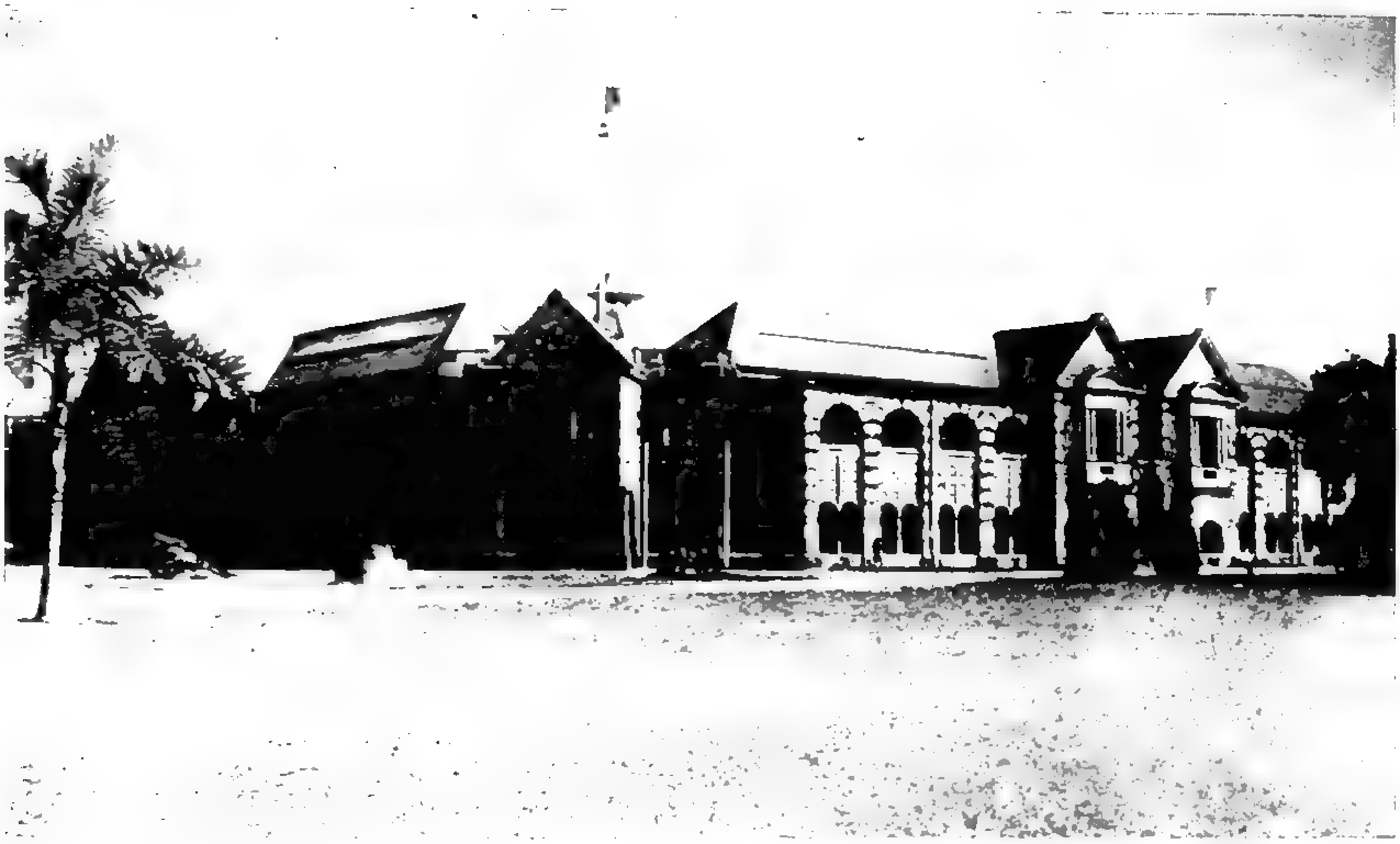
मदनमहल, जबलपुर

مدن محل - جبلپور



गौरीशंकर-मन्दिर, जबलपुर

گوري شنكر كا مندر - جبلپور



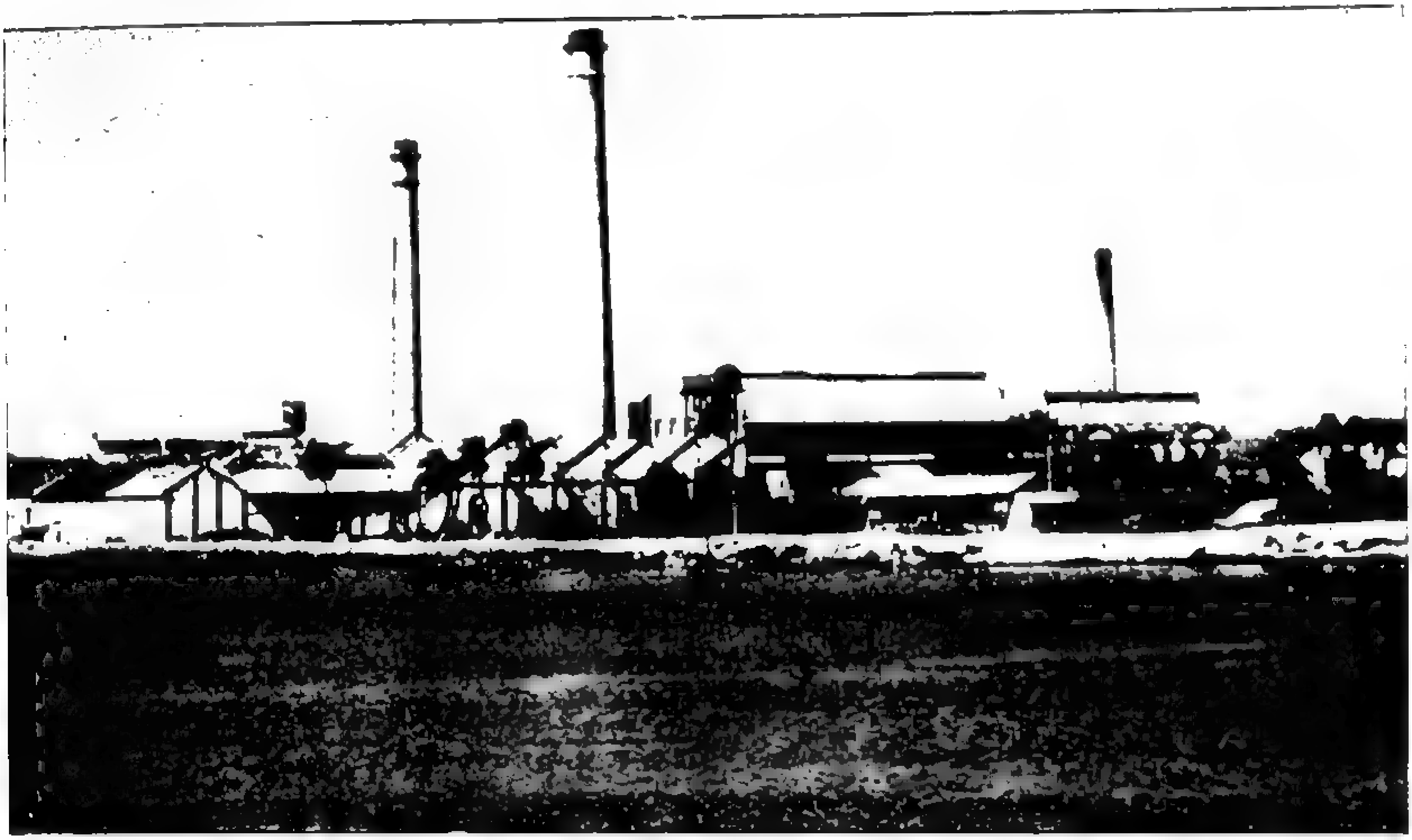
प्रान्तीय-सरकार के दफ़्तर, नागपुर

صوبہ کي سرکار کے دفتر - ناگپور



कौंसिल-भवन, नागपुर

کونسل ہاؤس - ناگپور



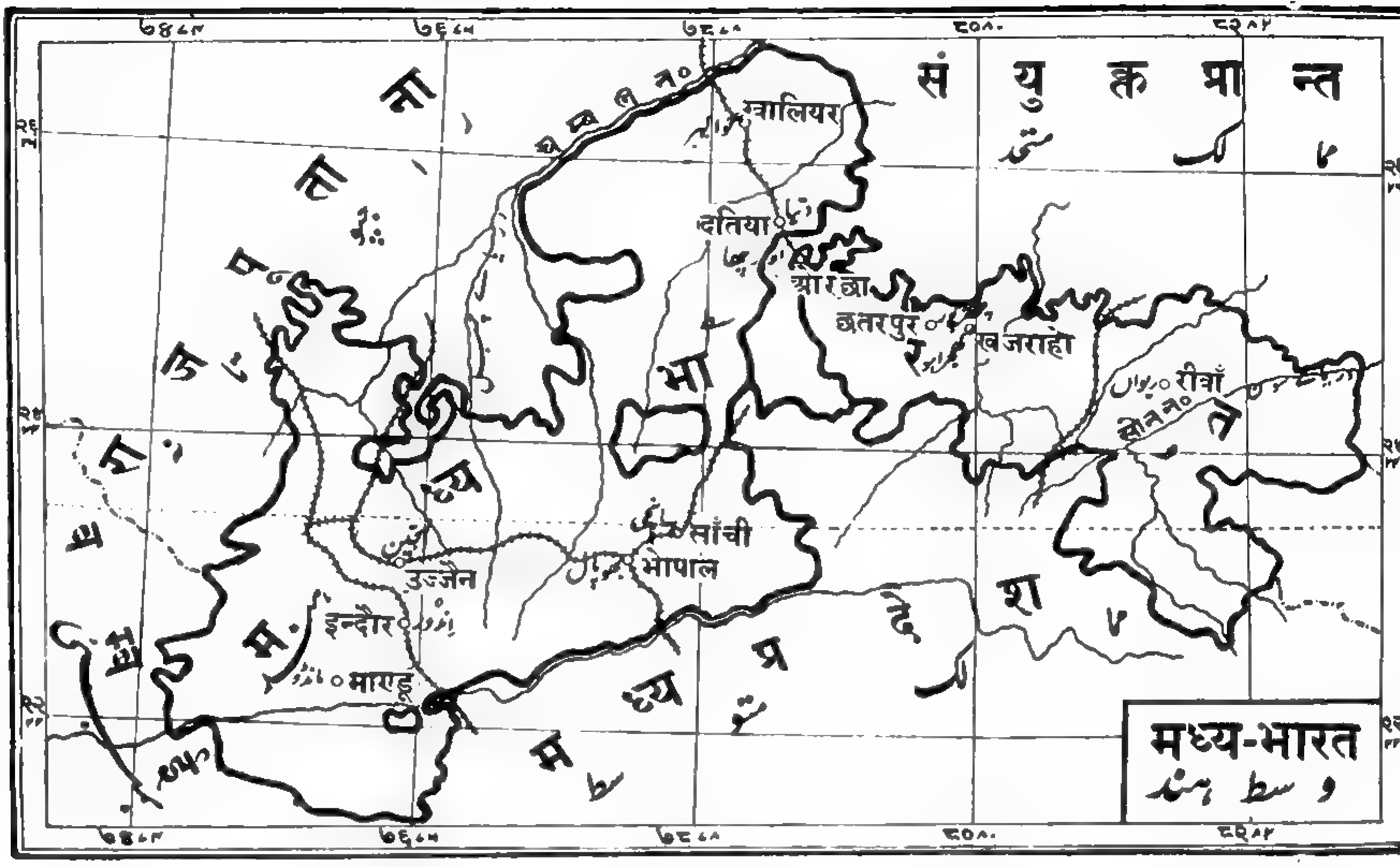
एम्प्रेस-मिल, नागपुर

ایمپریس مل - ناگپور



सत्याग्रह-आश्रम, वार्धा

ستیہ گرہ آشرم - واردھا

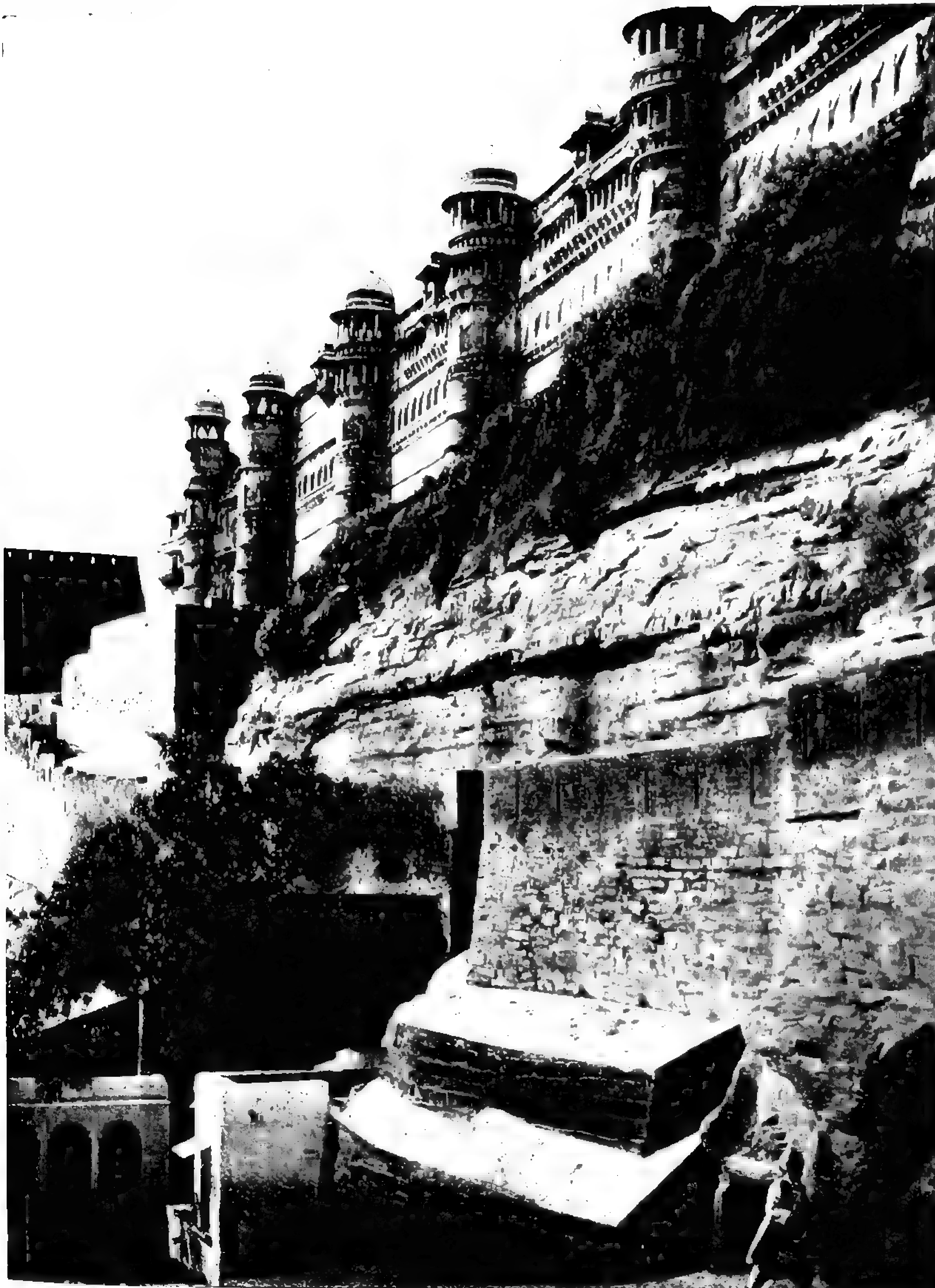


मध्य-भारत

मध्य-भारत (सेन्ट्रेल इंडिया एजेन्सी और ग्वालियर) को झाँसी-ज़िले ने दो भागों में बाँट दिया है। पश्चिमी भाग की अपेक्षा पूर्वी भाग में वृष्टि अधिक होती है। मुख्य उपज गेहूँ, कपास, ज्वार, बाजरा, दालें, तिलहन और अफ़ीम है। पूर्वी भाग में लोहा और कोयला भी मिलता है। यह प्रदेश देशी रियासतों का समूह है, जिनमें ग्वालियर, इन्दौर, रीवाँ, भूपाल, दतिया और ओड़छा बहुत प्रसिद्ध हैं। सेन्ट्रेल इण्डिया एजेन्सी की रियासतों का क्षेत्रफल ५१,६५१ वर्गमील और जन-संख्या ६६,३५,७३७ है और ग्वालियर का क्षेत्रफल २६,३६७ वर्गमील और जन-संख्या ३५,२३,०७० है। इन रियासतों की राजधानियों के अतिरिक्त माँडू, साँची और उज्जैन भी दर्शनीय स्थान हैं।

وسط ہند

وسط ہند (سنٹرل انڈیا ایجینسی اور گوالیار) کو ضلع جھانسی نے دو حصوں میں تقسیم کر دیا ہے - مغربی حصہ کی بہ‌نسبت مشرقی حصہ میں بارش زیادہ ہوتی ہے - خاص پیداوار کپاس، گیہوں، جوار، باجرا، دالیں، تلہن اور افیون ہے - شرقی حصہ میں کوئلہ اور لوہا بھی پایا جاتا ہے - یہ خطّہ دیسی ریاستوں کا مجموعہ ہے جن میں گوالیار، اندور، ریواں، بھوپال، دتیا اور اورچھا بہت مشہور ہیں - ان سنٹرل انڈیا ایجنسی کی ریاستوں کا رقبہ ۵۱،۶۵۱ مربع میل اور آبادی ۶۶،۳۵،۷۳۷ ہے - اور گوالیار کا رقبہ ۲۶،۳۶۷ مربع میل اور آبادی ۳۵،۲۳،۰۷۰ ہے- علاوہ ان ریاستوں کی راجدھانیوں کے مانڈو، سانچی اور اُجین بھی قابل دید مقامات ہیں -



ग्वालियर का क़िला

گوالیار کا قلعہ



ग्वालियर के क़िले का हाथी-दरवाज़ा

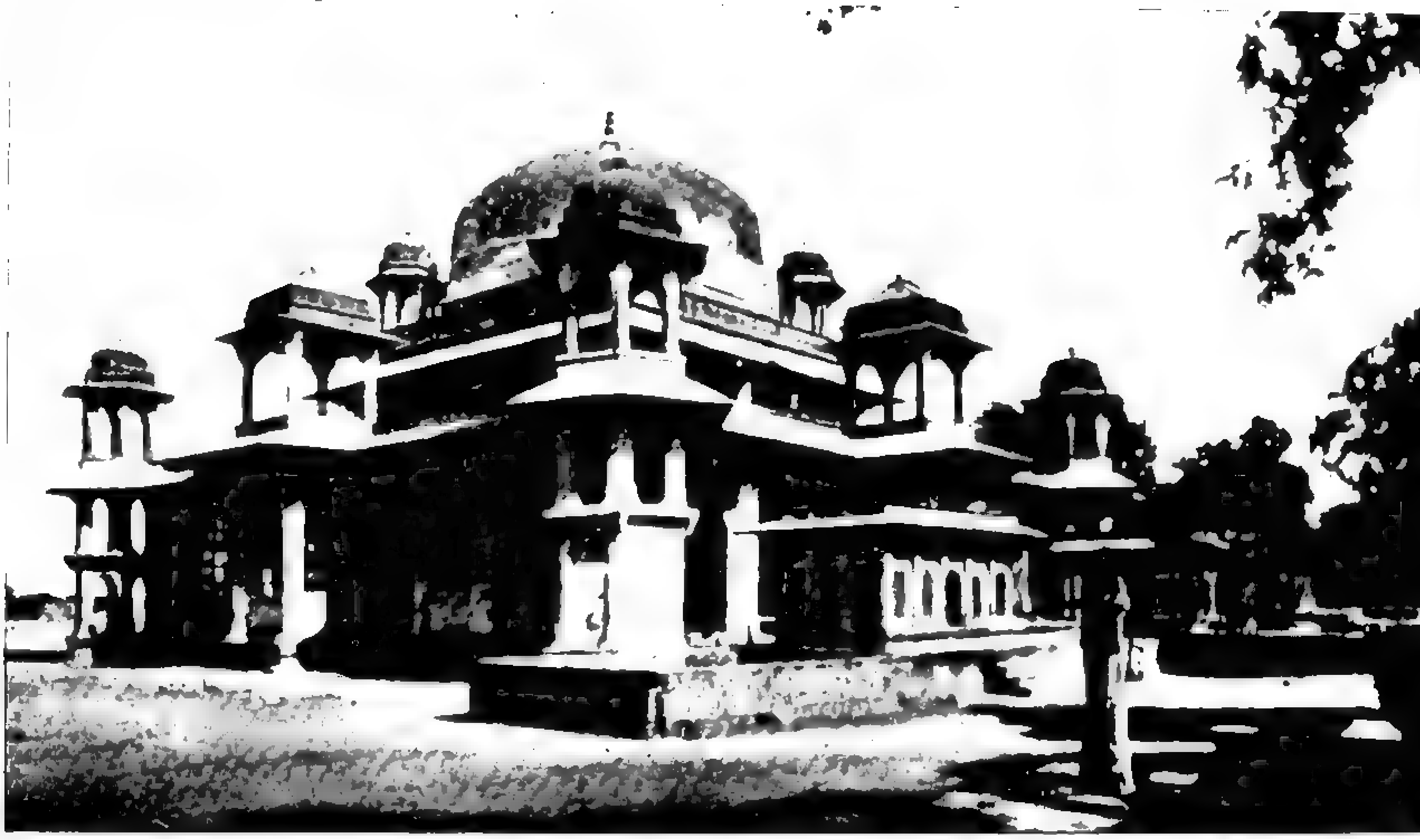
گوالیار کے قلعہ کا ھاتھی دروازہ



सास-बहू का मन्दिर, ग्वालियर
ساس بہو کا مندر - گوالیار



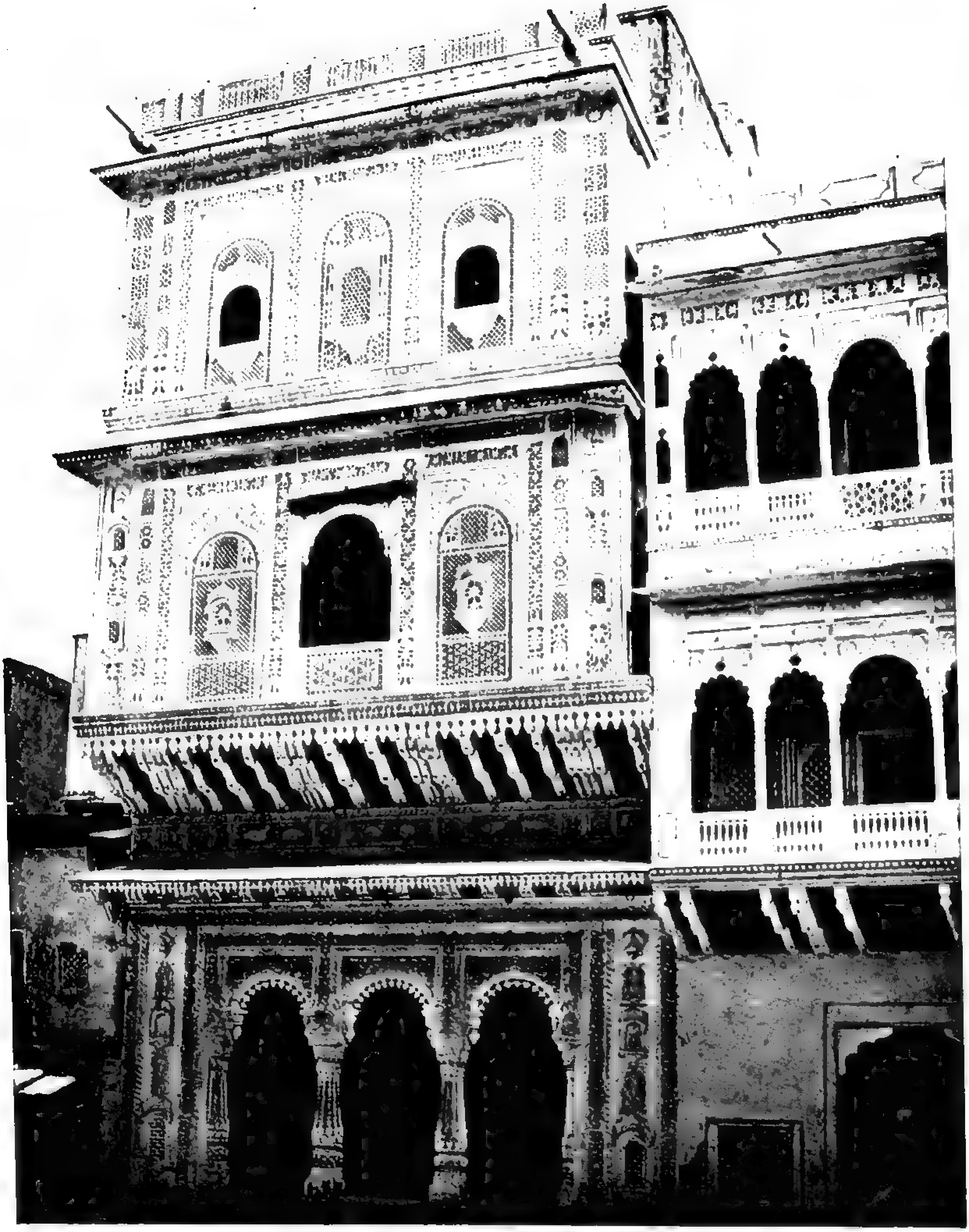
गोपालमन्दिर, किंग जार्ज पार्क, लश्कर, ग्वालियर
گوپال مندر کنگ جارج پارک - لشکر - گوالیار



मुहम्मद ग़ौस का मक़बरा, ग्वालियर
محمد غوث کا مقبرہ - گوالیار



तानसेन का मक़बरा, ग्वालियर
تان سین کا مقبرہ - گوالیار



ग्वालियर की एक इमारत का सामने का भाग और उसकी सुन्दर नक़ाशी
گوالیار کی ایک عمارت کا سامنے کا حصہ اور اس کی خوبصورت نقاشی



जयविलास महल, ग्वालियर

جے بلاس محل - گوالیار



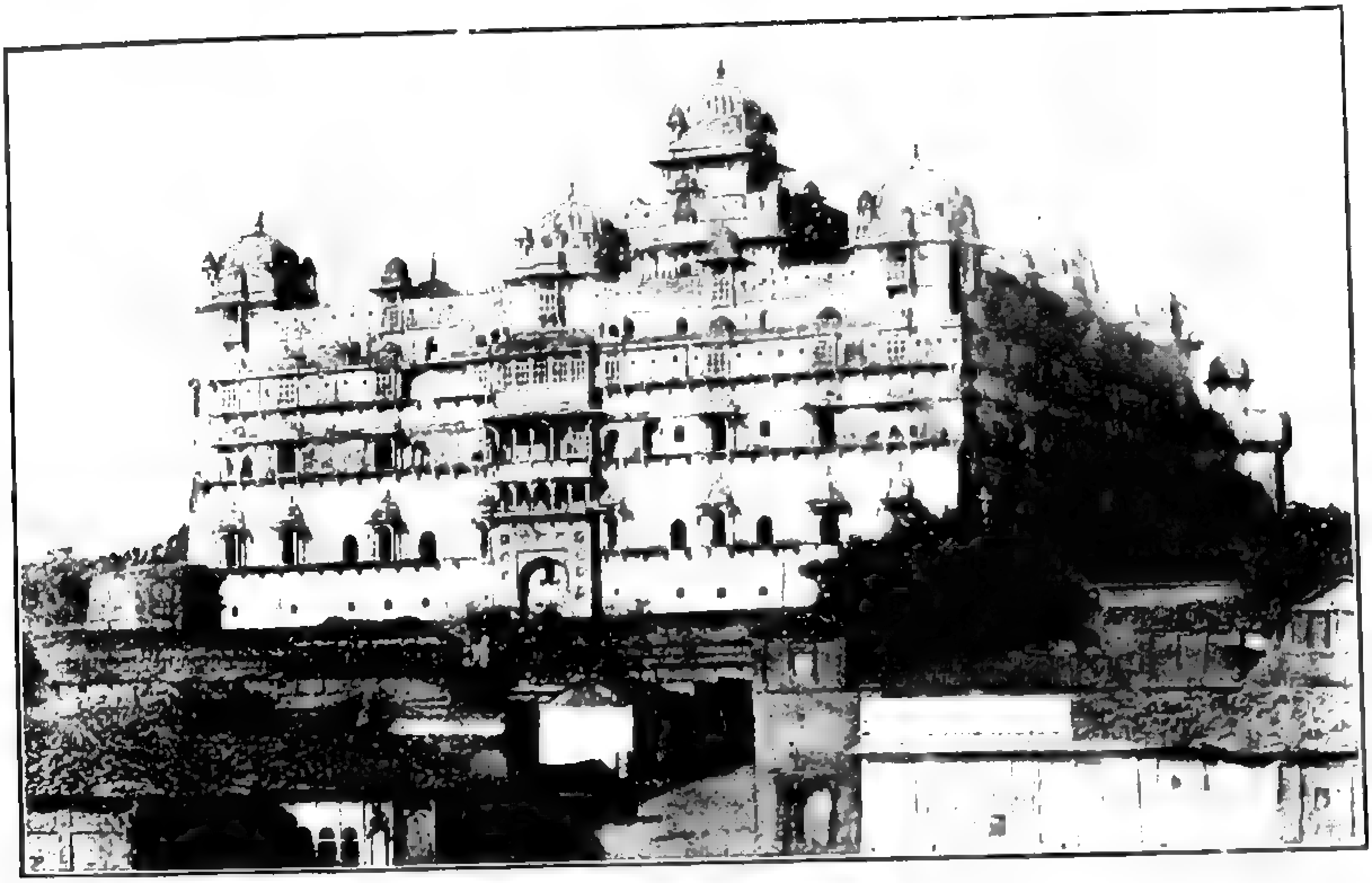
हिज़ हाइनेस महाराजा ग्वालियर

هز هائینس مهاراجه گوالیار



हिज़ हाइनेस महाराजा दतिया

هز هائینس مهاراجه دتیه



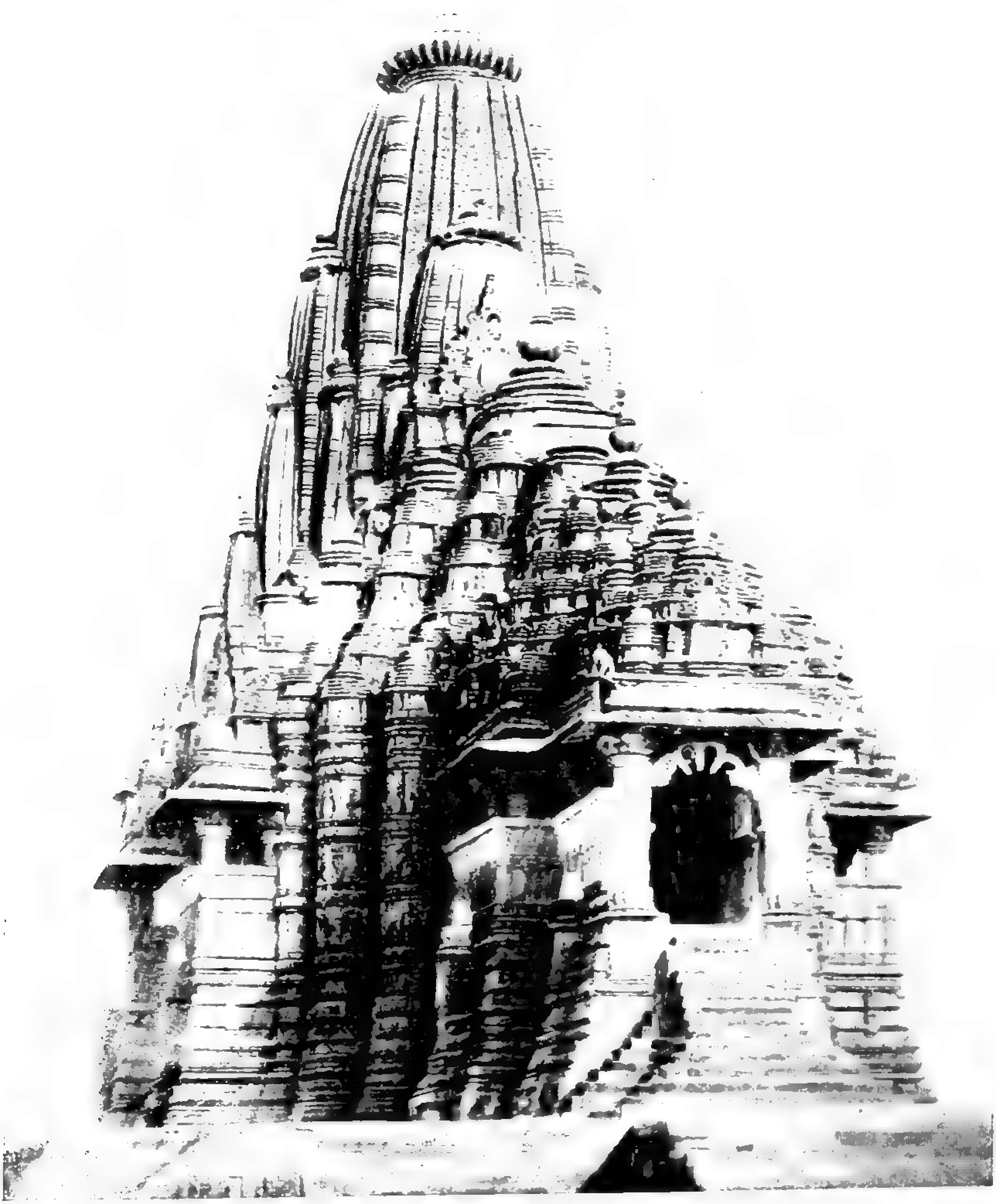
दतिया का पुराना राजमहल

دتیہ کا پُرانا راج محل



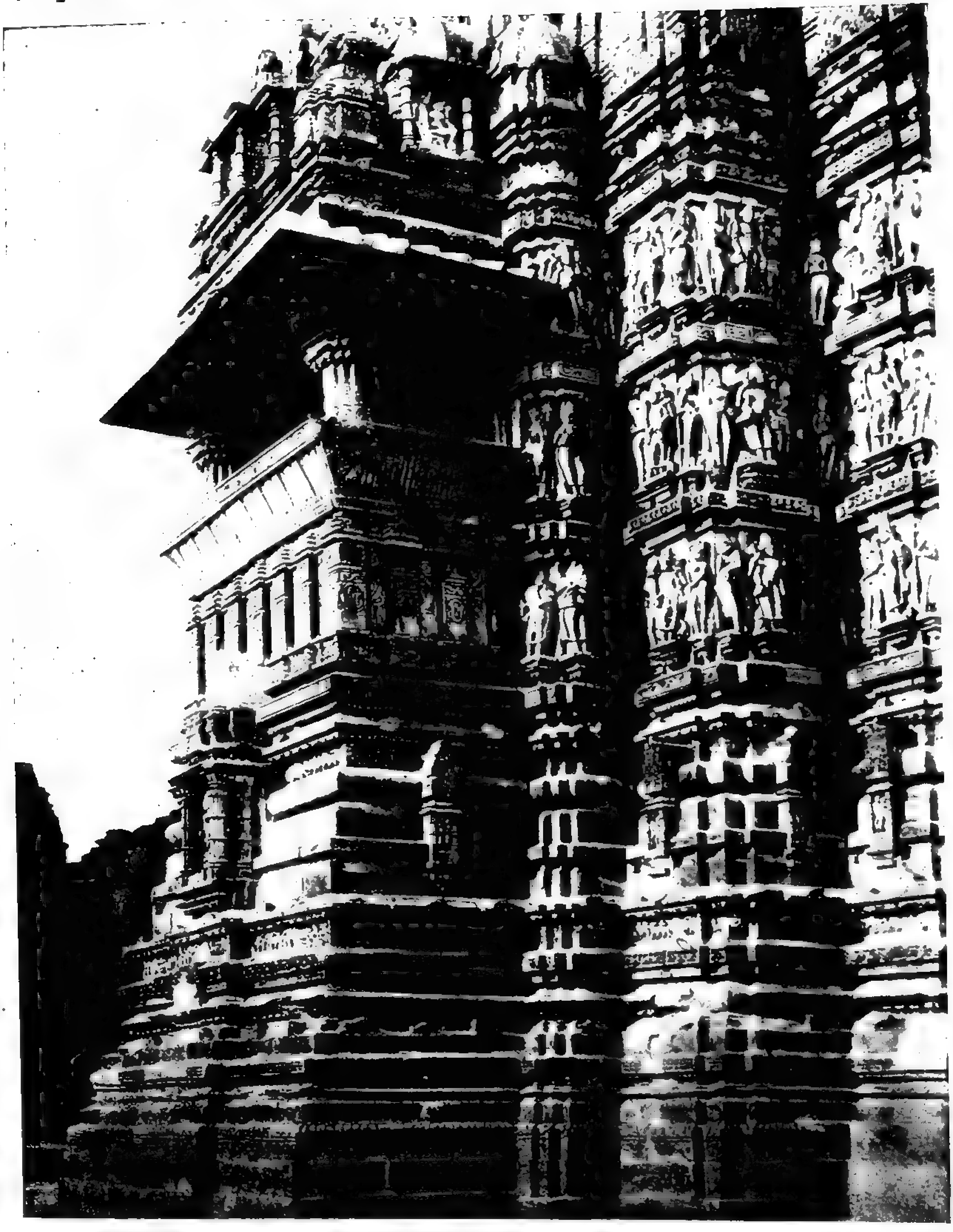
ओड़छा के राजमहल का एक दृश्य

اورچھا کے راج محل کا ایک نظارہ

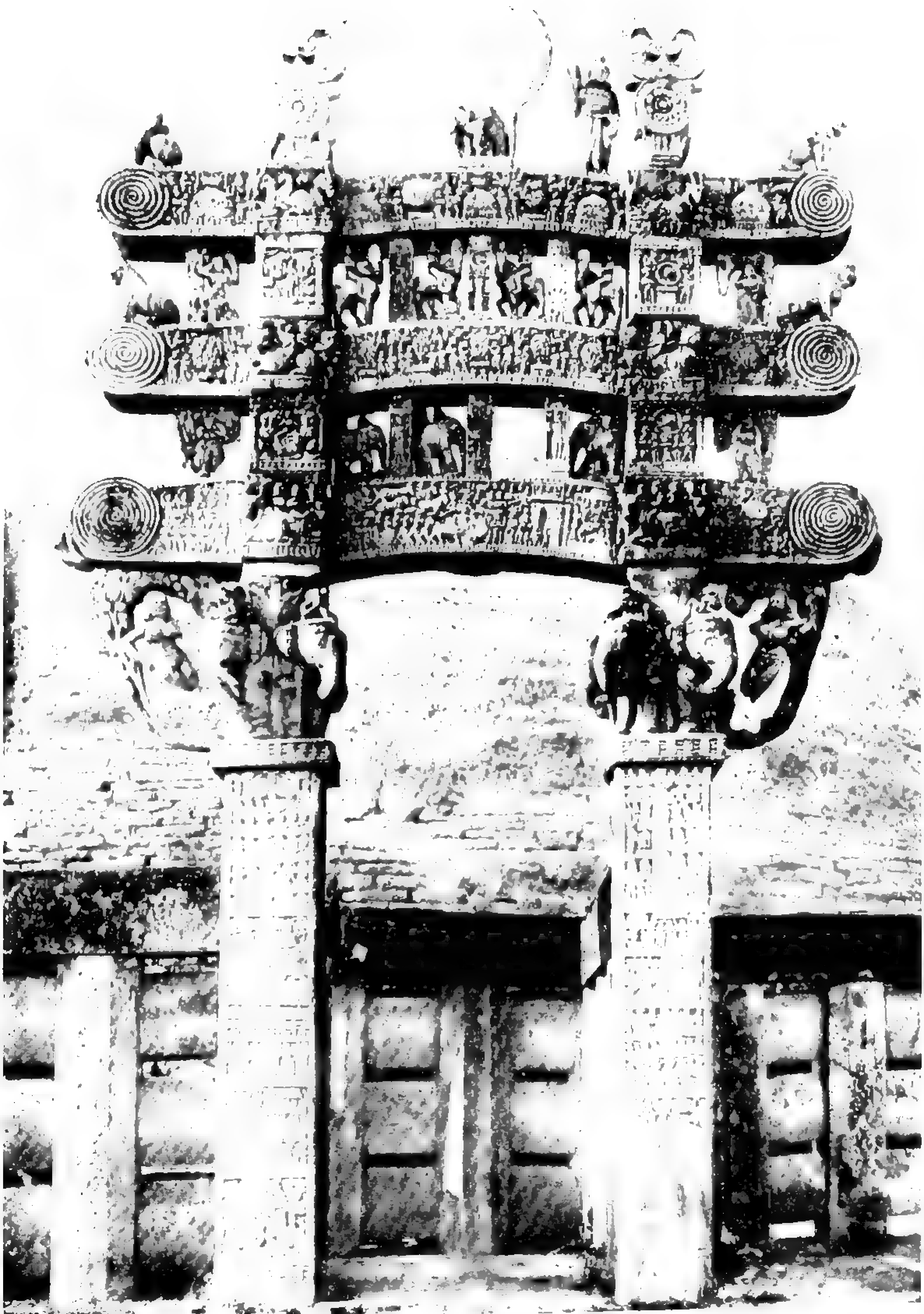


कण्डारिया महादेव का मन्दिर, खजुराहो

کنڈاریہ مہادیو کا مندر - کھجراہو

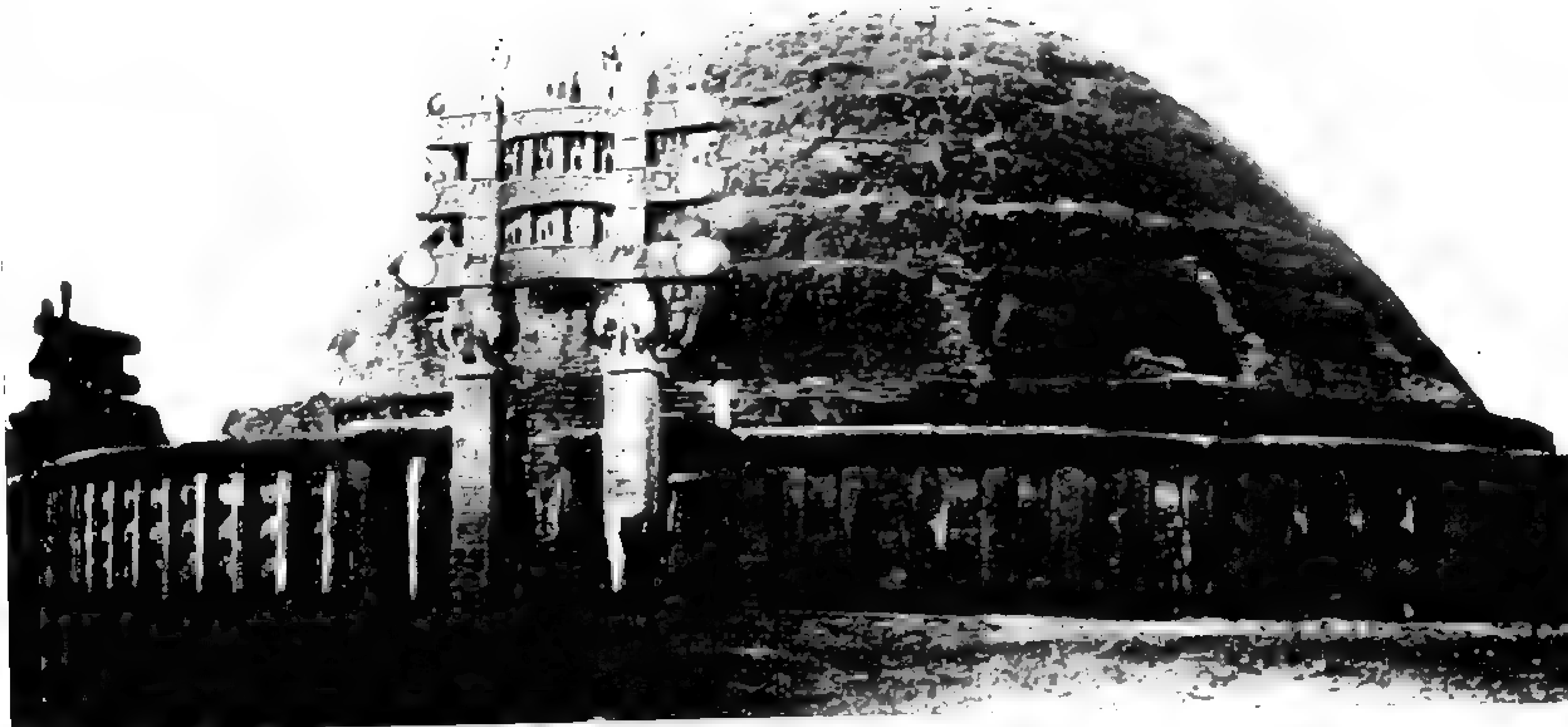


कण्डारिया महादेव के मन्दिर की सुन्दर कारीगरी, खजुराहो
کنڈاریہ مہادیو کے مندر کی خوبصورت کاریگری - کھجراہو



साँची-स्तूप का उत्तरी फाटक, भूपाल

سانچي استوپ کا شمالي پھاٹک - بھوپال



साँची-स्तूप का एक दृश्य, भूपाल

سانچي استوپ کا ایک نظارہ - بھوپال



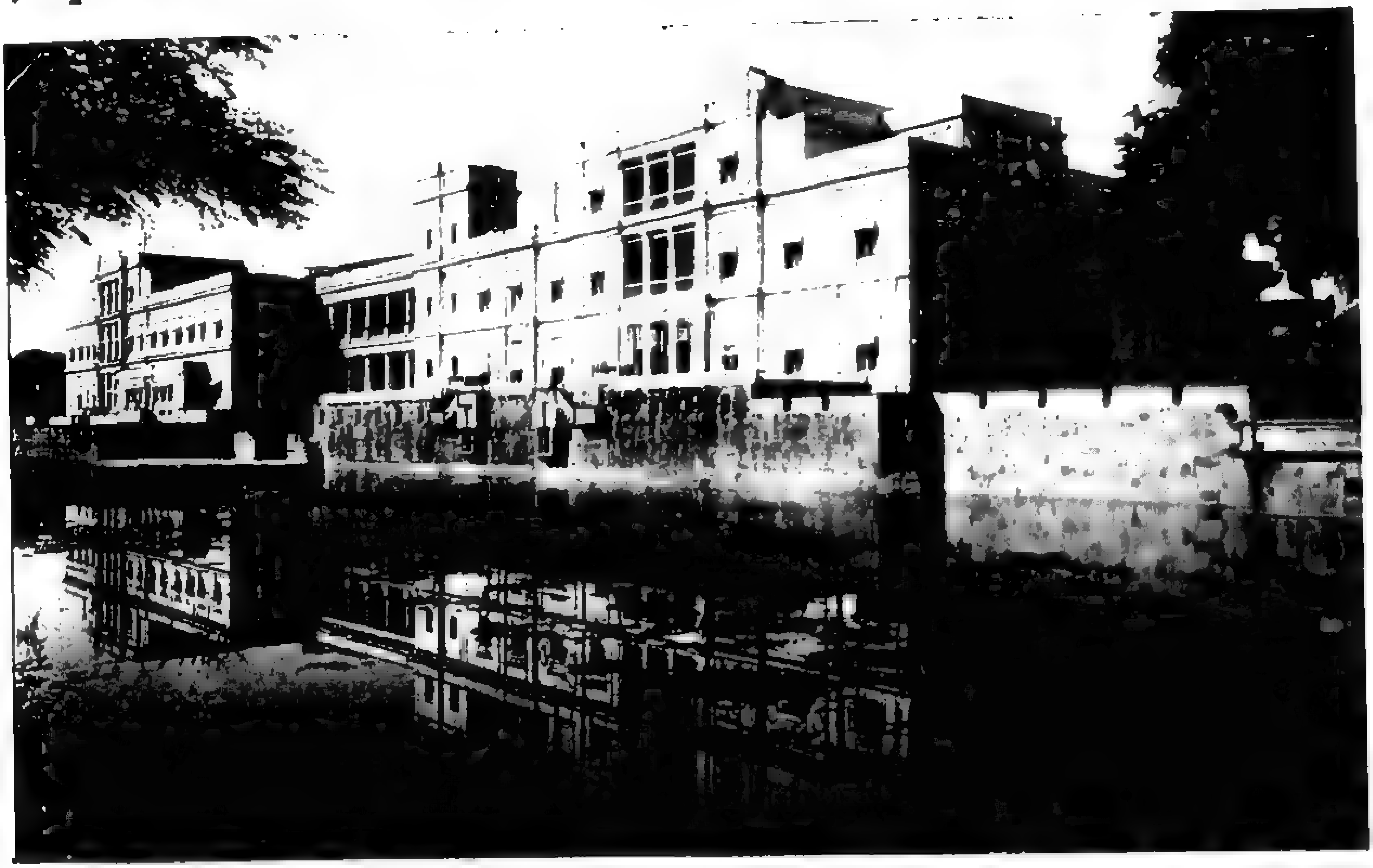
साँची-स्तूप के उत्तरी फाटक की सुन्दर कारीगरी

سانچي استوپ کے شمالي پھاٹک کي خوبصورت کاریگری



साँची-स्तूप के पूर्वी फाटक को कारीगरी का एक नमूना

سانچي استوپ کے مشرقي پھاٹک کي کاريگري کا ايک نمونه



लालबागमहल, इन्दौर

لال باغ محل - اندور



हाई-कोर्ट, इन्दौर
هائي كورت - اندور



हिज़ हाइनेस महाराजा इन्दौर
ہز ہائینس مہاراجہ اندور



हिज़ हाइनेस महाराजा रीवाँ
ہز ہائینس مہاراجہ ریواں



हिज़ हाइनेस महाराजा ओड़छा
ہز ہائینس مہاراجہ اوڑچھا



हिज़ हाइनेस नवाब भूपाल
ہز ہائینس نواب بھوپال



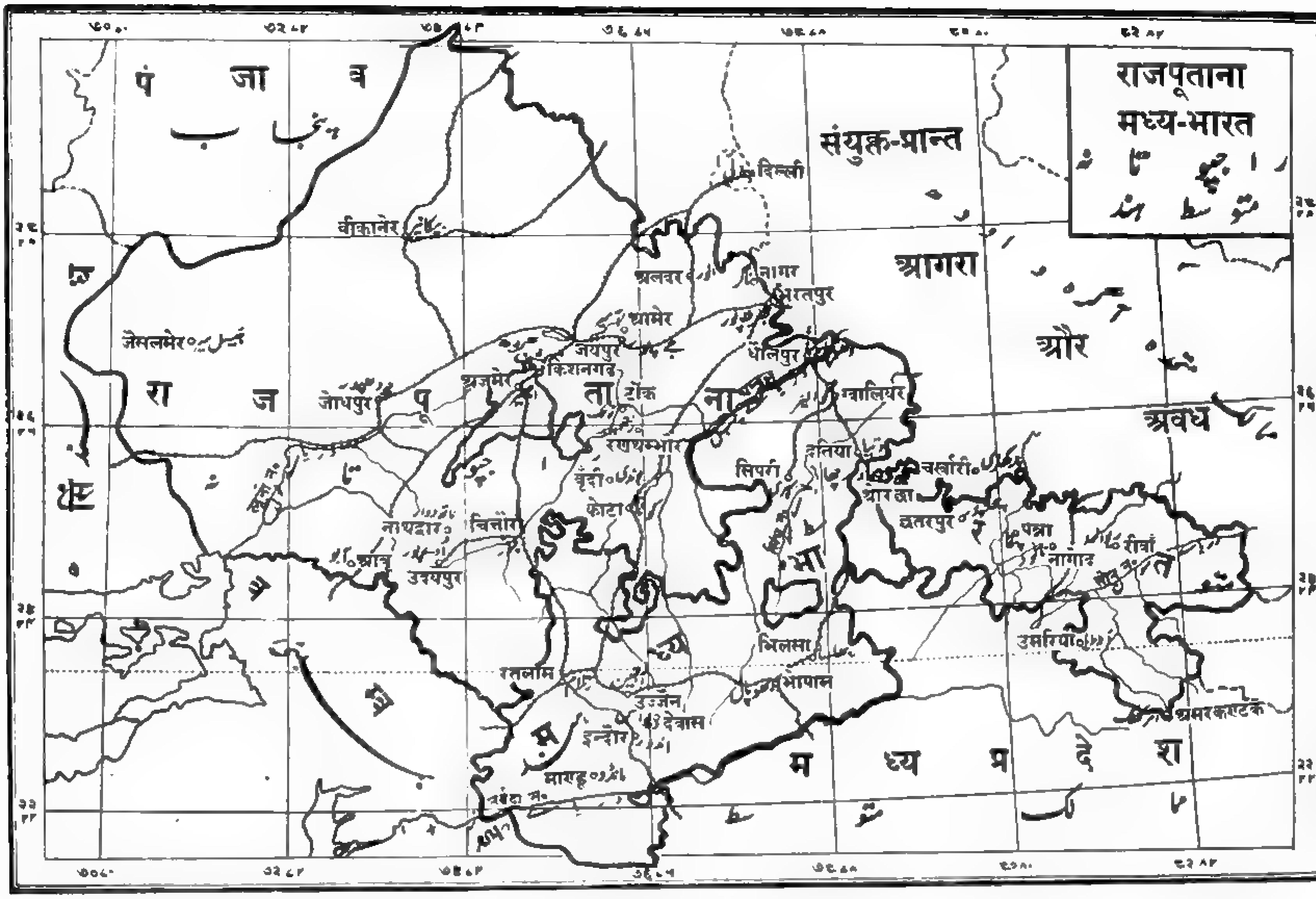
कालीदह जलमहल, उज्जैन

کالي ده آبي محل - اُجين



जामा मस्जिद, माँडू

جامع مسجد -مانڈو

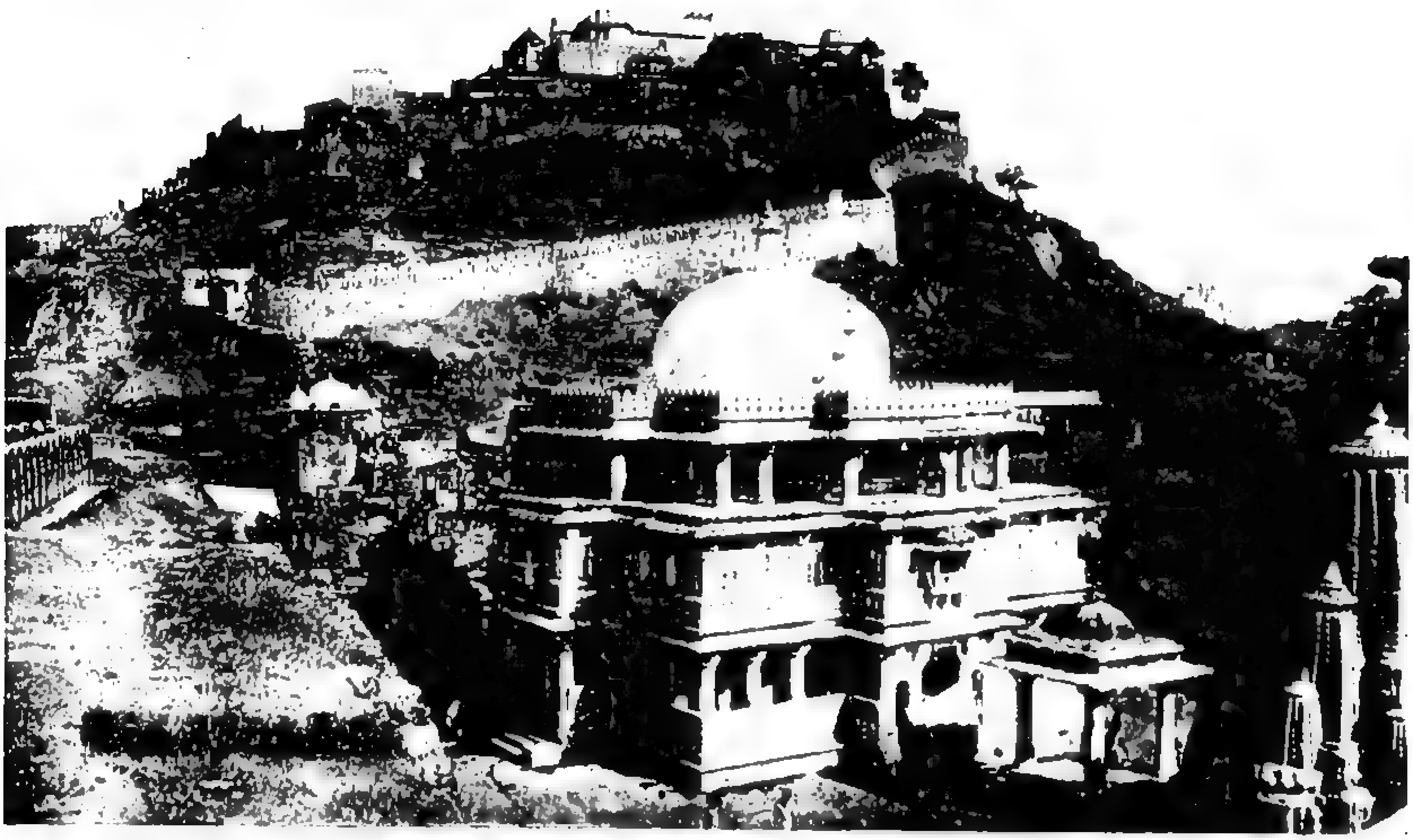


राजपूताना

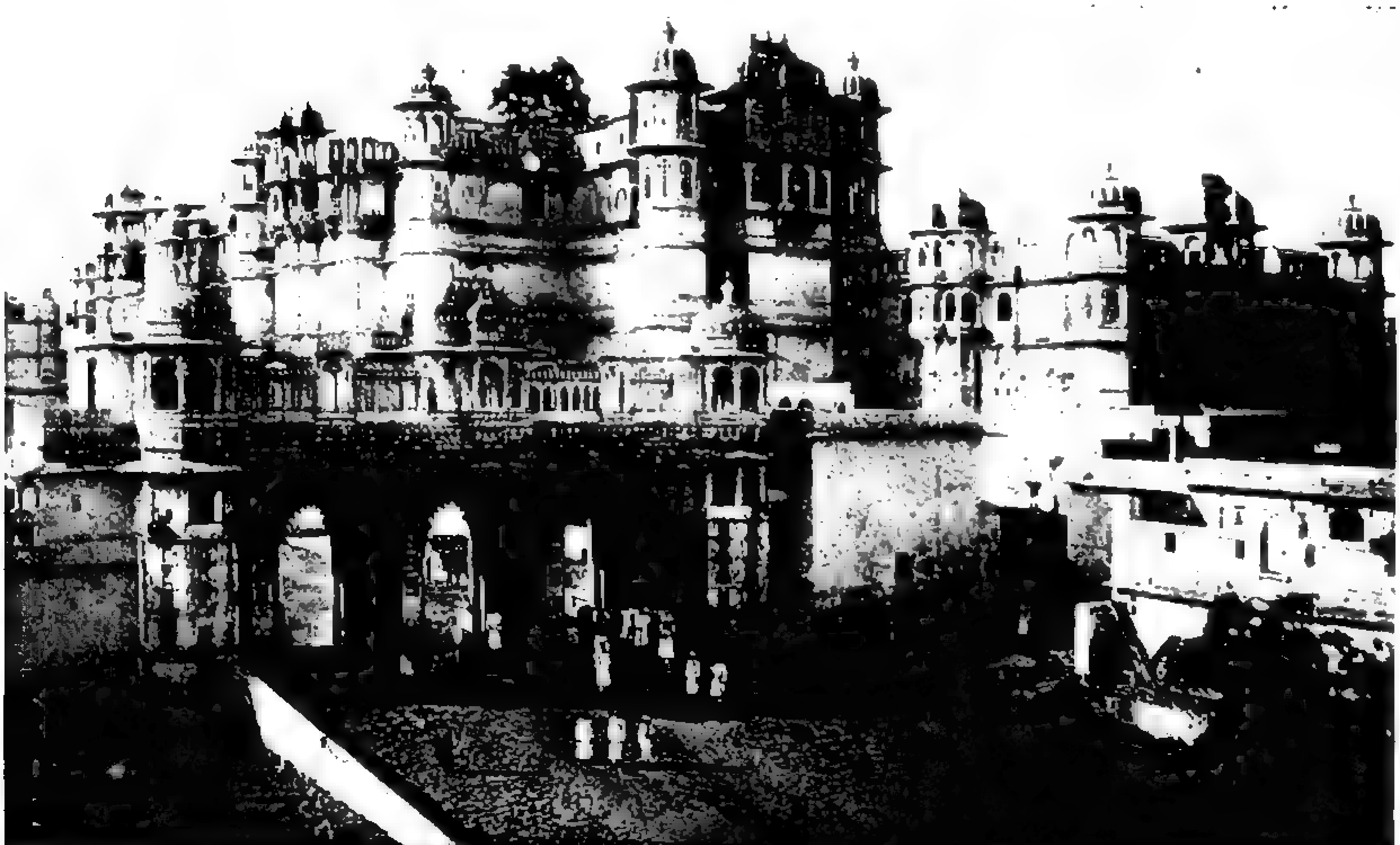
इस प्रदेश को अरावली-पर्वतश्रेणी ने दो भागों में बाँट दिया है। पूर्वी भाग अच्छा है। यहाँ वृष्टि भी होती है और गर्मी भी अधिक नहीं पड़ती। इस भाग की मुख्य उपज गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का, चना, मूँग, तेलहन और कपास है। पश्चिमी भाग ज़्यादा गर्म और खुश्क है। यहाँ प्राय: अकाल पड़ जाता है। यहाँ साँभर-झील है, जहाँ नमक बनाया जाता है। इस प्रदेश की मुख्य रियासतें—जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बूँदी, भरतपुर, अलवर, बीकानेर और जैसलमेर हैं। इन रियासतों की राजधानियाँ इन्हीं के नामों के शहर हैं। इनके अतिरिक्त अजमेर और आबू बहुत प्रसिद्ध स्थान हैं। पुष्कर हिन्दुओं का तीर्थ है, जहाँ ब्रह्मा जी का प्रसिद्ध मन्दिर है। यहाँ की रियासतों के पुराने क़िले, राजमहल और बढ़िया बढ़िया इमारतें देखने योग्य हैं।

راجپوتانہ

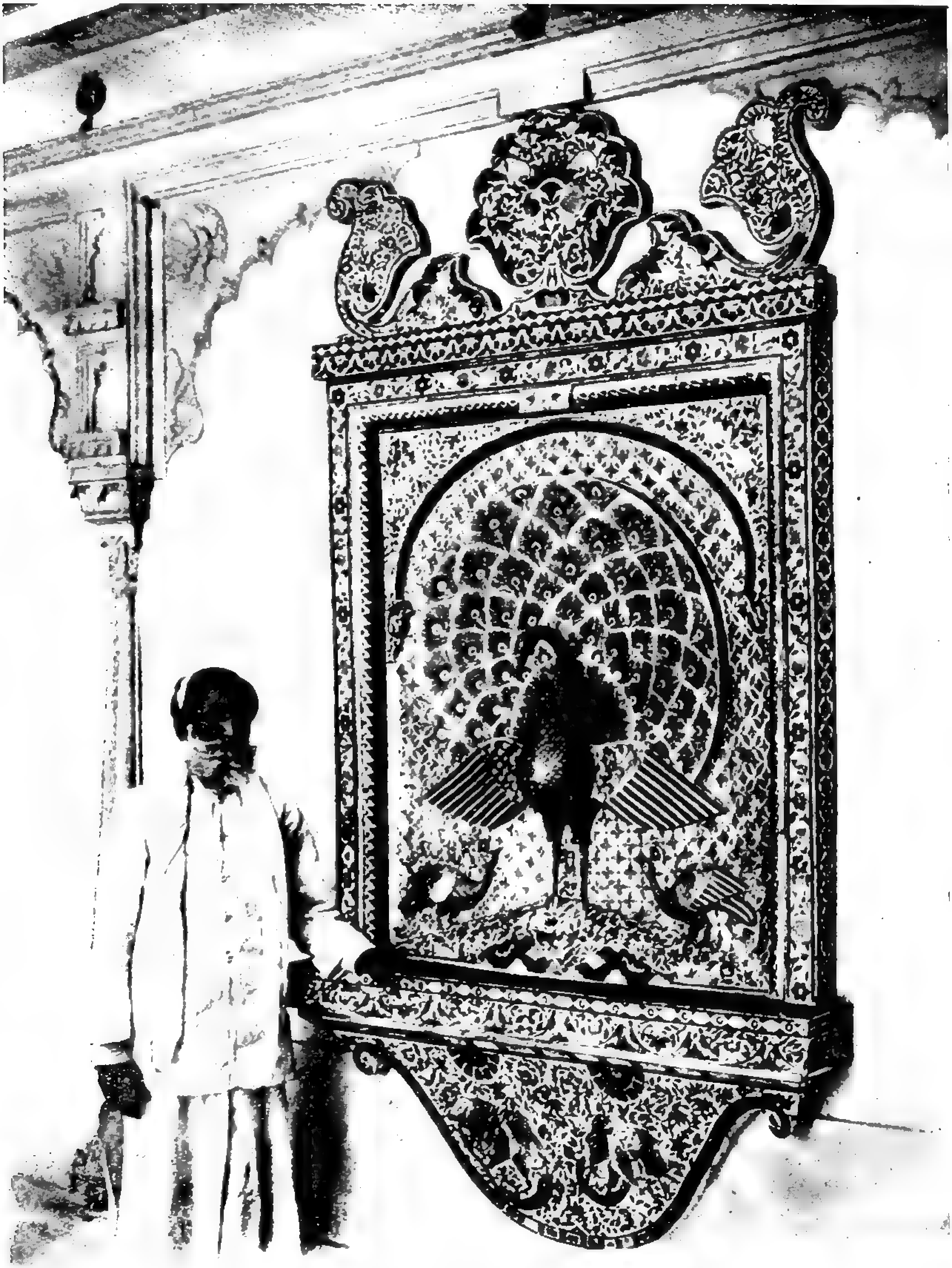
اس خطّے کو اراولی پہاڑوں نے دو حصوں میں تقسیم کر دیا ہے - مشرقی حصہ اچھا ہے - اس میں بارش بھی ہوتی ہے اور گرمی بھی زیادہ نہیں پڑتی - اس حصہ کی خاص پیداوار گیہوں، جو، جوار، باجرہ، مکئی، چنا، مونگ، تلہن اور کپاس ہے - مغربی حصہ زیادہ گرم اور خشک ہے - یہاں اکثر قحط پڑ جاتا ہے یہاں سانبھر جھیل ہے جہاں نمک بنایا جاتا ہے - اس صوبہ کی خاص خاص بڑی ریاستیں جےپور، جودھپور، اودےپور، کوٹہ، بوندی، بھرتپور، الور، بیکانیر اور جیسلمیر ہیں - ان ریاستوں کے صدر مقامات ان ہی نام کے شہر ہیں - انکے علاوہ اجمیر اور آبو پہاڑ بھی بہت مشہور ہیں - پشکر ہندوؤں کا مشہور تیرتھ استھان ہے جہاں برہما جی کا مندر ہے - ان ریاستوں میں پرانے قلعے، محلات اور عمدہ عمدہ عمارتیں ہیں جو قابل دید ہیں -



कुम्भलगढ़ के क़िले का एक सुन्दर दृश्य, उदयपुर
کمبھل گڈھ کے قلعہ کا ایک خوشنما نظارہ - اودے پور

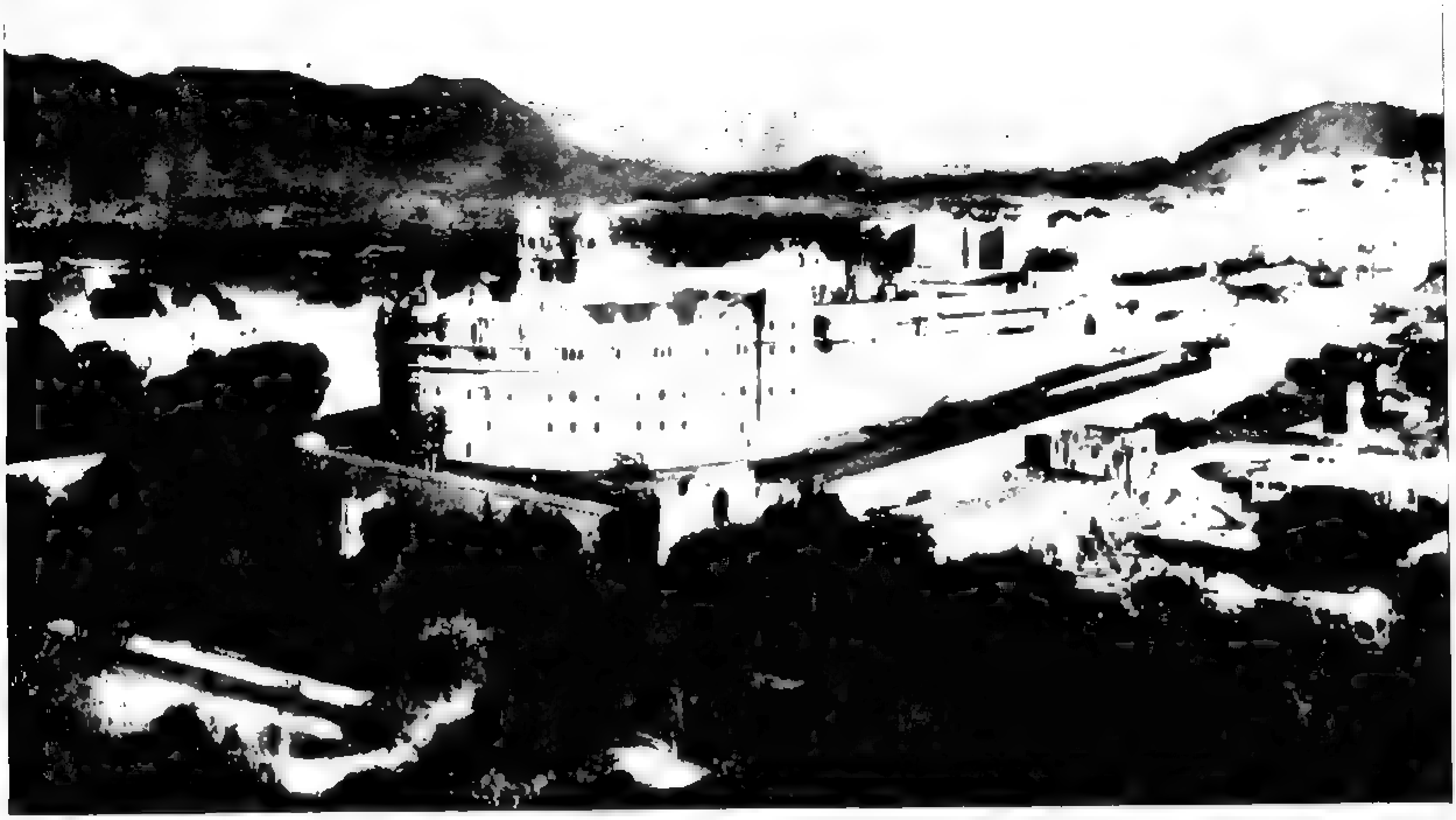


उदयपुर का राजमहल
اودے پور کا راج محل



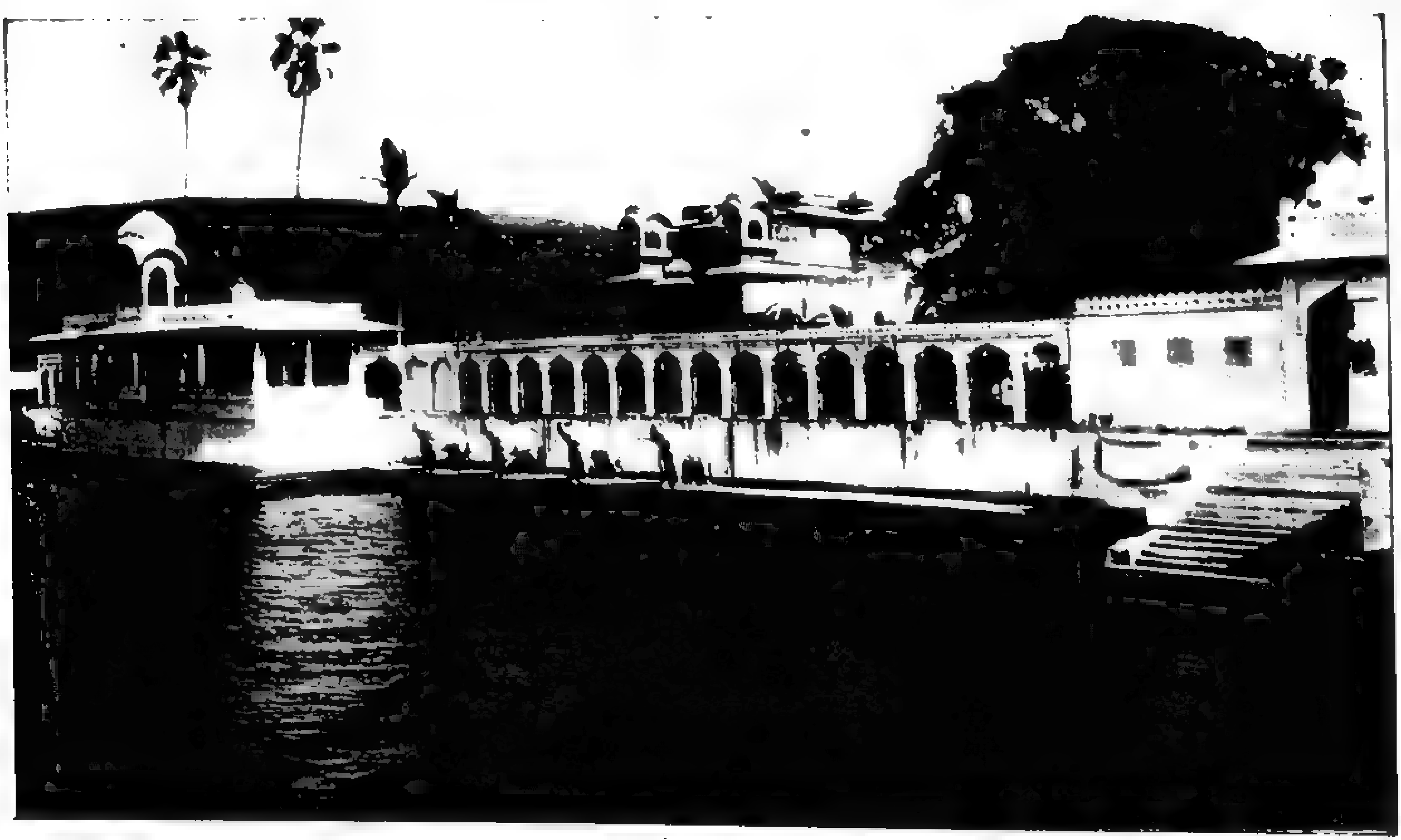
उदयपुर के राजमहल में पच्चीकारी का एक सुन्दर नमूना

اودے پور کے راج محل میں پچی کاری کا ایک خوبصورت نمونہ



शिवनिवास-महल, उदयपुर

شیو نواس محل - اودے پور



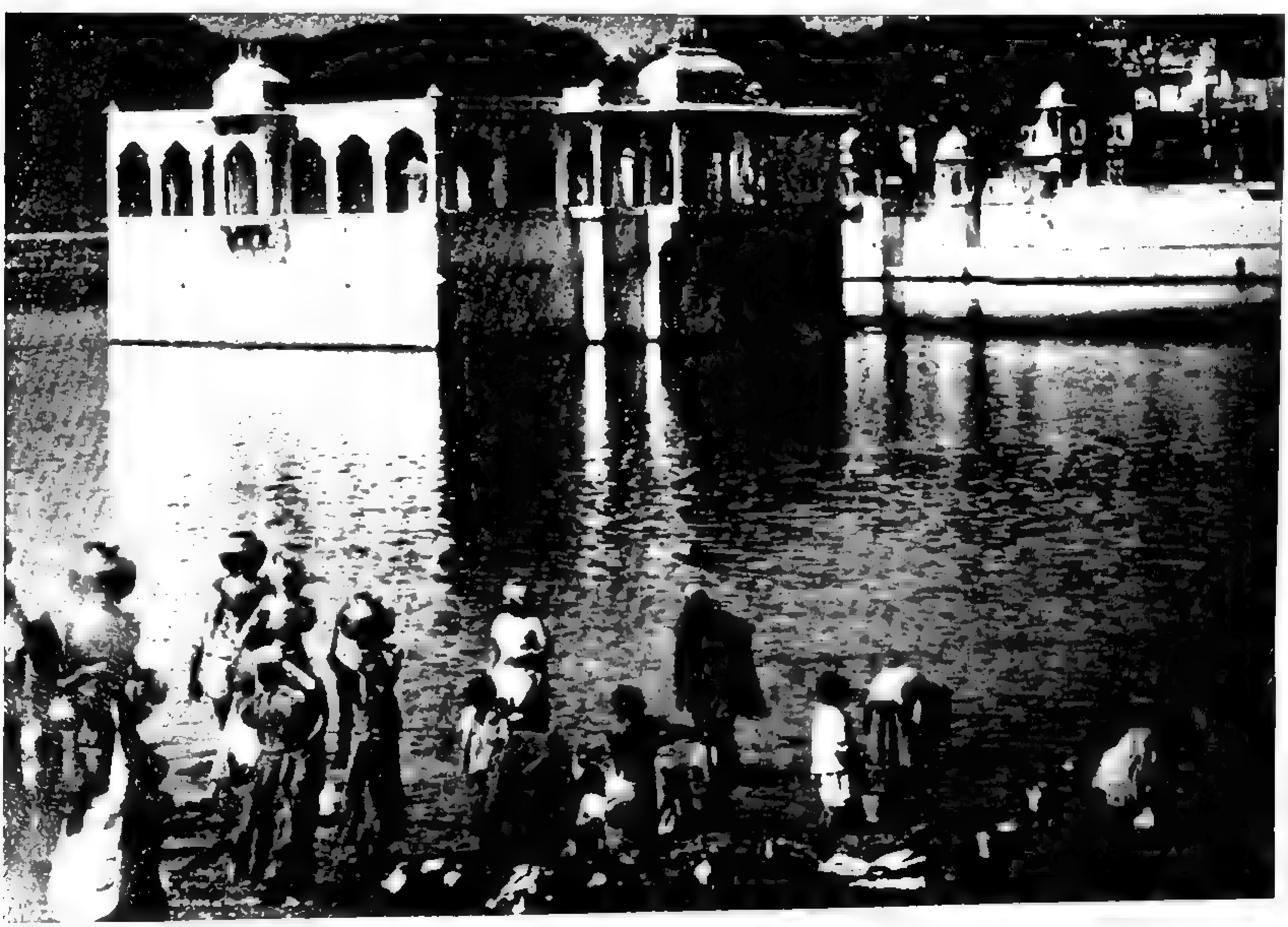
जगमन्दिर, उदयपुर

جگ مندر - اودے پور



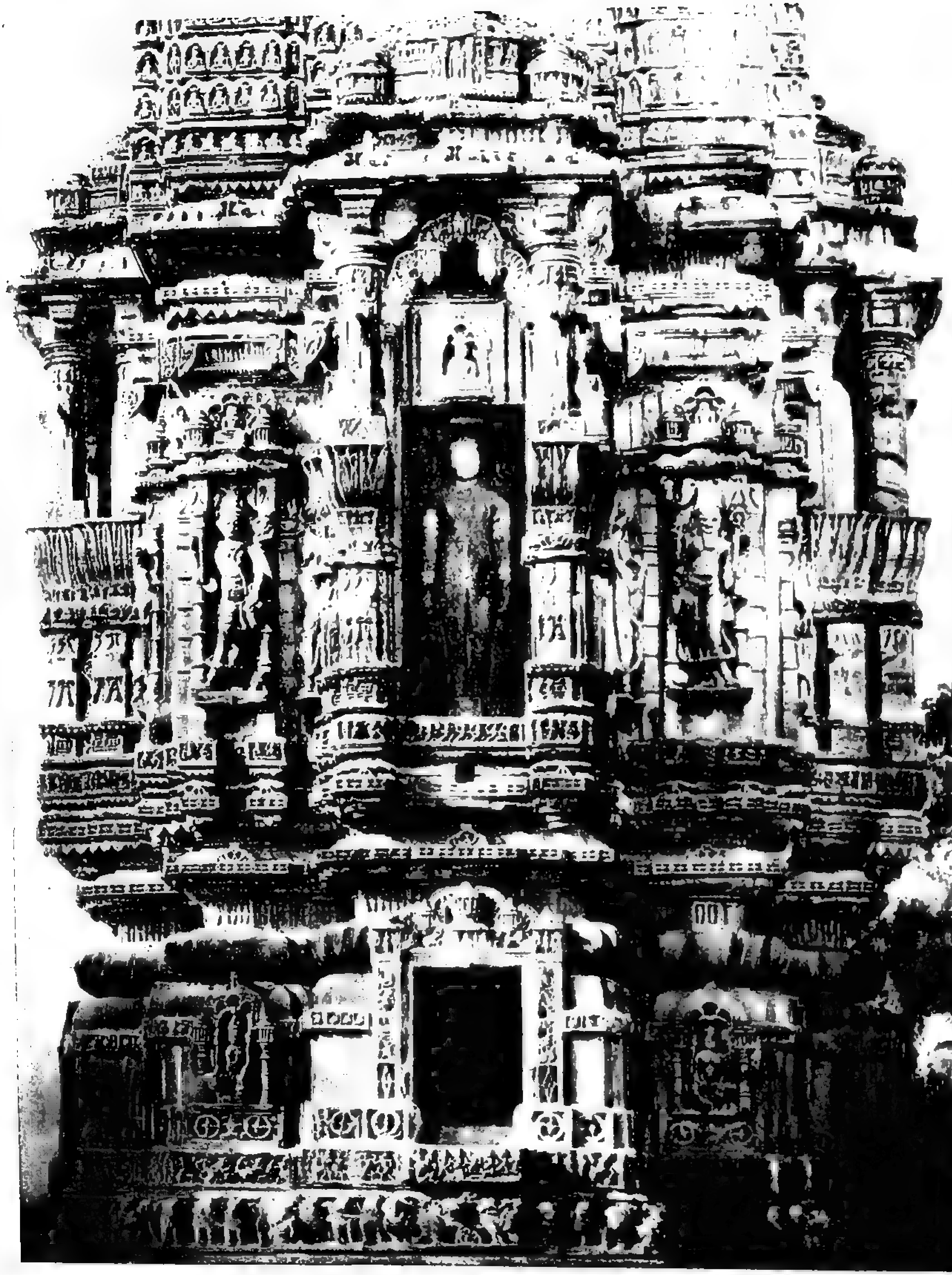
उदयपुर की पिचोला झील में प्राचीन राजमहल

اودےپور کی پچولا جھیل میں پرانا راج محل



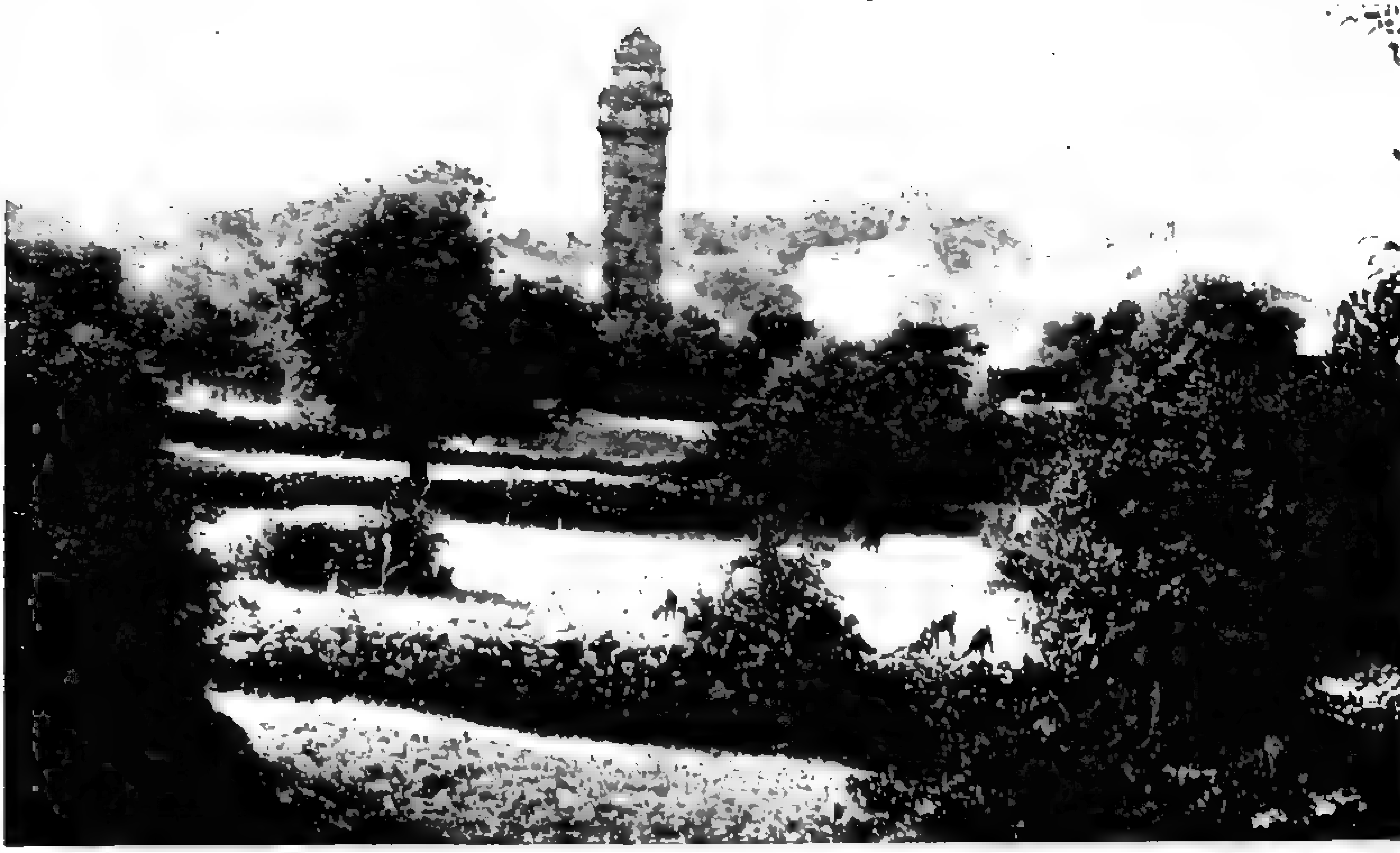
गनगौर-घाट, उदयपुर

گنگور گھاٹ - اودےپور



चित्तौड़गढ़ के जय-स्तम्भ की कारीगरी का दृश्य

چتوڑ گڈہ کے فتح مینار کي کاريگري کا ايک نظارہ



जय-स्तम्भ, चित्तौड़गढ़
فتح مینار - چتوڑ گڈھ



पद्मिनी का जल-महल, चित्तौड़गढ़
پدمنی کا آبی محل - چتوڑ گڈھ



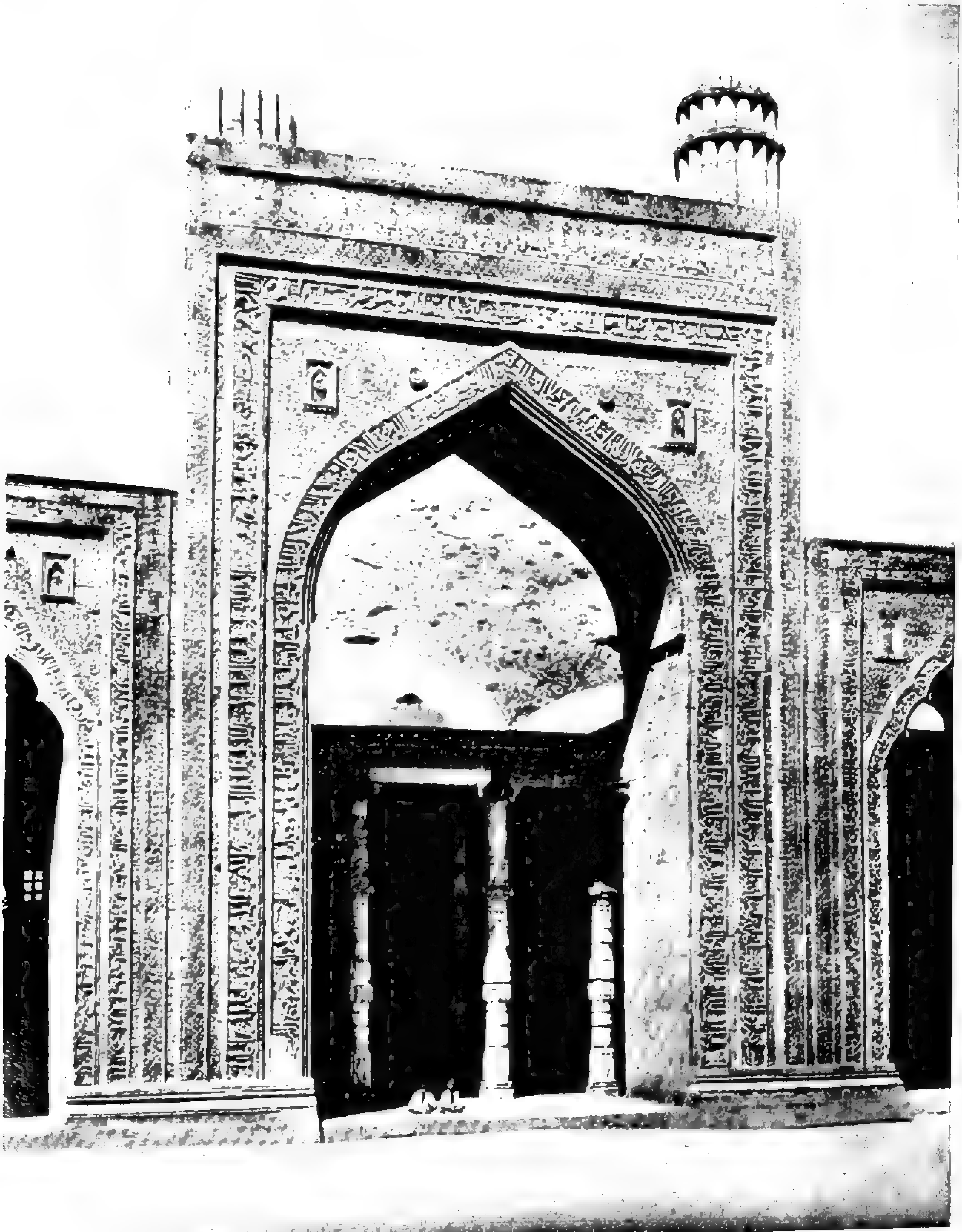
उदयपुर के सशस्त्र राजपूत

اودےپور کے ھتھیار بند راجپوت



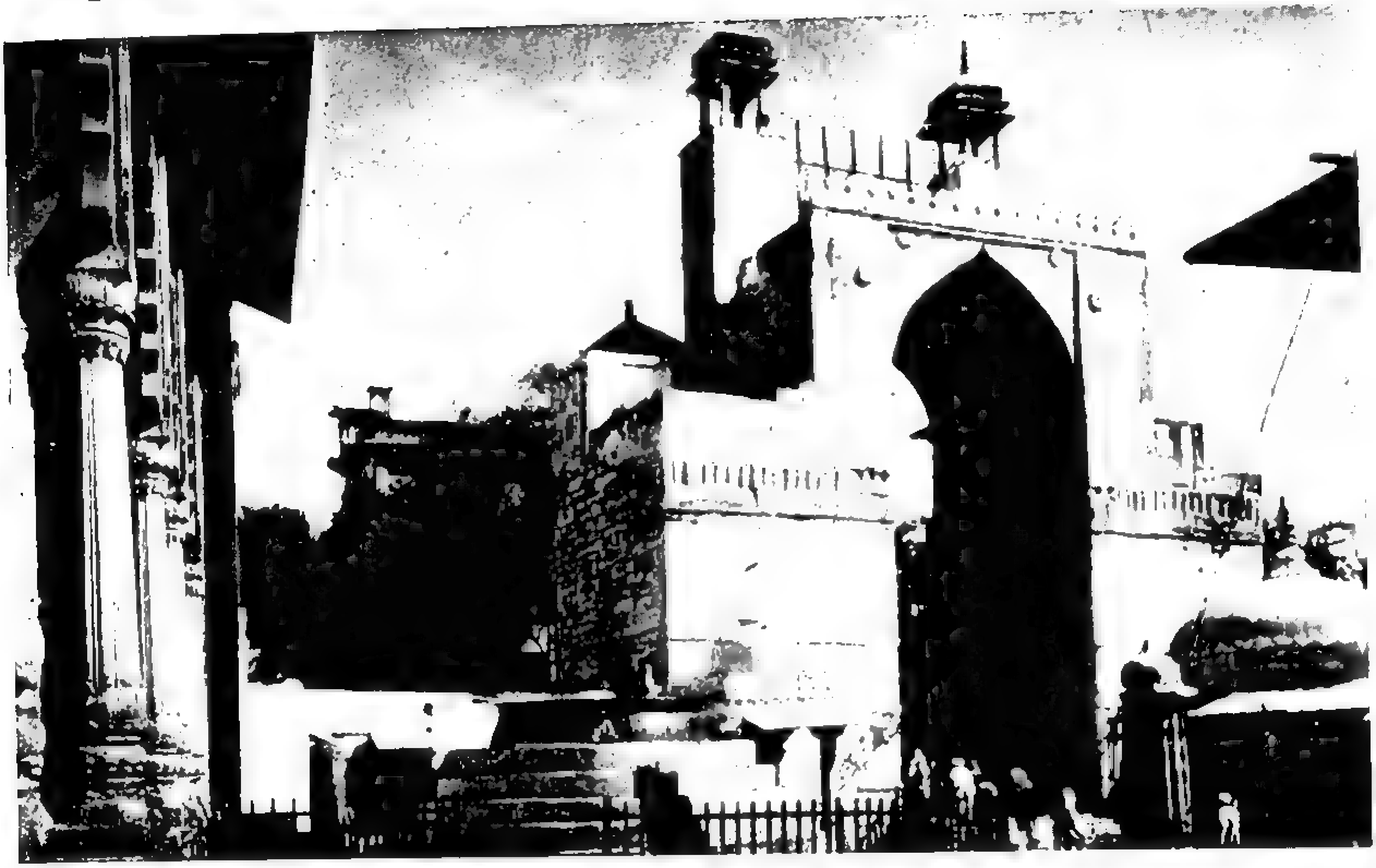
उदयपुर के व्यवसायी कारबार की धुन में

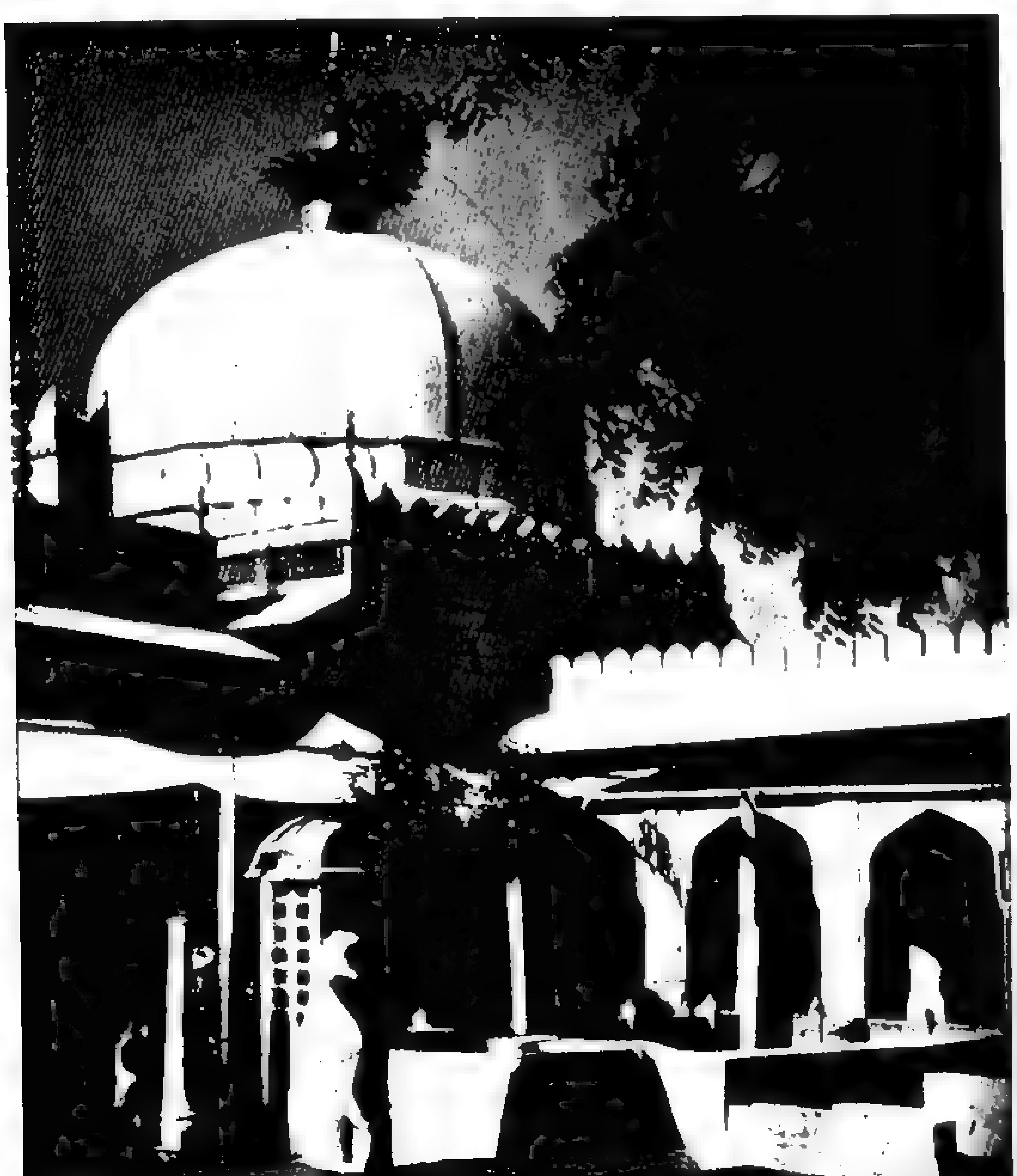
اودےپور کے کار و باري لوگ اپنے کام کي دھن میں



'अढ़ाई दिन का झोंपड़ा' नाम की एक मस्जिद, अजमेर

'اڑھائی دن کا جھونپڑہ' نام کی ایک مسجد - اجمیر



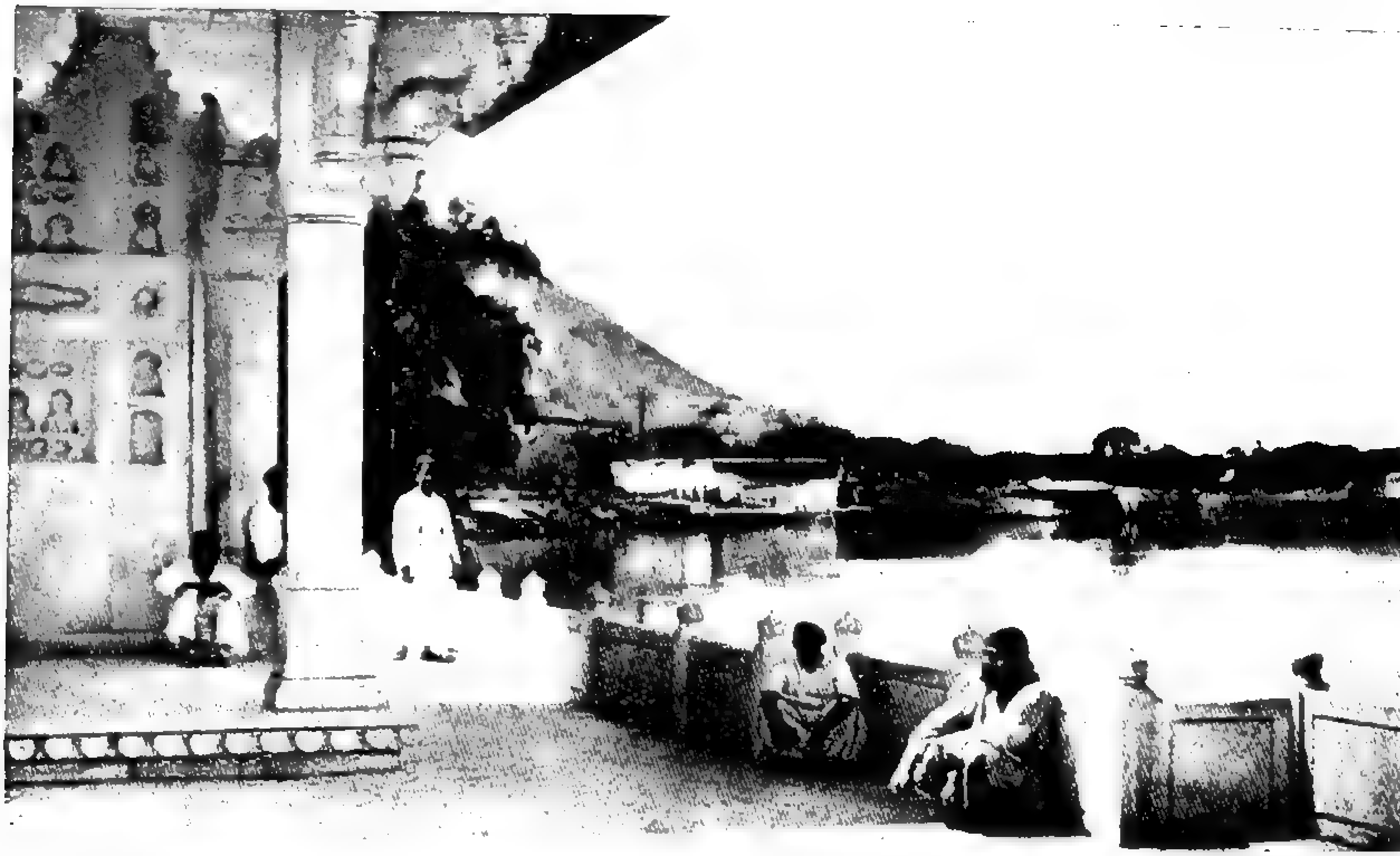


ऊपर—ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह का भीतरी फाटक, अजमेर

أوپر – خواجه معين‌الدين چشتي کي درگاه کا اندروني پھاٹك – اجمير

नीचे—ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, अजमेर

نيچے – خواجه معين‌الدين چشتي کي درگاه – اجمير



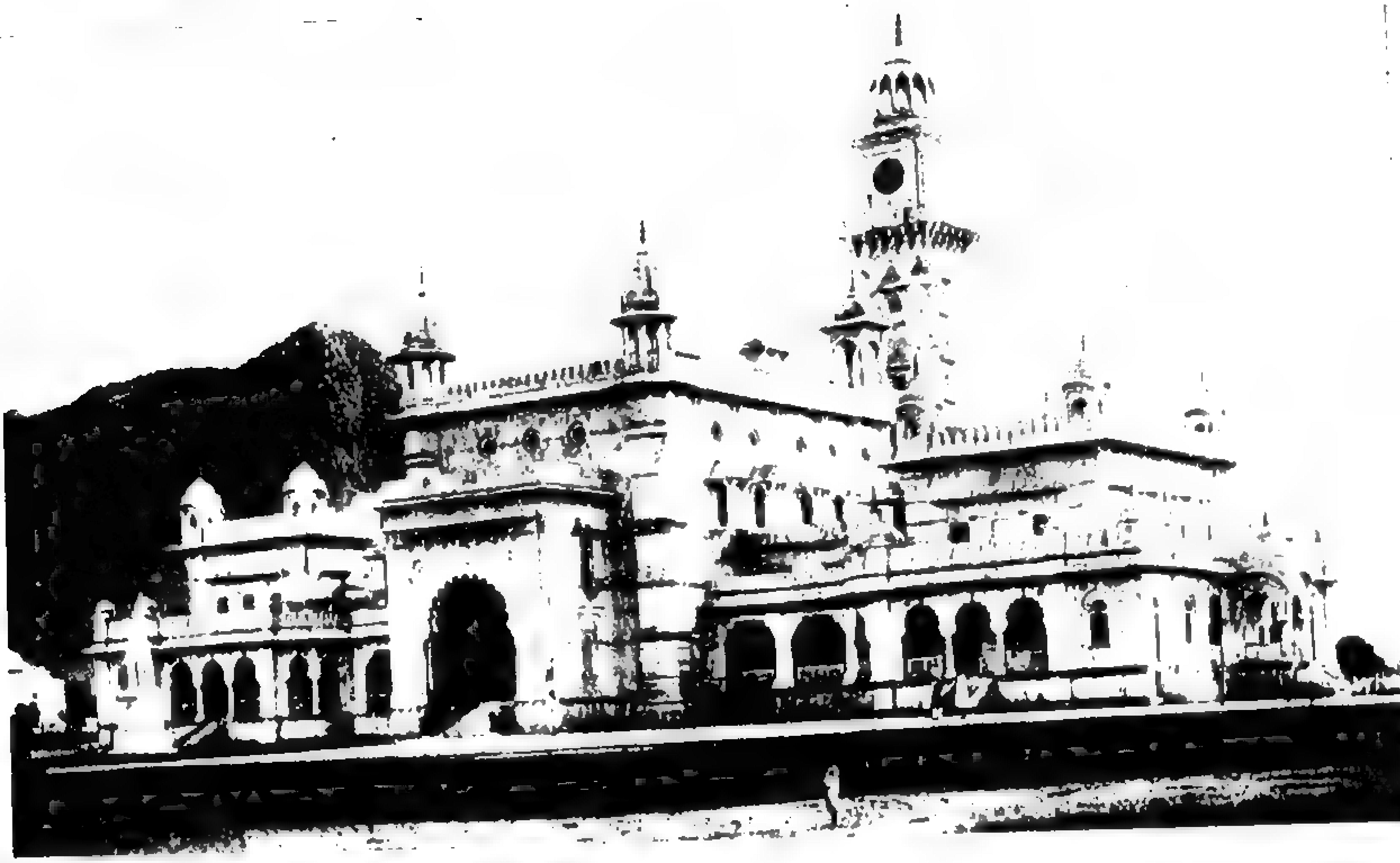
अनासागर के तट का एक सुन्दर दृश्य, अजमेर

اناساگر کے ساحل کا ایک خوشنما منظر - اجمیر



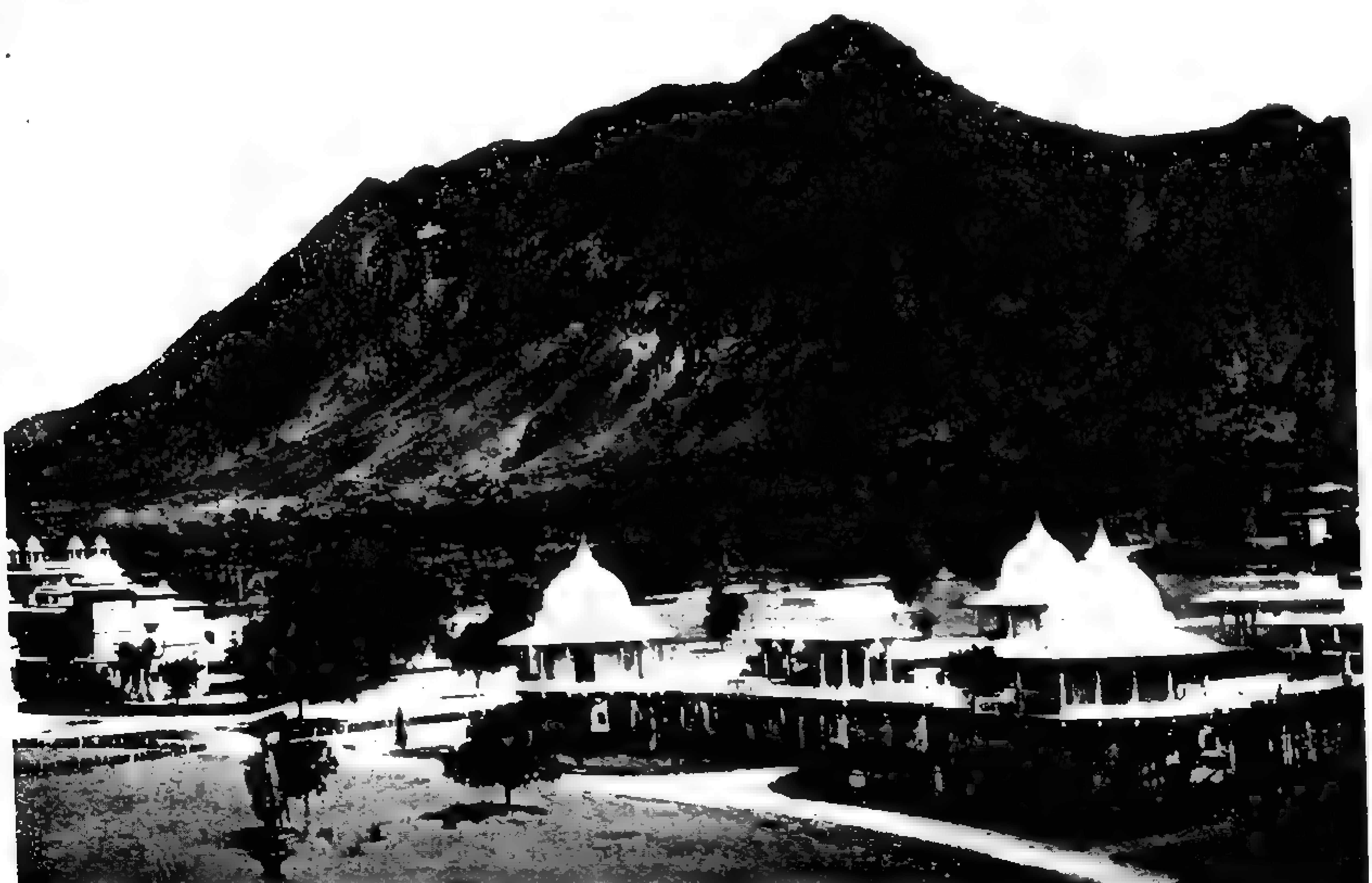
अजमेर की एक सड़क का दृश्य

اجمیر کی ایک سڑک کا نظارہ



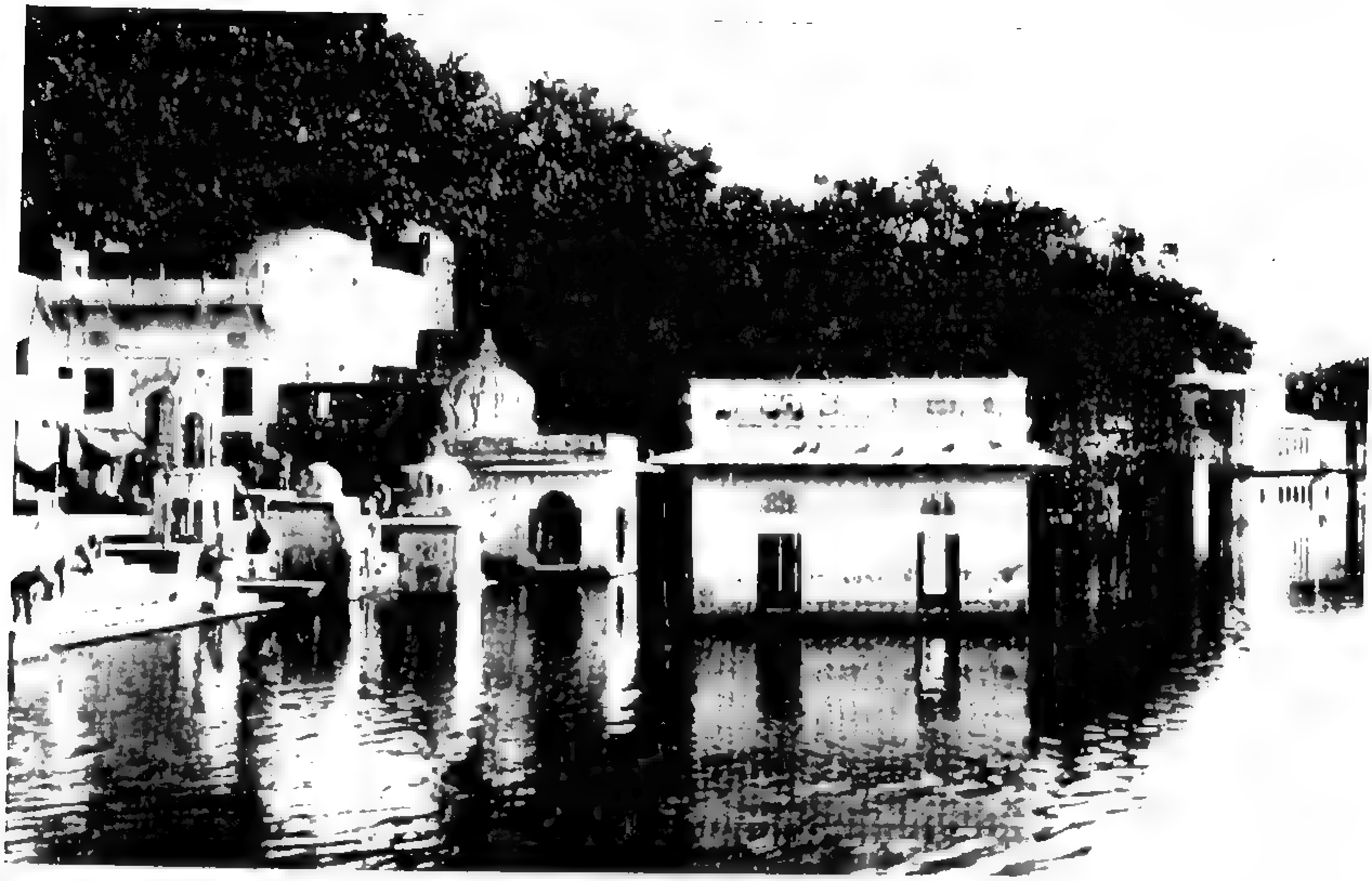
मेयो-कालेज, अजमेर

میؤ کالج - اجمیر

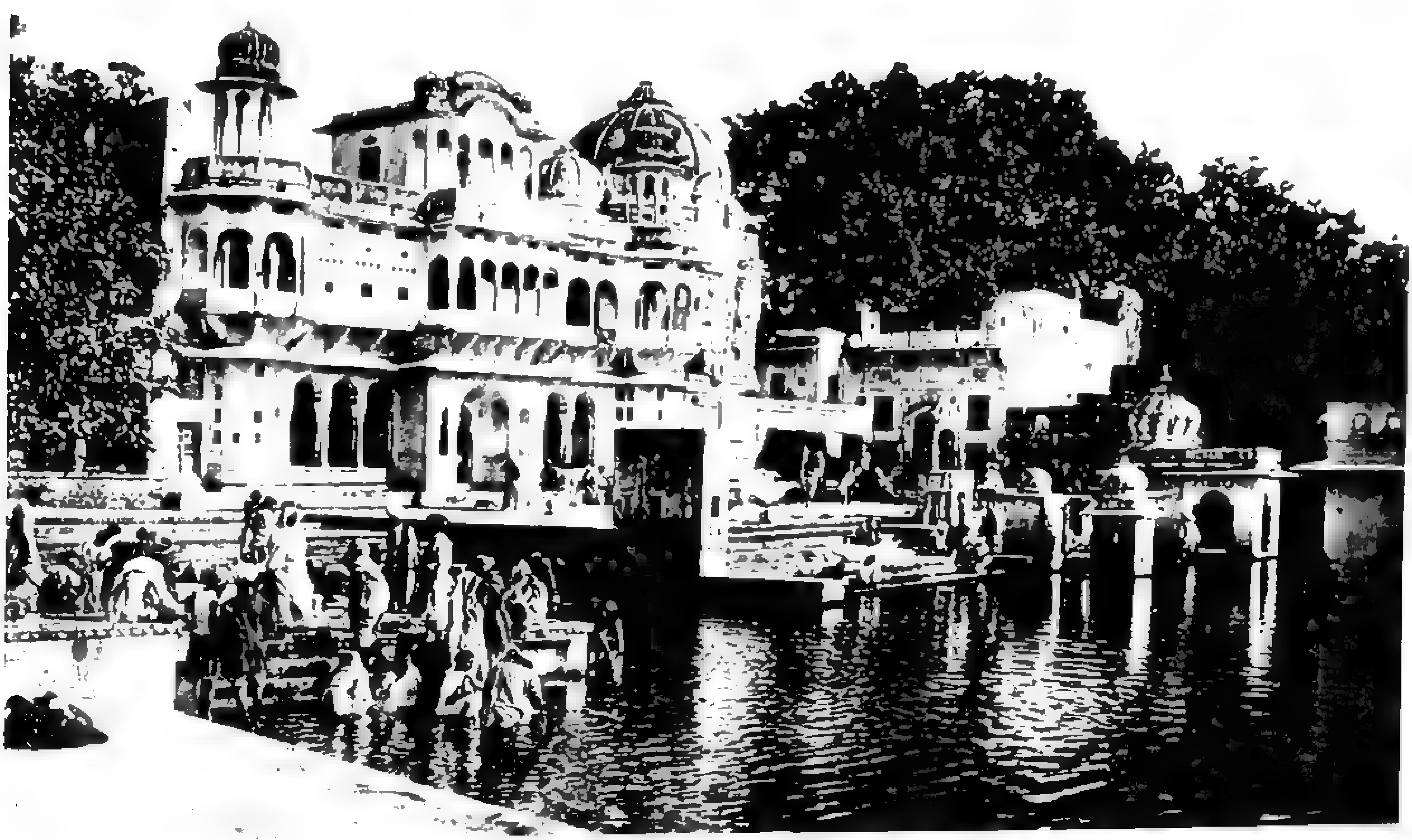


जयपुर-कोठी, अजमेर

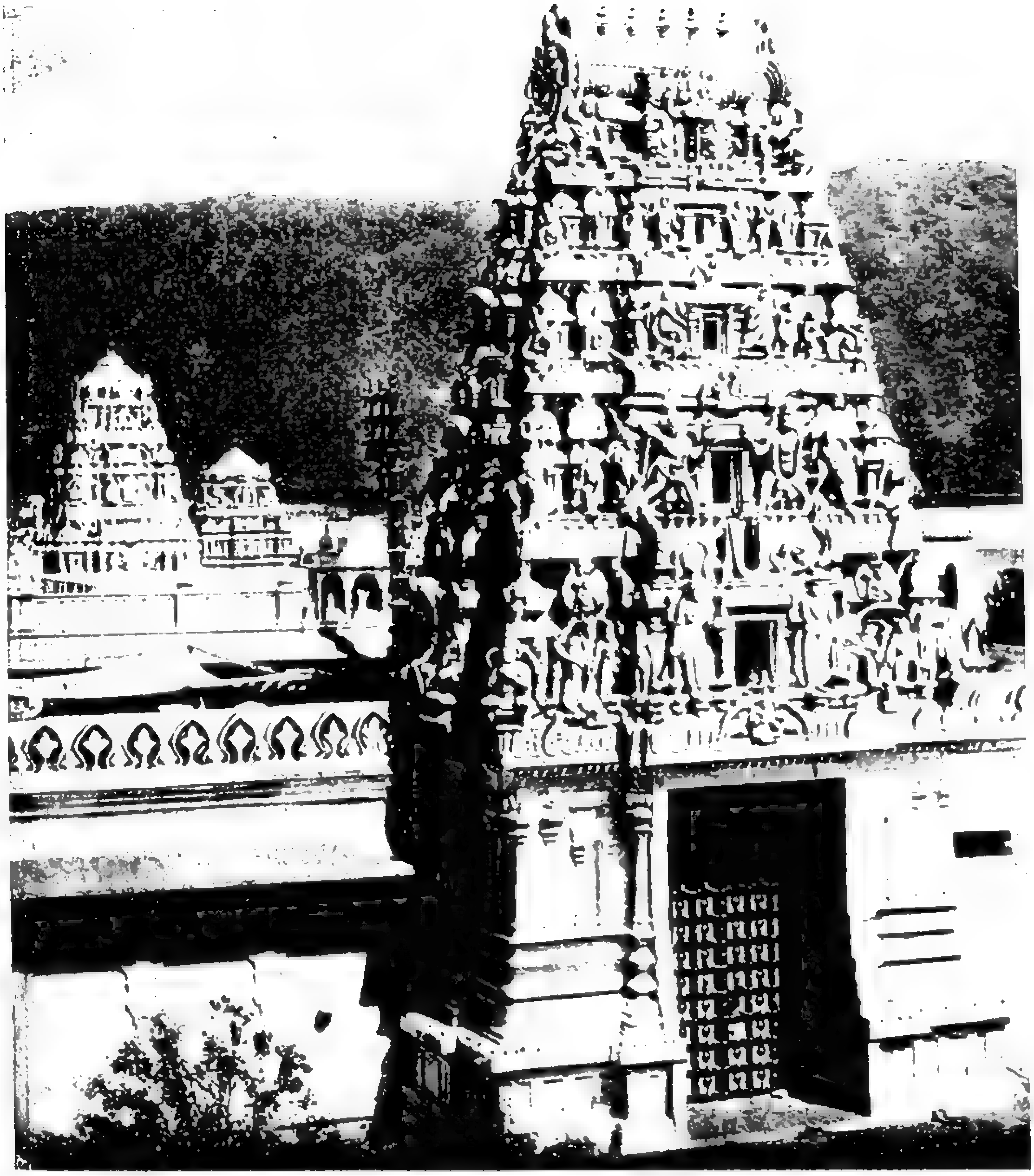
جےپور کی کوٹھی- اجمیر



पुष्कर-झील का एक सुन्दर दृश्य
پشکر جھیل کا ایک خوشنما منظر



पुष्कर के एक घाट पर लोग नहा रहे हैं
پشکر کے ایک گھات پر لوگ نہا رہے ہیں



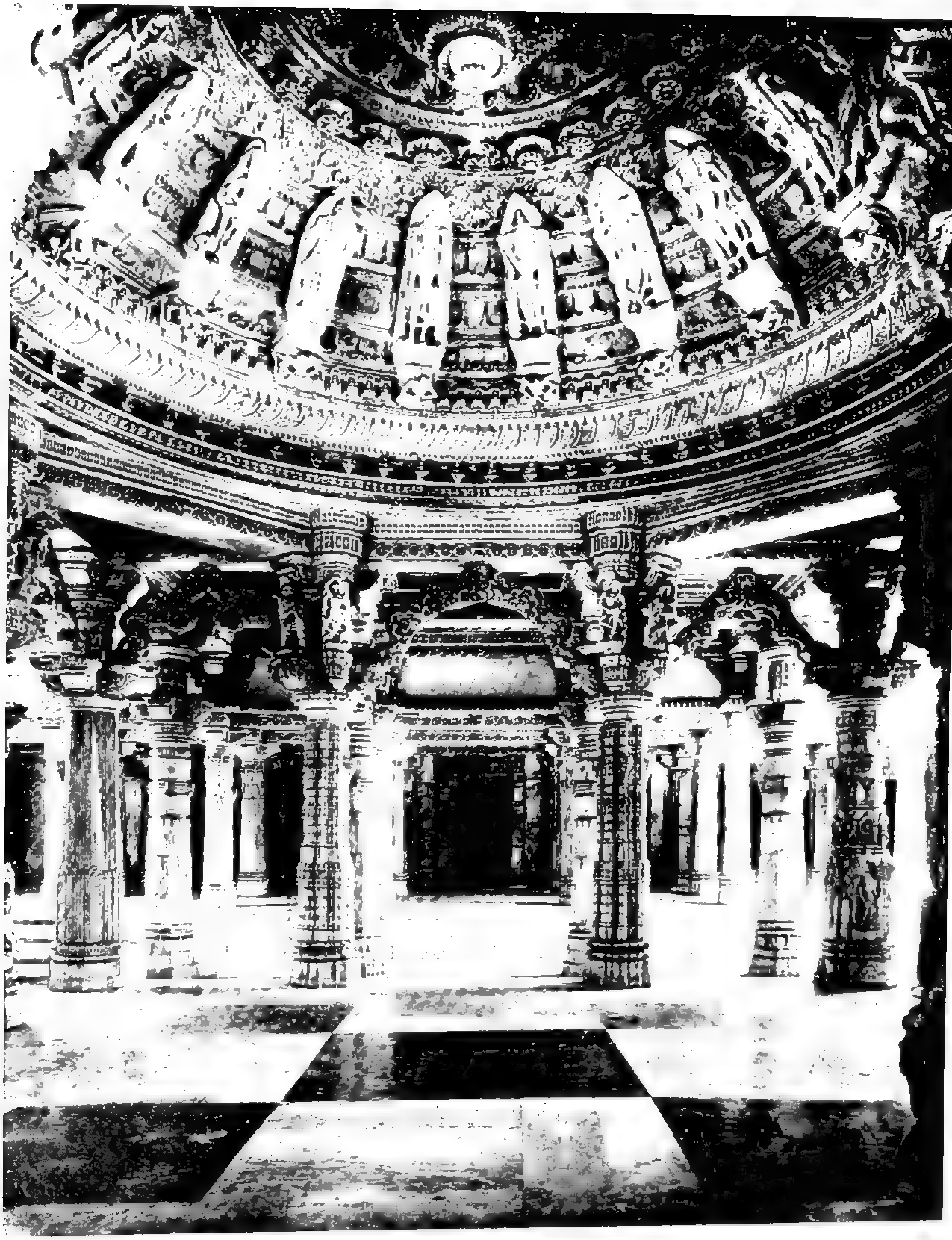


ऊपर—पुष्कर के एक नये हिन्दू-मन्दिर का सुन्दर गोपुर

اوپر- پشکر کے ایک نیا ھندو مندر کا خوبصورت گوپر

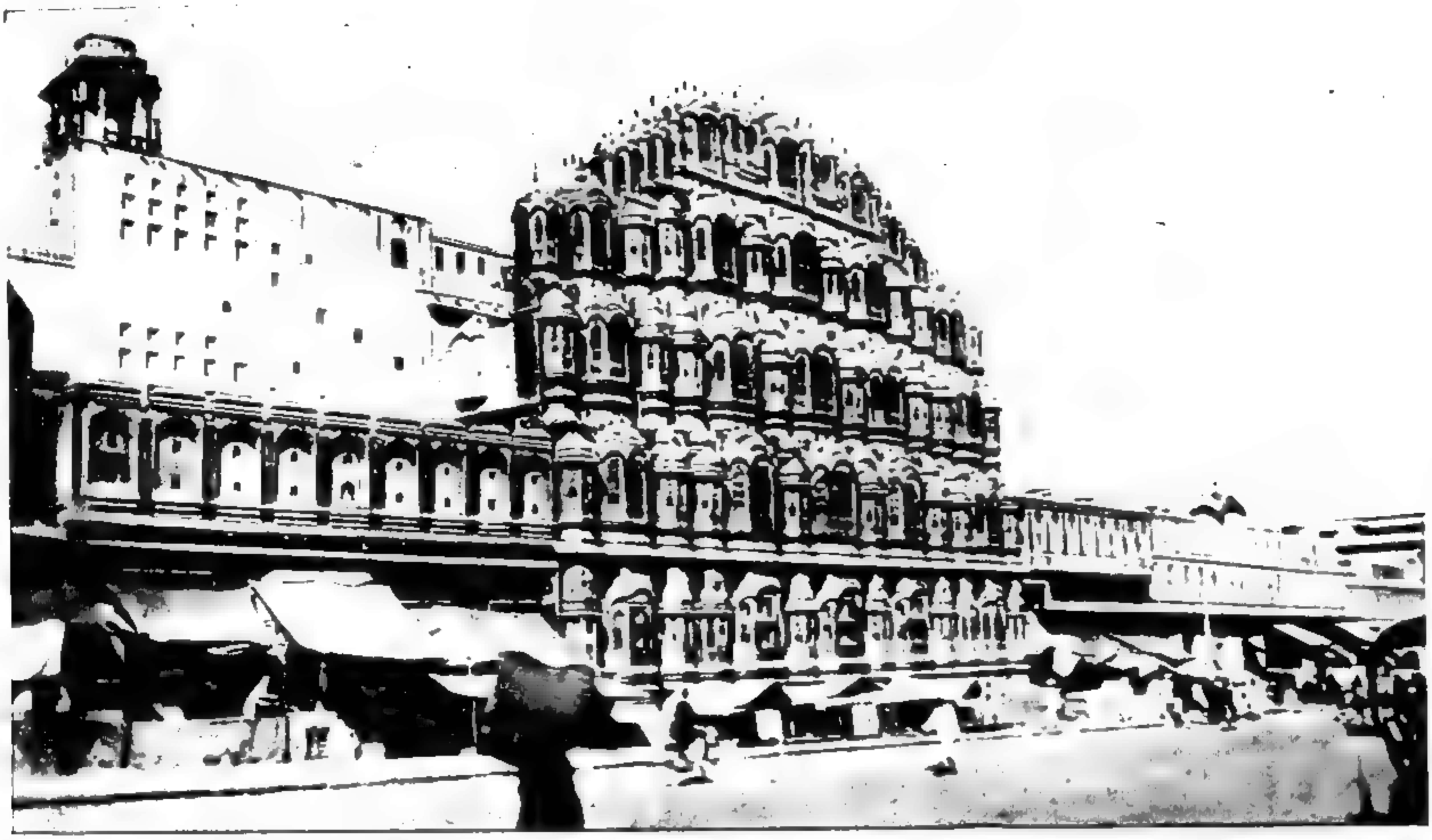
नीचे— ब्रह्मा जी का प्रसिद्ध मन्दिर, पुष्कर

نیچے - برھما جي کا مشہور مندر - پشکر



आबू के एक जैन-मन्दिर के भीतर की सुन्दर कारीगरी

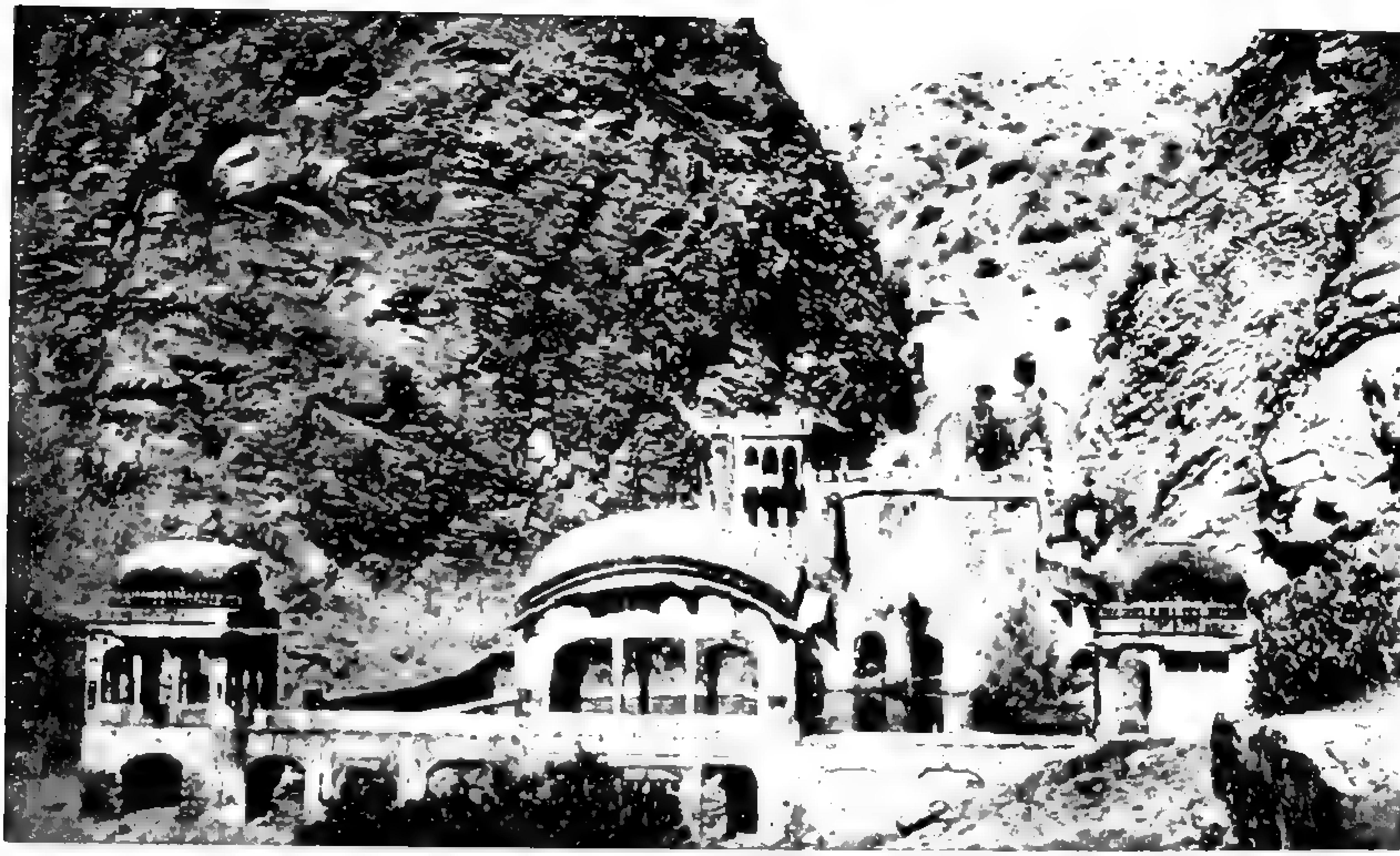
آبو کے ایک جین مندر کے اندرونی حصہ کی خوبصورت کاریگری



हवामहल, जयपुर
ہوا محل - جےپور



अजायबघर, जयपुर
عجائب گھر - جےپور



गलता की घाटी और उसके पवित्र तालाब का एक सुन्दर दृश्य, जयपुर

گلتا کي گھاٹي اور اس کے متبرک تالاب کا ایک خوشنما منظر - جےپور



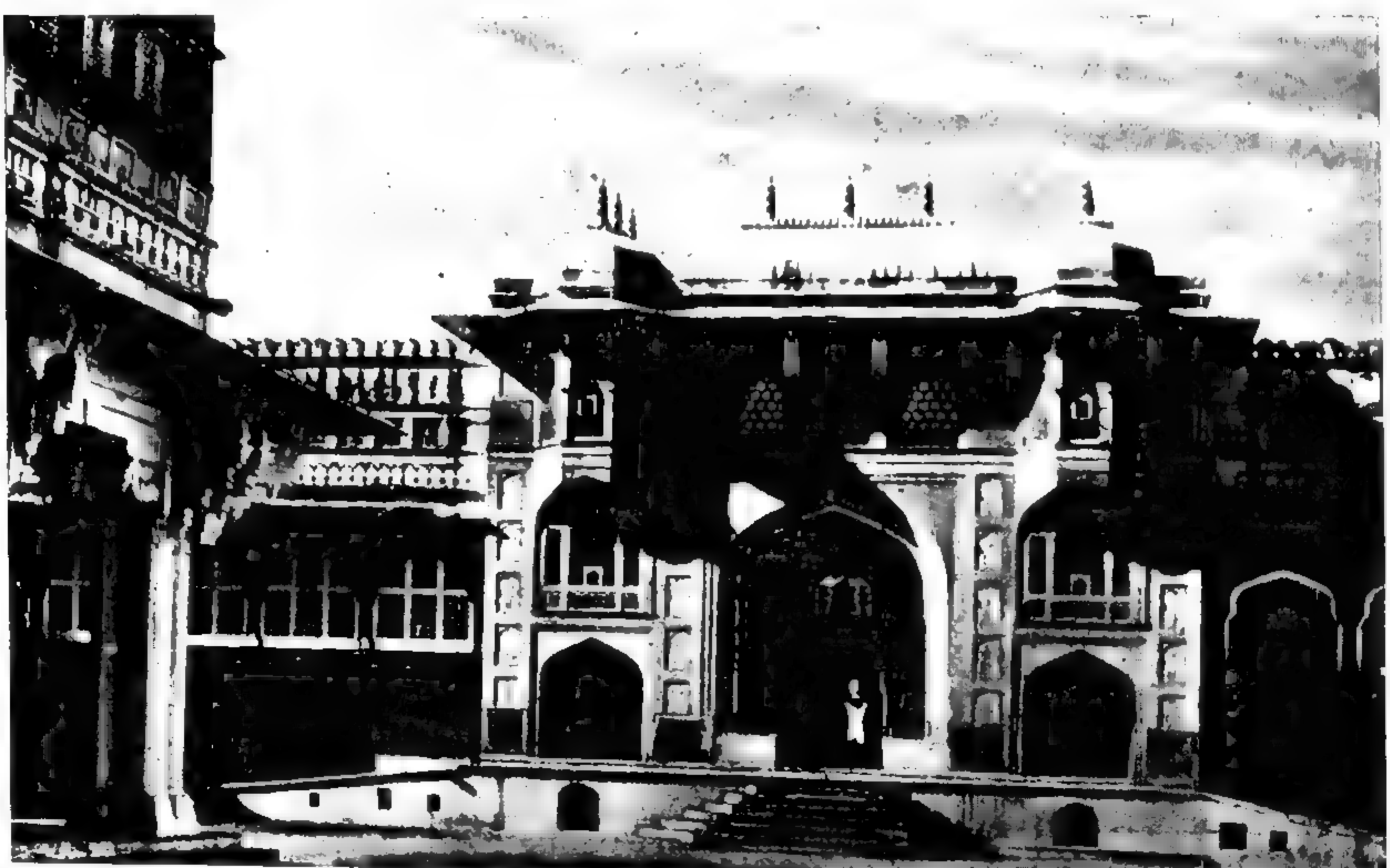
जयसिंह की वेधशाला, जयपुर

جے سنگھ کا جنتر منتر - جےپور



आमेर का क़िला, जयपुर

آمیر کا قلعہ - جےپور



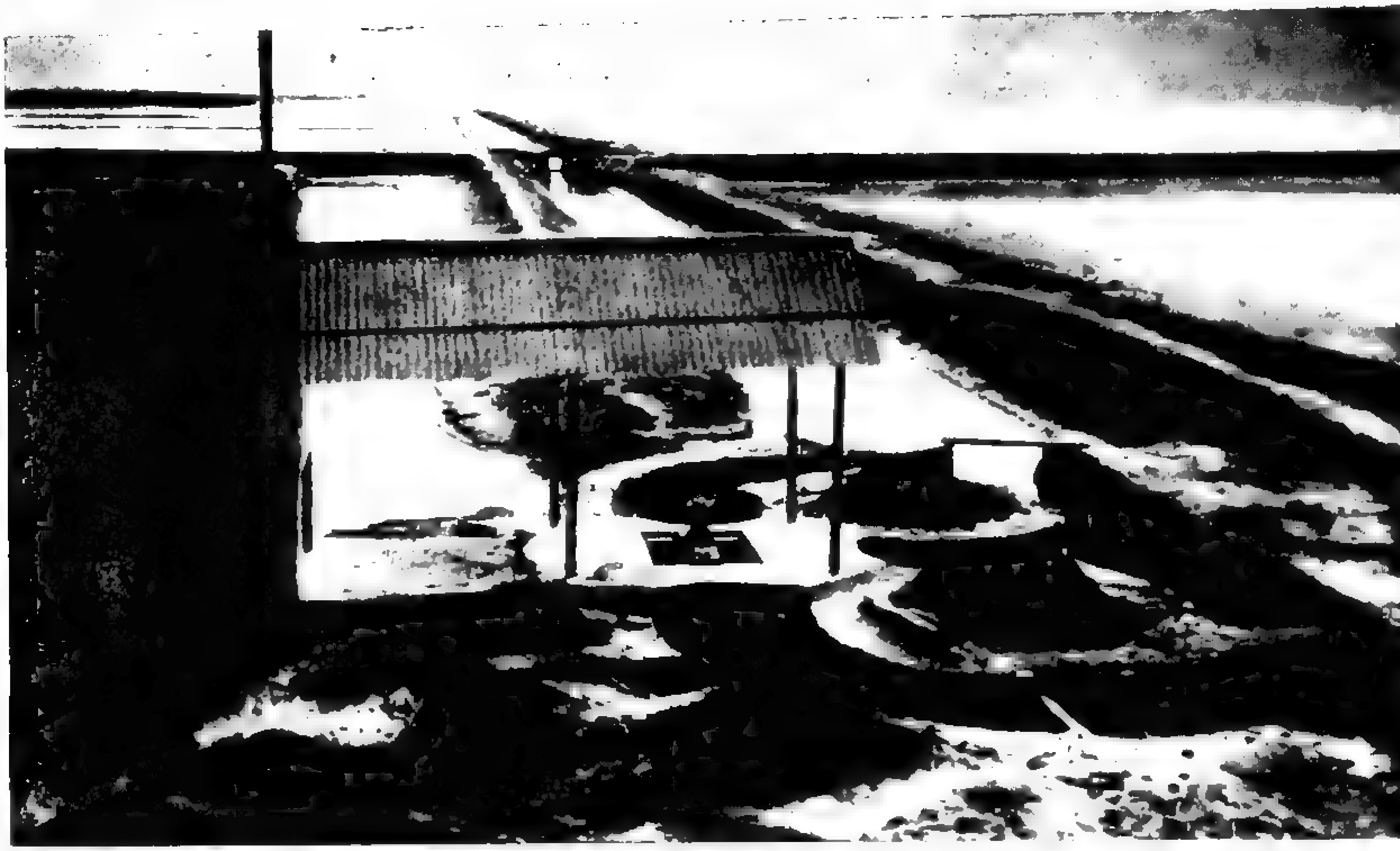
आमेर के राजमहल का प्रवेश-द्वार, जयपुर

آمیر کے راج محل کا دروازہ - جےپور

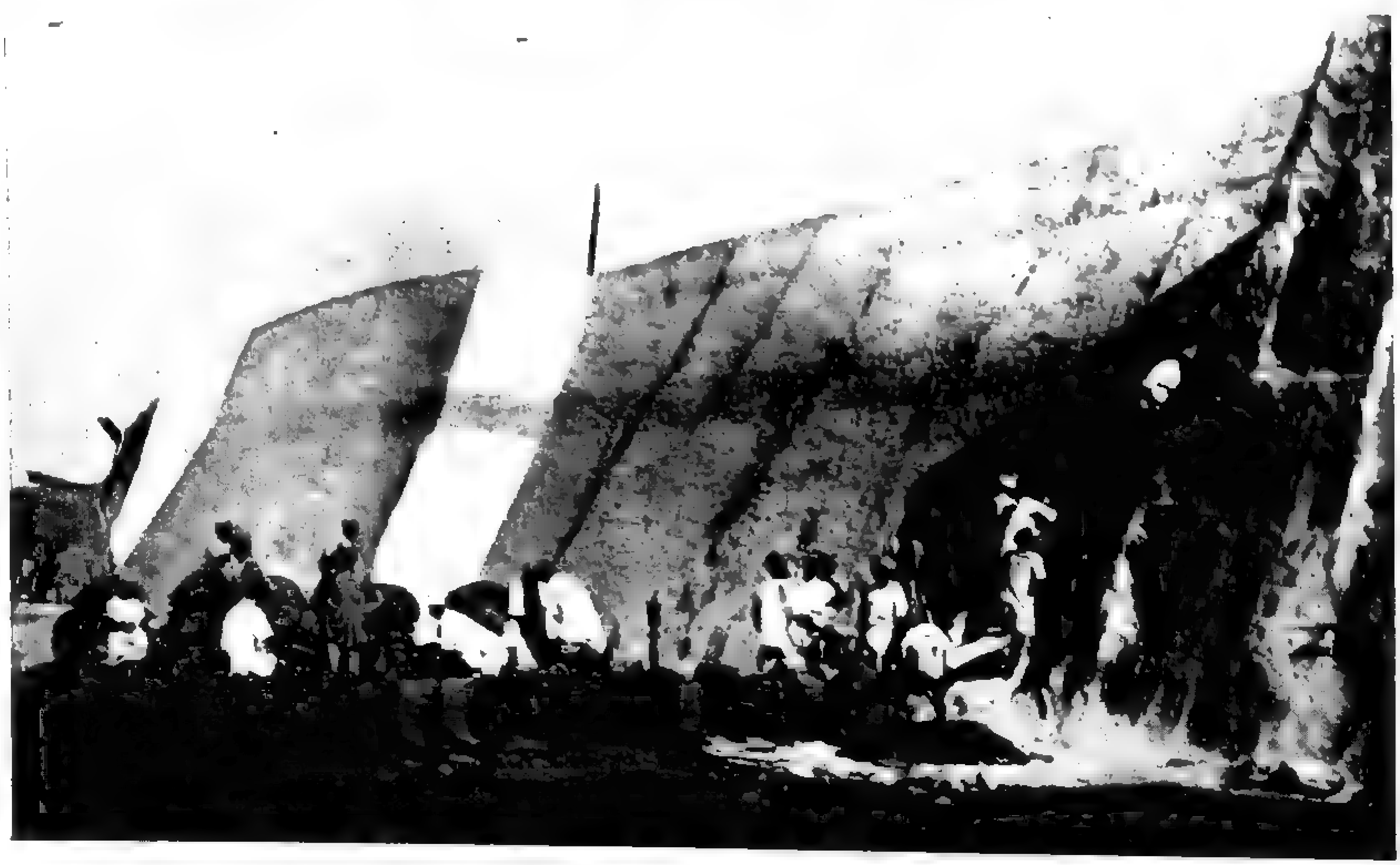


श्री ठाकुर जी के मन्दिर का एक सुन्दर दृश्य, आमेर, जयपुर

شري ٹھاکر جي کے مندر کا ایک خوشنما نظارہ - آمیر - جےپور



साँभर झील और उसके किनारे पर नमक बनाने का एक दृश्य
سانبھر جھیل اور اس کے کنارے پر نمک بنانے کا ایک نظارہ



बनाया हुआ नमक बोरों में भरा जा रहा है, साँभर झील
بنایا ہوا نمک بوروں میں بھرا جا رہا ہے - سانبھر جھیل



डीग के क़िले का एक दृश्य, भरतपुर

ڈیگ کے قلعہ کا ایک نظارہ - بھرت پور



डीग का शिवभवन नामक राजमहल, भरतपुर

ڈیگ کا شیو بھون نامی راج محل - بھرت پور

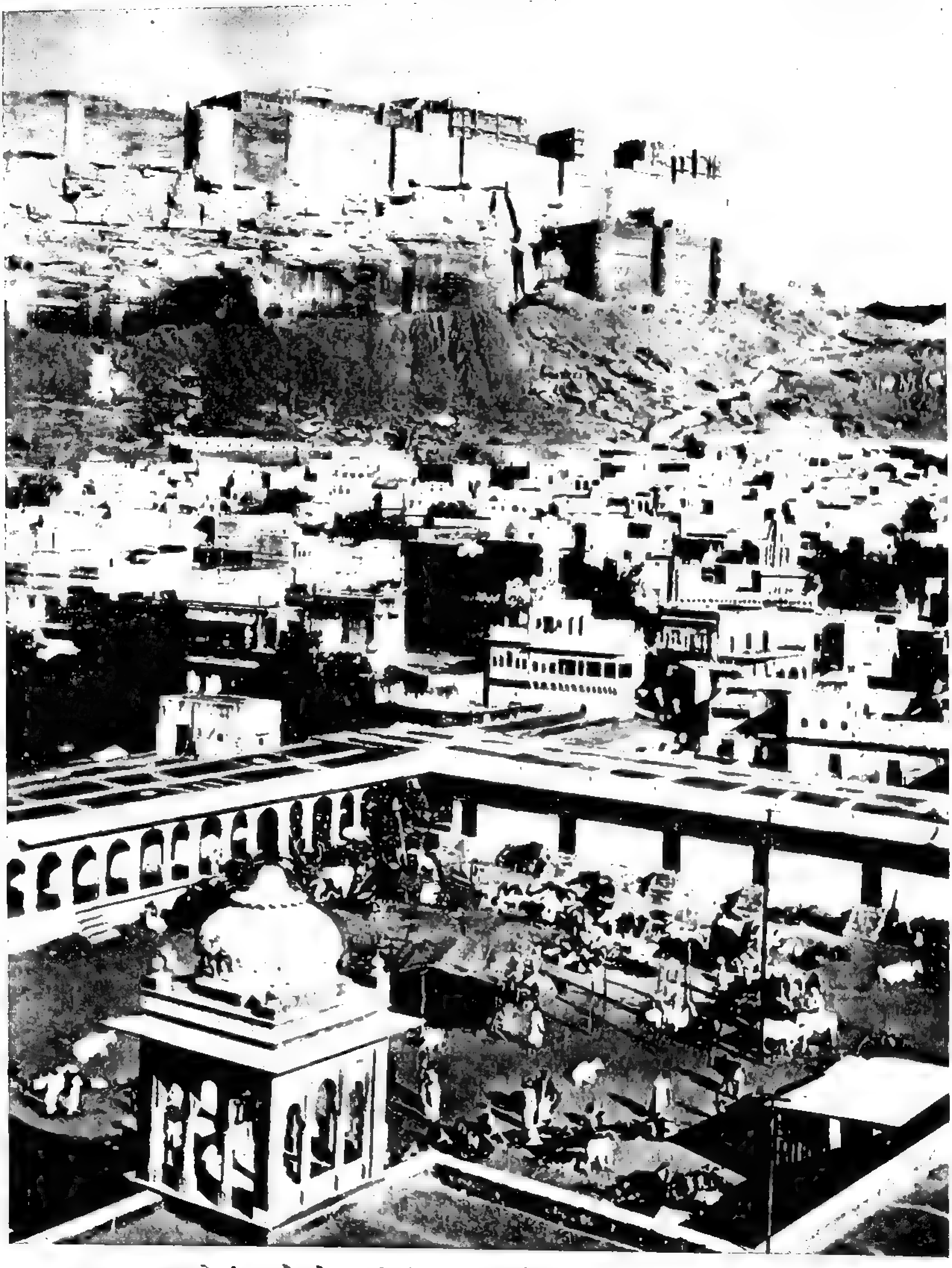


बूंदी नगर का फाटक

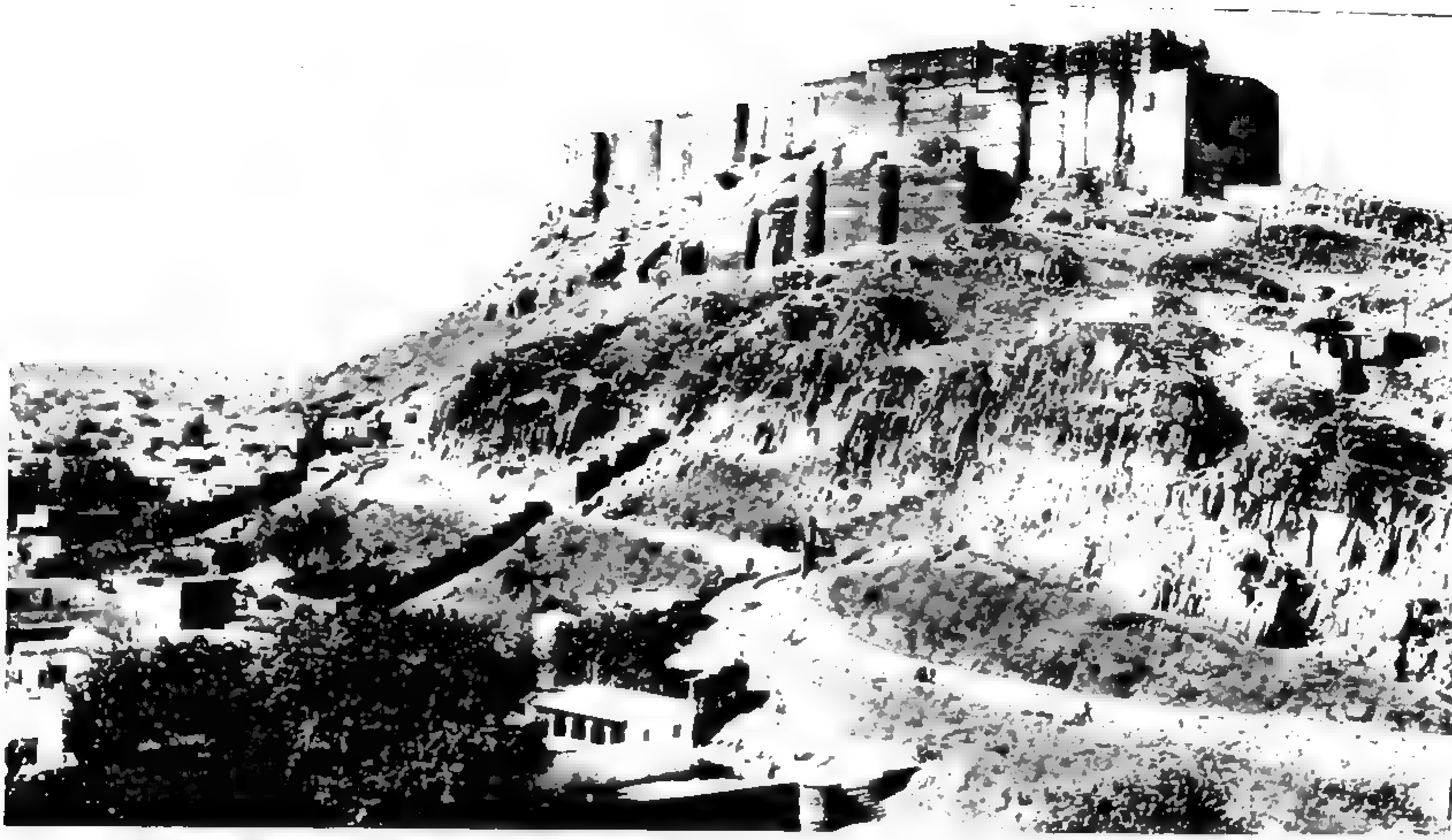
بوندي شهر کا پهاٹك



अलवर नगर का प्रसिद्ध तालाब और उसकी एक टेकरी
الور شہر کا مشہور تالاب اور اس کی ایک ٹیکری

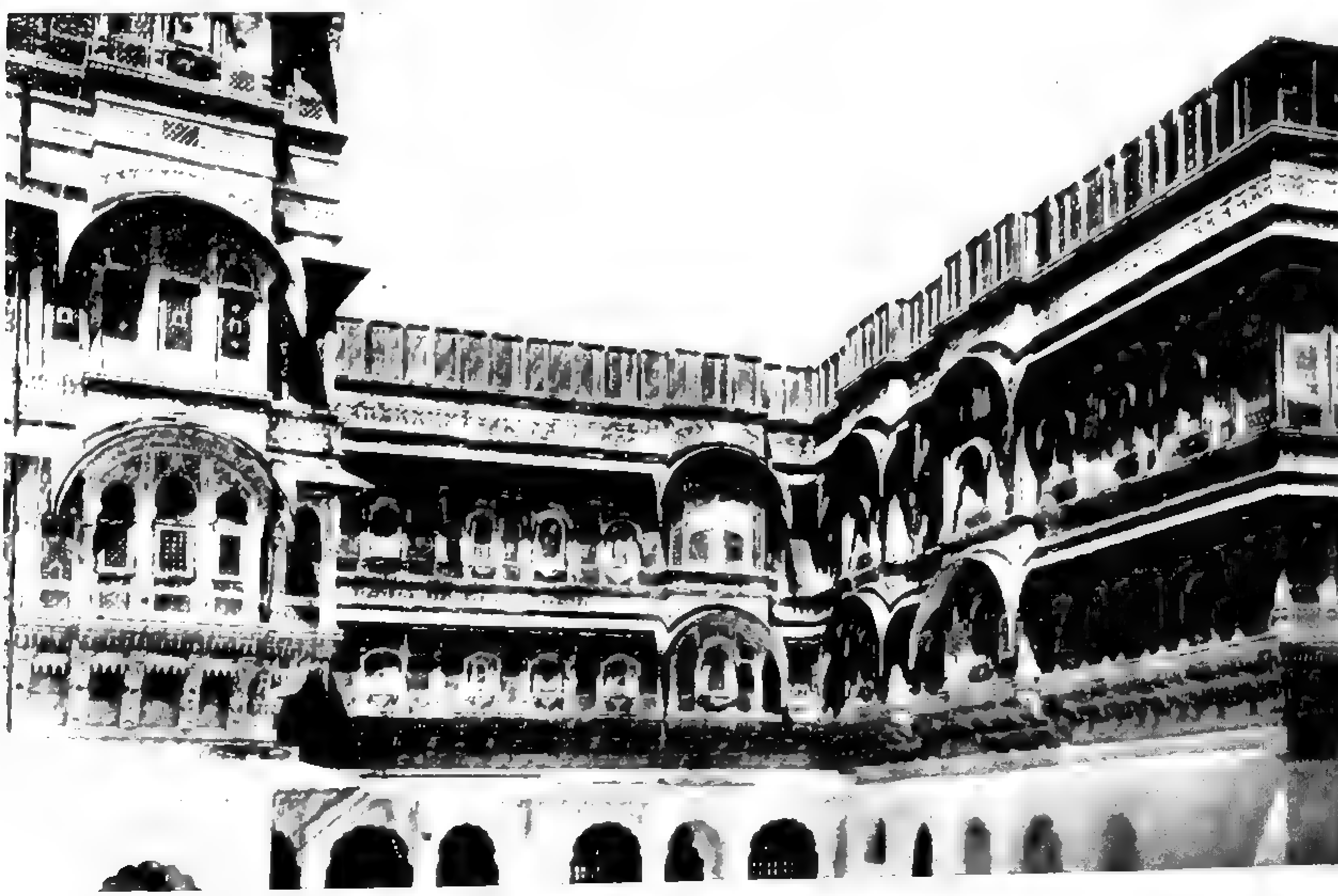


नगर के घंटाघरसे जोधपुर के क़िले, शहर श्रौर उसकी एक सराय का दृश्य
شہر کے گھنٹہ گھر سے جودھپور کے قلعہ شہر اور اس کی ایک سرائے کا نظارہ



जोधपुर के क़िले का एक दृश्य

جودھپور کے قلعہ کا ایک نظارہ



जोधपुर के क़िले का राजमहल

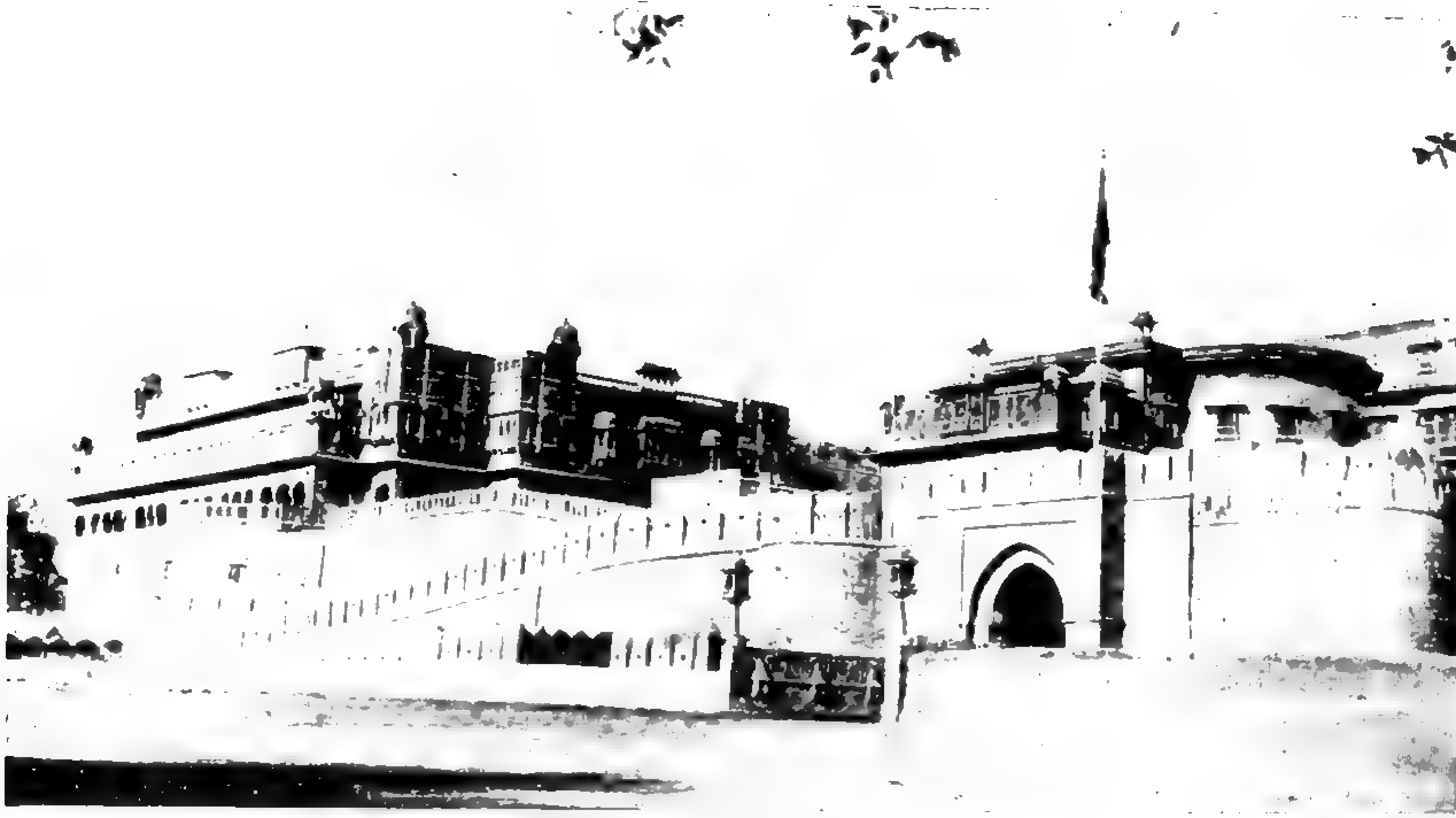
جودھپور کے قلعہ کا راج محل



श्री जसवन्त-स्मृति-मन्दिर, जोधपुर
شري جسونت اسمرتي مندر - جودھپور



जोधपुर का हवाइ-स्टेशन
جودھپور کا ہوائی اسٹیشن



बीकानेर का पुराना क़िला
بیکانیر کا پرانا قلعہ



गजनेरमहल, बीकानेर
گجنیر محل - بیکانیر



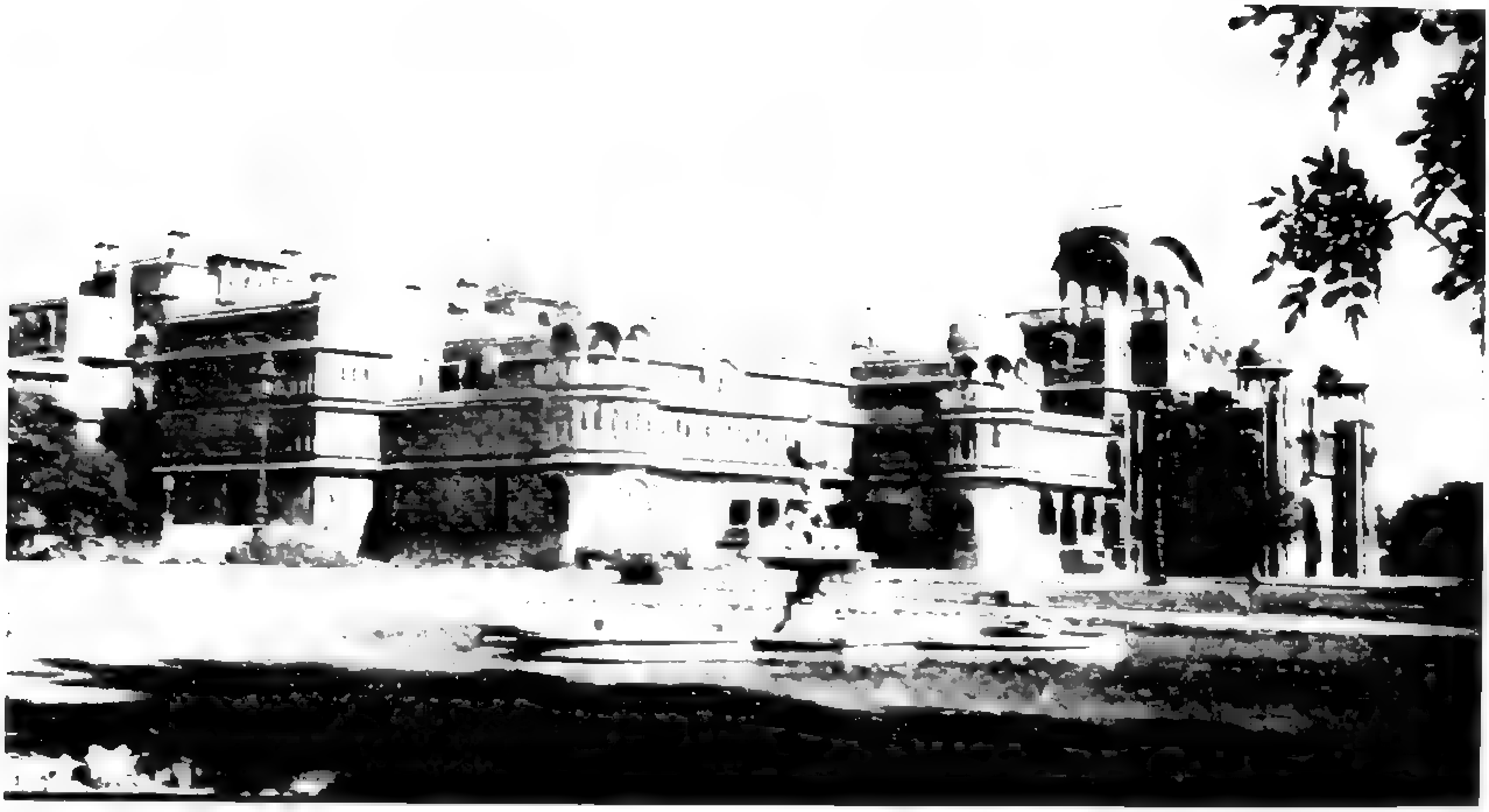
कोट का फाटक, बीकानेर

کوٹ کا پھاٹک - بیکانیر



बीकानेर की ऊँटगाड़ी

بیکانیر کی اونٹ گاڑی

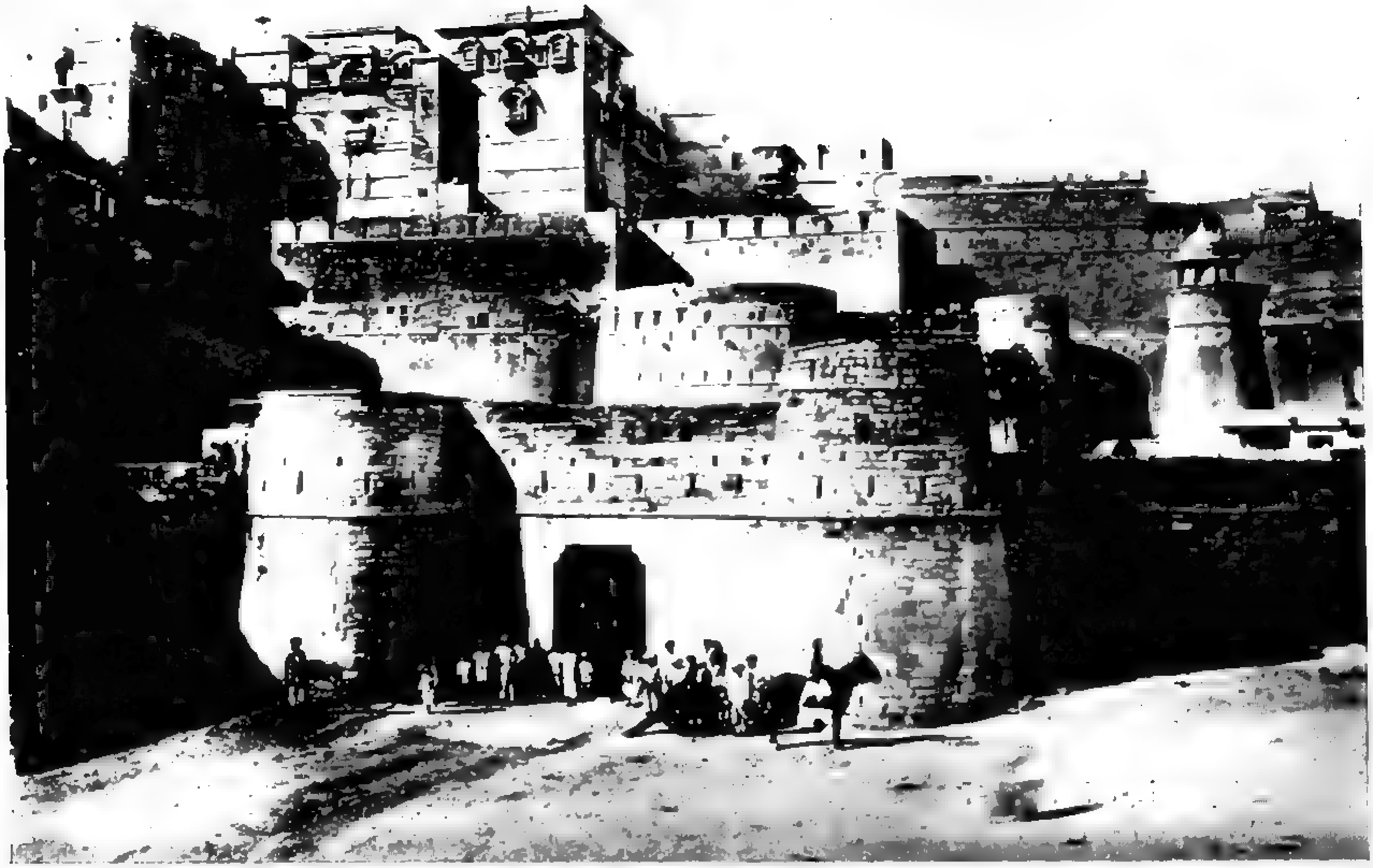


लालगढ़-महल बीकानेर

لال گڑھ محل - بیکانیر



बीकानेर के पुराने महल का एक दृश्य
بیکانیر کے پرانے محل کا ایک نظارہ



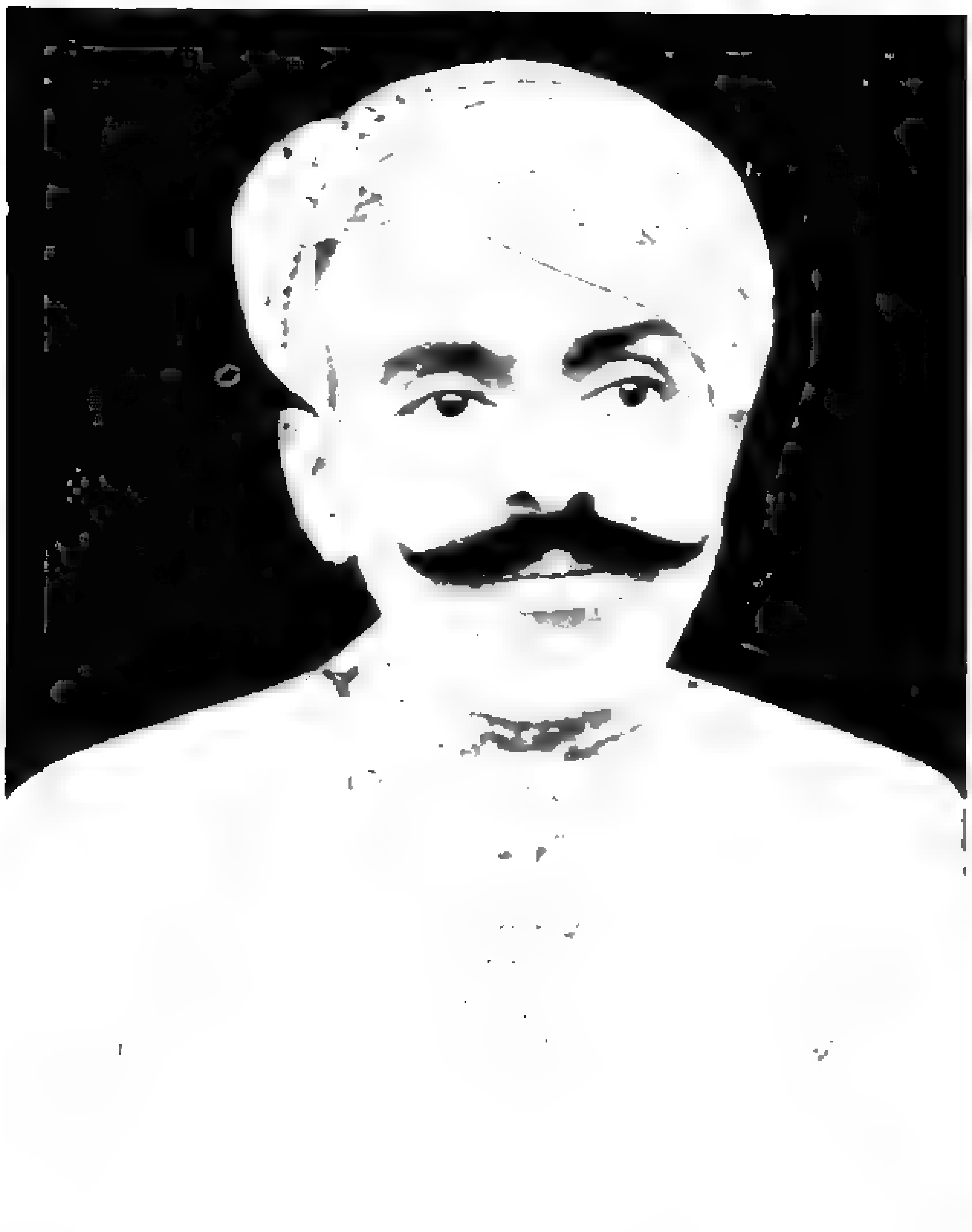
जैसलमेर का क़िला

جیسلمیر کا قلعہ



जैसलमेर का गदसीसर तालाब, इसी तालाब से नगरवासियों को पीने को पानी मिलता है

جیسلمیر کا گدسیسر تالاب - اسی تالاب سے کل شہر کے باشندوں کو پانی ملتا ہے



हिज़ हाइनेस महाराणा उदयपुर

ہز ہائنس مہارانا اودےپور



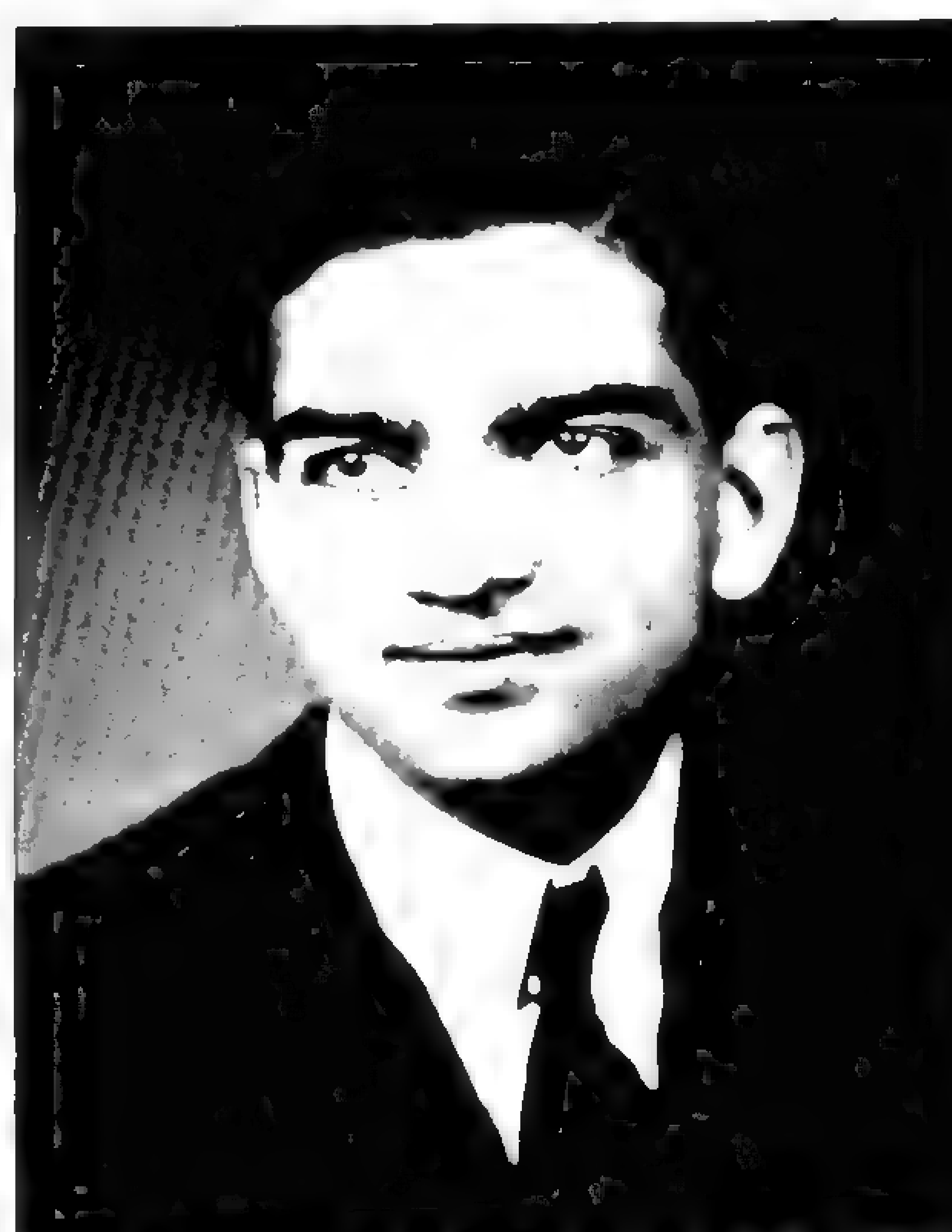
हिज़ हाइनेस महाराजा जोधपुर

ہز ہائنس مہاراجہ جودھپور



हिज़ हाइनस महाराजा बीकानेर

ہز ہائنیس مہاراجہ بیکانیر



हिज़ हाइनेस महाराजा जयपुर

ہز ہائنیس مہاراجہ جےپور



हिज़ हाइनेस महाराजा कोटा
هز هائینس مهاراجه کوته



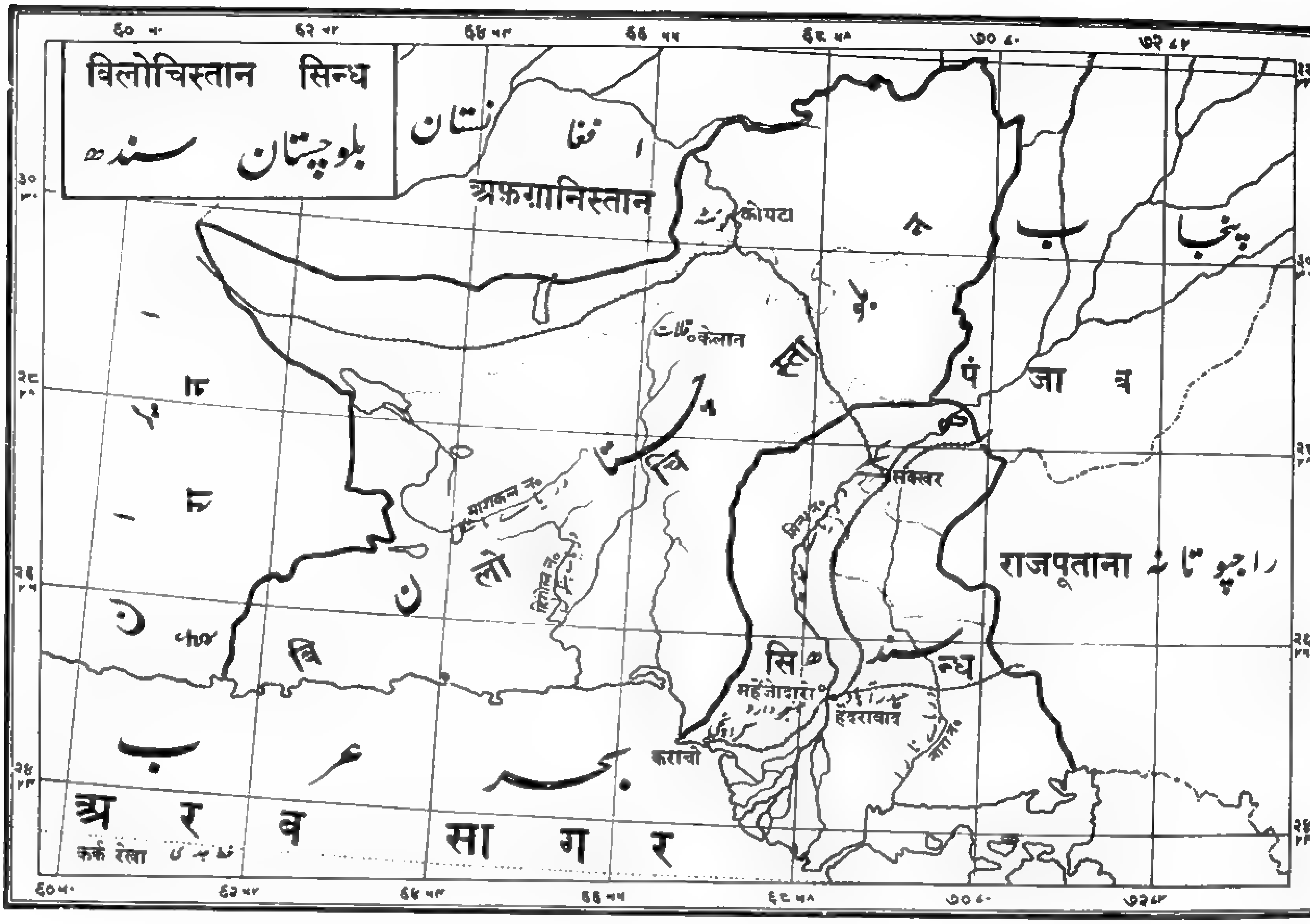
हिज़ हाइनेस महाराजा बूँदी
هز هائینس مهاراجه بوندي



हिज़ हाइनेस महाराजा जैसलमेर
هز هائینس مهاراجه جیسلمیر



हिज़ हाइनेस महाराजा अलवर
هز هائینس مهاراجه الور



सिन्ध

पहले सिन्ध बम्बई-प्रान्त का एक भाग था। परन्तु १ अप्रैल सन १९३६ से पृथक् प्रान्त बन गया है। यहाँ गर्मी में अधिक गर्मी और सर्दी में अधिक सर्दी पड़ती है। इस प्रान्त में बहुत कम वृष्टि होती है, अत: यहाँ आबपाशी के लिए विशेष प्रबन्ध किया गया है। सक्खर में सिन्ध नदी पर एक बड़ा बाँध बनाया गया है, जो एक मील लम्बा है। इससे कई नहरें निकाली गई हैं, जिनसे लगभग ७५ लाख एकड़ ज़मीन सींची जाती है। यहाँ गेहूँ, कपास, गन्ना, चावल और तेलहन पैदा होते हैं। इस प्रान्त का क्षेत्रफल ४६,३७८ वर्गमील और जन-संख्या ३८,८७,०७० है, जिनमें ७३ प्रतिशत मुसलमान और २७ प्रतिशत हिन्दू हैं। यहाँ की मुख्य भाषा सिन्धी है। कराँची, सक्खर और हैदराबाद इस सूबे के बड़े शहर हैं। कराँची एक बड़ा बन्दरगाह भी है। यहाँ से गेहूँ, ऊन, रुई, तेलहन और खालें विदेशों को भेजी जाती हैं।

سندھ

پہلے سندھ صوبہ بمبئي کا ایک حصہ تھا لیکن یکم اپریل سنہ ۱۹۳۶ع سے ایک الگ صوبہ بن گیا ہے - یہاں موسم گرما میں زیادہ گرمی اور موسم سرما میں زیادہ سردی پڑتی ہے - اس صوبہ میں بارش بہت کم ہوتی ہے اس لئے آبپاشی کے لئے خاص انتظام کیا گیا ہے - سکھر میں دریائے سندھ پر ایک بہت بڑا باندھ بنایا گیا ہے جو ایک میل لمبا ہے - اس سے کئی نہریں نکالی گئي ہیں جن سے تقریباً ۷۵۰۰۰۰۰ ایکڑ زمین سینچی جاتی ہے - یہاں گیہوں، کپاس، گنا، چاول اور تیل کے بیج پیدا ہوتے ہیں - اس صوبہ کا رقبہ ۴۶,۳۷۸ مربع میل اور آبادي ۳۸,۸۷۰,۷۰ ... میں ۷۳ فی صدي مسلمان اور ۲۷ فی صدي ہندو ہیں - یہاں کي خاص زبان سندھي ہے ... سکھر اور حیدرآباد اس صوبہ کے بڑے شہر ہیں - کراچی ایک بہت بڑا بندرگاہ بھی ہے ... سے گیہوں، روئي، تیل کے بیج، اون اور کھالیں باہر دوسرے ملکوں کو بھیجي جاتی ہیں -



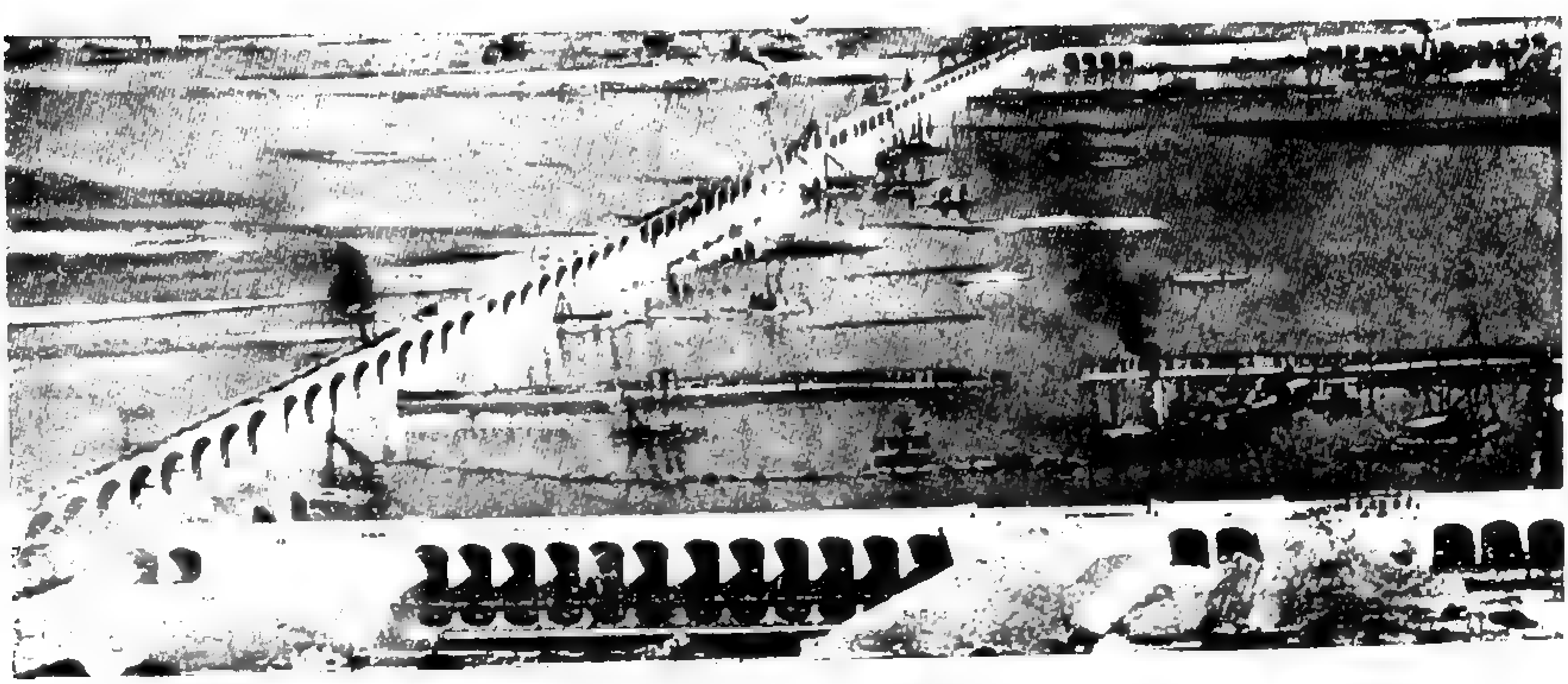
मोसम मोनार, सक्खर

موسم مينار - سکّر



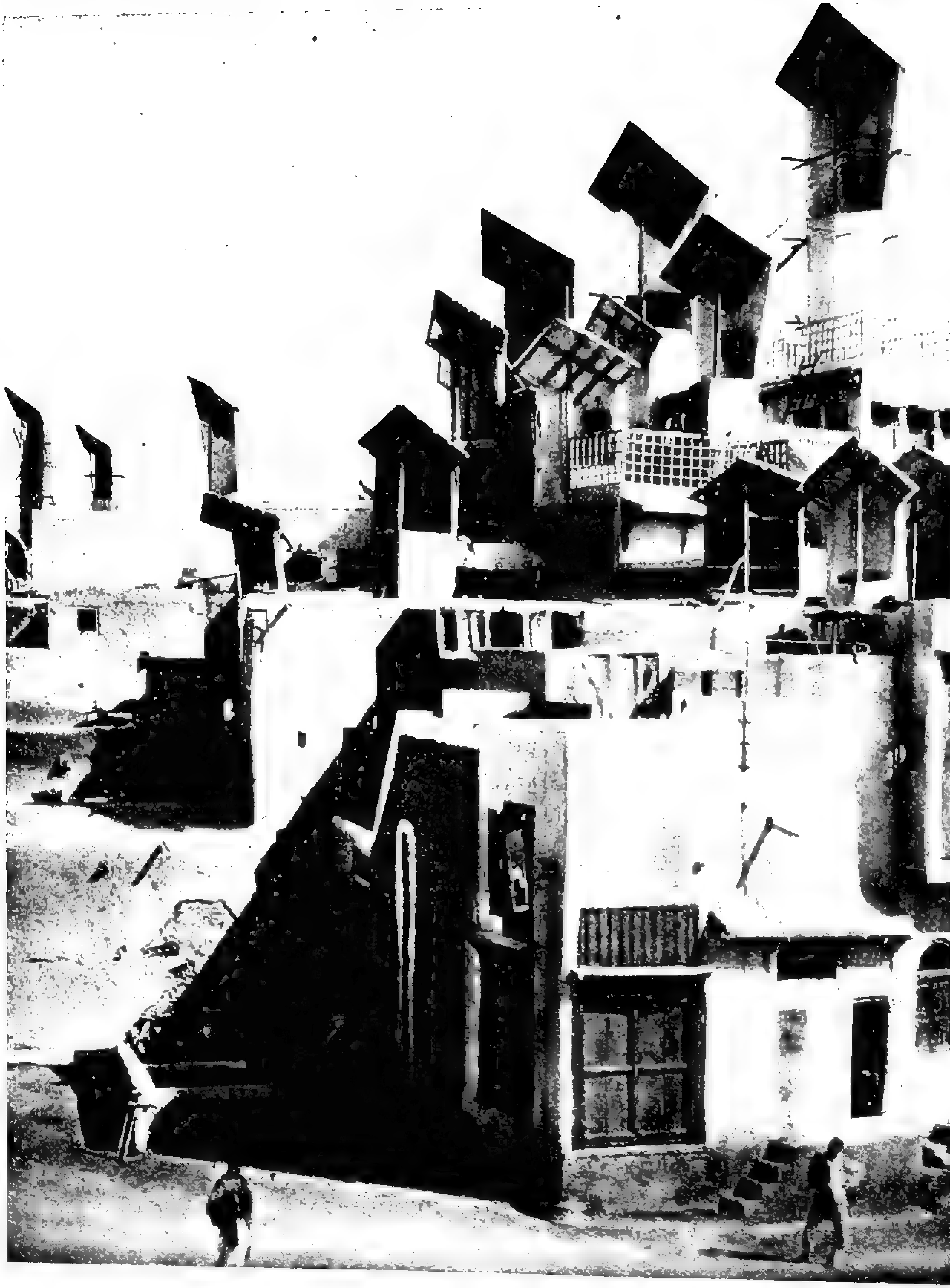
सिन्ध की नहर में वालू के वोरों का एक बाँध

سندھ کی نہر میں ریت سے بھرے ہوئے بوروں کا ایک پشتہ



सक्खर-बरज का एक दृश्य

سکّھر کے باندھ کا ایک نظارہ



हैदराबाद के घरों की छतों पर हवादान बने हैं

حيدرآباد کے مکانوں کي چھتوں پر هوائي برج بنے هيں



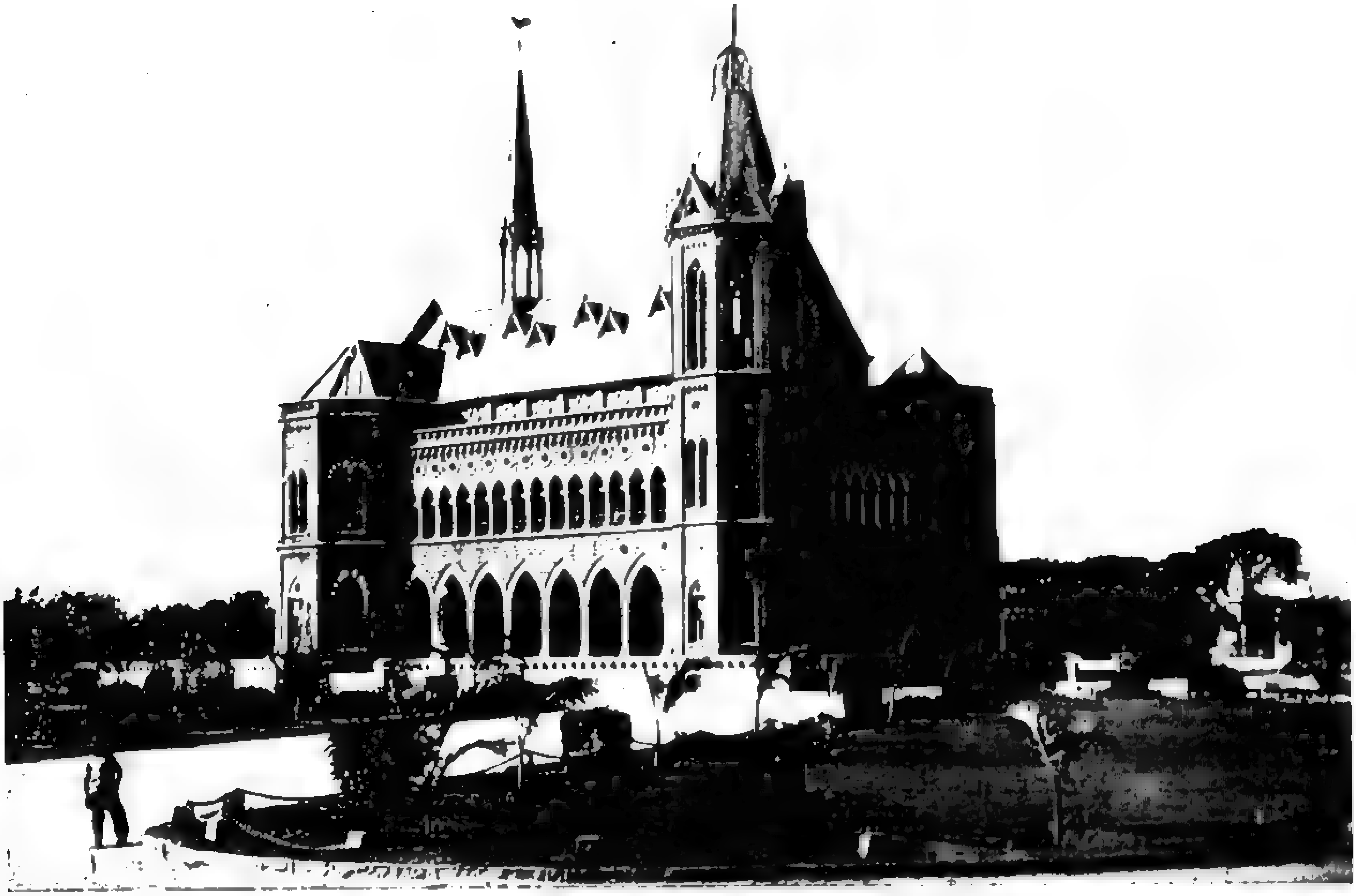
मोहेन-जो-दारो की खोदाई का एक भाग

مهنجودارو کي کهدائي کا ايک حصه



क्लिफ्टन का एक मनोहर दृश्य, कराँची

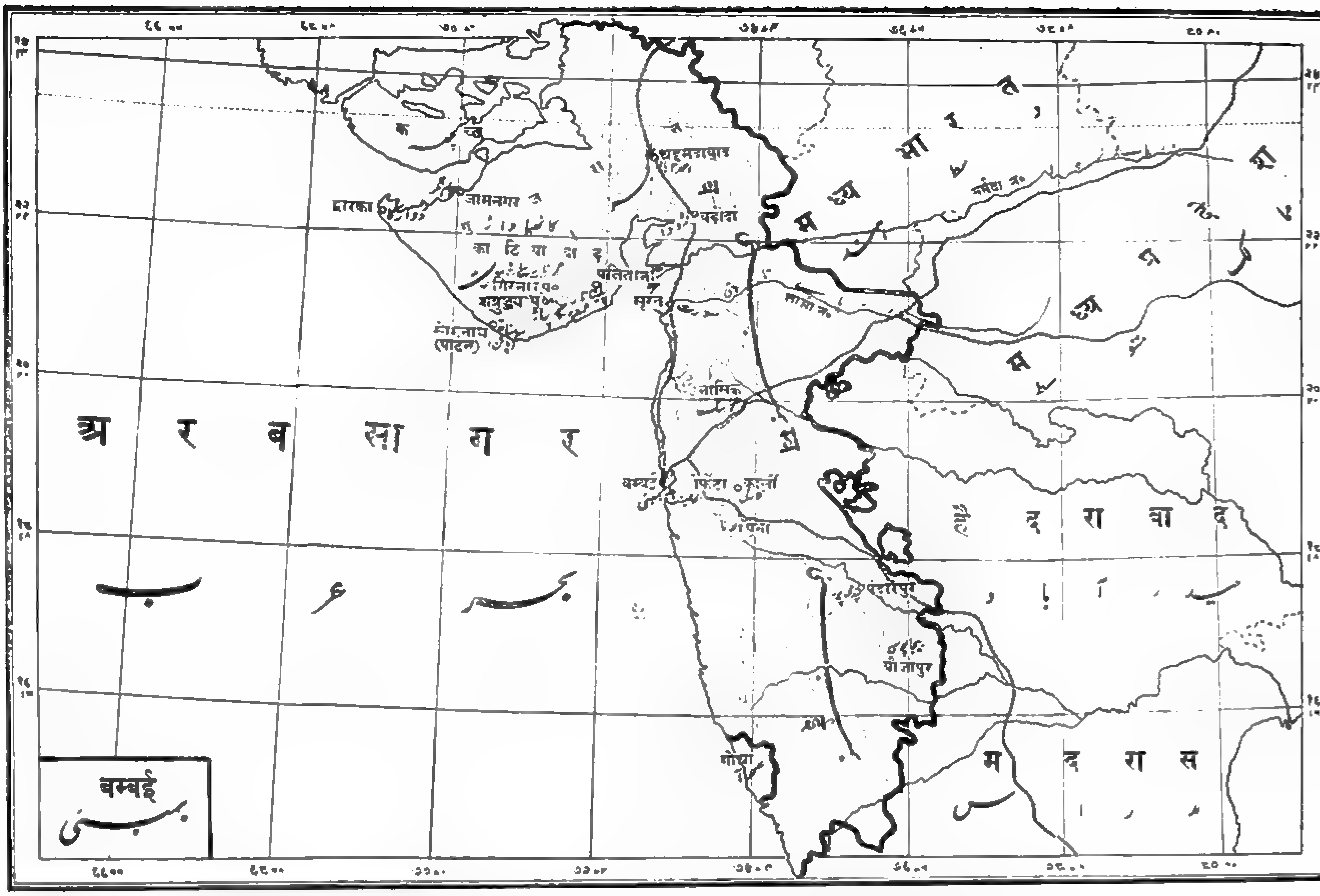
کلفٽن کا ايک خوشنما منظر - کراچي



फ्रेयर-हाल, करांची
فريئر هال - ڪراچي



टाउन-हाल, करांचो
ٽائون هال - ڪراچي



बम्बई

बम्बई-प्रान्त की भूमि अधिकतर पहाड़ी है। यहाँ वार्षिक वृष्टि ७५ इंच होती है। नर्मदा, ताप्ती, गोदावरी और कृष्णा यहाँ की मुख्य नदियाँ हैं। प्रान्त का मुख्य उद्योग कृषि है। इस प्रान्त की मिट्टी, जिसे काली मिट्टी कहते हैं, रुई की खेती के लिए बहुत उपयोगी है, अतः यहाँ कपड़े के बहुत बड़े-बड़े कारखाने हैं। इस प्रान्त का क्षेत्रफल १,२३,६२३ वर्गमील और जन-संख्या १,७९,९२,०५३ है जिनमें ८० प्रतिशत हिन्दू, १७½ प्रतिशत मुसलमान, १ प्रतिशत जैन और १½ प्रतिशत ईसाई हैं। बाक़ी और जातियों के लोग हैं। यहाँ मराठी, गुजराती, कर्नाटकी और सिन्धी भाषायें बोली जाती हैं। द्वारिका, शत्रुञ्जय, नासिक, पूना, एलीफेन्टा, कार्ली, अहमदाबाद और बड़ौदा देखने योग्य स्थान हैं। बम्बई इस प्रान्त की राजधानी और एक बहुत बड़ा बन्दरगाह है।

بمبئی

صوبہ بمبئی کی زمین زیادہ تر پہاڑی ہے - یہاں سالانہ بارش تقریباً ۷۵ انچ ہوتی ہے - اس حصہ کے خاص دریا نربدا، تاپتی، کرشنا اور گوداوری ہیں - صوبہ کا خاص پیشہ کاشتکاری ہے - اس صوبہ کی مٹی جسے "کالی مٹی" کہتے ہیں روئی کی کاشت کے لئے بہت اچھی ہے - اس وجہ سے یہاں کپڑے کے بہت بڑے بڑے کارخانے ہیں - اس صوبہ کا رقبہ ۱،۲۳،۶۲۳ مربع میل اور آبادی ۱،۷۹،۹۲،۰۵۳ ہے جن میں ۸۰ فی صدی ہندو ۱۷½ فی صدی مسلمان، ۱ فی صدی جین اور ۱½ فی صدی عیسائی ہیں - باقی اور ذات کے لوگ ہیں - یہاں مراٹھی، گجراتی، کرناٹکی اور سندھی زبانیں زیادہ بولی جاتی ہیں - دوارکا، شترنجے، ناسک، پونا، ایلیفنٹا، کارلی، احمدآباد اور بڑودا قابل دید مقامات ہیں - بمبئی اس صوبہ کی راجدھانی اور ایک بہت بڑا بندرگاہ ہے -



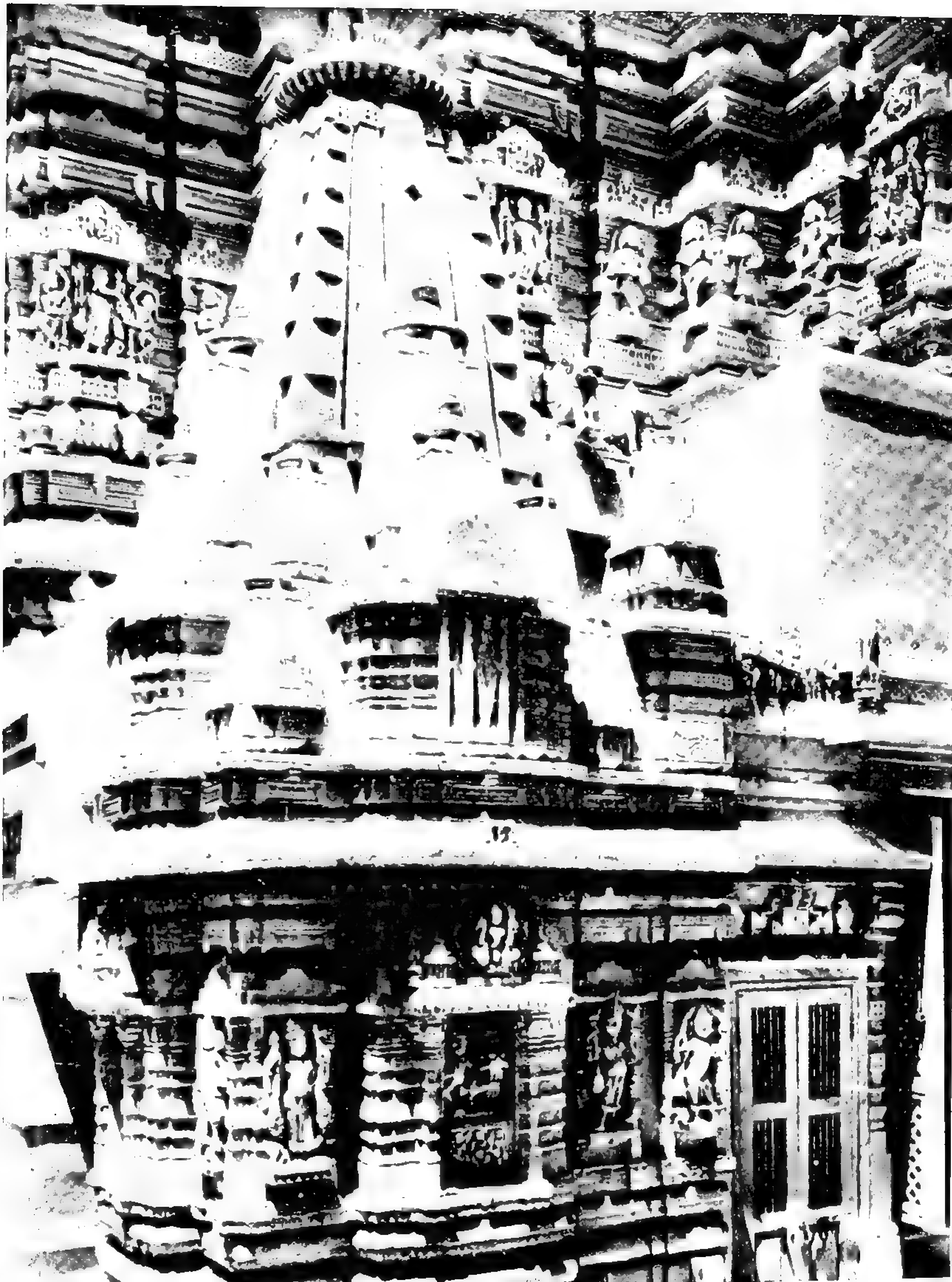


ऊपर—द्वारका के समुद्र-तट के घाटों का एक दृश्य

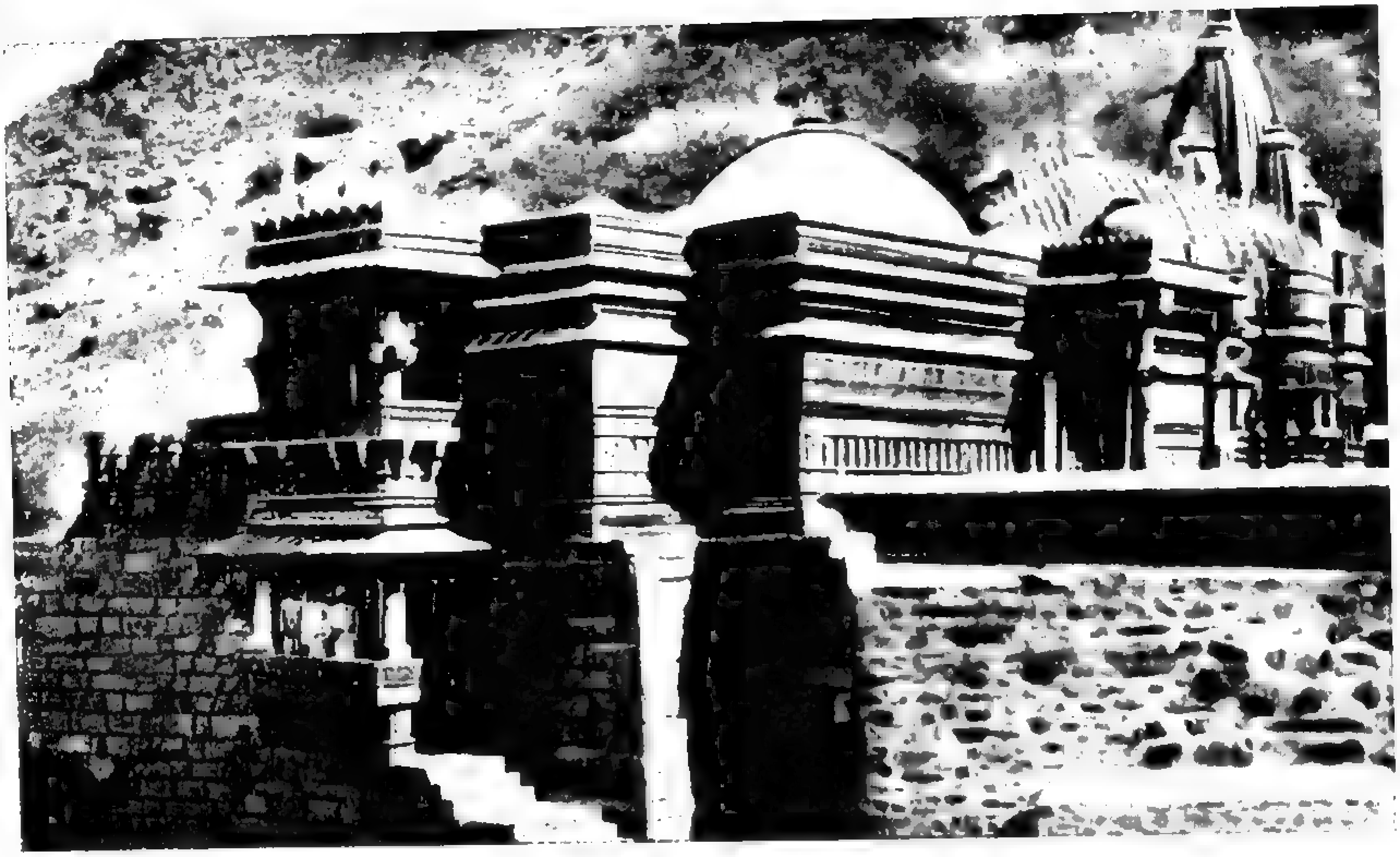
اوپر - دوارکا میں سمندر کے کنارے بنے هوئے کھاٹوں کا ایک نظارہ

नीचे—श्री रणछोड़ जी का प्रसिद्ध जगत-मंदिर, द्वारका

نیچے - شری رنچھور جی کا مشہور "جگت مندر" دوارکا -



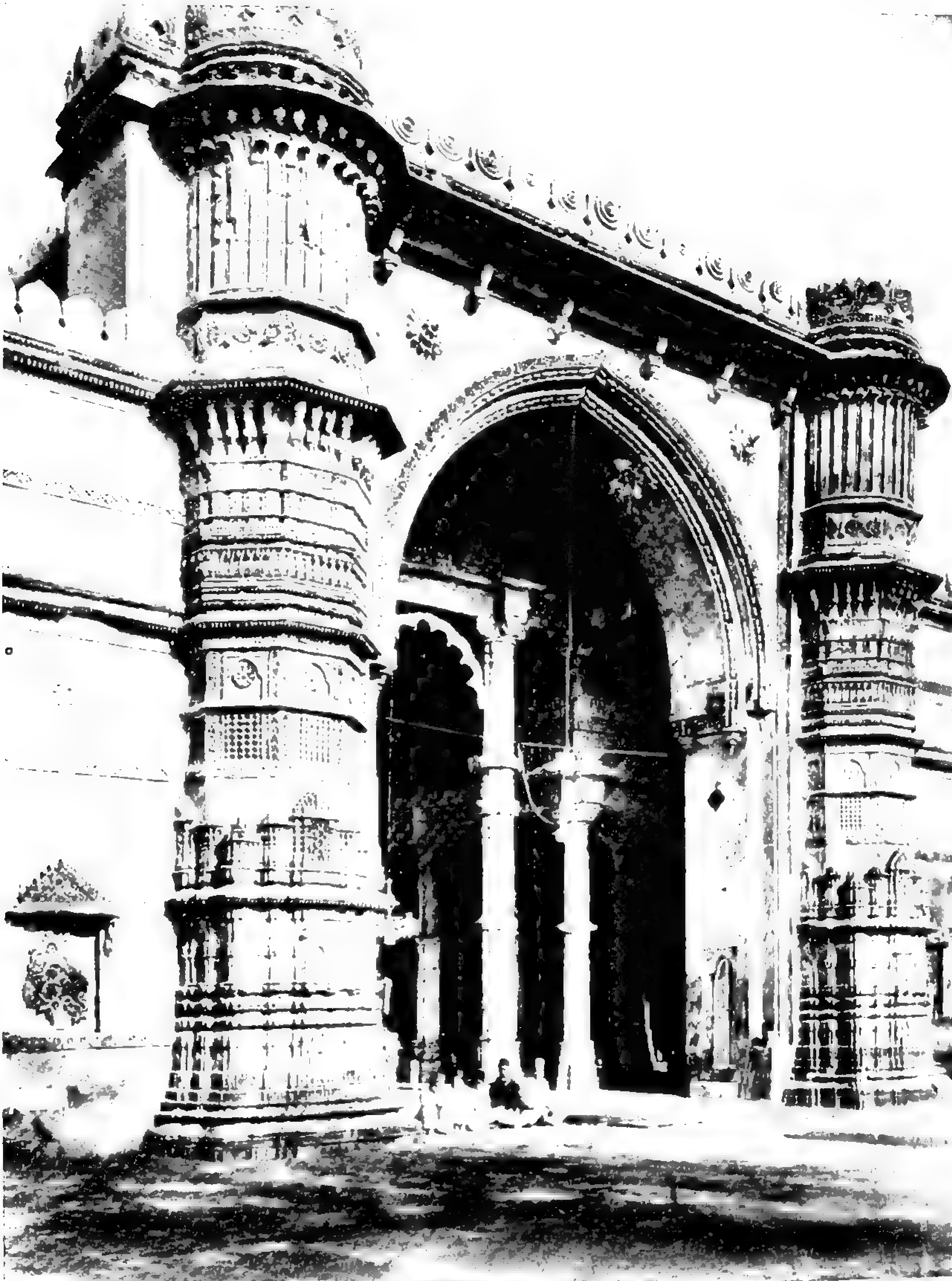
शत्रुञ्जय पहाड़ के मन्दिरों की सुन्दर कारीगरी का एक दृश्य, पलिताना
شترنجه پہاڑ کے مندروں کي خوبصورت کاريگري کا ايک نظارہ - پليتانا



गिरनार पर्वत पर १२ वीं सदी का सम्प्रतिराज का मन्दिर
گرنار پہاڑ پر بارہویں صدی کا سمپرتی راج کا مندر

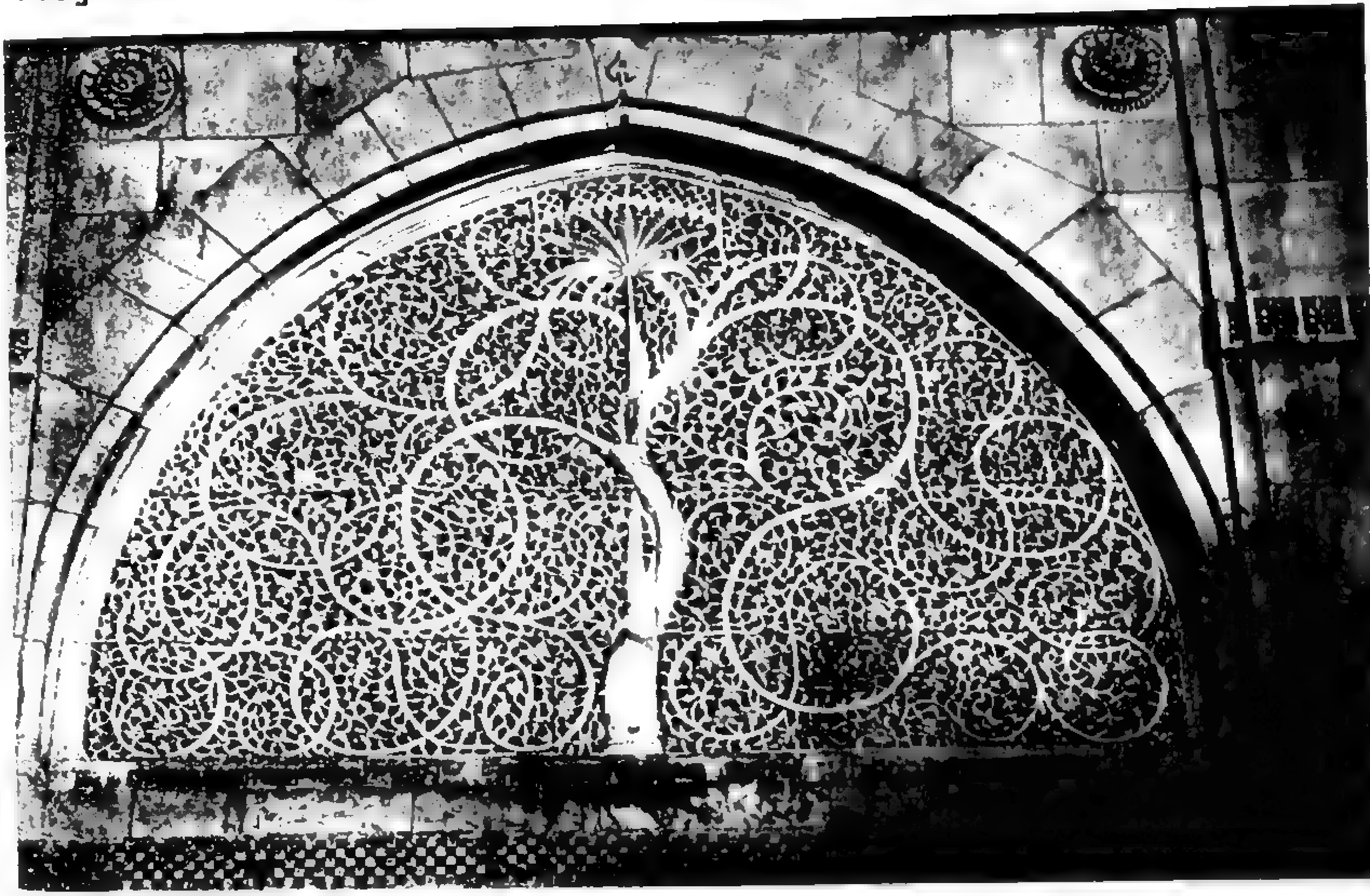


सामनाथ क मन्दिर का ध्वंसावशेष
سومناتھ کے مندر کے کھنڈرات



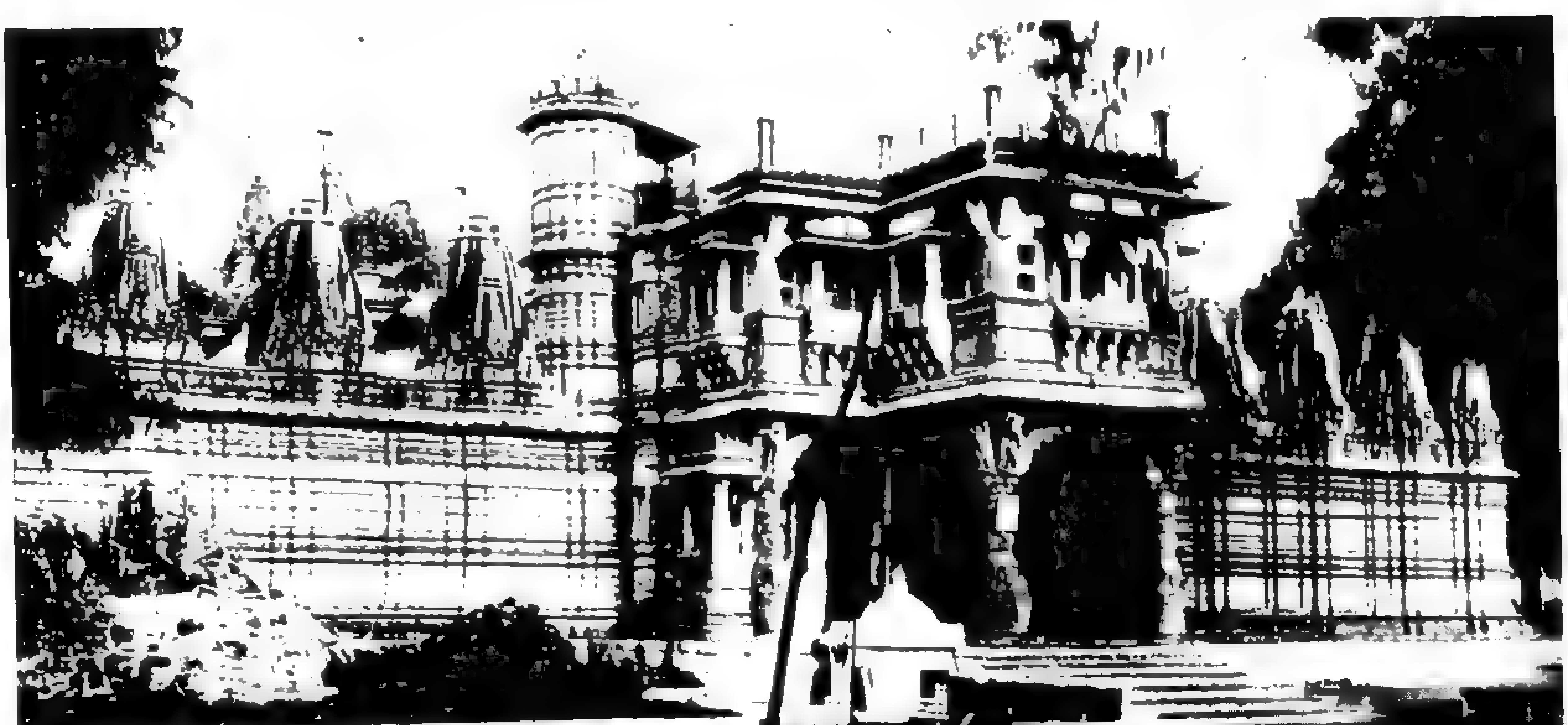
जामा मस्जिद, अहमदाबाद

جامع مسجد - احمد آباد



सीदी सैयद की मस्जिद की सुन्दर संगतराशी का एक नमूना, अहमदाबाद

سیدی سید کی مسجد میں سنگتراشی کا نفیس کام - احمدآباد



हाथीसिंह का मन्दिर, अहमदाबाद

هاتهی سنگهه کا مندر - احمداباد



सावरमती-आश्रम, अहमदाबाद
سابر متی آشرم - احمدآباد



काठियावाड़ का एक गड़रिया और उसकी भेड़ें, जामनगर
کاتھیاواڑ کا ایک گلہ بان اور اسکي بھیڑیں - جام نگر



कच्छ के खानाबदोश

کچھ کے خانہ بدوش



महाराज गायकवाड़ का राजमहल, बड़ौदा
مہاراجہ گائیکواڑ کا راج محل - بڑودا



डफ़रन-हास्पिटल, बड़ौदा
ڈفرن اسپتال - بڑودا



गोदावरी नदी का एक घाट, नासिक

دریائے گوداوری کا ایک گھات - ناسک

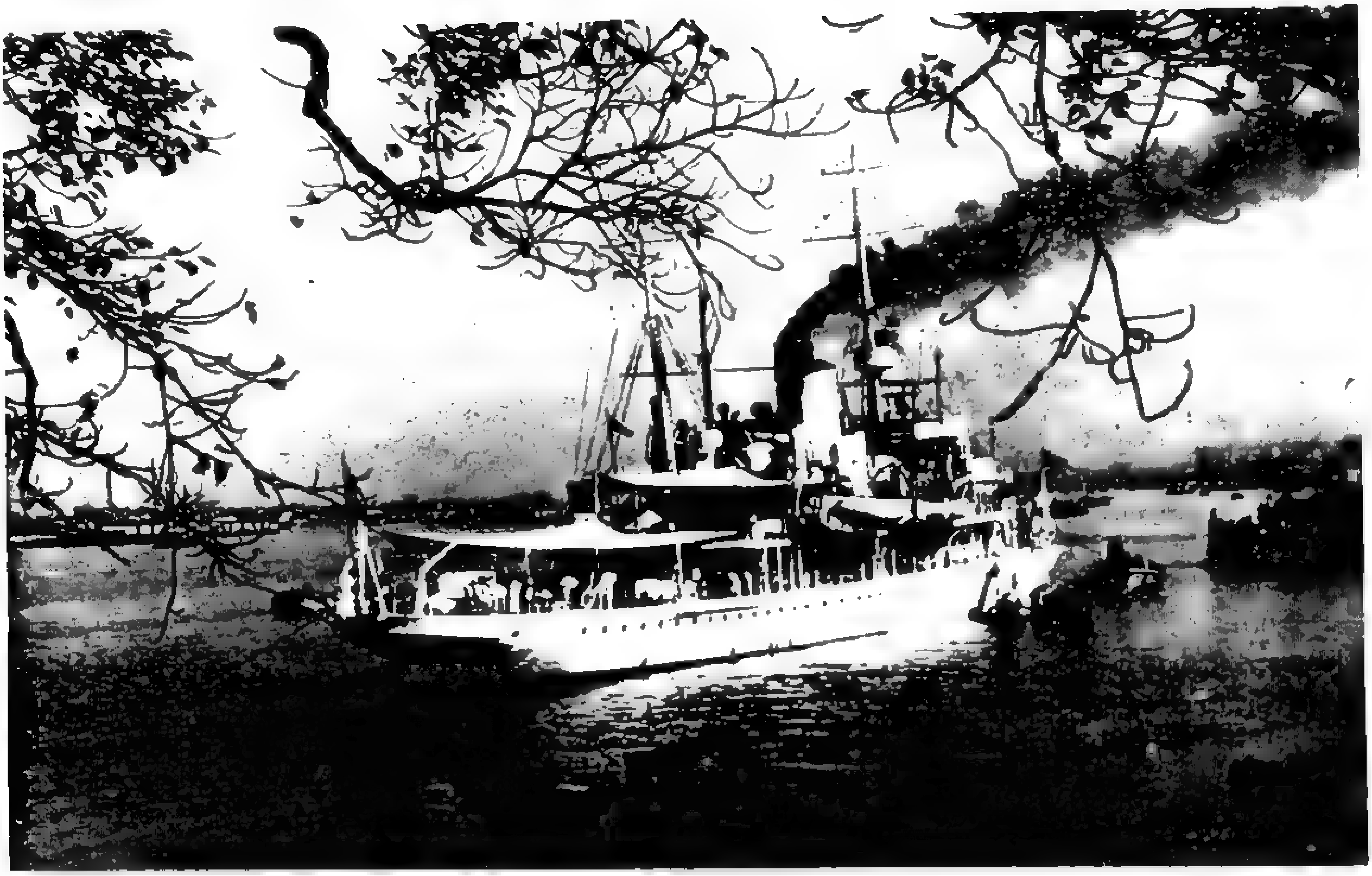


श्री नीलकंठेश्वर-मन्दिर, नासिक

شري نيلكنتهيشورا مندر - ناسک



"गेटवे आफ़ इंडिया", बम्बई
" گیٹوے آف اِنڈیا " – بمبئی



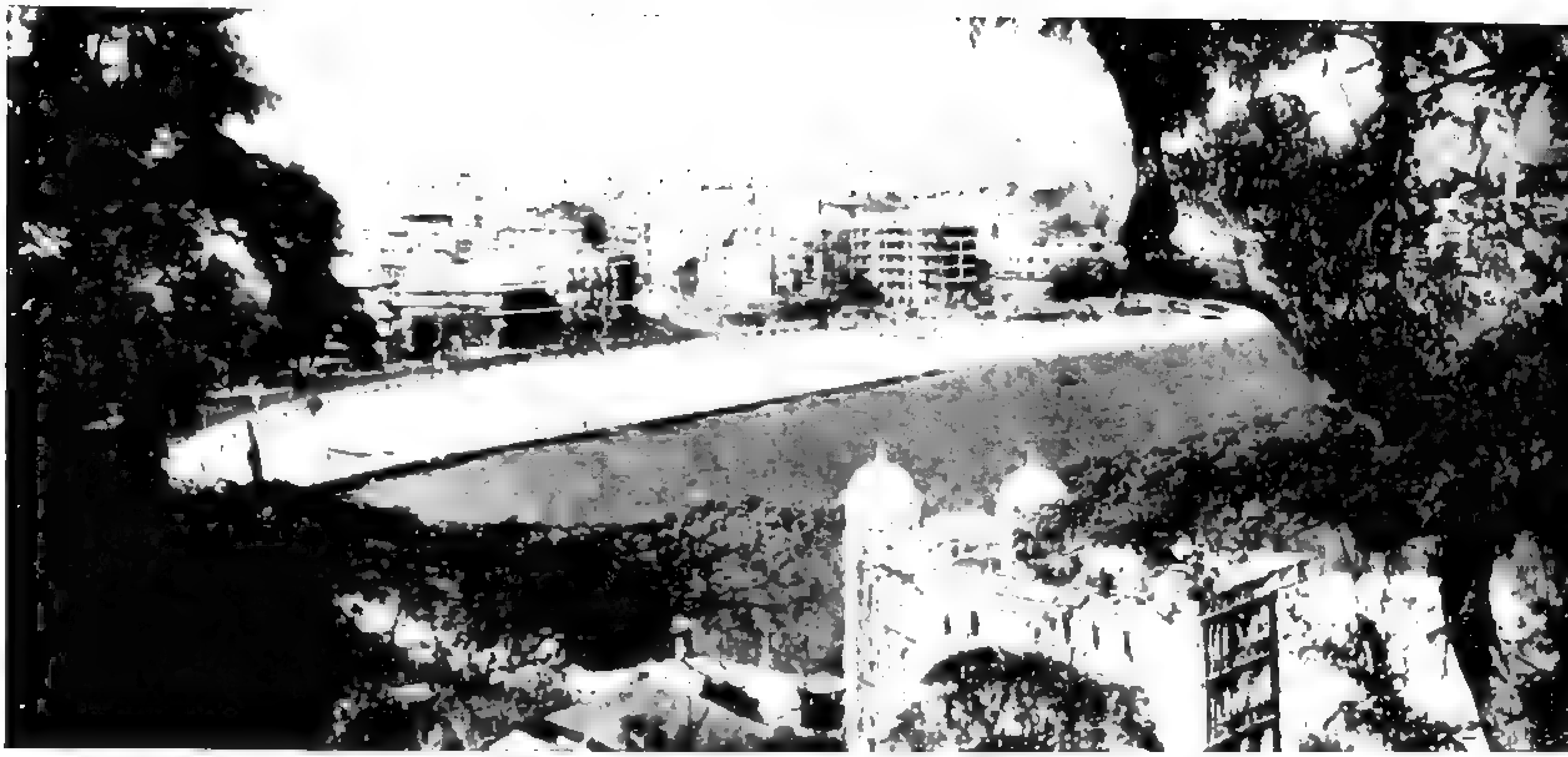
बम्बई के बन्दरगाह में एक जहाज़

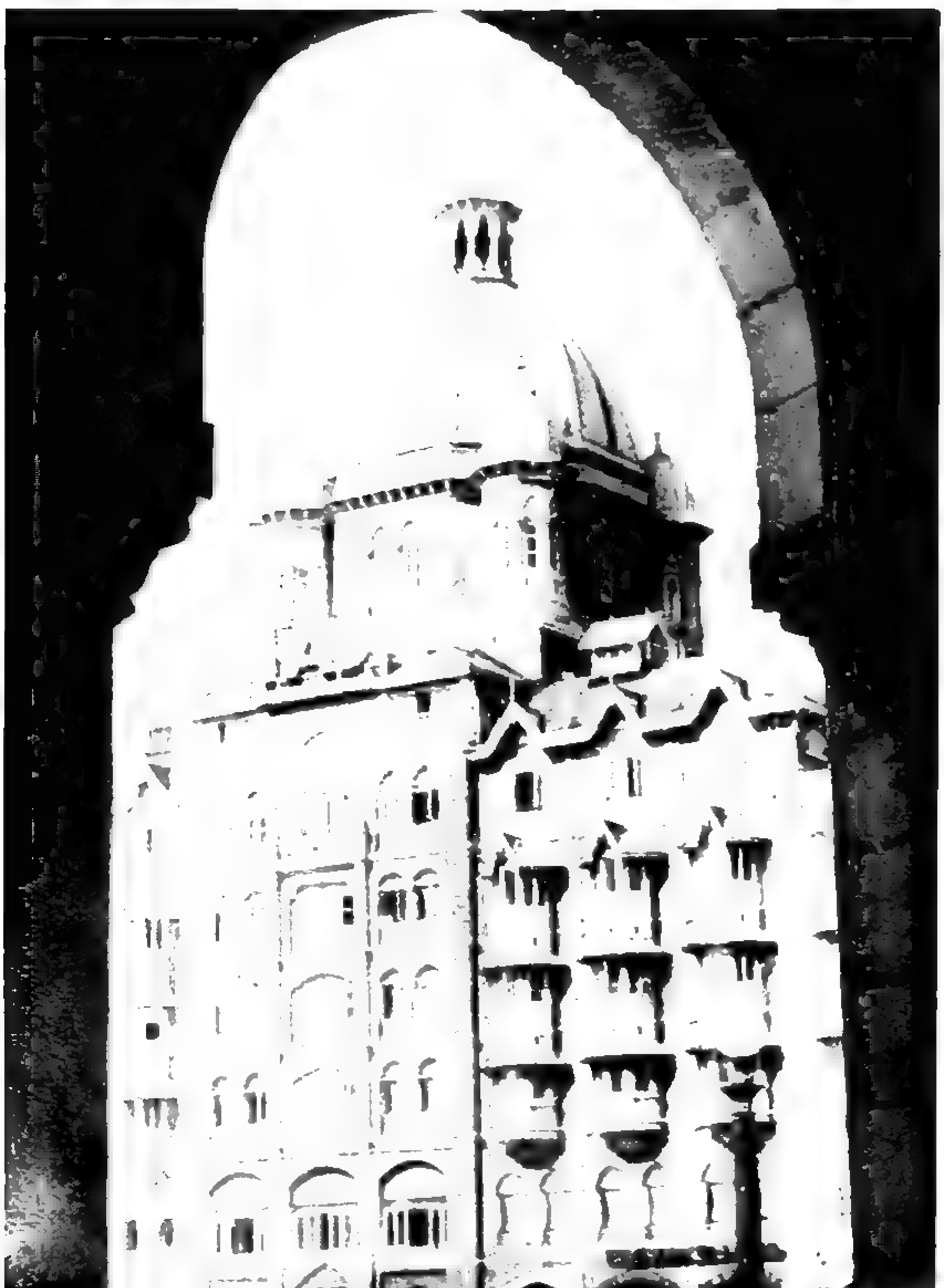
بمبئی کے بندرگاہ میں ایک جہاز



फ़्लोरा फ़ाउन्टन, बम्बई

فلورا فاؤنٹین - بمبئی





ऊपर—मालाबार पहाड़ी से बम्बई का एक मनोहर दृश्य

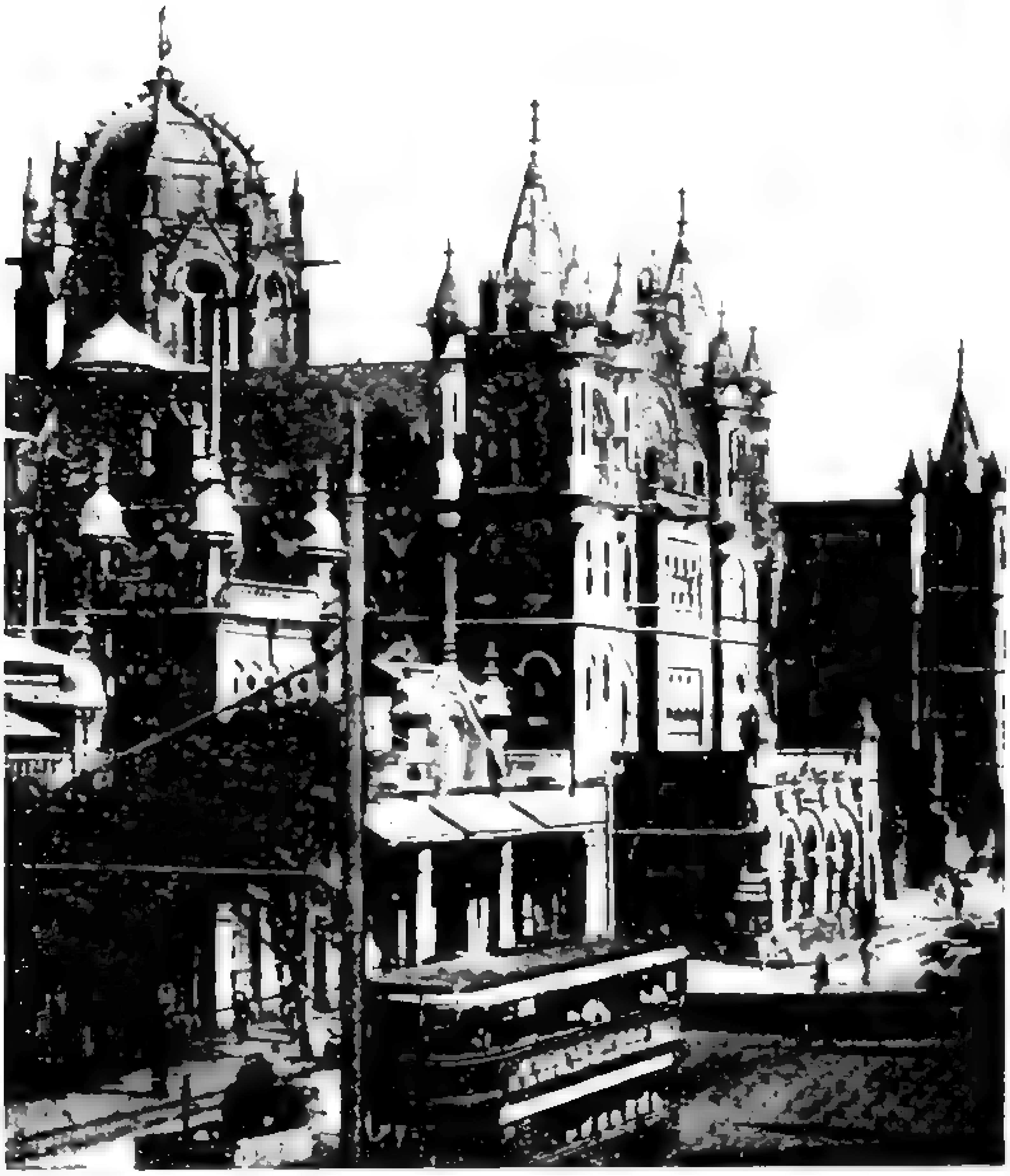
اوپر - مالا بار پہاڑی سے بمبئی کا ایک دلکش نظارہ

नीचे—"गेटवे आफ़ इंडिया" के एक दर से ताजमहल होटल का एक दृश्य, बम्बई

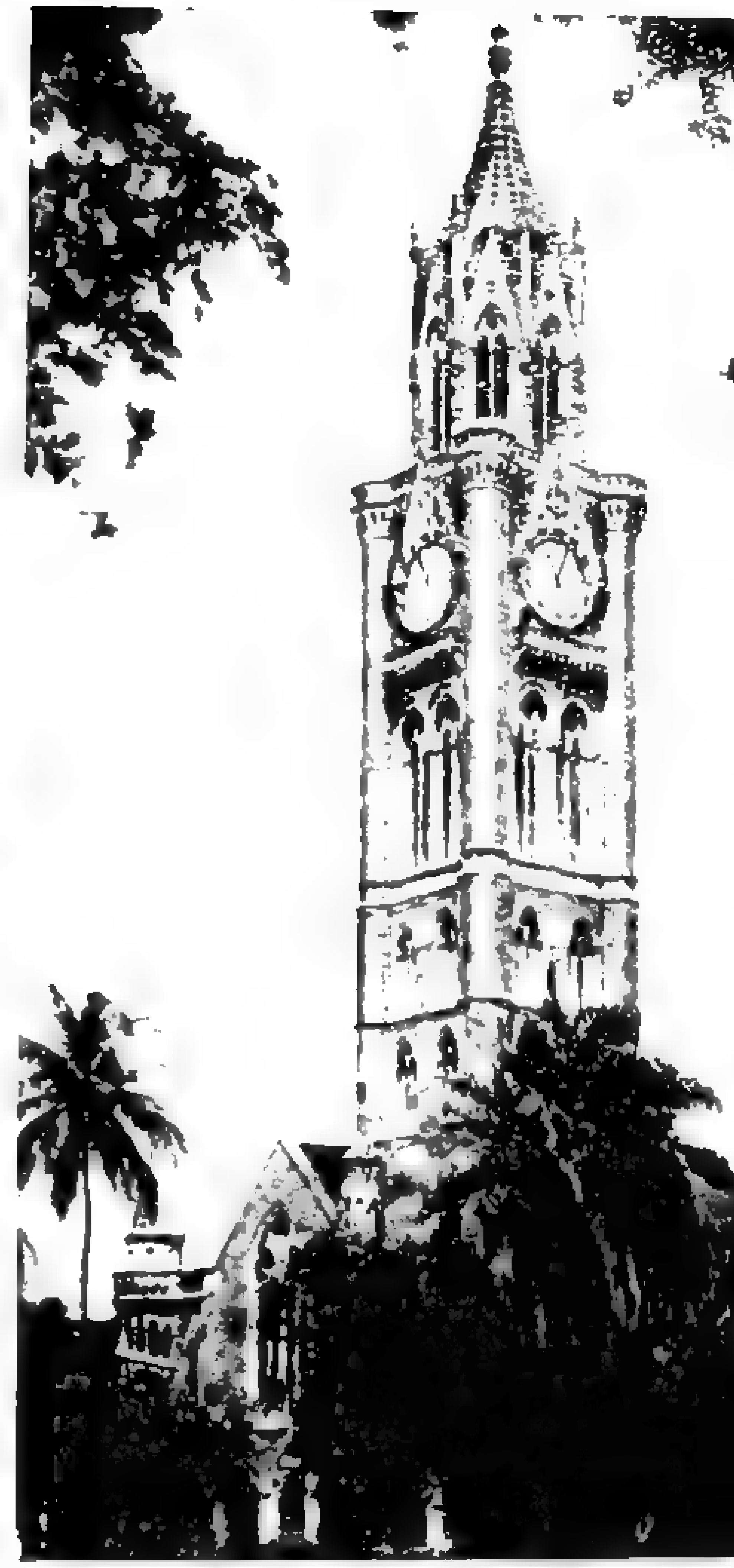
نیچے - "گیٹوے آف انڈیا" کے ایک در سے تاج محل ہوٹل کا نظارہ - بمبئی



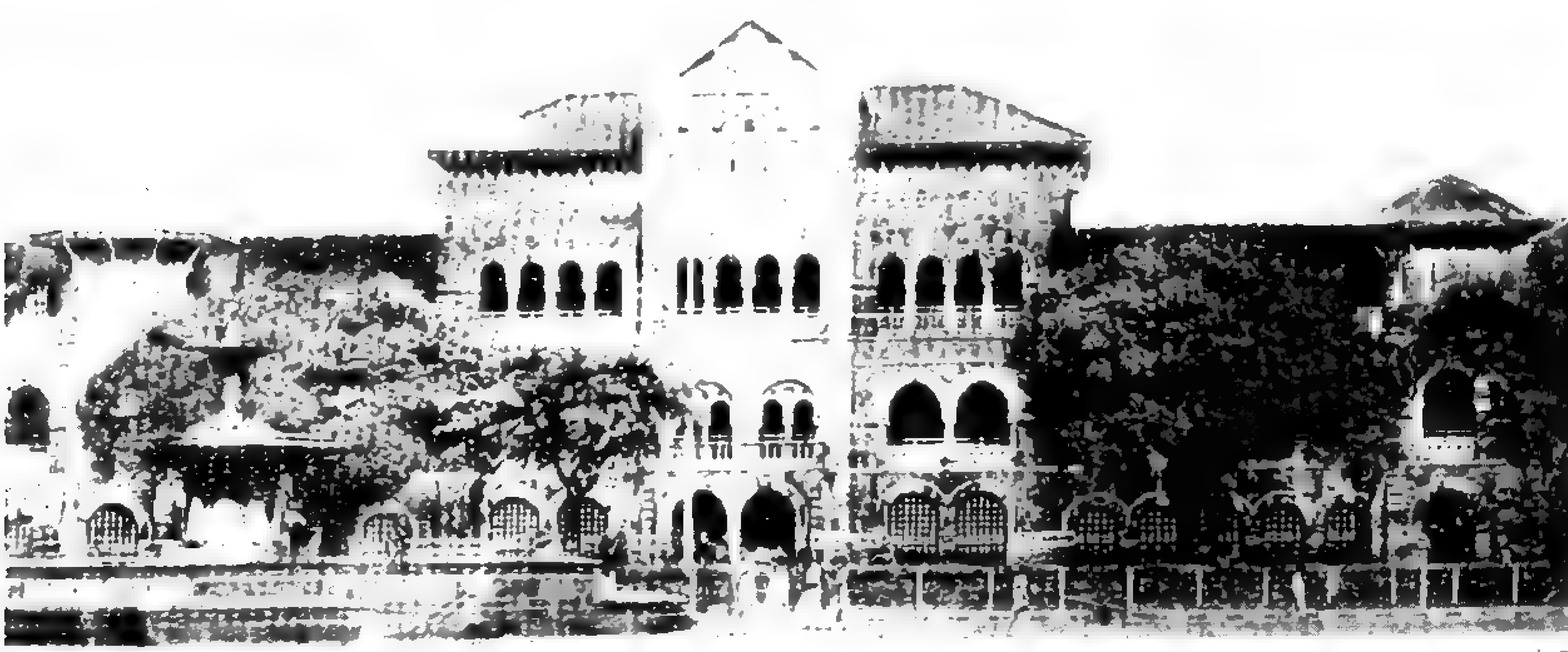
प्रिंस आफ़ वेल्स म्यूज़ियम (अजायबघर), बम्बई
''پرنس آف ویلس میوزیم'' (عجائب گھر) - بمبئی



विक्टोरिया टर्मिनस रेलवे स्टेशन, बम्बई
''وکٹوریہ ٹرمنس'' ریلوے اسٹیشن - بمبئی

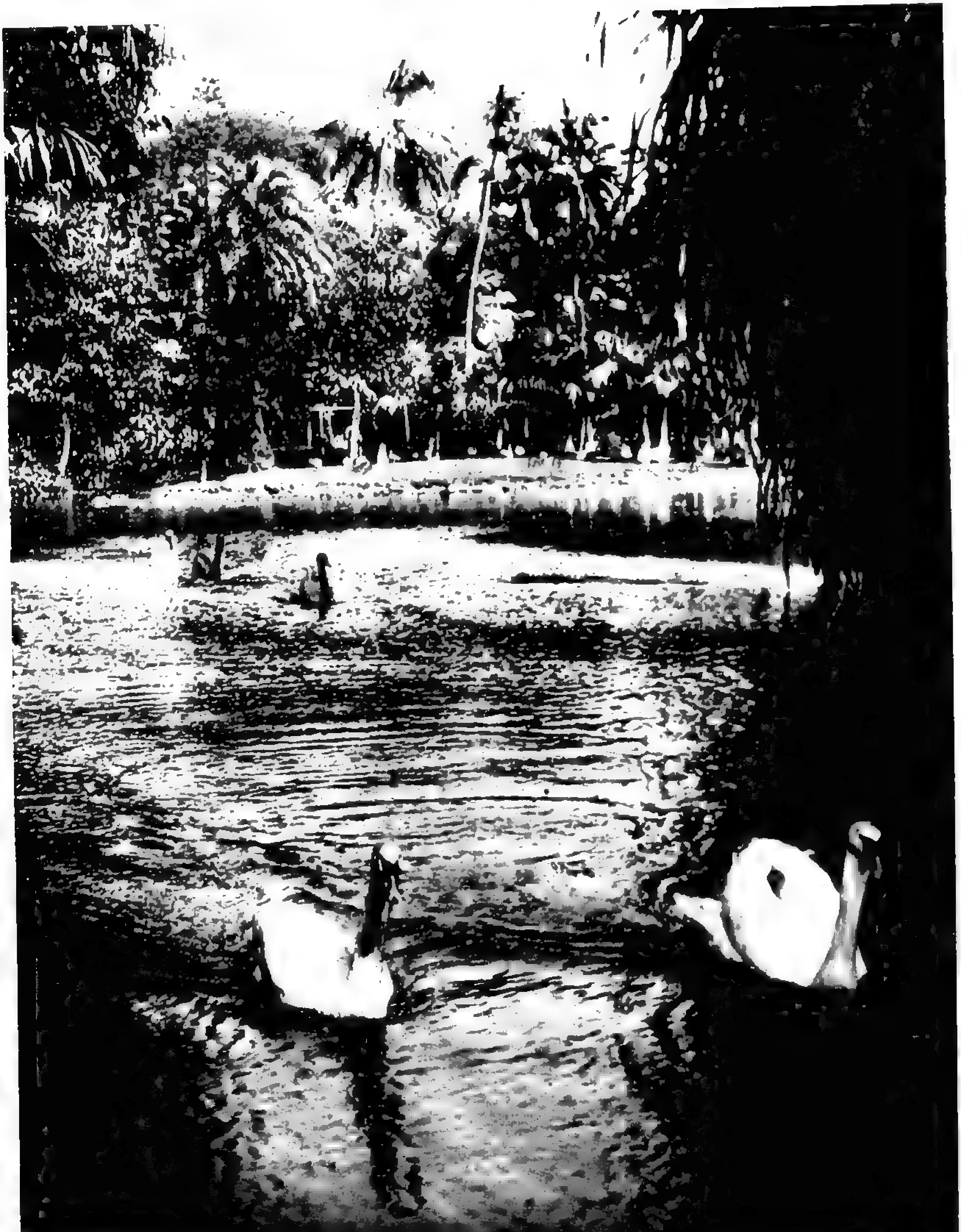


यूनिवर्सिटी लायब्रेरी और घंटाघर
یونیورسٹی لائبریری اور گھنٹہ گھر



लेजिस्लेटिव कौंसिल, बम्बई

لیجسلیٹو کونسل - بمبئی



विक्टोरिया गार्डेन्स का एक सुन्दर दृश्य, बम्बइ

وکٹوریہ گارڈنس کا ایک دلکش منظر - بمبئی



बम्बई शहर के पास नई इमारतों का एक दृश्य
بمبئی کے گرد و نواح کی نئی عمارتوں کا نظارہ



नगर में एक रमणीक स्थान
شہر بمبئی میں ایک دلکش مقام



श्रीमती कस्तूर बाई गांधी
شریمتي کستور بائي گاندھ



डाक्टर सरोजिनी नायडू
ڈاکٹر سروجني نائیڈو



हिज़ हाइनेस महाराजा बड़ौदा
ہز ہائینس مہاراجہ بڑودہ



आनरेबुल बी० जी० खेर
آنریبل بی - جي - کھیر



श्री विट्ठल भाई पटेल

شری وٹھل بھائي پٹيل



हिज़ हाईनेस सर आगाख़ाँ

هز هائينس سر آغا خاں



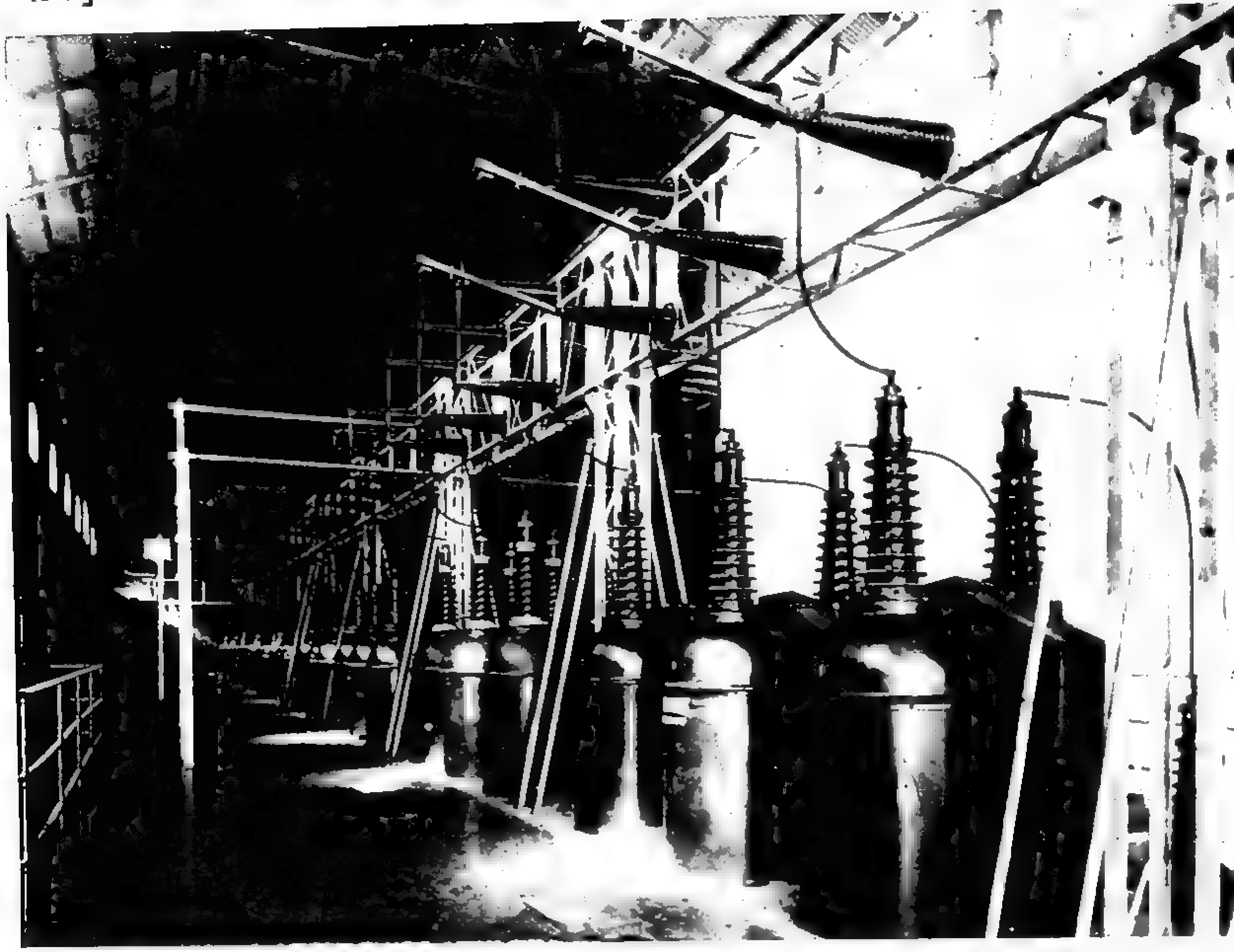
सरदार वल्लभ भाई पटेल

سردار ولبهه بهائي پٹيل



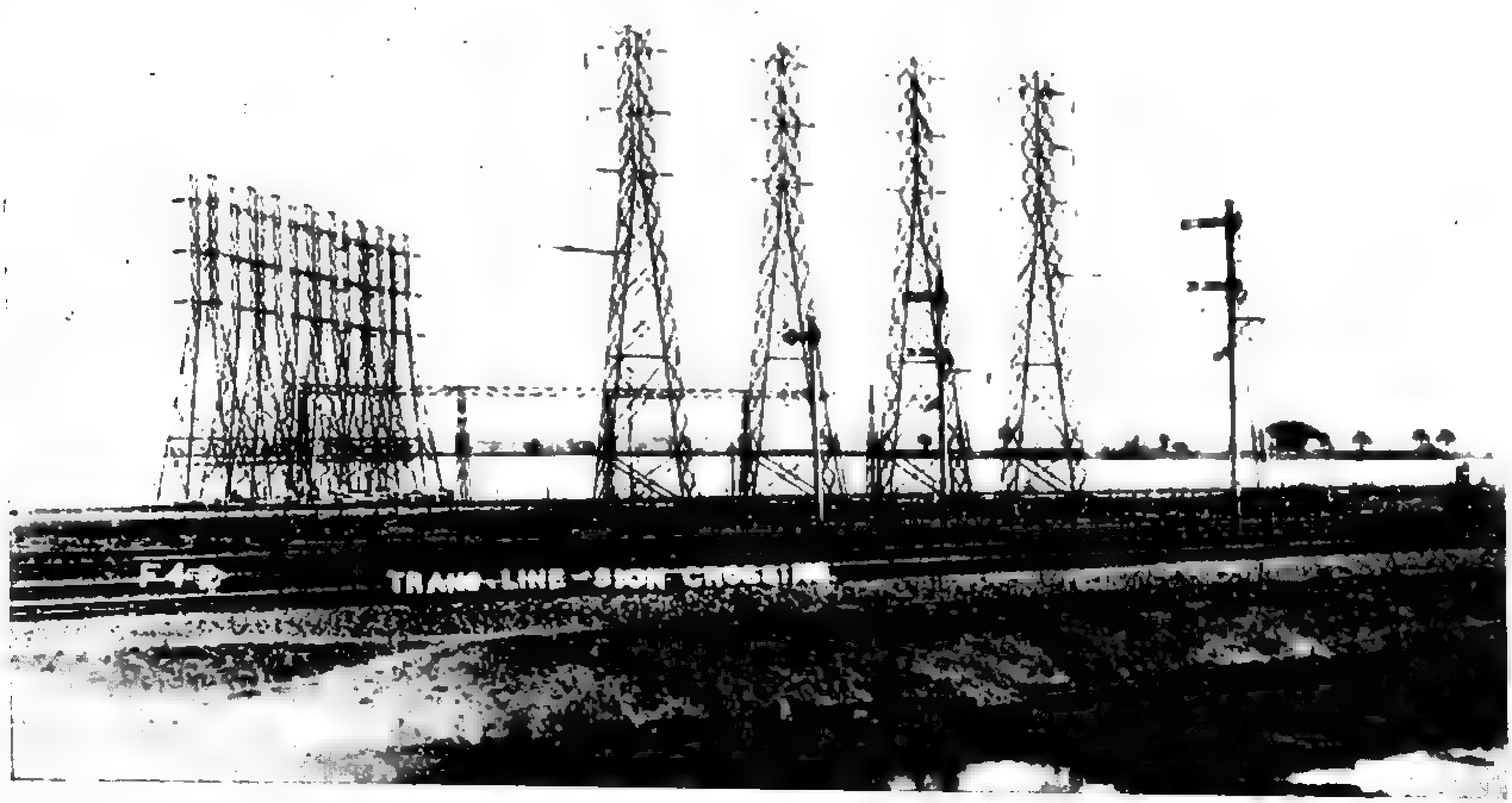
मिस्टर मुहम्मद अली जिन्ना

مسٹر محمد علي جنّاح



ताता हाइड्रो एलेक्ट्रिक वर्क्स का एक दृश्य

ٹاٹا ھائڈرو الکٹرک ورکس کے کارخانے کا ایک نظارہ



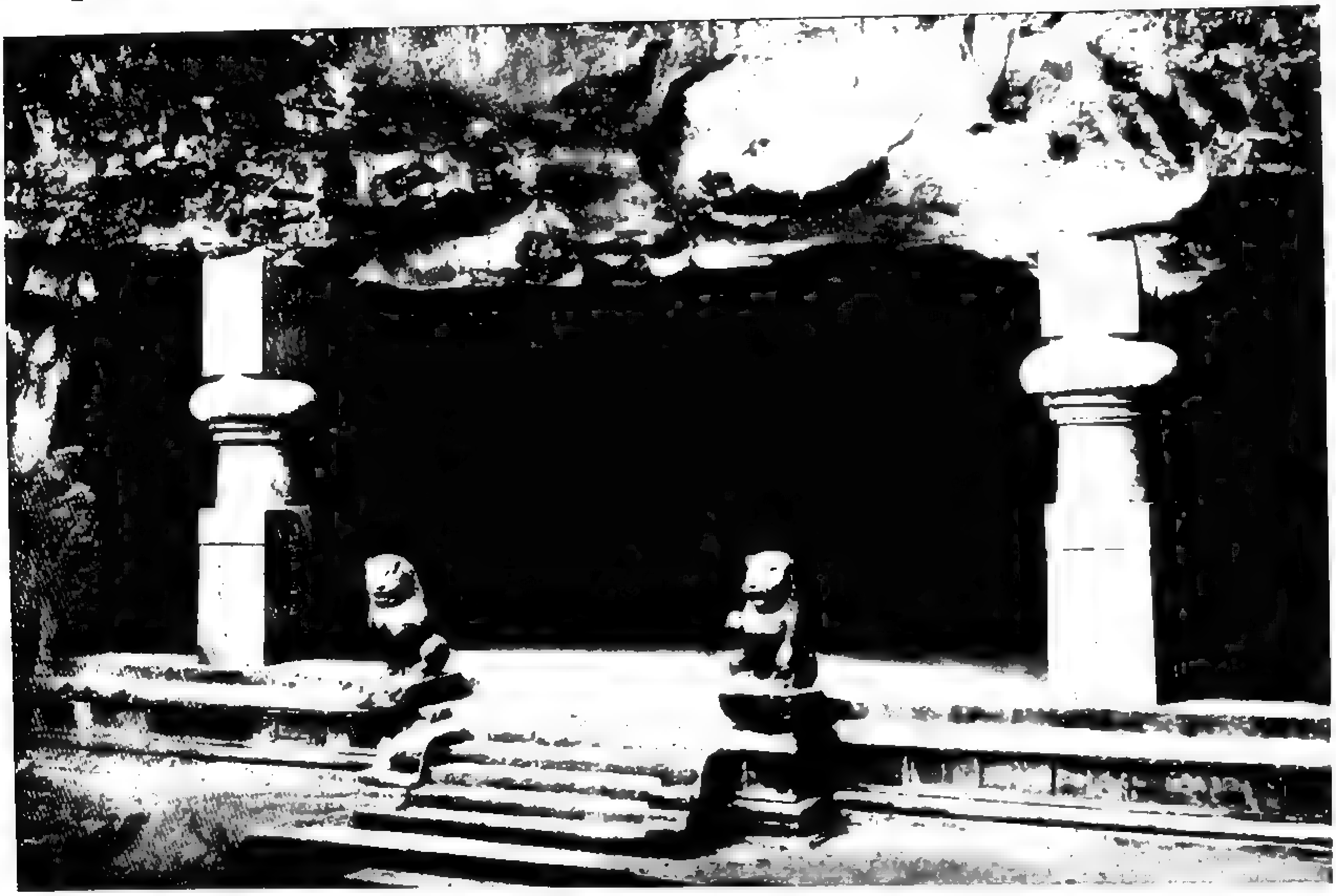
ताता हाइड्रो एलेक्ट्रिक वर्क्स का एक दूसरा दृश्य

ٹاٹا ھائڈرو الکٹرک ورکس کے کارخانے کا ایک دوسرا نظارہ



भारतीय फ़िल्म बनाने का एक दृश्य, बम्बई

هندوستاني فلم بنانے کا ایک نظارہ - بمبئي



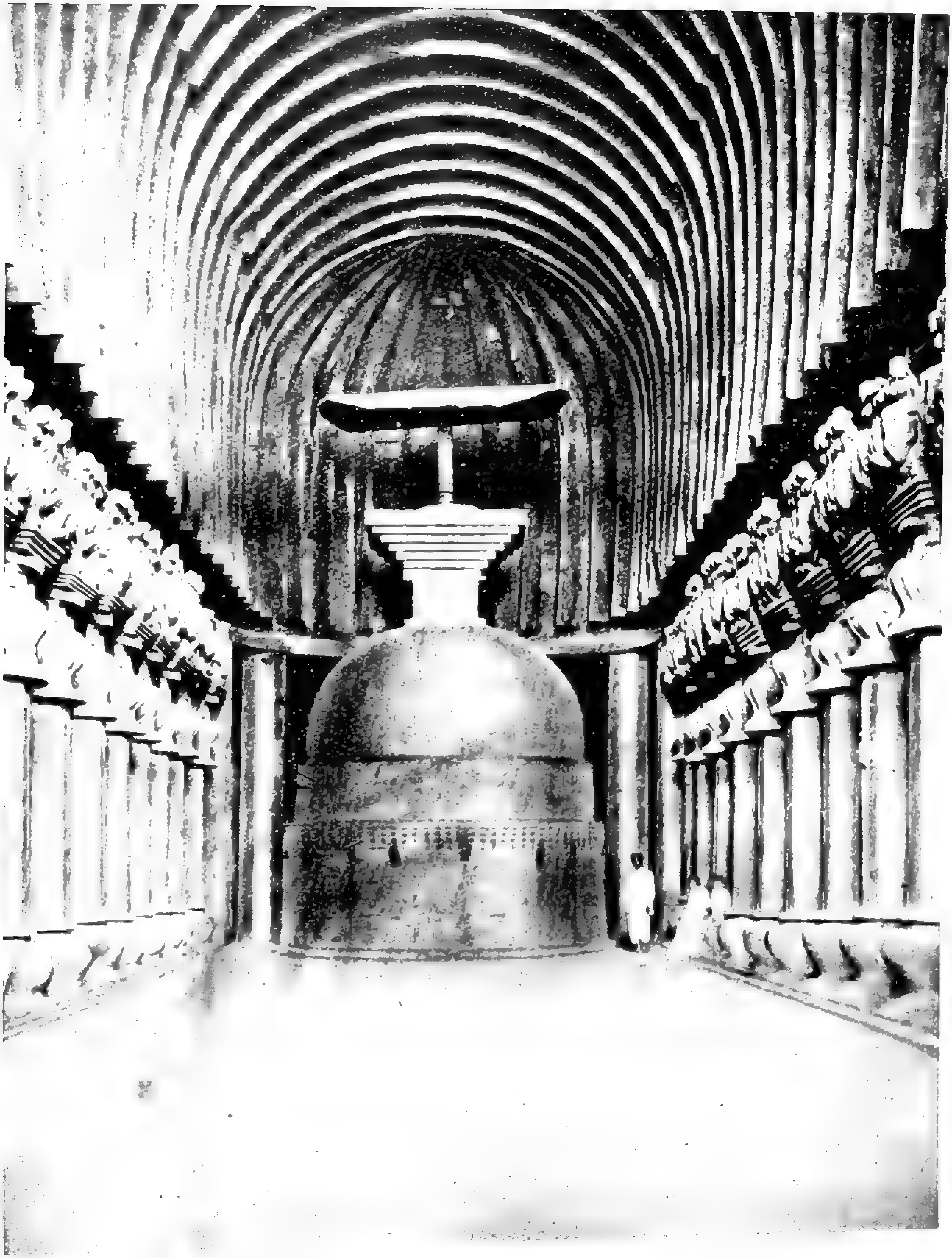
एलीफेन्टा-गुफाओं का प्रवेश-द्वार

ايليفنٽا غار ڪا دروازه



एलीफेन्टा की गुफा में नटराज शिवजी की मूर्ति

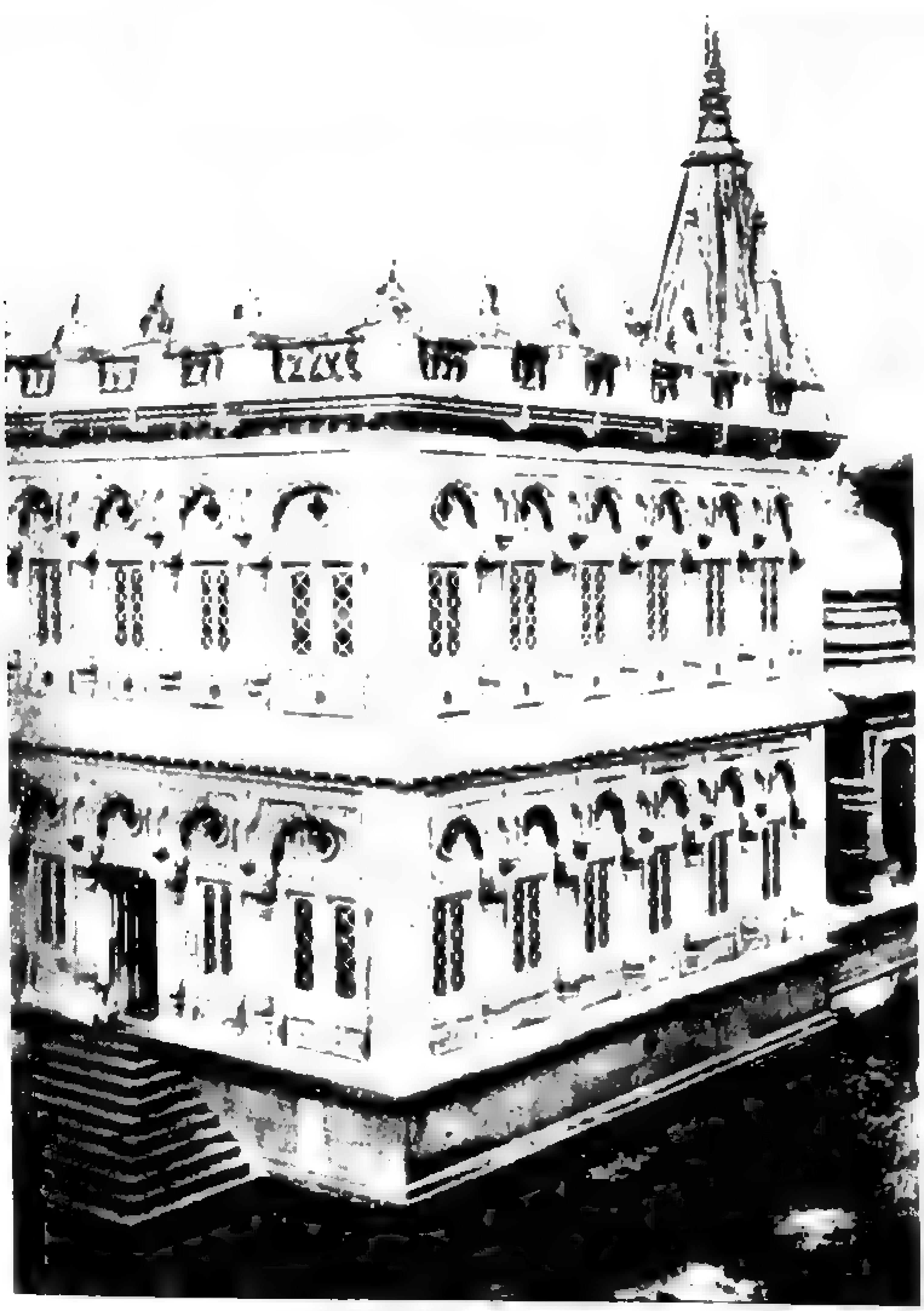
ايليفنٽا غار ميں نٽراج شيو جي کي مورتي



कार्ला की प्रसिद्ध गुफा का एक दृश्य

کارلی کے مشہور غار کا ایک نظارہ



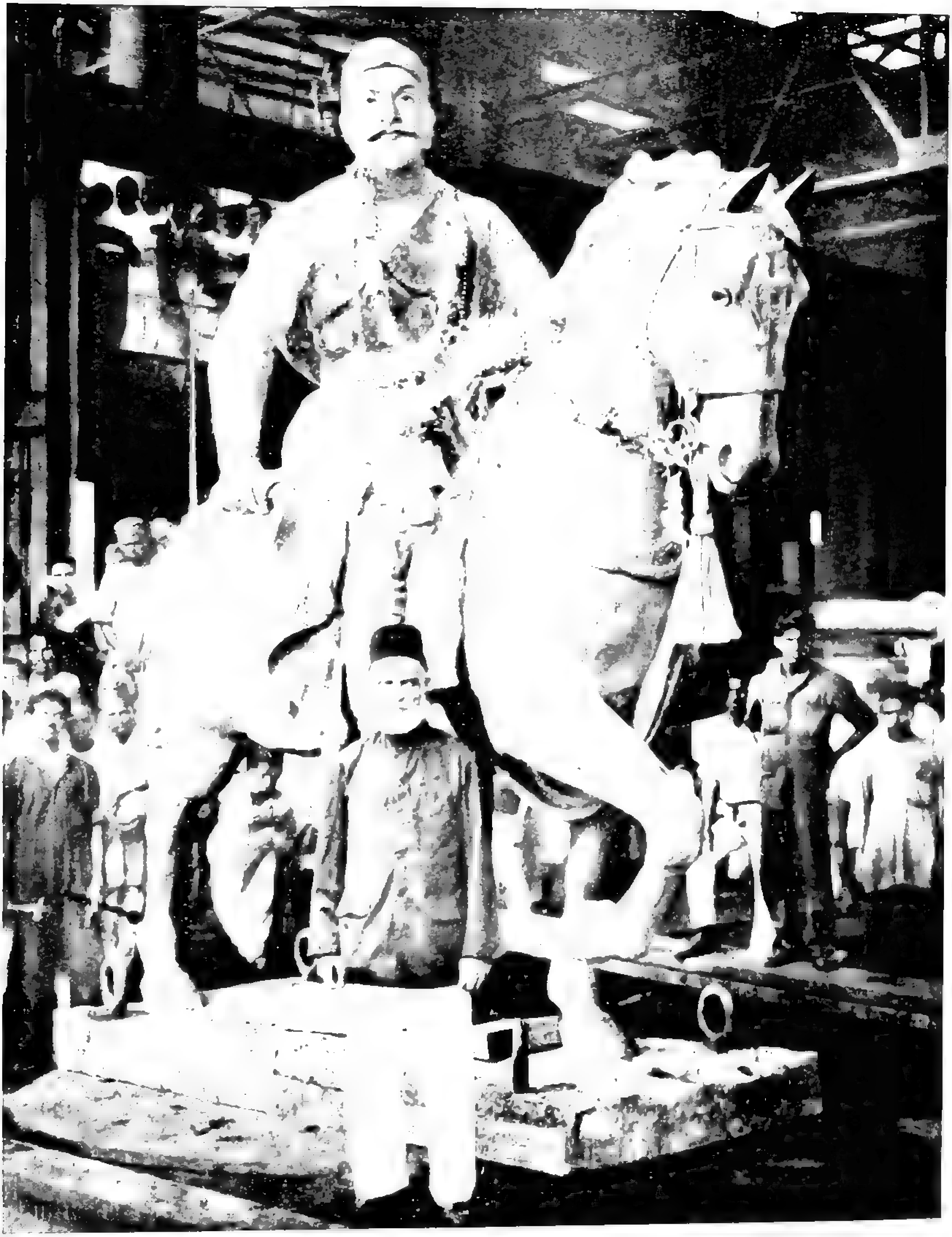


ऊपर—वन्द-प्रपात का एक सुन्दर दृश्य, पूना

أوپر - بند کے جھرنے کا ایک دلکش منظر - پونا

नीचे—श्री वनवारी जी का मन्दिर, पूना

نیچے - شري بنواري جي کا مندر - پونا



छत्रपति महाराज शिवाजीकीमूर्ति

چهتر پتي مهاراج شيوا جی كي مورتے



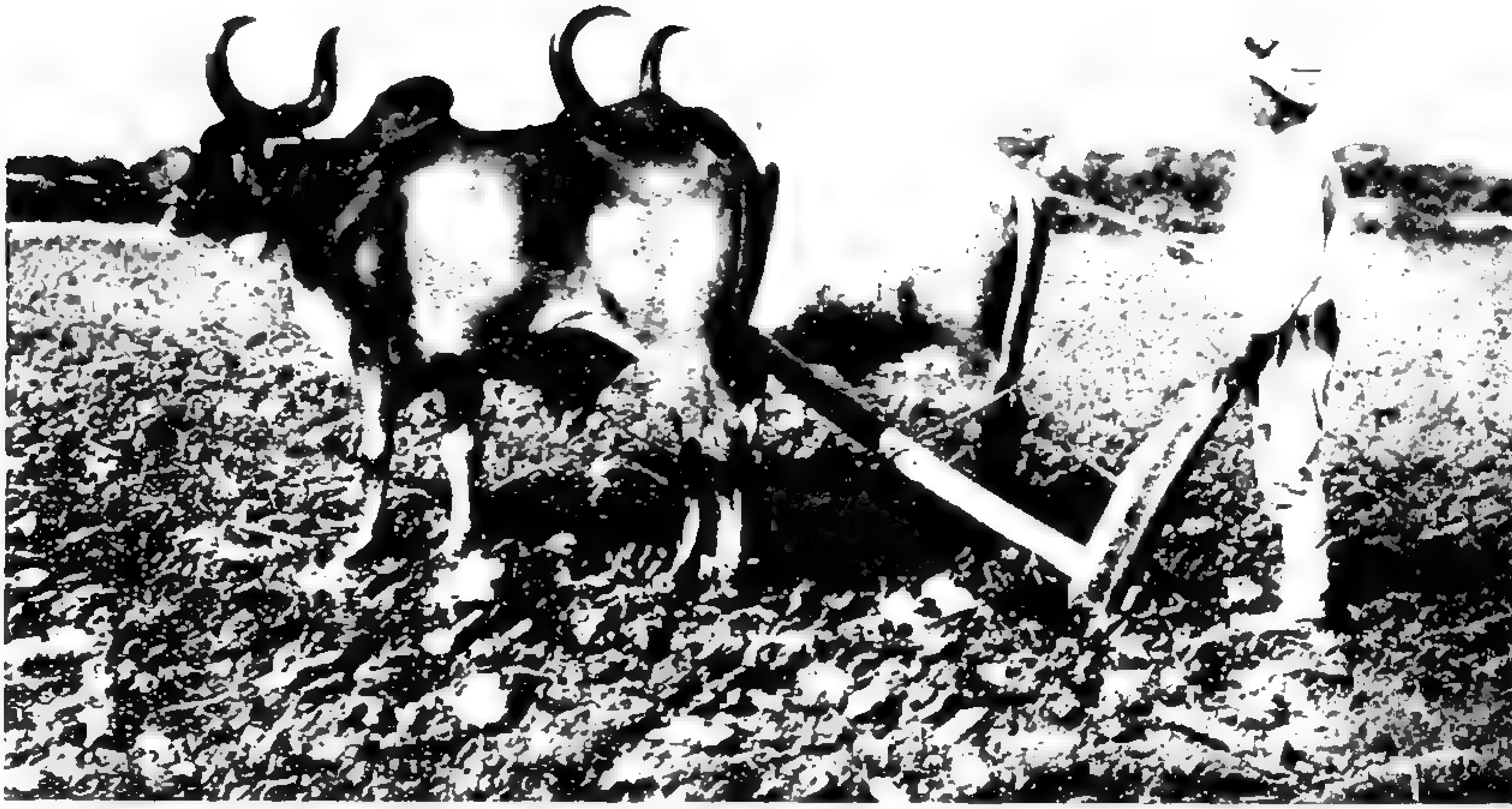
शिवाजी की समाधि, कोलाबा

شيوا جي كي سمادھ - كولابا



पंढारपुर में चन्द्रभागा नदी के एक घाट का दृश्य

پنڈھارپور ميں چندر بھاگہ ندي كے ايك گھات كا منظر



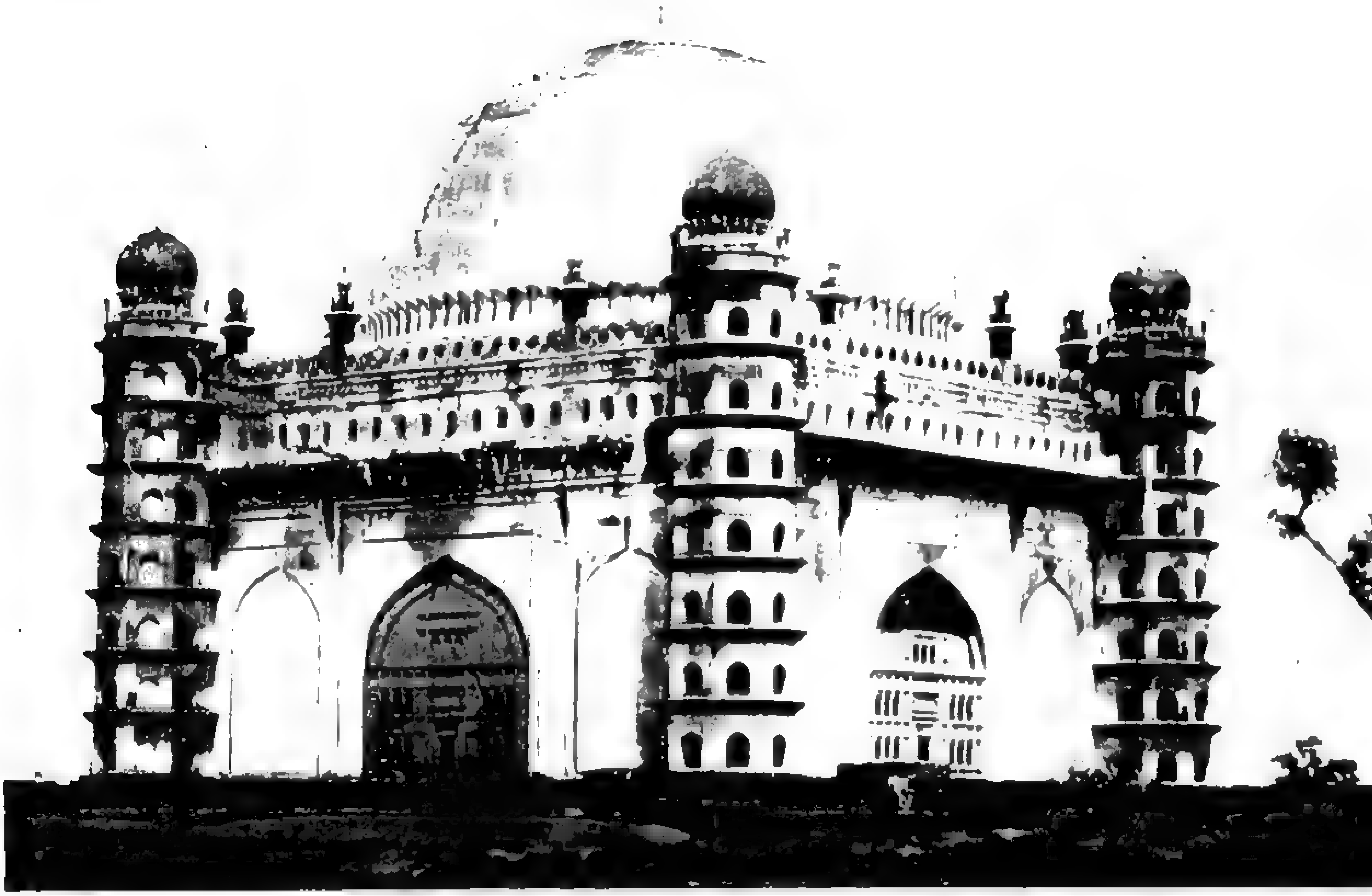
एक किसान खेत जोत रहा है, पंढारपुर
ایک کسان کھیت جوت رہا ہے - پنڈھارپور



लोकमान्य श्री बाल गंगाधर तिलक
لوکمانیہ شري بال گنگا دھر تلک

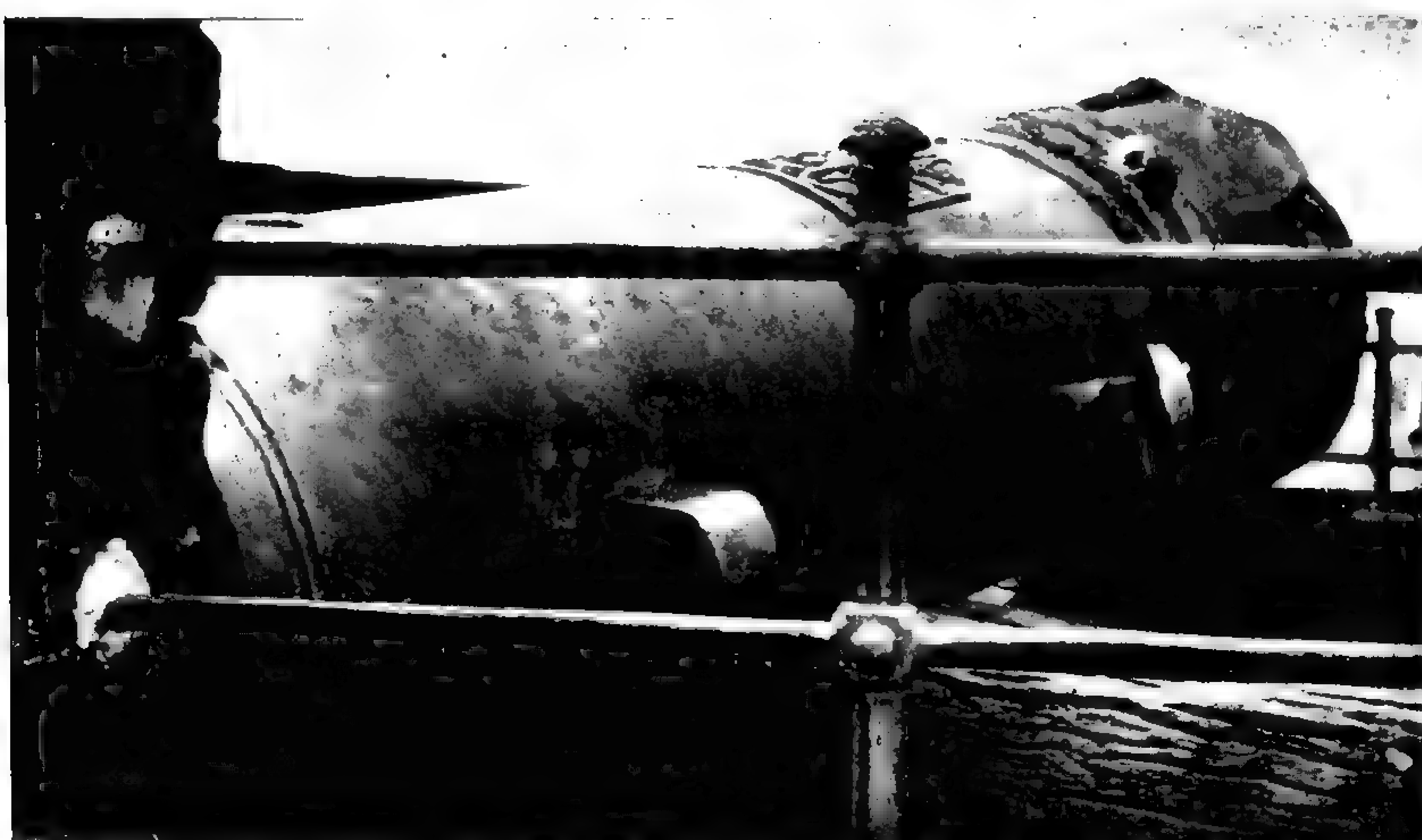


श्री गोपालकृष्ण गोखले
شري گوپال کرشن گوکھلے



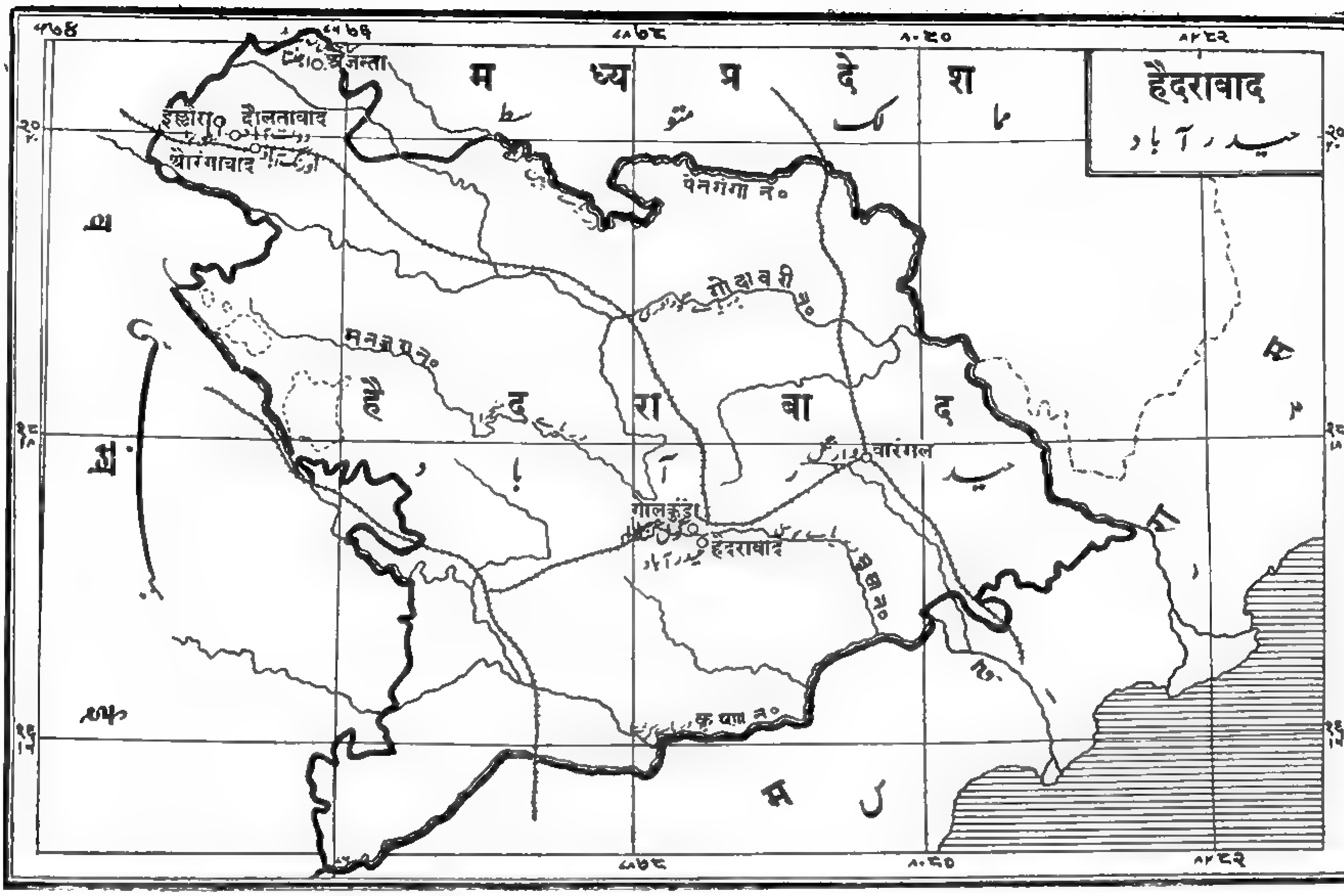
बोली गुम्बज, बाजापुर

بولي گمبز - بيجاپور



मलिक-ए-मैदान (मुसलमानों के समय की एक बहुत बड़ी तोप), बीजापुर

ملك ميدان (مسلمانوں كے وقت كي ايك بہت بڑي توپ) - بيجاپور

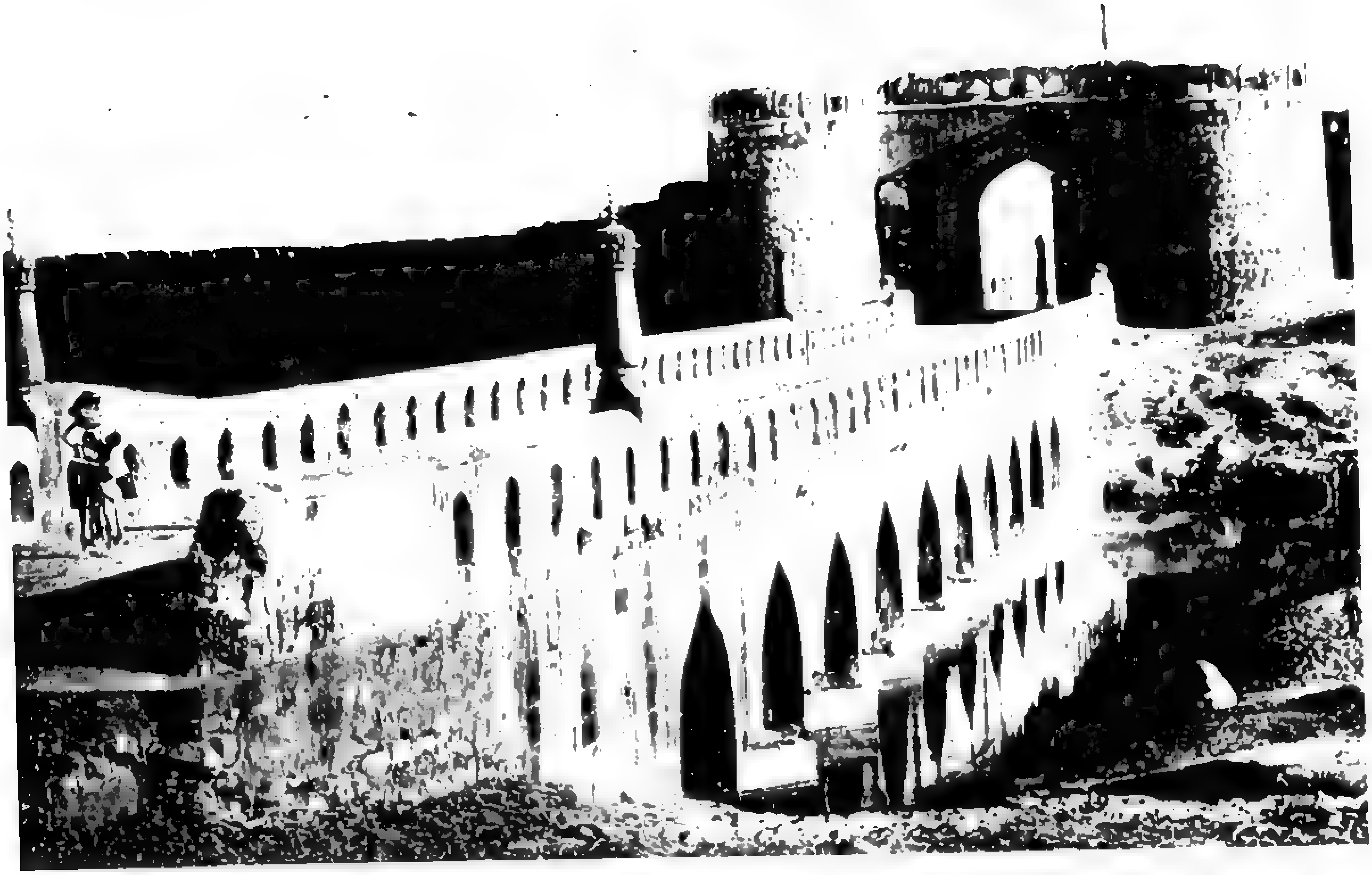


हैदराबाद

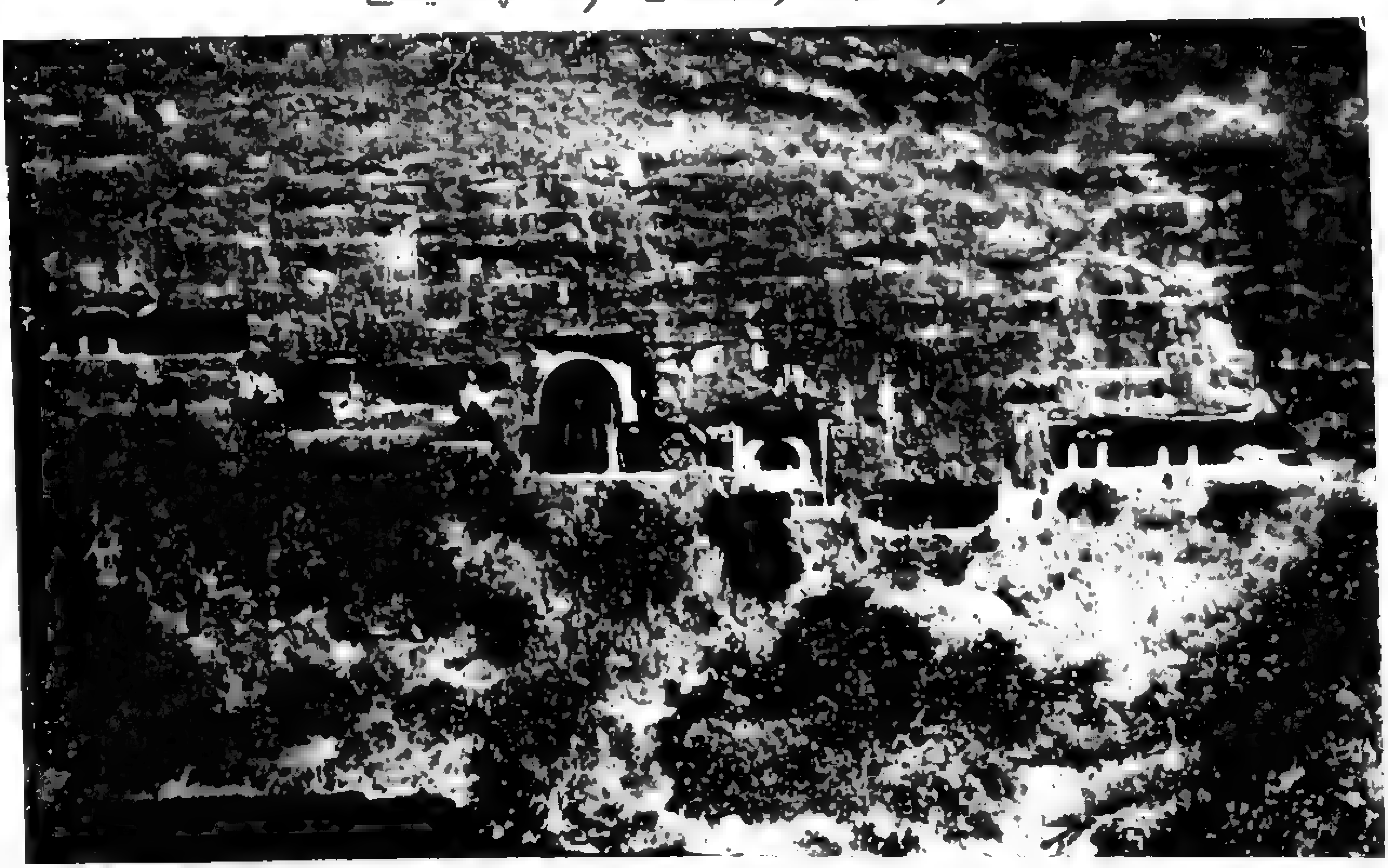
हिन्दुस्तान के देशी राज्यों में हैदराबाद सबसे बड़ी रियासत है। निज़ाम इसके राजा हैं। यह हिन्दुस्तान के दक्षिणी भाग में है। इस रियासत के उत्तरी भाग में दक्षिणी भाग की अपेक्षा अधिक वृष्टि होती है। यहाँ की मुख्य उपज ज्वार, बाजरा, कपास और तेलहन है। कुछ भागों में चावल भी पैदा होता है। सोना, लोहा और कोयला भी पाया जाता है। इसकी राजधानी हैदराबाद है। इसके अतिरिक्त वारंगल, गोलकुण्डा और दौलताबाद यहाँ के मुख्य शहर हैं। अजन्ता के प्राचीन बौद्ध-मन्दिर और एलौरा के पुराने हिन्दूमन्दिर इसी रियासत में हैं, जो दर्शनीय हैं और हिन्दुस्तान की प्राचीन स्थापत्यकला और संगतराशी के सजीव नमूने हैं। इस रियासत का क्षेत्रफल ८२ हज़ार वर्गमील और आबादी १,४४,००,००० है।

حیدرآباد

ہندوستان کی دیسی ریاستوں میں حیدرآباد سب سے بڑی ریاست ہے - نظام اس کے راجا ہیں - یہ ہندوستان کے جنوب میں واقع ہے - اس ریاست کے شمالی حصہ میں بہ‌نسبت جنوبی حصہ کے بارش زیادہ ہوتی ہے - یہاں کی خاص پیداوار جوار، باجرہ، کپاس اور تلہن ہے - کچھ حصوں میں چاول بھی پیدا ہوتا ہے - سونا، لوہا اور کوئلہ بھی پایا جاتا ہے - اس ریاست کی راجدھانی حیدرآباد ہے - وارنگل، گولکنڈہ حیدرآباد اور اورنگ‌آباد یہاں کے خاص شہر ہیں - اجنتا کے قدیمی بودھ مندر اور ایلورا کے قدیمی ہندو مندر اسی ریاست میں واقع ہیں جو قابل دید ہیں اور ہندوستان کی پرانی فن تعمیر اور سنگ تراشی کے جیتے جاگتے نمونے ہیں - اس ریاست کا رقبہ ۸۳۰۰۰ مربع میل ہے اور آبادی ۱،۴۴،۰۰،۰۰۰ ہے -



अजन्ता के मार्ग का जाह प्रथम का पुल
جاہ اول کا پل جو اجنتا کے غار تک چلا گیا ہے



अजन्ता की गुफाओं का एक दृश्य
اجنتا کے غاروں کا ایک نظارہ



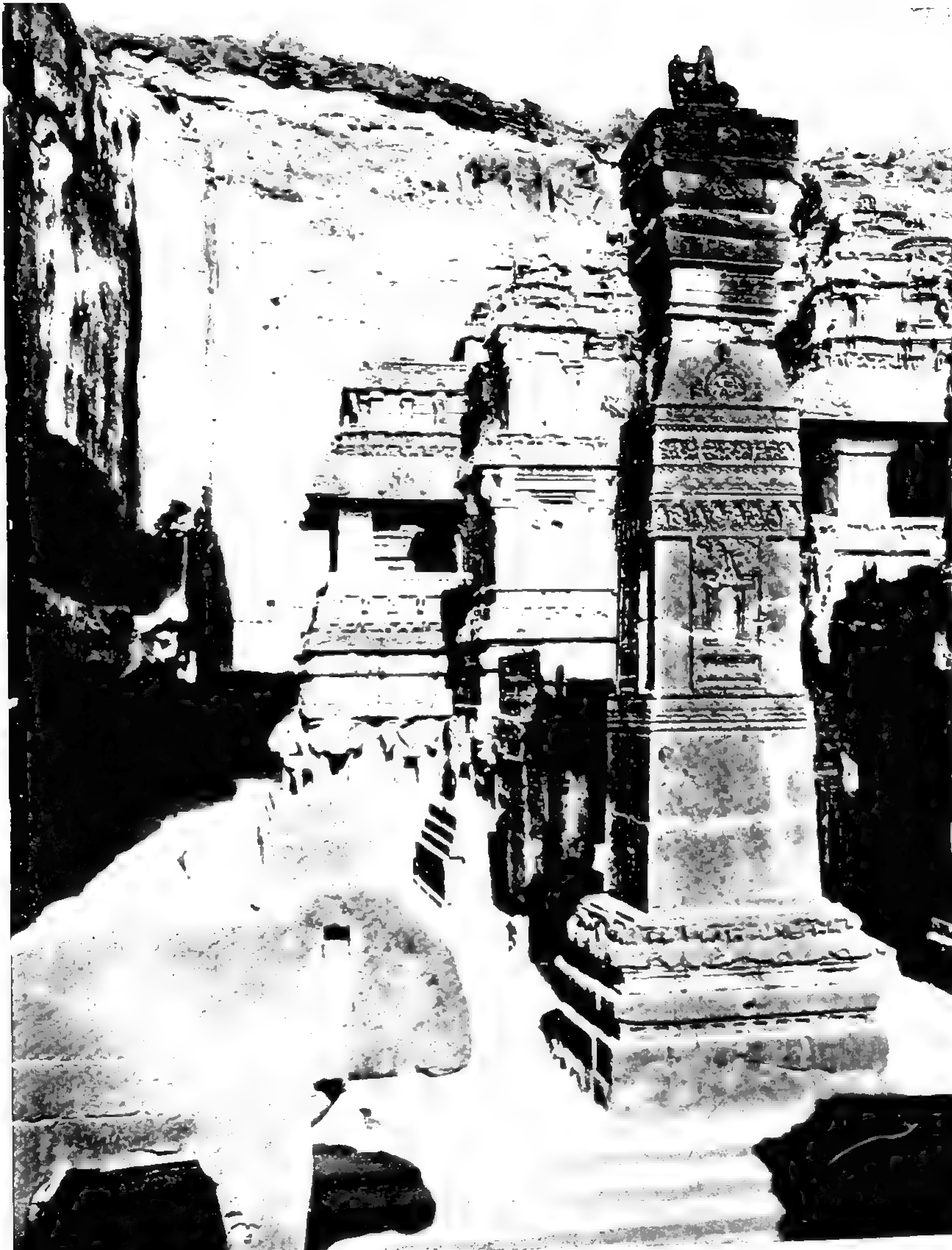
अजन्ता की गुफा नम्बर १९ का एक दृश्य

اجنتا کے غار نمبر ۱۹ کا ایک نظارہ



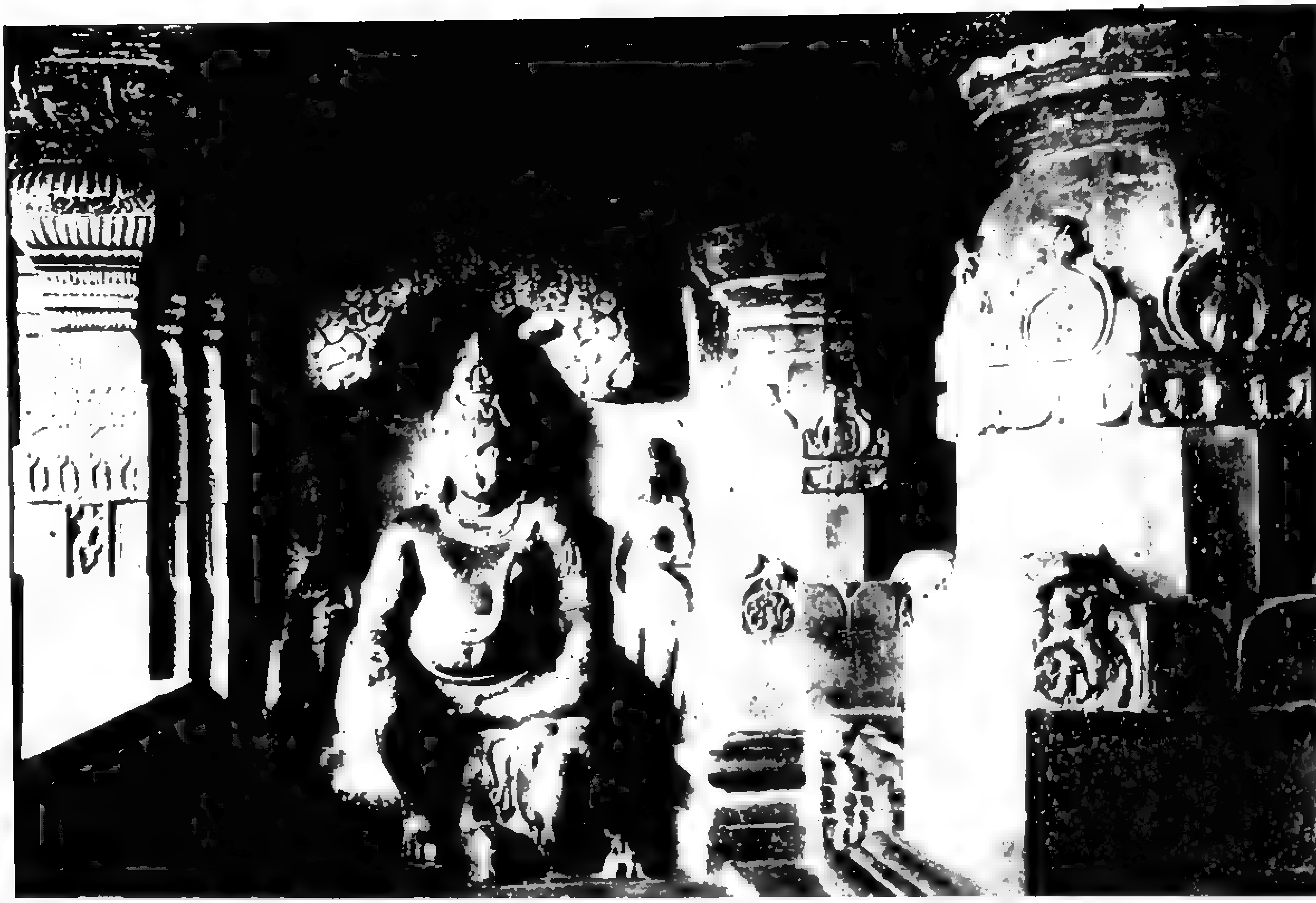
अजन्ता की गुफा नम्बर २६ का एक दृश्य

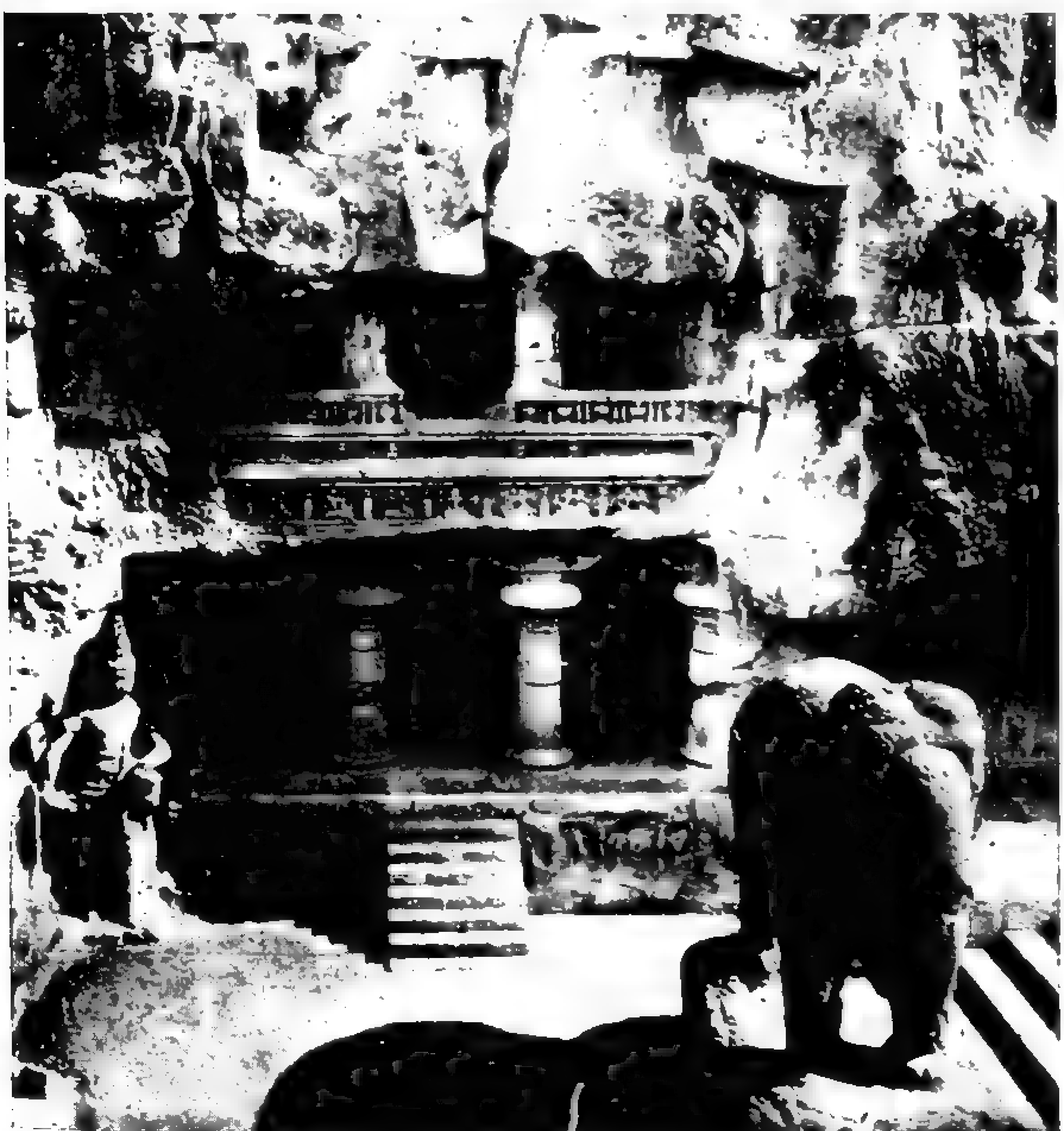
اجنتا کے غار نمبر ۲۶ کا ایک نظارہ



एलौरा के कैलाश-मन्दिर का एक दृश्य

ایلورہ کے کیلاش مندر کا ایک نظارہ



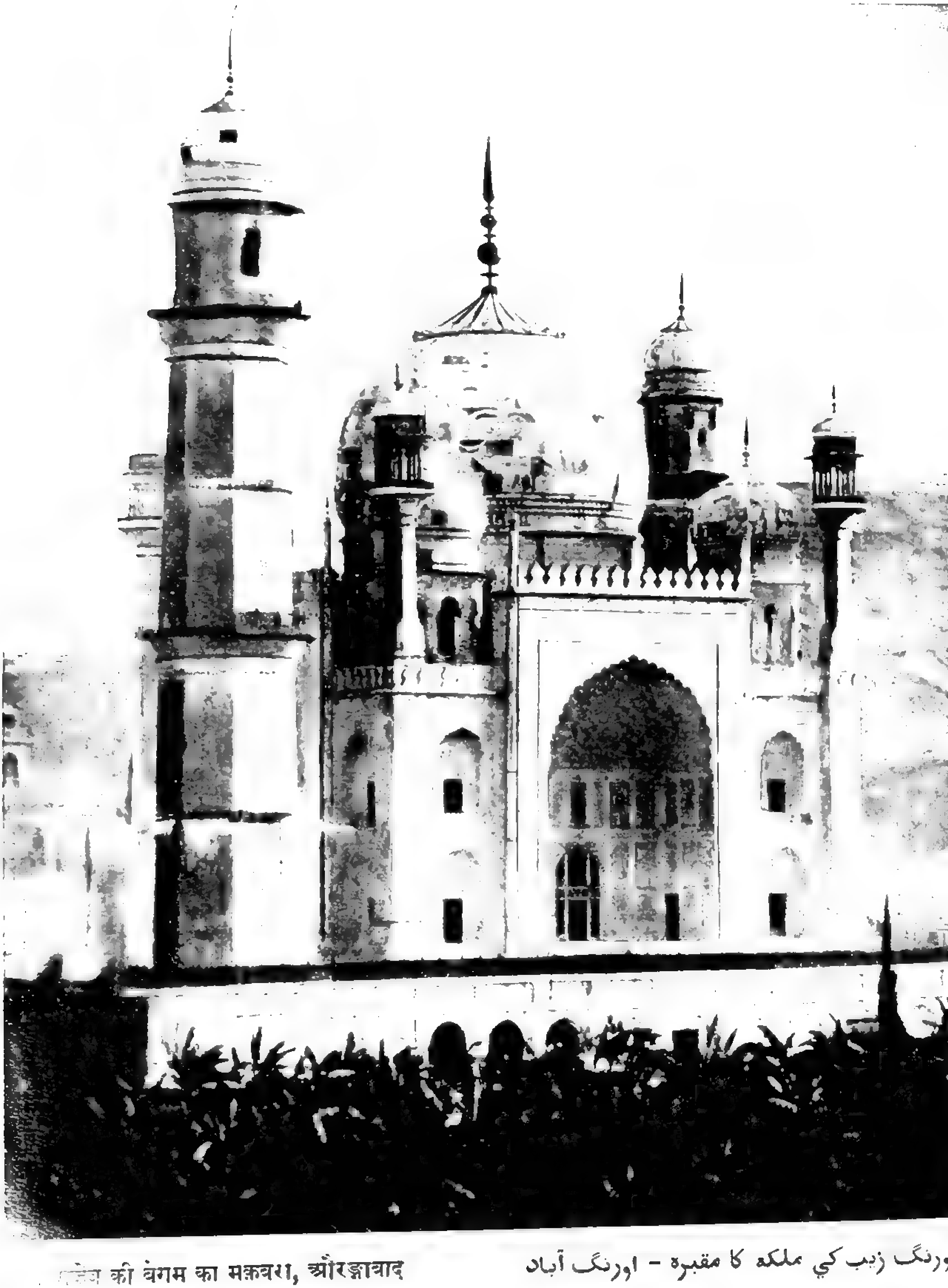


ऊपर—एलौरा की गुफा के जैनमन्दिर में 'इन्द्रसभा' का एक दृश्य

اوپر - ایلورہ کے غار کے جین مندر میں اندر سبھا کا نظارہ

नीचे—एलौरा की गुफा के कैलाशमन्दिर में गंगा आदि नदियों के मन्दिर का एक दृश्य

نیچے - ایلورہ کے غار کے کیلاش مندر میں گنگا وغیرہ دریاؤں کے مندر کا نظارہ



जेब की बेगम का मक़बरा, औरङ्गाबाद

اورنگ زیب کي ملکه کا مقبره - اورنگ آباد



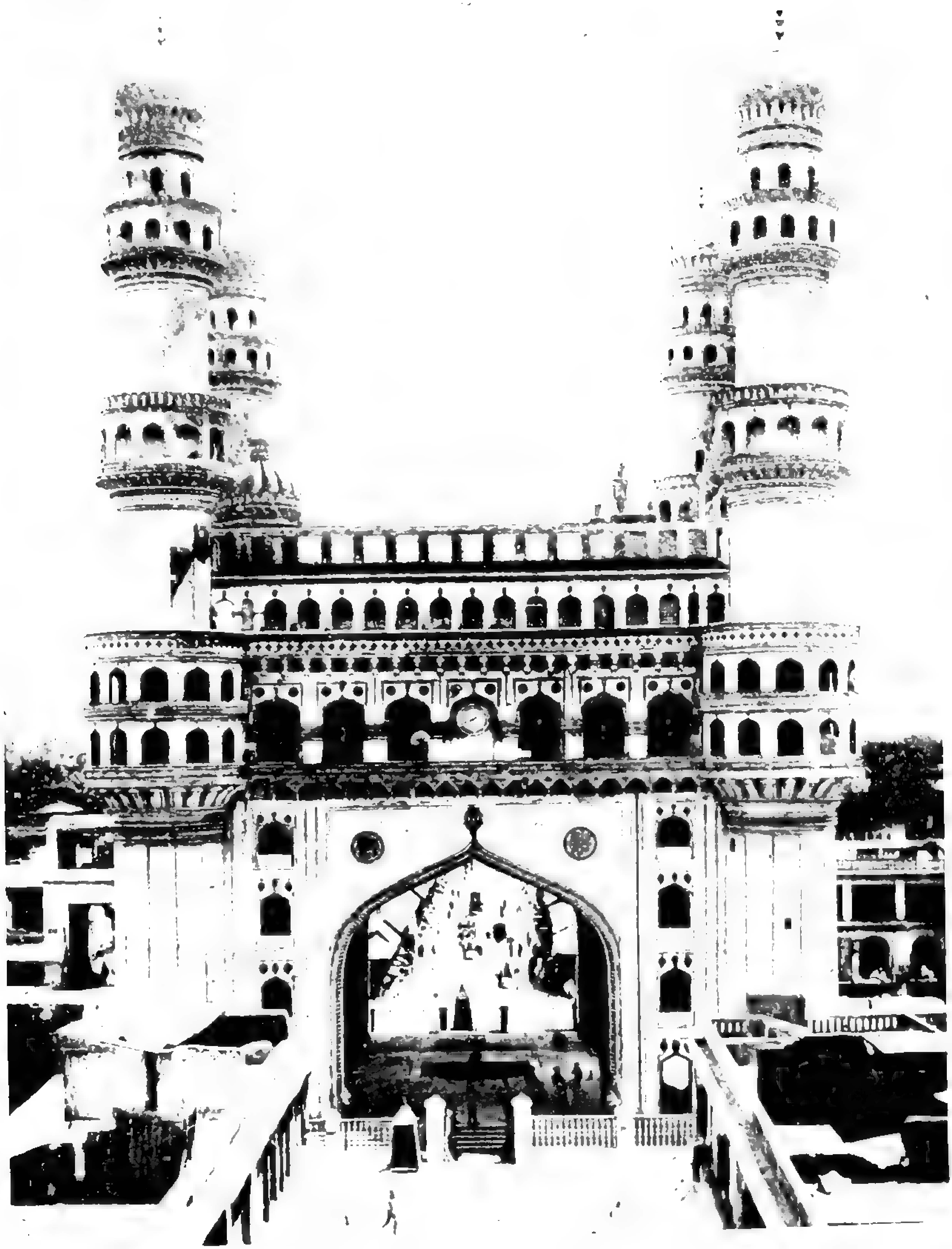
वारंगल के हजार खम्भेवाले मन्दिर का खण्डहर

وارنگل کے ''ہزار کھمبوں والے'' مندرکے کھنڈرات



गोलकुंडा के पुराने क़िले का एक दृश्य

گولکنڈہ کے پرانے قلعہ کا ایک نظارہ



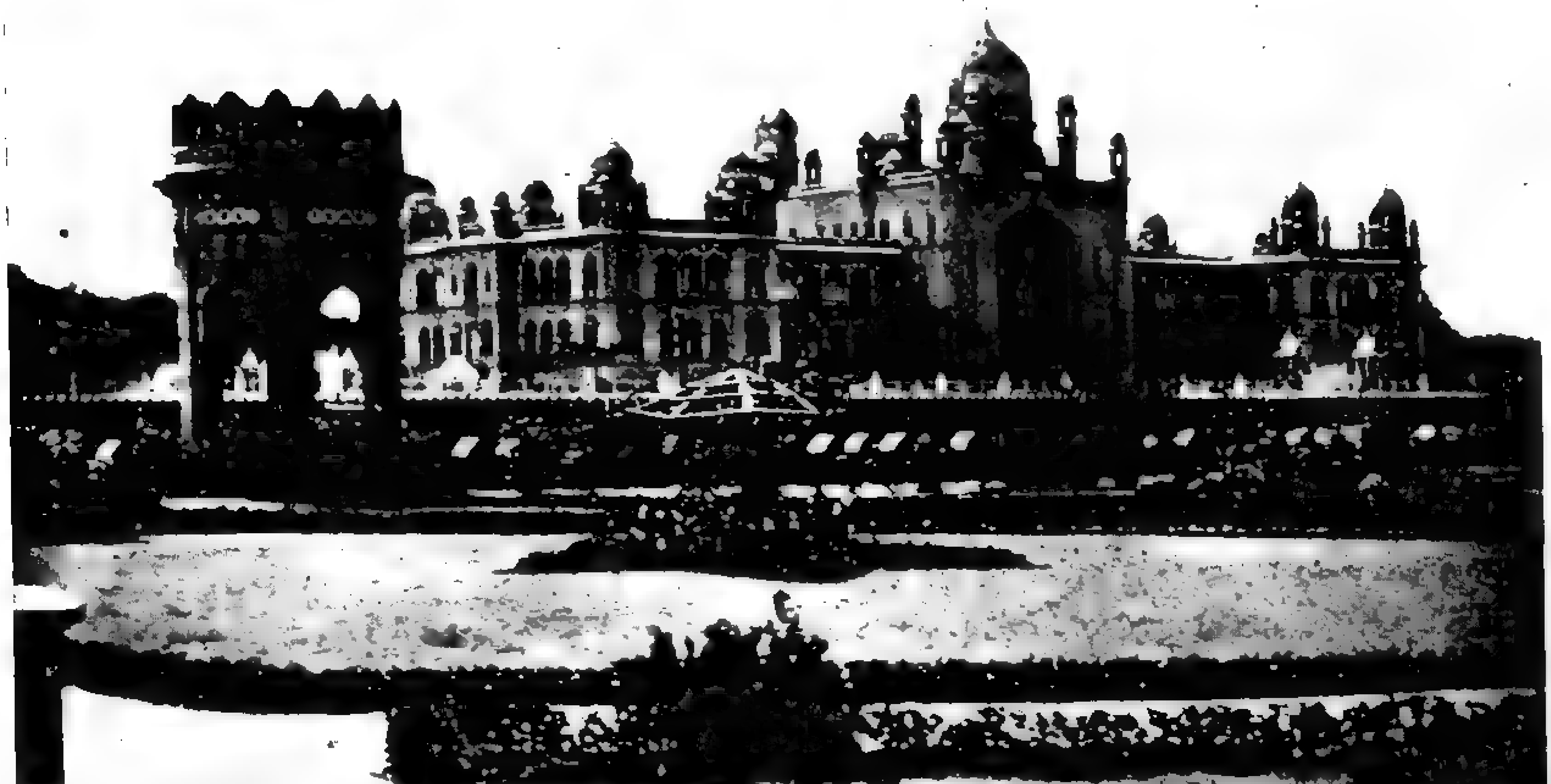
چار مینار – حیدرآباد

चार मीनार, हैदराबाद



निजाम-सागर के बाँध का एक दृश्य

نظام ساگر کے باندھ کا ایک نظارہ



हाइ-कोर्ट, हैदराबाद

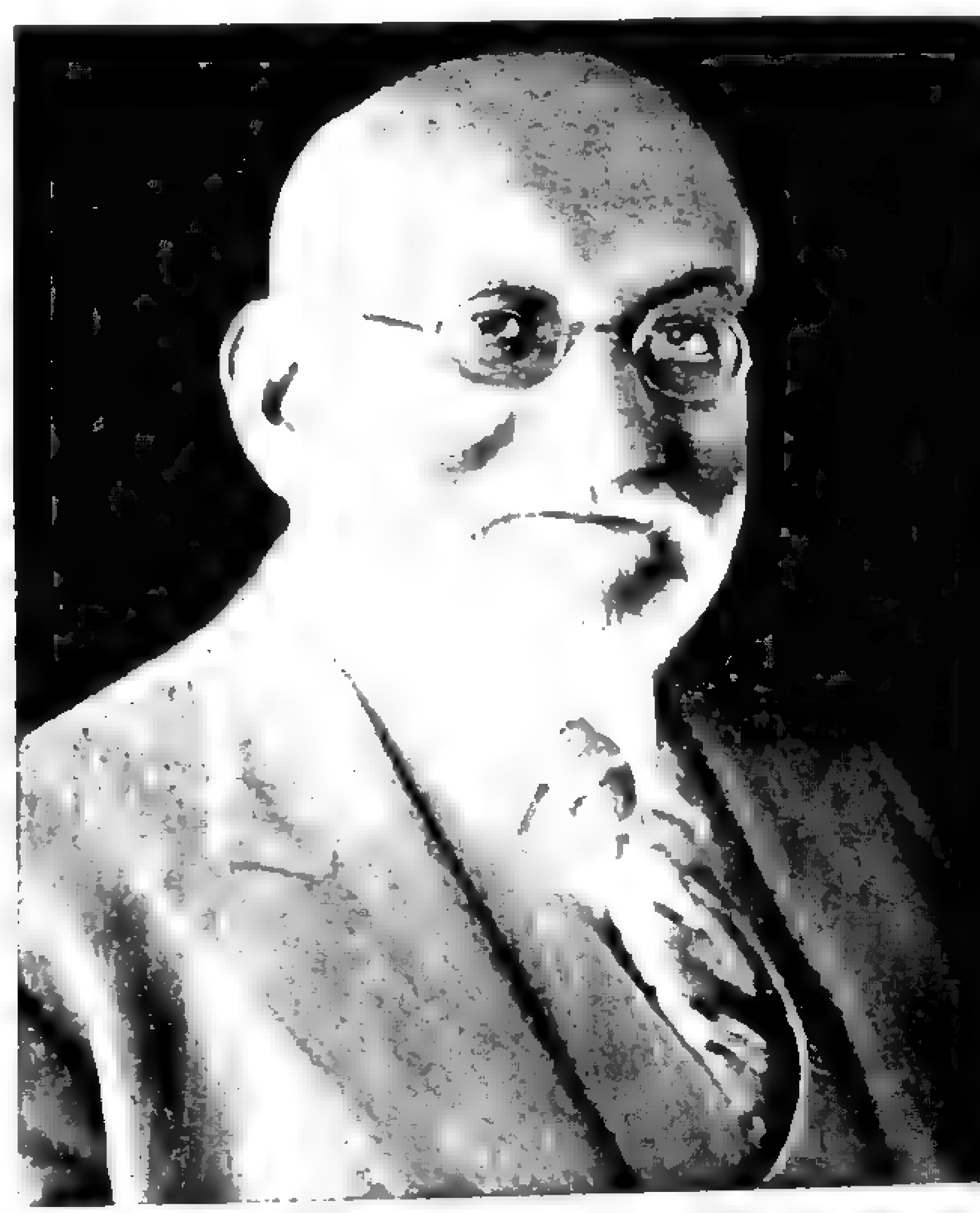
ہائی کورٹ - حیدرآباد



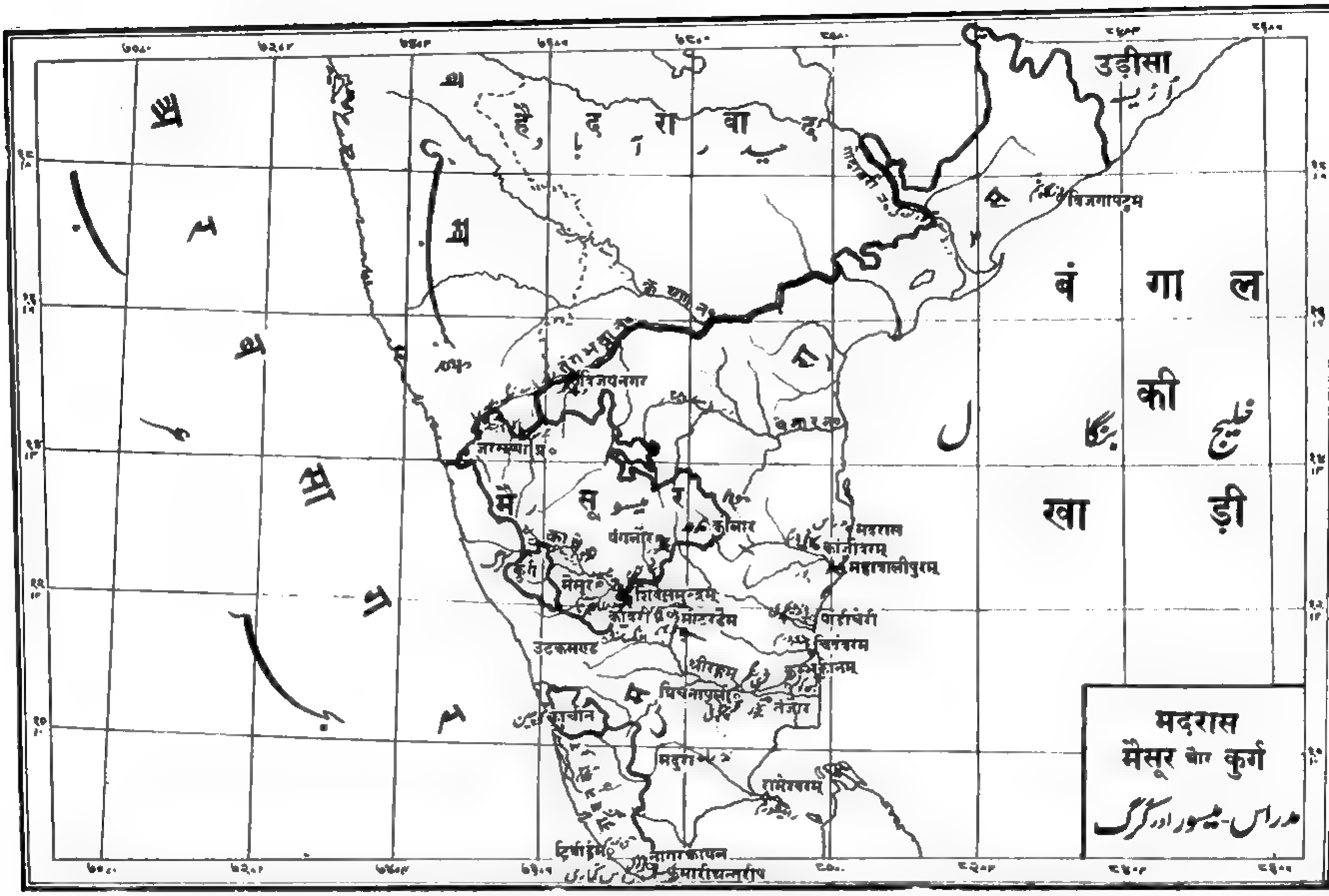
मूसा नदी का एक सुन्दर दृश्य, उसके तट पर उस्मानिया अस्पताल की इमारत है, हैदराबाद
دریائے موسیٰ کا ایک دلکش منظر - اسکے کنارے پر عثمانیہ اسپتال کی عمارت ہے - حیدرآباد



हिज़ एक्ज़ाल्टेड हाइनेस निज़ाम हैदराबाद
ہز ایکزالٹیڈ ہائنس نظام حیدرآباد



हैदराबाद के प्रधान मंत्री सर अकबर हैदरी
سر اکبر حیدری - وزیراعظم ریاست حیدرآباد



मदरास

सूबा मदरास भारतवर्ष के पूर्वी-दक्षिणी किनारे पर है। इस सूबे के अधिक भाग पर समुद्र का असर पड़ने से यहाँ का जलवायु मातदिल रहता है। तटीय मैदान नम और गर्म हैं। पठारी भाग शुष्क हैं और उँचाई के कारण ठंडे रहते हैं। इस सूबे में तालावों, कुओं और नहरों से ख़ूब सिंचाई होती है। समस्त सूबे में २८ हज़ार से अधिक तालाब और अगणित कुएँ हैं। नदियों में १४ सौ स्थानों पर बाँध बनाये गये हैं। चावल यहाँ के निवासियों का प्रधान भोजन है। कहवा, ज्वार, रागी और दालें भी ख़ूब पैदा होती हैं। मदुरा और कोयम्बटूर में तम्बाकू अच्छी होती है। नीलगिरि पहाड़ पर चाय की अच्छी पैदावार होती है। दक्षिणी भाग में मसाले की चीज़ें ख़ूब पैदा होती हैं। गोदावरी, कृष्णा और कावेरी यहाँ की मुख्य नदियाँ हैं। इसका क्षेत्रफल १,४२,२६० वर्गमील और आबादी ४,६७,४०,१०७ है। द्राविड़ यहाँ के मुख्य निवासी हैं। ४ प्रकार की द्रविड़ भाषायें यहाँ बोली जाती हैं (१)—तामिल, (२) तेलगू (३) मलायलम और (४) कन्नड़। मदरास शहर इस सूबे की राजधानी है और मदुरा, चिदंबरम्, कांजीवरम्, श्रीरंगम्, त्रिचनापली, रामेश्वरम् इत्यादि इस सूबे के मुख्य शहर हैं, जहाँ पुराने हिन्दू मन्दिरों की कारीगरी दर्शनीय है। नागार्जुनीय कोंडा की खुदाई में बौद्धधर्म की अनक पुरानी वस्तुए प्राप्त हुई हैं, जो दर्शनीय हैं। उटकमंड यहाँ का ख़ास पहाड़ी स्थान है।

मैसूर—यह एक हिन्दू-रियासत है। यह भारतवर्ष के दक्षिण में है। इसका क्षेत्रफल २९,००० वर्गमील और आबादी ६५,००,००० है। यहाँ के वनों में बढ़िया क़िस्म के सागौन और चन्दन के वृक्ष पाये जाते

हैं। उत्तरी भागों में कपास पैदा होती है। रागी, चावल, तम्बाकू और गन्ना भी पैदा होता है। पहाड़ों पर क़हवा की खेती होती है। कोलार में सोने की खानें हैं। मुख्य नगर मैसूर, बङ्गलोर और श्रीरंगपट्टम हैं।

कुर्ग—यह सूबा मैसूर के दक्षिण-पश्चिम में है। इसका क्षेत्रफल १,५९३ वर्गमील और आबादी १,६३,३३७ है।

ट्रावंकोर व कोचीन—हिन्दुस्तान के दक्षिण में ये दो हिन्दू-रियासतें हैं। यहाँ की प्रधान भाषा मलायलम है। यहाँ के प्राकृतिक दृश्य बहुत ही मनोहर हैं।

مدراس

صوبہ مدراس ھندوستان کے جنوبي مشرقی کنارے پر واقع ھے - اس صوبہ کے زیادہ تر حصے پر سمندر کا اعتدال پذیر اثر پڑتا ھے - ساحلي میدان نم اور گرم ھیں - پتھاري حصے خشك ھیں اور بلندي کی وجہ سے کچھ سرد رھتے ھیں - اس صوبے میں تالابوں' کنوؤں اور نہروں سے خوب آبپاشي ھوتي ھے- تمام صوبے میں ۲۸,۰۰۰ سے زائد تالاب اور بیشمار کنویں ھیں - دریاؤں میں ۱۴۰۰ مقامات پر باندھ بنائے گئے ھیں - چاول یہاں کے باشندوں کی خاص خوراك ھے- قہوہ' جوار' راگي اور دالیں خوب پیدا ھوتي ھیں- مدورا اور کوئمبٹور میں تمباکو اچھي پیدا ھوتي ھے - نیلگري پہاڑ پر چائے کی پیداوار اچھي ھوتي ھے - جنوبي حصے میں مسالے کي چیزیں خوب پیدا ھوتي ھیں - گوداوري' کرشنا' کاویري یہاں کے خاص دریا ھیں - اس کا رقبہ ۱,۴۲,۲۶۰ مربع میل ھے اور آبادي ۴,۶۷,۴۰,۱۰۷ ھے - دراوڑي یہاں کے خاص باشندے ھیں - چار قسم کي دراوڑي زبانیں بولي جاتي ھیں (۱) تامل (۲) تلنگي (۳) ملائلم اور (۴) کناڑي - شہر مدراس اس صوبے کي راجدھاني ھے اور مدورا' چدا مبرم' کنجیورم سري رنگم' ترچناپلي' رامیشورم وغیرہ اس صوبے کے خاص مقامات ھیں جہاں پرانے مندروں کی کاریگري قابل دید ھے - نگار جونیکونڈا کي کھدائي میں بودھ مذھب کي بہت سي پراني چیزیں دستیاب ھوئي ھیں جو قابل دید ھیں - اوٹکمنڈ یہاں کا خاص پہاڑي مقام ھے -

میسور - میسورایك ھندو ریاست ھے یہ ھندوستان کے جنوب میں واقع ھے- اسکا رقبہ ۲۹۰۰۰ مربع میل اور آبادي ۶۵,۰۰,۰۰۰ ھے یہاں کے جنگلوں میں عمدہ قسم کے ساگون اور صندل کے درخت پائے جاتے ھیں - شمالي حصوں میں کپاس پیدا ھوتا ھے - راگی' چاول' تمباکو اور گنا بھي پیدا ھوتا ھے - پہاڑوں پر قہوہ کی کاشت ھوتی ھے - کولار میں سونے کي کانیں ھیں - خاص شہر میسور' بنگلور اور سري رنگاپٹم ھیں -

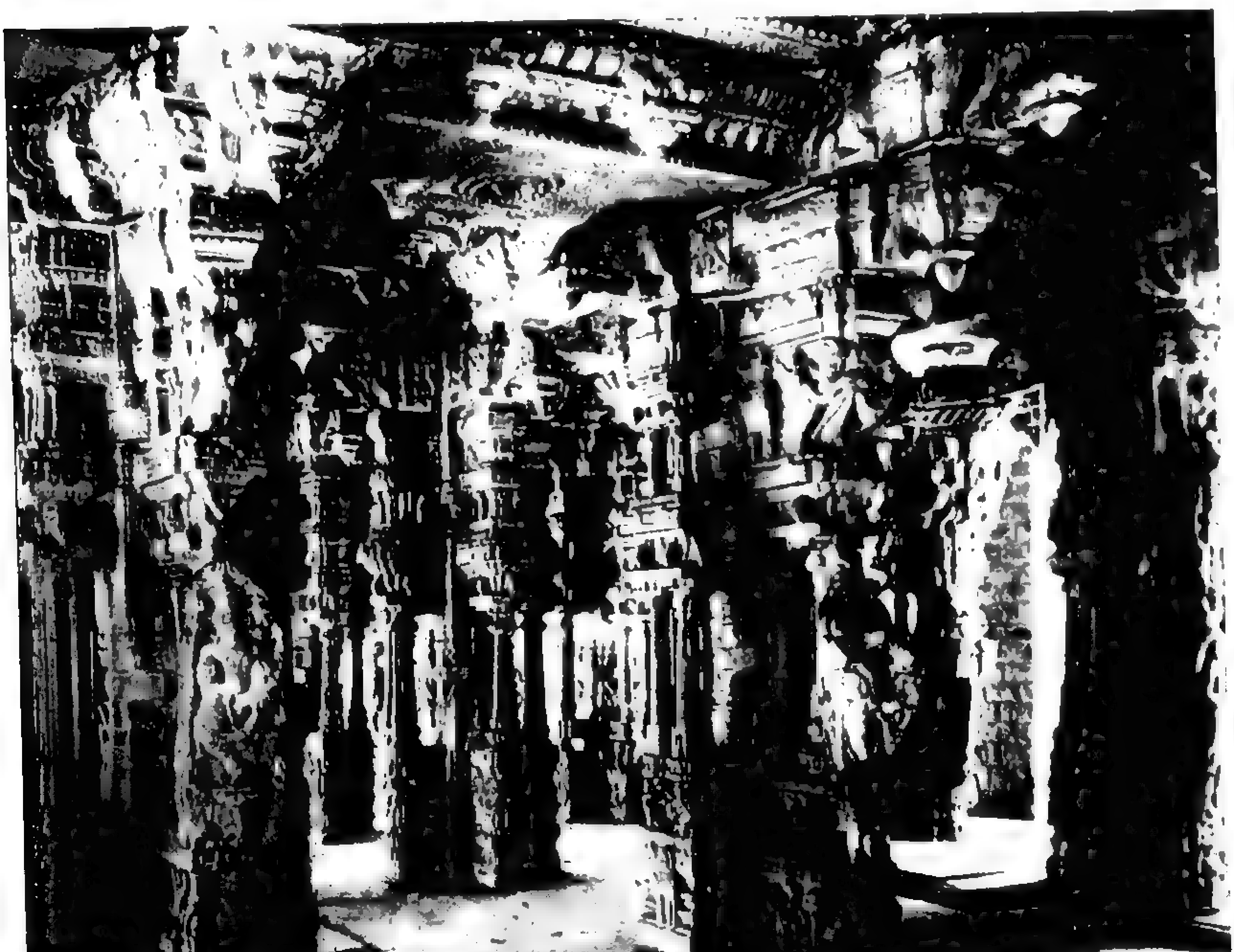
کرگ - یہ صوبہ میسور کے جنوب مغرب میں واقع ھے - اس کا رقبہ ۱۵۹۳ مربع میل ھے اور آبادي ۱,۶۳,۳۳۷ ھے -

تراونکور اور کوچین — ھندوستان کے جنوب میں یہ دو ھندو ریاستیں ھیں - یہاں کي خاص زبان ملائلم ھے - یہاں کے قدرتي مناظر بہت ھي دلکش ھیں -



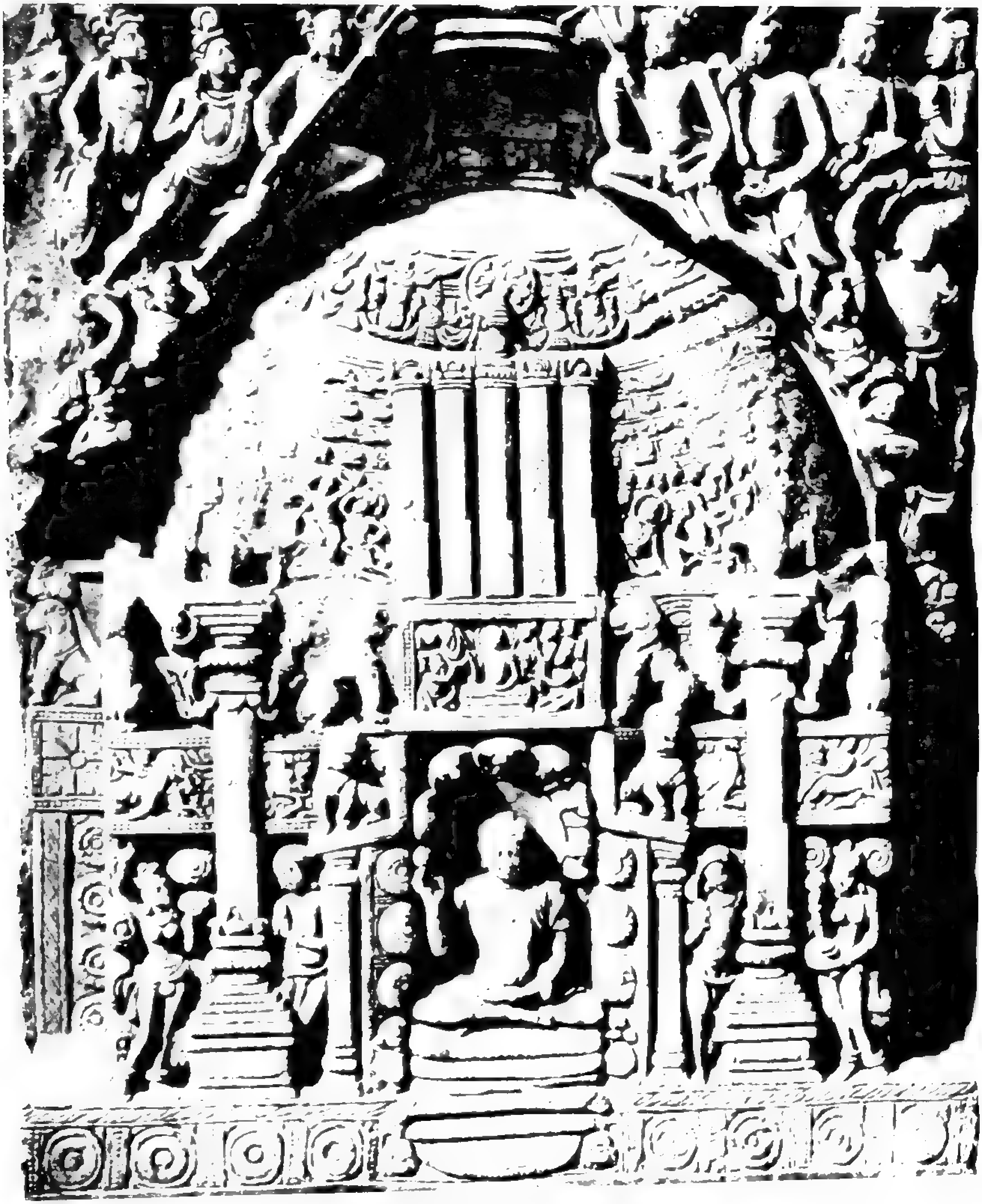
अच्युतराय-मन्दिर, विजयनगर

اچھوت رائے کا مندر - وجے نگر



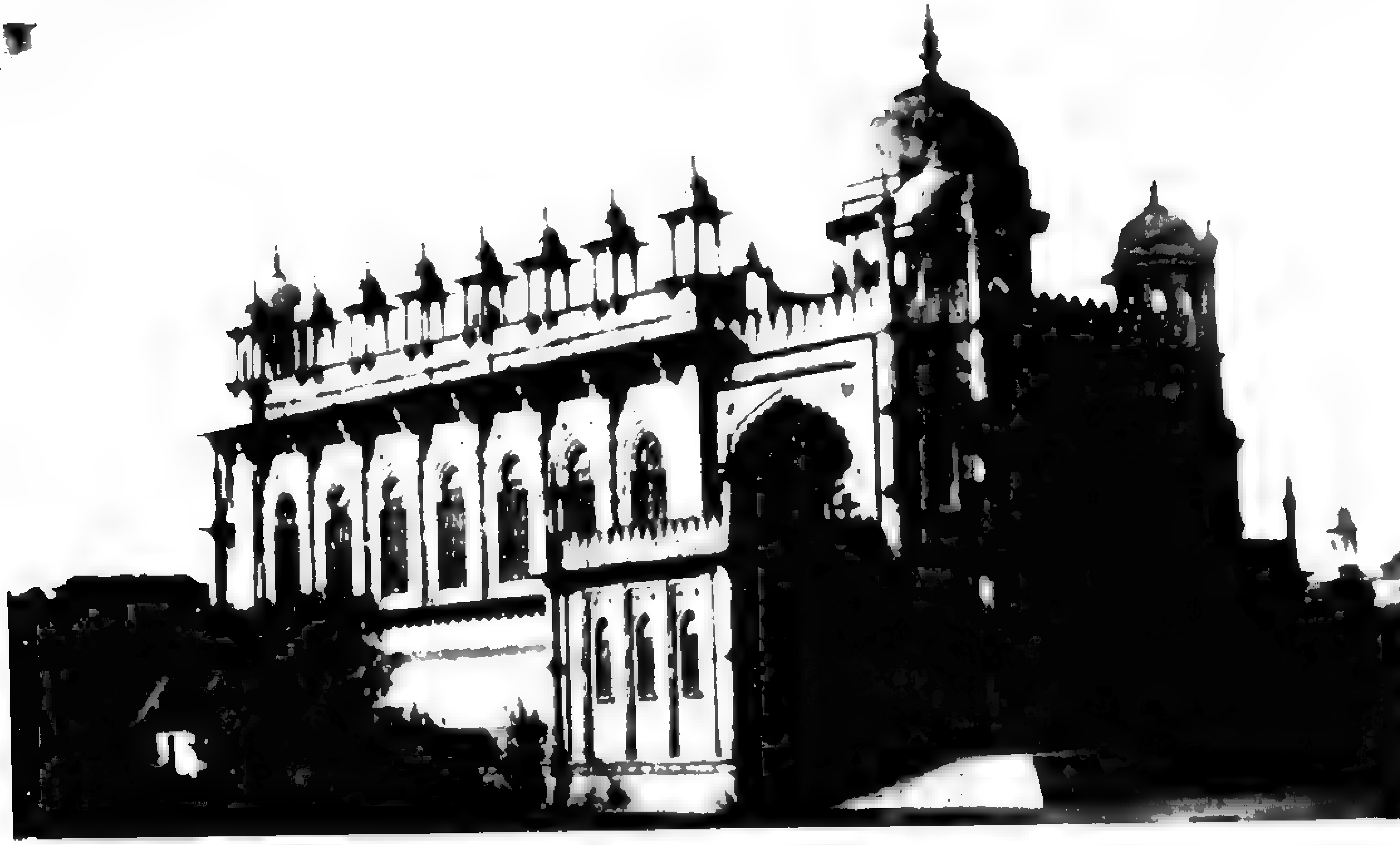
विट्ठोवा-मन्दिर की सुन्दर कारीगरी, विजयनगर

وتّھوبا کے مندر کي خوبصورت کاریگري - وجے نگر



नागार्जुनीकोंडा की खोदाई में प्राप्त एक बौद्ध-स्तूप

نگر جونیکونڈا سے بر آمد ایک بودھ مذہب کا استوپ



विक्टोरिया टेक्निकल इन्स्टिट्यूट, मदरास
وکٹوریہ ٹیکنیکل انسٹیٹیوٹ - مدراس



हाई-कोर्ट, मदरास
هائي كورٹ - مدراس



कंजीवरम् के प्रसिद्ध मन्दिर का गोपुर
کنجیورم کے مشہور مندر کا گوپُر



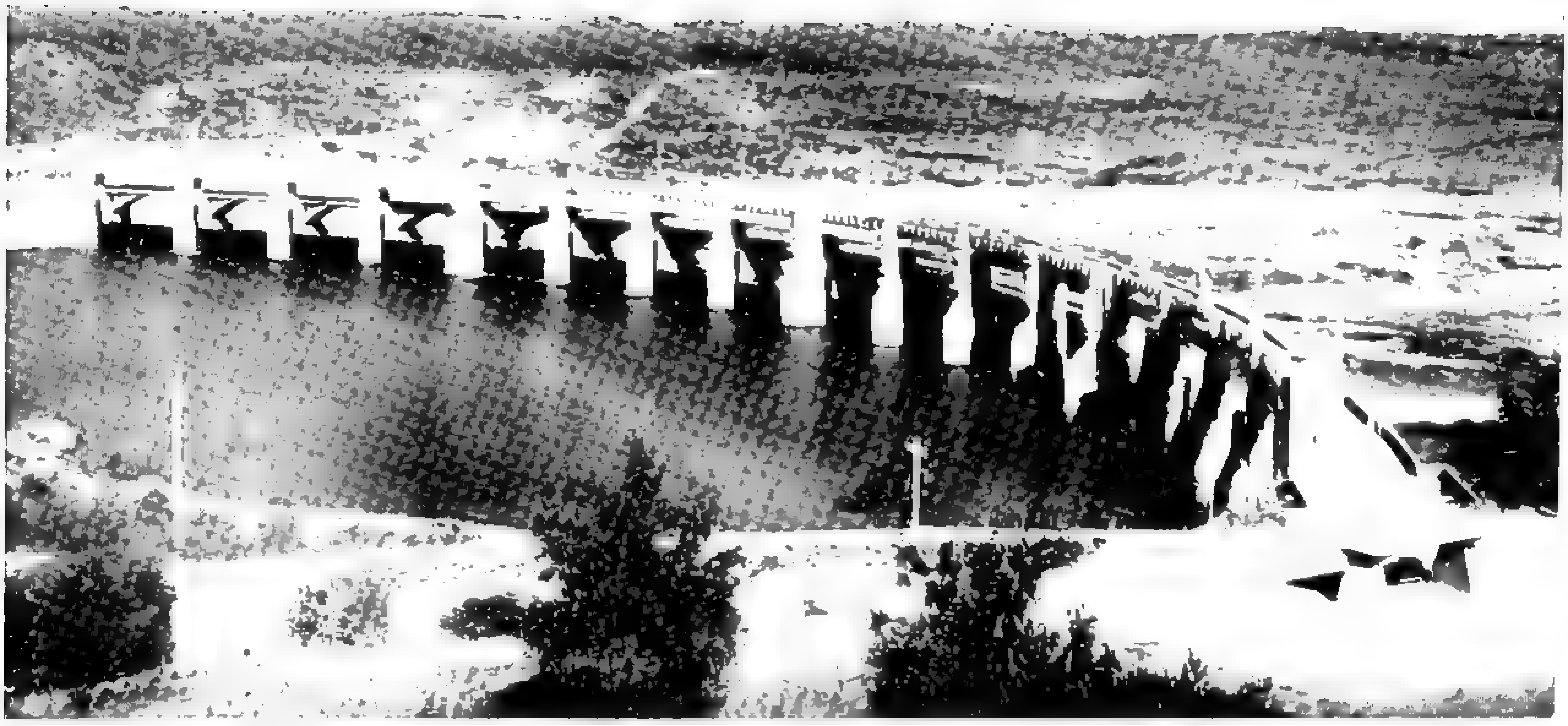


ऊपर—महाबलीपुर के प्रसिद्ध हिन्दू-मन्दिर

اوپر – مہابلی پور کے مشہور ہندو مندر

नीचे—शिवजी के मन्दिर और उसके तालाब का दृश्य, चिदम्बरम्

نیچے – شو جی کا مندر اور اس کے تالاب کا نظارہ چدمبرم





ऊपर—मीटर-बाँध का एक दृश्य

اوپر - میٹر کے باندھ کا ایک نظارہ

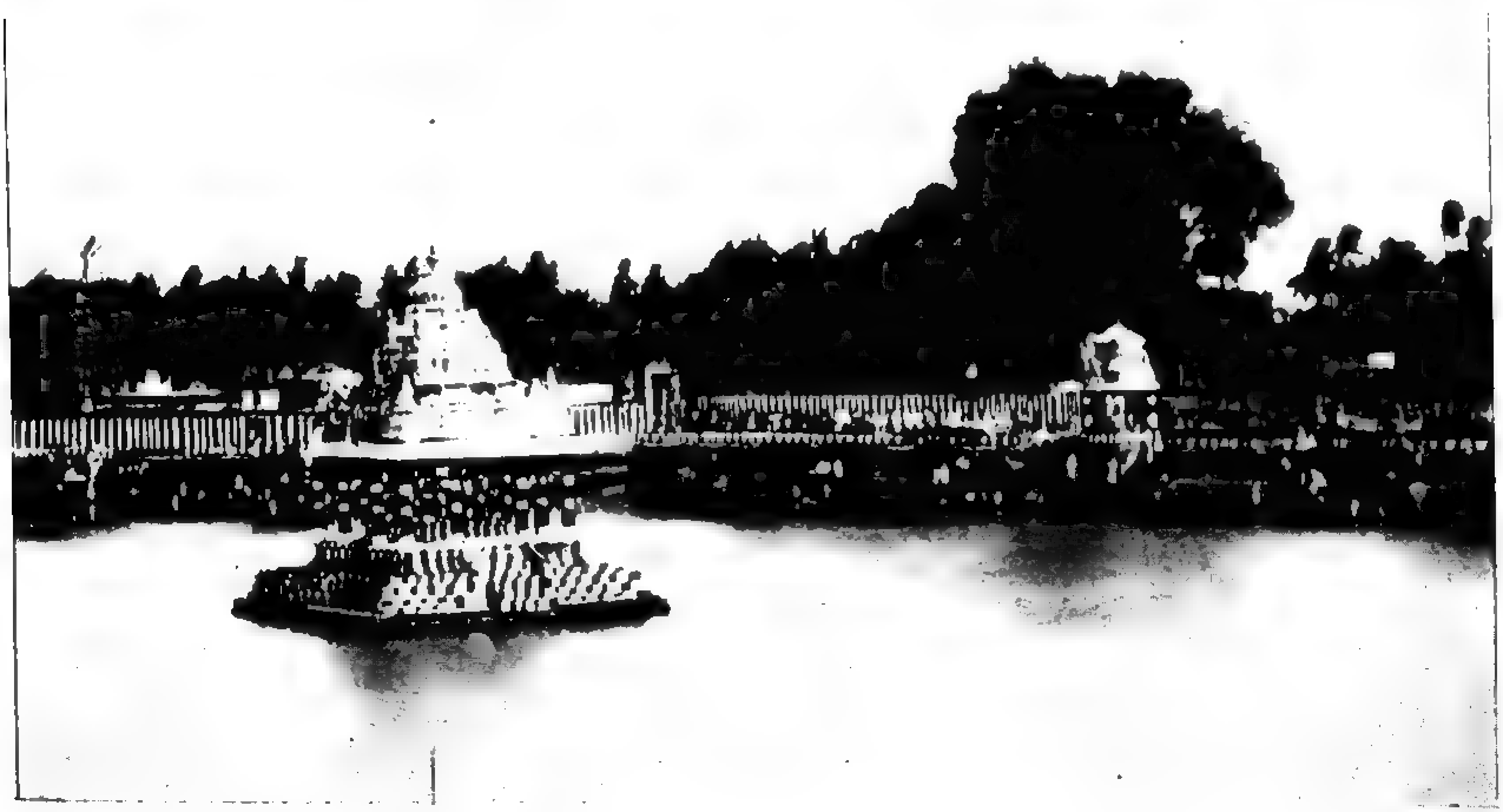
नीचे—कावेरी-प्रपात का एक सुन्दर दृश्य

نیچے - کاویری کے آبشار کا ایک دلکش منظر



पहाड़ी के मन्दिर से त्रिचनापली क एका दृश्य

پہاڑ کے مندر سے ترچناپلی کا ایک نظارہ



थप्पम तालाब, श्रीरंगम

تھپّم تالاب – سري رنگم



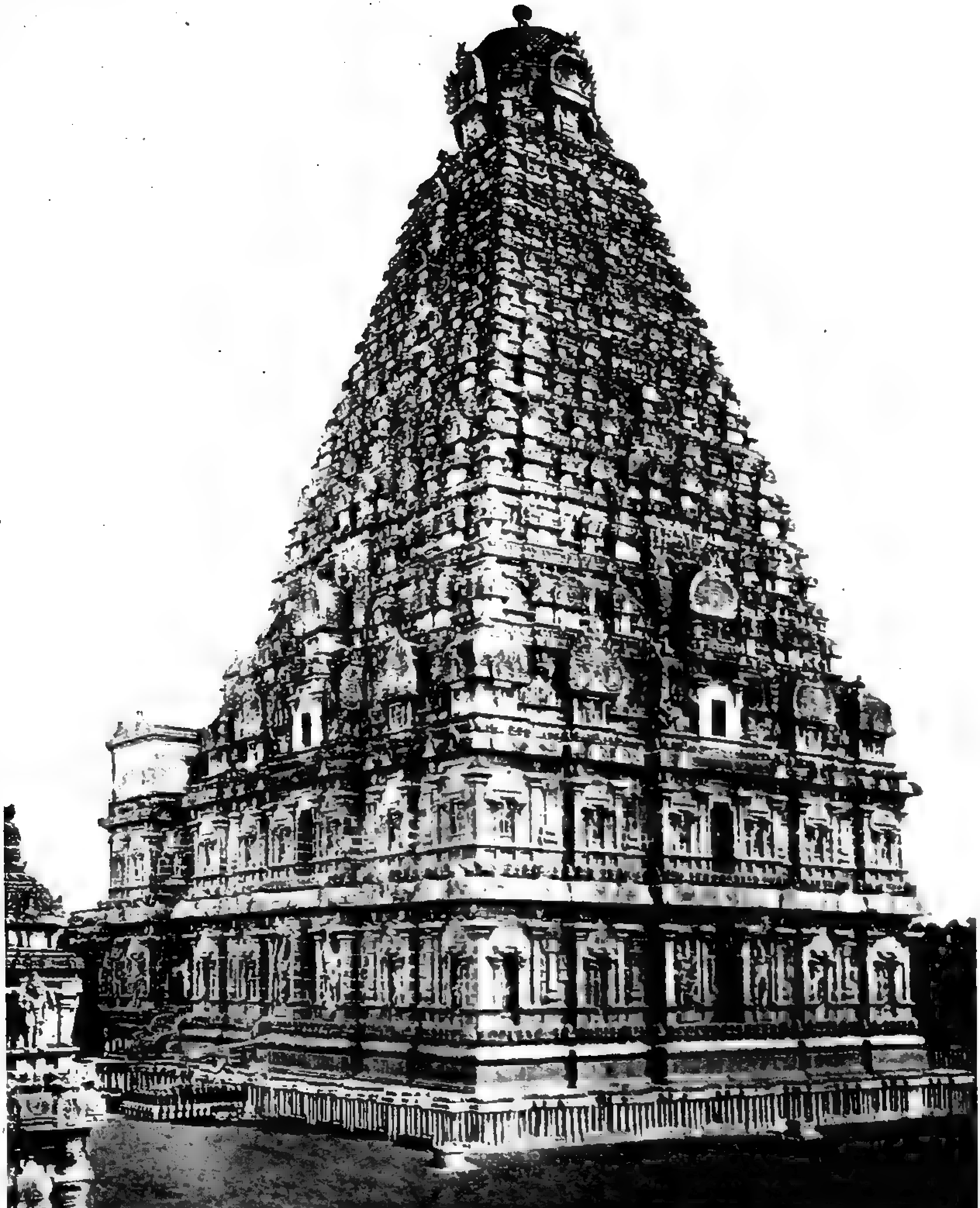
मद्रासी पुजारियों का एक समूह, श्रीरंगम्

مدراسي پجاريوں کا ایک گروہ - سري رنگم



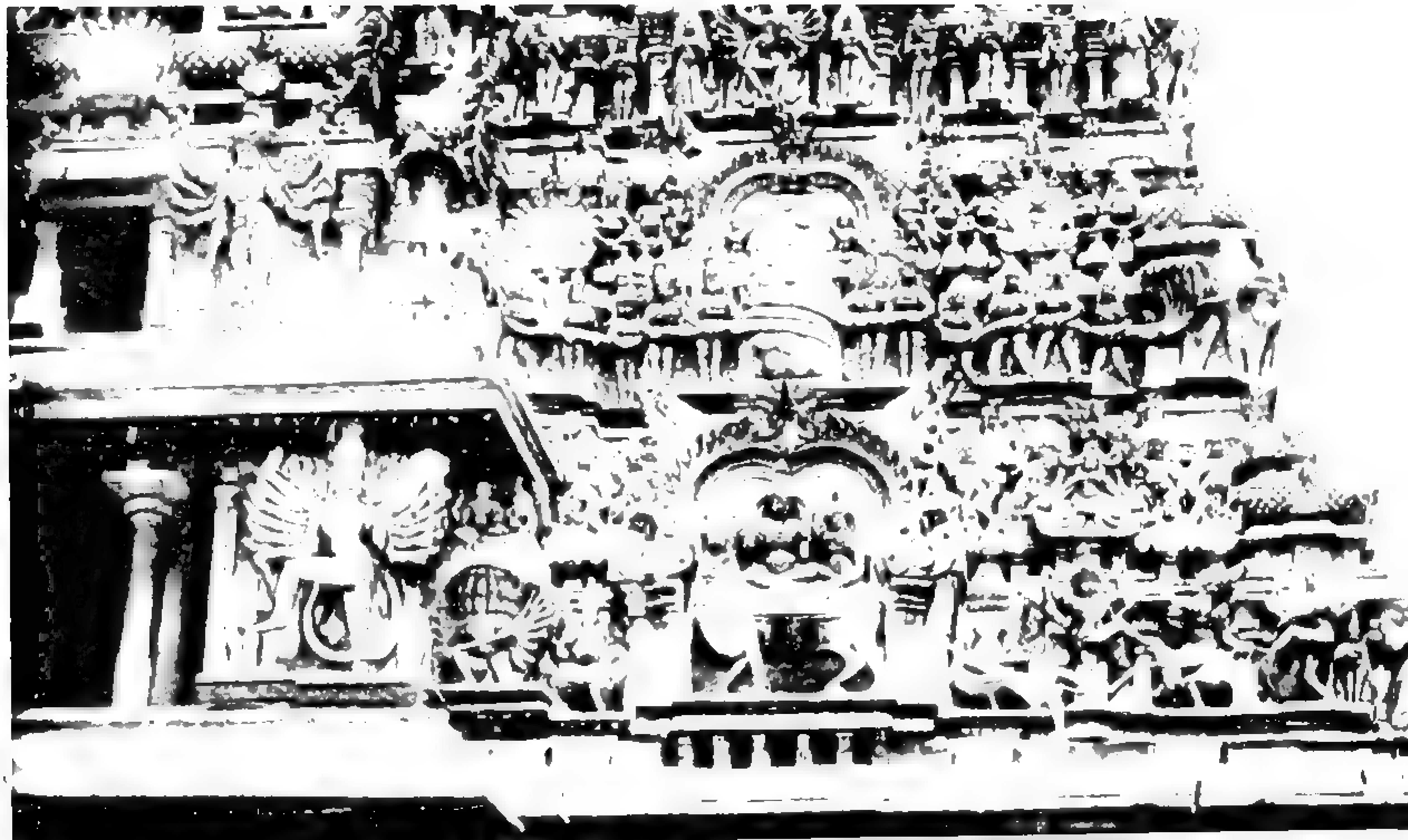
उटकमंड नगर का एक दृश्य

شہر اوتکمنڈ کا ایک نظارہ



तंजोर का प्रसिद्ध मन्दिर

تنجور کا مشہور مندر





ऊपर—मदुरा के बड़े मन्दिर की सुन्दर कारीगरी

اوپر - مدورا کے بڑے مندر کی خوبصورت کاریگری

नीचे—हजार खम्भों-वाले मन्दिर का भीतरी भाग और सुब्रह्मण्य की मूर्ति, मदुरा

نیچے - ہزار ستونوں والے مندر کا اندرونی حصہ اور سبرا منیہ کی مورتی



रामेश्वरम् के मन्दिर का गोपुर

رامیشورم کے مندر کا گوپر



रामेश्वरम् के मन्दिर के खम्भोंवाले हाल की सुन्दर कारीगरी

رامیشورم کے مندر کے کھمبوں والے ہال کي خوبصورت کاریگري



एक मदरासी कुम्हार और कुम्हारिन
ایک مدراسی کمہار اور کمہارن





आनरेबुल श्री राजगोपालाचारी
آنریبل سري راجه گوپالا چاریه

दि राइट आनरेबुल श्री श्रीनिवास शास्त्री
دي رائٹ آنریبل سري سري نواس شاستري





ऊपर—मदरासी मछुए

أوپر - مدراسي مچھوئے

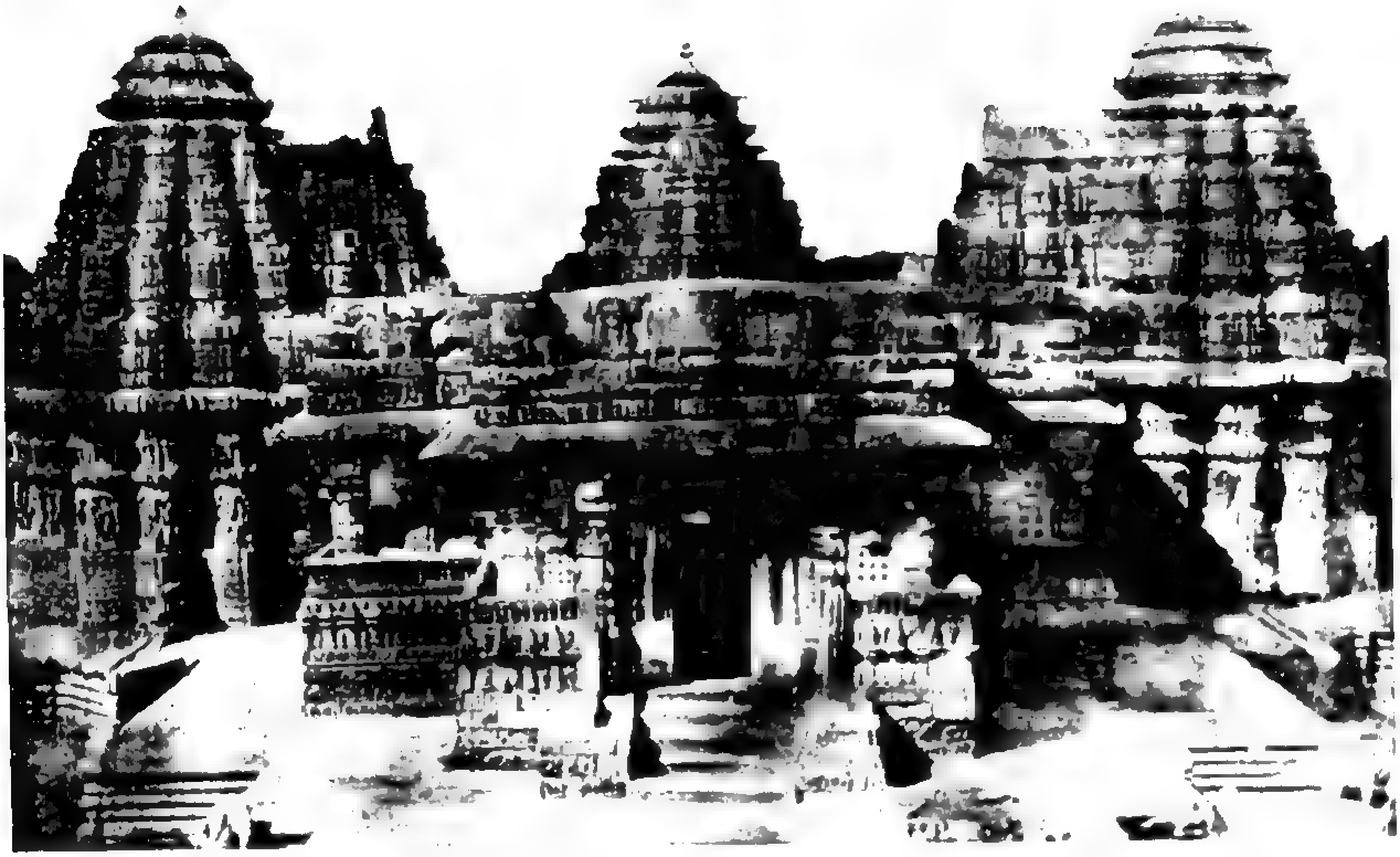
नीचे—समुद्री जीवन का एक दृश्य

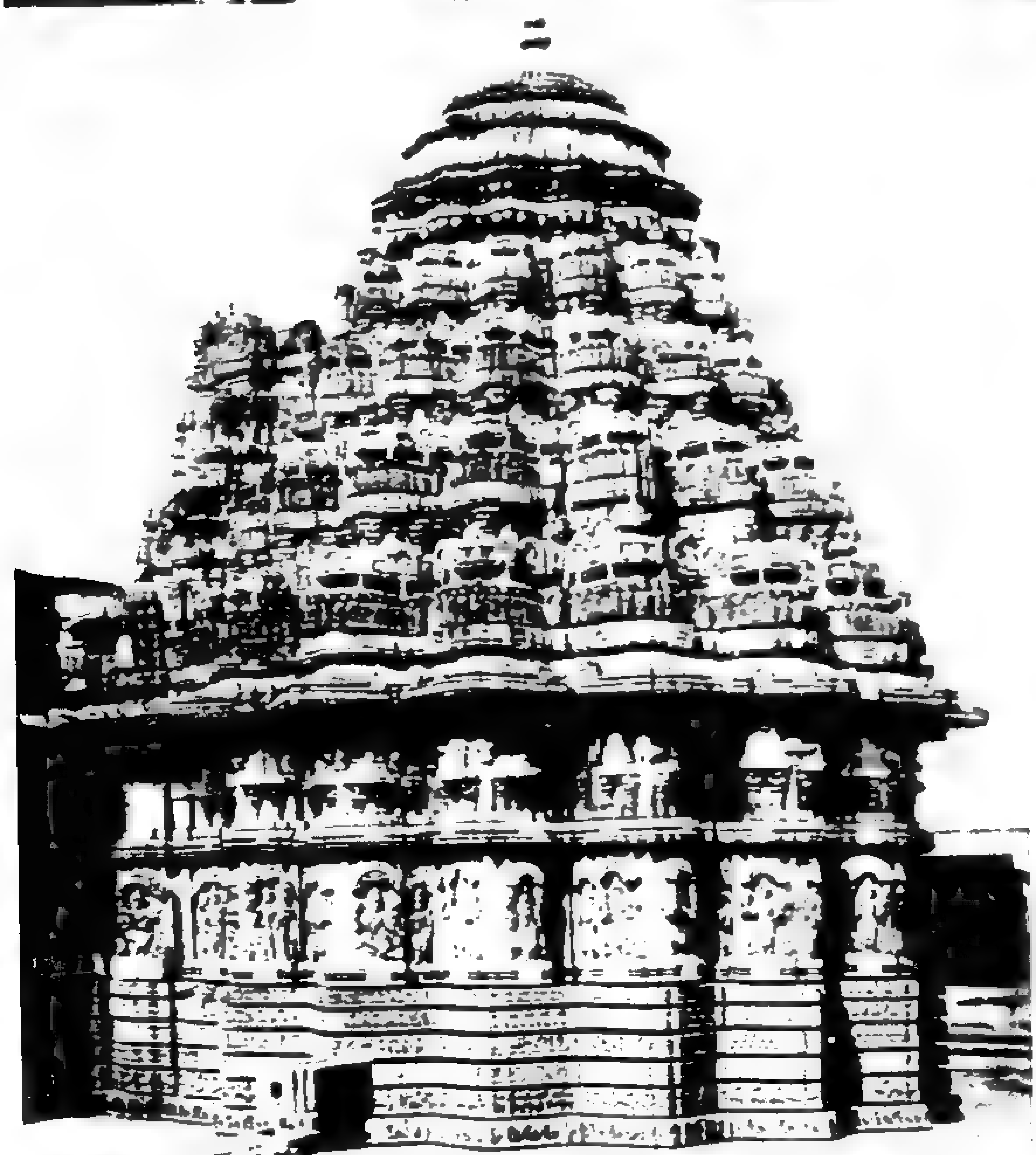
نیچے - بحري زندگي كا ايك نظاره



नबाग, मैसूर

نشاط باغ – میسور



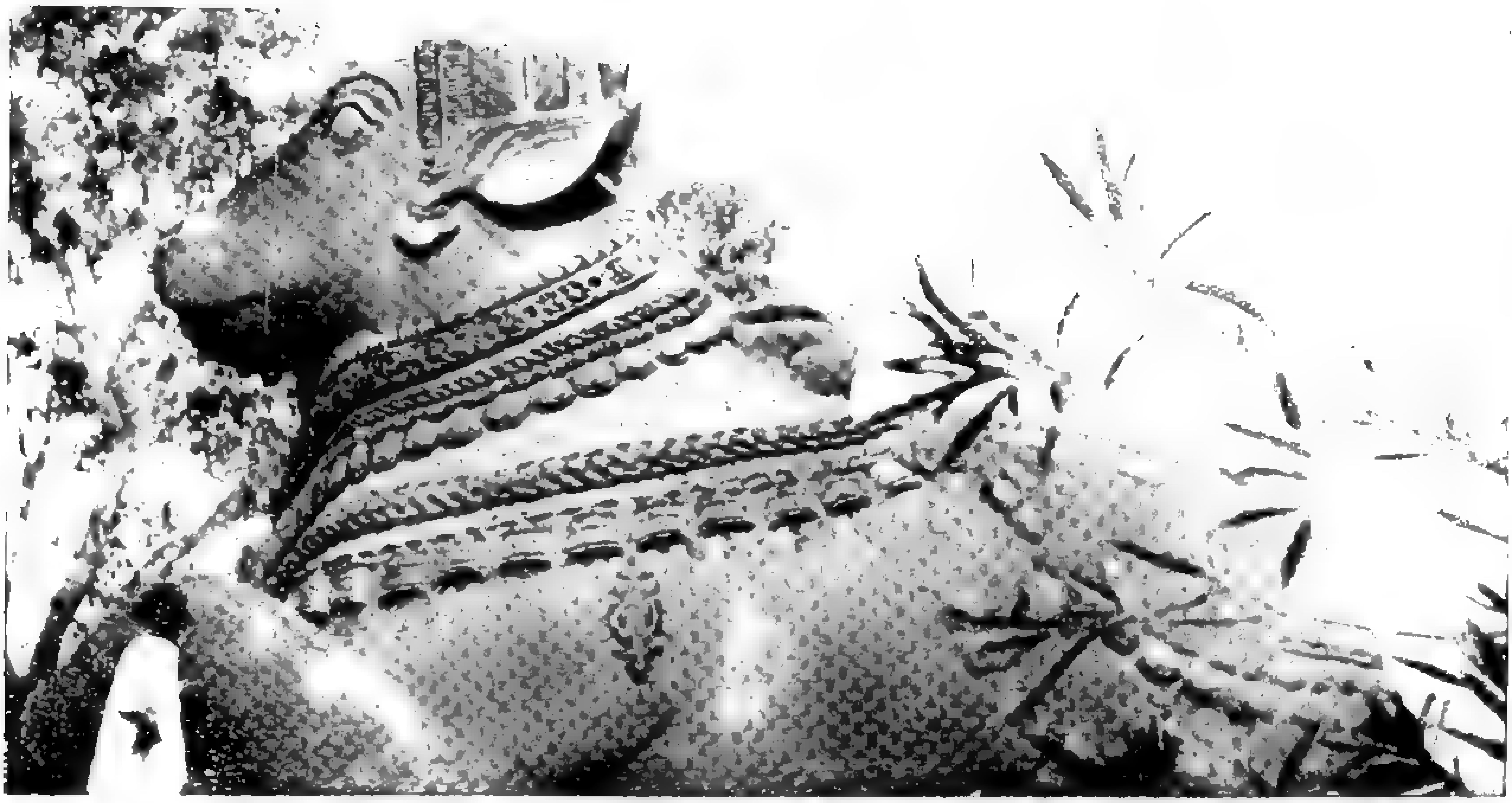


ऊपर—केशवमन्दिर के सामने का दृश्य, सोमनाथपुर

اوپر - کیشو مندر کے سامنے کا نظارہ - سومناتھ پور

नीचे—केशवमन्दिर के एक भाग का दृश्य, सोमनाथपुर

نیچے - کیشو مندر کے ایک حصے کا نظارہ - سومناتھ پور



चामुण्डी पहाड़ी पर नन्दी की मूर्ति, मैसूर

چامنڈی پہاڑی پر نندی کی مورتی - میسور



गेरस्पा-प्रपात, मैसूर

گرسپا کا جھرنا - میسور

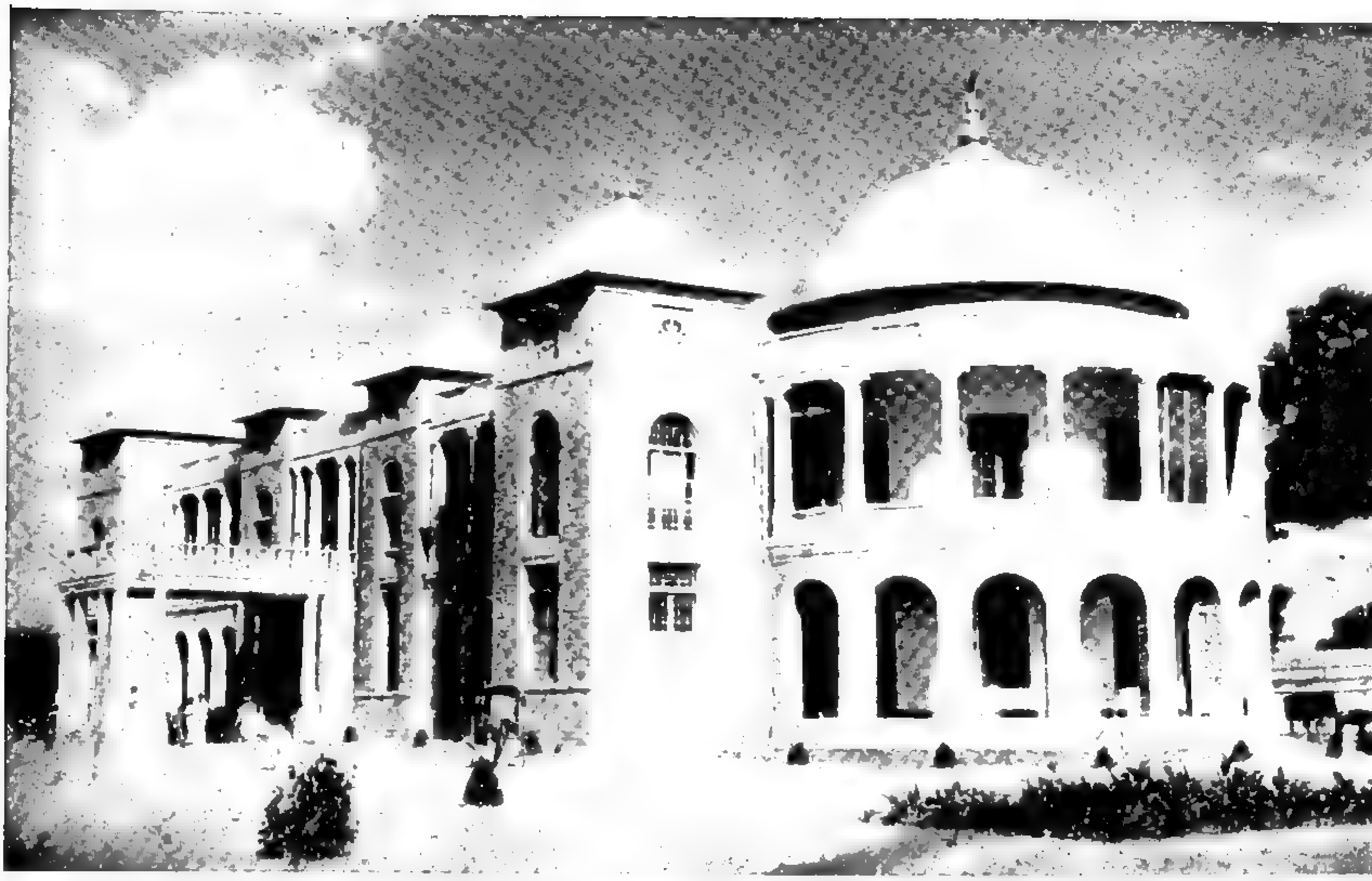


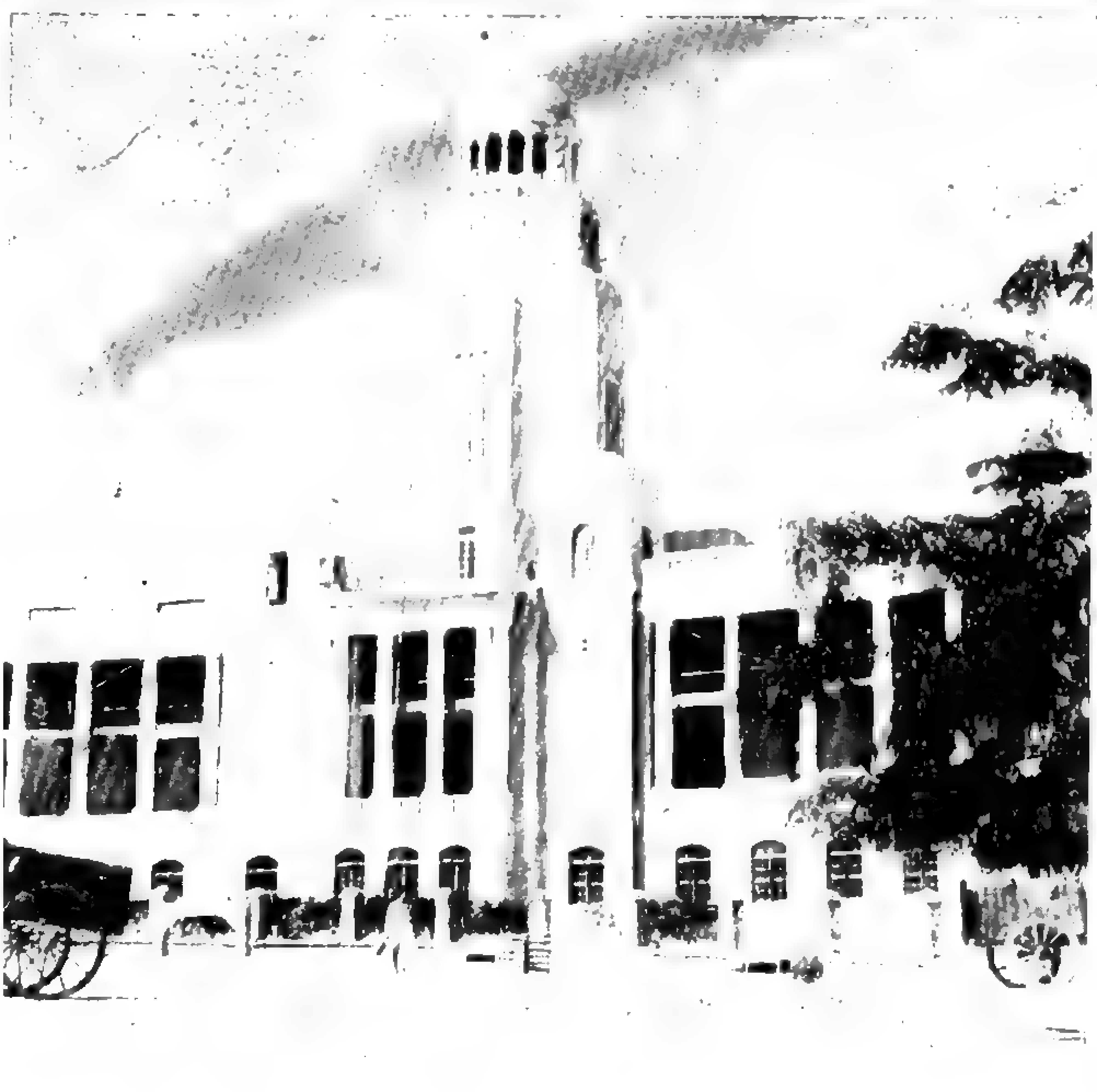
शिवसमुद्रम-प्रपात, मैसूर

شوسمدرم کا جھرنا - میسور



मैसूर के दशहरे के जुलूस का एक दृश्य
میسور میں دسہرے کے جلوس کا ایک نظارہ



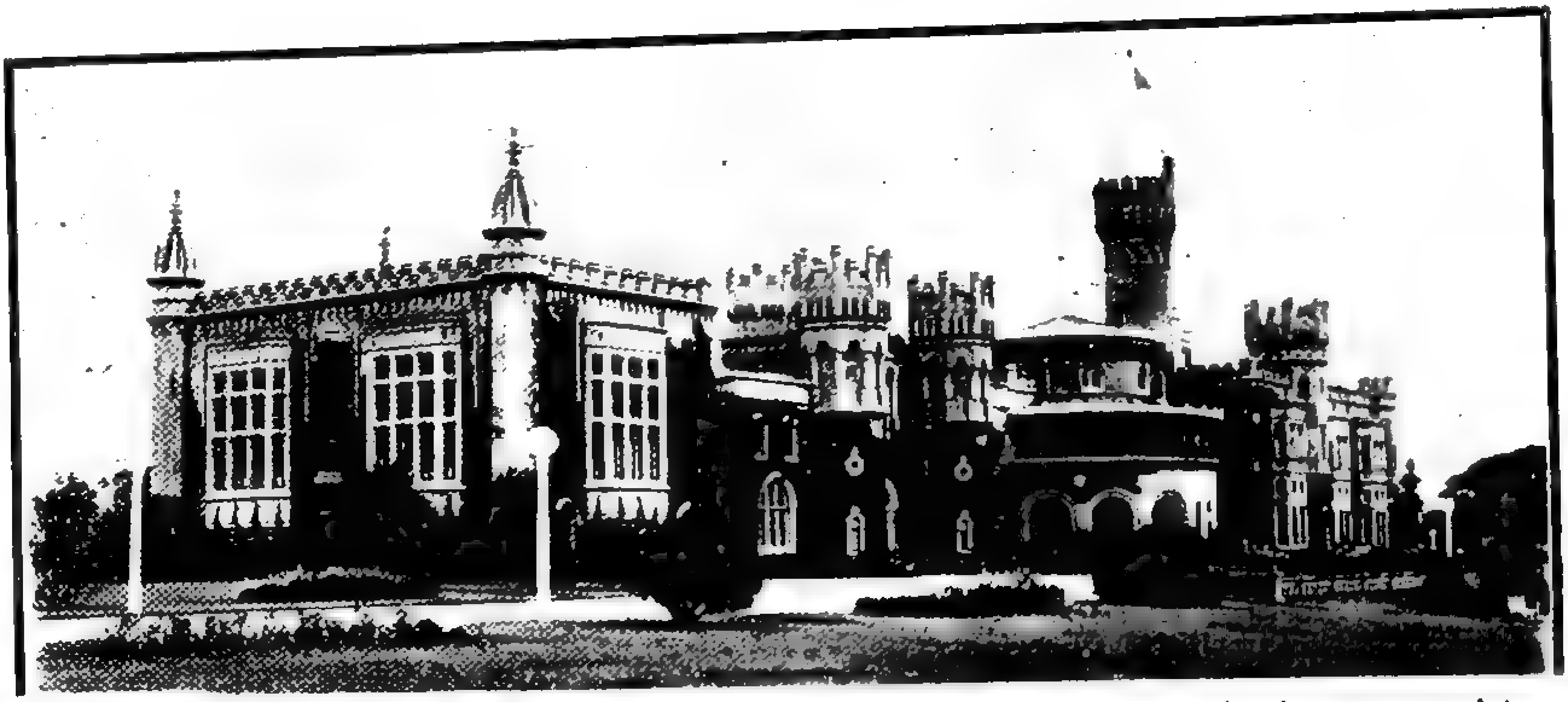


ऊपर—टेक्नालोजिकल इन्स्टिट्यूट, बंगलोर

اوپر - ٹیکنالاجکل انسٹیٹیوٹ - بنگلور

नीचे—म्यूनिसिपल आफ़िस, बंगलोर

نیچے - میونسپلٹی کا دفتر - بنگلور



महाराजा मैसूर का राजमहल, बंगलोर

مہاراجہ میسور کا راج محل - بنگلور



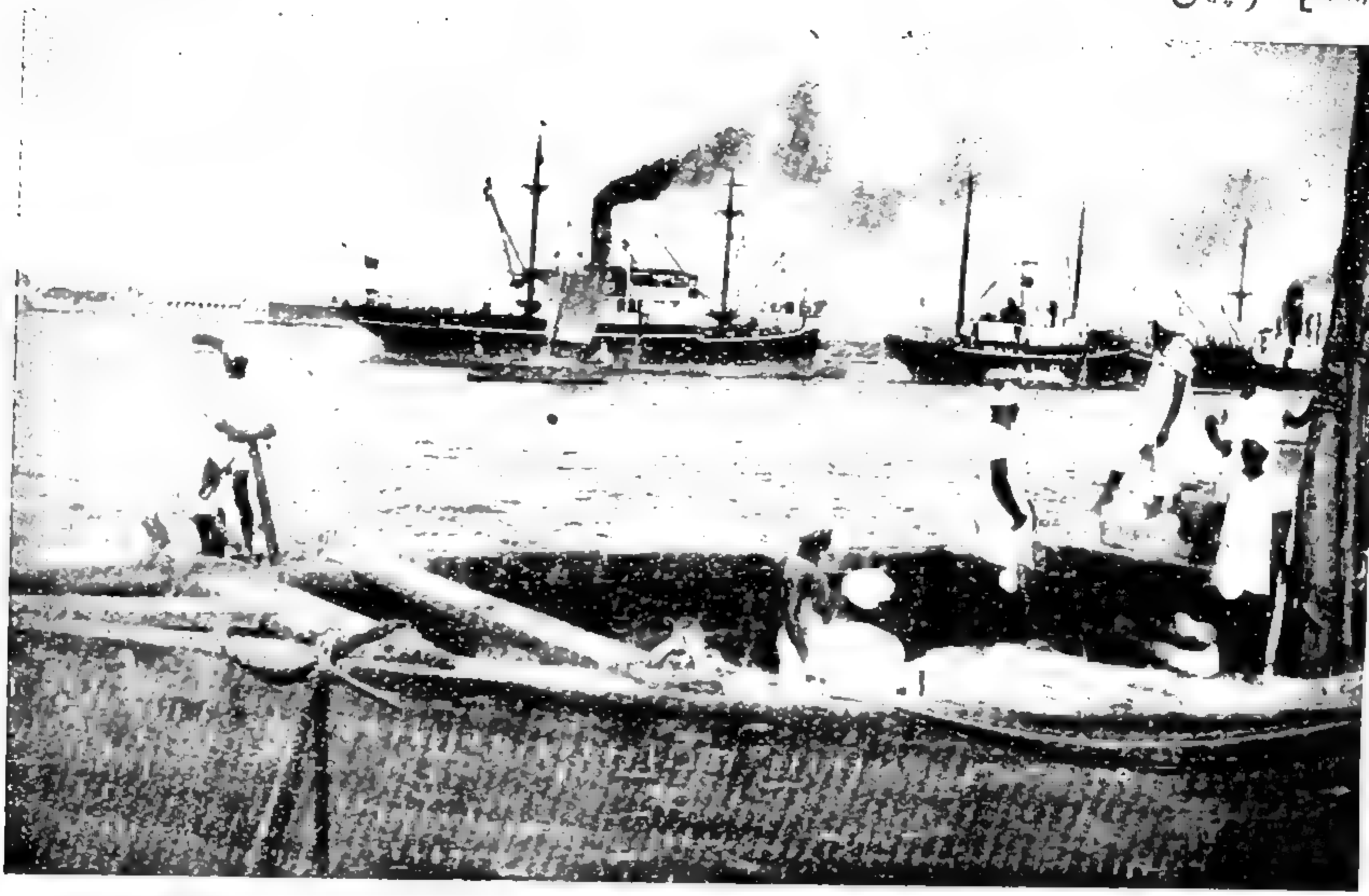
हिज़ हाइनेस महाराजा मैसूर

ہز ہائنیس مہاراجہ میسور



रजतजयंती-घंटाघर, मैसूर

سلور جُبلی کلاک ٹاور (گھنٹہ گھر) - میسور



कोचीन का बन्दरगाह

کوچین کا بندرگاہ



कोचीन की एक बन्द खाड़ी का दृश्य

کوچین کی ایک ''بند کھاڑی'' کا نظارہ



हिज़ हाइनेस महाराजा कोचीन

ہز ہائنیس مہاراجہ کوچین



हिज़ हाइनेस महाराजा ट्रावन्कोर

ہز ہائنیس مہاراجہ ٹراونکور



ट्रावन्कोर की एक नहर का दृश्य

ٹراونکور کی ایک نہر کا نظارہ



कुमारी अन्तरीप के समीप की एक बस्ती

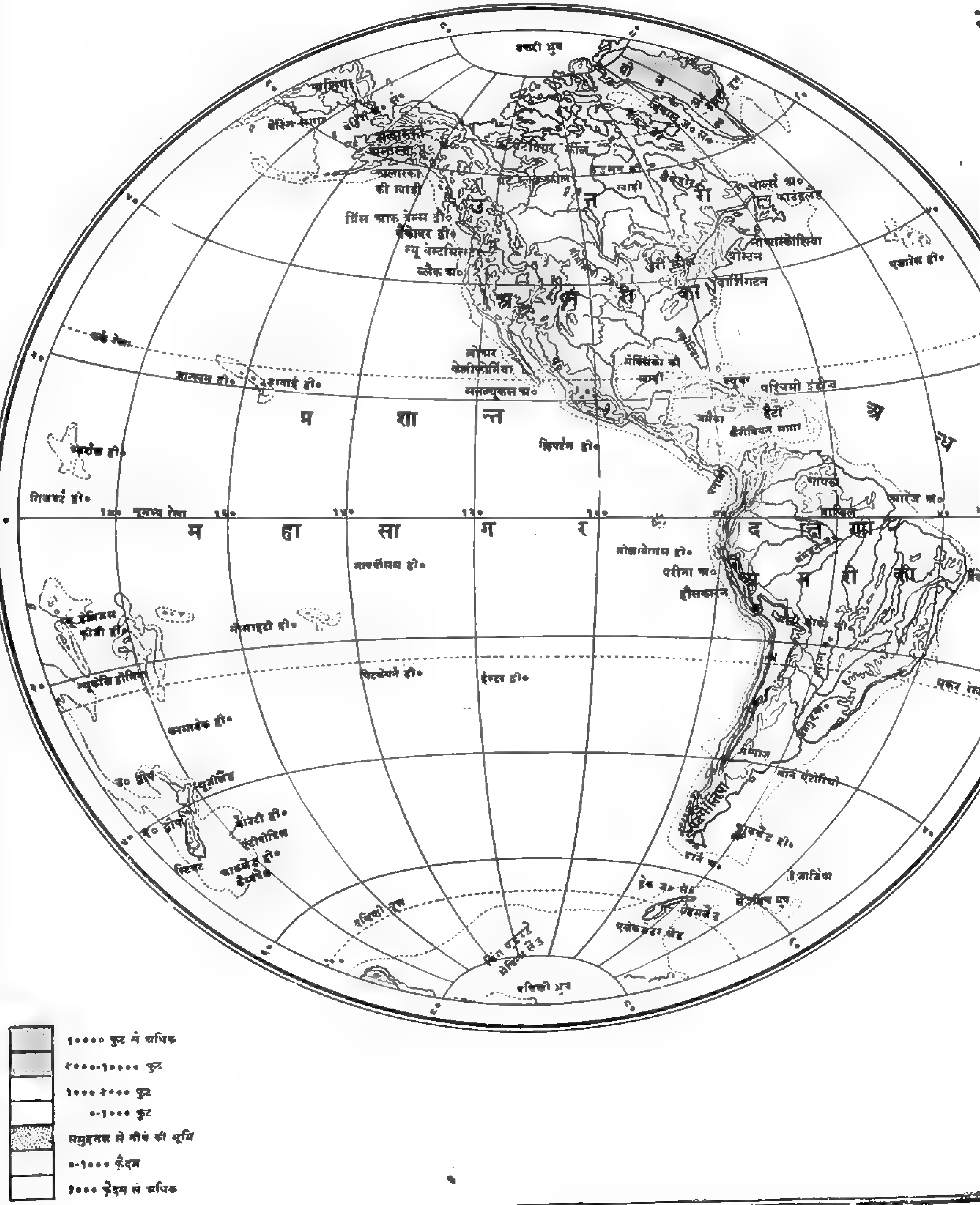
راس کماري کے قرب و جوار کي ایک بستي

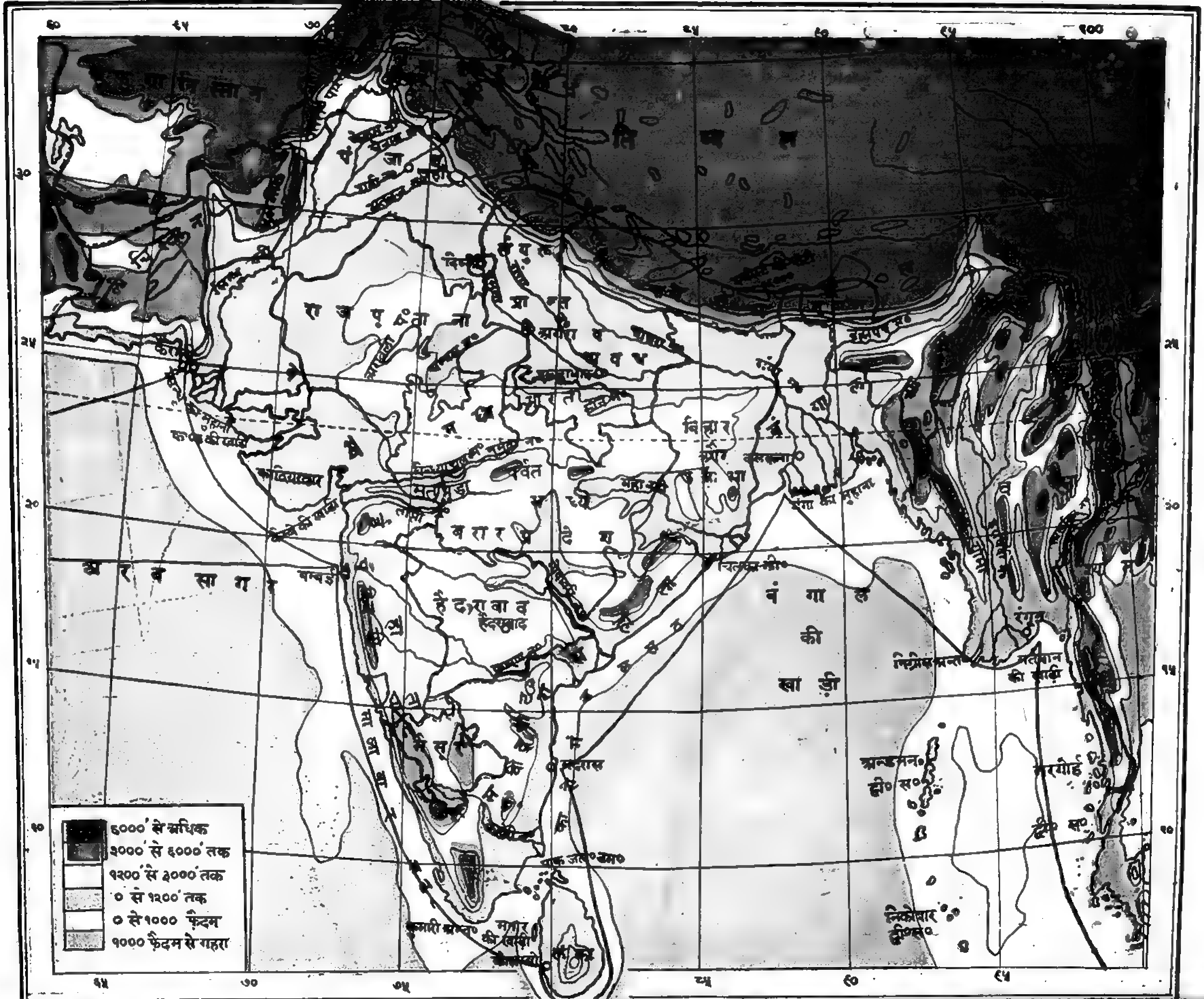


कुमारी अन्तरीप का एक सुन्दर दृश्य

راس کماري کا ایک خوبصورت نظارہ

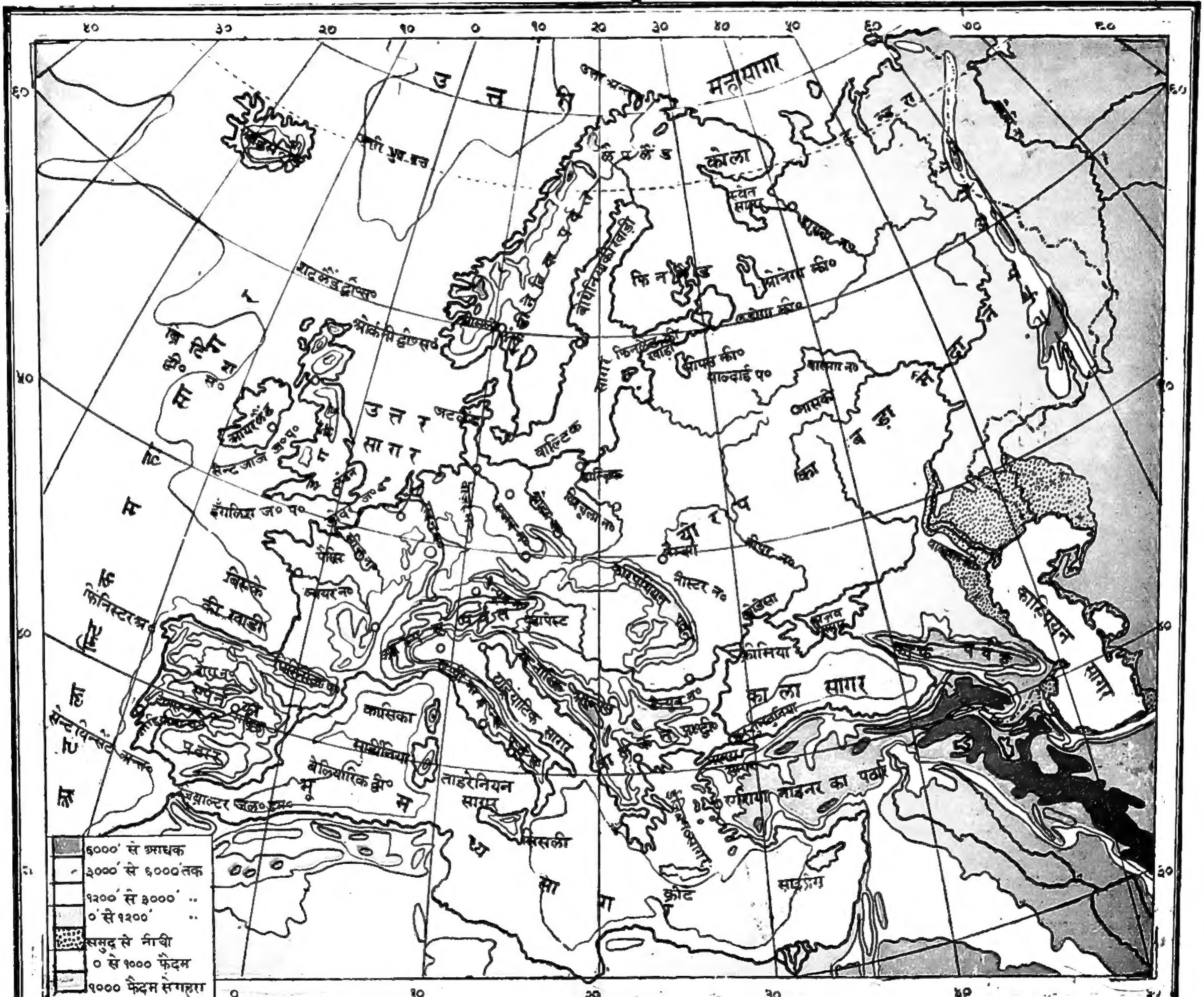
पश्चिमी गोलार्द्ध


उत्तरी ध्रुव
अलास्का की खाड़ी
प्रिंस आफ वेल्स द्वी०
वैंकोवर द्वी०
ब्लैंक अ०
लोअर कैलीफोर्निया
मैक्सिको की खाड़ी
हवाई द्वी०
नोवास्कोशिया
बोस्टन
वाशिंगटन
एजोर्स द्वी०
पश्चिमी द्वीप
हैटी
कैरीबियन सागर
प्र शा न्त
म हा सा ग र
भूमध्य रेखा
गैलापेगास द्वी०
परीना अ०
पिटकेर्न द्वी०
ईस्टर द्वी०
मकर रेखा
हार्न अ०
दक्षिणी वृत्त
दक्षिणी ध्रुव
१०००० फुट से अधिक
५०००-१०००० फुट
१०००-५००० फुट
०-१००० फुट
समुद्रतल से नीचे की भूमि
०-१००० फैदम
१००० फैदम से अधिक



६००० से अधिक
२००० से ६००० तक
१२०० से २००० तक
० से १२०० तक
० से १००० फ़ैदम
१००० फ़ैदम से गहरा
अ र ब सा ग र
बं गा ल
की
खा ड़ी
हैदराबाद
बरार
बम्बई
बिहार
कलकत्ता
रंगून
मद्रास
अन्डमन
निकोबार





६०००' से अधिक
२०००' से ६०००' तक
१२००' से ३०००' "
०' से १२००' "
समुद्र से नीची
० से १००० फैदम
१००० फैदम से गहरा
उत्तरी महासागर
कोला
श्वेत सागर
फिनलैंड
बाल्टिक
उत्तर सागर
बिस्के की खाड़ी
कार्सिका
सार्डीनिया
बेलियारिक द्वी०
टाइरेनियन सागर
सिसली
क्रीट
काला सागर
क्रीमिया
कास्पियन सागर

یوروپ - طبعی



بحر منجمد شمالی
بحر اوقیانوس
بحیرهٔ شمالی
جزائر برطانیه
فن لینڈ
بحیرهٔ اسود
کوه قاف
کارسیکا
سارڈینیا
افریقه
بحر
۶۰۰۰ فیٹ سے زیادہ
سمندر کی سطح